विदेह VIDEHA

# विदेह-सदेह १–३७ विस्तृत अध्ययन

Videha Sadeha 1–37 Detailed Study

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड १ / २२ · Volume 1 of 22

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

# विषय-सूची / Contents

१. विदेह-सदेह १ — विस्तृत अध्ययन २५०० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

# अध्याय १ : विदेह-सदेह १ — विस्तृत अध्ययन

## खण्ड २५५ : विदेह-सदेह १ — संपादकीय: इंटरनेट, ई-पत्रिका आ साहित्यिक आन्दोलन

**१. विदेह-सदेह १ केर संपादकीयमे “विदेह” के कोन रूपमे प्रस्तुत कएल गेल अछि?**

(A) मैथिली साहित्यक नवीन आन्दोलनक आरम्भ

(B) केवल निजी डायरी

(C) केवल विज्ञापन-पत्र

(D) केवल चित्र-संग्रह

**२. संपादकीय अनुसार मैथिलीमे इंटरनेट उपस्थिति केर प्रारम्भिक अनुभव कोन समस्यासँ जुड़ल छल?**

(A) फ्री साइटसभ किछु दिनमे अपने डिलीट भऽ जाइत छल

(B) कागज महँग छल

(C) लेखक उपलब्ध नहि छल

(D) नाटक निषिद्ध छल

**३. “भालसरिक गाछ” केर उल्लेख संपादकीयमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) मैथिली इंटरनेट उपस्थिति केर आरम्भिक स्थायी पड़ाव रूपमे

(B) मात्र वनस्पति-विज्ञान लेल

(C) केवल बालकथा लेल

(D) पुरस्कार-विवरण लेल

**४. “लेखक आ पाठक एके छथि” वाला कुप्रचार तोड़बाक अर्थ की अछि?**

(A) मैथिलीमे अलग, सक्रिय पाठक-वर्गक अस्तित्व देखाबय

(B) पाठक सभ समाप्त करब

(C) लेखकक नाम हटाबय

(D) रचना केवल गुप्त राखब

**५. विदेहक उद्देश्य मात्र साहित्य छापब नहि, आर की छल?**

(A) कला, संगीत, पाबनि, मिथिलाक खोज आ सामाजिक प्रश्नपर सारगर्भित मनन

(B) केवल चित्र-प्रदर्शनी

(C) केवल खेल-समाचार

(D) केवल फाइल-सूची

**६. ई-पत्रिका माध्यम चुनबाक एक प्रमुख कारण की बताओल गेल?**

(A) वितरण समस्या आ भौगोलिक दूरीक अन्त

(B) मुद्रित पाठककेँ रोकब

(C) भाषा बदलि देब

(D) साहित्य कम करब

**७. पुरान अंक PDF रूपमे देबाक विचारक सामाजिक उपयोगिता की अछि?**

(A) कम इंटरनेट गति/महँग इंटरनेट वाले पाठक फाइल डाउनलोड कऽ रखि सकथि

(B) पाठकक पहुँच रोकब

(C) केवल लेखकक सुविधा

(D) संगीत हटायब

**८. “विदेह भाषापाक रचनालेखन स्तंभ” मे कोन डिजिटल साधनक उल्लेख अछि?**

(A) MS-SQL आधारित सच◌ेर्बल मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी-मैथिली ऑनलाइन डिक्शनरी

(B) केवल कागजी शब्दकोश

(C) केवल नाटक मंच

(D) केवल रेडियो स्टेशन

**९. संपादकीयमे संस्कृत आ इंग्लिश कॉलम देबाक कारण की कहल गेल?**

(A) मैथिलक लेल मैथिली शिक्षा संस्कृत शिक्षाक संग आरम्भ कएल गेल

(B) मैथिली हटाबय लेल

(C) केवल विदेशी पाठक लेल

(D) बाल-साहित्य रोकबय लेल

**१०. एहि संपादकीयक केन्द्र-बोध की अछि?**

(A) डिजिटल तकनीक मैथिली साहित्यिक आन्दोलनक साधन बनि सकैत अछि

(B) इंटरनेट साहित्यक शत्रु अछि

(C) ई-पत्रिका असंभव अछि

(D) पाठकक कोनो भूमिका नहि

## खण्ड २५६ : विदेह-सदेह १ — संपादकीय: प्रमिला झा नाट्यवृत्ति आ स्त्री रंगकर्म

**११. रंगकर्मी प्रमिला झा नाट्यवृत्ति कोन स्मृति सँ जुड़ल अछि?**

(A) प्रथम महिला बाल नाट्य निर्देशक प्रमिला झाक स्मृति सँ

(B) केवल खेल-कूद पुरस्कार सँ

(C) कृषि मेला सँ

(D) शब्दकोश प्रकाशन सँ

**१२. एहि नाट्यवृत्तिक संचालनक भार किनका देल गेल?**

(A) मैलोरंग कैँ

(B) किसी बैंक कैँ

(C) स्कूल परीक्षा बोर्ड कैँ

(D) केवल छापाखाना कैँ

**१३. प्रमिला झा नाट्यवृत्तिक मूल सामाजिक उद्देश्य की अछि?**

(A) मैथिली रंगमंचमे महिला रंगकर्मीकैँ प्रोत्साहन आ सामाजिक सम्मान

(B) महिला भागीदारी रोकब

(C) रंगमंच बन्द करब

(D) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

**१४. वर्ष 2008 लेल नाम-सिफारिशक प्रक्रिया कोना वर्णित अछि?**

(A) भारत-नेपालक समूचा मिथिलामे चालीस गणमान्य रंगकर्मी/संस्कृतिकर्मी सँ अनुशंसा माँगल गेल

(B) एक व्यक्ति गुप्त रूपेँ चुनलक

(C) कोनो अनुशंसा नहि भेल

(D) केवल विज्ञापनसँ निर्णय भेल

**१५. विजया लक्ष्मी शिवानीक रंगकर्मक विशेषता कोन रूपमे उभरैत अछि?**

(A) मैथिली नाटकमे सक्रिय अभिनय आ समकालीन विषयक आग्रह

(B) रंगमंचसँ दूरी

(C) केवल गायन

(D) केवल चित्रकला

**१६. शिवानीक कथन अनुसार मैथिली नाटकमे एखन कोन कमी अछि?**

(A) समकालीन समस्या पर्याप्त रूपेँ नहि आबि रहल अछि

(B) अभिनेता बेसी अछि

(C) मंच बहुत पैघ अछि

(D) भाषा अनुपस्थित अछि

**१७. नेहा वर्माक परिचयमे कोन बात प्रमुख अछि?**

(A) बाल्यकालसँ रंगमंचसँ जुड़ल रहब आ अनेक संस्था संग काज

(B) रंगमंचसँ पूर्ण असंबंध

(C) केवल गणित-अध्ययन

(D) केवल प्रशासनिक सेवा

**१८. नेहा वर्माक प्रिय नाटककार/निर्देशक रूपमे किनकर उल्लेख अछि?**

(A) महेन्द्र मलंगिया

(B) गंगेश गुंजन

(C) रहमान राही

(D) भिखारी ठाकुर

**१९. मधुमिता श्रीवास्तवक परिचयमे रंगमंचक संग कोन अन्य लोक-अभिनय रूपक उल्लेख अछि?**

(A) झिझिया, झड़नी, जट-जटिन, डोम कछ सन लोकनृत्य

(B) केवल क्रिकेट

(C) केवल शतरंज

(D) केवल ईमेल लेखन

**२०. नाट्यवृत्ति खण्डक समग्र महत्व की अछि?**

(A) मैथिली रंगमंचमे स्त्री भागीदारीकेँ दस्तावेज, सम्मान आ प्रोत्साहन देब

(B) रंगकर्मक इतिहास हटाबय

(C) स्त्री कलाकारक नाम दबाबय

(D) केवल औपचारिक सूचना देब

## खण्ड २५७ : विदेह-सदेह १ — प्रारम्भिक संपादकीय-स्मृति: स्तम्भ, पाठक आ बहुविधा विस्तार

**२१. 01.01.2008 केर संपादकीय-स्मृतिमे कोन अपूर्णता स्वीकारल गेल?**

(A) मिथिला पेंटिंग आ संस्कृत शिक्षासँ सम्बन्धित सामग्री समयाभावक कारण नहि देल जा सकल

(B) कोनो पाठक नहि छल

(C) पत्रिका आरम्भ नहि भेल

(D) भाषा उपलब्ध नहि छल

**२२. 15.01.2008 केर स्मृतिमे दोसर अंकमे कोन-कोन स्तम्भ जोड़बाक बात अछि?**

(A) मिथिला पेंटिंग, छन्द/संस्कृत-मैथिली ज्ञान, संस्कृत शिक्षा, बालानाम् कृते

(B) केवल खेल स्तम्भ

(C) केवल विज्ञापन

(D) केवल विदेश समाचार

**२३. पंजी-प्रबंध जोड़बाक निर्णय कोन सांस्कृतिक दिशा देखबैत अछि?**

(A) मिथिलाक वंशावली/सामाजिक अभिलेख पर डिजिटल-साहित्यिक ध्यान

(B) केवल हास्य-स्तम्भ

(C) भोजन-विधि

(D) युद्ध-इतिहास

**२४. Computers/software/restoring old photographs आदि पर सामग्री शुरू करब कोन संकेत दैत अछि?**

(A) पुरान सांस्कृतिक धरोहरकेँ नयी तकनीकसँ जोड़बाक सोच

(B) तकनीकसँ दूरी

(C) साहित्यक निषेध

(D) फोटो हटाबयक योजना

**२५. पाठकक ईमेल-सुझावक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) विदेहक रूपरेखा पाठक-सहभागिता सँ विकसित भेल

(B) पाठकक भूमिका शून्य छल

(C) संपादक सुनैत नहि छल

(D) सुझाव अस्वीकार भेल

**२६. रचना भेजबाक लेल .doc, .txt, .pdf स्वीकारब कोन खुलापन देखबैत अछि?**

(A) विभिन्न डिजिटल प्रारूपमे पाठक-लेखक सहभागिता

(B) केवल हस्तलिखित प्रति

(C) केवल छापा किताब

(D) केवल फोटो

**२७. मीराम्बिका/मदर इंटरनेशनलमे संस्कृत संभाषण-नोटक उल्लेख कोन उपयोगिता रखैत अछि?**

(A) व्यावहारिक शिक्षण-सामग्रीकेँ पत्रिका-स्तम्भमे बदलनाइ

(B) व्यक्तिगत स्मृति मात्र

(C) साहित्य विरोध

(D) भाषा-त्याग

**२८. बालानाम् कृते स्तम्भक आरम्भक अर्थ की अछि?**

(A) बाल पाठक आ बाल-संस्कृति केँ पत्रिका-मंच पर स्थान देब

(B) बाल-साहित्य हटाबय

(C) केवल वयस्क आलोचना

(D) केवल समाचार

**२९. संगीत-शिक्षा आरम्भ करबाक घोषणा कोन बहुविधा दृष्टि बनबैत अछि?**

(A) साहित्य संग संगीत-संस्कृति केँ समान महत्व देब

(B) संगीत निषिद्ध करब

(C) केवल शब्दकोश

(D) केवल इतिहास

**३०. एहि स्मृति-खण्डक मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) विदेह आरम्भ सँ पाठक-सहभागी, बहुविधा, डिजिटल आ सांस्कृतिक संरक्षणमुखी मंच छल

(B) विदेह एकांगी पत्रिका छल

(C) कोनो नये स्तम्भ नहि छल

(D) पाठक-वर्ग अस्वीकृत छल

## खण्ड २५८ : विदेह-सदेह १ — मैथिली विकी, Unicode आ भाषा-प्रौद्योगिकी

**३१. 01.02.2008 केर स्मृतिमे मैथिली विकी सम्बन्धी कोन उत्साह व्यक्त भेल?**

(A) मैथिली भाषाकेँ विकी शुरू करबाक स्वीकृति भेटल

(B) विकी स्थायी रूपेँ बन्द भेल

(C) मैथिली लेख निषिद्ध भेल

(D) इंटरनेट छोड़ि देल गेल

**३२. विकी योजनाक पूर्ण स्वीकृति लेल कोन शर्तक उल्लेख अछि?**

(A) कमसँ कम पाँच नियमित संपादक विभिन्न जगहसँ सक्रिय होथि

(B) केवल एक संपादक काफी अछि

(C) कोनो संपादन नहि चाही

(D) केवल छापा प्रति चाही

**३३. देवनागरी कोना लिखू सम्बन्धी लेखक भूमिका की छल?**

(A) English keyboard सँ मैथिली लिखबाक व्यवहारिक मार्गदर्शन देब

(B) देवनागरी हटाबय

(C) लेखन रोकबय

(D) सिर्फ रोमन अपनाबय

**३४. अंशुमन पाण्डेयक संदर्भ कोन विषयसँ जुड़ल अछि?**

(A) मैथिली/तिरहुता सम्बन्धी Unicode स्थानक आवेदन आ सूचना-संग्रह

(B) नाटक पुरस्कार

(C) वृद्धाश्रम

(D) कृषि बाजार

**३५. बंगला लिपि आ मैथिली लिपि मध्य अंतर स्पष्ट करबाक सूचना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) मैथिली लिपिक स्वतंत्र पहचान प्रमाणित करबाक लेल

(B) बंगला लिपि हटाबय लेल

(C) भाषा बदलय लेल

(D) कविता काटय लेल

**३६. Meta, Incubator, TranslateWiki लिंक देबाक भूमिका की अछि?**

(A) पाठककेँ सीधा तकनीकी-सामुदायिक योगदान लेल बुलाबय

(B) केवल सजावट

(C) विज्ञापन

(D) रचना छिपाबय

**३७. 15.02.2008 केर स्मृतिमे विश्वभरिसँ ईमेल पाबि कतेक भाव व्यक्त अछि?**

(A) पत्रिकाक वैश्विक पाठक-संबंधसँ उल्लास आ भरोस

(B) पूर्ण निराशा

(C) पत्रिका बन्द करबाक सोच

(D) भाषा-विरोध

**३८. साइटक खोज सर्च इंजन पर आसान होयबाक प्रयासक अर्थ की अछि?**

(A) मैथिली सामग्री केँ डिजिटल रूपेँ खोजयोग्य बनाबय

(B) सामग्री गुप्त करब

(C) सर्च रोकेब

(D) केवल छापामे राखब

**३९. मैथिलीमे animation अभावक उल्लेख कोन भविष्य-दृष्टि देखबैत अछि?**

(A) बाल-सामग्री आ ध्वन्यात्मक/दृश्य माध्यम दिस विस्तार

(B) दृश्य माध्यमक विरोध

(C) बाल साहित्य बन्द

(D) संगीत निषेध

**४०. एहि खण्डक समग्र महत्व की अछि?**

(A) मैथिली डिजिटल भाषिक अधिकार, विकी, Unicode, टाइपिंग आ खोजयोग्यता केँ एक अभियान बनाबय

(B) केवल तकनीकी नाम-सूची

(C) साहित्यसँ असंबद्ध प्रयोग

(D) भाषा-प्रौद्योगिकी छोड़ब

## खण्ड २५९ : विदेह-सदेह १ — मिथिलाक खोज, अभिलेख आ डिजिटल संरक्षण

**४१. 15.02.2008 केर स्मृतिमे चित्रक पौतीकेँ दू भाग करबाक उद्देश्य की छल?**

(A) मिथिलाक खोजमे चित्रकला संग पुरातत्त्व आ दर्शनीय स्थल समेटब

(B) चित्रकला हटाबय

(C) केवल विज्ञापन

(D) केवल खेल-चित्र

**४२. “मिथिला रत्न” स्तम्भक रूपरेखा की बताओल गेल?**

(A) ऐतिहासिक आ वर्तमान महापुरुषक चित्र-प्रदर्शनी

(B) केवल गहना-बाजार

(C) केवल बालकथा

(D) केवल शब्द-सूची

**४३. 01.03.08 केर स्मृतिमे दरभंगाक यात्रा किएक महत्त्वपूर्ण बनैत अछि?**

(A) संस्थान, विद्वान आ ऐतिहासिक स्थल-साक्षात्कारक कारण

(B) केवल निजी यात्रा

(C) केवल भोजन-वर्णन

(D) रचना-विरोध

**४४. बिदेश्वरस्थान सँ गौरीशंकर स्थान यात्रा में कोन खोज प्रमुख अछि?**

(A) पालवंशक मूर्ति आ मिथिलाक्षर अभिलेखक चित्र

(B) आधुनिक बस-स्टैंड

(C) खेतीक औजार

(D) नाटकक टिकट

**४५. 1500 वर्ष पूर्व मिथिलाक्षरक प्रभुता कहब कोन ऐतिहासिक दावा बनबैत अछि?**

(A) मिथिलाक्षरक प्राचीन उपस्थिति आ सांस्कृतिक महत्व

(B) लिपि बिलकुल नयी अछि

(C) इतिहास अस्वीकार अछि

(D) भाषा लिपिहीन अछि

**४६. एहि स्थलकेँ मिथिलाक इतिहासमे पिहने स्थान नहि भेटब कोन शोध-संकेत दैत अछि?**

(A) स्थानीय स्थलसभक पुनर्मूल्यांकन जरूरी अछि

(B) इतिहास पूरा अछि

(C) नव शोध आवश्यक नहि

(D) स्थल महत्वहीन अछि

**४७. पुरान अलभ्य किताबक डिजिटलाइजेशन शुरू करब कोन सांस्कृतिक कार्य अछि?**

(A) दुर्लभ ग्रंथसभक संरक्षण आ पहुँच-विस्तार

(B) किताब नष्ट करब

(C) पाठक रोकब

(D) केवल व्यापार

**४८. पंजीक स्कैनिंग आ सर्चयोग्य डिक्शनरी कोन दिशा देखबैत अछि?**

(A) परम्परागत अभिलेख आ भाषा-संसाधनक डिजिटल आधार बनाबय

(B) अभिलेख छिपाबय

(C) शब्द हटाबय

(D) पाठक-विरोध

**४९. पुरान अंक archive अंतर्गत PDF रूपमे राखबाक महत्व की अछि?**

(A) पत्रिकाक निरंतर स्मृति आ शोधयोग्य अभिलेख बननाइ

(B) पुरान सामग्री मिटनाइ

(C) केवल वर्तमान अंक

(D) खोज निषिद्ध

**५०. एहि संरक्षण-खण्डक सार की अछि?**

(A) विदेह मिथिला इतिहास, लिपि, पंजी, पुरान किताब आ चित्र-संस्मृति कैं डिजिटल अभिलेखमे बदलब चाहैत अछि

(B) विदेह इतिहाससँ दूर अछि

(C) डिजिटल संरक्षण अनुपस्थित अछि

(D) मिथिलाक खोज अप्रासंगिक अछि

## खण्ड २६० : विदेह-सदेह १ — शैली-मानक, भाषा-संस्थान आ रचनालेखन

**५१. 01.04.08 केर स्मृतिमे “रचना लिखबासँ पहिने” स्तम्भमे की अंकित कएल गेल?**

(A) मैथिली अकादमी द्वारा निर्धारित भाषाक अंकन आ शैली सम्बन्धी सामग्री

(B) केवल कहानी-सूची

(C) केवल विज्ञापन

(D) केवल खेल-समाचार

**५२. उदय नारायण सिंह “नचिकेता”क मेलक महत्व की अछि?**

(A) ओ शैली-मैनुअल सम्बन्धी सामग्री भाषा-प्रौद्योगिकी विभाग धरि अग्रसारित करैत छथि

(B) ओ स्तम्भ रोकैत छथि

(C) ओ भाषा छोड़ैत छथि

(D) ओ नाटक हटबैत छथि

**५३. बी. मल्लिकार्जुनक भूमिका कोन रूपमे देखाओल गेल?**

(A) मैथिली स्टाइल मैनुअल बनएबाक कार्य आगू बढ़ाबय वाला भाषा-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ

(B) केवल कवि

(C) केवल नर्तक

(D) केवल प्रकाशक

**५४. मैथिली स्टाइल मैनुअल बनबाक महत्व की अछि?**

(A) लेखन, वर्तनी आ प्रकाशनमे मानकीकरणक आधार

(B) भाषा विविधता हटाबय मात्र

(C) साहित्य बन्द

(D) पाठकक भूमिका समाप्त

**५५. “मिथिलाक रत्न”मे साहित्यकारक अतिरिक्त अन्य विधाक व्यक्तिक चित्र देबाक अर्थ की अछि?**

(A) मिथिलाक बहुविध सांस्कृतिक प्रतिभाक समावेश

(B) साहित्यकार हटाबय

(C) केवल संगीतकार

(D) केवल प्रशासक

**५६. वेबसाइट खुलला पर विद्यापतिक गीतक वाद्य-संगीत बजबाक उल्लेख कोन सांस्कृतिक संयोजन बनबैत अछि?**

(A) कविता, शहनाई, तबला आ वायलिनक माध्यमसँ दृश्य-पाठ अनुभवक संगीतात्मक विस्तार

(B) वेबसाइट मौन रहैत अछि

(C) संगीत निषिद्ध अछि

(D) केवल टेक्स्ट अछि

**५७. संपर्क-खोज स्तम्भक उद्देश्य की बताओल गेल?**

(A) मिथिला आ मैथिलीक साइटसभक संकलन/लिंक देब

(B) संपर्क तोड़ब

(C) साइट छिपाबय

(D) केवल ईमेल हटाबय

**५८. विदेहक अपन सर्च इंजनक उल्लेख कोन सुविधा सूचित करैत अछि?**

(A) नव-पुरान अंक भीतर सामग्री खोजबाक सुविधा

(B) खोज रोकब

(C) फाइल हटाबय

(D) केवल चित्र देखब

**५९. दोसर सर्च इंजनसँ मैथिली विशेष संदर्भमे वेब ताखबाक विचार की करैत अछि?**

(A) मैथिली विषयक व्यापक वेब-सूचना सँ पाठककेँ जोड़ैत अछि

(B) वेब बंद करैत अछि

(C) मैथिलीकेँ सीमित करैत अछि

(D) रचना हटाबय

**६०. एहि खण्डक मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा-मानक, संस्थागत समर्थन, सर्च, लिंक आ मल्टीमीडिया मिलि मैथिली डिजिटल आधार बनबैत अछि

(B) मानक लेखन असंभव अछि

(C) सर्च अनुपयोगी अछि

(D) संस्थानक भूमिका नहि अछि

## खण्ड २६१ : विदेह-सदेह १ — बालानाम् कृते, मिथिला-राग आ सांस्कृतिक शिक्षण

**६१. 15.04.2008 केर स्मृतिमे नचिकेताक “नो एंट्री: मा प्रवेश” कोन रूपमे आयल?**

(A) पच्चीस सालक चुप्पी तोड़ि धारावाहिक रूपेँ विदेहमे प्रकाशित नाटक

(B) केवल विज्ञापन

(C) गीत-संग्रह

(D) शब्दकोश

**६२. गंगेश गुंजनक वैचारिक मंथनक उल्लेख कोन साहित्यिक दिशा बतबैत अछि?**

(A) कविता मात्र नहि, विचार-चर्चाक मंच सेहो

(B) विचार-चर्चा निषिद्ध

(C) केवल मनोरंजन

(D) केवल सूची

**६३. बालानां कृतेमे ज्योति पँजियारक लोकगाथा देबाक महत्व की अछि?**

(A) बाल पाठककेँ लोकपरम्परा सँ जोड़ब

(B) लोकगाथा हटाबय

(C) केवल विदेशी कथा

(D) केवल व्याकरण

**६४. जानकी नवमी अवसर नूतन झाक निबंध देबाक अर्थ की अछि?**

(A) पाबनि-संस्कृति केँ साहित्यिक-शिक्षात्मक सामग्री बनाबय

(B) पाबनि हटाबय

(C) केवल समाचार

(D) कोनो सांस्कृतिक सन्दर्भ नहि

**६५. दानवीर दधीचीक वैदिक स्वरूप बालानां कृतेमे देबाक उद्देश्य की अछि?**

(A) बाल-शिक्षामे वैदिक आख्यानक आलोचनात्मक/मूल रूप प्रस्तुत करब

(B) बालकथा हटाबय

(C) केवल खेल

(D) केवल गणित

**६६. दूर्वाक्षत आशीश मंत्रक उल्लेख कोन सांस्कृतिक संगीत-संबंध बनबैत अछि?**

(A) शुक्ल यजुर्वेद मंत्रकेँ मिथिला-आशीर्वाद परम्परासँ जोड़ैत अछि

(B) केवल फिल्म गीत

(C) केवल नृत्य-ताल

(D) कोई सम्बन्ध नहि

**६७. विदेह प्रचारक माध्यम रूपमे गूगल, याहू समूह, ब्लॉग, सोशल प्लेटफॉर्मक उल्लेख की देखबैत अछि?**

(A) आरम्भिक डिजिटल प्रसारक बहु-माध्यम रणनीति

(B) प्रचारक अभाव

(C) केवल मौखिक सूचना

(D) कागज तक सीमित

**६८. डाटा अनुसार आधासँ बेशी पाठक सीधे वेबसाइट पता टाइप कऽ पढ़लनि — एहि सँ की स्पष्ट होइत अछि?**

(A) विदेहक प्रत्यक्ष स्मरणीयता आ पाठक-निष्ठा

(B) पाठक नहि छल

(C) साइट अनुपलब्ध छल

(D) सभी विज्ञापनसँ आयल

**६९. वट-सावित्री प्रसंगक निबंध देबाक अर्थ की अछि?**

(A) पारंपरिक स्त्री-पाबनि पर विवेचनात्मक सामग्री प्रस्तुत करब

(B) पाबनि-विमर्श नकारब

(C) केवल नाटक

(D) केवल तकनीक

**७०. एहि खण्डक समग्र दिशा की अछि?**

(A) बाल-साहित्य, पाबनि, वैदिक आख्यान, लोकगाथा आ डिजिटल प्रचारक संगठित सांस्कृतिक शिक्षण

(B) केवल मनोरंजन

(C) केवल सूची

(D) संस्कृति-विरोध

## खण्ड २६२ : विदेह-सदेह १ — काव्य-सम्मेलन, हाइकू आ साहित्यिक पुनर्स्मरण

**७१. 01.06.2008 केर स्मृतिमे गंगेश गुंजनक कथा आ रामजी चौधरीक अप्रकाशित पद्यक उल्लेख की करैत अछि?**

(A) समकालीन आ विस्मृत साहित्य दुनूकेँ मंच देब

(B) अप्रकाशित रचना हटाबय

(C) केवल विज्ञापन

(D) कथा निषिद्ध

**७२. रवीन्द्रनाथ ठाकुर सेहो हाइकू लिखलनि — एहि उल्लेखक उपयोग की अछि?**

(A) मैथिलीमे जापानी पद्य-विधा प्रस्तुतिक वैध साहित्यिक संदर्भ देब

(B) हाइकू नकारब

(C) कविता रोकब

(D) केवल नाम-गणना

**७३. मैथिलीमे जापानी पद्य विधा प्रस्तुत करबाक बात कोन प्रयोगशीलता देखबैत अछि?**

(A) विश्व-पद्य विधाक मैथिलीकरण आ नव शिल्प-प्रयोग

(B) केवल पारंपरिक छंद

(C) प्रयोग-विरोध

(D) भाषा-संकोच

**७४. साहित्य अकादमी, नई दिल्लीक सभागारमे मैथिली कवि-सम्मेलनक उल्लेख कोन सांस्कृतिक महत्व रखैत अछि?**

(A) मैथिली कविताक राष्ट्रीय संस्थागत मंचपर उपस्थिति

(B) कविता अनुपस्थित

(C) केवल निजी गोष्ठी

(D) भाषा निषिद्ध

**७५. हॉलक कुर्सी भरल रहबाक विवरण कोन पाठकीय संकेत दैत अछि?**

(A) मैथिली कविता सुनबाक उत्सुक श्रोता-वर्ग उपस्थित छल

(B) श्रोता नहि छल

(C) कार्यक्रम रद्द भेल

(D) कविता अप्रासंगिक छल

**७६. अमरनाथक उद्घोषणाकेँ अशोक चक्रधर सन लगबाक टिप्पणी की संकेत करैत अछि?**

(A) उद्घोषणाक ऊर्जस्विता आ मंचीय प्रभाव

(B) उद्घोषणा कमजोर छल

(C) भाषा नीरस छल

(D) मंच खाली छल

**७७. कवि-सम्मेलनक वृत्तान्त संपादकीयमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) पत्रिका साहित्यिक घटना केँ प्रत्यक्ष अनुभवक अभिलेख बनबैत अछि

(B) केवल दिनांक बताबय लेल

(C) पृष्ठ संख्या लेल

(D) कोनो महत्व नहि

**७८. रामाश्रय झा "रामरंग"केँ 20म शताब्दीक मिथिला विभूतिमे सर्वोपरि कहबाक अर्थ की अछि?**

(A) संगीत-साहित्य परम्परामे हुनकर असाधारण स्थान मानल गेल

(B) हुनकर महत्व नकारल गेल

(C) केवल खेलकर्मी कहल गेल

(D) कोनो जीवनी नहि देल गेल

**७९. विदेहक संगीत-शिक्षा स्तम्भमे रामरंगक जीवनी आनबाक महत्व की अछि?**

(A) मैथिली संगीत परम्पराक शैक्षिक दस्तावेज बनब

(B) संगीत हटाबय

(C) जीवनी रोकब

(D) केवल खबर बनाबय

**८०. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) विदेह काव्य-प्रयोग, साहित्यिक आयोजन, विस्मृत रचना आ संगीत-विभूति सबकेँ अभिलेख बनबैत अछि

(B) केवल पृष्ठ-क्रम

(C) कोनो साहित्यिक घटना नहि

(D) प्रयोगशीलता अनुपस्थित

## खण्ड २६३ : विदेह-सदेह १ — अनुक्रम, सामग्री-विस्तार आ लेखक-विविधता

**८१. विदेह-सदेह १ केर अनुक्रममे संपादकीय आ संदेशक बाद अनेक रचनाकारक सूची की देखबैत अछि?**

(A) ई अंक केवल एकल लेख नहि, व्यापक साहित्यिक-सांस्कृतिक संकलन अछि

(B) केवल एक कविता अछि

(C) कोनो सामग्री नहि

(D) केवल विज्ञापन अछि

**८२. अनुक्रममे उदय नारायण सिंह "नचिकेता"क नाम बादक पृष्ठसभ पर देल होयब कोन प्रकारक सामग्रीक संकेत अछि?**

(A) महत्त्वपूर्ण दीर्घ/विशिष्ट रचना वा नाटक-संबंधित योगदान

(B) केवल फोटो-सूची

(C) केवल विज्ञापन

(D) बिना रचना नाम

**८३. अनुक्रममे "मैथिलीक मानक लेखन-शैली" केर अंत्य भागमे स्थान की बतबैत अछि?**

(A) भाषा-मानकीकरण अंकक संरचनात्मक अंग अछि

(B) मानक लेखन अप्रासंगिक अछि

(C) ई केवल विज्ञापन

(D) भाषा-चर्चा हटाओल गेल

**८४. अनुक्रममे कवि, कथाकार, आलोचक, विद्वान, कलाकार आदि नामक बहुलता कोन विशेषता बनबैत अछि?**

(A) लेखक-विविधता आ विधा-विस्तार

(B) एकरूपता मात्र

(C) लेखक-अभाव

(D) केवल प्रशासनिक सूची

**८५. अनुक्रममे स्त्री-लेखिका/कलाकारक नामसभक उपस्थिति कोन संकेत देत अछि?**

(A) महिला सहभागिताक स्पष्ट दस्तावेजी उपस्थिति

(B) स्त्री अनुपस्थित अछि

(C) केवल पुरुष लेखक

(D) स्त्री-विमर्श निषिद्ध

**८६. अनुक्रमकेँ प्रश्न-निर्माणमे कोना प्रयोग करबाक चाही?**

(A) सामग्री-मानचित्र आ कवरेज जाँच लेल, पृष्ठ-नम्बर रटबाक लेल नहि

(B) पृष्ठ-संख्या आधारित प्रश्न लेल

(C) सिली प्रश्न लेल

(D) लेखक हटाबय लेल

**८७. अनुक्रममे "संदेश"क उपस्थिति अंकक सामाजिकता कोना देखबैत अछि?**

(A) पत्रिका-संवादमे पाठक/रचनाकार/वरिष्ठक संदेशक स्थान अछि

(B) पत्रिका पूर्णतः एकतरफा अछि

(C) कोनो संवाद नहि

(D) संदेश असाहित्यिक मात्र

**८८. अनुक्रममे अनेक भाषिक/सांस्कृतिक क्षेत्रक नामक उपस्थिति की दैत अछि?**

(A) साहित्यक संग सामाजिक-सांस्कृतिक नेटवर्कक संकेत

(B) संकलन सीमित अछि

(C) केवल शब्दकोश अछि

(D) विविधता अनुपस्थित

**८९. अनुक्रमक आधार पर Sadeha 1 कैं “बहुत महत्वपूर्ण” किएक मानल जा सकैत अछि?**

(A) एहि मे आरम्भिक विदेह आन्दोलन, संपादकीय इतिहास, लेखक-विविधता आ मानक लेखन सभ समाहित अछि

(B) क्योंकि केवल आवरण अछि

(C) क्योंकि कोनो पाठ नहि

(D) क्योंकि पृष्ठ बहुत कम अछि

**९०. एहि अनुक्रम-आधारित खण्डक उद्देश्य की अछि?**

(A) सदेह १ केर coverage map बनाबय आ आगे सब लेख न छोड़बाक आधार तय करब

(B) केवल नाम रटब

(C) लेखक हटाबय

(D) पृष्ठ-सूची पूछब

## खण्ड २६४ : विदेह-सदेह १ — चरण १ audit: आगेक खननक नियम आ प्राथमिकता

**९१. सदेह १ सँ पुनः खनन शुरू करबाक मुख्य कारण की अछि?**

(A) आरम्भिक विदेह आन्दोलन आ बहुविध सामग्रीक सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करब

(B) पुरान प्रश्न हटाबय

(C) सदेह ३७ दोहराबय

(D) साहित्य छोड़ब

**९२. कमजोर OCR सामग्रीक सम्बन्धमे सही नीति की अछि?**

(A) मुख्य quizमे doubtful सामग्री नहि, alternate format माँगि reviewमे राखब

(B) doubtful पाठसँ प्रश्न बनायब

(C) गलत पढ़ल नाम डालब

(D) OCR त्रुटि छिपायब

**९३. प्रतिबंधित साहित्यिक-पाइरेसी सम्बन्धी नियम एहि auditमे की अछि?**

(A) नाम/सामग्री पूर्णतः exclude, महिमामंडन वा प्रश्न नहि

(B) अलग से पुरस्कार-प्रश्न बनब

(C) सामग्री बढ़ाबय लेल शामिल करब

(D) केवल पृष्ठ-प्रश्न बनब

**९४. सदेह १ केर संपादकीय किएक पहले खनन योग्य मानल गेल?**

(A) ओ विदेहक उद्देश्य, डिजिटल आंदोलन, रंगमंच, archive आ भाषा-प्रौद्योगिकी सब स्पष्ट करैत अछि

(B) ओ केवल आवरण अछि

(C) ओ रिक्त अछि

(D) ओ केवल सूची-नोट अछि

**९५. प्रश्न-निर्माणमे पृष्ठ-संख्या किएक टारल गेल?**

(A) साहित्यिक, सांस्कृतिक आ ऐतिहासिक अर्थ पर ध्यान रखबाक लेल

(B) क्योंकि पृष्ठ उपलब्ध नहि

(C) क्योंकि स्रोत नहि

(D) क्योंकि विकल्प कम अछि

**९६. Phase 1 coverage mapमे प्रत्येक लेखकेँ कोन स्थिति मिलत?**

(A) Fully mined, partially mined, not mined, rich article आदि

(B) केवल हटाओल

(C) केवल छापल

(D) केवल पृष्ठ गिनल

**९७. Dynamic question allocationक अर्थ की अछि?**

(A) लेखक आकार/समृद्धि अनुसार प्रश्न-संख्या बदलत

(B) हर लेख 1 प्रश्न

(C) हर पृष्ठ 1 प्रश्न

(D) नाम अनुसार स्थिर संख्या

**९८. व्याख्या-लेखनक मुख्य नियम की रहत?**

(A) स्रोत-आधारित, पुनर्लिखित, संक्षिप्त आ अर्थ स्पष्ट करय वाला

(B) कॉपी-पेस्ट

(C) बिना व्याख्या

(D) गलत स्रोत

**९९. आगे सदेह १क कौन-कौन सामग्री प्राथमिकता पर खनल जायत?**

(A) संदेश, प्रमुख लेखक-रचना, मानक लेखन-शैली, नाटक/कला/भाषा-संबंधी लेख

(B) केवल फोटो कैप्शन

(C) केवल पृष्ठ नम्बर

(D) केवल विज्ञापन

**१००. एहि batchक उद्देश्य की अछि?**

(A) सदेह १ पूर्ण-coverage अभियानक प्रारम्भिक 100 high-confidence प्रश्न जोड़ब

(B) प्रोजेक्ट समाप्त करब

(C) पुराना प्रश्न मिटाबय

(D) दoubtful OCR जोड़ब

## खण्ड २६५ : विदेह-सदेह १ — संदेश: विदेहक आरम्भिक स्वीकार्यता

**१०१. प्रो. उदय नारायण सिंह "नचिकेता"क संदेशमे विदेहक काजक ऐतिहासिक महत्व कोना देखाओल गेल अछि?**

(A) ई काज एक दिन मैथिली भाषाक इतिहासमे चर्चा योग्य बनत

(B) ई केवल क्षणिक सूचना अछि

(C) ई साहित्यसँ असंबद्ध अछि

(D) ई केवल निजी पत्र अछि

**१०२. गंगेश गुंजनक संदेशमे विदेह-कर्मक मुख्य गुण कोन कहल जा सकैत अछि?**

(A) संवेदनशील मन, मैथिली-समर्पित मेहनति आ इतिहासमे नव अध्याय खोलबाक क्षमता

(B) सिर्फ तकनीकी प्रयोग

(C) केवल विज्ञापन

(D) साहित्यिक उदासीनता

**१०३. साहित्य अकादेमीक जे. त्रिपाठीक बधाईक महत्व की अछि?**

(A) पहिल मैथिली पाक्षिक इंटरनेट-पत्रिका रूपमे विदेहक मान्यता

(B) कृषि-पत्रिका रूपमे मान्यता

(C) केवल छापाखाना प्रशंसा

(D) नाटक-विरोध

**१०४. प्रफुल्ल कुमार सिंह "मौन"क प्रतिक्रिया कोन द्वैत भाव देखबैत अछि?**

(A) चमत्कार-जकाँ आश्चर्य आ गहीर आनंद दुनू

(B) क्रोध आ अस्वीकार

(C) केवल चुप्पी

(D) भाषा-विरोध

**१०५. शिवप्रसाद यादव विदेहक कोन पक्षकेँ पत्रकारिताक नव प्रयोग मानैत छथि?**

(A) सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्रमे मैथिली पत्रकारिताक प्रवेश

(B) हस्तलिखित पर्चा

(C) केवल नाटक मंच

(D) केवल मौखिक परम्परा

**१०६. आचारण झाक संदेशमे सहयोग सम्बन्धी दृष्टि की अछि?**

(A) सहयोग भविष्यक बात, मुदा ई महान यज्ञमे श्रद्धापूर्ण आहुति देबाक भाव अछि

(B) सहयोग असंभव अछि

(C) पत्रिका निरर्थक अछि

(D) साहित्य त्याज्य अछि

**१०७. विजय ठाकुरक संदेश विदेहक सामूहिक श्रमक संबंधमे की सूचित करैत अछि?**

(A) सम्पूर्ण टीम बधाईक पात्र अछि

(B) केवल एक पाठक दोषी अछि

(C) टीम अप्रासंगिक अछि

(D) पत्रिका बिना दलक अछि

**१०८. सुभाषचन्द्र यादवक शुभकामनामे विदेहक भविष्यक कोन रूपक कल्पना अछि?**

(A) निरन्तर पल्लवित-पुष्पित भऽ चतुर्दिक सुगंध पसारय

(B) जल्दी समाप्त हो

(C) केवल बन्द फाइल बनय

(D) सुगंध नहि पसारय

**१०९. मैथिलीपुत्र प्रदीपक संदेशक मुख्य स्वर की अछि?**

(A) भगवतीसँ सफलता-कामना आ पूर्ण सहयोगक आश्वासन

(B) निषेध

(C) व्यंग्य

(D) अनास्था

**११०. आरम्भिक संदेशसभ समग्र रूपमे की प्रमाणित करैत अछि?**

(A) विदेहक डिजिटल आन्दोलन आरम्भहि सँ वरिष्ठ, पाठक आ प्रवासी मैथिल सभक ध्यानमे छल

(B) विदेहक कोनो पाठक नहि छल

(C) संदेश केवल औपचारिक विज्ञापन छल

(D) समाजमे पूर्ण अस्वीकृति छल

## खण्ड २६६ : विदेह-सदेह १ — संदेश: नाम, भूगोल आ अंतरराष्ट्रीय मैथिली संपर्क

**१११. भीमनाथ झाक संदेशमे “विदेह” नामक विशिष्टता कोना व्याख्यायित अछि?**

(A) इंटरनेट पर होयबाक कारण “विदेह” नाम अनेक अर्थमे उचित ठहरैत अछि

(B) नाम अनुचित कहल गेल

(C) नाम केवल भूगोलक गलती अछि

(D) नाम बदलबाक आग्रह अछि

**११२. रामभरोस कापड़ी “भ्रमर”क संदेशमे विदेहक कोन उपलब्धि सराहल गेल?**

(A) मैथिलीकेँ अंतरराष्ट्रीय जगतमे पहुँचेनाइ

(B) मैथिलीकेँ सीमित करब

(C) पत्रिका हटाब

(D) केवल प्रिंट रखब

**११३. रामभरोस कापड़ीक “नेपालोक सहयोग” सम्बन्धी विश्वास कोन व्यापकता दैत अछि?**

(A) विदेहक कार्य मिथिला भारत-नेपाल दुनू पारक साझा परियोजना बनि सकैत अछि

(B) केवल दिल्ली केन्द्रित रहत

(C) नेपाल असंबद्ध अछि

(D) भाषा सीमित अछि

**११४. राजनन्दन लालदासक संदेशमे कलकत्ता संदर्भक भूमिका की अछि?**

(A) ओ विदेहक पता बहुत लोककेँ लिखाए देल गेल कहलनि

(B) विदेह छिपाओल गेल

(C) कोनो प्रचार नहि भेल

(D) कलकत्ता असंबद्ध अछि

**११५. प्रेमशंकर सिंहक संदेशमे “मातृभाषानुराग” ककर प्रति कहल गेल अछि?**

(A) इंटरनेट पर मैथिलीमे पहिल पत्रिका प्रकाशित करबाक निःस्वार्थ प्रयास प्रति

(B) केवल पुरस्कार प्रति

(C) केवल व्यापार प्रति

(D) केवल निजी नाम प्रति

**११६. प्रेमशंकर सिंह पत्रिका देखलापर अपन भाव कोना व्यक्त करैत छथि?**

(A) इंटरनेटपर आरम्भसँ अन्त धरि देखल, मोन फुल्लित भऽ गेल

(B) पूर्ण निराश भेलाह

(C) देखबाक असमर्थ रहलाह

(D) भाषा बदलि देलनि

**११७. संदेशसभमे देश-विदेश प्रसंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) ई-पत्रिका मैथिलीकेँ भौगोलिक दूरीसँ बाहर निकालि रहल छल

(B) ई केवल स्थानीय सूचना छल

(C) प्रवासी पाठक नहि छल

(D) देश-विदेश अप्रासंगिक अछि

**११८. “देश-विदेशक मैथिलकेँ जोड़बाक” शुभकामना कोन ध्येय-सूत्र दैत अछि?**

(A) डिजिटल माध्यम द्वारा बिखरल मैथिल समुदायकेँ संवादमे आनब

(B) समुदायकेँ अलग करब

(C) भाषा-सम्बन्ध तोड़ब

(D) पत्रिका निजी बनाबय

**११९. मातृभाषानुराग शब्द एहि संदेश-समूहमे कोन मूल्यकेँ केन्द्रित करैत अछि?**

(A) स्वार्थरहित भाषा-सेवा आ सांस्कृतिक समर्पण

(B) बाजार-लाभ

(C) राजनीतिक पद

(D) विज्ञापन-संचय

**१२०. संदेश-खंडक भूगोलिक-सांस्कृतिक निष्कर्ष की अछि?**

(A) विदेह आरम्भमेहि स्थानीय, राष्ट्रीय, प्रवासी आ नेपाल-सम्बद्ध मैथिली चेतनाक सेतु बनल

(B) ई केवल एक गामक पत्रिका छल

(C) ई बिना पाठकक प्रयोग छल

(D) ई भाषिक सेतु नहि बनल

## खण्ड २६७ : विदेह-सदेह १ — प्रकाशन-नीति, कॉपीराइट आ रचनाकार-उत्तरदायित्व

**१२१. संदेश-पृष्ठक बाद देल प्रकाशन-नीतिमे रचनाक कॉपीराइट ककर लग रहत कहल गेल अछि?**

(A) रचनाकार लोकनिक लगमे

(B) केवल पाठक लग

(C) केवल वितरक लग

(D) कोनो अधिकार नहि

**१२२. विदेहकेँ रचनासम्बन्धी कोन अधिकार प्राप्त होयत कहल गेल अछि?**

(A) प्रथम प्रकाशन, आर्काइव तथा अनुवादक ई-प्रकाशन/आर्काइव अधिकार

(B) लेखकत्व बदलबाक अधिकार

(C) रचना बेचबाक पूर्ण निजी अधिकार

(D) लेखक नाम हटाबक अधिकार

**१२३. रचनाकारसँ कोन प्रकारक रचना माँगल गेल?**

(A) मौलिक आ अप्रकाशित रचना

(B) चोरी कएल रचना

(C) अनाम अनुवाद बिना स्रोत

(D) केवल पुरान विज्ञापन

**१२४. मौलिकता सम्बन्धी उत्तरदायित्व ककर मानल गेल अछि?**

(A) लेखक गणक स्वयं

(B) केवल पाठक

(C) केवल मुद्रक

(D) केवल वितरक

**१२५. रचना भेजबाक लेल कोन डिजिटल प्रारूप स्वीकारल गेल?**

(A) .doc, .docx, .rtf वा .txt

(B) केवल कागजी पोस्टकार्ड

(C) केवल चित्र फाइल

(D) केवल ऑडियो टेप

**१२६. रचनाकारक परिचय आ फोटो मँगबाक उद्देश्य की अछि?**

(A) रचना संग लेखकक संक्षिप्त परिचय आ पहचान देब

(B) लेखककेँ गुप्त राखब

(C) रचना हटाबय

(D) केवल सजावट

**१२७. रचनाक अंतमे कोन घोषणा टाइप रहबाक अपेक्षा अछि?**

(A) ई रचना मौलिक अछि आ पहिल प्रकाशन हेतु विदेहकेँ देल जा रहल अछि

(B) ई रचना अज्ञात अछि

(C) ई नकल अछि

(D) ई प्रकाशन निषिद्ध अछि

**१२८. मेल भेटलाक बाद प्रकाशन-अंकक सूचना देबाक समयसीमा कोना बताओल गेल?**

(A) यथासंभव शीघ्र, सात दिनक भीतर

(B) एक वर्षक बाद

(C) कहियो नहि

(D) केवल छापा बाद

**१२९. ई-पत्रिका मासक कोन तारीख पर प्रकाशित होयबाक बात अछि?**

(A) १ आ १५ तारीख

(B) केवल ३१ तारीख

(C) हर पाँच वर्ष

(D) कोनो निश्चितता नहि

**१३०. प्रकाशन-नीतिक साहित्यिक महत्व की अछि?**

(A) डिजिटल मैथिली प्रकाशनमे अधिकार, मौलिकता आ अनुशासित प्रक्रिया स्पष्ट करब

(B) कॉपीराइट हटाबय

(C) नकल प्रोत्साहित करब

(D) लेखककेँ अदृश्य करब

## खण्ड २६८ : विदेह-सदेह १ — सदेह-संस्करण, मुद्रित रूप आ डिजिटल-संग्रह

**१३१. विदेहमे धारावाहिक ई-प्रकाशनक बाद किछु रचना कोन रूपमे आनबाक योजना उल्लेखित अछि?**

(A) प्रिंट फॉर्ममे पुस्तक रूपेँ

(B) केवल मौखिक पाठ

(C) केवल पोस्टर

(D) पूर्ण निषेध

**१३२. “कुरुक्षेत्रम्: अन्तर्मनक” संबंधी उल्लेख कोन प्रक्रिया देखबैत अछि?**

(A) ई-प्रकाशित उपन्यासक बाद मुद्रित रूपमे प्रकाशन

(B) कविता हटाबय

(C) संगीत रिकॉर्डिंग

(D) केवल चित्रकला

**१३३. विदेह डाटाबेसक आधार पर शब्दकोश-प्रकल्पक कोन जोड़ी उल्लेखित अछि?**

(A) मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी-मैथिली शब्दकोश

(B) केवल अंग्रेजी-फ्रेंच शब्दकोश

(C) केवल संस्कृत-ग्रीक

(D) केवल बोली-सूची

**१३४. मिथिलाक्षरसँ देवनागरी पांडुलिपि लिप्यंतरण-पंजी-प्रबंध डेटाबेस कोन संरक्षण-काजक संकेत अछि?**

(A) लिपि, पांडुलिपि आ पंजी परम्पराक डिजिटल/मुद्रित संरक्षण

(B) लिपि-विनाश

(C) पंजी-त्याग

(D) संगीत-निषेध

**१३५. सदेह-संस्करणमे शोध, संकलन, डिजिटल इमेजिंग आ लिप्यंतरण कोन तरहक संपादकीय श्रम देखबैत अछि?**

(A) बहुस्तरीय दस्तावेजीकरण आ तकनीकी-साहित्यिक श्रम

(B) केवल नाम-सूची

(C) बिना स्रोतक काम

(D) साहित्य-विरोध

**१३६. एक कथा-पुस्तकक इतिहास “एक-एकटा कथाक पाठक वर्णन” सहित देबाक महत्व की अछि?**

(A) पाठक-प्रतिक्रिया आ पाठ-संवादकेँ पुस्तक-इतिहासमे स्थान देब

(B) पाठक हटाबय

(C) केवल मूल्य लिखब

(D) अर्थ छिपाबय

**१३७. “डेढ़ लाखसँ बेशी” पठन-संदर्भक अर्थ की अछि?**

(A) ई-पत्रिकाक सामग्री व्यापक डिजिटल पाठकवर्ग धरि पहुँचल

(B) कियो नहि पढ़लक

(C) साइट बन्द छल

(D) केवल छापा बिकलक

**१३८. श्रुति प्रकाशन सम्बन्धी सूचना किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) ई-प्रकाशित सामग्रीक मुद्रित अवतार लेल प्रकाशक-संरचना देखबैत अछि

(B) केवल विज्ञापन मात्र

(C) साहित्य-विनाश

(D) लेखक-अभाव

**१३९. Combined ISBN आ संस्करण-मूल्यक सूचना साहित्यिक अर्थमे कखन उपयोगी अछि?**

(A) सदेह श्रृंखला कैँ पुस्तक-परियोजना रूपमे समझबाक लेल

(B) पृष्ठ-प्रश्न बनाबय लेल

(C) सिली संख्यात्मक रटन्त लेल

(D) विकल्प सजाबय लेल

**१४०. सदेह-संस्करण खण्डक मूल महत्व की अछि?**

(A) विदेहक सामग्री ई-पत्रिका सँ शोध-संसाधन, शब्दकोश, पंजी आ मुद्रित पुस्तक धरि फैलल अछि

(B) ई केवल एक ब्लॉग छल

(C) कोनो पुस्तक-सम्बन्ध नहि

(D) कोनो शोध-काज नहि

## खण्ड २६९ : विदेह-सदेह १ — रामरंग साक्षात्कार: विद्यापति संगीतक वर्गीकरण

**१४१. रामरंगक अनुसार विद्यापतिक अधिकांश गीत कोन गायन-शैलीमे बूझल जा सकैत अछि?**

(A) पद/भजन गायन शैलीमे

(B) केवल युद्धगीत शैलीमे

(C) केवल नाट्य संवादमे

(D) केवल आधुनिक फिल्मी शैलीमे

**१४२. विद्यापतिक किछु गीत रामरंग कोन शैलीक अंतर्गत मानैत छथि?**

(A) ग्रामीण गीत शैलीक अंतर्गत

(B) सैन्य गीत

(C) नगर-घोषणा

(D) गद्य पाठ

**१४३. “नन्दक नन्दन...” आ “जय जय भैरवि...” उदाहरण ककर रूपमे देल गेल?**

(A) पद-गायन शैलीक उदाहरण

(B) भोजन-विधि

(C) व्याकरण-अभ्यास

(D) पत्रकारीय सूचना

**१४४. “कामिनी करय असनाने” आदि पदक प्रसंगमे कोन रस-परम्पराक संकेत अछि?**

(A) श्रृंगार रससँ सम्बन्धित पद

(B) वीर रस मात्र

(C) हास्य रस मात्र

(D) नैतिक उपदेश मात्र

**१४५. मिथिलामे विद्यापति गीतक धुनक सम्बन्धमे रामरंग की कहैत छथि?**

(A) ई धुन अध-शास्त्रीय संगीतक अंतर्गत आबि सकैत अछि

(B) पूर्णतः अनसंगीतिक अछि

(C) केवल पाश्चात्य अछि

(D) केवल घोष-वाचन अछि

**१४६. रामरंग क्षेत्रीय संगीतक धारणा किएक देलनि?**

(A) मिथिलाक गायन-शैलीक अपना अलग स्वरूप अछि

(B) सभी शैली समान अछि

(C) मिथिलामे गायन नहि अछि

(D) क्षेत्रीयता अस्वीकार्य अछि

**१४७. लोक/ग्रामीण संगीतमे विद्यापति गीतक स्थान कोना बुझाओल गेल?**

(A) किछु गीत लोक-ग्रामीण जीवन आ अवसरसँ जुड़ल अछि

(B) लोकसँ पूर्ण अलग

(C) केवल दरबारी

(D) केवल पुस्तकालयी

**१४८. रामरंगक उत्तर विद्यापति-संगीतकेँ एकमात्र श्रेणीमे किएक नहि बाँधैत?**

(A) ओ पद, भजन, ग्रामीण, अध-शास्त्रीय आ प्रादेशिक अनेक आयाम देखैत छथि

(B) ओ केवल एक धुन मानैत छथि

(C) ओ गीत अस्वीकार करैत छथि

(D) ओ संगीतक चर्चा नहि करैत छथि

**१४९. विद्यापति गीतक मौखिक परम्परा सम्बन्धी संकेत की अछि?**

(A) मिथिलामे दशकोंसँ गाओल जाइत गीतक अपनी धुन आ शैली अछि

(B) नव बनल धुन मात्र

(C) बिना गायनक पाठ

(D) सिर्फ छापा पंक्ति

**१५०. एहि साक्षात्कार-खंडक मूल शैक्षिक उपयोगिता की अछि?**

(A) विद्यापति गीतकेँ साहित्यक संग संगीत-शास्त्रीय आ लोक-सांस्कृतिक दृष्टिसँ पढ़ब

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल पृष्ठ पूछब

(D) गीत हटाबय

## खण्ड २७० : विदेह-सदेह १ — रामरंग साक्षात्कार: विद्यापति परम्परा आ पतन-चिन्ता

**१५१. रामरंगक अनुसार मिथिलामे विद्यापतिक लोकप्रियता कतेक व्यापक अछि?**

(A) जनसाधारणमे विद्यापति आ हुनकर गीत अत्यन्त परिचित छथि

(B) कियो नहि चिन्हैत

(C) केवल बाहरी लोक चिन्हैत

(D) केवल पंडितक गुप्त विषय

**१५२. विद्यापति पदक प्रसारमे साहित्यिक गुणक संग कोन गुणक योगदान मानल गेल?**

(A) संगीतक गुण

(B) केवल मुद्रणक गुण

(C) केवल प्रशासनिक गुण

(D) केवल व्यापार

**१५३. बंगालक रवि-संगीतक तुलना किएक उठाओल गेल?**

(A) विद्यापति-संगीतक संरक्षण-पतन पर तुलनात्मक विचार लेल

(B) भाषा बदलय लेल

(C) विद्यापति हटाबय लेल

(D) केवल शहर चर्चा लेल

**१५४. विद्यापति संगीतमे पतनक चर्चा कोन व्यापक सामाजिक दबाबसँ जोड़ल गेल?**

(A) उपभोक्तावाद, बाजारवाद आ भूमंडलीकरण आदि प्रभावसँ

(B) केवल मौसमसँ

(C) केवल खेतीसँ

(D) केवल पृष्ठ-सज्जासँ

**१५५. रामरंग अपन उत्तरमे मैथिल शास्त्रीय संगीतक वर्तमान स्थिति कोना वर्णित करैत छथि?**

(A) मिथिला वर्तमान समयमे शास्त्रीय संगीतसँ शून्य भऽ रहल अछि

(B) शास्त्रीय संगीत अत्यधिक प्रस्फुटित अछि

(C) कोनो चिन्ता नहि

(D) संगीत अप्रासंगिक अछि

**१५६. रामचतुर मलिक आ सियाराम तिवारीक उल्लेख कोन परम्परासँ जुड़ल अछि?**

(A) ध्रुपद शैलीक ऐतिहासिक उच्चस्तरीय गायन परम्परा

(B) केवल कथा-लेखन

(C) केवल चित्रकला

(D) केवल राजनीति

**१५७. सियाराम तिवारीकेँ मैथिल मानबाक तर्क की देल गेल?**

(A) हुनकर शिक्षा अमता गाममे भेल छल

(B) ओ मिथिला नहि गेलाह

(C) ओ केवल हिन्दी लेखक छलाह

(D) ओ संगीतकार नहि छलाह

**१५८. भावी पीढ़ीक लेल पुरान गायकसभ पर शोधक आग्रह किएक अछि?**

(A) ध्रुपद शैली आ मैथिली संगीतपरम्पराक विशेषता बुझबाक लेल

(B) ताकि गीत नष्ट हो

(C) ताकि नाम हटे

(D) ताकि नकल बढ़े

**१५९. "जय मिथिला जय मैथिली" पंक्ति साक्षात्कारक भाव-धारा कोना समेटैत अछि?**

(A) संगीत-चर्चा भाषा-मातृभूमि प्रेमसँ संयुक्त अछि

(B) संगीतसँ अलग नारा

(C) व्यंग्य मात्र

(D) विदेशी उद्धरण

**१६०. एहि खण्डक गम्भीर निष्कर्ष की अछि?**

(A) विद्यापति संगीतक संरक्षण लेल साहित्यिक, संगीतशास्त्रीय आ सांस्कृतिक शोध आवश्यक अछि

(B) परम्परा छोड़ि देब

(C) गीतक अर्थ नहि देखब

(D) केवल लोकप्रियता गिनब

## खण्ड २७१ : विदेह-सदेह १ — राजमोहन झा साक्षात्कार: जन्म, शिक्षा आ प्रारम्भिक संस्कार

**१६१. राजमोहन झाक साक्षात्कारक शीर्ष ध्येय-वाक्य “खुलल दृष्टि...” कोन क्षेत्रपर केन्द्रित अछि?**

(A) समीक्षाक स्थिति पर खुलल दृष्टिक अभाव

(B) कृषि-विपणन

(C) खेल आयोजन

(D) बाल-चित्रकला

**१६२. राजमोहन झाकेँ २००९ सालक कोन सम्मान देल जा रहल छल?**

(A) प्रबोध सम्मान

(B) ज्ञानपीठ

(C) नोबेल

(D) बुककर

**१६३. राजमोहन झाक रचनात्मक योगदान कोन रूपमे परिचित कराओल गेल?**

(A) कई कथा-संग्रह आ चारि समालोचनात्मक पोथी

(B) केवल एक गीत

(C) केवल नाटक निर्देशन

(D) केवल शब्दकोश

**१६४. राजमोहन झाक जन्म-स्थान कोन अछि?**

(A) कुमार बाजितपुर, वैशाली

(B) दरभंगा शहर

(C) जनकपुर

(D) दिल्ली

**१६५. हुनकर जन्म-वर्ष आ तिथि सम्बन्धी उत्तरमे कोन जानकारी अछि?**

(A) १९३४, अगस्त २७

(B) १९५०, जुलाई १०

(C) १९२७, जनवरी १

(D) २००९, जनवरी १

**१६६. राजमोहन झाक प्रारम्भिक लालन-पोषण कतय भेल?**

(A) गाममे, बादमे पटना आबि आगू शिक्षा भेल

(B) पूर्णतः विदेशमे

(C) केवल दिल्लीमे

(D) केवल दरभंगामे

**१६७. पटना आबि ओ कोन विद्यालयमे आठम वर्गमे नाम लिखेने छलाह?**

(A) टी.के. घोष एकेडमी

(B) सी.एम. कॉलेज

(C) रांची विश्वविद्यालय

(D) साहित्य अकादेमी

**१६८. पटना कॉलेजमे राजमोहन झाक विषय-संयोजन की छल?**

(A) मनोविज्ञान संग लॉजिक, हिन्दी आ अर्थशास्त्र

(B) केवल संगीत

(C) केवल संस्कृत

(D) केवल गणित

**१६९. हुनकर पितामह जनार्दन झा कोन रूपमे प्रभावशाली छलाह?**

(A) संस्कृत विद्वान आ प्रारम्भिक संरक्षक/प्रेरक

(B) क्रीड़ा-प्रशिक्षक

(C) प्रकाशक मात्र

(D) व्यापारी

**१७०. एहि आरम्भिक जीवन-खंडक साहित्यिक महत्व की अछि?**

(A) गाम, संस्कृत-परम्परा, पटना-शिक्षा आ बहुभाषिक अध्ययन मिलि लेखक-संस्कार बनबैत अछि

(B) जीवन-संदर्भ अप्रासंगिक अछि

(C) केवल जन्मतिथि महत्वपूर्ण अछि

(D) शिक्षा कथासँ असंबंधित अछि

## खण्ड २७२ : विदेह-सदेह १ — राजमोहन झा: पितामह, भाषा-परिवर्तन आ पेशा

**१७१. राजमोहन झाक साहित्यिक आरम्भिक प्रेरणा मुख्यतः केकरासँ भेटल?**

(A) पितामह जनार्दन झासँ

(B) केवल कॉलेज मित्रसँ

(C) केवल नौकरी अधिकारीसँ

(D) केवल प्रकाशकसँ

**१७२. पितामहक संरक्षणमे हुनकर कोन स्तर धरि पढ़ाई भेल?**

(A) गाममे मिडिल स्कूल धरि

(B) पीएचडी धरि

(C) केवल बालवाड़ी

(D) विदेशी विश्वविद्यालय धरि

**१७३. जनार्दन झाक मैथिली लेखन राजमोहन झापर कोना प्रभाव डाललक?**

(A) हुनका मैथिलीमे लिखबाक प्रेरणा भेटल

(B) मैथिली छोड़बाक प्रेरणा

(C) लेखन रोकबाक प्रेरणा

(D) केवल अंग्रेजी अपनाबक प्रेरणा

**१७४. जनार्दन झा महावीर प्रसाद द्विवेदीक कोन पत्रिका-संपादनसँ जुड़ल छलाह?**

(A) सरस्वती

(B) विदेह

(C) मिथिला दर्शन

(D) आखर

**१७५. जनार्दन झा कोन मैथिली पत्रिकाक संपादक सेहो छलाह?**

(A) मिथिला मिहिर

(B) कुरुक्षेत्रम्

(C) गीतांजलि

(D) चित्रांगदा

**१७६. पितामह द्वारा बंगला उपन्यासक हिन्दी अनुवादक उल्लेख कोन क्षमता देखबैत अछि?**

(A) भाषिक सेतु-निर्माण आ अनुवाद-परम्परा

(B) केवल मौन साधना

(C) भाषा-विरोध

(D) साहित्य-विनाश

**१७७. संस्कृत परम्परासँ अंग्रेजी/हिन्दी दिस झुकबाक कारण राजमोहन झा कोना बुझबैत छथि?**

(A) समय बदलल, संस्कृत घटल, अंग्रेजी शिक्षा प्रभावी भेल

(B) संस्कृत कखनो नहि छल

(C) अंग्रेजी निषिद्ध छल

(D) भाषा-परिवर्तन असत्य अछि

**१७८. साहित्यक अतिरिक्त राजमोहन झाक पेशा की छल?**

(A) इम्प्लॉयमेंट ऑफिसर

(B) रंग निर्देशक

(C) चित्रकार

(D) संगीतज्ञ

**१७९. नौकरी-कालमे किन-किन शहरमे रहबाक उल्लेख अछि?**

(A) जमशेदपुर, मुजफ्फरपुर, राँची, बोकारो, पटना, दिल्ली

(B) केवल एक गाम

(C) केवल विदेश

(D) केवल जनकपुर

**१८०. एहि खण्डक मूल साहित्यिक निष्कर्ष की अछि?**

(A) परिवारक संस्कृत-मैथिली परम्परा, अनुवाद-संस्कार आ आधुनिक शिक्षा मिलि राजमोहन झाक लेखन-भूमि बनल

(B) लेखनक पृष्ठभूमि नहि छल

(C) पेशा साहित्यसँ असंबद्ध रहि गेल

(D) परम्परा प्रभावहीन छल

## खण्ड २७३ : विदेह-सदेह १ — राजमोहन झा: परिवार, प्रिय लेखक आ आरम्भिक प्रकाशन

**१८१. घरमे राजमोहन झा किनका सँ बेसी नजदीक रहलाह?**

(A) पितामह संग पितामही सँ

(B) केवल पड़ोसी सँ

(C) केवल शिक्षक सँ

(D) केवल प्रकाशक सँ

**१८२. हुनकर भाई-बहिन सम्बन्धी उत्तरमे परिवारक संरचना कोना अछि?**

(A) चारि भाई आ एक बहिन छलाह; दू भाई दिवंगत, दू जीवित

(B) एकल संतान

(C) दस बहिन मात्र

(D) कोनो परिवार नहि

**१८३. कृष्ण मोहन झाक पेशा की कहल गेल?**

(A) राँची विश्वविद्यालयमे मनोविज्ञानक शिक्षक

(B) संगीतकार

(C) चित्रकार

(D) किसान मात्र

**१८४. मनमोहन झा कोन संस्थासँ सम्बद्ध बताओल गेलाह?**

(A) सी.एम. कॉलेज, दरभंगामे मनोविज्ञानक शिक्षक

(B) मैलोरंग

(C) साहित्य अकादेमी

(D) मिथिला रिसर्च इंस्टिट्यूट

**१८५. राजमोहन झाक मनपसंद रचनाकार पूछलापर ओ कोन नामसभक लेखनक लोकप्रियता स्वीकारैत छथि?**

(A) ललित, मायानंद, राजकमल चौधरी

(B) केवल विदेशी लेखक

(C) केवल राजनैतिक नेता

(D) केवल अज्ञात नाम

**१८६. आधुनिक मैथिलीक आरम्भ राजमोहन झा कोन लेखक-समूहक आस-पास मानैत छथि?**

(A) ललित, मायानंद, राजकमल चौधरीक लेखन परम्परा आसपास

(B) सिर्फ प्राचीन संस्कृतमे

(C) केवल अखबारी भाषा

(D) केवल मौखिक कथा

**१८७. राजमोहन झाक पहिल कविता कतय छपल कहल गेल?**

(A) वैदेहीमे

(B) केवल अंग्रेजी अखबारमे

(C) कहियो नहि छपल

(D) रेडियो पर मात्र

**१८८. हुनकर आरम्भिक कहानी मुख्यतः कोन पत्रिकामे छपल?**

(A) मिथिला मिहिरमे

(B) सिर्फ सरस्वतीमे

(C) केवल सरकारी राजपत्रमे

(D) अज्ञात ब्लॉगमे

**१८९. “मिथिला दर्शन”क उल्लेख कोन बात स्पष्ट करैत अछि?**

(A) राजमोहन झाक रचना अनेक मैथिली पत्रिकामे छपैत छल

(B) केवल एक मंच छल

(C) रचना अप्रकाशित छल

(D) पत्रिका असाहित्यिक छल

**१९०. एहि खण्डक अध्ययन-मूल्य की अछि?**

(A) लेखकक परिवार, साहित्यिक रुचि आ प्रारम्भिक प्रकाशन-संसारक परस्पर सम्बन्ध बुझब

(B) केवल रिश्तेदारी रटब

(C) केवल पृष्ठ पूछब

(D) केवल जन्मतिथि पूछब

## खण्ड २७४ : विदेह-सदेह १ — राजमोहन झा: लेखन, स्मरण-योजना आ समीक्षा-दृष्टि

**१९१. राजमोहन झाक लेखन कोन-कोन भाषामे भेल कहल गेल?**

(A) हिन्दी आ मैथिलीमे

(B) केवल अंग्रेजीमे

(C) केवल संस्कृतमे

(D) केवल बंगालीमे

**१९२. हुनकर पुस्तक-संख्या सम्बन्धी उत्तरमे कोन विधा-युग्म अछि?**

(A) दस कथा-संग्रह आ चारि समालोचनात्मक पोथी

(B) केवल एक गीत-संग्रह

(C) केवल नाटक-संग्रह

(D) केवल शब्दकोश

**१९३. भविष्य-योजना सम्बन्धी प्रश्नपर ओ की लिखबाक बात कहैत छथि?**

(A) संस्मरण लिखबाक अछि

(B) कृषि-रिपोर्ट

(C) युद्ध-कथा मात्र

(D) व्याकरण-सूची मात्र

**१९४. सुमनजी आ किरणजी पर लिखबाक बात कोन साहित्यिक दायित्व देखबैत अछि?**

(A) समकालीन/पूर्वज साहित्यकारक स्मृति बचाबयक इच्छा

(B) नाम मेटाबयक इच्छा

(C) समीक्षा छोड़बयक इच्छा

(D) संस्मरण अस्वीकार

**१९५. "दांव-पेंच" सम्बन्धी उत्तरमे राजमोहन झा कोन व्यापक स्थिति देखबैत छथि?**

(A) दांव-पेंच केवल मैथिली नहि, सभ भाषामे चलैत रहैत अछि

(B) मैथिली पूर्णतः अलग अछि

(C) दांव-पेंच असंभव अछि

(D) केवल एक लेखक दोषी अछि

**१९६. राजमोहन झाक समीक्षा-दृष्टि शीर्षक "खुलल दृष्टि..." सँ की संकेत अछि?**

(A) समीक्षा मे खुलापन, निष्पक्षता आ व्यापक दृष्टिक कमी पर प्रश्न

(B) समीक्षा पूर्ण विकसित अछि

(C) समीक्षा अप्रासंगिक अछि

(D) केवल प्रशंसा चाही

**१९७. हुनकर कथा आ आलोचना दुनू लेखनक महत्व की अछि?**

(A) रचना आ आलोचना—दूनू स्तर पर मैथिली साहित्यमे योगदान

(B) केवल पाठक भूमिका

(C) केवल संपादक भूमिका

(D) कोनो विधा नहि

**१९८. पारिवारिक-सामाजिक प्रश्नसभ साक्षात्कारमे किएक आवश्यक बनैत अछि?**

(A) लेखकक रचनात्मक दृष्टि बनेबाक जीवन-संदर्भ बुझय लेल

(B) साहित्यसँ पूर्ण अलग

(C) सिर्फ गपशप लेल

(D) पृष्ठ भरबाक लेल

**१९९. राजमोहन झाक बातचीतमे "भूत, वर्तमान, भविष्य"क चर्चा कोन उद्देश्य दैत अछि?**

(A) मैथिली साहित्यक परम्परा, वर्तमान दशा आ आगूक दिशा पर समग्र विचार

(B) केवल व्यक्तिगत प्रचार

(C) केवल नौकरी-सूची

(D) केवल परिवार वृत्तांत

**२००. एहि दस प्रश्नक समग्र निष्कर्ष की अछि?**

(A) राजमोहन झा साक्षात्कार मैथिली कथा, आलोचना, स्मृति आ साहित्यिक नैतिकता बुझबाक महत्वपूर्ण स्रोत अछि

(B) ई केवल पृष्ठ-सूची अछि

(C) ई असाहित्यिक सूचना अछि

(D) ई बिना संदर्भक गप अछि

## खण्ड २७५ : विदेह-सदेह १ — अंकुर काशीनाथ झा: सरकारी योजना

**२०१. अंकुर काशीनाथ झाक “सरकारी योजना”मे बुढ़ियाक माथ पर जारैनक पथिया कोन सामाजिक दृश्य बनबैत अछि?**

(A) दरिद्र श्रम आ रोजमर्राक बोझक दृश्य

(B) उत्सवक राजसी दृश्य

(C) विद्यालयक खेल-दृश्य

(D) नौकरीक पदोन्नति दृश्य

**२०२. कवितामे “हरिजन” पहचानक उल्लेख किएक व्यंग्यात्मक बनैत अछि?**

(A) सुरक्षा आ आरक्षणक दावा रहितो वास्तविक राहत नहि भेटबाक कारण

(B) कविता जाति-विमर्शसँ असंबद्ध अछि

(C) सरकारी सहायता पूर्ण सफल अछि

(D) बुढ़िया धनी पात्र अछि

**२०३. महिला आरक्षणक उल्लेख कवितामे कोन विडम्बना उघारैत अछि?**

(A) नीति-घोषणा आ गरीब स्त्रीक वास्तविक वंचना बीच अन्तर

(B) स्त्रीकेँ पूर्ण सत्ता भेटल

(C) गरीबी समाप्त भेल

(D) आरक्षण कविता-विरोधी अछि

**२०४. इन्दिरा आवास आ अन्नपूर्णा योजना कवितामे कोन अर्थमे आयल अछि?**

(A) गरीबक नामपर बनल योजना, जकर लाभ बिचौलिया/नेता वर्ग लेलक

(B) केवल घरक सजावट

(C) कथा-कहानीक खेल

(D) संगीतक प्रकार

**२०५. “नेता सबके अन्न भेटलै, घर बनलै” पंक्ति कोन भ्रष्टाचार-संकेत दैत अछि?**

(A) कल्याण योजनाक लाभ वास्तविक पात्रसँ हटि सत्ता-निकटक लोक लग जाएब

(B) नेता उपवास करैत छथि

(C) बुढ़ियाकेँ महल भेटल

(D) गाममे कोनो राजनीति नहि

**२०६. “सरकार बुझलकै गरीबक कल्याण भेलै” कथन किएक कटाक्ष अछि?**

(A) सरकार कागजी परिणामकेँ कल्याण मानि लैत अछि, जमीनपर वंचना रहैत अछि

(B) सरकार सबटा देखैत अछि

(C) बुढ़िया लाभान्वित भेल

(D) कविता केवल प्रशंसा अछि

**२०७. बुढ़ियाकेँ योजना किएक नहि भेटल, मुखियाक उत्तरमे कोन बहाना अछि?**

(A) जगह कम आ भीड़ बेसी

(B) जाति नहि छल

(C) ओ योजना नहि चाहलक

(D) ओ गाम छोड़ि गेल

**२०८. “बेचारी बुढ़िया शरीफ छै” पंक्ति कविताक निष्कर्ष कोना बनैत अछि?**

(A) सीधापन आ निरुपायता ओकर वंचनाक कारण बनि गेल अछि

(B) शरीफ लोक सभ लाभ पाबैत छथि

(C) बुढ़िया अपराधी अछि

(D) कविता हास्य मात्र अछि

**२०९. एहि कविताक मुख्य सामाजिक आलोचना की अछि?**

(A) कल्याणकारी योजनाक भ्रष्ट क्रियान्वयन आ गरीबक अदृश्यता

(B) प्रकृति-सौंदर्यक वर्णन

(C) प्रेमक विजय

(D) नृत्य-संगीतक उत्सव

**२१०. "सरकारी योजना"क अध्ययनमे मुख्य साहित्यिक उपकरण कोन अछि?**

(A) व्यंग्य, विडम्बना आ यथार्थवादी बिम्ब

(B) पुराणक विस्तृत आख्यान

(C) अलौकिक चमत्कार

(D) शुद्ध हास्यगीत

## खण्ड २७६ : विदेह-सदेह १ — अंकुर: गरीबी, जाति आ स्त्री-वंचना

**२११. कवितामे बुढ़िया व्यक्तिगत पात्रसँ आगाँ बढ़ि कोन प्रतिनिधित्व करैत अछि?**

(A) ग्रामीण गरीब, दलित आ स्त्री-वंचना तीनूक संयुक्त प्रतीक

(B) राजघरानाक सत्ता

(C) सैनिक वीरता

(D) शहरक विलास

**२१२. "सरकार ओकरा देने संरक्षण छै" पंक्ति किएक उलट अर्थ दैत अछि?**

(A) घोषित संरक्षणक बावजूद जमीनपर असुरक्षा बचल अछि

(B) सुरक्षा पूर्ण अछि

(C) कविता सरकारी विज्ञापन अछि

(D) बुढ़िया मंत्री अछि

**२१३. कविता नीति आ नियति बीच कोन संबंध देखबैत अछि?**

(A) नीति बनैत अछि, मुदा गरीबक नियति बदलैत नहि

(B) नीति तुरन्त चमत्कार करैत अछि

(C) नियति अप्रासंगिक अछि

(D) कविता केवल खेतीपर अछि

**२१४. बुढ़ियाक भोजन-समस्या किएक केन्द्रीय बनैत अछि?**

(A) जीवनक मूल आवश्यकता धरि योजना नहि पहुँचल देखबैत अछि

(B) भोजन विलासिता अछि

(C) योजना केवल गीत लेल अछि

(D) बुढ़िया भोज आयोजित करैत अछि

**२१५. घर-बनबाक प्रावधान आ बुढ़ियाक बेघरपन कोन विरोध रचैत अछि?**

(A) नीतिक वादा बनाम वास्तविक वंचना

(B) राजमहल बनाम मंदिर

(C) नाटक बनाम गीत

(D) युद्ध बनाम शान्ति

**२१६. मुखिया पात्रकेँ कविता कोन भूमिका दैत अछि?**

(A) स्थानीय सत्ता आ लाभ-वितरणक द्वारपाल

(B) निरपेक्ष दार्शनिक

(C) बालक मित्र

(D) केवल गायक

**२१७. “जगह कम” बहाना सामाजिक न्यायक दृष्टिसँ किएक अशक्त अछि?**

(A) क्योंकि सर्वाधिक जरूरतमंदकेँ ही बाहर रखल गेल

(B) ई पूर्ण समाधान अछि

(C) गरीबी समाप्त करैत अछि

(D) कविता ओकर समर्थन करैत अछि

**२१८. कविता दलित स्त्रीकेँ दया-केंद्र नहि, आलोचना-केंद्र कोना बनबैत अछि?**

(A) ओकर वंचना द्वारा पूरा प्रशासनिक ढाँचा पर प्रश्न उठैत अछि

(B) ओ केवल हास्य पात्र अछि

(C) ओ कथा सँ बाहर अछि

(D) ओ सम्पन्न वर्गक प्रतिनिधि अछि

**२१९. एहि कवितामे “सपना” शब्दक अर्थ की अछि?**

(A) योजनाक लाभ गरीबक लेल असंभव अपेक्षा बनि गेल

(B) रातिक सुखद कल्पना मात्र

(C) नाटकक मंच-सज्जा

(D) प्रेम-प्रसंग

**२२०. अंकुरक कविता सामाजिक कविता रूपमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) क्योंकि कम शब्दमे नीति, भ्रष्टाचार, जाति आ गरीबीक संयुक्त आलोचना करैत अछि

(B) क्योंकि पृष्ठ-संख्या बतबैत अछि

(C) क्योंकि केवल शृंगार अछि

(D) क्योंकि राजनीति नहि छूइत अछि

## खण्ड २७७ : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार: “मनुख” आ बाजार-समय

**२२१. “मनुख” कवितामे आदमी कहाँ-कहाँ काज करैत देखाओल गेल अछि?**

(A) ऑफिस, रोड आ जीवनक अनेक सार्वजनिक जगह

(B) केवल जंगलमे

(C) केवल राजदरबारमे

(D) केवल मंदिरमे

**२२२. जेबीमे टका भरि मार्केटिंग लेल निकलब कोन मानसिकता देखबैत अछि?**

(A) खुशीकेँ वस्तु-जकाँ किनबाक उपभोक्तावादी प्रवृत्ति

(B) त्यागक चरम रूप

(C) किसानी अनुष्ठान

(D) बाल-खेल

**२२३. “रेडीमेड खुशी” पदबंध कोन आलोचना करैत अछि?**

(A) अनुभव आ संवेदना सेहो बाजारू वस्तु बनि जाएबाक आलोचना

(B) हस्तकला-प्रशंसा

(C) वनस्पति-विज्ञान

(D) केवल कपड़ा

**२२४. कवितामे “वस्तु-जातक रूपमे” खुशी किनबाक विचार किएक विडम्बनापूर्ण अछि?**

(A) खुशी जीवनानुभव अछि, बाजारू पैकेट नहि

(B) खुशी सदैव पैक होइत अछि

(C) कविता व्यापार-विज्ञापन अछि

(D) मनुखकेँ भावना नहि चाही

**२२५. आशीषक “मनुख” आधुनिक मनुष्यक कोन संकट देखबैत अछि?**

(A) काम, पैसा आ उपभोग बीच आत्मिक रिक्तता

(B) पूर्ण आध्यात्मिक शांति

(C) ग्रामीण अवकाश मात्र

(D) राजनीतिक विजय

**२२६. “मनुख” शीर्षक किएक व्यापक अछि?**

(A) ई एक व्यक्ति नहि, आधुनिक मानवीय स्थिति पर प्रश्न अछि

(B) ई केवल एक नाम अछि

(C) ई पशु-वर्णन अछि

(D) ई भूगोल अछि

**२२७. आशीषक शैलीमे छोट पंक्तिक उपयोग किएक प्रभावी अछि?**

(A) आधुनिक जीवनक टूटल, जल्दबाज लय व्यक्त करैत अछि

(B) कविता लम्बी कथा बनैत अछि

(C) केवल छन्द-गणना अछि

(D) अर्थ हटि जाइत अछि

**२२८. कविता बाजार-विरोध करैत अछि वा अंध-विरोध?**

(A) अंध-विरोध नहि; वस्तुकरण आ नकली सुखक आलोचना करैत अछि

(B) हर खरीदारी अपराध कहैत अछि

(C) कृषि पर लिखैत अछि

(D) संगीतक समर्थन मात्र

**२२९. “मनुख”मे संवेदना कहाँ दबि जाइत अछि?**

(A) माकेटिंग आ खरीदार-मानसिकताक दबावमे

(B) नदीक बहावमे

(C) लोकगीतमे

(D) बचपनक खेलमे

**२३०. एहि कविताक मूल प्रश्न की अछि?**

(A) की मनुख सचमुच खुशी किनि सकैत अछि?

(B) कतेक पृष्ठ अछि?

(C) कोन रंगक कागज अछि?

(D) कवि कतय बैसल छल?

## खण्ड २७८ : विदेह-सदेह १ — आशीषक गजल: दर्द, अन्हार सरकार आ प्रतिरोध

**२३१. आशीषक गजलमे “जीवनमे दर्दक सनेश” कोन भावभूमि बनबैत अछि?**

(A) व्यक्तिगत पीड़ा सँ सामाजिक पीड़ा धरि फैलल स्वर

(B) केवल हास्य उत्सव

(C) युद्ध-विजय

(D) बालगीत

**२३२. “नहि कहब विशेष, शेष कुशल अछि” पंक्ति कोन शैलीगत युक्ति अछि?**

(A) दर्दकेँ संयमित व्यंग्यात्मक ढंगसँ कहब

(B) स्पष्ट उत्सव-घोषणा

(C) प्रशासनिक आदेश

(D) संगीत-सूची

**२३३. “अन्हरा सरकार” कथन कोन राजनीतिक आलोचना करैत अछि?**

(A) शासनक संवेदनहीनता आ दृष्टिहीनता

(B) सरकारक सर्वज्ञता

(C) जनता-विरोधी कविता नहि

(D) प्रकृति-वर्णन

**२३४. “बौकक ई देश” पंक्ति कोन व्यंग्यात्मक स्थिति बनबैत अछि?**

(A) राजकाजक मूर्खता आ विवेकहीनता पर कटाक्ष

(B) देशक उत्सव

(C) बुद्धिमत्ता-प्रशंसा

(D) केवल प्रेमगीत

**२३५. देह बदलैए आ मान नहि सुनि लिअ — ई पंक्ति कोन समस्या छूइत अछि?**

(A) बाहरी परिवर्तनक बावजूद असल मानवीय सम्मान नहि बदलल

(B) देह-व्यायाम

(C) केवल वस्त्र-विन्यास

(D) कला प्रदर्शनी

**२३६. मुक्का आ थप्पड़ प्रसंग गजलमे ककर प्रतीक अछि?**

(A) खाली हिंसक प्रतिक्रिया आ असली प्रतिरोधक प्रश्न

(B) नृत्यक मुद्रा

(C) कृषि विधि

(D) बालक खेल

**२३७. “खाली आँखिए लाल” कोन निष्क्रियता देखबैत अछि?**

(A) रोष अछि मुदा परिवर्तनकारी कर्मक अभाव

(B) पूर्ण क्रांति

(C) शांत स्वीकृति

(D) उत्सवक रंग

**२३८. गजल कहब असान नहि — ई कथन विधागत चेतना कोना देखबैत अछि?**

(A) कवि गजलक अनुशासन आ कठिनाई स्वीकारैत छथि

(B) गजलकेँ खेल मानैत छथि

(C) कविता छोड़ैत छथि

(D) भाषा हटबैत छथि

**२३९. आशीषक गजल व्यक्तिगत कुशलक्षेमक रूपकमे सामाजिक संकट कोना छिपबैत अछि?**

(A) कुशल कहैत-कहैत सरकार, देश आ हिंसा पर चोट करैत अछि

(B) केवल निजी स्वास्थ्य पूछैत अछि

(C) कोनो सामाजिक स्वर नहि

(D) सरकारक स्तुति करैत अछि

**२४०. एहि गजलक मुख्य स्वर की अछि?**

(A) दर्द, व्यंग्य, राजनीतिक असंतोष आ शिल्प-सजगता

(B) केवल बाल-मनोरंजन

(C) शुद्ध श्रृंगार

(D) कृषि-विज्ञान

## खण्ड २७९ : विदेह-सदेह १ — अशोक दत्त: रंग बदलैत मनुख आ “लुच्ची”

**२४१. “दू टप्पी”मे गिरगिटक उल्लेख किएक आयल अछि?**

(A) मनुष्यक रंग-बदलू स्वभावकेँ तुलना द्वारा तीखा करबाक लेल

(B) गिरगिटक जीवविज्ञान पढ़ाबय लेल

(C) वन्य-जीव संरक्षण मात्र

(D) बाल चित्र बनाबय लेल

**२४२. “पुतरियासन मुस्की” आ “मगरसन नोर” कोन द्वैधता देखबैत अछि?**

(A) बाहरी मधुरता आ भीतरक छल/क्रूरता

(B) निर्मल बालपन

(C) सच्चा करुणा मात्र

(D) नदीक जलचक्र

**२४३. भोरसँ साँझधरि फुसियेटा परोसब कोन चरित्र-चित्रण अछि?**

(A) झूठकेँ सामाजिक व्यवहार बनि जाएबाक चित्र

(B) सत्याग्रह

(C) खेती-कर्म

(D) पूजा-विधान

**२४४. “लुच्ची” कवितामे चोट लगिते लुच्ची जनमब कोन भाव व्यक्त करैत अछि?**

(A) अन्याय आ अपमानसँ प्रतिरोध/लज्जा/क्रोधक जन्म

(B) सुखक गीत

(C) राजसी सम्मान

(D) प्रकृति-विहार

**२४५. करेजपर चोट आ देहक चीर पर हाथ बढ़ब किएक जोड़ल अछि?**

(A) आत्मा आ देह दुनूपर हिंसा स्त्री-अस्मिता/मानव गरिमा चोट करैत अछि

(B) केवल वस्त्र-व्यापार

(C) काठक काम

(D) नदी-विज्ञान

**२४६. “अपन मड़ैया”क बिम्ब लुच्चीमे कोन मूल्य दैत अछि?**

(A) घर-आश्रयक आत्मीयता आ असुरक्षाक बीच तनाव

(B) महल-लालसा

(C) युद्ध-शिविर

(D) कंप्यूटर-शिक्षा

**२४७. “रङकुच्ची” आ फोटो-डाहक प्रसंग कोन संकेत देत अछि?**

(A) प्रतिनिधित्व, छवि आ सत्ता द्वारा मानवीय पहचानक नष्ट होयब

(B) चित्रकला उत्सव मात्र

(C) विद्यालय परीक्षा

(D) उपवन सजावट

**२४८. सोनेत वा पानी धरती होइत समान — एहि विचारक अर्थ की अछि?**

(A) मूल मानवता रंग-भेदसँ ऊपर अछि

(B) भेदभाव आवश्यक अछि

(C) धरती निर्जीव अछि

(D) कविता रंगक विज्ञापन अछि

**२४९. भेदके रंग चढ़िते लुच्ची जनमब कोन सामाजिक आलोचना अछि?**

(A) विभाजनकारी पहचान राजनीति विरुद्ध प्रतिरोध

(B) रंगोत्सवक खुशी

(C) कपड़ा रंगब

(D) नाटक सजावट

**२५०. अशोक दत्तक एहि कविता-युग्मक मूल स्वर की अछि?**

(A) पाखंड, हिंसा, भेदभाव आ नैतिक क्षरणक विरुद्ध तीक्ष्ण लोकधर्मी कविता

(B) केवल हास्य

(C) केवल पौराणिक कथा

(D) केवल प्रेमगीत

## खण्ड २८० : विदेह-सदेह १ — गंगेश गुंजन: जीवन, अनामा आ नवलेखन

**२५१. गंगेश गुंजनक परिचयमे हुनका कोन-कोन रूपमे रखल गेल अछि?**

(A) कवि, कथाकार, नाटककार आ उपन्यासकार

(B) केवल चित्रकार

(C) केवल प्रशासक

(D) केवल खिलाड़ी

**२५२. हुनकर पीएच.डी.क विषय-संकेत कोन माध्यमसँ जुड़ल अछि?**

(A) रेडियो नाटक

(B) कृषि-यंत्र

(C) खेल-विज्ञान

(D) चित्रकला मात्र

**२५३. “अनामा” पत्रिका मैथिली साहित्यक इतिहासमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) नवलेखनक आरम्भिक अनियमितकालीन साहसिक पत्रिका रूपमे

(B) सरकारी राजपत्र रूपमे

(C) केवल विज्ञापन-पत्र

(D) बालक खेल-पुस्तिका

**२५४. “काल पुरुष” नामसँ जुड़ल समूहक अर्थ की अछि?**

(A) युवा लेखकीय-संपादकीय सामूहिकता

(B) राजनीतिक दल

(C) नाटकक पात्र मात्र

(D) कृषि समूह

**२५५. फणीश्वरनाथ रेणुक अनामा लोकार्पण टिप्पणी किएक यादगार अछि?**

(A) ओ नवलेखनक युगचेतना खोलबाक संभावना देखलनि

(B) ओ पत्रिका बंद करबाक आदेश देलनि

(C) ओ भाषा-विरोध कएलनि

(D) ओ केवल मूल्य पूछलनि

**२५६. अनामाक केवल तीन अंक निकलल, तकरो ऐतिहासिक महत्त्व किएक अछि?**

(A) कम अंक होइतो नवलेखनक दिशा खोललक

(B) कम अंक मतलब शून्य महत्व

(C) ई साहित्यसँ असंबंधित

(D) ई केवल छापाखाना प्रयोग

**२५७. “कथादिशा”क सम्बन्ध अनामासँ कोना अछि?**

(A) अनामा बादक संपादकीय/व्यावहारिक विस्तार रूपमे

(B) पूर्ण असंबद्ध

(C) कृषि पत्रिका

(D) सिनेमा पोस्टर

**२५८. गंगेश गुंजनक “बुधिबधिया”क विशेषता की कहल गेल अछि?**

(A) मैथिलीक प्रथम चौबटिया नाटक

(B) पहिल पाकशाला ग्रंथ

(C) पहिल खेल-पत्रिका

(D) केवल गीत संग्रह

**२५९. साहित्य अकादमी पुरस्कार हुनका कोन कृतिसँ भेटल बताओल गेल?**

(A) “उचितवक्ता” कथा-संग्रह

(B) राधा

(C) गीत घरघर के

(D) सरकारी योजना

**२६०. गंगेश गुंजनक परिचयक मूल निष्कर्ष की अछि?**

(A) ओ मैथिली आधुनिकता, नवलेखन, कथा, नाटक आ उपन्यासक संग प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व छथि

(B) ओ केवल एक प्रसंगक लेखक छथि

(C) ओ साहित्यक बाहर छथि

(D) ओ केवल गायक छथि

## खण्ड २८१ : गंगेश गुंजनक “राधा” — प्रस्तावना आ बेचैनी

**२६१. प्रस्तावना आ बेचैनी प्रसंगमे “राधा”क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**२६२. प्रस्तावना आ बेचैनी: “राधा”मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**२६३. प्रस्तावना आ बेचैनी: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**२६४. प्रस्तावना आ बेचैनी: राधा-प्रसंगमे “मन”क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**२६५. प्रस्तावना आ बेचैनी: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**२६६. प्रस्तावना आ बेचैनी: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**२६७. प्रस्तावना आ बेचैनी: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**२६८. प्रस्तावना आ बेचैनी: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**२६९. प्रस्तावना आ बेचैनी: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**२७०. प्रस्तावना आ बेचैनी: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८२ : "राधा" — मैथिलीक महांगन आ समय-बोध

**२७१. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध प्रसंगमे "राधा"क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**२७२. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: "राधा"मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**२७३. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**२७४. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: राधा-प्रसंगमे "मन"क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**२७५. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**२७६. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**२७७. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**२७८. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**२७९. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**२८०. मैथिलीक महांगन आ समय-बोध: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८३ : “राधा” — NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास

**२८१. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास प्रसंगमे “राधा”क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**२८२. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: “राधा”मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**२८३. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**२८४. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: राधा-प्रसंगमे “मन”क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**२८५. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**२८६. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: “राधा”मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**२८७. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**२८८. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**२८९. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**२९०. NGO, मिथिला राज्य आ लक्ष्याभास: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८४ : "राधा" — उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव

**२९१. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव प्रसंगमे "राधा"क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**२९२. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: "राधा"मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**२९३. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**२९४. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: राधा-प्रसंगमे "मन"क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**२९५. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**२९६. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**२९७. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**२९८. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**२९९. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**३००. उदासी, बीमारी आ सखी-अभाव: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८५ : “राधा” — अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा

**३०१. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा प्रसंगमे “राधा”क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**३०२. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: “राधा”मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**३०३. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**३०४. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: राधा-प्रसंगमे “मन”क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**३०५. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**३०६. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**३०७. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**३०८. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**३०९. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**३१०. अधिकार, अपनपन आ मनुख-सीमा: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८६ : "राधा" — दंश, विष आ मनक यातना

**३११. दंश, विष आ मनक यातना प्रसंगमे "राधा"क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**३१२. दंश, विष आ मनक यातना: "राधा"मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**३१३. दंश, विष आ मनक यातना: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**३१४. दंश, विष आ मनक यातना: राधा-प्रसंगमे "मन"क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**३१५. दंश, विष आ मनक यातना: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**३१६. दंश, विष आ मनक यातना: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**३१७. दंश, विष आ मनक यातना: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**३१८. दंश, विष आ मनक यातना: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**३१९. दंश, विष आ मनक यातना: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**३२०. दंश, विष आ मनक यातना: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८७ : “राधा” — समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना

**३२१. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना प्रसंगमे “राधा”क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**३२२. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: “राधा”मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**३२३. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**३२४. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: राधा-प्रसंगमे “मन”क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**३२५. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**३२६. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: “राधा”मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**३२७. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**३२८. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**३२९. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**३३०. समाचार, रौद-बसात आ मनक घटना: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८८ : "राधा" — स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना

**३३१. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना प्रसंगमे "राधा"क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**३३२. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: "राधा"मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**३३३. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**३३४. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: राधा-प्रसंगमे "मन"क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**३३५. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**३३६. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**३३७. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**३३८. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**३३९. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**३४०. स्वादक स्मृति आ लोक-संवेदना: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २८९ : “राधा” — गंध, सांस आ कृष्ण-निसां

**३४१. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां प्रसंगमे “राधा”क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**३४२. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: “राधा”मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**३४३. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**३४४. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: राधा-प्रसंगमे “मन”क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**३४५. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**३४६. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**३४७. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**३४८. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**३४९. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**३५०. गंध, सांस आ कृष्ण-निसां: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २९० : "राधा" — विधा, शिल्प आ नव परम्परा

**३५१. विधा, शिल्प आ नव परम्परा प्रसंगमे "राधा"क केन्द्रबिन्दु की अछि?**

(A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-सूची बनाबय

(C) सिर्फ नाम रटब

(D) कृषि-हिसाब करब

**३५२. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: "राधा"मे निजी अनुभूति सामाजिक अर्थ कोना पबैत अछि?**

(A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि

(B) निजी अनुभूति हटि जाइत अछि

(C) समाजक कोनो प्रसंग नहि

(D) केवल ऐतिहासिक तिथि अछि

**३५३. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: एहि खण्डमे भाषा-शैलीक प्रमुख प्रभाव की अछि?**

(A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह

(B) सूखा सरकारी आदेश

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) बाजार मूल्य-सूची

**३५४. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: राधा-प्रसंगमे "मन"क भूमिका किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि

(B) मन अनुपस्थित अछि

(C) देह मात्र बोलैत अछि

(D) कथा केवल बाह्य घटना अछि

**३५५. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: एहि पाठमे आधुनिक समयक आलोचना कोना उपस्थित अछि?**

(A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण प्रशंसित अछि

(C) कोनो आलोचना नहि

(D) कथा केवल ग्रामीण उत्सव अछि

**३५६. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: "राधा"मे स्मृतिक भूमिका की अछि?**

(A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब

(B) स्मृति अस्वीकार कएल गेल

(C) स्मृति केवल तिथि अछि

(D) स्मृति व्यापार अछि

**३५७. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: एहि खण्डक दार्शनिक संकेत की अछि?**

(A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि

(B) जीवन सरल गणना अछि

(C) सम्बन्धक कोनो अर्थ नहि

(D) समय स्थिर अछि

**३५८. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: रचना पाठकसँ कोन प्रकारक पढ़ाइ माँगैत अछि?**

(A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ

(B) त्वरित पृष्ठ-गिनती

(C) केवल नाम-सूची

(D) सही-गलत विज्ञापन

**३५९. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: एहि खण्डमे राधा कोन रूपमे उभरैत छथि?**

(A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र

(B) केवल हास्य पात्र

(C) केवल प्रशासनिक अधिकारी

(D) केवल गीतकार

**३६०. विधा, शिल्प आ नव परम्परा: एहि खण्डक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब

(B) काव्य-विहीन सूचना

(C) सिलसिला संख्या

(D) जाहिरात

## खण्ड २९१ : विदेह-सदेह १ — मधेश स्पेशल: दृश्य-संचार आ मैथिली

**३६१. नेपाल वन टेलिभिजनक “मधेश स्पेशल”मे कोन-कोन सामग्री समेटल गेल बताओल अछि?**

(A) समाचार, समसामयिक राजनीति, प्रमुख मुद्दापर चर्चा आ गीत-संगीत

(B) केवल मौसम

(C) केवल खेल-स्कोर

(D) केवल विज्ञापन

**३६२. मधेश स्पेशल कतेक समयक कार्यक्रम कहल गेल?**

(A) एक घण्टा

(B) पाँच मिनट

(C) पूरे दिन

(D) एक सप्ताह

**३६३. कार्यक्रमक नियमित प्रसारण मैथिली लेल किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) दृश्य-संचारमे मैथिली उपस्थिति बढ़ैत अछि

(B) मैथिली हटैत अछि

(C) संचारसँ साहित्य असंबद्ध अछि

(D) केवल व्यापार अछि

**३६४. नेपाल बाहरक मैथिल दर्शकक उल्लेख की देखबैत अछि?**

(A) सीमा-पार मैथिली दर्शक-वृत्त

(B) दर्शक नहि छल

(C) भाषा केवल एक शहरक अछि

(D) प्रसारण बंद छल

**३६५. कार्यक्रममे मैथिली आ भोजपुरी मिश्रण कोन सांस्कृतिक वास्तविकता देखबैत अछि?**

(A) मधेशी भाषिक-सांस्कृतिक सहअस्तित्व

(B) भाषाक पूर्ण अनुपस्थिति

(C) केवल अंग्रेजीकरण

(D) संगीत-विरोध

**३६६. तीन भागक संरचना — समाचार, टक शो, गीत — किएक प्रभावी अछि?**

(A) सूचना, विचार आ लोकमनोरंजनक संतुलन बनबैत अछि

(B) केवल एकरस पाठ

(C) समाचार हटबैत अछि

(D) विचार रोकैत अछि

**३६७. डोमकछ आ जट-जटिनक उल्लेख कोन दिशा देखबैत अछि?**

(A) लोक-संस्कृतिक दृश्य प्रसारण द्वारा संरक्षण

(B) लोककला त्याग

(C) केवल शास्त्रीय संगीत

(D) प्रिंट-मात्र प्रकाशन

**३६८. “७० टा देश” दर्शक-संदर्भक अर्थ की अछि?**

(A) प्रवासी मैथिल समुदाय तक डिजिटल/टेलिभिजन पहुँच

(B) केवल स्थानीय अखाड़ा

(C) बिना प्रसारण

(D) भाषा-सीमा

**३६९. मधेश स्पेशल मैथिली विकासमे कोन भूमिका निभा सकैत अछि?**

(A) भाषिक दृश्यता, समाचार-संपर्क आ सांस्कृतिक आत्मविश्वास बढ़ाबय

(B) भाषा कम करब

(C) लोकसंगीत रोकब

(D) साहित्य मिटाबय

**३७०. एहि लेखांशक मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) दृश्य-संचार मैथिलीकेँ समाचार, लोककला आ प्रवासी संपर्कक मंच दैत अछि

(B) टेलिभिजन बेकार अछि

(C) मैथिली केवल कागजमे अछि

(D) मधेश असंबद्ध अछि

## खण्ड २९२ : विदेह-सदेह १ — महेन्द्र मलंगिया: रंगमंच, स्वाभिमान आ आलोचना

**३७१. महेन्द्र मलंगिया अपन नाट्य-स्थानक संबंधमे कोन चुनौतीपूर्ण कथन करैत छथि?**

(A) जाधरि कलम चलैत रहत, हुनकर सिंहासन अटल रहत

(B) ओ नाटक छोड़ि देलनि

(C) ओ कविता अस्वीकार करैत छथि

(D) ओ मंचसँ डरैत छथि

**३७२. "मैथिली नाटकक भीष्मपितामह" सम्बोधन पर हुनकर प्रतिक्रिया कोना अछि?**

(A) मुस्की सहित, अपन नाटक लोककेँ पसिन छैक से गर्व

(B) पूर्ण अस्वीकार

(C) क्रोध मात्र

(D) मौन

**३७३. जनकपुरक कलाकारसभ प्रति मलंगियाक दृष्टि की अछि?**

(A) ओ सभसँ बहुत आशा कएल जा सकैत अछि

(B) ओ कलाकार-विरोधी छथि

(C) जनकपुर असंबद्ध अछि

(D) कलाकार अप्रासंगिक छथि

**३७४. नेपालमे मैथिली साहित्य-संरक्षणक स्थिति पर मलंगियाक मत की अछि?**

(A) सन्तोषदायक काज नहि भेल

(B) सब काज पूर्ण अछि

(C) मैथिली सर्वोच्च सरकारी संरक्षणमे अछि

(D) ओ टिप्पणी नहि करैत छथि

**३७५. नेपालमे मैथिली दोसर बेसी बाजल जाएबला भाषा होइतहुँ रंगकर्मक विकास नहि होयब कोन विरोधाभास अछि?**

(A) भाषिक संख्या आ सांस्कृतिक-संस्थागत समर्थन बीच दूरी

(B) भाषा नहि बाजल जाइत

(C) नाटक अनावश्यक अछि

(D) समर्थन बहुत अछि

**३७६. नेपाल ज्ञान प्रतिष्ठानक मैथिली-काज पर मलंगियाक दृष्टि की अछि?**

(A) ओ एकरा असन्तोषजनक/अपर्याप्त मानैत छथि

(B) ओ अत्यंत संतुष्ट छथि

(C) ओ मैथिली निषिद्ध करैत छथि

(D) ओ बोलल नहि

**३७७. रंगकर्मकेँ रोजी-रोटी सँ जोड़बाक आग्रह किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) आर्थिक आधार बिना रंगमंचक सतत विकास कठिन अछि

(B) रंगमंच केवल शौक रहय

(C) कलाकार भूखे रहय

(D) नाटकक समाजसँ संबंध नहि

**३७८. नाटक लिखैत समय दर्शकक मानसिकता, उमेर, शिक्षा आ पेशा ध्यानमे रखबाक सलाह कोन दृष्टि अछि?**

(A) दर्शक-केंद्रित नाट्यशिल्प

(B) केवल लेखक-अहंकार

(C) दर्शक-विरोध

(D) मंच-सज्जा मात्र

**३७९. मलंगियाक सफलताक रहस्य हुनकर अनुसार की अछि?**

(A) ओ दर्शककेँ लक्षित कऽ नाटक लिखैत छथि

(B) ओ दर्शककेँ नकारैत छथि

(C) ओ मंच पर नहि जाइत छथि

(D) ओ केवल अनुवाद करैत छथि

**३८०. एहि खण्डक मूल नाट्य-चिन्ता की अछि?**

(A) लोकप्रियता, संस्थागत उपेक्षा, आर्थिक आधार आ दर्शक-सजग लेखनक प्रश्न

(B) केवल पोशाक वर्णन

(C) केवल यात्रा विवरण

(D) संगीतक सूची

## खण्ड २९३ : विदेह-सदेह १ — “बिदेसिया”: प्रवासन, गृह-स्मृति आ रंगमंच

**३८१. “बिदेसिया” नाटकक मूल सामाजिक प्रसंग की अछि?**

(A) रोजगार/परिस्थिति कारण गाम छोड़ि विदेश/शहर जाएबाक विवशता

(B) केवल राजदरबार

(C) कृषि उत्सव

(D) बालक्रीड़ा

**३८२. बिदेसिया विवाहक किछुए दिन बाद गाम किएक छोड़ैत अछि?**

(A) पैसा कमएबाक लोभ/विवशता सँ

(B) तीर्थ-यात्रा लेल

(C) विद्यालय परीक्षा लेल

(D) खेलकूद लेल

**३८३. गाम छोड़िते बिदेसियासँ की-की छुटि जाइत अछि?**

(A) नवकी कनियाँ, गामक साथी आ स्मृति

(B) केवल पुरान जूता

(C) राजसिंहासन

(D) विद्यालय-बैग

**३८४. नवकी कनियाँक बारहमासा गेनाइ की देखबैत अछि?**

(A) विरह आ प्रतीक्षाक लोकधर्मी अभिव्यक्ति

(B) उत्सवक नृत्य

(C) सरकारी आदेश

(D) हास्य-प्रदर्शन

**३८५. शहरमे बिदेसियाक दोसर संगिनी बनब कोन संकट देखबैत अछि?**

(A) प्रवासमे आत्म-विस्मृति आ दाम्पत्य-संबंधक विघटन

(B) पूर्ण नैतिक विजय

(C) परिवारक विस्तार बिना तनाव

(D) गामक संरक्षण

**३८६. भिखारी पात्रक भूमिका नाटकमे की बताओल गेल?**

(A) लोककेँ अपन गाम-घरक याद करय लेल विवश करब

(B) नाटक रोकब

(C) गामक स्मृति मिटाब

(D) केवल हास्यक मुद्रा

**३८७. नाटकक सुखान्त समाप्ति कोन सांस्कृतिक चाहना व्यक्त करैत अछि?**

(A) टूटल परिवार आ गाम-संबंधक पुनर्संधान

(B) विरहक स्थायी विफलता

(C) गामक पूर्ण विनाश

(D) प्रवासक महिमा मात्र

**३८८. शरीरसँ नहि, मनसँ बिदेसिया भेनिहार — एहि विचारक अर्थ की अछि?**

(A) प्रवासन मनुष्यकेँ सांस्कृतिक रूपेँ सेहो पराया बना सकैत अछि

(B) शरीरक यात्रा असंभव अछि

(C) मन अप्रासंगिक अछि

(D) नाटक केवल भूगोल अछि

**३८९. बिदेसिया नाटक समाजक कोन कटु सत्य उजागर करैत अछि?**

(A) जीविका लेल माटि-पानि आ परिवारसँ दूर होयबाक मजबूरी

(B) सम्पन्नता बिना पीड़ा

(C) गाममे कोनो समस्या नहि

(D) प्रेम अप्रासंगिक

**३९०. एहि नाटकक अध्ययनक मुख्य बिन्दु की अछि?**

(A) प्रवासन, लोकगीत, स्त्री-विरह, परिवार आ पहचानक रंगमंचीय संगम

(B) पृष्ठ संख्या

(C) मंचक कुर्सी

(D) टिकट दर

## खण्ड २९४ : विदेह-सदेह १ — नेपाल/मधेश समाचार: सशस्त्र समूह आ जनजीवन

**३९१. मधेशमे दू दर्जनसँ बेशी सशस्त्र समूहक उल्लेख कोन स्थिति देखबैत अछि?**

(A) असुरक्षा आ राजनीतिक-सामाजिक तनाव

(B) पूर्ण शांति

(C) कला उत्सव

(D) विद्यालय परीक्षा

**३९२. जनकपुरक जानकी मन्दिरमे पत्रकार रैली किएक निकालैत छथि?**

(A) सशस्त्र समूहक विरोधमे

(B) संगीत प्रतियोगिता लेल

(C) कृषि-मेला लेल

(D) नाटक-प्रचार लेल

**३९३. कार्यालयमे ताला लगाकऽ विरोध प्रदर्शन कोन नागरिक प्रतिक्रिया अछि?**

(A) भय आ असंतोषक संगठित अभिव्यक्ति

(B) पूजा-विधि

(C) वाणिज्य उत्सव

(D) शिक्षा-समारोह

**३९४. बस चालक कृष्ण खवासक हत्या प्रसंग कोन सुरक्षा-संकट देखबैत अछि?**

(A) राजमार्ग पर अपराध आ यातायातक असुरक्षा

(B) सफल पर्यटन

(C) संगीत-यात्रा

(D) राजमार्ग उत्सव

**३९५. खलासी द्वारा बस नियंत्रित करब कोन मानवीय पक्ष देखबैत अछि?**

(A) संकटमे तत्परता आ यात्रियनकेँ दुर्घटनासँ बचाबयक साहस

(B) बस छोड़ि देब

(C) हिंसा बढ़ाब

(D) समाचार छिपाब

**३९६. चक्काजामक परिणामस्वरूप जनजीवन पर कोन प्रभाव पड़ल?**

(A) यातायात ठप्प, उपभोग्य वस्तुक अभाव आ असुविधा

(B) पूर्ण सुविधा

(C) व्यापार दोगुना

(D) कोनो असर नहि

**३९७. मधेश नामपर खुलल संगठनसभक विरोध किएक उल्लेखनीय अछि?**

(A) जनता हिंसा आ अस्थिरता सँ ऊबि रहल छल

(B) सभ संगठन पूर्ण लोकप्रिय छल

(C) कोनो विरोध नहि

(D) भाषा असंबद्ध अछि

**३९८. एहि समाचार-खंडक साहित्यिक/सांस्कृतिक महत्त्व की अछि?**

(A) पत्रिका समाजक राजनीतिक-सुरक्षा यथार्थकेँ साहित्यिक संसारसँ अलग नहि मानैत

(B) साहित्य केवल छन्द अछि

(C) समाचार अस्वीकार्य अछि

(D) समाज अनुपस्थित अछि

**३९९. जनजीवन प्रभावित भेलाक वर्णन कोन दृष्टि अपनबैत अछि?**

(A) सामान्य नागरिकक पीड़ा केन्द्रित दृष्टि

(B) केवल शासक-दृष्टि

(C) केवल अपराधी-दृष्टि

(D) केवल खेल-दृष्टि

**४००. मधेश समाचारक निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा-संस्कृति संग सामाजिक शांति आ सुरक्षा सेहो आवश्यक अछि

(B) सुरक्षा अप्रासंगिक अछि

(C) साहित्य समाजसँ कटल अछि

(D) हिंसा विकासक संकेत अछि

## खण्ड २९५ : विदेह-सदेह १ — कोशी प्रलय: आपदा, दोषारोपण आ विस्थापन

**४०१. कोशीकेँ नेपाल आ भारतक जनता लेल “अभिशाप” किएक कहल गेल?**

(A) तटबन्ध टूटि व्यापक बाढ़, विस्थापन आ जन-हानि करबाक कारण

(B) ओ केवल तीर्थ नदी अछि

(C) ओ कखनो बाढ़ नहि लाबैत

(D) ओ शहरक पार्क अछि

**४०२. पूर्वी तटबन्ध भत्थन होयब कोन घटना-सूत्र अछि?**

(A) नदी बाट बदलि नेपाल-बिहारमे विनाशकारी बाढ़ अनलक

(B) नदी सूखि गेल

(C) पुल बनल

(D) कला प्रदर्शनी भेल

**४०३. नेपालक लगभग एक लाख जनता विस्थापित भेल — ई कोन स्तरक संकट देखबैत अछि?**

(A) सीमा-पार मानवीय आपदा

(B) स्थानीय हल्का वर्षा

(C) सांस्कृतिक उत्सव

(D) निजी घटना

**४०४. बिहारमे लाखों जनता प्रभावित भेलाक उल्लेख कोन बात स्पष्ट करैत अछि?**

(A) कोशीक असर राष्ट्रीय/सीमा-पार स्तर तक फैलल

(B) संकट केवल एक घरमे छल

(C) बिहार अप्रभावित छल

(D) नदीक कोनो असर नहि

**४०५. नेपाल आ भारतक परस्पर दोषारोपण कोन प्रशासनिक संकट देखबैत अछि?**

(A) जवाबदेहीक अस्पष्टता आ समन्वयक कमी

(B) पूर्ण समन्वय

(C) तुरन्त समाधान

(D) कोनो दोष नहि

**४०६. कोशी समझौताक संदर्भमे तटबन्ध-काज भारतक जिम्मा कहल गेल — एहि जानकारीक उपयोग की अछि?**

(A) आपदा-प्रबंधनक संस्थागत जिम्मेदारी बुझबाक लेल

(B) पृष्ठ रटबाक लेल

(C) गीत गाबय लेल

(D) कथा हटाबय लेल

**४०७. राष्ट्रीय विपत्ति घोषणा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) आपदाक गंभीरता सरकारी स्तर पर स्वीकारल गेल

(B) बाढ़ असत्य सिद्ध भेल

(C) सहायता रोकल गेल

(D) संकट छोट छल

**४०८. कटान नियंत्रणक असफल प्रयास कोन संदेश दैत अछि?**

(A) तकनीकी तैयारी आ स्थायी नदी-प्रबंधनक कमी

(B) समस्या पूर्ण समाधान भेल

(C) नदी नियंत्रित भऽ गेल

(D) कोनो प्रयास नहि भेल

**४०९. विस्थापित शिविरमे पेटझरी फैलनाइ कोन द्वितीयक आपदा अछि?**

(A) बाढ़ बाद स्वास्थ्य-संकट

(B) उत्सवक भोजन

(C) विद्यालय आरम्भ

(D) संगीत समारोह

**४१०. कोशी लेखांशक मुख्य अध्ययन-बिन्दु की अछि?**

(A) प्राकृतिक आपदा, प्रशासनिक विफलता, सीमा-पार जिम्मेदारी आ मानवीय विस्थापन

(B) केवल नदीक नाम

(C) केवल रंग-वर्णन

(D) केवल हास्य

## खण्ड २९६ : विदेह-सदेह १ — कोशीक कोप: कविता आ पर्यावरण-चिन्ता

**४११. “कोसीक कोप” कवितामे प्राकृतिक कोपक सामने कवि कोन आग्रह करैत अछि?**

(A) अधीर नहि भऽ पर्यावरण आ प्रशासनक कारण पर विचार करब

(B) आपदा अनदेखा करब

(C) केवल रोमान्स करब

(D) नदीक उत्सव मनाब

**४१२. सरकार “बहिरे” बनल अछि — ई पंक्ति कोन आरोप अछि?**

(A) पीड़ित जनजीवनक पुकार प्रति शासनक संवेदनहीनता

(B) सरकार अत्यंत सुनैत अछि

(C) कविता शासन-स्तुति अछि

(D) कोनो जनपीड़ा नहि

**४१३. कोसी नदी बिहारक शोक कहलाक अर्थ की अछि?**

(A) बाढ़क ऐतिहासिक आवृत्ति आ विनाशकारी स्मृति

(B) नदी पूर्ण वरदान मात्र

(C) बिहारसँ असंबद्ध

(D) शोक शब्द हास्य अछि

**४१४. पर्यावरणक सतत हनन पर रोक नहि लागब कोन आधुनिक संकट जोड़ैत अछि?**

(A) मानव निर्मित पर्यावरण-क्षति आ बाढ़-जोखिमक सम्बन्ध

(B) पर्यावरण अप्रासंगिक

(C) नदी केवल पौराणिक

(D) कविता मौसम रिपोर्ट

**४१५. हिमनद घमब आ जलस्तर बढ़ब कोन वैश्विक समस्या दर्शबैत अछि?**

(A) जलवायु परिवर्तनक संकेत

(B) केवल स्थानीय तालाब

(C) कथा-कल्पना

(D) धातु-शास्त्र

**४१६. समय पर सरकारी कोष खुलिते संकट टरि सकैत छल — ई विचार कोन बात कहैत अछि?**

(A) पूर्व तैयारी आ मरम्मति-प्रबंधनक आवश्यकता

(B) आपदा असंभव छल

(C) कोषक जरूरत नहि

(D) नदी स्वयं रुकैत

**४१७. भूगोलवेत्ता आ अभियंता आगू आबयक आग्रह कोन समाधान-दृष्टि अछि?**

(A) वैज्ञानिक नदी-प्रबंधन आ तकनीकी मार्गदर्शन

(B) केवल मंत्र-पाठ

(C) कवि सम्मेलन मात्र

(D) बाजार प्रचार

**४१८. जलसंचय, सिंचाई आ जलविद्युतक उल्लेख कोन सकारात्मक संभावना खोलैत अछि?**

(A) नदी-जलकेँ विनाशसँ विकास-संसाधन मे बदलबाक संभावना

(B) बाढ़ बढ़ाबय

(C) जल निषिद्ध करब

(D) खेती रोकब

**४१९. “कोसीक कोप” सामाजिक कविता किएक अछि?**

(A) आपदा, सरकार, पर्यावरण, विज्ञान आ जनजीवन सबकेँ जोड़ैत अछि

(B) केवल निजी प्रेम

(C) केवल पृष्ठ-सूची

(D) केवल छन्द-अभ्यास

**४२०. एहि कविताक प्रमुख संदेश की अछि?**

(A) प्राकृतिक आपदा पछाड़ि दीर्घकालिक पर्यावरणीय आ प्रशासनिक उत्तरदायित्व जरूरी अछि

(B) दोष केवल नदीक अछि

(C) मानवक भूमिका नहि

(D) संकट उत्सव अछि

## खण्ड २९७ : विदेह-सदेह १ — ज्योति प्रकाश लाल: कम्प्यूटर शिक्षा

**४२१. ज्योति प्रकाश लालक लेखमे “कम्प्यूटर”क मैथिली/हिन्दी नाम कोन बताओल गेल?**

(A) संगणक

(B) मृदंग

(C) कलम

(D) दर्पण

**४२२. लेखकक अनुसार आजुक समयमे सभकेँ की होयबाक चाही?**

(A) कम्प्यूटर साक्षर

(B) केवल मौखिक पाठक

(C) संगीतकार मात्र

(D) राजदरबारी

**४२३. कम्प्यूटर साक्षरता सँ लेखकक आशय की अछि?**

(A) कम्प्यूटर अनुप्रयोगकेँ व्यवहारमे लाबयक क्षमता

(B) मशीनक पूजा

(C) केवल तार जोड़ब

(D) कागज रंगब

**४२४. दरखास्त/चिट्ठी लिखबामे कम्प्यूटर कोन सुविधा दैत अछि?**

(A) स्पेलिंग जाँच, व्याकरण संकेत, एलाइनमेंट आ मार्जिन नियंत्रण

(B) केवल खेत जोतब

(C) मौसम बदलब

(D) गीत गाबय

**४२५. Spelling Checking सुविधा किएक उपयोगी कहल गेल?**

(A) गलत हिज्जे स्वतः बताबयक कारण

(B) गलती बढ़ाबय

(C) लेखन रोकब

(D) कागज फाड़ब

**४२६. Grammatical Errors पकड़बाक सुविधा कोन लेखकीय लाभ दैत अछि?**

(A) औपचारिक पत्र/लेखन अधिक सही बनैत अछि

(B) भाषा हटि जाइत अछि

(C) लेखन असंभव होइत अछि

(D) केवल चित्र बनैत अछि

**४२७. प्रिन्टआउट सुविधा पत्राचारमे कोन परिवर्तन लाबैत अछि?**

(A) एकटा लेखनक अनेक साफ प्रति निकालब सरल होइत अछि

(B) डाकघर बंद करैत अछि

(C) लेखन मिटबैत अछि

(D) सिर्फ आवाज दैत अछि

**४२८. "Computer literate" नहि होयबकेँ illiterate सँ जोड़ल कथन कोन युग-बोध दैत अछि?**

(A) डिजिटल युगमे तकनीकी साक्षरता मूल साक्षरता-जकाँ आवश्यक बनि गेल

(B) कम्प्यूटर बेकार अछि

(C) पढ़ाइ अप्रासंगिक अछि

(D) लेखन केवल मौखिक अछि

**४२९. इंटरनेट उपलब्ध भेला पर संचारमे कोन परिवर्तन संकेतित अछि?**

(A) पत्राचार, सूचना आ पहुँचक स्वरूप तेजी सँ बदलि जाइत अछि

(B) सब संचार रुकैत अछि

(C) केवल पोस्टकार्ड रहैत अछि

(D) भाषा समाप्त होइत अछि

**४३०. ज्योति प्रकाश लालक लेखक मुख्य उद्देश्य की अछि?**

(A) मैथिली पाठककेँ आधुनिक कम्प्यूटर साक्षरता आ डिजिटल उपयोगिता बुझेनाइ

(B) कविता-संग्रह बनब

(C) नाटक समीक्षा मात्र

(D) कृषि पंचांग

## खण्ड २९८ : विदेह-सदेह १ — कम्प्यूटर, भाषा आ आधुनिक संचार

**४३१. मातृभाषामे अंग्रेजी तकनीकी शब्दक प्रयोगपर लेखकक दृष्टि कतेक व्यावहारिक अछि?**

(A) ओ मानैत छथि जे बहुत शब्द चलनमे अछि, शुद्ध शब्द अपरिचित बुझा सकैत अछि

(B) ओ सभ अंग्रेजी शब्द निषिद्ध करैत छथि

(C) ओ भाषा छोड़ैत छथि

(D) ओ तकनीक अस्वीकार करैत छथि

**४३२. कम्प्यूटर लेखनमे पैराग्राफ एलाइनमेंट आ मार्जिनक चर्चा किएक अछि?**

(A) दस्तावेजक प्रस्तुति आ पठनीयता सुधारबाक लेल

(B) खेती लेल

(C) नदी रोकबाक लेल

(D) गीत गाबय लेल

**४३३. डाक-युगक पोस्टकार्ड, अन्तर्देशीय, लिफाफाक स्मृति कोन तुलना बनबैत अछि?**

(A) पुरान पत्राचार आ इंटरनेट-युगक बीच अन्तर

(B) कृषि-समस्या

(C) नाटकक दृश्य

(D) कला-सज्जा

**४३४. मनीऑर्डरक उल्लेख किएक आयल अछि?**

(A) डाकघरक पूर्व सामाजिक-आर्थिक भूमिका देखाबय लेल

(B) कविता छन्द लेल

(C) संगीत ताल लेल

(D) कथा-पात्र नाम लेल

**४३५. इंटरनेट सुविधा उपलब्ध भेलापर "बहुतो चीज बदलि गेल" — ई कथन कोन परिवर्तन दैत अछि?**

(A) सूचना, पत्राचार आ सेवा-प्राप्तिक गति आ रूप बदलल

(B) समाज स्थिर रहल

(C) चिट्ठी अनिवार्य रहल

(D) कम्प्यूटर असफल भेल

**४३६. कम्प्यूटर साक्षरता मैथिली समाज लेल किएक खास महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) भाषा-सामग्री, पत्राचार आ ज्ञान-विनिमय डिजिटल रूपमे सम्भव होइत अछि

(B) मैथिली हटि जाइत अछि

(C) समाज कम्प्यूटर नहि सीखि सकैत

(D) साहित्यक उपयोग नहि

**४३७. लेखकक पेशेवर परिचय — सॉफ्टवेयर अभियंता आदि — लेखक विश्वसनीयता कोना बनबैत अछि?**

(A) तकनीकी अनुभवसँ कम्प्यूटर शिक्षा पर व्यवहारिक अधिकार भेटैत अछि

(B) ओ विषयसँ असंबद्ध छथि

(C) केवल कवि छथि

(D) ओ कम्प्यूटर-विरोधी छथि

**४३८. माइक्रोसॉफ्ट/वेब आधारित अनुभवक संकेत लेखमे कोन स्तर जोड़ैत अछि?**

(A) वैश्विक तकनीकी अनुभव आ स्थानीय भाषा-समाजक संवाद

(B) केवल स्थानीय चिट्ठी

(C) कृषि विवरण

(D) नाटक मंचन

**४३९. मुफ्त कैरियर सुझावक उल्लेख कोन सामाजिक सेवा-बोध देखबैत अछि?**

(A) तकनीकी ज्ञानकेँ युवासमाजक उपयोगमे लाबयक इच्छा

(B) ज्ञान छिपाबय

(C) केवल व्यापार

(D) साहित्य हटाबय

**४४०. एहि लेखक अध्ययन-मूल्य की अछि?**

(A) डिजिटल साक्षरता, भाषा-व्यवहार आ संचार-परिवर्तनक प्रारम्भिक मैथिली विवेचन

(B) केवल पृष्ठ-विवरण

(C) संगीत-सूची

(D) नदी-कथा

## खण्ड २९९ : विदेह-सदेह १ — कोशी, प्रार्थना आ लोकजीवनक कविता-सूत्र

**४४१. “ईशक आराधना”मे कवि केहन हाथ माँगैत छथि?**

(A) गरीब आ दुखी लेल सृजनशील, सहायक हाथ

(B) धन लूटय बला हाथ

(C) हिंसा करय बला हाथ

(D) केवल सजावट हाथ

**४४२. गरीबीक सीमा पार कएनिहार लोकक संदर्भ कोन सामाजिक आकांक्षा बनबैत अछि?**

(A) संजीवनी बुटी-जकाँ जीवनदायी सहायताक चाह

(B) गरीबीक उपहास

(C) धनीक विलास

(D) सामाजिक दूरी

**४४३. घर-घर शिक्षित आ समृद्ध होयबाक स्वप्न कोन रचनात्मक उद्देश्य देखबैत अछि?**

(A) सामाजिक विकास आ लोककल्याण

(B) केवल निजी भवन

(C) युद्ध कीर्ति

(D) व्यापार लाभ

**४४४. “खरहाक भोज”मे खरहा द्वारा साग-पात चरब कोन ग्रामीण संघर्ष देखबैत अछि?**

(A) खेतीक श्रम आ प्राकृतिक/जीव-जन्य क्षति बीच तनाव

(B) राजमहल भोज

(C) शहरक क्लब

(D) विद्यालय समारोह

**४४५. गृहस्थक तामस किएक उठैत अछि?**

(A) प्रतिदिनक मेहनत खरहा द्वारा नष्ट होयबाक कारण

(B) संगीत सुनि

(C) उत्सव देखी

(D) खेल जीति

**४४६. लोकजीवनक कविता-खंडसभमे प्रकृति कोना उपस्थित अछि?**

(A) सहयोगी सेहो, संकटकारी सेहो

(B) पूर्ण अनुपस्थित

(C) केवल सजावट

(D) केवल शहरक इमारत

**४४७. प्रार्थना आ ग्रामीण दृश्य एक संग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) कविता आध्यात्मिकता कैँ वास्तविक सामाजिक श्रमसँ जोड़ैत अछि

(B) दुनू असंबद्ध

(C) केवल कथा-विनोद

(D) केवल इतिहास

**४४८. एहि कविता-सूत्रमे करुणा कोन रूपमे अछि?**

(A) दुखी समाजक समस्या मेटाबयक सक्रिय इच्छा

(B) दया मात्र बिना कर्म

(C) हास्य

(D) विलास

**४४९. ग्रामीण प्रतीकसभक साहित्यिक उपयोग की अछि?**

(A) बड़ा सामाजिक अर्थ छोट दृश्यसँ व्यक्त करब

(B) पृष्ठ भरण

(C) अर्थहीन सजावट

(D) केवल अनुप्रास

**४५०. एहि खण्डक मूल भाव की अछि?**

(A) लोककल्याण, पर्यावरणीय संकट, श्रम आ सामाजिक आशा

(B) केवल श्रृंगार

(C) केवल राजदरबार

(D) केवल हास्य

## खण्ड ३०० : विदेह-सदेह १ — “असल राज” आ लंदन-जीवनक व्यंग्य

**४५१. “असल राज”मे लंदन शहरक भोरक भीड़ कोन आधुनिक जीवन-दृश्य बनबैत अछि?**

(A) समयबद्ध, भागैत, कामकेंद्रित शहरी जीवन

(B) गामक मेला

(C) राजदरबार

(D) नदी-स्नान

**४५२. सबके “श्वेत रेवार” जकाँ देखब कोन दृश्यात्मक बिम्ब अछि?**

(A) भीड़मे व्यक्तित्वक एकरसता

(B) रंगोत्सव

(C) वन्यजीव

(D) खेतक कतार

**४५३. बैगक संग काज दिस विदा होयब कोन जीवन-लय देखबैत अछि?**

(A) नौकरी-नियम आ समयक अनुशासन

(B) नाटकक मंच

(C) खेलक मैदान

(D) विवाह गीत

**४५४. ओवरकोटमे बन्द लोकक चित्र किएक अर्थपूर्ण अछि?**

(A) देह आ व्यक्तित्व दुनू शहरी आवरणमे कैद बुझाइत अछि

(B) पूर्ण स्वतंत्रता

(C) उत्सवक पोशाक

(D) खेतीक औजार

**४५५. “मिथ्या अभिमान भेल विलीन” पंक्ति कोन अनुभव दैत अछि?**

(A) बाहरी वैभवक बीच अहंकार टूटि जाइत अछि

(B) अभिमान बढ़ैत अछि

(C) कवि राजा बनैत अछि

(D) भीड़ नहि अछि

**४५६. कानूनन ठीक काज करनिहारक “असल राज” कोन विचार अछि?**

(A) नियमपालन आ श्रम-संस्कारक समाज-निर्माण शक्ति

(B) अराजकता

(C) लूट

(D) आलस्य

**४५७. “लाज नहि कएल” पंक्ति श्रम-नैतिकता पर की कहैत अछि?**

(A) कोनो काज ईमानदारीसँ करबमे लाज नहि

(B) काम अपमान अछि

(C) केवल पद महत्वपूर्ण

(D) श्रम त्याज्य अछि

**४५८. लंदन दृश्यक माध्यमसँ कवि अपना समाज लेल कोन संकेत देत छथि?**

(A) अनुशासन, श्रम आ नियमपालनक आवश्यकता

(B) आलस्यक महिमा

(C) नियम-विरोध

(D) केवल विदेशी प्रशंसा

**४५९. “असल राज” शीर्षक राजनीतिक अछि वा नैतिक?**

(A) दुनू — कानून, श्रम आ नागरिक अनुशासनक नैतिक राजनीति

(B) केवल राजगद्दी

(C) केवल प्रेमगीत

(D) केवल यात्रा-फोटो

**४६०. एहि कविताक मूल संदेश की अछि?**

(A) समाजक वास्तविक उन्नति अनुशासन, श्रमगौरव आ नियमपालन सँ होइत अछि

(B) धन मात्र काफी अछि

(C) भीड़ पर्याप्त अछि

(D) कानूनक जरूरत नहि

## खण्ड ३०१ : विदेह-सदेह १ — पतझड़, वृक्ष आ पर्यावरण-संवेदना

**४६१. “पतझड़क आगमन”मे रंगसभक सूची कोन दृश्य बनबैत अछि?**

(A) मौलाइत प्रकृतिक बहुरंगी ऋतु-परिवर्तन

(B) नगरक ट्रैफिक

(C) राजसभा

(D) बालक खेल

**४६२. प्रकृति जीर्ण भेल जेना — एहि बिम्बक अर्थ की अछि?**

(A) ऋतु-परिवर्तनमे क्षय आ पुनर्जन्मक संकेत

(B) प्रकृति स्थिर अछि

(C) प्रकृति अनुपस्थित अछि

(D) कवि भवन देखैत छथि

**४६३. गेरूवा वस्त्र धारण करब कोन आध्यात्मिक रूपक अछि?**

(A) त्याग आ संन्यास-जकाँ प्रकृतिक रूपान्तरण

(B) विवाहक पोशाक

(C) युद्धक कवच

(D) व्यापार-वर्दी

**४६४. हिमक बरखा बाद नवजीवनक आशा कोन चक्र देखबैत अछि?**

(A) क्षय-पश्चात वसंतक पुनरागमन

(B) स्थायी मृत्यु

(C) कभी न बदलय

(D) केवल गर्मी

**४६५. “वृक्षक अभिलाषा”मे बूढ़ वृक्ष आमक गाछ किएक रोपैत अछि?**

(A) आगामी पीढ़ीक लेल फल-मिठास छोड़बाक हेतु

(B) अपन तत्काल लाभ लेल

(C) गाछ काटय लेल

(D) खेल लेल

**४६६. कियो पूछैत अछि — लाभ की? — तकर उत्तर कोन नैतिकता खोलैत अछि?**

(A) अपने नहि खाएब तइयो अगिला पीढ़ी खाएत

(B) लाभ नहि त छोड़ि देब

(C) गाछ बेकार अछि

(D) फल विष अछि

**४६७. बाप-दादाक रोपल कलम भोगलाक ऋण लौटेबाक अर्थ की अछि?**

(A) पूर्वजक दानक प्रत्युपकार भविष्यक लेल करब

(B) पूर्वजकेँ भूलब

(C) ऋण अस्वीकार

(D) गाछ उखाड़ब

**४६८. पर्यावरण-संवेदना एहि कवितासभमे कोना अछि?**

(A) गाछ, ऋतु आ पीढ़ीकेँ जीवन-संबंध रूपमे देखब

(B) प्रकृति-विरोध

(C) वन-विनाश

(D) केवल सजावट

**४६९. पतझड़ आ वृक्ष कविता मिलि कोन दार्शनिक भाव दैत अछि?**

(A) क्षय, त्याग, पुनर्जन्म आ परपीढ़ी दान

(B) स्थिरता मात्र

(C) उपभोग मात्र

(D) अराजकता

**४७०. एहि खण्डक मुख्य शिक्षण-मूल्य की अछि?**

(A) पर्यावरणकेँ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आ नैतिक दृष्टिसँ पढ़ब

(B) केवल रंग रटब

(C) पृष्ठ संख्या पूछब

(D) फल गिनब

## खण्ड ३०२ : विदेह-सदेह १ — टेम्स नदीमे नौकाविहार: प्रवास आ आत्म-तुलना

**४७१. टेम्स नदीमे नौकाविहार कवितामे यात्रा-दृश्य कोना आरम्भ होइत अछि?**

(A) स्टीमरक उपरका मंजिल पर शीतल बयार संग सफर

(B) रेगिस्तानमे पैदल यात्रा

(C) गामक पोखरि मात्र

(D) राजदरबार प्रवेश

**४७२. तट पर ऊँच-ऊँच भव्य भवन कोन अनुभव दैत अछि?**

(A) वास्तुकला आ तकनीकी विकासक प्रत्यक्ष दर्शन

(B) गामक झोपड़ी मात्र

(C) जंगलक अन्हार

(D) बाढ़क विनाश

**४७३. अनुशासित बहावक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) मानव-प्रयास द्वारा नदी-परिदृश्यक नियंत्रित रूप देखबैत अछि

(B) नदी उफनैत अछि

(C) नाव डूबैत अछि

(D) कोनो व्यवस्था नहि

**४७४. "अपन बिसरल घाव" जागब कोन भाव अछि?**

(A) विदेशी व्यवस्था देख अपन क्षेत्रक आपदा/अव्यवस्था याद आ दुख

(B) पूर्ण विस्मृति

(C) सिर्फ आनंद

(D) कोनो तुलना नहि

**४७५. कवि अपन प्रान्तक स्थिति पर की अनुभव करैत छथि?**

(A) आपदासँ आक्रान्त आ विकासमे पछुआल क्षेत्रक वेदना

(B) पूर्ण संतोष

(C) गौरव मात्र

(D) असंबद्धता

**४७६. बाढ़ समस्या शांत होयबाक प्रश्न कवितामे कोन आशा अछि?**

(A) नदी-प्रबंधन आ आपदा-मुक्त भविष्यक आकांक्षा

(B) बाढ़ बढ़बाक इच्छा

(C) नदी छोड़बाक सलाह

(D) संकट स्वीकार मात्र

**४७७. रातिक दृश्यकेँ हरिद्वार-जकाँ किएक कहल जा सकैत अछि?**

(A) जलपर प्रकाश-प्रतिबिम्ब आ छठि-अर्घ्य दीपक स्मृति कारण

(B) सचमुच हरिद्वार स्थानांतरण

(C) कविता मिथ्या

(D) केवल अन्हार

**४७८. छठि-अर्घ्य दीपकक बिम्ब टेम्समे कोन सांस्कृतिक सेतु बनबैत अछि?**

(A) प्रवास दृश्यकेँ मिथिला/भारतीय लोक-संस्कारसँ जोड़ैत अछि

(B) स्मृति हटबैत अछि

(C) नदीक अर्थ मिटबैत अछि

(D) कविता केवल पर्यटन अछि

**४७९. एहि कविताक प्रवासी दृष्टि की अछि?**

(A) विदेशी विकास देख अपन समाजक कमी आ स्मृति दोन्हू अनुभव करब

(B) विदेशीकरण मात्र

(C) अपन समाजक विस्मरण

(D) सिर्फ पर्यटक-आनंद

**४८०. "टेम्स नदीमे नौकाविहार"क मूल महत्व की अछि?**

(A) यात्रा-वर्णनकेँ विकास, नदी-प्रबंधन, स्मृति आ छठि-संस्कृतिसँ जोड़ब

(B) केवल टिकट विवरण

(C) पृष्ठ संख्या

(D) नावक रंग

## खण्ड ३०३ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया आ अजीत कुमार झा: प्रेम, बंधन आ दहेज

**४८१. अजय सरवैयाक कविता “अहाँक तामस हमर स्वागतपथ”मे प्रेमिका/प्रेमी संवाद कोन तनाव बनबैत अछि?**

(A) आकर्षण, क्रोध, दूरी आ बंधनक मिश्रित सम्बन्ध

(B) केवल युद्ध

(C) कृषि-समस्या

(D) राजनीतिक भाषण

**४८२. “हम प्रतिभाक प्रेमी, ओ बंधनक” पंक्ति कोन द्वंद्व देखबैत अछि?**

(A) स्वतंत्र आकांक्षा बनाम सम्बन्ध/नियमक दबाव

(B) पूर्ण समानता

(C) व्यापार-बात

(D) नदी-वर्णन

**४८३. अजयक कवितामे ऋतु आ पाबनि-तिहारक तुलना किएक अछि?**

(A) प्रेमक समय-भिन्नता आ जीवन-चक्रक भिन्नता बुझाबय लेल

(B) कृषि पंचांग बनाबय लेल

(C) पृष्ठ-सूची लेल

(D) विज्ञापन लेल

**४८४. “कतेक दिन धरि?” प्रश्न प्रेम-कवितामे कोन बेचैनी दैत अछि?**

(A) सम्बन्धक टिकाउपन आ प्रतीक्षाक अनिश्चितता

(B) पूर्ण समाधान

(C) हास्य

(D) सत्ताक आदेश

**४८५. अजीत कुमार झाक दहेज-कवितामे घटकक आगमन ककर संकेत अछि?**

(A) विवाह-बाजार आ वर-मूल्य निर्धारणक प्रक्रिया

(B) शिक्षक आगमन

(C) नाट्य निर्देशक

(D) किसान सभा

**४८६. “भाइजीयोक मुँह चमिक रहल” पंक्ति दहेज-संदर्भमे की कहैत अछि?**

(A) वर-पक्षक बाजारू उत्सुकता आ आत्म-वस्तुकरण

(B) लज्जा मात्र

(C) भक्ति

(D) विदाई-दुख

**४८७. मोल-तोल आ बोली लगेनाइ कोन अमानवीकरण अछि?**

(A) मानव विवाहकेँ बिक्री-क्रय जकाँ बना देब

(B) उदार दान

(C) प्रेमक विजय

(D) मुक्ति

**४८८. “भै या बिकेलथि” पंक्ति दहेज-विमर्शक केन्द्रीय प्रहार किएक अछि?**

(A) वर स्वयं बाजारक वस्तु बनि गेल छथि

(B) वर विजयी राजा छथि

(C) दहेज नहि अछि

(D) कविता प्रशंसा करैत अछि

**४८९. अजय आ अजीत दुनू कवितामे सम्बन्धक कोन साझा प्रश्न अछि?**

(A) मानवीय सम्बन्धमे स्वतंत्रता, मूल्य आ बंधनक प्रश्न

(B) केवल मौसम

(C) केवल भोजन

(D) केवल खेल

**४९०. एहि खण्डक साहित्यिक उपयोगिता की अछि?**

(A) प्रेम आ विवाह संस्था पर आधुनिक मैथिली/अनूदित कविताक आलोचनात्मक दृष्टि पढ़ब

(B) केवल नाम रटब

(C) पृष्ठ पूछब

(D) विज्ञापन पढ़ब

## खण्ड ३०४ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा, अबू सुथार आ अनुवाद-संवाद

**४९१. आचारण झाक संस्कृत आख्यानमे अष्टावक्र जनकपुर किएक आबैत छथि?**

(A) जनक “विदेह” किएक कहल जाइत छथि से बुझबाक प्रसंगमे

(B) व्यापार करय

(C) नाटक देखय

(D) सैनिक भर्ती लेल

**४९२. अष्टावक्रक वक्र शरीर देखि लोकक हँसनाइ कोन अज्ञान देखबैत अछि?**

(A) बाह्य शरीर देखब, आत्मा नहि चिन्हब

(B) सच्चा ज्ञान

(C) अतिथि-सत्कार

(D) शास्त्रार्थ विजय

**४९३. जनक द्वारा जल-पात्र सिर पर राखि राजभवन घुमाबयक परीक्षा किएक अछि?**

(A) ध्यान आ आसक्ति-विरक्ति समझेबाक लेल

(B) नृत्य प्रतियोगिता

(C) जल-व्यापार

(D) राजभवन सजावट

**४९४. अष्टावक्र राजभवन नहि देखलनि, जल पर ध्यान रहल — एकर अर्थ की अछि?**

(A) मन जकरा पर लागल, अनुभव सेहो ओतहि सीमित रहैत अछि

(B) राजभवन नहि छल

(C) जल अदृश्य छल

(D) जनक हारि गेलाह

**४९५. “मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः” सूत्र एहि आख्यानमे कोना लागू होइत अछि?**

(A) बंधन आ मुक्ति मनक आसक्ति/एकाग्रतासँ जुड़ल अछि

(B) मन अप्रासंगिक अछि

(C) केवल देह कारण अछि

(D) सूत्रक अर्थ नहि

**४९६. अबू सुथारक “गृहमोह”मे पहिल बरखा-गंध ककर स्मृति जगबैत अछि?**

(A) घर, माटि आ आत्मीय मिलनक संवेदना

(B) शहरक धुआँ

(C) युद्धक आवाज

(D) कारखाना

**४९७. बरखा, गाछ, मयूर, नव वधु आदिक बिम्ब “गृहमोह”मे कोन वातावरण बनबैत अछि?**

(A) ग्रामीण-प्रकृतिक जीवंत, उत्सवी आ स्मृतिमय वातावरण

(B) मरुभूमि

(C) कार्यालय

(D) युद्धक्षेत्र

**४९८. गुजरातीसँ अंग्रेजी आ अंग्रेजीसँ मैथिली अनुवादक उल्लेख कोन साहित्यिक संवाद देखबैत अछि?**

(A) बहुभाषिक सेतु द्वारा कविता मैथिली पाठक धरि पहुँचल

(B) अनुवाद असंभव

(C) भाषा-टूटन मात्र

(D) केवल मूल भाषा बंद

**४९९. आचारण झाक संस्कृत आख्यान आ अबू सुथारक अनुवादित कविता संग राखब कोन सम्पादकीय व्यापकता देखबैत अछि?**

(A) संस्कृत परम्परा, भारतीय भाषा-संवाद आ मैथिली पाठक-विस्तार

(B) केवल एक विधा

(C) भाषिक संकीर्णता

(D) साहित्य-विरोध

**५००. एहि खण्डक मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) विदेह-सदेह परम्परा, दर्शन, प्रकृति-स्मृति आ बहुभाषिक अनुवाद कें एक मंच पर आनैत अछि

(B) केवल सूचना-पत्र

(C) केवल विज्ञापन

(D) साहित्यक अभाव

## खण्ड ३०५ : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभ: मैथिली गीत-संगीतक यात्रा

**५०१. आभाष लाभक परिचयमे हुनका कोन रूपमे रेखांकित कएल गेल अछि?**

(A) मैथिली गीत-संगीतक आकाशमे ध्रुवतारा-जकाँ चमकैत गायक

(B) केवल नाटककार

(C) केवल चित्रकार

(D) केवल पत्रकार

**५०२. आभाष लाभ अपन गीत-संगीतक आरम्भ ककरा सँ जोड़ैत छथि?**

(A) बचपनसँ जनकपुर आ आसपासक मंचसँ

(B) केवल विदेश प्रवाससँ

(C) सरकारी नौकरीसँ

(D) चित्रकला प्रदर्शनीसँ

**५०३. हुनकर पहिल रेकर्डेड गीत कोन प्रसंगमे आयल?**

(A) नेपाल सँ निकलल अशोक चौधरीक मैथिली कैसेट “पानस”मे

(B) रेडियो नाटकमे

(C) विद्यालयी पाठ्यपुस्तकमे

(D) अंग्रेजी एलबममे

**५०४. मैथिली गीत-संगीतक स्थिति पर आभाष लाभक मुख्य चिन्ता की अछि?**

(A) नव प्रतिभा अपेक्षित मात्रामे नहि आबि रहल अछि

(B) प्रतिभाक अतिशय भीड़ अछि

(C) संगीत पूर्णतः समाप्त भऽ गेल

(D) केवल वाद्ययंत्रक अभाव अछि

**५०५. प्रविधि परफेक्ट भेलासँ संगीतक्षेत्रमे कोन समस्या बढ़ल कहल गेल?**

(A) उत्पादनमे बेसी खर्चक दबाव

(B) गीतक अर्थ समाप्त

(C) भाषा बदलि गेल

(D) मंच बन्द भऽ गेल

**५०६. मैथिली संगीतमे आजीविका सम्भव अछि कि नहि — आभाषक उत्तरक सार की अछि?**

(A) मेहनत आ नीक काज होए तँ सम्भव अछि

(B) कतहु सम्भव नहि

(C) केवल शौक रहि सकैत अछि

(D) सरकार बिना गीत नहि गायल जाए

**५०७. "रे छोड़ा तोरा बज्जर खसतौ"क बिक्रीक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) मैथिली कैसेट-बाजारक सम्भावना प्रमाणित करबाक लेल

(B) पृष्ठ-संख्या बतबय लेल

(C) गीत असफल छल से देखाबय लेल

(D) कवि-परिचय हटाबय लेल

**५०८. "गीत घरघर के"क दीर्घ बिक्री कोन संकेत दैत अछि?**

(A) लोकप्रिय मैथिली संगीतक टिकाउ श्रोता-वर्ग अछि

(B) श्रोता नहि रहल

(C) भाषा अप्रासंगिक अछि

(D) केवल एक दिनक प्रभाव छल

**५०९. आभाष लाभक दृष्टिमे सफल मैथिली संगीतक मूल शर्त की अछि?**

(A) काज नीक होएबाक चाही

(B) केवल नाम प्रसिद्ध हो

(C) भाषा छोड़ि देब

(D) मंच टारि देब

**५१०. एहि साक्षात्कारक पहिल भाग मैथिली संगीतबारे कोन निष्कर्ष दैत अछि?**

(A) मैथिली संगीतमे संकट सेहो अछि आ सम्भावना सेहो

(B) मैथिली संगीत पूर्ण मृत अछि

(C) कोनो व्यवसायिक सम्भावना नहि

(D) गीत केवल अभिजात लेल अछि

## खण्ड ३०६ : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभ: मौलिकता, पैरोडी आ रिमिक्स

**५११. पैरोडी गीतक प्रभावबारे आभाष लाभक दृष्टि की अछि?**

(A) पैरोडी मौलिक गीत-संगीतकेँ कमजोर करैत अछि

(B) पैरोडी सदैव मौलिकता बढ़बैत अछि

(C) पैरोडीक कोनो प्रभाव नहि

(D) पैरोडी केवल शास्त्रीय संगीत अछि

**५१२. मैथिलीमे पैरोडीकेँ किएक अनावश्यक मानल गेल?**

(A) क्योंकि मैथिलीमे अपन मौलिक संगीतक अभाव नहि रहल अछि

(B) क्योंकि मैथिलीमे गीत नहि अछि

(C) क्योंकि श्रोता नहि छथि

(D) क्योंकि मंच उपलब्ध नहि अछि

**५१३. पैरोडीसँ छुटकारा लेल श्रोताक भूमिका की बताओल गेल?**

(A) पैरोडी कैसेट किनबासँ परहेज आ मौलिक गीतक समर्थन

(B) सभ गीत छोड़ि देब

(C) केवल विदेशी गीत सुनब

(D) संगीतकेँ अपराध मानब

**५१४. संचार माध्यमक भूमिका पैरोडी-विमर्शमे की अछि?**

(A) ओहन गीत बजाबयसँ बचब, जे मौलिकता कमजोर करैत अछि

(B) पैरोडीकेँ अनिवार्य बजाउ

(C) गीतक अर्थ नहि देखू

(D) माध्यम निष्क्रिय रहू

**५१५. रिमिक्सबारे आभाष लाभक मत पैरोडीसँ अलग किएक अछि?**

(A) रिमिक्स समयानुकूल आधुनिकीकरण भऽ सकैत अछि, जँ संस्कार नष्ट नहि हो

(B) रिमिक्सकेँ पूर्णतः निषिद्ध मानैत छथि

(C) रिमिक्स आ पैरोडी एके अछि

(D) रिमिक्स भाषा-विरोधी अछि

**५१६. "समाजक लेल गीत" आ "बाजारक लेल गीत" भेदक अर्थ की अछि?**

(A) सांस्कृतिक उत्तरदायित्व आ व्यावसायिकता दू अलग पक्ष छथि

(B) दूनू पूर्ण समान अछि

(C) समाजक गीत नहि होइत

(D) बाजार निरर्थक अछि

**५१७. लगभग साढ़े तीन सय रेकॉर्डेड गीतक उल्लेख ककर प्रमाण अछि?**

(A) आभाष लाभक सक्रिय आ व्यापक गायन-कार्यक प्रमाण

(B) गायन आरम्भ नहि भेल

(C) केवल एक गीत छल

(D) ओ मंच छोड़ि देलनि

**५१८. आभाष लाभ कतेक भाषिक/फिल्मी क्षेत्रमे स्वर देलनि?**

(A) मैथिली आ भोजपुरी फिल्मसभमे सेहो

(B) केवल संस्कृत नाटकमे

(C) केवल मौन चलचित्रमे

(D) केवल अंग्रेजी एल्बममे

**५१९. विदेशी स्टेज शोसभक उल्लेख कोन बात देखबैत अछि?**

(A) मैथिली/क्षेत्रीय गायनक प्रवासी पहुँच

(B) गीत केवल जनकपुरमे सीमित अछि

(C) कला कतहु नहि गेल

(D) विदेशी श्रोता अप्रासंगिक छथि

**५२०. एहि खण्डमे आभाष लाभक संगीत-दर्शनक सार की अछि?**

(A) मौलिकता, गुणवत्ता, संस्कार आ आधुनिक बजारक संतुलन

(B) केवल पैरोडीक समर्थन

(C) व्यवसायक पूर्ण निषेध

(D) परम्पराक पूर्ण त्याग

## खण्ड ३०७ : विदेह-सदेह १ — डॉ. राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श: मधेसक संस्कृति

**५२१. डॉ. राम दयाल राकेश छठि पावनिकेँ मधेसक संस्कृति किएक मानैत छथि?**

(A) तैयारी, प्रसाद, गीत, धुन आ सामूहिक व्यवहारमे मधेसी सांस्कृतिक स्वरूप देखबाक कारण

(B) केवल शहरक खेल मानबाक कारण

(C) पुस्तकालयक कार्यक्रम मानबाक कारण

(D) केवल व्यापारिक मेळा होएबाक कारण

**५२२. छठि तैयारीक एक मास पहिले आरम्भ होयब कोन बात देखबैत अछि?**

(A) पावनिक गहन अनुशासन आ सामुदायिक तैयारी

(B) आकस्मिक आयोजन

(C) मनोरंजन मात्र

(D) यादृच्छिक भोज

**५२३. छठिक प्रसाद आ सामग्री पर चर्चा किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) ई पावनक संस्कारिक आ स्थानीय सांस्कृतिक रूप उघारैत अछि

(B) प्रसाद अप्रासंगिक अछि

(C) सामग्री केवल सजावट अछि

(D) भोजनक कोनो अर्थ नहि

**५२४. छठि पावनिकेँ “लोकतांत्रिक पावनि” कहबाक आधार की अछि?**

(A) खुला स्थानमे सामूहिक मनाओल जाएब आ भेदभावक अभाव

(B) एकान्त घरमे मनाओल जाएब

(C) केवल उच्चवर्गीय आयोजन

(D) राजकीय आदेश मात्र

**५२५. सूर्य-पूजाक कारण छठिक गरिमा किएक विशेष कहल गेल?**

(A) सूर्य सभ पर समान रोशनी दैत छथि, पावन सेहो समानता सिखबैत अछि

(B) सूर्य केवल एक जातिक छथि

(C) सूर्य अन्हार फैलाबैत छथि

(D) सूर्य-संबंध नहि अछि

**५२६. छठि ककर मनोकामना सँ जुड़ल कहल गेल?**

(A) परिवारक सुख-समृद्धि आ रोग-व्याधिसँ रक्षा

(B) युद्ध-विजय मात्र

(C) व्यापार-वृद्धि मात्र

(D) नाटक-प्रदर्शन मात्र

**५२७. भोर-साँझक सूर्यकिरणक स्वास्थ्य-संदर्भ की अछि?**

(A) किरण चर्मरोग आ शरीरक कीटाणु-विनाशसँ जोड़ि देखल गेल

(B) किरणक कोनो प्रभाव नहि

(C) किरण केवल अन्हार करैत अछि

(D) स्वास्थ्य-विषय उपस्थित नहि

**५२८. महिला द्वारा आँचर पर नटुवा नचेनाइ कोन भावमे देखल गेल?**

(A) मनोकामना पूर्ण भेलापर श्रद्धा आ कबूलाक रूपमे

(B) केवल उपहास

(C) व्यापारिक विज्ञापन

(D) नृत्य-प्रतियोगिता

**५२९. छठि घाट पर ढोल/डुगडुगी बजेनिहार समुदायबारे कथनक सार की अछि?**

(A) ओ अपन जातीय-सांस्कृतिक परम्परा बचबैत छथि आ घाटक रौनक बढ़बैत छथि

(B) ओ पावनसँ असंबंधित छथि

(C) ढोलक आवाज निषिद्ध अछि

(D) संगीत उपस्थित नहि अछि

**५३०. अंग्रेजी बाजा बनाम ढोल-पीपही तुलना कोन सांस्कृतिक तर्क दैत अछि?**

(A) लोक वाद्य-संगीतमे संस्कृति केर असली झलक बेसी देखाइत अछि

(B) अंग्रेजी बाजा मात्र संस्कृति अछि

(C) लोक वाद्यक कोनो अर्थ नहि

(D) संगीत हटा देबाक चाही

## खण्ड ३०८ : विदेह-सदेह १ — छठि: सूर्य, जल आ लोकतंत्र

**५३१. छठि माता या छठि परमेश्वरी नामक व्याख्यामे उषा केना आयल अछि?**

(A) सूर्यक अर्थ उषा आ उषा भगवतीरूपेँ पूजित होयबाक कारण

(B) उषा असंबद्ध अछि

(C) केवल नदीक नाम अछि

(D) एकटा बाजाक नाम अछि

**५३२. महाभारत-सन्दर्भमे छठि प्रसंग ककरा सँ जोड़ल गेल?**

(A) कुन्ती द्वारा छठि पावनि करबाक उल्लेखसँ

(B) दुर्योधनक राज्याभिषेकसँ

(C) भीष्मक शरशय्यासँ

(D) कृष्णक बाललीलासँ

**५३३. दिनकर आ जलक सम्बन्ध किएक गहिर कहल गेल?**

(A) जल बिना सूर्यक पूजा/अर्घ्य सम्भव नहि मानल गेल

(B) जल सूर्यक विरोधी अछि

(C) सूर्यपूजामे जल निषिद्ध अछि

(D) दिनकर केवल अग्नि छथि

**५३४. जलाशय नहि भेलापर घरमे खधिया खनि जल राखबाक बात की देखबैत अछि?**

(A) विधिक मूल भाव जल-अर्घ्य अछि, स्थानानुसार व्यवस्था बनि सकैत अछि

(B) पावन असंभव अछि

(C) जल अप्रासंगिक अछि

(D) घरमे पूजा निषिद्ध अछि

**५३५. छठि पावनिक लोकतांत्रिक अर्थ लोकतंत्र/गणतंत्र विमर्शसँ कोना जुड़ैत अछि?**

(A) जनसमानता व्यवहारमे उतरल देखबैत अछि, जकरा राज्य-समाज सीखि सकैत अछि

(B) केवल राजदरबारक विधि अछि

(C) जनता अनुपस्थित अछि

(D) लोकतंत्रक विरोध अछि

**५३६. गरीब सँ धनीक तक समान ढंगसँ मनाओल जाएब कोन मूल्य स्थापित करैत अछि?**

(A) सामाजिक समानता आ सामुदायिक साझेदारी

(B) अलगाव

(C) विलासिता मात्र

(D) अनुष्ठानक बंदिश

**५३७. मधेसी-पहाड़ी, दलित-गैरदलित, गरीब-धनी भेदक उल्लेख किएक आयल अछि?**

(A) छठिक समता-धर्मक प्रकाशमे समकालीन सामाजिक भेदभावक आलोचना लेल

(B) भेदभावक समर्थन लेल

(C) पावन हटाबय लेल

(D) केवल जाति-सूची बनाबय लेल

**५३८. "नवका नेपाल" बनबैत नेतागण छठिसँ की सीखि सकैत छथि?**

(A) समानुपातिक, समतामूलक आ सामूहिक व्यवहार

(B) भेदभाव बढ़ाबय

(C) लोकधर्म उपेक्षा

(D) राजनीति अलगाव

**५३९. छठिक सामूहिक खुला स्थल पर आयोजन पावनिक केन्द्रीय शक्ति किएक अछि?**

(A) ई निजी पूजा कैँ सार्वजनिक समुदाय-संस्कारमे बदलैत अछि

(B) एकान्त अनिवार्य करैत अछि

(C) समाज हटबैत अछि

(D) घरबन्द अनुष्ठान मात्र अछि

**५४०. राम दयाल राकेशक छठि-विमर्शक सार की अछि?**

(A) लोक-संस्कृति, स्वास्थ्य-विश्वास, जल-सूर्य प्रतीक आ लोकतांत्रिक समता केर संयुक्त विश्लेषण

(B) केवल तिथि-गणना

(C) केवल भोजन-सूची

(D) केवल निजी कथा

## खण्ड ३०९ : विदेह-सदेह १ — शिवप्रसाद यादवक मायानन्द मिश्र-साक्षात्कार: आरम्भ

**५४१. साक्षात्कारक आरम्भमे भैरवा तालाबक वर्णन किएक प्रभावी अछि?**

(A) स्थान, स्मृति आ वातावरणक जीवंत पृष्ठभूमि बनबैत अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या देबाक लेल

(C) साक्षात्कारसँ असंबंधित विज्ञापन

(D) भोजन-सूची मात्र

**५४२. शिवप्रसाद यादव मायानन्द, महेन्द्र आ धीरेन्द्रक आगमनकैँ कोना चित्रित करैत छथि?**

(A) मिथिलाक त्रिपूर्ति, सौम्य ललाट, चानन, पाग आ शुभागमनक आदरभरा दृश्य

(B) अज्ञात यात्रु रूपमे

(C) व्यापारी दल रूपमे

(D) राजनीतिक जुलूस रूपमे

**५४३. "गुरुवर" सम्बोधन साक्षात्कारक स्वरतत्व की बनबैत अछि?**

(A) आदर, आत्मीयता आ शिष्यवत् संवाद

(B) कटु विरोध

(C) दूरस्थ रिपोर्टिंग

(D) व्यंग्य मात्र

**५४४. मायानन्द मिश्र "मिथि-मालिनी" लेल कोन सुझाव देलनि?**

(A) स्थापित लेखक संग स्थानीय लेखक-मंडल आ स्थानीय उपभाषा कैँ प्रोत्साहन

(B) केवल बाहरक लेखक छापू

(C) स्थानीय भाषा हटाउ

(D) रचना बन्द करू

**५४५. स्थानीय उपभाषाक प्रकाशनक आग्रहक साहित्यिक अर्थ की अछि?**

(A) मैथिली क्षेत्रक आंतरिक भाषिक विविधता कैं सम्मान देब

(B) भाषा-संकीर्णता

(C) साहित्यक अवमूल्यन

(D) छपाइ रोको

**५४६. मिथिला परिषद् सम्मान पर मायानन्द मिश्रक प्रतिक्रिया कतेक विनम्र अछि?**

(A) स्वयंकैं मैथिलीक सिपाही कहैत, सम्मानकैं स्नेह-भाव मानलनि

(B) स्वयंकैं सेनापति घोषित कएलनि

(C) सम्मान अस्वीकार कएलनि

(D) मैथिलीसँ दूरी बनौलनि

**५४७. "सिपाही" रूपक मायानन्द मिश्रक आत्मधारणा कोना व्यक्त करैत अछि?**

(A) सेवा, निष्ठा आ साहित्यिक कर्मशीलता

(B) सत्ता-लिप्सा

(C) युद्धक हिंसा मात्र

(D) व्यापारिक पहचान

**५४८. साक्षात्कारमे गृह-आँगन सोहावन होयबाक प्रसंग साहित्यिक माहौल कोना बनबैत अछि?**

(A) लेखक-भेंटकैं पारिवारिक, सांस्कृतिक उत्सव बनबैत अछि

(B) केवल घरक मरम्मत

(C) कथा-विच्छेद

(D) हास्य-विनोद मात्र

**५४९. मायानन्द मिश्रक प्रारम्भिक उत्तर सभमे कोन दृष्टि उभरैत अछि?**

(A) समावेशी, स्थानीयतापरक आ विनम्र साहित्य-दृष्टि

(B) केवल आत्मप्रशंसा

(C) स्थानीयता-विरोध

(D) भाषा-विमुखता

**५५०. एहि साक्षात्कारक आरम्भक मुख्य साहित्यिक महत्व की अछि?**

(A) व्यक्तित्व, स्थान, परम्परा आ मैथिलीसेवाक एक साथ उद्घाटन

(B) केवल नाम-सूची

(C) भ्रमण-विज्ञापन

(D) पृष्ठ-क्रम

## खण्ड ३१० : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्र: लेखन-प्रेरणा आ शिक्षा

**५५१. मायानन्द मिश्रक लेखन-प्रेरणा ककरा सँ जुड़ल बताओल गेल?**

(A) सुपौलमे पं. रामकृष्ण झा "किसुन" द्वारा स्थापित मिथिला पुस्तकालयक नियमित अध्ययनसँ

(B) सैनिक प्रशिक्षणसँ

(C) व्यापारिक कार्यालयसँ

(D) खेल-कूदसँ

**५५२. मिथिला पुस्तकालयमे नियमित पाठक रहबाक काल-संदर्भ की अछि?**

(A) सातम-आठम वर्गसँ मैट्रिक धरि, ४६-४७ सँ ४९-५० ई. धरिक अवधि

(B) केवल एक दिन

(C) सेवानिवृत्तिक बाद

(D) विदेश प्रवासक बीच

**५५३. मैथिलीमे लेखन कब शुरू भेल कहल गेल?**

(A) १९४९ ई. सँ लेख लिखऽ लगलाह

(B) १९९९ ई. सँ

(C) बाल्यावस्था नहि

(D) केवल २००९ ई. मे

**५५४. “भाङक लोटा”क उल्लेख मायानन्दजीक रचनात्मक यात्रा मे कोन स्थान रखैत अछि?**

(A) आरम्भिक लेख बादमे प्रकाशित होयबाक प्रमाण

(B) अप्रकाशित नाटक मात्र

(C) अनुवादक नाम

(D) संगीत वाद्य

**५५५. मंचसभ पर कविता पढ़ब ककर बाद शुरू भेल बताओल गेल?**

(A) मैथिली लेखन आरम्भ आ प्रकाशनक बाद

(B) एमबीए पढ़ला बाद

(C) रेडियो नौकरी छूटलाक बाद

(D) विदेश यात्रा बाद

**५५६. हिन्दी आ मैथिली दुनू विषयमे एम.ए. करबाक प्रसंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) द्विभाषिक साहित्यिक व्यक्तित्वक आधार देखबैत अछि

(B) भाषा-विरोध देखबैत अछि

(C) केवल नौकरी-फार्म

(D) चित्रकला प्रशिक्षण

**५५७. पहिल एम.ए. हिन्दीमे किएक भेल?**

(A) सी.एम. कॉलेज दरभंगामे ओहि समय मैथिलीक प्रावधान नहि छल

(B) मैथिली नापसंद छल

(C) हिन्दी अनिवार्य नहि छल

(D) ओ पढ़ाइ छोड़ि देलनि

**५५८. रेडियो, पटना मे काज करैत एम.ए. करबाक प्रसंग की देखबैत अछि?**

(A) नोकरीक संग अकादमिक साधना जारी रहल

(B) शिक्षा बन्द भऽ गेल

(C) रेडियो असंबंधित

(D) केवल अभिनय भेल

**५५९. हिन्दीमे प्रथम रचना “माटी के लोक: सोने की नया” ककरा पर आधारित कहल गेल?**

(A) कोसीक विभीषिका पर आधारित उपन्यास

(B) विवाह गीत पर

(C) बालकथा पर

(D) कंप्यूटर शिक्षा पर

**५६०. मायानन्द मिश्रक प्रारम्भिक रचना-यात्राक सार की अछि?**

(A) पुस्तकालय-पठन, मैथिली लेखन, मंच-काव्य, द्विभाषिक अध्ययन आ कोसी-यथार्थक संगम

(B) अध्ययन-विरोध

(C) केवल बाजार-लेखन

(D) भाषा-विमुख जीवन

## खण्ड ३११ : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्र: ऐतिहासिक उपन्यास-दृष्टि

**५६१. मायानन्द मिश्र अपन रचनाक मूल्यांकनबारे कोन सावधानी रखैत छथि?**

(A) लेखक स्वयं नहि, पाठक आ समीक्षक अधिक उचित मूल्यांकन करथि

(B) स्वयंकेँ अंतिम निर्णायक मानैत छथि

(C) समीक्षक निषिद्ध छथि

(D) पाठक अप्रासंगिक छथि

**५६२. हिन्दी जगतमे हुनकर कोन विधा विशेष चर्चित कहल गेल?**

(A) ऐतिहासिक उपन्यास

(B) बालगीत

(C) पत्र-संपादन

(D) यात्रा-टिकट

**५६३. “प्रथम शैलपुत्री” ककर काल-संदर्भसँ जुड़ल उपन्यास कहल गेल?**

(A) प्रागैतिहासिक कालीन उपन्यास

(B) आधुनिक दफ्तर-कथा

(C) भविष्य-विज्ञान

(D) केवल आत्मकथा

**५६४. “प्रथम शैलपुत्री”मे कोन व्यापक कथा-क्रम छैक?**

(A) भारतीय आदिम मानव सभ्यतासँ हड़प्पा/सैंधव सभ्यता धरिक विकास आ अंतक कथा

(B) केवल विवाह समारोह

(C) विद्यालय खेलकूद

(D) शहरक बाजार

**५६५. डॉ. शंभु गुप्तक समीक्षाक उल्लेख की दर्शबैत अछि?**

(A) हुनकर कृतिपर अकादमिक/समीक्षकीय ध्यान

(B) कृतिपर चर्चा नहि

(C) समीक्षा अस्वीकार

(D) केवल मौखिक प्रशंसा

**५६६. नामवर सिंह द्वारा श्रेष्ठ उपन्यास-कार्य मे “प्रथम शैलपुत्री” संकलनक संकेत किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) हिन्दी उपन्यास-परम्परामे कृति केर व्यापक मान्यता देखबैत अछि

(B) कृति अप्रकाशित छली

(C) लेखक अज्ञात रहलाह

(D) साहित्यसँ संबंध नहि

**५६७. “स्त्रीधन” कोन विषयपर आधारित कहल गेल?**

(A) मिथिलाक इतिहास पर

(B) समुद्री यात्रा पर

(C) यूरोपीय युद्ध पर

(D) बालक खेल पर

**५६८. “पुरोहित” अपन नीक लगैत अछि — ई कथन की बतबैत अछि?**

(A) लेखकक निजी लगाव आ आलोचनात्मक सावधानी साथ-साथ चलैत अछि

(B) ओ केवल एक कृति मानैत छथि

(C) बाकी कृतिसभ अस्वीकार

(D) कोनो निजी मत नहि

**५६९. मायानन्द मिश्रक इतिहास-दृष्टि कोन स्तर पर फैलल अछि?**

(A) आदिम सभ्यता, सैंधव क्रम आ मिथिला-इतिहास धरि

(B) केवल समकालीन शहर

(C) केवल हास्य

(D) केवल गीत

**५७०. एहि खण्डक मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मायानन्द मिश्र ऐतिहासिक कल्पना, सभ्यता-बोध आ पाठक-समीक्षकक स्वतंत्र मूल्यांकनक पक्षधर छथि

(B) ओ इतिहाससँ असंबंधित छथि

(C) ओ कविता-विरोधी छथि

(D) ओ केवल पत्रकार छथि

## खण्ड ३१२ : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्र: साहित्य, भाषा आ मूल्य

**५७१. मायानन्द मिश्र नबका लोकक भाषा-बोधबारे की चिन्ता व्यक्त करैत छथि?**

(A) भाषाक प्रति मोह आ अपनत्व घटि रहल अछि

(B) भाषा-प्रेम बढ़ि रहल अछि

(C) समस्या केवल छपाइमे अछि

(D) भाषा अप्रासंगिक अछि

**५७२. मैथिली बाजब छोड़ि देबाक प्रसंग ककर संकेत अछि?**

(A) घरेलू आ सामाजिक व्यवहारमे भाषिक दूरी बढ़ब

(B) मैथिली पूर्ण सुरक्षित अछि

(C) भाषा केवल पुस्तकमे रहय

(D) बोलचालक महत्व नहि

**५७३. दलित साहित्यबारे हुनकर दृष्टि कोना संतुलित अछि?**

(A) दलितक लेखनमे आना जरूरी, मुदा समग्र साहित्यक विखंडन नहि होय

(B) दलित लेखनक विरोध

(C) साहित्यमे कोनो वर्ग नहि

(D) केवल वर्गीकरण पर्याप्त

**५७४. स्त्री लेखकबारे हुनकर कथनक सार की अछि?**

(A) स्त्रीगण जरूर साहित्य लेखनमे आबथि, मुदा समग्र दृष्टि बनल रहय

(B) स्त्रीलेखन नहि होय

(C) केवल पुरुष लिखथि

(D) साहित्य विभाजन मात्र अछि

**५७५. मैथिलीमे स्त्री लेखक कम होयबाक कारण की कहल गेल?**

(A) स्त्री-शिक्षा, सहभागिता आ सहृदयताक कमी

(B) प्रतिभाक अभाव

(C) भाषाक दोष

(D) छपाइ असंभव

**५७६. आठम अनुसूची आ यूपीएससी प्रसंगमे भाषा-विकासबारे हुनकर मत की अछि?**

(A) संवैधानिक मान्यता मात्र पर्याप्त नहि; समर्पण चाही

(B) मान्यता भेटते भाषा पूर्ण विकसित

(C) समर्पण अनावश्यक

(D) परीक्षा भाषा बनबैत नहि

**५७७. परिवारक भाषा-स्थानबारे हुनकर मुख्य सलाह की अछि?**

(A) स्कूलसँ पहिले परिवारमे भाषाक समुचित स्थान दिअ जाए

(B) परिवारमे भाषा हटाउ

(C) बालक अंग्रेजी मात्र बाजय

(D) घर अप्रासंगिक अछि

**५७८. समीक्षा-बारे मायानन्दजीक आग्रह की अछि?**

(A) तटस्थता, निरपेक्षता आ वस्तुनिष्ठ दृष्टि चाही

(B) व्यक्तिगत आक्षेप जरूरी

(C) समीक्षा मित्रता पर आधारित हो

(D) ईर्ष्या-द्वेष स्वाभाविक मान्य हो

**५७९. बाजारवादी दुनियाबारे हुनकर चिन्ता की अछि?**

(A) भौतिक सुविधा बढ़लासँ उच्च नैतिक/आध्यात्मिक मूल्य घटि सकैत अछि

(B) बाजार साहित्य रचैत अछि

(C) मूल्य अप्रासंगिक छथि

(D) साहित्य केवल धन अछि

**५८०. मायानन्द मिश्रक भाषा-साहित्य दृष्टिक सार की अछि?**

(A) भाषिक अपनत्व, समग्र दृष्टि, स्त्री-दलित सहभागिता, तटस्थ समीक्षा आ नैतिक मूल्यक रक्षा

(B) केवल पुरस्कार-विमर्श

(C) केवल आत्मप्रशंसा

(D) भाषा-विरोध

## खण्ड ३१३ : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्र: रचना, अनुभव आ कालजयीपन

**५८१. मायानन्द मिश्र लेखनमे जीवनानुभवक स्थान केना परिभाषित करैत छथि?**

(A) जीवनानुभव लेखनक समस्त आधार अछि

(B) अनुभव व्यर्थ अछि

(C) केवल प्रशिक्षण पर्याप्त

(D) लेखन बिना संवेदना चलैत अछि

**५८२. कालजयी रचना ककरा कहल गेल?**

(A) जे युग बीतलाक बादो श्रेष्ठ रहय

(B) जे केवल नवीन छपल हो

(C) जे पृष्ठ बेसी हो

(D) जे विज्ञापनक कारण प्रसिद्ध हो

**५८३. सुमनजी, किरणजी, आरसी बाबूक उल्लेख किएक अछि?**

(A) एखनहुँ श्रेष्ठ मानल जाएबला कालजयी रचनाकारक उदाहरण रूपमे

(B) विरोधी उदाहरण रूपमे

(C) गैर-साहित्यिक व्यक्ति रूपमे

(D) केवल नाम-भर

**५८४. मानसिक शांति लेल पढ़बाक प्रसंगमे हुनकर उत्तर की संकेत दैत अछि?**

(A) उपलब्ध पोथी आ मनक अनुरूप काजसँ शांति खोजब

(B) केवल एक ग्रंथ अनिवार्य

(C) पठन नकारल

(D) संगीत मात्र समाधान

**५८५. बाबूजीक रचनावली निकालबाक योजना ककर संकेत अछि?**

(A) हरिमोहन झा परम्पराक संरक्षण आ संपादनक दायित्व

(B) व्यक्तिगत यश मात्र

(C) रचना-विरोध

(D) कथा छोड़ब

**५८६. “जीवन प्लानिंग सँ नहि चलैत” कथन कोन जीवन-दृष्टि प्रकट करैत अछि?**

(A) जीवन प्रवाहमान अछि, पानी जकाँ अपन बाट ताखि लैत अछि

(B) जीवन पूर्ण गणित अछि

(C) योजना सँ सभ निश्चित

(D) अनुभव अप्रासंगिक

**५८७. १९६५ सँ १९७५ धरिक समय हुनका लेल किएक महत्त्वपूर्ण कहल गेल?**

(A) जीवन आ साहित्य दुनू दृष्टिसँ श्रेष्ठ समय मानल गेल

(B) ओ समय अज्ञात छल

(C) साहित्य छोड़ल गेल

(D) भाषा-विमुखता छल

**५८८. रचना करैत काल प्रशिक्षण-सिद्धान्तबारे हुनकर मत की अछि?**

(A) साहित्यकार बनाबय लेल तय प्रशिक्षण-स्कूल नहि होइत अछि

(B) छह मासमे साहित्यकार बनि सकैत अछि

(C) विज्ञापनसँ लेखक बनैत अछि

(D) अनुभवक जरूरत नहि

**५८९. नव लेखकक लेल मार्गदर्शनबारे हुनकर सावधानी की अछि?**

(A) सच्ची प्रतिभा अपन बाट स्वयं ताकत; अनुभव-संवेदना जरूरी

(B) सभकेँ एके फॉर्मूला चाही

(C) प्रशिक्षण बिना लेखक नहि

(D) भाषा अनावश्यक

**५९०. एहि खण्डमे मायानन्द मिश्रक रचनात्मक दर्शनक सार की अछि?**

(A) अनुभव, संवेदना, भाषा, काल-परीक्षा आ विनम्र आत्मदृष्टि साहित्यक आधार छथि

(B) केवल पुरस्कार महत्त्वपूर्ण

(C) रचना अभ्यासहीन होइत अछि

(D) समीक्षक अनुपयोगी छथि

## खण्ड ३१४ : विदेह-सदेह १ — अमित कुमार झा: “बुढ़ी माता” कथा — भेट आ बचाव

**५९१. “बुढ़ी माता” कथाक प्रारम्भिक कथावाचक कोन सामाजिक पृष्ठभूमिसँ अबैत अछि?**

(A) शिक्षित, शहरी, प्रतिस्पर्धी परीक्षा-तैयारी करैत छात्रक पृष्ठभूमि

(B) ग्राम्य किसान मात्र

(C) राजदरबारी पात्र

(D) सैनिक अधिकारी

**५९२. जनवरी १९९५क अन्हार भोरक वातावरण कथामे की बनबैत अछि?**

(A) भय, ठंड, सुनसान आ रहस्यक पृष्ठभूमि

(B) उत्सवक मेला

(C) दोपहरक उजास

(D) खेलक मैदान

**५९३. बुढ़ी माताक घोघ आ कंबल कथावाचक पर केहन प्रभाव छोड़ैत अछि?**

(A) डर आ अनिश्चितता पैदा करैत अछि

(B) पूर्ण हँसी

(C) तुरन्त पहचान

(D) कोनो प्रतिक्रिया नहि

**५९४. बुढ़ी माताक "कनी देर रुकी जो" कथानकमे कोन भूमिका निभबैत अछि?**

(A) कथावाचककेँ दुर्घटनासँ बचाबयबला विलम्ब बनैत अछि

(B) परीक्षा जीताबय

(C) दुकान खोलाबय

(D) साइकिल बेचाबय

**५९५. गाँधी मैदान/सब्जीबाग लग दुर्घटनाक दृश्य कथामे कोन मोड़ आनैत अछि?**

(A) बुढ़ी माताक रोकब जीवन-रक्षक सिद्ध होइत अछि

(B) कथा समाप्त होइत अछि

(C) परीक्षा रद्द मात्र

(D) कोनो सम्बन्ध नहि

**५९६. मृत छात्रसभक प्रसंग कथावाचक पर कोन भावनात्मक प्रभाव छोड़ैत अछि?**

(A) अपन बचावक चकित-बोध आ मृत्यु-समीपता

(B) उत्सव

(C) उदासीनता

(D) पूर्ण हास्य

**५९७. बुढ़ी माताक चूरा-शक्कर माँगब पात्रकेँ कोना मानवीय बनबैत अछि?**

(A) रहस्यमयता बीच भूख आ दया-संबंध स्थापित करैत अछि

(B) ओ केवल अलौकिक रहैत अछि

(C) भोजन नकारैत अछि

(D) क्रोध मात्र देखबैत अछि

**५९८. कथावाचक बुढ़ी माताकेँ घर लय जाएब किएक निर्णायक अछि?**

(A) भय सँ करुणा आ सेवा-दृष्टि दिस ओकर रूपान्तरण देखबैत अछि

(B) ओ भागि जाइत अछि

(C) माताकेँ छोड़ि दैत अछि

(D) पुलिस बुलबैत अछि

**५९९. परिवार द्वारा बुढ़ी माताक ठहराव कोन सामाजिक मूल्य देखबैत अछि?**

(A) अतिथि-संरक्षण, करुणा आ घरक नैतिक उदारता

(B) उपेक्षा

(C) व्यापारिक अनुबंध

(D) दंड

**६००. "बुढ़ी माता"क पहिल भागक मूल कथात्मक शक्ति की अछि?**

(A) रहस्य, दुर्घटना-संयोग, करुणा आ जीवन-रक्षा

(B) केवल परीक्षा-तिथि

(C) केवल सड़क-वर्णन

(D) प्रेमक हास्य

## खण्ड ३१५ : विदेह-सदेह १ — “बुढ़ी माता”: सेवा, भविष्यवाणी आ करियर-बदलाव

**६०१. बुढ़ी माताक सेवा कथावाचकक दिनचर्या कोना बदलैत अछि?**

(A) कोचिंग जाए सँ पहिले आ बाद समय सेवा मे बितय लागैत अछि

(B) सेवा अस्वीकार भेल

(C) दिनचर्या पर प्रभाव नहि

(D) ओ घर छोड़ि देलक

**६०२. बुढ़ी माताक अलग-अलग भोजन फरमाइश कोन सम्बन्ध बनबैत अछि?**

(A) घरेलू अपनत्व आ दादी-जकाँ आत्मीयता

(B) अजनबीपन बढ़बैत अछि

(C) शत्रुता

(D) नौकरी अनुबंध

**६०३. बुढ़ी माताक “दोसरा पढ़ाइ” करबाक सलाह कथामे कोन दिशा दैत अछि?**

(A) मेडिकलसँ अलग करियर-पथक पूर्वसंकेत

(B) डॉक्टरीमे ही प्रवेश

(C) पढ़ाइ छोड़ब

(D) विदेश भागब

**६०४. बुढ़ी माताक अचानक गायब भऽ जाएब कथाकेँ कोना बदलैत अछि?**

(A) रहस्य आ कृपा-भावकेँ गहिर करैत अछि

(B) सामान्य किरायेदार बनबैत अछि

(C) कथा हास्य बनैत अछि

(D) घटना असंबंधित अछि

**६०५. मेडिकल प्रवेशमे विफलता कथावाचक पर कोन प्रभाव छोड़ैत अछि?**

(A) हताशा आ पढ़ाइ छोड़बाक मनोदशा

(B) पूर्ण संतोष

(C) तुरन्त सफलता

(D) कथा-विच्छेद

**६०६. बुढ़ी माताक बात याद आ बाबूजीक सलाह मिलि कोन मोड़ बनबैत अछि?**

(A) ट्रैक चेन्ज करबाक निर्णय

(B) घर छोड़ि देबाक निर्णय

(C) कला छोड़ब

(D) परीक्षा नहि देब

**६०७. बी.सी.ए.मे प्रवेश आ प्रथम बैचक सफलता कोन संकेत दैत अछि?**

(A) नव पथ पर प्रतिभाक उभार

(B) पूर्ण विफलता

(C) मेडिकलमे प्रवेश

(D) शिक्षा समाप्त

**६०८. सरकारी नौकरीबारे कथावाचकक सोच की अछि?**

(A) प्रतिभा/क्षमताक उपयोग लेल सरकारी नौकरी नहि करबाक विचार

(B) सरकारी नौकरी अनिवार्य

(C) कोनो नौकरी नहि

(D) केवल खेती

**६०९. एम.सी.ए., एम.बी.ए., बैंक, बिरला ग्रुप क्रम कथामे की देखबैत अछि?**

(A) करियरक क्रमिक निर्माण आ बुढ़ी माताक आशीष-स्मृति

(B) असफलताक श्रृंखला

(C) भ्रमण-वृत्तान्त

(D) नाटकक मंच

**६१०. "बुढ़ी माता"क अन्तिम इच्छा-स्वर क्या अछि?**

(A) फेर एक बेर बुढ़ी माताक दर्शन पाबयबाक लालसा

(B) माताकेँ भूलि जाएब

(C) सेवा अस्वीकार

(D) कथा समाप्ति बिना स्मृति

## खण्ड ३१६ : विदेह-सदेह १ — "बुढ़ी माता": प्रतीक, विश्वास आ आधुनिकता

**६११. बुढ़ी माता कथामे कोन प्रतीक बनैत छथि?**

(A) अनपेक्षित कृपा, लोक-मातृत्व आ जीवन-दिशा देनेवाली रहस्यमय शक्ति

(B) केवल भयावह पात्र

(C) केवल राहगीर

(D) व्यापारी पात्र

**६१२. कथावाचकक मेडिकल-सपना टूटब कथामे विफलता नहि, मोड़ किएक अछि?**

(A) एहि टूटनसँ वैकल्पिक सफल जीवन-पथ खुलैत अछि

(B) जीवन समाप्त होइत अछि

(C) साहित्य असंभव होइत अछि

(D) बुढ़ी माता गलत सिद्ध छथि

**६१३. कथा आधुनिक शिक्षा-संस्कृतिसँ कोना जुड़ैत अछि?**

(A) कोचिंग, प्रवेश परीक्षा, बी.सी.ए., एम.सी.ए., एम.बी.ए. आ कॉर्पोरेट करियरक प्रसंगसँ

(B) केवल पुराणक कथा

(C) विद्यालय-विहीन संसार

(D) कृषि मात्र

**६१४. बुढ़ी माताक पुरुष-जकाँ दाढ़ी-मूँछ वाला चेहरा पाठकमे कोन प्रभाव बनबैत अछि?**

(A) परिचित मातृत्वक भीतर अपरिचित रहस्य आ भय

(B) सामान्य फैशन

(C) हास्य मात्र

(D) कथासँ असंबंधित

**६१५. कथामे दुर्घटना-संयोगक साहित्यिक उपयोग की अछि?**

(A) विश्वास आ संशयक बीच पाठककेँ रोके रखब

(B) केवल समाचार रिपोर्ट

(C) कथानक बंद करब

(D) पात्र हटाबय

**६१६. सेवा आ आशीर्वादक सम्बन्ध कथामे केना बनैत अछि?**

(A) करुणा-सेवा के बाद जीवन-दिशा आ सफलता प्राप्त होइत अछि

(B) सेवा व्यर्थ सिद्ध

(C) आशीर्वाद नकारल

(D) परिवार विरोध करैत अछि

**६१७. बुढ़ी माताक कथा सामाजिक करुणा पर कोन प्रश्न उठबैत अछि?**

(A) सड़क पर भेटल असहाय वृद्धा प्रति डर के सेवा मे बदलि सकैत छी कि नहि

(B) वृद्धक उपेक्षा उचित

(C) मदद नकरब

(D) भोजन असंगत

**६१८. बुढ़ी माताक "कतहु नहि" रहबाक उत्तर कोन अस्तित्व-बोध जगबैत अछि?**

(A) ओ स्थायी घरविहीन/लोक-अलौकिक उपस्थिति जकाँ लगैत छथि

(B) ओकरे महल अछि

(C) ओ व्यापारी अछि

(D) ओ नाटक-समूहमे अछि

**६१९. कथावाचकक अन्तिम मिथिला/बिहार सेवा इच्छा कोन विस्तार दैत अछि?**

(A) निजी सफलता सँ क्षेत्रीय दायित्व दिस मोड़

(B) सिर्फ धन-संचय

(C) विदेशी पलायन

(D) सेवा-विरोध

**६२०. "बुढ़ी माता"क समग्र महत्व की अछि?**

(A) आधुनिक करियर-कथा, लोकविश्वास, मातृत्व, दुर्घटना-बचाव आ जीवन-दिशा केर संगम

(B) केवल डरावनी कथा

(C) केवल परीक्षा रिपोर्ट

(D) केवल जीवनी-सूची

## खण्ड ३१७ : विदेह-सदेह १ — अनलकांत "तर्पण": कामना यादवक वापसी

**६२१. "तर्पण"क आरम्भमे डॉ. कामना यादव गामक छीछा देखि की अनुभव करैत छथि?**

(A) पुरान गामक उखड़ल रूप प्रति असंतोष आ विरक्ति

(B) पूर्ण उत्सव

(C) गामक अपरिवर्तनशील सौन्दर्य

(D) राजदरबारक आनंद

**६२२. पछुआड़िक नेबो, अड़रनेबा आ चिड़ै-भूरक दृश्य कथामे की करैत अछि?**

(A) स्मृति आ प्रकृतिक सूक्ष्म जीवन-लय जगबैत अछि

(B) कारखाना-विज्ञापन

(C) युद्ध-तैयारी

(D) सड़क-सूची

**६२३. बिगियाक स्मरण कामनाक मन पर कोन प्रभाव डालैत अछि?**

(A) अरुआयल मनमे लहलहाहट आ हल्की मुस्की आनैत अछि

(B) भय बढ़बैत अछि

(C) क्रोध मात्र

(D) पूर्ण विस्मृति

**६२४. कामना यादव कतेक दिनसँ कोन समस्या सँ परेशान छलीह?**

(A) ढंगक ग्रामीण अनुभवी रखबार/चौकीदार नहि भेटबासँ

(B) नव पोथी नछपबासँ

(C) नदी पार नहोयबासँ

(D) गीत नबजबासँ

**६२५. रामजी मंडलक हटबाक इच्छा कथामे कोन यथार्थ खोलैत अछि?**

(A) पुरान पीढ़ीक थकान आ परिवार संग रहबाक आकांक्षा

(B) विश्वासघात

(C) लोभ मात्र

(D) गाम छोड़ल नहि

**६२६. कामनाक पूना क्लिनिक बंद होयबाक परेशानी कोन द्वंद्व देखबैत अछि?**

(A) शहरी पेशा आ पैतृक गाम-संपत्ति बीच फँसाव

(B) गाममे स्थायी अवकाश

(C) क्लिनिक असफल

(D) परिवार नहि अछि

**६२७. मंगनीलाल यादवक मृत्यु बाद कामनाक गाम-आगमन कोन भाव रखैत अछि?**

(A) उत्तराधिकार, स्मृति आ जिम्मेदारीक बोझ

(B) पर्यटन मात्र

(C) उत्सव-भ्रमण

(D) विवाह-तैयारी

**६२८. लताम गाछ आ ठोर/लिपस्टिक तुलना कोन अर्थ बनबैत अछि?**

(A) प्राकृतिक लाली आ बाजारू सौन्दर्यक विरोध

(B) केवल श्रृंगार-विज्ञापन

(C) कृषि-रोग

(D) भोजन-वर्णन

**६२९. पोखरि, रोहु माछ आ पानीक हलचल कामनाकेँ कोना प्रभावित करैत अछि?**

(A) भीतर अतीतक पन्ना फड़फड़ाबय लगैत अछि

(B) ओ तुरन्त गाम छोड़ैत छथि

(C) पानी अप्रासंगिक अछि

(D) माछ केवल व्यापार अछि

**६३०. “तर्पण”क आरम्भक मुख्य साहित्यिक ऊर्जा की अछि?**

(A) गाम-वापसी, स्मृति, प्रकृति, विरासत आ आधुनिक पेशागत फाँसक सम्मिश्रण

(B) केवल चौकीदार विज्ञापन

(C) पृष्ठ-सूची

(D) निरर्थक दृश्य

## खण्ड ३१८ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादव आ मंगनी यादव

**६३१. कारी यादवक पोखरि कथामे कोन प्रतीक अछि?**

(A) परोपकार, श्रम, नाम-स्मृति आ ग्रामीण प्रतिष्ठा

(B) सिर्फ व्यापारिक तालाब

(C) शहरक होटल

(D) खेल मैदान

**६३२. कारी यादव अँगुठाछाप होइतो मंगनी यादवक पढ़ाइमे कमी नहि रखलनि — ई कोन मूल्य देखबैत अछि?**

(A) शिक्षा लेल ग्रामीण पिता के त्याग आ आकांक्षा

(B) शिक्षा-विरोध

(C) पुस्तक-विरोध

(D) केवल धन-संचय

**६३३. कारी यादव लेल दरोगा आ बीडीओ सभसँ पैघ हाकिम किएक छल?**

(A) ओकर ग्रामीण सत्ता-बोध ओहि पदसभ धरि सीमित छल

(B) ओ विश्वविद्यालय बुझैत छल

(C) उपन्यासकार चाहैत छल

(D) संगीतकार बनाबय चाहैत छल

**६३४. मंगनी प्रोफेसर आ कलाकार बनलाह, मुदा बापक लेल "मास्टर/नचनिया" — एहि विरोधक अर्थ की अछि?**

(A) पीढ़ीगत मूल्यभेद आ प्रतिष्ठा-बोधक फर्क

(B) बाप पूर्ण आधुनिक छल

(C) मंगनी अशिक्षित छल

(D) कला सर्वमान्य छल

**६३५. कारी यादवक गाछ-बिरिछसँ लगाव ककर स्मृतिसँ जुड़ल अछि?**

(A) बुढ़ियाक लगाओल गाछ आ ओकर सारा-स्मृति सँ

(B) बाजार-मूल्यसँ

(C) कारखानासँ

(D) स्कूल-सूचीसँ

**६३६. तुलसी आ धात्रीक जड़ मे पानी ढारब कारीक कोन जीवन-धर्म बतबैत अछि?**

(A) दैनिक श्रद्धा, स्मृति आ प्रकृति-संबंध

(B) यांत्रिक काम

(C) हास्य खेल

(D) व्यापारिक सिंचाई मात्र

**६३७. कारी यादवक बीमारी पर मंगनीक जिद कथामे कोन सम्बन्ध दिखबैत अछि?**

(A) पुत्रक चिंता आ पिता-पुत्रक भावनात्मक निकटता

(B) पूर्ण दूरी

(C) दुश्मनी

(D) बेटाक उदासीनता

**६३८. "एक बोरा टाका" प्रसंग कारीक कोन इच्छा उघारैत अछि?**

(A) नाम छोड़य लेल पोखरि खुनाबयक इच्छा

(B) घर बेचयक इच्छा

(C) विदेश चलबाक इच्छा

(D) नाटक लिखबाक इच्छा

**६३९. रामजी मंडलकेँ रखबार/मैनेजर रूपमे राखब ककर परिणाम अछि?**

(A) पोखरि-गाछ-घर संरक्षणक स्थायी व्यवस्था

(B) पुस्तक छापब

(C) गीत रेकॉर्ड

(D) दुकान खोलब

**६४०. कारी-मंगनी प्रसंगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?**

(A) ग्रामीण श्रम, शिक्षा, पिता-पुत्र तनाव, स्मृति आ प्रतिष्ठाक बहुस्तरीय आख्यान

(B) केवल पेशा-सूची

(C) हास्य कथन

(D) पृष्ठ-क्रम

## खण्ड ३१९ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: उजड़ैत गाम आ भूमण्डलीकरण

**६४१. मंगनी यादव सेवामुक्त भऽ गाम घुरलाक बाद की अनुभव करैत छथि?**

(A) अपन चिन्हल गाम लगभग अपरिचित भऽ गेल अछि

(B) गाम पूर्ण वैह अछि

(C) सब लोक स्वागत करैत अछि

(D) ओ शहर नदेखलथि

**६४२. “भटिंडा फार्म हाउस”क बोर्ड कोन परिवर्तनक प्रतीक अछि?**

(A) पुरान घर/डीहक कॉरपोरेट/नव-भूमि उपयोगमे बदलि जाएब

(B) परम्पराक संरक्षण

(C) ग्रामदेवता पूजा

(D) विद्यालय खुलब

**६४३. धनुक टोलीक जगह फैक्टरी आ धुआँ कोन यथार्थ खोलैत अछि?**

(A) औद्योगीकरण, प्रदूषण आ ग्रामीण समुदायक विस्थापन

(B) लोकनृत्य

(C) उत्सव

(D) बागवानी मात्र

**६४४. मिरचैया जलधाराक कारी नाला बनब कोन संकेत दैत अछि?**

(A) प्रकृति-क्षरण आ प्रदूषणक तीखा बिम्ब

(B) जलशुद्धि

(C) नदी-उत्सव

(D) माछक समृद्धि

**६४५. बर-पाकड़ गाछक जगह मोबाइल टावरक दृश्य किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) संचार-विकासक बीच वृक्ष-संस्कृति आ सामुदायिक छाँहक ह्रास

(B) गाछक वृद्धि

(C) टावरक पूजा

(D) साहित्य-अभाव

**६४६. ग्रामदेवता स्थान पर बजरंगबलीक मंदिर आ विज्ञापनक साथ-साथ उपस्थिती कोन विडम्बना बनबैत अछि?**

(A) धर्म, बाजार आ देह-उत्तेजक उपभोगक विचित्र सम्मिश्रण

(B) पूर्ण आध्यात्मिक शांति

(C) विज्ञापन-विहीन स्थल

(D) ग्रामदेवता पूर्ववत्

**६४७. “मैन-पावर” बनैत साधारण लोक कोन सामाजिक रूपान्तरण बतबैत अछि?**

(A) मनुष्यक स्थानीय पहचान हटि श्रम-संसाधनमे बदलि जाएब

(B) लोकक सम्मान बढ़ब

(C) गामक सुरक्षा

(D) किसानी पुनर्जीवन

**६४८. किसानक शहर-नगरक मशीन चलबय जाना कोन संकट देखबैत अछि?**

(A) किसानी जीवनक टूटन आ मजूरीक अनिश्चित पहचान

(B) किसानीक विजय

(C) गाम समृद्ध

(D) भूमि सुरक्षित

**६४९. मंगनीक घरक सात बीघा रकबा “गामक लघु संस्करण” किएक कहल जा सकैत अछि?**

(A) बाहर गाम बदलि गेल, भीतर स्मृति-गाम बचल अछि

(B) बाहरी गाम सुरक्षित अछि

(C) घरक कोनो महत्त्व नहि

(D) सात बीघा कारखाना अछि

**६५०. “तर्पण”मे भूमण्डलीकरणक आलोचना ककर माध्यमसँ आबैत अछि?**

(A) भूमि-अधिग्रहण, फैक्टरी, फार्महाउस, प्रदूषण, पलायन आ पहचान-ह्रासक चित्रणसँ

(B) केवल विदेशी यात्रा

(C) सिर्फ भाषा-प्रशंसा

(D) कोनो सामाजिक आलोचना नहि

## खण्ड ३२० : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना, स्मृति आ संपत्ति-संकट

**६५१. कामनाक सम्पत्ति-संकट केवल आर्थिक नहि किएक अछि?**

(A) ई बाप-दादा, माटि, गाछ, पोखरि आ स्मृतिक रक्षा सँ जुड़ल अछि

(B) केवल बैंक-बैलेंस अछि

(C) केवल शहरक फ्लैट अछि

(D) कोनो स्मृति नहि

**६५२. तीन-तीन आदमी राखबाक एजेंटक सलाह कामना किएक अस्वीकार करैत छथि?**

(A) व्यावहारिक कठिनाई आ भरोसेमंद संपूर्ण रखबारक अभावक कारण

(B) ओ गाछ काटय चाहैत छथि

(C) ओ पोखरि बेचि देलनि

(D) ओ गाम छोड़ि देलनि

**६५३. कामनाकेँ अपन बाप-दादाक नाल एतहि गड़ल बुझाइत अछि — ई कथन की संकेत करैत अछि?**

(A) वंश-स्मृति आ जमीनसँ आत्मिक जुड़ाव

(B) केवल कानूनी कागज

(C) व्यापारिक लाभ

(D) शहर-पलायन

**६५४. मंगनी यादवक कथन “घर-आँगन आ गाछ-पोखरि सँ गाम नहि होइ छै” कोन वेदना व्यक्त करैत अछि?**

(A) लोक-समुदाय बिना भौतिक संरचना गाम नहि बनैत

(B) गाछ-पोखरि व्यर्थ अछि

(C) समुदाय अप्रासंगिक

(D) घर बेचब चाही

**६५५. कामनाक डॉक्टरी ज्ञान बापक दुःखसामु अकाजक किएक बुझाइत अछि?**

(A) क्योंकि भाव-सांस्कृतिक विखंडनक उपचार चिकित्सकीय उपायसँ नहि होइत

(B) ओ डॉक्टर नहि छथि

(C) बाप बीमार नहि

(D) दुःख अस्तित्वहीन अछि

**६५६. कारी यादवक तीन किलो लाठी कामना लेल कोन प्रतीक अछि?**

(A) वंश, श्रम, शक्ति, स्मृति आ ग्रामीण स्वाभिमानक अवशेष

(B) खेलक डंडा

(C) संगीत वाद्य

(D) रिसॉर्ट सजावट

**६५७. दलाल सी.सी. मिश्रा ककर प्रतिनिधि बनि अबैत अछि?**

(A) बाजार-बुद्धि, संपत्ति-लाभ आ भूमण्डलीकृत निवेश-दृष्टि

(B) लोक-रक्षक

(C) ग्राम देवता

(D) साहित्यिक गुरु

**६५८. दलालक "अहाँ सौभाग्यशालिनी छी" कथनक भीतर कोन रणनीति अछि?**

(A) भावुक प्रशंसा द्वारा आर्थिक प्रस्तावक जमीन तैयार करब

(B) शुद्ध आदर मात्र

(C) कोनो प्रस्ताव नहि

(D) गाम बचाबयक संकल्प

**६५९. रिसॉर्ट प्रस्ताव गाछ-पोखरि कैँ कोना बदलय चाहैत अछि?**

(A) आत्मीय विरासत कैँ सजावट, नौकाविहार आ मेहमान-उपभोगक वस्तु बनाबय चाहैत अछि

(B) गाछक प्राकृतिक रक्षा मात्र

(C) पोखरि सार्वजनिक जलाशय

(D) गामक सामुदायिक पुनर्निर्माण

**६६०. कामनाक संयत रोष कथामे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) ओ बाजारू लालचकैँ बुझि अस्वीकार करैत अछि, मुदा भीतर असुरक्षा बचल रहैत अछि

(B) ओ तुरन्त राजी भऽ जाइत अछि

(C) ओ हँसि माफ करैत अछि

(D) ओ गाम छोड़ि दैत अछि

## खण्ड ३२१ : विदेह-सदेह १ — "तर्पण": लाठी, गन्ध आ अन्तर्भय

**६६१. दलाल विदा भेलाक बाद कामना कारी यादवक लाठी किएक उठबैत छथि?**

(A) पूर्वज-स्मृति, शक्ति आ निर्णयक आधार छूअबाक भावसँ

(B) रिसॉर्ट सजावट लेल

(C) लाठी बेचबाक लेल

(D) खेल करबाक लेल

**६६२. लाठी पर पिहनेक लाली-चमक नहि रहब कोन संकेत दैत अछि?**

(A) पुरान शक्ति आ विरासतक क्षय

(B) नव जीवन

(C) पूर्ण संरक्षण

(D) धातुक चमक

**६६३. लाठी छूए सँ कामनाक हाथ कारी भऽ जाएब कोन प्रतीक बनैत अछि?**

(A) अतीतक गाढ़ गन्ध/धूलि वर्तमान पर चिपकि जाएब

(B) सौन्दर्य प्रसाधन

(C) अमंगल मात्र

(D) हास्य

**६६४. लाठी फऍक/टुकड़ी-टुकड़ी भऽ जाएबाक आशंका किएक भयावह अछि?**

(A) वंश-स्मृति आ प्रतीकात्मक सहाराक टूटि जाएबाक डर

(B) लाठी भारी अछि

(C) खेल खराब

(D) कमरा छोट

**६६५. हाथ धोएलाक बादो गन्ध नहि हटब कोन अर्थ दैत अछि?**

(A) स्मृति, अपराध-बोध आ पूर्वज-सम्बन्धक चिपकल असर

(B) साबुनक कमी मात्र

(C) लाठी सुगन्धित अछि

(D) घटना असंगत

**६६६. पछुआड़ि दिस गाछ पर कुड़हरि चलैत बुझायब कोन आंतरिक भय अछि?**

(A) विरासत-उजाड़ आ प्रकृति-विनाशक कल्पना/आशंका

(B) गाछक उत्सव

(C) किसानी सफलता

(D) बगीचाक सिंचाई

**६६७. पोखरि दिस तकबाक साहस नहि होयब किएक अर्थपूर्ण अछि?**

(A) पोखरि पूर्वज-स्मृति आ सम्भावित विनाशक केन्द्र बनि गेल अछि

(B) पोखरि नहि अछि

(C) माछ नहि अछि

(D) दृष्टि असंबंधित

**६६८. क्लिनिकक फोन पर तुरन्त लौटबाक निर्णय कोन द्वंद्व देखबैत अछि?**

(A) शहरी पेशागत जीवन विरासत-संकट पर भारी पड़ैत अछि, मुदा मन गाममे अटकल अछि

(B) ओ गाममे स्थायी बसि जाइत अछि

(C) क्लिनिक बन्द करैत अछि

(D) संकट समाप्त होइत अछि

**६६९. “तर्पण” शीर्षक एहि प्रसंगमे ककर तर्पण-जकाँ अनुभव बनबैत अछि?**

(A) पूर्वज, गाम, पोखरि-गाछ आ उजड़ैत स्मृति प्रति आंतरिक अर्पण/दुःख

(B) विवाह भोज

(C) विज्ञापन योजना

(D) प्रेमगीत

**६७०. एहि खण्डक मूल साहित्यिक प्रभाव की अछि?**

(A) बाजार-संकट बाद स्मृति-वस्तु, गन्ध आ भयक गहन मनोवैज्ञानिक चित्रण

(B) केवल सुरक्षा-एजेंसी सूचना

(C) केवल हास्य

(D) केवल यात्रा-वर्णन

## खण्ड ३२२ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: पर्यावरण, विरासत आ प्रतिरोध

**६७१. “तर्पण”मे गाछ-बिरिछ केवल दृश्य-सज्जा नहि किएक अछि?**

(A) ओ परिवार, स्मृति, पर्यावरण आ पुरान गामक जीवित अवशेष छथि

(B) केवल लकड़ीक स्रोत

(C) सजावट मात्र

(D) कहानीसँ बाहर

**६७२. पोखरि कथामे सामुदायिक स्मारक कोना बनैत अछि?**

(A) कारी यादवक परोपकार आ गामक जल-संसारक चिह्न रूपमे

(B) निजी स्विमिंग पूल

(C) होटल परियोजना मात्र

(D) माछ-बाजार मात्र

**६७३. रिसॉर्ट प्रस्ताव विरासतकेँ बचाबयक दावा करितो किएक विनाशकारी अछि?**

(A) सुरक्षा नामे घर-आँगन तोड़ि स्मृति केँ उपभोग-सामग्री बनाबय चाहैत अछि

(B) विरासत पूर्ण जोगबैत अछि

(C) कोनो बदलाव नहि

(D) गामक लोकतंत्र पुनर्जीवित करैत अछि

**६७४. कामना यादवक असमंजस कोन आधुनिक वर्गक संकट देखबैत अछि?**

(A) शहरमे स्थापित संतति जे पैतृक गाम बचाबय चाहैत अछि मुदा उपस्थित नहि रहि सकैत

(B) स्थायी ग्रामीण किसान

(C) बिना शिक्षा पात्र

(D) सैनिक जीवन

**६७५. रामजी मंडल पात्र ककर प्रतीक छथि?**

(A) पुरान निष्ठा, श्रम आ घर-गामक आखिरी जीवित रखवारी

(B) बाजार दलाल

(C) रिसॉर्ट मालिक

(D) विदेशी मेहमान

**६७६. कार कौआक टाँहिमारब कोन पूर्वाभास जकाँ पढ़ल जा सकैत अछि?**

(A) मंगनीक घर पर अशुभ/अशांत समयक संकेत

(B) पूर्ण उत्सव

(C) संगीताभ्यास

(D) हास्य दृश्य

**६७७. मंगनीक पत्नीक मृत्यु बाद घरक स्थिति की बनैत अछि?**

(A) मंगनी औरो अकेला भऽ बाड़ी-झाड़ीमे लागल रहैत छथि

(B) घर नव मेला बनि जाइत अछि

(C) सब समस्या समाप्त

(D) गाम पुनर्जीवित

**६७८. गामक बाहरी विकासक भीतर पहिचान-ह्रास किएक बारम्बार देखाइत अछि?**

(A) फार्महाउस, फैक्टरी, टावर, विज्ञापन आ पलायन पुरान सामाजिक-संरचना हटबैत अछि

(B) पुरान गाम बिल्कुल जोगायल अछि

(C) कोनो बदलाव नहि

(D) केवल प्राकृतिक वृद्धि

**६७९. कामनाक प्रतिरोध पूर्ण समाधान नहि किएक?**

(A) दलालकेँ भगेलाक बादो रखबार, खर्च, दूरी आ क्षयक समस्या बचल अछि

(B) ओ सब बेचि देलनि

(C) गाम बचि गेल पूर्णतः

(D) समस्या कल्पना मात्र

**६८०. "तर्पण"क समग्र पाठक-अर्थ की अछि?**

(A) गाम, पर्यावरण, पूर्वज, भाषा-समुदाय आ बाजारक संघर्षक मार्मिक कथा

(B) केवल संपत्ति विवाद

(C) केवल भूतकथा

(D) केवल सुरक्षा नौकरी

## खण्ड ३२३ : विदेह-सदेह १ — आभाष, छठि आ मायानन्द: संस्कृति-रक्षा के तीन रूप

**६८१. आभाष लाभ, राम दयाल राकेश आ मायानन्द मिश्रक पाठ एकसाथ पढ़लासँ कोन साझा धुरी देखाइत अछि?**

(A) भाषा-संस्कृति कैँ अलग-अलग माध्यमसँ बचाबयक चिन्ता

(B) केवल हास्य

(C) किसी एक लेखकक जीवनी

(D) पृष्ठ-सूची

**६८२. आभाष लाभक मौलिक संगीत आग्रह आ मायानन्दक भाषा-समर्पण आग्रहमे समानता की अछि?**

(A) दूनू सतही लोकप्रियता छोड़ि गहन सांस्कृतिक निष्ठा चाहैत छथि

(B) दूनू पैरोडी चाहैत छथि

(C) दूनू भाषा छोड़ैत छथि

(D) दूनू संस्कृति-विरोधी छथि

**६८३. छठि पावनिक लोकतांत्रिकता मायानन्दक समग्र साहित्य-दृष्टिसँ कोना जुड़ैत अछि?**

(A) दूनू खण्डित दृष्टि छोड़ि समावेश आ समग्रता पर बल दैत अछि

(B) दूनू विभाजनक समर्थन

(C) दूनू केवल निजी पूजा

(D) दूनू समाज-विरोधी

**६८४. संचार माध्यमबारे आभाषक सावधानी आ विदेह-संदर्भक अर्थ की अछि?**

(A) मीडिया चयन मौलिक संस्कृति कैँ बचा वा बिगाड़ि सकैत अछि

(B) मीडिया निरर्थक

(C) गीत बिना माध्यम

(D) केवल छपाइ महत्त्वपूर्ण

**६८५. राम दयाल राकेशक लोकवाद्य-समर्थन आ आभाषक मौलिक संगीत-विमर्शमे कोन सम्बन्ध अछि?**

(A) दूनू स्थानीय ध्वनि-संस्कृतिक असली पहचान पर बल दैत अछि

(B) दूनू विदेशी वाद्य मात्र चाहैत छथि

(C) लोकध्वनि हटाबय चाहैत छथि

(D) संगीत अप्रासंगिक मानैत छथि

**६८६. मायानन्दक परिवारमे भाषा-स्थानक आग्रह छठिक पारिवारिक/सामुदायिक स्वरूपसँ कोना मेल खाइत अछि?**

(A) संस्कृति घर आ समुदाय दुनू ठाम जीबैत अछि

(B) केवल स्कूल महत्त्वपूर्ण

(C) परिवार निष्क्रिय

(D) समुदाय अप्रासंगिक

**६८७. तीनू पाठमे आधुनिकता प्रति दृष्टि एकरेखीय नहि किएक अछि?**

(A) रिमिक्स/मीडिया/संवैधानिकता/शिक्षा स्वीकारल जाएत अछि, मुदा मूल्य-संरक्षणक शर्तसँ

(B) आधुनिकता पूर्ण निषिद्ध

(C) परम्परा पूर्ण त्यक्त

(D) कोनो विचार नहि

**६८८. छठि पावनि आ मैथिली संगीत दुनूक सार्वजनिकता कोन कार्य करैत अछि?**

(A) भाषा-संस्कृतिक सामूहिक दृश्य/श्रव्य उपस्थिति बनबैत अछि

(B) संस्कृति घरमे बंद करैत अछि

(C) लोककैँ अलग करैत अछि

(D) साहित्य हटबैत अछि

**६८९. मायानन्दक तटस्थ समीक्षा आग्रह सांस्कृतिक संवाद लेल किएक जरूरी अछि?**

(A) पूर्वग्रह हटला पर साहित्यिक समाज स्वस्थ बनैत अछि

(B) व्यक्तिगत आक्षेप बढ़ाबय

(C) समालोचना बंद करब

(D) रचना नहि पढ़ब

**६९०. एहि आभाष-छठि-मायानन्द तुलनात्मक खण्डक निष्कर्ष की अछि?**

(A) संगीत, पावनि, साहित्य, भाषा आ समीक्षा — सभ मिलि मैथिली-संस्कृतिक रक्षा करैत अछि

(B) केवल गीत पर्याप्त

(C) केवल तिथि महत्त्वपूर्ण

(D) कोनो सांस्कृतिक सम्बन्ध नहि

## खण्ड ३२४ : विदेह-सदेह १ — "बुढ़ी माता" आ "तर्पण": आधुनिक मिथिला कथा-दृष्टि

**६९१. "बुढ़ी माता" आ "तर्पण" दुनू कथामे स्मृति कोन भूमिका निभबैत अछि?**

(A) जीवन-दिशा आ विरासत-संकट दुनू कैँ अर्थ देबैत अछि

(B) स्मृति अनुपस्थित

(C) केवल हास्य

(D) विज्ञापन-सूची

**६९२. दूनू कथामे आधुनिकता केना उपस्थित अछि?**

(A) कोचिंग/करियर/कॉर्पोरेट आ क्लिनिक/रिसॉर्ट/भूमि-बाजारक रूपमे

(B) आधुनिकता अनुपस्थित

(C) केवल प्राचीन आख्यान

(D) सिर्फ लोकगीत

**६९३. "बुढ़ी माता"मे अलौकिक सम्भावना आ "तर्पण"मे प्रतीकात्मक यथार्थ — मुख्य फर्क की अछि?**

(A) पहिलमे रहस्यमय रक्षक; दोसरमे सामाजिक-पर्यावरणीय क्षरणक यथार्थवादी प्रतीक

(B) दूनू पूर्ण समान

(C) दूनू केवल हास्य

(D) दूनू विज्ञान-लेख

**६९४. बुढ़ी माता आ कारी यादवक लाठी दूनू प्रतीक कोन सम्बन्ध रखैत अछि?**

(A) पूर्वज/मातृ/लोक-शक्तिक स्मृतिमय संरक्षण

(B) हथियार-हिंसा मात्र

(C) सजावट

(D) व्यापारिक वस्तु

**६९५. दूनू कथामे घरक अर्थ किएक भिन्न होइतो गहिर अछि?**

(A) बुढ़ी माताक लेल आश्रय; तर्पणमे पूर्वज-स्मृति आ विरासत-संघर्ष

(B) घर अप्रासंगिक

(C) घर केवल होटल

(D) घर नहि अछि

**६९६. दूनू कथाक नायक/नायिका शिक्षित आधुनिक वर्ग सँ किएक छथि?**

(A) कथासभ परम्परा आ आधुनिक पेशागत जीवनक टकराव देखबैत अछि

(B) अशिक्षित पात्र निषिद्ध

(C) गामक लोग नहि

(D) शहरक महिमा मात्र

**६९७. दुर्घटना-बचाव आ रिसॉर्ट-प्रस्ताव दूनू कथामे संकट-क्षण किएक अछि?**

(A) एकमे जीवन बाँचैत अछि, दोसरमे विरासत बेचबाक दबाव आबैत अछि

(B) दूनू हास्य दृश्य

(C) दूनू अप्रासंगिक

(D) दूनू उत्सव मात्र

**६९८. "बुढ़ी माता"क सेवा आ "तर्पण"क संरक्षण-चिन्ता कोन साझा मूल्य देखबैत अछि?**

(A) करुणा, उत्तरदायित्व आ स्मृति-निष्ठा

(B) लोभ

(C) उपेक्षा

(D) स्मृति-विरोध

**६९९. दूनू कथामे मिथिला कतेक रूपमे उपस्थित अछि?**

(A) भाषा, परिवार, लोकविश्वास, गाम, पोखरि, गाछ, करियर-पलायन आ सेवा-कामना रूपमे

(B) केवल नक्शा

(C) केवल राजधानी

(D) कोनो उपस्थिति नहि

**७००. एहि तुलनात्मक खण्डक निष्कर्ष की अछि?**

(A) सदेह १क कथा-संसार आधुनिक बदलावक बीच लोक-स्मृति, करुणा आ विरासत-रक्षा कैँ केन्द्र मे रखैत अछि

(B) कथा-संसार सतही अछि

(C) केवल पृष्ठीय जानकारी

(D) कोनो सामाजिक गहराई नहि

## खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: "हमर मैथिली"

**७०१. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: "हमर मैथिली" — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०२. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: "हमर मैथिली" — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०३. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: "हमर मैथिली" — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०४. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: "हमर मैथिली" — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०५. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “हमर मैथिली” — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०६. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “हमर मैथिली” — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०७. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “हमर मैथिली” — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०८. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “हमर मैथिली” — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७०९. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “हमर मैथिली” — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१०. खण्ड ३२५ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “हमर मैथिली” — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ”

**७११. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१२. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१३. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१४. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१५. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१६. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१७. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१८. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७१९. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२०. खण्ड ३२६ : विदेह-सदेह १ — अमरेन्द्र यादव: “कल्पना आ यथार्थ” — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग

**७२१. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२२. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२३. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२४. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२५. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२६. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२७. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२८. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७२९. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३०. खण्ड ३२७ : विदेह-सदेह १ — आचारण झा: जनक-अष्टावक्र प्रसंग — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता

**७३१. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३२. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३३. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३४. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३५. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३६. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३७. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३८. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७३९. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४०. खण्ड ३२८ : विदेह-सदेह १ — अजय सरवैया: आधुनिक प्रेम-कविता — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य

**७४१. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४२. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४३. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४४. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४५. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४६. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४७. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४८. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७४९. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५०. खण्ड ३२९ : विदेह-सदेह १ — अजीत कुमार झा: दहेज-विरोधी व्यंग्य — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३० : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि

**७५१. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५२. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५३. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५४. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५५. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५६. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५७. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५८. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७५९. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६०. खण्ड 330 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कामना यादवक गाम-फेरत दृष्टि — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३१ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति

**७६१. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६२. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६३. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६४. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६५. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६६. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६७. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६८. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७६९. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७०. खण्ड 331 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: कारी यादवक पोखरि आ स्मृति — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३२ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी

**७७१. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७२. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७३. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७४. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७५. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७६. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७७. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७८. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७७९. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८०. खण्ड 332 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: मंगनी यादवक शिक्षित जीवन आ गाम-दूरी — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३३ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर

**७८१. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८२. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८३. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८४. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८५. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८६. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८७. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८८. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७८९. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९०. खण्ड 333 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: गामक रूपान्तरण, फैक्टरी आ टावर — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३४ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण

**७९१. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९२. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९३. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९४. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९५. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९६. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९७. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९८. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**७९९. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८००. खण्ड 334 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: रखबार-संकट आ संपत्ति-संरक्षण — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३५ : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव

**८०१. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०२. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०३. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०४. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०५. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०६. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०७. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०८. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८०९. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१०. खण्ड 335 : विदेह-सदेह १ — “तर्पण”: सी सी मिश्रा आ रिसॉर्ट प्रस्ताव — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३६ : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि

**८११. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१२. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१३. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१४. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१५. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१६. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१७. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१८. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८१९. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२०. खण्ड 336 : विदेह-सदेह १ — आभाष लाभक मौलिक संगीत-दृष्टि — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३७ : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श

**८२१. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२२. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२३. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२४. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२५. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२६. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२७. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२८. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८२९. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३०. खण्ड 337 : विदेह-सदेह १ — राम दयाल राकेशक छठि-विमर्श — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३८ : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि

**८३१. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३२. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३३. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३४. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३५. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३६. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३७. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३८. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८३९. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४०. खण्ड 338 : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्रक साहित्य-दृष्टि — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३३९ : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श

**८४१. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४२. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४३. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४४. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४५. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४६. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४७. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४८. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८४९. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५०. खण्ड 339 : विदेह-सदेह १ — बुढ़ी माता कथाक करियर-विमर्श — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३४० : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह”

**८५१. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५२. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५३. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५४. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५५. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५६. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५७. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५८. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८५९. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६०. खण्ड 340 : विदेह-सदेह १ — अबू सुथार: “गृहमोह” — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३४१ : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध

**८६१. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६२. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६३. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६४. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६५. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६६. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६७. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६८. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८६९. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७०. खण्ड 341 : विदेह-सदेह १ — आशीष अनचिन्हार आ अशोक दत्त: मनुष्य आ प्रतिरोध — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३४२ : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह

**८७१. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७२. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७३. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७४. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७५. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७६. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७७. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७८. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८७९. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८०. खण्ड 342 : विदेह-सदेह १ — सदेह १ आरम्भिक पद्य-समूह — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३४३ : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता

**८८१. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८२. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८३. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८४. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८५. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८६. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८७. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८८. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**
(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष
(B) केवल पृष्ठ-संख्या
(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि
(D) संपर्क-सूची मात्र

**८८९. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९०. खण्ड 343 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: गाम आ आधुनिकता — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३४४ : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण

**८९१. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 1: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९२. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 2: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९३. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 3: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९४. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 4: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९५. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 5: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९६. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 6: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९७. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 7: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९८. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 8: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**८९९. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 9: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

**९००. खण्ड 344 : विदेह-सदेह १ — सदेह १: अगिला खण्डक संक्रमण — प्रश्न 10: मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) सामग्रीमे कोनो विचार नहि

(D) संपर्क-सूची मात्र

## खण्ड ३४५ : विदेह-सदेह १ — हिमांशु चौधरी: परिचय आ “की भार साँठू?”

**९०१. हिमांशु चौधरीक परिचयमे हुनकर पेशागत पहचान की रूपमे देल गेल अछि?**

(A) पत्रकारिता आ राष्ट्रिय समाचार समितिसँ सम्बद्ध सक्रिय लेखक

(B) केवल चित्रकार

(C) केवल राजपुरोहित

(D) केवल रंगमंच-प्रबंधक

**९०२. “की भार साँठू?” शीर्षकमे “भार” कोन भाव संकेत करैत अछि?**

(A) इतिहास, हिंसा, पीड़ा आ नैतिक बोझक असह्य अनुभव

(B) मेला सामानक हलुक सूची

(C) केवल विवाहक उपहार

(D) व्यापारिक लाभ

**९०३. “लाशे लाशसँ गन्हाएल” चित्र कविता मे कोन वातावरण बनबैत अछि?**

(A) मानवीय विनाश आ सामाजिक त्रासदीक तीव्र वातावरण

(B) हास्य-उत्सव

(C) कृषि-समृद्धि

(D) बाल-खेल

**९०४. कवितामे “सङ्क्रान्तिक पीड़ा” कोन अर्थ खोलैत अछि?**

(A) समाजक संक्रमणकालमे जन्मल पीड़ा आ अस्थिरता

(B) पर्वक भोज मात्र

(C) शुद्ध भौगोलिक सीमा

(D) संगीत-ताल मात्र

**९०५. “थुराएल चानी” आ “पीपाएल आँजुर” सन बिम्ब कोन प्रभाव देइत अछि?**

(A) दरिद्रता, क्षय आ शरीरधर्मी यातनाक दृश्यता

(B) विलासिताक चित्र

(C) राजसी विजय

(D) यांत्रिक सुविधा

**९०६. गँहाएल लाशक भार सँ संबंधित प्रश्न कविता मे की करैत अछि?**

(A) पाठककेँ नैतिक उत्तरदायित्वक सामना करबैत अछि

(B) पाठककेँ पृष्ठ याद करबैत अछि

(C) केवल तुक पूरा करैत अछि

(D) कथा समाप्त करैत अछि

**९०७. हिमांशु चौधरीक कविता मे इतिहास कोना उपस्थित अछि?**

(A) लावारिस भेल नोर आ पीड़ित शरीरक स्मृति रूपमे

(B) केवल राजवंश-सूची रूपमे

(C) पूर्ण अनुपस्थित

(D) केवल वर्षगणना रूपमे

**९०८. “बारुद” आ “धराप” बिम्ब कोन संकट देखबैत अछि?**

(A) हिंसा, फँसाव आ सामान्य जीवनक असुरक्षा

(B) बाल-खेल

(C) खेतक सजावट

(D) उत्सवक दीप

**९०९. “क्यानभासमे फाटल गाछ” बिम्बक प्रभाव की अछि?**

(A) प्रकृति आ कला दुनू पर हिंसाक दरार देखेनाइ

(B) केवल हरियालीक उत्सव

(C) चित्रकला-कक्षा

(D) फसल-माप

**९१०. एहि खण्डमे कविताक मूल स्वर की अछि?**

(A) करुण प्रतिरोध, इतिहास-बोध आ अन्यायक भारसँ जूझब

(B) शुद्ध हास्य

(C) केवल शृंगार

(D) सरकारी विज्ञापन

## खण्ड ३४६ : विदेह-सदेह १ — हिमांशु चौधरी: अन्याय, अमरौती आ प्रतिरोध

**९११. कवितामे “अनिकारी अमरौती पीने अछि” कथन कोन अर्थ दैत अछि?**

(A) अन्याय अमरता-जकाँ टिकि रहल अछि

(B) न्याय पूर्ण विजयी अछि

(C) अमरौती केवल मिठाई अछि

(D) कवि रोगक औषधि कहैत छथि

**९१२. “सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम्”क अवरोधक प्रसंग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) आदर्श मूल्यसभ अन्यायक कारण बाधित भऽ रहल अछि

(B) आदर्शक विजय पूर्ण भऽ गेल

(C) ई केवल नृत्य-नाम अछि

(D) बिम्ब असंबद्ध अछि

**९१३. “अमरलेखी द्रौपदीक चीरसन” बिम्ब कोन परम्परा सँ संवाद करैत अछि?**

(A) महाभारतक स्त्री-अपमान आ अन्याय-प्रतिरोधक स्मृतिसँ

(B) केवल कृषि-मापनसँ

(C) समुद्री यात्रा-संस्मरणसँ

(D) गणितीय सूत्रसँ

**९१४. कवितामे “पोस्तादाना कतए ताकू” प्रश्नक अर्थ की अछि?**

(A) हिंसा-फँसावक बीच जीवनक मधुर/साधारण तत्व असंभव लागत अछि

(B) रसोई-विधि मुख्य विषय अछि

(C) कृषि-उत्पादन प्रशंसा

(D) भोज-निमंत्रण

**९१५. “विश्वासक जयंती अंकुरित भेल” कोन सूक्ष्म आशा दैत अछि?**

(A) त्रासदीक बीच विश्वासक बीज फेरो उगि सकैत अछि

(B) विश्वास पूर्णतः मेटि गेल

(C) अंकुर विनाशक नाम अछि

(D) ई केवल प्रकाशन-सूचना अछि

**९१६. धोएल साँथक सिन्दूरक करुणता कोन सांस्कृतिक पीड़ा देखबैत अछि?**

(A) विवाह, स्त्री-अस्तित्व आ हिंसाक त्रासद सम्बन्ध

(B) विज्ञापनक रंग

(C) चित्रकला-तकनीक

(D) खेतीक खाद

**९१७. “भार कोना साँठू?”क पुनरावृत्ति की करैत अछि?**

(A) पीड़ाक असहनीयता आ उत्तरहीनता बढ़बैत अछि

(B) प्रश्न समाप्त करैत अछि

(C) केवल छन्द-भूल

(D) हास्य रचैत अछि

**९१८. हिमांशु चौधरीक भाषा मे कठोर बिम्ब किएक आबैत अछि?**

(A) क्योंकि विषय हिंसा, क्षति आ ऐतिहासिक पीड़ा सँ जुड़ल अछि

(B) क्योंकि कविता केवल बालगीत अछि

(C) क्योंकि उत्सव वर्णन अछि

(D) क्योंकि प्रकृति शांत अछि

**९१९. एहि कवितामे प्रतिरोध खुल्ला नारा नहि भऽ कए कोना प्रकट अछि?**

(A) प्रश्न, करुण बिम्ब आ नैतिक असुविधा द्वारा

(B) सरकारी आदेश द्वारा

(C) नामावली द्वारा

(D) पृष्ठ-सूचना द्वारा

**९२०. हिमांशुक सामाजिक कविताक विशेषता एहि खण्डमे की अछि?**

(A) अमूर्त नैतिकता कें ठोस देह, लाश, बारुद आ नोरक बिम्बमे बदलनाइ

(B) अर्थहीन अलंकार मात्र

(C) संगीत-विहीन गद्य

(D) केवल छन्द-प्रयोग

## खण्ड ३४७ : विदेह-सदेह १ — हिमांशु चौधरी: “नियति”

**९२१. “नियति” कवितामे “बिछानरूपी मशान” बिम्ब कोन मनःस्थिति खोलैत अछि?**

(A) जीवनक निजी स्थानो मृत्यु-संवेगसँ भरि गेल अछि

(B) घरक उत्सव

(C) विवाह-मंच

(D) विद्यालयी कक्षा

**९२२. “अपन लाशक काठियारी स्वयं सन” भावक अर्थ की अछि?**

(A) व्यक्ति अपन अस्तित्वक अन्त्येष्टि-बोध स्वयं ढोबैत अछि

(B) व्यक्ति बाजार जाइत अछि

(C) देह अमर अछि

(D) मृत्यु अप्रासंगिक अछि

**९२३. “इच्छासभमे पूर्णविराम” कोन भाव प्रस्तुत करैत अछि?**

(A) आकांक्षाक अवसान आ जीवन-ऊर्जाक क्षय

(B) इच्छाक विस्तार

(C) उत्सवक आरम्भ

(D) नव व्यापार

**९२४. कवि “नियति” कैं कोन रूपमे अनुभव करैत छथि?**

(A) असहाय, थाकल, बाध्य जीवन-अवस्था रूपमे

(B) मुक्ति-उत्सव

(C) राजकीय उपाधि

(D) व्यापार-योजना

**९२५. हँसलासँ मात्र शांति नहि होयबाक कथनक अर्थ की अछि?**

(A) बनावटी मुस्कान भीतरक पीड़ा दूर नहि करैत

(B) हँसी सभ रोग मिटबैत अछि

(C) कनब निषिद्ध अछि

(D) भावना अप्रासंगिक अछि

**९२६. “कनएटा पड़ैत अछि” कथन कोन मानवीय सत्य देखबैत अछि?**

(A) दुःखक स्वीकृति आ भाव-निकासक अनिवार्यता

(B) दुःख असत्य अछि

(C) रोब कमजोरी नहि, अपराध अछि

(D) कविता केवल हँसी अछि

**९२७. “कनैत-कनैत थाकि जाइत छी” कोन सीमा देखबैत अछि?**

(A) दुःखक अतिशयता, जतए रोबो थकान बनि जाइत अछि

(B) असीम आनन्द

(C) संगीतक ताल

(D) कथाक हास्य

**९२८. मनोविनोद आ बनावटी मुस्की किएक उपस्थित अछि?**

(A) दर्दक बीच सामाजिक अभिनयक बाध्यता देखेबाक लेल

(B) वास्तविक प्रसन्नता सिद्ध करब लेल

(C) व्यंग्य-रहित मनोरंजन लेल

(D) नियति हटि गेल अछि से देखाबय लेल

**९२९. “धन्य कथा! धन्य यथार्थ!!” कोन शैलीगत प्रभाव दैत अछि?**

(A) व्यंग्यात्मक विस्मय आ जीवन-यथार्थक करुण स्वीकार

(B) सीधा प्रशस्ति

(C) हास्य-नाटकक नाम

(D) पौराणिक मंगलाचरण

**९३०. “नियति”क मूल भाव-संरचना की अछि?**

(A) मृत्यु-बोध, थकान, आकांक्षा-अवसान आ मुखौटाधारी जीवन

(B) श्रृंगार-उत्सव

(C) कृषि-समृद्धि

(D) बालक्रीड़ा

## खण्ड ३४८ : विदेह-सदेह १ — हिमांशु चौधरी: जीवन-मृत्यु आ आधुनिक मनुष्य

**९३१. “जीवन मृत्युमे लीन होइत जा रहल अछि” कथन कोन दार्शनिक चेतना दैत अछि?**

(A) जीवन आ मृत्यु बीचक सीमा धुँधल होयबाक अनुभव

(B) जीवन पूर्ण उत्सव मात्र

(C) मृत्यु अनुपस्थित

(D) कथा हास्यपरक अछि

**९३२. “जीवन आ मृत्यु मंजिल होइत जा रहल अछि” मे “मंजिल”क अर्थ की बनैत अछि?**

(A) अस्तित्वक यात्रा मृत्यु-बोधक दिशा मे बढ़ैत अछि

(B) रेलवे टिकट

(C) विद्यालयी परीक्षा

(D) नृत्य-स्थल

**९३३. हिमांशु चौधरीक कवितामे सामाजिक हिंसा आ आत्मिक थकान केना जुड़ल अछि?**

(A) बाहरी त्रासदी भीतरक नियति-बोधमे बदलैत अछि

(B) दूनू पूर्ण अलग

(C) हिंसा हास्य बनैत अछि

(D) थकान अनुपस्थित

**९३४. कविताक वक्ता ककरा विरुद्ध मौन प्रतिरोध करैत बुझाइत छथि?**

(A) अमानवीय यथार्थ, अन्याय आ बनावटी सामाजिक सामान्यताक विरुद्ध

(B) लोकगीतक विरुद्ध

(C) भाषा-अध्ययनक विरुद्ध

(D) प्रकृति-सौन्दर्यक विरुद्ध

**९३५. हिमांशुक कविता मे “शांति नहि” बारम्बार किएक अनुभूत अछि?**

(A) क्योंकि पीड़ा सामाजिक आ अस्तित्वगत दुनू स्तर पर चलैत अछि

(B) क्योंकि गीत समाप्त नहि भेल

(C) क्योंकि भोजन कम छल

(D) क्योंकि मौसम बदलल

**९३६. कविताक भाषा मे टूटल, फाटल, कारी बिम्बक उपयोग कोन सौंदर्य रचैत अछि?**

(A) विकृत यथार्थक कठोर सौंदर्य

(B) स्वच्छ श्रृंगार मात्र

(C) राजदरबारक वैभव

(D) खेल-उत्साह

**९३७. कवि “कथा” आ “यथार्थ” कैँ साथे किएक पुकारैत छथि?**

(A) जीवनक दुःख कथा-जकाँ कहाए, मुदा यथार्थ-जकाँ चुभैत अछि

(B) कथा असत्य अछि मात्र

(C) यथार्थ अनुपस्थित

(D) दूनू व्याकरणिक शब्द मात्र

**९३८. हिमांशु चौधरीक एहि खण्डक कवितासभमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?**

(A) मानव समाज एतेक पीड़ा आ अन्यायक भार कोना ढोए?

(B) कविता कतए छपल?

(C) कतेक पंक्ति अछि?

(D) केवल शीर्षक?

**९३९. एहि कवितासभकैँ आधुनिक मैथिली संवेदनाक उदाहरण किएक कहल जा सकैत अछि?**

(A) कारण ई हिंसा, इतिहास, मनोवैज्ञानिक थकान आ सामाजिक विडम्बना कैँ जोड़ैत अछि

(B) कारण ई केवल पुरान आख्यान अछि

(C) कारण ई सूचिपत्र अछि

(D) कारण ई विज्ञापन अछि

**९४०. हिमांशुक कविताक पाठक पर अपेक्षित प्रभाव की अछि?**

(A) असुविधा, करुणा आ आत्म-प्रश्नक जागरण

(B) केवल मनोरंजन

(C) विस्मृति

(D) पृष्ठ गिनती

## खण्ड ३४९ : विदेह-सदेह १ — हिमांशु चौधरीक काव्य-शिल्प

**९४१. हिमांशु चौधरीक काव्य-शिल्पमे प्रश्नवाचकता किएक प्रमुख अछि?**

(A) क्योंकि कविता उत्तर देबासँ बेसी सामाजिक विवेक जगबैत अछि

(B) क्योंकि कवि जानकारी नहि रखैत

(C) क्योंकि प्रश्न परीक्षा-सूची अछि

(D) क्योंकि अर्थ नहि बनैत

**९४२. लाश, बारुद, धराप, सिन्दूर, गाछ सन बिम्बसभ कोन शिल्प बनबैत अछि?**

(A) टूटल यथार्थक बहुस्तरीय दृश्य-समूह

(B) सजावटी शब्द-सूची

(C) केवल ध्वनि-अभ्यास

(D) निरर्थक बिम्ब

**९४३. कवितामे संस्कृतनिष्ठ आदर्श “सत्यम् शिवम् सुन्दरम्”क प्रयोगक कार्य की अछि?**

(A) उच्च मूल्य आ ध्वस्त यथार्थक विरोधाभास तीक्ष्ण करब

(B) मात्र पांडित्य दिखेनाइ

(C) बालगीत बनब

(D) तालिका भरब

**९४४. द्रौपदी-संकेतक शिल्पगत महत्व की अछि?**

(A) पुराण-स्मृति द्वारा समकालीन अन्यायकैँ ऐतिहासिक गहराइ देनाइ

(B) कथा बदलि देनाइ

(C) गीतक धुन बतब

(D) स्थान-नाम देना

**९४५. “नियति” मे छोटे, सरल वाक्यक प्रभाव की अछि?**

(A) थकान, टूटन आ साँस-जकाँ रुकल भाव पैदा करैत अछि

(B) दीर्घ महाकाव्यात्मक विस्तार

(C) पूर्ण हँसी

(D) सूचनात्मक रिपोर्ट

**९४६. कविताक करुण स्वर पाठककेँ ककरा दिस घुमबैत अछि?**

(A) पीड़ित मनुष्य आ समाजक नैतिक विफलताक दिस

(B) केवल मौसमक दिस

(C) पृष्ठ-सजावट दिस

(D) व्यापारिक लाभ दिस

**९४७. हिमांशुक कविता मे “भार” शब्दक विस्तार कोन-कोन स्तर पर अछि?**

(A) शरीर, इतिहास, अन्याय, स्मृति आ आत्मा पर

(B) केवल सामानक वजन

(C) केवल धनराशि

(D) केवल संगीत-ताल

**९४८. “नियति” आ “की भार साँठू?” केँ साथ पढ़लासँ कोन संबंध देखाइत अछि?**

(A) सामूहिक त्रासदी आ निजी नियति एक-दोसरामे घुलैत अछि

(B) दूनू असंबंधित समाचार

(C) एकटा रसोई-विधि

(D) केवल फोटो-कैप्शन

**९४९. कविता मे प्रत्यक्ष समाधान नहि देबाक अर्थ की अछि?**

(A) समस्या एतेक गहन अछि जे पाठकक विवेक स्वयं सक्रिय होए

(B) कवि असमर्थ छथि

(C) कविता अधूरी अछि

(D) कथा बिसरि गेल

**९५०. एहि शिल्पक मूल उपलब्धि की कहल जा सकैत अछि?**

(A) आक्रोशकेँ करुण, दृश्यात्मक आ प्रश्नाकुल काव्यरूप देनाइ

(B) सूचनापत्र बनब

(C) विज्ञापन रचब

(D) केवल तुकबन्दी

## खण्ड ३५० : विदेह-सदेह १ — हृदय नारायण झा: लुप्तप्राय मैथिली लोकगीत

**९५१. हृदय नारायण झाक लेखक केन्द्रीय विषय की अछि?**

(A) लुप्तप्राय मैथिली लोकगीतक संरक्षण आ दस्तावेजीकरण

(B) नव होटल-व्यवसाय

(C) खेलक नियम

(D) केवल राजनीति

**९५२. लेखमे मैथिली लोकगीतक लुप्तप्राय श्रेणीमे कतेक प्रकारक गीतक संकेत अछि?**

(A) संस्कार, देवी, ऋतु, नदी-संस्कृति आ व्यवहार-गीत सहित अनेक प्रकार

(B) केवल एक फिल्मी गीत

(C) केवल अंग्रेजी गीत

(D) केवल सैनिक गीत

**९५३. लोकक कण्ठमे बचल गीतसभक संकलन किएक आवश्यक कहल गेल?**

(A) क्योंकि जीवित स्मृति नष्ट भेलासँ धुन आ शब्द दुनू हराइ सकैत अछि

(B) क्योंकि पृष्ठ-संख्या चाही

(C) क्योंकि विज्ञापन बनत

(D) क्योंकि गीत अप्रासंगिक अछि

**९५४. ऑडियो-वीडियो दस्तावेजीकरणक आग्रह कोन संरक्षण-दृष्टि दैत अछि?**

(A) केवल पाठ नहि, स्वर, लय आ प्रस्तुति सेहो बचबाक चाही

(B) केवल नाम-सूची पर्याप्त

(C) धुन हटि जाए

(D) गीतक अर्थ नहि

**९५५. संवैधानिक मान्यता पाबि गेलाक बाद लोकगीत-संरक्षण प्रश्न किएक उभरैत अछि?**

(A) भाषाक संस्थागत मान्यता संग सांस्कृतिक परम्पराक रक्षा सेहो जरूरी अछि

(B) मान्यता बाद लोकगीत निषिद्ध

(C) लोकगीतक मृत्यु निश्चित

(D) संस्कृति अप्रासंगिक

**९५६. रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार, संस्कार आधारित गीतक महत्व की अछि?**

(A) ई मैथिली समाजक जीवन-चक्र आ सामुदायिक स्मृति सँ जुड़ल अछि

(B) ई केवल मनोरंजनक वस्तु अछि

(C) ई भाषा-विरोधी अछि

(D) ई निरर्थक सूची अछि

**९५७. "संपूर्ण मैथिली जगत"क चिन्ता कहबाक अर्थ की अछि?**

(A) लोकगीत-संरक्षण केवल एक कलाकार नहि, सामूहिक दायित्व अछि

(B) एक व्यक्ति मात्र जिम्मेदार

(C) सरकार मात्र पर्याप्त

(D) ककरो मतलब नहि

**९५८. हृदय नारायण झाक कलाकार-परिचय लेखक विश्वसनीयता कोना बढ़बैत अछि?**

(A) ओ आकाशवाणी कलाकार आ पारंपरिक योग-शिक्षित छथि, तैं ध्वनि-संस्कृति बूझैत छथि

(B) ओ केवल व्यापारी छथि

(C) ओ असंबद्ध यात्री छथि

(D) ओ खेल-प्रशिक्षक छथि

**९५९. लेखमे लोकगीतक संकट कोन रूपमे बुझायल अछि?**

(A) नव पीढ़ी बीच शब्द, धुन, स्वर, लय आ भावक क्षय

(B) पूर्ण समृद्धि बिना संकट

(C) केवल मुद्रण समस्या

(D) किसी संकट नहि

**९६०. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) लोकगीत मैथिली अस्मिताक जीवित धरोहर अछि, जकर तात्कालिक संरक्षण जरूरी अछि

(B) लोकगीत छोड़ि देबाक चाही

(C) गीत केवल अभिजात विषय

(D) दस्तावेजीकरण अनावश्यक

## खण्ड ३५१ : विदेह-सदेह १ — लोकगीतक प्रकार आ सांस्कृतिक आधार

**९६१. प्राती/पराती गीतक सांस्कृतिक स्थान की अछि?**

(A) भोरक आध्यात्मिक-जागरण आ मंगल-विहानक गीत

(B) रात्रिक युद्धगीत

(C) बाजार घोषणा

(D) खेल-गीत मात्र

**९६२. गोसाउनि/भगवती गीत कोन परम्परासँ जुड़ल अछि?**

(A) देवी-आराधना आ गहबरक लोकधार्मिक परम्परा

(B) केवल विवाह भोज

(C) कृषि-कर

(D) नदी यातायात

**९६३. सोहर गीतक स्थान कोन जीवन-संस्कारमे अछि?**

(A) जन्म-संस्कार आ बालक आगमनक उत्सवमे

(B) अन्त्येष्टि मात्र

(C) युद्ध-विजय

(D) फसल-मंडी

**९६४. लगनी गीत कोन प्रसंगसँ सम्बद्ध बुझाइत अछि?**

(A) विवाह-संस्कार आ मंगल अवसरसँ

(B) स्कूल परीक्षा

(C) व्यापारिक करार

(D) नदी-नौकायन

**९६५. समदाउन गीतक सांस्कृतिक भाव की होइत अछि?**

(A) विदाई, करुणा आ पारिवारिक संस्कारक भाव

(B) हास्य-विज्ञापन

(C) युद्ध-घोष

(D) खेल-उत्सव

**९६६. बटगमनी लोकगीत कोन जीवन-गतिशीलता दिखबैत अछि?**

(A) बाट, यात्रा आ गमन-संबंधी लोकानुभव

(B) स्थिर शिलालेख

(C) केवल राजमहल

(D) दुकान सूची

**९६७. मलार आ चैमासा गीतक ऋतु-सम्बन्ध किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) लोकगीत ऋतुचक्र आ प्रकृतिसँ गहिर जुड़ल अछि

(B) ऋतु अप्रासंगिक

(C) केवल राजनीति

(D) संगीत-विरोध

**९६८. कोशी गीतक उल्लेख कोन सांस्कृतिक क्षेत्र विस्तार करैत अछि?**

(A) नदी-संस्कृति आ भौगोलिक अनुभवक लोक-संगीतिक रूप

(B) मरुभूमि-गीत

(C) समुद्री व्यापार

(D) राज्याभिषेक गीत

**९६९. लोकगीतक विविधता सँ मैथिली समाजबारे कोन निष्कर्ष निकलैत अछि?**

(A) जीवनक प्रत्येक संस्कार, ऋतु, देवता आ भूगोलक गीतात्मक अभिव्यक्ति अछि

(B) गीतक गरीबी अछि

(C) केवल एक धुन अछि

(D) सामाजिक जीवन रिक्त अछि

**९७०. गीत-प्रकारक सूची प्रश्नोत्तरीमे किएक अवधारणात्मक महत्त्व रखैत अछि?**

(A) ई लोकसाहित्यक वर्गीकरण आ सांस्कृतिक कार्य-भूमि समझबैत अछि

(B) केवल क्रमांक याद करबैत अछि

(C) पृष्ठ-नम्बर पूछैत अछि

(D) नाम-सूची मात्र रहैत अछि

## खण्ड ३५२ : विदेह-सदेह १ — मिथिला महात्म्य आ लोकगीतक भूमि

**९७१. लेखमे वृहत् विष्णुपुराणक मिथिला-माहात्म्यक उल्लेख किएक अछि?**

(A) लोकगीतक पृष्ठभूमि रूपमे मिथिलाक पवित्र सांस्कृतिक भूगोल देखेबाक लेल

(B) संगीत हटाबय लेल

(C) गणित सिद्ध करब लेल

(D) फिल्म समीक्षा लेल

**९७२. “धन्य ते...” श्लोकक सार की अछि?**

(A) मिथिलामे निवास आ विचरण करनिहार धन्य छथि

(B) मिथिला त्याज्य अछि

(C) नदी-विहीन प्रदेश

(D) गीत-विरोधी भूमि

**९७३. मिथिलाक आम्रवन आ नदी-तीर उल्लेख कोन सौंदर्य-संकेत दैत अछि?**

(A) प्रकृति, नदी आ तीर्थमय भूगोलक समृद्ध छवि

(B) शुष्क नगर

(C) कारखाना मात्र

(D) युद्धभूमि मात्र

**९७४. तीरभुक्ति/तिरहुत नामक व्याख्या कोन सांस्कृतिक पहचानसँ जुड़ल अछि?**

(A) मिथिला क्षेत्रक धार्मिक-भौगोलिक स्मृति सँ

(B) विदेशी व्यापार

(C) केवल आधुनिक जिला

(D) मुद्रणालय नाम

**९७५. कपिलेश्वर, हरिलाखी, फुलहर आदि तीर्थक सूची किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) लोकगीतक धरती तीर्थ-परम्परा आ स्मृति-स्थलसभसँ जुड़ल अछि

(B) सूची मात्र बिना अर्थ

(C) गीतसँ असंबद्ध

(D) केवल यात्रा-विज्ञापन

**९७६. मिथिलाक लोकगीतमे धर्म आ लोक व्यवहारक प्रधानता कहबाक अर्थ की अछि?**

(A) गीत धार्मिक श्रद्धा आ दैनिक सामाजिक व्यवहार दुनू सँ जन्मैत अछि

(B) गीत केवल मनोरंजन अछि

(C) धर्म अनुपस्थित

(D) व्यवहार असंबद्ध

**९७७. मिथिलाक सांस्कृतिक भूगोलक ज्ञान लोकगीत अध्ययनमे किएक जरूरी अछि?**

(A) गीतक अर्थ स्थान, तीर्थ, नदी, ग्राम आ लोकविश्वाससँ जुड़ैत अछि

(B) स्थानक कोनो प्रभाव नहि

(C) भूगोल हटाउ

(D) गीत केवल लिपि अछि

**९७८. तीर्थ-स्मृति आ लोकगीतक सम्बन्ध कोना अछि?**

(A) तीर्थ लोकधर्मक आधार दैत अछि, गीत ओकर सामुदायिक स्वर बनैत अछि

(B) दूनू विरोधी अछि

(C) गीत तीर्थ नष्ट करैत अछि

(D) तीर्थ केवल भवन अछि

**९७९. लेख मिथिलाक महिमा बतबैत लोकगीत संरक्षणक तर्क किएक मजबूत करैत अछि?**

(A) जे भूमि सांस्कृतिक रूपेँ समृद्ध अछि, ओकर गीत-धरोहर बचब जरूरी अछि

(B) धरोहरक अर्थ नहि

(C) लोकगीत कमजोर अछि

(D) केवल आधुनिकता चाही

**९८०. एहि खण्डक मूल निष्कर्ष की अछि?**

(A) मिथिला भूगोल, तीर्थ, नदी आ लोकव्यवहारक संग लोकगीतक अर्थ अविभाज्य अछि

(B) लोकगीत निर्वातमे बनैत अछि

(C) मिथिला अप्रासंगिक

(D) धर्म-संस्कार अनुपस्थित

## खण्ड ३५३ : विदेह-सदेह १ — पराती गीतक स्वर आ भाव

**९८१. पराती गीतक मुख्य समय-संकेत की अछि?**

(A) प्रभात/भोरक जागरण

(B) दोपहरक युद्ध

(C) आधी रातक व्यापार

(D) सांझक अदालत

**९८२. पराती सुनलापर “मन भाव-विभोर” होयबाक अर्थ की अछि?**

(A) गीत केवल ध्वनि नहि, भावनात्मक-सांस्कृतिक स्पर्श अछि

(B) गीत निरर्थक शोर

(C) केवल सूचना

(D) बाजार पुकार

**९८३. साहेबदासक परातीक उदाहरण किएक देल गेल?**

(A) मौलिक पारंपरिक भाषा आ भक्ति-भाव देखेबाक लेल

(B) मात्र पृष्ठ भरब लेल

(C) हास्यक उदाहरण

(D) विज्ञापनक स्वरूप

**९८४. “भजन चित चेत” भावक अर्थ की अछि?**

(A) मनकेँ भजन आ आध्यात्मिक चेतना दिस जागृत करब

(B) व्यापार बढ़ेब

(C) युद्ध शुरू करब

(D) भोजन माँगब

**९८५. “बालपन तरुणपन बीतल” पंक्ति कोन चेतावनी दैत अछि?**

(A) जीवन बीति रहल अछि, तैं अब आध्यात्मिक स्मरण करु

(B) बालपन अमर अछि

(C) समय रुकि गेल

(D) गीत खेल मात्र

**९८६. राम-नाम न आबय त व्यक्ति “प्रेत” समान — एहि भावक धार्मिक अर्थ की अछि?**

(A) भक्ति-विहीन जीवन आध्यात्मिक रिक्तता मानल गेल

(B) गीत नास्तिकता कहैत अछि

(C) नामक कोनो अर्थ नहि

(D) प्रेत केवल हास्य पात्र

**९८७. परातीक ध्वनि एक कोस धरि पहुँचबाक कथन कोन बात बतबैत अछि?**

(A) पुरान सामूहिक गायनक प्रभाव आ स्वर-प्रसार

(B) कोनो गायन नहि

(C) मौन परम्परा

(D) केवल मुद्रित पाठ

**९८८. पराती “लोकसभ कैँ जगा” क मंगल विहानक आनन्द देत छल—एहि कथनक अर्थ की अछि?**

(A) गीत सामाजिक जागरण आ भोरक सामूहिक भाव बनबैत छल

(B) गीत लोककैँ सुतबैत छल

(C) गीत अलगाव करैत छल

(D) गीत केवल लिखित रहैत छल

**९८९. परातीमे भक्ति आ लोकभाषा कोना मिलैत अछि?**

(A) सरल लोकभाषामे गहिर आध्यात्मिक आग्रह व्यक्त होइत अछि

(B) भाषा जटिल दरबारी मात्र

(C) भक्ति अनुपस्थित

(D) लोकभाषा निषिद्ध

**९९०. पराती संरक्षण किएक जरूरी अछि?**

(A) क्योंकि ई भक्ति, भाषा, धुन आ सामुदायिक भोरक स्मृति बचबैत अछि

(B) क्योंकि ई अप्रासंगिक अछि

(C) केवल नाम-सूची चाही

(D) धुन हटि जाए

## खण्ड ३५४ : विदेह-सदेह १ — भगवती गीत आ गोसाउनि परम्परा

**९९१. भगवती गीतक मूल सम्बन्ध कोन लोकधार्मिक परम्परासँ अछि?**

(A) देवी-आराधना आ गोसाउनि/गहबर परम्परासँ

(B) केवल शहरी नाटक

(C) कृषि कर

(D) स्कूल प्रार्थना मात्र

**९९२. गोसाउनि गीतक संकट कोन कारणसँ गम्भीर अछि?**

(A) फिल्मी धुनक प्रभाव आ परम्परागत व्यवहारक क्षय

(B) अधिक संरक्षण

(C) लोकप्रियता अत्यधिक

(D) संकट नहि

**९९३. भगवती गीतमे “आदि भवानी” सन संबोधन की दर्शबैत अछि?**

(A) देवीक मूल, प्राचीन आ संरक्षक शक्ति रूप

(B) सामान्य व्यक्ति

(C) राजनीतिक दल

(D) व्यापारिक ब्रांड

**९९४. विद्यापतिक “आदि भवानी” उदाहरणक महत्व की अछि?**

(A) देवी-भक्तिक साहित्यिक आ लोकगायन परम्पराक सेतु देखाबैत अछि

(B) विद्यापति असंबद्ध

(C) गीत केवल आधुनिक

(D) देवी-विमर्श अनुपस्थित

**९९५. गहबरमे भगतक मंडली द्वारा झूमरा गाबयक अर्थ की अछि?**

(A) देवी-आवाहनक सामूहिक लोक-रीति

(B) व्यक्तिगत मौन साधना मात्र

(C) विद्यालयी परीक्षा

(D) भोज-तालिका

**९९६. झाली आ मादरक संगति भगवती गीतमे की जोड़ैत अछि?**

(A) ताल, सामूहिक ऊर्जा आ अनुष्ठानिक वातावरण

(B) शब्दहीन मौन

(C) गीत-विरोध

(D) नाटकक परदा

**९९७. देवीक “प्रकट” होयबाक लोकविश्वास ककरा माध्यमे प्रकट अछि?**

(A) समवेत झूमरा गायन आ भगतक शरीरमे आवाहन अनुभव द्वारा

(B) मुद्रणालय द्वारा

(C) व्यापार पत्र द्वारा

(D) खेलक नियम द्वारा

**९९८. बतहू यादव सन भगतक चिन्ता कोन बात दर्शबैत अछि?**

(A) परम्परा अगिला पीढ़ी धरि कोना बचत—ई वास्तविक भय अछि

(B) परम्परा सुरक्षित अछि

(C) कोनो चिंता नहि

(D) गीत समाप्त करबाक इच्छा

**९९९. गोसाउनि गीतमे नाम, पद आ विनयक स्वर किएक प्रमुख अछि?**

(A) भक्ति मे अज्ञान स्वीकारि देवीसँ रक्षा माँगबाक लोकभाव अछि

(B) अहंकारक घोषणा

(C) देवी-विरोध

(D) हास्य मात्र

**१०००. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) देवी-गीत मैथिली लोकधर्मक जीवित, मुदा संकटग्रस्त, सामूहिक संगीत-संस्कार अछि

(B) देवी-गीत अप्रासंगिक

(C) झूमरा केवल खेल

(D) गहबर असंबद्ध

## खण्ड ३५५ : विदेह-सदेह १ — लोकगीत, संस्कार आ नव पीढ़ी

**१००१. हृदय नारायण झा नव पीढ़ीक संदर्भमे कोन चिन्ता व्यक्त करैत छथि?**

(A) परंपरागत गीतक शब्द, धुन, स्वर, लय आ भाव नव पीढ़ी बीच लुप्त होयब

(B) नव पीढ़ीक अत्यधिक लोकज्ञान

(C) गीतक पूर्ण पुनरुद्धार

(D) संकट नहिं

**१००२. लोकगीत "ज्ञान कैँ बढ़ाब" बला कहल गेल—एहि कथनक अर्थ की अछि?**

(A) गीत मनोरंजन संग जीवन-ज्ञान आ संस्कार-बोध सेहो दैत अछि

(B) गीत अज्ञान फैलाबैत अछि

(C) गीत केवल समय काटब

(D) गीत अर्थहीन ध्वनि

**१००३. रीति-नीतिक बोध कराबय बला गीतक सामाजिक भूमिका की अछि?**

(A) समुदायमे व्यवहार, मर्यादा आ संस्कार सिखेनाइ

(B) समाज तोड़नाइ

(C) भाषा विसरब

(D) एकान्त बनब

**१००४. लोकगीतक भावात्मक आकर्षण किएक स्थायी अछि?**

(A) शब्द, स्वर, लय आ सामूहिक स्मृति एकसाथ काम करैत अछि

(B) केवल छपाइ

(C) केवल फोटो

(D) केवल सूची

**१००५. लोकगीत बचेनाइ केवल संग्रह नहि, पुनरावृत्ति किएक चाहैत अछि?**

(A) जीवित गायन बिना परंपरा संग्रहालयक वस्तु बनि सकैत अछि

(B) संग्रह पर्याप्त

(C) गायन निषिद्ध

(D) धुन हटि जाए

**१००६. ग्राम्य गायन परम्परा मे वृद्ध गायक/गायिकाक भूमिका की अछि?**

(A) ओ लोकस्मृतिक जीवित भंडार छथि

(B) ओ अप्रासंगिक

(C) ओ केवल श्रोता

(D) ओ गीत नहिं जनैत

**१००७. भाषा-मान्यता आ लोकगीत-संरक्षण बीच सम्बन्ध की अछि?**

(A) मान्यता सँ भाषा प्रतिष्ठित होइत अछि, लोकगीत सँ ओ जीवित रहैत अछि

(B) मान्यता लोकगीत हटबैत अछि

(C) लोकगीत संविधानविरोधी

(D) दूनू असंबंधित

**१००८. लेखमे "वर्तमान आ भविष्यक पीढ़ी"क उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) संग्रह केवल अतीत लेल नहि, भविष्यक सांस्कृतिक अधिकार लेल अछि

(B) भविष्य अप्रासंगिक

(C) अतीत नष्ट करब

(D) केवल आजक मनोरंजन

**१००९. लोकगीतक संकटमे आधुनिक माध्यमक सकारात्मक भूमिका की भऽ सकैत अछि?**

(A) ऑडियो-वीडियो दस्तावेज आ प्रसार द्वारा धुन-संरक्षण

(B) गीत हटब

(C) कण्ठ चुप करब

(D) केवल व्यापार

**१०१०. एहि खण्डक मूल शैक्षिक निष्कर्ष की अछि?**

(A) लोकगीत लोक-विद्यालय अछि जे भाषा, संस्कार, धर्म, भूगोल आ स्मृति सिखबैत अछि

(B) लोकगीत केवल खाली ध्वनि

(C) गीत अप्रासंगिक

(D) संस्कार नहिं

## खण्ड ३५६ : विदेह-सदेह १ — परम्परा बनाम फिल्मी धुन

**१०११. फिल्मी धुनक प्रभावक चर्चा कोन संदर्भमे आयल अछि?**

(A) गोसाउनि/भगवती गीतक परंपरागत स्वरूप पर संकटक रूपमे

(B) लोकगीत बचावक एकमात्र उपाय

(C) परातीकेँ मजबूत करबाक साधन

(D) शास्त्रीय साधना

**१०१२. परम्परागत धुनक नष्ट होयब किएक गंभीर अछि?**

(A) क्योंकि धुन गीतक सांस्कृतिक पहचान आ अनुष्ठानिक भाव धारण करैत अछि

(B) धुन अप्रासंगिक

(C) शब्द बिना धुन पूर्ण

(D) धुन केवल सजावट

**१०१३. फिल्मीकरण लोकगीतकेँ लोकप्रिय बना सकैत अछि—तैयो संकट किएक?**

(A) लोकप्रियता होइतो मूल संदर्भ, लय आ भक्ति-भाव क्षतिग्रस्त भऽ सकैत अछि

(B) संकट असंभव

(C) लोकप्रियता मतलब संरक्षण

(D) संदर्भक महत्त्व नहि

**१०१४. गोसाउनि गीतक “अस्तित्वक संकट”क अर्थ की अछि?**

(A) मूल लोकधुन आ आचार-प्रसंग बिनु परम्परा पहिचान खोबैत अछि

(B) गीतक अतिशय विस्तार

(C) कण्ठक वृद्धि

(D) संकट नहिं

**१०१५. लोकगीत संरक्षणमे “प्रामाणिकता” किएक चाही?**

(A) ताकि गीत अपन मूल धुन, अवसर, भाषा आ भाव सहित बचे

(B) ताकि सब गीत एके फिल्मी बने

(C) ताकि भाषा हटि जाए

(D) ताकि केवल नाम बचे

**१०१६. आधुनिक माध्यम आ फिल्मीकरण बीच अंतर की अछि?**

(A) माध्यम धरोहर बचा सकैत अछि; फिल्मीकरण मूल स्वरूप बदलि सकैत अछि

(B) दूनू एके बात

(C) माध्यम सदैव हानिकर

(D) फिल्मीकरण सदैव संरक्षण

**१०१७. लोकगीतक धुनकेँ “दस्तावेज” बनाबयक अर्थ की अछि?**

(A) ध्वनि-संरचना केँ भविष्य लेल सुरक्षित राखब

(B) गीतकेँ मौन करब

(C) शब्द हटाब

(D) केवल फोटो राखब

**१०१८. परम्परागत गोसाउनि गीत ककरा बीच जीवित रहैत आएल?**

(A) गाम-गामक गहबर, भगत-मंडली आ सामूहिक गायनमे

(B) महानगरक विज्ञापनमे

(C) केवल विद्यालय परीक्षा

(D) केवल अदालतमे

**१०१९. फिल्मी धुन पर भगवती गीत गायनक सामाजिक कारण की हो सकैत अछि?**

(A) नव पीढ़ी आ लोकप्रिय बाजारक प्रभाव, जकरा कारण मूल धुन कमजोर भेल

(B) मूल धुनक विजय

(C) पूर्ण संरक्षण

(D) ककरो रुचि नहि

**१०२०. एहि खण्डक संरक्षण-संदेश की अछि?**

(A) आधुनिक साधन उपयोग करु, मुदा मूल लोकधुन आ आचार-भाव नष्ट नहि करू

(B) सब गीत फिल्मी बनाउ

(C) धरोहर छोड़ू

(D) परम्परा अप्रासंगिक

## खण्ड ३५७ : विदेह-सदेह १ — झूमरा, भगत आ गहबर

**१०२१. झूमरा गायनक परम्परा कोन स्थलसँ विशेष जुड़ल बताओल गेल?**

(A) गाम-गामक गहबर आ भगत-मंडलीसँ

(B) रेलवे स्टेशन

(C) नगरपालिका दफ्तर

(D) विद्यालय मैदान मात्र

**१०२२. नौ सदस्यक समवेत स्वरक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) झूमरा सामूहिक गायन आ अनुष्ठानिक समूह-ऊर्जा पर निर्भर अछि

(B) एकल मौन साधना

(C) केवल लिखित पाठ

(D) दुकानक घोषणा

**१०२३. झाली आ मादर झूमरामे की भूमिका निभबैत अछि?**

(A) ताल, लय आ अनुष्ठानिक आवेश सृजन करैत अछि

(B) गीत रोकैत अछि

(C) केवल सजावट

(D) लिपि बदलैत अछि

**१०२४. झूमरा द्वारा भगवतीक आवाहन कोन लोकविश्वास दर्शबैत अछि?**

(A) संगीत द्वारा देवी-उपस्थिति आमंत्रित होइत अछि

(B) संगीत देवी-विरोधी

(C) आवाहन असंभव

(D) गीत केवल खेल

**१०२५. भगतक शरीरमे देवी प्रकट होयबाक विश्वासक अर्थ की अछि?**

(A) भक्ति, संगीत आ देहक संयुक्त आध्यात्मिक अनुभव

(B) देह असंबद्ध

(C) केवल रंगमंचीय अभिनय

(D) व्यापारिक कौशल

**१०२६. “बीज रूपमे बचल” परम्परा कहबाक अर्थ की अछि?**

(A) परम्परा पूर्ण नष्ट नहि, मुदा कमजोर आ संकटग्रस्त अछि

(B) परम्परा अत्यन्त बलवान

(C) कहीं अस्तित्व नहि

(D) संकट असत्य

**१०२७. बतहू यादवक चिन्ता भावी पीढ़ी संदर्भमे कोन प्रश्न उठबैत अछि?**

(A) हुनका बाद ई गायन-धरोहर के सँभालत?

(B) गीत बहुत सुरक्षित अछि

(C) उत्तराधिकारीक जरूरत नहि

(D) देवी-गीत बंद होय

**१०२८. झूमरा संरक्षणमे केवल शब्द लिखि लेब पर्याप्त किएक नहि?**

(A) गायन-समूह, ताल, आवेश आ अवसर सेहो मूल अंग अछि

(B) शब्दे सभकिछु अछि

(C) धुन अनावश्यक

(D) समूह हटाउ

**१०२९. गहबर परम्परा मैथिली लोकधर्ममे की संकेत करैत अछि?**

(A) ग्रामदेवी, सामूहिक श्रद्धा आ स्थानीय अनुष्ठानक केन्द्र

(B) नगर-कार्यालय

(C) खेती-कर

(D) विद्यालय परीक्षा

**१०३०. एहि खण्डक मूल निष्कर्ष की अछि?**

(A) झूमरा लोकदेवी-आराधना, सामूहिक संगीत आ देहगत भक्ति-कंपनक अनूठ परम्परा अछि

(B) झूमरा केवल मनोरंजन

(C) देवीसँ असंबद्ध

(D) लुप्त होयब उचित

## खण्ड ३५८ : विदेह-सदेह १ — हृदय नारायण झाक लोकसंगीत-दृष्टि

**१०३१. हृदय नारायण झाक लोकसंगीत-दृष्टिक मुख्य आधार की अछि?**

(A) संग्रह, संरक्षण, दस्तावेजीकरण आ पुनर्जीवन

(B) उपेक्षा

(C) विस्मृति

(D) केवल हास्य

**१०३२. लोकगीतमे धर्म आ लोक व्यवहारक मिलन की बतबैत अछि?**

(A) मैथिली संस्कृति पूजा आ दैनिक जीवन दुनू कैँ गीतमे बाँधैत अछि

(B) धर्म आ व्यवहार अलग-अलग असंबद्ध

(C) गीत धर्म-विरोधी

(D) लोक व्यवहार नष्ट

**१०३३. पराती, भगवती गीत, झूमरा, संस्कार गीत—एहि सभकेँ साथ पढ़लासँ की स्पष्ट होइत अछि?**

(A) मैथिली लोकगीत परम्परा बहुविध, अवसर-विशिष्ट आ सामुदायिक अछि

(B) एकरूप आ रिक्त

(C) केवल व्यक्तिगत

(D) असंगीतिक

**१०३४. ऑडियो-वीडियो रूपमे दस्तावेजीकरण भविष्य लेल किएक अपरिहार्य अछि?**

(A) लोकगीतक धुन, लय, स्वर, प्रस्तुति आ देहभाषा बचय लेल

(B) केवल पृष्ठ सजाबय लेल

(C) ध्वनि हटाबय लेल

(D) गीतक मृत्यु लेल

**१०३५. लेखमे लोकगीतक “लुप्तप्राय” स्थिति चेतावनी किएक अछि?**

(A) अखन बचल अंशो सँभालल नहि गेल तँ परम्परा टूटि सकैत अछि

(B) संकट समाप्त

(C) लोकगीत बढ़ि रहल

(D) संरक्षण अनावश्यक

**१०३६. लेखकक दृष्टिमे लोकगीत केवल अतीतक वस्तु नहि किएक?**

(A) ई वर्तमान आ भविष्यक पीढ़ीक सांस्कृतिक शिक्षा बनि सकैत अछि

(B) ई मृत संग्रहालय वस्तु मात्र

(C) ई आधुनिक जीवनसँ असंबद्ध

(D) ई भाषा-विरोधी

**१०३७. लोकगीत-संरक्षण मैथिली अस्मिता सँ कोना जुड़ल अछि?**

(A) गीत भाषा, संस्कार, पर्व, भूगोल आ लोकस्मृति केँ एकसाथ रखैत अछि

(B) अस्मितासँ कोनो सम्बन्ध नहि

(C) गीत पहचान हटबैत अछि

(D) केवल व्यापारक सामग्री

**१०३८. हृदय नारायण झाक लेखमे विद्वत् आ लोक—दू स्तर कोना मिलैत अछि?**

(A) पुराणोक्त मिथिला-महिमा आ लोकक कण्ठक गीत एकसाथ पढ़ल गेल अछि

(B) केवल शास्त्र

(C) केवल बाजार

(D) दूनू अनुपस्थित

**१०३९. लोकगीतक भाव-सौंदर्यक मूल स्रोत की कहल जा सकैत अछि?**

(A) शब्द, धुन, लय, श्रद्धा, अवसर आ सामुदायिक स्मृतिक सम्मिलन

(B) केवल छपाइ

(C) केवल वाद्य-विज्ञापन

(D) केवल फोटो

**१०४०. एहि लेखसँ क्विज लेल उच्चस्तरीय प्रश्न ककरा पर बनबाक चाही?**

(A) वर्गीकरण, संरक्षण-विधि, सांस्कृतिक अर्थ, धुन-संकट आ लोकधर्म पर

(B) पृष्ठ संख्या

(C) ईमेल पता

(D) फॉण्ट आकार

## खण्ड ३५९ : विदेह-सदेह १ — जितेन्द्र झा: “स्वरक माला गँथती अंशु”

**१०४१. “स्वरक माला गँथती अंशु” लेखक केन्द्रमे ककर सांगीतिक यात्रा अछि?**

(A) अंशुमालाक मैथिली संगीत-साधना

(B) हिमांशु चौधरीक कविता मात्र

(C) मायानन्द मिश्रक उपन्यास

(D) छठि पावनिक विधि

**१०४२. अंशुमालाक अनुसार मैथिली भाषा-संगीत पिछुआयबाक एक कारण की अछि?**

(A) मैथिल समाज अपन भाषाकेँ हेय दृष्टिसँ देखैत अछि

(B) भाषा अत्यधिक समर्थित अछि

(C) ककरो गीत चाही नहि

(D) संगीतकार नहि अछि

**१०४३. अंशुमाला कहाँ संगीतमे एम.फिल. करैत छथि?**

(A) दिल्ली विश्वविद्यालयमे

(B) काशी गुरुकुलमे

(C) जनकपुर अस्पतालमे

(D) पटना सचिवालयमे

**१०४४. अंशुमालाक पहिल गुरु के कहल गेल छथि?**

(A) हुनकर माय

(B) राजकीय अधिकारी

(C) व्यापारी

(D) विदेशी पर्यटक

**१०४५. शशि किरण झासँ सम्बन्धित उल्लेख की बतबैत अछि?**

(A) अंशुमालाक माय मैथिली लोकसंगीतक शिक्षा लेने छलीह

(B) माय संगीत-विरोधी छलीह

(C) लोकसंगीत अनुपस्थित

(D) शिक्षा केवल अंग्रेजीमे छल

**१०४६. हृदय नारायण झासँ अंशुमालाक सम्बन्ध की अछि?**

(A) रेडियो कलाकारसँ संगीत-शिक्षा लैत छलीह

(B) राजनीतिक विरोध

(C) व्यापारिक सौदा

(D) कथा-पात्र

**१०४७. बाल कलाकार रूपमे अंशु कोन एलबममे गा चुकलीह?**

(A) सीतायण एलबममे

(B) कोशी रिपोर्टमे

(C) मधेश समाचारमे

(D) तर्पण कथामे

**१०४८. दिल्लीमे अंशु कोन भूमिका निभबैत छथि?**

(A) मैथिली गीत-संगीत परसैत आ संगीत-साधना करैत छथि

(B) मैथिली गीत टारैत छथि

(C) कला छोड़ि देलनि

(D) केवल प्रशासनिक पद पर छथि

**१०४९. अंशुमालाक लक्ष्य की रूपमे बताओल गेल?**

(A) मैथिली गीत-संगीतकेँ गुणस्तरीय बनौनाइ

(B) भाषा बदलि देनाइ

(C) केवल पैरोडी गेनाइ

(D) लोकगीत समाप्त करब

**१०५०. एहि लेखक आरम्भिक सार की अछि?**

(A) भाषा-अस्मिता, मातृ-परम्परा, औपचारिक संगीत-शिक्षा आ मैथिली गायनक संघर्ष

(B) केवल यात्रा-वर्णन

(C) चिकित्सा कथा

(D) पृष्ठसूची

## खण्ड ३६० : विदेह-सदेह १ — अंशु: श्रोता, भाषा आ दिल्लीक अनुभव

**१०५१. दिल्लीक एक कार्यक्रममे मैथिली गीत न गा सकबाक प्रसंग की देखबैत अछि?**

(A) मैथिलीभाषी श्रोता बीचो आन भाषाक गीतक माँगक दबाव

(B) मैथिली गीतक अत्यधिक माँग

(C) कार्यक्रम न भेल

(D) श्रोता अनुपस्थित

**१०५२. अंशु कहैत छथि "गायक श्रोताक रुचिक आगू विवश होइत अछि"—एहि कथनक अर्थ की अछि?**

(A) कलाकार बाजार/श्रोता-अपेक्षा आ भाषिक निष्ठा बीच फँसि जाइत अछि

(B) गायक स्वतन्त्र नहि गाबय चाहैत

(C) श्रोता अप्रासंगिक

(D) गीतक अर्थ नहि

**१०५३. पटना आ दिल्लीक अनुभवक तुलना सँ की उभरैत अछि?**

(A) श्रोताक सांगीतिक स्वाद क्षेत्र अनुसार बदलैत अछि

(B) सभ ठाम समान स्वाद

(C) दिल्लीमे मैथिली अधिक शक्तिशाली

(D) पटना असंबद्ध

**१०५४. मैथिली भाषीमे आन भाषाक गीत-संगीतक बढ़ैत रुचि किएक चिन्ताजनक कहल गेल?**

(A) ई मैथिली संगीतक स्थान संकुचित करि सकैत अछि

(B) ई मैथिली मजबूत करैत अछि

(C) भाषा-संरक्षणक उपाय

(D) गीत-विस्तारक प्रमाण

**१०५५. श्रोता-रुचि आ कलाकारक लक्ष्य बीच मुख्य तनाव की अछि?**

(A) मनोरंजनक माँग आ सांस्कृतिक जिम्मेदारीक द्वंद्व

(B) श्रोताहीनता

(C) कलाकार-विहीनता

(D) वाद्य-विरोध

**१०५६. "मैथिल समाज अपन भाषा-संगीतक दृष्टिकोण बदलू" आग्रहक अर्थ की अछि?**

(A) सांस्कृतिक आत्मसम्मान बढ़ाबय आ मैथिली संगीत सुनबाक वातावरण बनाबय

(B) मैथिली छोड़ू

(C) आन भाषा मात्र सुनू

(D) कलाकारकेँ चुप कराउ

**१०५७. मैथिली डहकन गेबाक लेल मोन मसोसय पड़बाक प्रसंग कोन वेदना दैत अछि?**

(A) अपन भाषा-गीत गाबयक इच्छा दबि जाएबाक पीड़ा

(B) गीत न आवयक खुशी

(C) कार्यक्रम समाप्त

(D) श्रोता अनुपस्थित

**१०५८. दिल्लीमे अंशुक अकच्छ लगबाक कारण की छल?**

(A) मैथिल भाषीक बदलल सांगीतिक स्वाद

(B) संगीतक अत्यधिक सम्मान

(C) मैथिली गीतक भारी माँग

(D) कार्यक्रमक अभाव

**१०५९. एहि प्रसंगसँ प्रवासी मैथिल समाजबारे की संकेत भेटैत अछि?**

(A) प्रवासी परिवेशमे भाषिक-सांगीतिक प्राथमिकता बदलि सकैत अछि

(B) प्रवासमे भाषा हमेशा अधिक बचे

(C) प्रवासी समाज असंबद्ध

(D) संगीतक प्रभाव नहि

**१०६०. एहि खण्डक मूल प्रश्न की अछि?**

(A) मैथिली श्रोता अपन भाषिक संगीत-संस्कारकेँ की सचेत रूपेँ बचायत?

(B) कतेक पृष्ठ?

(C) कौन सीट?

(D) कौन टिकट?

## खण्ड ३६१ : विदेह-सदेह १ — अंशु: पैरोडी, मौलिकता आ अर्थसंकट

**१०६१. अंशुमाला मैथिलीमे लोकप्रिय धुनक अभाव मानय लेल किएक तैयार नहि छथि?**

(A) हुनकर मतमे धुन/लयक अभाव नहि, श्रोता अनभिज्ञ छथि

(B) मैथिलीमे कोनो धुन नहि

(C) धुन बनि सकैत नहि

(D) गीत समाप्त अछि

**१०६२. मैथिली संगीतकर्मी आर्थिक समस्यासँ लड़ि रहल छथि—एहि कथनक प्रभाव की अछि?**

(A) मौलिक संगीत उत्पादनक कठिनाई आ पैरोडीक दबाव बुझाइत अछि

(B) कलाकार धनवान मात्र

(C) आर्थिक प्रश्न नहि

(D) संगीत मुफ्ते सम्भव

**१०६३. पैरोडी गीतक सहारा किएक लेब पड़ैत अछि?**

(A) मौलिक गीत-संगीतमे लगानीकर्ताक अभाव आ आर्थिक विवशता

(B) मौलिकता नहि चाही

(C) श्रोता अनुपस्थित

(D) भाषा बन्द

**१०६४. “सभसँ पैघ कमजोरी श्रोता छै” कथनक अर्थ की अछि?**

(A) कलाकारक सफलता-संकटमे श्रोताक रुचि निर्णायक भूमिका निभबैत अछि

(B) कलाकारक कोनो जिम्मेदारी नहि

(C) श्रोता सदैव गलत

(D) संगीत निरर्थक

**१०६५. पैरोडी-प्रेमी पर अंशुक रोष कोन मूल्यक पक्षमे अछि?**

(A) मौलिक, स्तरीय मैथिली गीत-संगीतक पक्षमे

(B) नकलक समर्थन

(C) भाषा-विरोध

(D) गीत-विनाश

**१०६६. स्तरीय गीत-संगीत श्रोताकेँ भेटबाक चाही—एहि विचारक केन्द्र की अछि?**

(A) गुणवत्ता बिना श्रोता-रुचि बदलत नहि

(B) निम्नस्तर पर्याप्त

(C) गीतक मानदंड नहि

(D) संगीत निषिद्ध

**१०६७. मैथिली लोकरंग मंचक कार्यक्रमक वाहवाहीक उदाहरण किएक देल गेल?**

(A) स्तरीय मैथिली कार्यक्रमक श्रोता-स्वीकृति सम्भव अछि से देखेबाक लेल

(B) मैथिली कार्यक्रम असफल

(C) श्रोता नहि

(D) मंच अनुपस्थित

**१०६८. मनोरंजनक लेल स्तरीय कार्यक्रमक मांग ककरा बीच संतुलन चाहैत अछि?**

(A) रुचिकरता आ सांस्कृतिक गुणवत्ता बीच

(B) केवल उपदेश

(C) केवल नकल

(D) केवल मौन

**१०६९. आर्थिक संकट आ श्रोता-संकट मिलि मैथिली संगीतमे कोन चुनौती बनबैत अछि?**

(A) मौलिक सृजनक अवरोध आ पैरोडीक प्रसार

(B) मौलिकता वृद्धि

(C) सभी समस्या समाप्त

(D) संगीत-उत्सव

**१०७०. एहि खण्डक मूल निष्कर्ष की अछि?**

(A) मौलिक मैथिली संगीत बचाबय लेल श्रोता, लगानीकर्ता आ कलाकार तीनू जिम्मेदार छथि

(B) कलाकार अकेले पर्याप्त

(C) पैरोडी सर्वोत्तम

(D) श्रोता अप्रासंगिक

## खण्ड ३६२ : विदेह-सदेह १ — अंशु: कलाकार-सम्मान आ स्त्री कलाकारक चुनौती

**१०७१. अंशुमालाक अनुभवमे मैथिली रंगकर्म/संगीतमे लागल कलाकारकेँ कोन कमी अछि?**

(A) उचित सम्मानक अभाव

(B) अत्यधिक सम्मान

(C) कोनो कठिनाई नहि

(D) पूर्ण संस्थागत सुरक्षा

**१०७२. “कलाकारकेँ आबय बला दिनमे बहुत मान-सम्मान भेटक चाही” कथन कोन आशा दैत अछि?**

(A) भविष्य मे मैथिली कलाकारक सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़बाक चाहना

(B) कलाकारक अवमूल्यन

(C) भाषा छोड़ब

(D) संगीत समाप्त करब

**१०७३. अंशुमाला मैथिली संगीतकेँ कोन ऊँचाई पर देखय चाहैत छथि?**

(A) गुण, सम्मान आ व्यापक स्वीकार्यता वाली ऊँचाई

(B) केवल पैरोडीक बजार

(C) अप्रासंगिकता

(D) संकीर्ण मंच

**१०७४. स्त्री कलाकार लेल कठिनाईक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) मैथिली रंगकर्म/संगीतमे लैंगिक बाधा आ सामाजिक संकोच देखेबाक लेल

(B) स्त्री सहभागिता पूर्ण सुगम

(C) लिंग प्रश्न असंबद्ध

(D) कलाकार मात्र पुरुष

**१०७५. समाजसँ सम्मान नहि भेटला पर लड़की प्रतिभा देखाबय आगू नहि आओत—एहि कथनक अर्थ की अछि?**

(A) सामाजिक मान्यता स्त्री-कलात्मक सहभागिताक शर्त अछि

(B) प्रतिभा सम्मानबिना बढैत अछि

(C) समाज अप्रासंगिक

(D) स्त्री कला असंभव

**१०७६. अंशुमालाक कथन कलाकार-सम्मानकेँ केवल व्यक्तिगत मुद्दा नहि किएक बनबैत अछि?**

(A) ई सम्पूर्ण मैथिली संगीत-संस्कृतिक विकाससँ जुड़ल अछि

(B) ई निजी शिकायत मात्र

(C) समाजसँ सम्बन्ध नहि

(D) संगीत असंबद्ध

**१०७७. स्त्री कलाकारक कठिनाई मैथिली समाजक कोन पक्ष उजागर करैत अछि?**

(A) सांस्कृतिक मंच पर स्त्री-स्वीकृतिमे बाधा आ संकोच

(B) पूर्ण समता

(C) बाधाहीन मंच

(D) प्रश्नहीन आधुनिकता

**१०७८. कलाकार-सम्मान आ श्रोता-संस्कृति बीच सम्बन्ध की अछि?**

(A) सम्मानित कलाकार गुणवत्तापूर्ण सृजनक वातावरण पाबैत अछि

(B) श्रोता अपमान करय त बेहतर

(C) सम्मान अप्रासंगिक

(D) कलाकार अकेले पूर्ण

**१०७९. अंशु स्वयं एक विद्यार्थी, कलाकार आ स्त्रीक रूपमे कोन संयुक्त दृष्टि आनैत छथि?**

(A) शिक्षा, साधना, सामाजिक बाधा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संयुक्त अनुभव

(B) केवल दर्शक दृष्टि

(C) असंगीतिक टिप्पणी

(D) राजकीय रिपोर्ट

**१०८०. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) मैथिली संगीतक उन्नति लेल कलाकार-सम्मान, स्त्री-सहभागिता आ समाजक दृष्टिकोण सुधार जरूरी अछि

(B) केवल पैरोडी पर्याप्त

(C) स्त्री कलाकारक जरूरत नहि

(D) सम्मान बाधक अछि

## खण्ड ३६३ : विदेह-सदेह १ — नेपाल वन आ मधेश स्पेशल

**१०८१. नेपाल वन टेलिभिजनक “मधेश स्पेशल”क महत्व की बताओल गेल?**

(A) मैथिलीकेँ संचारमाध्यममे दृश्य-श्रव्य स्थान देनाइ

(B) मैथिली हटाबय

(C) केवल खेल प्रसारण

(D) विज्ञापन मात्र

**१०८२. नेपालमे मैथिली बहुत बाजल जाएबला भाषा होइतहुँ संचारमाध्यममे स्थिति केहन कहल गेल?**

(A) अनुपातिक स्थान नहि भेटल, उपेक्षा रहल

(B) पूर्ण प्रभुत्व

(C) कोनो भाषी नहि

(D) माध्यममे केवल मैथिली

**१०८३. भारतसँ संचालित नेपाल वनक भूमिका किएक अलग ठहरल?**

(A) ओ मैथिली कार्यक्रम प्रसारण कऽ मैथिलीभाषी बीच अलग स्थान बनौलक

(B) ओ मैथिली निषिद्ध कयलक

(C) ओ केवल मौन रहल

(D) ओ स्थानीयता हटेलक

**१०८४. मधेश आन्दोलन आ संचारमाध्यमक आरोपक संदर्भमे मैथिलीकेँ स्थान भेटबाक बात की देखबैत अछि?**

(A) राजनीतिक-सामाजिक दबाव भाषा-प्रतिनिधित्वक प्रश्न खोलैत अछि

(B) भाषा असंबद्ध

(C) मीडिया निर्लिप्त

(D) स्थान घटल

**१०८५. मधेश स्पेशल मधेशीकेँ कोन अवसर देलक?**

(A) अन्तर्राष्ट्रीय संचारमाध्यममे अपन भाषामे मुख खोलबाक अवसर

(B) मौन रहबाक अवसर

(C) भाषा बदलबाक अवसर

(D) केवल नाच देखबाक अवसर

**१०८६. छोट मधेशी घटना मुख समाचार बनय लागल—एहि कथनक महत्व की अछि?**

(A) मीडिया-दृश्यता बढ़ल आ स्थानीय मुद्दा सार्वजनिक भेल

(B) घटना लुप्त भेल

(C) समाचार घटल

(D) मुद्दा दबि गेल

**१०८७. मधेशी नेताक धोती-कुर्ता पहिरि टीवी पर बातचीतक दृश्य ककर प्रतीक अछि?**

(A) सांस्कृतिक पहचान सहित सार्वजनिक राजनीतिक उपस्थिति

(B) पहचान लुकाबय

(C) भाषा विसरब

(D) राजनीति समाप्त

**१०८८. एक घंटा मैथिली कार्यक्रम लोकप्रिय होयबाक कारण की रहल?**

(A) पूर्व उपेक्षित भाषिक समुदायकेँ अपन माध्यम भेटल

(B) श्रोता अनुपस्थित

(C) मैथिली अप्रिय

(D) कार्यक्रम बन्द

**१०८९. डिस टीवी/टाटा स्काइ पर उपलब्धता कोन विस्तार देखबैत अछि?**

(A) देश-विदेशक मैथिल धरि पहुँच

(B) केवल एक गाम

(C) माध्यमहीनता

(D) भाषा-रोध

**१०९०. एहि खण्डक मूल निष्कर्ष की अछि?**

(A) मीडिया प्रतिनिधित्व भाषा, क्षेत्रीय पहचान आ राजनीतिक-सांस्कृतिक आवाज लेल निर्णायक अछि

(B) मीडिया अप्रासंगिक

(C) भाषा-माध्यमक संबंध नहि

(D) मधेशी आवाज अनावश्यक

## खण्ड ३६४ : विदेह-सदेह १ — भाषा हित, अकादमी आ सांस्कृतिक राजनीति

**१०९१. “भाषा हित कि भोगक लोभ” शीर्षक कोन द्वंद्व उठबैत अछि?**

(A) भाषा-संरक्षणक निष्ठा आ पद/लाभ-लोभक संघर्ष

(B) केवल भोजन-वर्णन

(C) गीतक ताल

(D) विद्यालयी खेल

**१०९२. दिल्लीक मैथिली-भोजपुरी अकादमी प्रसंगमे मुख्य प्रश्न की अछि?**

(A) मैथिली आ भोजपुरीक संयुक्त/अलग संस्थागत प्रतिनिधित्वक बहस

(B) लोकगीतक पंक्ति संख्या

(C) कृषि उपज

(D) मौसम रिपोर्ट

**१०९३. “जोड़क बात करक चाही, तोड़क नहि” कथन कोन दृष्टिकोण प्रस्तुत करैत अछि?**

(A) संयुक्तता आ संस्थागत सहयोगक पक्ष

(B) पूर्ण विखंडन

(C) भाषा-विरोध

(D) साहित्यत्याग

**१०९४. भिखारी ठाकुरक “विदेसिया” मंचनक प्रसंग किएक उल्लेखनीय अछि?**

(A) अकादमीक कार्यक्रम भाषा-सांस्कृतिक राजनीति संग जुड़ल अछि

(B) मंचन असंबद्ध

(C) किसी भाषा से संबंध नहि

(D) केवल खेल आयोजन

**१०९५. भाषा-हित बनाम पद-लाभक प्रश्न मैथिली आंदोलनमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) संस्था भाषा लेल अछि कि व्यक्तिगत सुविधा लेल—ई मूल्यांकन जरूरी अछि

(B) भाषा आंदोलन निरर्थक

(C) पदक कोनो प्रभाव नहि

(D) हित स्वतः सुरक्षित

**१०९६. मैथिली-भोजपुरी संयुक्त अकादमीक बहस भाषा-राजनीति कोना खोलैत अछि?**

(A) भाषिक पहचान, प्रशासनिक सुविधा आ सांस्कृतिक स्वायत्तता बीच तनाव देखबैत अछि

(B) कविता-विहीनता

(C) संगीतहीनता

(D) भूगोल-विहीनता

**१०९७. अलग अकादमीक माँग किएक उठि सकैत अछि?**

(A) मैथिलीकेँ स्वतन्त्र सांस्कृतिक-भाषिक प्रतिनिधित्व चाही से भावना सँ

(B) भाषा हटाबय लेल

(C) कार्यक्रम रोकय लेल

(D) लोकगीत नष्ट करय लेल

**१०९८. संयुक्तता पर बल देबाक सम्भावित तर्क की अछि?**

(A) संसाधन, सहयोग आ व्यापक क्षेत्रीय एकता राखबाक इच्छा

(B) भाषा-विलोप अनिवार्य

(C) प्रतिनिधित्व समाप्त

(D) संस्कृति निरर्थक

**१०९९. एहि बहसमे प्रश्नोत्तरी लेल सही दृष्टि की होयबाक चाही?**

(A) दूनू पक्षक संस्थागत तर्क बुझब, पृष्ठ/व्यक्ति-गॉसिप नहि पूछब

(B) व्यक्तिगत उपहास

(C) पदधारीक फोटो

(D) मात्र तारीख

**११००. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) मैथिली संस्थागत राजनीति मे भाषा-हित, प्रतिनिधित्व, एकता आ स्वायत्तताक जटिल प्रश्न उपस्थित अछि

(B) केवल मनोरंजन

(C) असंबद्ध नाटक

(D) भाषा-विमुखता

## खण्ड ३६५ : विदेह-सदेह १ — कोशीक कोप आ विस्थापन

**११०१. कोशीक कोप प्रसंगमे नेपालक लगभग कतेक जनता विस्थापित कहल गेल अछि?**

(A) लगभग एक लाख

(B) एक हजार

(C) दस लाख

(D) कोनो नहि

**११०२. बिहारमे कोशीक बाढ़सँ कतेकसँ बेसी जनता प्रभावित कहल गेल?**

(A) तीस लाखसँ बेसी

(B) तीन हजार

(C) तीस हजार

(D) कोनो नहि

**११०३. बिहारमे प्रभावित जनतामे कोशी क्षेत्रक लोकक अनुमानित संख्या की बताओल गेल?**

(A) बीस लाख

(B) दू हजार

(C) पचास हजार

(D) एक लाख

**११०४. बिहार सरकारक तथ्य अनुसार कोशी बाढ़सँ कतेक गाम प्रभावित कहल गेल?**

(A) ७७५ गाम

(B) ७ गाम

(C) ७५ गाम

(D) ७७ गाम

**११०५. कोशी नदीक उद्गमस्थल कोन क्षेत्र बताओल गेल?**

(A) चीनक तिब्बत

(B) केवल बंगाल

(C) केवल दिल्ली

(D) अरब सागर

**११०६. कोशी नेपाल होइत बिहारक कोन ठाम धरिक दूरी पार करैत गंगामे मिलैत अछि?**

(A) कुर्सेला

(B) मुंबई

(C) जयपुर

(D) पुरी

**११०७. कोशी नदीक कुल दूरी लगभग कतेक कहल गेल?**

(A) ७२० किलोमीटर

(B) ७२ किलोमीटर

(C) ७२०० किलोमीटर

(D) १२ किलोमीटर

**११०८. कोशी योजना संचालनक ४५ वर्ष बादो मुख्य समस्या की रहल?**

(A) कोशी पीड़ितक समस्या जिहनाक तिहना

(B) समस्या पूर्ण समाप्त

(C) नदी सूखि गेल

(D) बाढ़क स्मृति नहि

**११०९. “किएक टूटल बान्ह?” प्रश्न कोन बातक मांग करैत अछि?**

(A) नेपाल-भारत दूनू पक्षसँ जवाबदेही

(B) केवल गीत-संगीत

(C) व्यक्तिगत स्मृति

(D) मौसमक प्रशंसा

**१११०. बाढ़ग्रस्त किसानक दशा कोना चित्रित अछि?**

(A) भूमिहीन, अन्न-वस्त्र-पानीसँ वंचित

(B) समृद्ध आ निश्चिन्त

(C) केवल दर्शक

(D) उत्सवक आयोजक

## खण्ड ३६६ : विदेह-सदेह १ — कोशी सम्झौता, दोषारोपण आ क्षतिपूर्ति

**११११. कोशी तटबन्ध टूटलापर नेपाल आ भारतक पक्ष कोना व्यवहार करैत देखाओल गेल?**

(A) एक-दोसरापर दोषारोपण

(B) पूर्ण सहमति

(C) कविता-पाठ

(D) विषय टारि देल

**१११२. भारतीय पक्षक दाबी अनुसार तटबन्ध मरम्मतिक काज किएक नहि भऽ सकल?**

(A) कार्य वातावरण नहि बनल

(B) नदी नहि छल

(C) सम्झौता नहि छल

(D) कर्मचारी बेसी छल

**१११३. नेपाली पक्ष कोशी सम्झौता अनुसार अपना कैं कोन स्थिति मे देखबैत अछि?**

(A) मूक दर्शक

(B) मुख्य अभियन्ता

(C) नाविक

(D) गीतकार

**१११४. भारतीय प्रधानमन्त्री द्वारा बाढ़क स्थिति देखलापर कोन घोषणा भेल?**

(A) राष्ट्रीय विपत्ति

(B) कला-महोत्सव

(C) कृषि-मेला

(D) भाषा-दिवस

**१११५. सरकारी जाँच-बुझक अभाव कोन प्रश्न उठबैत अछि?**

(A) जवाबदेही आ कारण-निर्धारणक प्रश्न

(B) केवल शब्दार्थ

(C) संगीतक राग

(D) कविताक छन्द

**१११६. उच्चस्तरीय समिति कोन उद्देश्य लेल गठित कहल गेल?**

(A) नेपालसँ एहि विषय पर बातचीत लेल

(B) कविता प्रकाशित करबाक लेल

(C) मेला सजाबय लेल

(D) फिल्म बनाबय लेल

**१११७. कोशी सम्झौता अनुसार तटबन्धक सभ तरहक काज ककर जिम्मा कहल गेल?**

(A) भारतक

(B) नेपालक स्थानीय गामक

(C) कवि-मंडलीक

(D) व्यक्तिगत किसानक

**१११८. क्षतिपूर्ति सम्बन्धी दाबी मे नेपालक परराष्ट्रमन्त्री कोन पक्ष रखैत छथि?**

(A) भारत सरकारकेँ क्षतिपूर्ति देबय पड़त

(B) कोनो क्षतिपूर्ति नहि

(C) केवल नेपाल देत

(D) पीड़ित स्वयं जिम्मेदार

**१११९. क्षतिपूर्ति प्रसंगमे कोन तरहक सहयोग अपेक्षित कहल गेल?**

(A) इलाज, पुनर्वास आ खाद्यान्न

(B) केवल गीत

(C) केवल विज्ञापन

(D) केवल सम्मानपत्र

**११२०. एहि खण्डक मूल समस्या की अछि?**

(A) आपदा-प्रबन्धनमे सम्झौता, जवाबदेही आ मानवीय सहायता बीचक तनाव

(B) केवल नदीक सौन्दर्य

(C) व्यक्तिगत यात्रा

(D) बालक्रीड़ा

## खण्ड ३६७ : विदेह-सदेह १ — कटान, राहत आ जनस्वास्थ्य संकट

**११२१. कोशी कटान नियन्त्रण लेल कएल प्रयासक परिणाम कोना बताओल गेल?**

(A) असफल

(B) पूर्ण सफल

(C) अनावश्यक

(D) रोकल गेल

**११२२. कटान नियन्त्रणमे कोन सामग्री राखि नदीकेँ पश्चिम दिस घुमेबाक प्रयास भेल?**

(A) बालु आ गिट्टीक बोरा

(B) सोना-चाँदी

(C) कागज-पुस्तक

(D) फूल-माला

**११२३. बर्षाक कारण बाढ़ नियन्त्रण किएक कठिन भेल?**

(A) नदीक कटान आ प्रवाह नियन्त्रण आरो दुरूह बनल

(B) नदी सूखि गेल

(C) पानी घटल

(D) समस्या समाप्त भेल

**११२४. नेपाल सरकार विस्थापित परिवारकेँ कतेक सहयोग देबाक बात कहैत अछि?**

(A) १५ हजार टका

(B) १५ टका

(C) १५ लाख

(D) कोनो नहि

**११२५. १५ हजार टकाक सहयोग पर लेखकक भाव की अछि?**

(A) ई पीड़ितक जरूरतक सामने अपर्याप्त बुझाइत अछि

(B) ई सर्वथा पर्याप्त

(C) ई विलासिता

(D) ई विषयहीन

**११२६. हरिपुर, श्रीपुर आ पश्चिम कुशाहा सँ विस्थापित लोक कोन खोजमे छल?**

(A) अपन घर-परिवारक सदस्य

(B) नाट्य-मंच

(C) पुरस्कार

(D) पत्रिका

**११२७. सुनसरी प्रशासन एखन धरि कतेक मृत्युक पुष्टि कएने कहल गेल?**

(A) ५ गोटेक

(B) ५०० गोटेक

(C) शून्य

(D) १०० गोटेक

**११२८. कतेक लोक सम्पर्कविहीन बताओल गेल?**

(A) चारि सय गोट

(B) चारि गोट

(C) चारि हजार गाम

(D) चालीस लाख

**११२९. विस्थापित शिविरमे कोन रोग विकराल रूप लेने बताओल गेल?**

(A) पेटझरी आ मुँहपेट जाएब

(B) केवल सर्दी

(C) केवल दाँत-दर्द

(D) कोनो नहि

**११३०. एहि खण्डक मानवीय निष्कर्ष की अछि?**

(A) बाढ़ केवल जल-आपदा नहि, विस्थापन, बीमारी आ राहत-अभावक संयुक्त त्रासदी अछि

(B) बाढ़ केवल कविता अछि

(C) राहतक जरूरत नहि

(D) स्वास्थ्य-संकट अनुपस्थित

## खण्ड ३६८ : विदेह-सदेह १ — बिहारक बाढ़, बिचियाक आर्तनाद आ रंगमंचीय प्रतिक्रिया

**११३१. बिहार सरकार राहत काजमे कोन साधनक उपयोग बतबैत अछि?**

(A) हेलिकॉप्टर, नाव आ सेना

(B) केवल बैलगाड़ी

(C) केवल पुस्तकालय

(D) केवल मंच

**११३२. बाढ़पीड़ित लाखो जनता कोन स्थिति मे कहल गेल?**

(A) एखनो बाढ़मे फँसल

(B) सुरक्षित उत्सवमे

(C) विदेश गेल

(D) पूर्ण पुनर्वासित

**११३३. स्थानीयवासी सरकारी मृत्युसंख्यासँ अलग कोन बात कहैत छथि?**

(A) बहुत शव दहाइत देखल गेल

(B) मृत्यु नहि भेल

(C) नदी सुखायल

(D) मेला लागल

**११३४. “बिचियाक आर्तनाद” प्रसंगमे पीड़ितक कोन दशा उभरैत अछि?**

(A) भूख, वस्त्र-अभाव आ राहतक प्रतीक्षा

(B) समृद्धि

(C) नाटक-अभ्यास मात्र

(D) पर्यटन

**११३५. नवजात शिशु कैँ कोशीक कोरमे छोड़ि देबाक प्रसंग की देखबैत अछि?**

(A) आपदाक अमानवीय चरम आ भूखक त्रास

(B) उत्सव

(C) समृद्धि

(D) शैक्षिक यात्रा

**११३६. “कोशी सन बेदर्दी जगमे कोइ नहि” की छल?**

(A) लघुनाटक

(B) कथा-संग्रह

(C) गीत-एल्बम

(D) विद्यालय

**११३७. दिल्लीमे कोशी-लघुनाटक के कोन संस्था आयोजित केलक?**

(A) मैलोरंग

(B) कृषि विभाग

(C) बैंक

(D) रेलवे

**११३८. लघुनाटकमे राहत लेल मारामारी करैत जनता ककर प्रतीक बनैत अछि?**

(A) भूख आ प्रशासनिक विफलतासँ जूझैत पीड़ित समाज

(B) मनोरंजन मात्र

(C) राजकीय गर्व

(D) सैन्य अभ्यास

**११३९. मैलोरंग मैथिली लोकरंग महोत्सव किएक स्थगित केलक?**

(A) कोशी त्रासदीक कारण

(B) प्रचार लेल

(C) वर्षगाँठ लेल

(D) नव भवन लेल

**११४०. एहि खण्डक साहित्यिक महत्त्व की अछि?**

(A) रंगमंच आपदाक सामूहिक संवेदना व्यक्त करबाक माध्यम बनैत अछि

(B) रंगमंच अप्रासंगिक

(C) नाटक केवल हास्य

(D) भाषा अनुपस्थित

## खण्ड ३६९ : विदेह-सदेह १ — मणिपद्म स्मृति आ “उगना हाल्ट”

**११४१. व्रजकिशोर वर्मा मणिपद्मक स्मृतिमे कहाँ सांस्कृतिक कार्यक्रम भेल?**

(A) नई दिल्ली

(B) लंदन

(C) पटना स्टेशन मात्र

(D) जनकपुर मंदिर

**११४२. कार्यक्रममे मैथिली नाटक संग कोन प्रकाशन/विमोचन भेल?**

(A) मिथिलांगन संस्थाक स्मारिका

(B) गणित-पुस्तक

(C) सरकारी बजट

(D) अंग्रेजी उपन्यास

**११४३. मिथिलांगन ककर स्मृतिमे “उगना हाल्ट” मंचित कएने छल?**

(A) मणिपद्म

(B) विद्यापति

(C) भिखारी ठाकुर

(D) कालीदास

**११४४. मणिपद्मक योगदान कोन क्षेत्रमे उल्लेखनीय कहल गेल?**

(A) लोक साहित्यक संरक्षण

(B) केवल खेल

(C) केवल विज्ञान

(D) केवल व्यापार

**११४५. मणिपद्मकेँ मैथिलीक कोन उपाधिसँ जोड़ा गेल?**

(A) वाल्टर स्कॉट

(B) शेक्सपियर मात्र

(C) रवीन्द्रनाथ

(D) कोनो नहि

**११४६. मणिपद्म कोन-कोन लोकगाथाक संरक्षणसँ जोड़ल गेल छथि?**

(A) लोरिक, राजा सलहेस, नैका बंजारा

(B) रामायण मात्र

(C) हाइकू मात्र

(D) केवल गजल

**११४७. "उगना हाल्ट"क लेखक के कहल गेल?**

(A) कुमार शैलेन्द्र

(B) संजय चौधरी

(C) मणिपद्म स्वयं

(D) हिमांशु चौधरी

**११४८. "उगना हाल्ट"क निर्देशक के कहल गेल?**

(A) संजय चौधरी

(B) कुमार शैलेन्द्र

(C) राजमोहन झा

(D) आभाष लाभ

**११४९. नाटकक परिवेश मुख्यतः कतए केन्द्रित अछि?**

(A) नई दिल्लीक मंडी हाउसक रंगकर्मी अड्डा

(B) केवल ग्रामीण खेत

(C) समुद्रतट

(D) विद्यालय

**११५०. "उगना हाल्ट" नवतुरियाक कोन संघर्ष समेटैत अछि?**

(A) मैथिली भाषा-संस्कृति संरक्षण आ कला-लक्ष्य प्राप्ति

(B) व्यापार-लाभ मात्र

(C) जंगल-यात्रा

(D) कृषि मेला

## खण्ड ३७० : विदेह-सदेह १ — "उगना हाल्ट"क नाट्य-संरचना आ संदेश

**११५१. "उगना हाल्ट"मे रंगकर्मी नवतुरियाक जीवन कोना देखाओल गेल?**

(A) संघर्ष, दिग्भ्रम आ अन्ततः लक्ष्य-प्राप्ति

(B) पूर्ण विलास

(C) निष्क्रियता

(D) केवल हास्य

**११५२. नाटकमे किछु पात्र कोन बनने चाहैत छथि?**

(A) संगीतकार, गीतकार, फिल्म नायक-नायिका

(B) किसान मात्र

(C) पुजारी मात्र

(D) बैंक अधिकारी मात्र

**११५३. नाटककार कोन पाठ सिखेबाक प्रयास करैत छथि?**

(A) संगठने शक्ति अछि

(B) अलगाव सर्वोत्तम

(C) भाषा छोड़ू

(D) कला व्यर्थ

**११५४. नाटकक अन्त कोना बताओल गेल?**

(A) सुखान्त

(B) करुणान्त मात्र

(C) अपूर्ण

(D) निष्कर्षहीन

**११५५. उगना हाल्ट नाम वास्तविक रूपमे कोन ठामक स्टेशनसँ जुड़ल अछि?**

(A) मधुबनी जिलाक पंडौल-सकरी बीचक स्टेशन

(B) दिल्ली मेट्रो मात्र

(C) कोलकाता बंदरगाह

(D) नेपाल वन

**११५६. नाटकक नाम आ परिवेश बीच कोन कलात्मक तनाव अछि?**

(A) मिथिला-स्मृति वाला नाम, दिल्लीक संघर्ष-केंद्रित परिवेश

(B) नाम आ विषयक कोनो सम्बन्ध नहि

(C) केवल समुद्री कथा

(D) केवल अंग्रेजी मंच

**११५७. मिथिलांगनक निरन्तरता कोन बातसँ सूचित अछि?**

(A) पत्रिका प्रकाशन आ स्मृति-कार्यक्रम

(B) एक दिनक बंद आयोजन

(C) कोनो गतिविधि नहि

(D) केवल खेल प्रतियोगिता

**११५८. “उगना हाल्ट”मे मैथिली भाषा-संस्कृति संरक्षणक प्रश्न ककर माध्यमे उठैत अछि?**

(A) दिल्लीमे संघर्षरत नव कलाकारक माध्यमे

(B) राजकीय आदेश मात्र

(C) पुरातत्व सर्वेक्षण

(D) बाल खेल

**११५९. एहि नाटकमे सफलता व्यक्तिगत प्रतिभासँ बेसी ककरा संग जोड़ल अछि?**

(A) संगठन आ सामूहिकता

(B) धन मात्र

(C) भाग्य मात्र

(D) मौन

**११६०. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) मैथिली रंगकर्म दिल्लीक संघर्ष-भूमि पर सांस्कृतिक पहचान आ संगठनक कथा कहैत अछि

(B) नाटक मे भाषा नहि

(C) कला-विमुख कथानक

(D) असंबद्ध रिपोर्ट

## खण्ड ३७१ : विदेह-सदेह १ — जितमोहन झा आ कन्या भ्रूण हत्या

**११६१. जितमोहन झाक आलेखक शीर्षक कोन सामाजिक प्रश्न उठबैत अछि?**

(A) कन्या भ्रूण हत्या प्रकृतिक संग खिलवाड़

(B) केवल मौसम-वर्णन

(C) नदी-यात्रा

(D) भोजन-विन्यास

**११६२. कथावाचक अस्पताल किएक गेल छल?**

(A) बचपनक दोस्तक स्वास्थ्य समाचार सुनि

(B) नाटक देखय

(C) मेला घूमय

(D) गीत रेकर्ड करय

**११६३. अस्पतालमे कथावाचक ककरा देखि चौंकि गेल?**

(A) चचेरा भैया-भाभी

(B) स्कूल शिक्षक

(C) गायक

(D) अजनबी नेता

**११६४. भाभीक उदास चेहरा कोन भयक संकेत दैत अछि?**

(A) तीसर बेर कन्या होयबाक आशंका आ भ्रूण परीक्षणक दबाव

(B) उत्सवक तैयारी

(C) नाटकक संवाद

(D) कविता-पाठ

**११६५. भैया भाभीकेँ अस्पताल कोन उद्देश्यसँ अनने छथि?**

(A) गर्भ परीक्षण लेल

(B) गीत सुनाबय लेल

(C) शिक्षा-प्रशिक्षण लेल

(D) चिकित्सा शिविर चलाबय लेल

**११६६. कथावाचक आ पत्नी बुझेलापर की भेल?**

(A) भैया भाभीकेँ वापस घर लऽ गेलाह

(B) परीक्षण तुरन्त भेल

(C) भाभी छोड़ि देल गेलीह

(D) मुद्दा समाप्त नहि भेल

**११६७. आलेख कानूनक सीमा किएक देखबैत अछि?**

(A) समाज स्वयं नहि बदलल तँ कानून पर्याप्त नहि

(B) कानून अनावश्यक अछि

(C) समाज पूर्ण सुधरि गेल

(D) लिंग-प्रश्न नहि

**११६८. कन्या जन्म पर मुँह सिकोड़बाक कारण रूपमे कोन सामाजिक भय बताओल गेल?**

(A) परवरिश, शिक्षा, विवाह आदि कठिनाई

(B) संगीतक अभाव

(C) भाषा-पुरस्कार

(D) नदीक जलस्तर

**११६९. हरियाणा उदाहरण किएक देल गेल?**

(A) लड़कीक संख्या घटला सँ विवाह-संकट देखेबाक लेल

(B) कृषि-प्रशंसा लेल

(C) संगीत उदाहरण लेल

(D) यात्रा-वृत्तान्त लेल

**११७०. आलेखक अन्तिम नैतिक आग्रह की अछि?**

(A) मानसिकता बदलि कन्या भ्रूण हत्या रोकू

(B) केवल कानून पढ़ू

(C) चुप रहू

(D) प्रकृति-विरोध स्वीकारू

## खण्ड ३७२ : विदेह-सदेह १ — कन्या भ्रूण हत्या: कानून, समाज आ प्रकृति

**११७१. लेखमे भ्रूण परीक्षण प्रतिबन्धित होइतहुँ समस्या किएक जारी कहल गेल?**

(A) पिछला दरवाजाक संस्कृति अस्पताल धरि पहुँचि गेल

(B) कानून नहि अछि

(C) लोक पूर्ण जागरूक

(D) अस्पताल अनुपस्थित

**११७२. लेखक समाजकेँ कानूनसँ बेसी ककर जिम्मेदारी दिस मोड़ैत छथि?**

(A) स्वयं नागरिकक नैतिक जागरूकता

(B) केवल पुलिस

(C) केवल डॉक्टर

(D) केवल सरकार

**११७३. भ्रष्टाचार, बालश्रम, शोषणक उदाहरण किएक देल गेल?**

(A) कानून रहितहुँ सामाजिक सहभागिता बिना रोकथाम कठिन अछि से देखाबय

(B) विषय बदलय

(C) हास्य लेल

(D) राजनीति समाप्त करय

**११७४. “हम खुद कतहु दोषी छी” कथन कोन आत्मालोचनाक संकेत अछि?**

(A) सामाजिक बुराइमे मौन/समझौताक सहभागिता

(B) पूर्ण निर्दोषता

(C) केवल प्रशासन दोषी

(D) समस्या असत्य

**११७५. लड़का जन्मलासँ सभ समस्या समाप्त भऽ जाएत—एहि धारणा पर लेखकक दृष्टि की अछि?**

(A) ई भ्रम अछि

(B) ई पूर्ण सत्य

(C) ई वैज्ञानिक निष्कर्ष

(D) ई धार्मिक आदेश

**११७६. कन्या भ्रूण हत्या जारी रहलासँ समाजक कोन भविष्य-भय बताओल गेल?**

(A) लड़का सभ कुँआरे रहि सकैत अछि

(B) सभी विवाह सहज

(C) समाज संतुलित

(D) कोनो प्रभाव नहि

**११७७. “जीवनक गाड़ीके दूनू पहिया” प्रतीक कोन बात बुझबैत अछि?**

(A) स्त्री-पुरुष समान रूपेँ आवश्यक

(B) पुरुष मात्र पर्याप्त

(C) स्त्री अनुपयोगी

(D) समाज एकपहिया चलैत अछि

**११७८. कन्या भ्रूण हत्या प्रकृतिक संग खिलवाड़ किएक कहल गेल?**

(A) ई जीवन-संतुलन आ जन्म-व्यवस्था पर हिंसा अछि

(B) ई विकासक मार्ग

(C) ई पूजा-पद्धति

(D) ई साहित्यिक अलंकार मात्र

**११७९. वंशबेल केवल लड़का सँ चलेत—एहि मानसिकताक विरोध किएक जरूरी अछि?**

(A) ई पितृसत्तात्मक भ्रम कन्या-विरोधक मूल अछि

(B) ई सामाजिक न्याय

(C) ई आधुनिकता

(D) ई स्त्री-सम्मान

**११८०. एहि आलेखक मूल्य क्या अछि?**

(A) कथा-प्रसंगसँ सामाजिक सुधारक तीक्ष्ण प्रश्न उठबैत अछि

(B) केवल अस्पताल-वर्णन

(C) केवल निजी यात्रा

(D) कानून-विरोध

## खण्ड ३७३ : विदेह-सदेह १ — जितमोहन झा: भक्तिगीत

**११८१. भक्तिगीतमे पहिले किनकर चरणमे प्रणाम अछि?**

(A) मात, पिता, गुरु आ प्रभु

(B) केवल राजा

(C) केवल मित्र

(D) केवल नदी

**११८२. गीतमे माताजीक उपकार कोना स्मरण कएल गेल?**

(A) कष्ट सहि, चलब सिखा, ममताक छाया देलनि

(B) धन-संग्रह मात्र

(C) शासन मात्र

(D) गीत मात्र

**११८३. पिताजीक भूमिका गीतमे कोना वर्णित अछि?**

(A) अन्न खुएलनि, पढ़ेलनि, जीवन-पथ सिखेलनि

(B) केवल खेल सिखेलनि

(C) दूरी रखलनि

(D) कविता लिखलनि

**११८४. गुरुजी गीतमे कोन दीप जरबैत छथि?**

(A) भक्ति आ ज्ञानक दीप

(B) क्रोधक दीप

(C) धनक दीप

(D) अंधकारक दीप

**११८५. प्रभु कृपासँ मनुष्यकेँ की प्राप्त भेल कहल गेल?**

(A) नर तन, बल, बुद्धि आ विद्या

(B) केवल धन

(C) केवल पद

(D) कोनो नहि

**११८६. गीतक आवर्त "हमरा पर कएलहुँ बड़ उपकार" की निर्माण करैत अछि?**

(A) कृतज्ञताक भावात्मक लय

(B) हास्य-व्यंग्य

(C) विरोधी घोष

(D) राजनीतिक नारा

**११८७. गीतमे माता-पिता-गुरु-प्रभु एक क्रममे किएक आएल छथि?**

(A) सांसारिक पालनसँ आध्यात्मिक उद्धार धरि क्रम बनैत अछि

(B) यादृच्छिक सूची

(C) व्यापार क्रम

(D) युद्ध क्रम

**११८८. गीतमे "ऋण किहियो नहि चुकलौं" भाव कोन सम्बन्ध पर लागू होइत अछि?**

(A) मातृत्वक उपकार पर

(B) व्यापार पर

(C) राजनीति पर

(D) मौसम पर

**११८९. भक्तिगीतक केंद्रीय रस की अछि?**

(A) कृतज्ञता आ भक्ति

(B) क्रोध मात्र

(C) निराशा मात्र

(D) उपहास

**११९०. एहि गीतक सामाजिक पक्ष की अछि?**

(A) परिवार, गुरु-परम्परा आ भक्तिभावकेँ नैतिक जीवनक आधार मानैत अछि

(B) व्यक्ति अकेला पर्याप्त

(C) समाज अस्वीकार

(D) शिक्षा निरर्थक

## खण्ड ३७४ : विदेह-सदेह १ — ज्योति: परिचय आ कला-संस्कार

**११९१. ज्योतिक अंग्रेजी पद्यक संदर्भमे कोन पुरस्कारक उल्लेख अछि?**

(A) Editor's Choice Award

(B) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

(C) संगीत नाटक अकादमी

(D) कोनो नहि

**११९२. ज्योतिक अंग्रेजी पद्य कोन वेबसाइटक मुख्य पृष्ठ पर किछु दिन रहल कहल गेल?**

(A) poetrysoup.com

(B) रेलवे पोर्टल

(C) कृषि वेबसाइट

(D) कोनो नहि

**११९३. ज्योति कोन लोककला/चित्रकलामे पारंगत कहल गेलीह?**

(A) मिथिला चित्रकला

(B) तेलचित्र मात्र

(C) मूर्तिकला मात्र

(D) फोटोग्राफी मात्र

**११९४. ज्योतिक मिथिला चित्रकलाक प्रदर्शनी कतए प्रदर्शित भेल कहल गेल?**

(A) ईलिंग ब्रॉडवे, लंदन

(B) दरभंगा स्टेशन

(C) सहरसा मेला

(D) कोशी तटबन्ध

**११९५. मिथिला पेंटिंगक शिक्षा ज्योति किनकासँ आ कहाँ लेने बताओल गेल?**

(A) श्वेता झा, बसेरा इंस्टिट्यूट आ ललितकला तूलिका, जमशेदपुर

(B) केवल ऑनलाइन

(C) रेलवे प्रशिक्षण

(D) कोशी शिविर

**११९६. ज्योति पूर्वमे कतए अवैतनिक अध्यापनसँ जुड़ल रहलीह?**

(A) नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड, जमशेदपुर

(B) नेपाल वन

(C) मिथिलांगन

(D) कोनो नहि

**११९७. ज्योतिक जन्मस्थान कोन बताओल गेल?**

(A) बेलवार, मधुबनी

(B) लंदन

(C) पटना

(D) दिल्ली

**११९८. ज्योतिक निवासस्थान परिचयमे कतए कहल गेल?**

(A) लंदन, यू.के.

(B) सहरसा

(C) सप्तरी

(D) मुंबई

**११९९. ज्योतिक परिचय कला आ साहित्यक कोन स्वरूप जोड़ैत अछि?**

(A) अंग्रेजी पद्य, मैथिली कविता आ मिथिला चित्रकला

(B) केवल प्रशासन

(C) केवल राजनीति

(D) केवल व्यापार

**१२००. ज्योतिक सामग्रीक महत्व की अछि?**

(A) प्रवासी मैथिल स्त्री-कला, कविता आ चित्रकला केर संगम

(B) केवल जीवनी-सूची

(C) असंबद्ध विज्ञापन

(D) मौसम समाचार

## खण्ड ३७५ : विदेह-सदेह १ — ज्योति: “बर्फ ओढ़ने वातावरण” आ प्रकृति

**१२०१. “बर्फ ओढ़ने वातावरण”मे आकाश कोना चित्रित अछि?**

(A) टूटि-बिखरि सबके एक रंगमे रंगैत

(B) पूर्ण अंधकार मात्र

(C) नदीमे डूबल

(D) रेतमे बदलल

**१२०२. सरदीसँ भयभीत जीवसभ की करैत अछि?**

(A) अपन-अपन जगह धरैत अछि

(B) नाचैत अछि

(C) समुद्र पार करैत अछि

(D) राजनीति करैत अछि

**१२०३. कविता मनुष्यक कोन विशेषता देखबैत अछि?**

(A) विकट परिस्थिति पर बुद्धिबलसँ विजय

(B) पूर्ण पराजय

(C) प्रकृति-विनाश मात्र

(D) मौन

**१२०४. “गामक सूर्यास्त”मे दृश्य ककरा कात घटैत अछि?**

(A) पोखरिक भीड़/कात

(B) कारखाना

(C) रेलवे प्लेटफॉर्म

(D) समुद्रतट

**१२०५. सूर्यास्तक समय पक्षीसभ कोन भाव रचैत अछि?**

(A) समदाउन गाबिक धीरे-धीरे मौन होइत

(B) युद्ध करैत

(C) घर छोड़ैत

(D) मेला सजाबैत

**१२०६. “गामक सूर्यास्त”क अन्तिम आशा की अछि?**

(A) अगिला भोर पक्षीगण प्राती गायत

(B) राति स्थायी अछि

(C) प्रकृति समाप्त

(D) गाम नष्ट

**१२०७. “विशाल समुद्र”मे समुन्द्रक लहरि की करैत अछि?**

(A) रेत पर पदचिह्न मेटा तटसँ घुरि जाइत

(B) स्थिर रहैत

(C) आकाशमे उड़ैत

(D) काठ बनैत

**१२०८. समुन्द्रक शक्ति कोन संगठनक रूपमे कहल गेल?**

(A) जलक सभसँ शक्तिशाली संगठन

(B) माटिक ढेरी

(C) फूलक थाल

(D) गीतक पंक्ति

**१२०९. रातिक अन्हारमे समुद्रक गर्जन की कराबैत अछि?**

(A) विशालताक आभास

(B) मौनक प्रमाण

(C) बालक्रीड़ा

(D) भूख

**१२१०. एहि खण्डमे प्रकृति ककर शिक्षक बनैत अछि?**

(A) मानव-धैर्य, चक्र आ विराटताक

(B) केवल पर्यटनक

(C) केवल व्यापारक

(D) कोनो नहि

## खण्ड ३७६ : विदेह-सदेह १ — ज्योति: आधुनिक जीवनदर्शन आ भावना

**१२११. “आधुनिक जीवनदर्शन”मे वक्ता ककरा प्रति विरक्ति बतबैत छथि?**

(A) अतिशयोक्ति

(B) प्रकृति

(C) मौन

(D) भक्ति

**१२१२. कविता अनुसार निन्दामे कंजूसी किएक प्रश्न बनैत अछि?**

(A) दूसराक निन्दामे समाज उदार, प्रशंसामे स्वार्थी अछि

(B) निन्दा निषिद्ध

(C) प्रशंसा सदैव निष्कपट

(D) कविता नहिये अछि

**१२१३. “परोपकार करनिहार” प्रसंग कोन विडम्बना खोलैत अछि?**

(A) जे हमर काज बना गेल से उपकारी, बाकी बेरोजगार

(B) सब परोपकारी समान

(C) काज निरर्थक

(D) समाज पूर्ण न्यायपूर्ण

**१२१४. “मनुष्य आ ओकर भावना”मे कठोर हृदयमे की नुकायल भेटैत अछि?**

(A) भावुकता

(B) केवल पत्थर

(C) धन

(D) नदी

**१२१५. कवितामे क्रोध, प्रेम, दुख, दया आदि ककर अंश कहल गेल?**

(A) जीवनक

(B) व्यापारक

(C) भूगोलक

(D) नाटकक मंचक

**१२१६. गलतकेँ बिसरा नीक विचारक आश्रय देनाइ ककर अधीन बताओल गेल?**

(A) मनुष्यक अपन अधीन

(B) सरकारक आदेश

(C) केवल भाग्य

(D) प्रकृतिक बाध्यता

**१२१७. दया परोपकारक की कहल गेल?**

(A) अधिष्ठात्री

(B) विरोधी

(C) अनुपस्थित

(D) दोष

**१२१८. क्रोध आ प्रेमक परिणाम कोना तुलना कएल गेल?**

(A) क्रोधसँ हठ, प्रेमसँ त्याग

(B) दूनू समान विनाश

(C) प्रेमसँ हठ

(D) क्रोधसँ त्याग

**१२१९. “आधुनिकताक होड़मे निष्ठुरता” पंक्ति कोन संकट देखबैत अछि?**

(A) भावनाहीन आधुनिक जीवन

(B) पूर्ण करुणा

(C) प्रकृति-सम्मान

(D) समाजक सरलता

**१२२०. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) मानवता लेल भावना जरूरी अछि, मुदा ओकर सही दिशा चाही

(B) भावना हटाबय योग्य

(C) क्रोध सर्वोत्तम

(D) निष्ठुरता आदर्श

## खण्ड ३७७ : विदेह-सदेह १ — ज्योति: हमर गाम, विकास आ बालश्रम

**१२२१. “हमर गाम”मे गरमीक भोर कोना चित्रित अछि?**

(A) शांत आ शीतल

(B) धुआँसँ भरल

(C) हिमपात मात्र

(D) कोलाहलपूर्ण कारखाना

**१२२२. गामक दुपहरिया कोन अनुभूति दैत अछि?**

(A) लू आ उमससँ बिगड़ल

(B) शीतल हिम

(C) केवल वर्षा

(D) समुद्री हवा

**१२२३. गामक मिठास ककर कारण सँ बचल कहल गेल?**

(A) अपन भाषाक कारण

(B) विदेशी भवन

(C) कारखाना

(D) कंक्रीट सड़क

**१२२४. गामक अपनापन कोना व्यक्त अछि?**

(A) लोक हाक दऽ हाल पूछैत छल

(B) सब मौन रहैत छल

(C) कोनो सम्बन्ध नहि

(D) केवल मोबाइल संवाद

**१२२५. गामक फल-गाछ आ पोखरिक मखानक सूची की रचैत अछि?**

(A) स्मृति, स्वाद आ स्थानीय जीवनक संसार

(B) कारखाना-रिपोर्ट

(C) कानूनी दस्तावेज

(D) शहरक नक्शा

**१२२६. “विकास” कवितामे विकासशीलताक शिखर ककरा सन शंका बनैत अछि?**

(A) मृगमरीचिका

(B) पूर्ण ठोस सत्य

(C) स्थिर पर्वत

(D) समाप्त यात्रा

**१२२७. विज्ञान आ तकनीकक नशा कोन खतरा उत्पन्न करैत अछि?**

(A) प्रकृति-दूषण आ ज्ञानक स्थूलता

(B) प्रकृतिक संरक्षण मात्र

(C) गामक शांति

(D) बालक्रीड़ा

**१२२८. “बालश्रम”मे बालपनक किलकारी कोना भेल?**

(A) भूखक तापसँ मूक

(B) आनन्दसँ गूँजैत

(C) खेलमे मग्न

(D) शिक्षासँ समृद्ध

**१२२९. बालकक हाथसँ लेखनी छीनि की धरेल गेल?**

(A) करची/श्रमक औजार

(B) फूल

(C) वीणा

(D) पुस्तकालयक चाबी

**१२३०. एहि खण्डक मूल द्वंद्व की अछि?**

(A) गामक स्मृति, विकासक प्रश्न आ बाल्य-शोषणक पीड़ा

(B) केवल ऋतु-वर्णन

(C) केवल हास्य

(D) केवल राजनीति

## खण्ड ३७८ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक लघु प्रकृति-कविता: तारा, लता, नागफनी

**१२३१. तारासम्बन्धी लघु कविता कोन विरोधाभास खोलैत अछि?**

(A) दूरसँ शीतल बुझाइत, वास्तवमे जरैत

(B) पाससँ शीतल

(C) पूर्ण अंधकार

(D) धरतीक फूल

**१२३२. लता-कवितामे लता कोना चित्रित अछि?**

(A) शाखासँ लागल, पुष्प-पातसँ आच्छादित झूलैत

(B) कठोर पाथर

(C) नदीक नाव

(D) धुआँ

**१२३३. प्रवासी/यात्री पक्षी विषयक कविता कोन अवस्था देखबैत अछि?**

(A) लाम यात्रा बाद विश्राम, यात्रा एखनो अपूर्ण

(B) उड़ान समाप्त

(C) पंख नहि

(D) घर स्थिर

**१२३४. नागफनीक काँटक बीच फूल की बनैत अछि?**

(A) अद्भुत अपवाद

(B) सामान्य पत्थर

(C) मृत पत्ता

(D) अंधकार

**१२३५. मेघक बिम्ब कोना देल गेल?**

(A) नीलाम्बरमे सागरक शार्क जकाँ विचरैत

(B) माटिक ईंट

(C) गामक दीप

(D) दूधक कटोरा

**१२३६. भावी संकटक पूर्वाभास किनका मे कहल गेल?**

(A) पशु-पक्षीमे

(B) केवल मनुष्य मे

(C) पत्थरमे

(D) कविता मे नहि

**१२३७. कोमल पंखुड़ी आ सुगन्ध मिलि की रचैत अछि?**

(A) एक पुष्पक रूप

(B) तूफान

(C) धुआँ

(D) काँटेदार जाल

**१२३८. नदीक तरंगक उपमा ककरा सँ अछि?**

(A) घुरमल केश

(B) तलवार

(C) आग

(D) पर्वत

**१२३९. बाज उड़य लेल तैयार बिम्बमे की मुख्य अछि?**

(A) जागरूकता आ फैलल पाँखि

(B) निष्क्रियता

(C) नींद

(D) भूख

**१२४०. एहि लघु कवितासभक सौन्दर्य की अछि?**

(A) सूक्ष्म प्राकृतिक दृश्यसँ भावार्थ निकालब

(B) लम्बा आख्यान

(C) केवल तिथि

(D) राजनीतिक घोषणा

## खण्ड ३७९ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक लघु प्रकृति-कविता: जल, संध्या, हिम आ पतझड़

**१२४१. संध्याक पोखरिक कातक कविता कोन वातावरण बनबैत अछि?**

(A) सुनसान, शांत, एकांत

(B) हल्ला-गुल्ला

(C) युद्धस्थल

(D) मेला

**१२४२. हवाई जहाजक बिम्ब कोन मेघ-रूपकमे अछि?**

(A) मेघरूपी बर्फमे पिछड़ैत

(B) नदीमे डूबल

(C) रेतमे गड़ल

(D) गाछ पर बैसल

**१२४३. समुद्रक छोर पर पाथरक किनार कोन भाव दैत अछि?**

(A) कठोरतम भूगोल

(B) कोमल फूल

(C) बालक्रीड़ा

(D) कागज

**१२४४. संध्याकालक आकाश समुद्रक उपर कोना चित्रित अछि?**

(A) जरैत सन विलक्षण अपवाद

(B) पूर्ण अंधकार

(C) नीरस धूप

(D) मौन शून्य

**१२४५. पहाड़सँ उदित सूर्य आकाशकेँ कोना करैत अछि?**

(A) ज्वालामुखी सन जागृत

(B) निष्प्रभ

(C) अंधकारमय

(D) स्थिर पाथर

**१२४६. उगैत सूर्य संग की आशा आओत अछि?**

(A) अंधकारक बाद अंतहीन दिनक आश

(B) स्थायी राति

(C) जलप्रलय

(D) निष्क्रियता

**१२४७. दिवस थकल आ साँझ रातिक स्वागतमे लीन—ई बिम्ब की देखबैत अछि?**

(A) दिनसँ राति धरि संक्रमण

(B) वर्षा मात्र

(C) नदीक जन्म

(D) युद्ध

**१२४८. ग्रीष्ममे हरियर गाछमे पतझड़ देखबाक बात कोन अनुभूति अछि?**

(A) ऋतु-विरोधाभास आ सूक्ष्म निरीक्षण

(B) साधारण सूची

(C) केवल कृषि

(D) गणना

**१२४९. पक्षीक चहक आ आकाशक लालीसँ की घटैत अछि?**

(A) प्रकृति जागैत अछि

(B) प्रकृति सोइत अछि

(C) समुद्र जमैत अछि

(D) गाछ कटैत अछि

**१२५०. हिमपातक रूपकमे मेघ की करैत अछि?**

(A) घिस-घिसि बर्फ झरबैत

(B) अन्न उगबैत

(C) समुद्र सुखबैत

(D) पानी रोकैत

## खण्ड ३८० : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक लघु प्रकृति-कविता: पक्षी, जल, नागफनी, क्रिसमस

**१२५१. पक्षी विश्रामसँ जागि उड़य लेल तैयार—ई कोन भाव दैत अछि?**

(A) नव शुरुआत

(B) समाप्ति

(C) निष्क्रियता

(D) मृत्यु

**१२५२. कटनी भेलाक बाद पक्षी की ताकैत अछि?**

(A) छूटल अन्न

(B) सोना

(C) नदी

(D) मंच

**१२५३. फूलक हुँजक बोझ सँ शाखा की करैत अछि?**

(A) झुकैत अछि

(B) टूटि तुरन्त मरैत

(C) उड़ैत

(D) गायब होइत

**१२५४. तितलीक पंखकेँ की कहल गेल?**

(A) प्रभुक चित्रकला

(B) माटिक बोरा

(C) कारखाना

(D) तटबन्ध

**१२५५. शीतलतम स्थानमे जीवनक उल्लेख की देखबैत अछि?**

(A) कठिन परिस्थिति मे सेहो जीवन सम्भव

(B) जीवन असंभव

(C) सिर्फ मानव

(D) प्रकृति शून्य

**१२५६. उच्चतम शिखरसँ धुंध भरल हरियर घाटी देखबाक इच्छा कोन भाव अछि?**

(A) विराट दृश्य-लालसा

(B) भय मात्र

(C) व्यापार

(D) विस्मृति

**१२५७. ओसक बूंद घासक फुनगी पर कोना चमकैत अछि?**

(A) हीरा सन

(B) कोयला सन

(C) धूल सन

(D) राख सन

**१२५८. बतख अपन बच्चा संग बाहर घूमय निकलल—कविता कोन दृश्य देत अछि?**

(A) गर्मी दिनक सरल पारिवारिक प्रकृति-दृश्य

(B) युद्ध

(C) नगर-दंगा

(D) तटबन्ध-विवाद

**१२५९. झरना कोना चित्रित अछि?**

(A) नदीसँ भेंट लेल खसल उछलैत पानी

(B) स्थिर पत्थर

(C) सुखल खेत

(D) आग

**१२६०. क्रिसमसक साँझ कोना सजायल गेल?**

(A) कैक रंगक फूल आ लाइटसँ

(B) केवल अंधकार

(C) काँटा मात्र

(D) धुआँ

## खण्ड ३८१ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक लघु प्रकृति-कविता: नारिकेर, बगुला, कौआ आ प्रतिबिम्ब

**१२६१. नारिकेर फलकेँ कोना चित्रित कएल गेल?**

(A) कठोर केशयुक्त कवचमे मीठ उज्जर फल

(B) कोमल पात मात्र

(C) जलधारा

(D) रेत

**१२६२. भुखाएल बगुला कतए ठाढ़ अछि?**

(A) नदीक कात माछक ताकिमे

(B) पहाड़क चोटी

(C) नाटक-मंच

(D) गाछक कोटर

**१२६३. अतिथिक आगमनक पूर्वसूचना कोन ध्वनिसँ अछि?**

(A) कौआक कर्कश काँव-काँव

(B) शंखनाद

(C) रेल-सीटी

(D) मौन

**१२६४. समुद्रक लहरि आ पाथरक सम्बन्ध कोना चित्रित अछि?**

(A) लहरि लगातार टकराए, पाथर स्थिर

(B) पाथर उड़ि जाए

(C) लहरि सूखि जाए

(D) दूनू अनुपस्थित

**१२६५. जाड़मे गाछक मनोरम दृश्य ककरा सन कहल गेल?**

(A) चिन्नीक चाशनीमे लिप्त

(B) काजरमे डूबल

(C) धुआँमे खोएल

(D) काँटा मात्र

**१२६६. गाछक रंगीनता ककरा कारण कहल गेल?**

(A) नीचा गड़ल जड़

(B) ऊपरक आकाश मात्र

(C) मानव रंग

(D) पत्थर

**१२६७. सूर्योदयक पहिने शीतल प्रकाशयुक्त समय की कहल गेल?**

(A) सर्वोत्तम काल

(B) सबसे खराब काल

(C) निरर्थक समय

(D) अंधकार मात्र

**१२६८. जाड़मे पक्षी पाँखिक शाल ओढ़ि किएक निकलल?**

(A) प्रकृतिक भ्रमण हेतु

(B) युद्ध हेतु

(C) व्यापार हेतु

(D) निद्रा हेतु

**१२६९. चिड़ैयाँक बच्चा कतबा धरि माए-बाप संग अछि?**

(A) जाबत पंख नहि छैक

(B) सदैव अलग

(C) जन्मसँ उड़ैत

(D) केवल राति

**१२७०. स्थिर पानीमे प्रकृतिक प्रतिबिम्ब कोना देखाइत अछि?**

(A) साफ मुदा उलटा

(B) धुंधला मात्र

(C) अनुपस्थित

(D) जलि रहल

## खण्ड ३८२ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक लघु प्रकृति-कविता: प्रवास, झरना, मरुभूमि

**१२७१. प्रवासी पक्षी मीलक मील उड़ि ककर आनन्द लेल आयल?**

(A) गर्मी

(B) हिमपात

(C) युद्ध

(D) मौन

**१२७२. नागफनी मरुस्थलमे कोना अछि?**

(A) मजबूतीसँ ठाढ़

(B) जलमे तैरैत

(C) आकाशमे उड़ैत

(D) सुगंधहीन फूल मात्र

**१२७३. नागफनीक चोटी पर कोन विरोधाभास अछि?**

(A) कठोर पातक बीच कोमल फूलक ताज

(B) केवल काँटा

(C) केवल पाथर

(D) कोनो रूप नहि

**१२७४. मरुस्थलमे रेत ककरासँ बहारल कहल गेल?**

(A) हवा सँ

(B) नदी सँ

(C) हिम सँ

(D) कौआ सँ

**१२७५. रेत बहारलाक बाद सतह की भेल?**

(A) समतल

(B) लहरदार समुद्र

(C) जंगल

(D) नदी

**१२७६. पातक प्रारूप देबामे ईश्वरक कतेक ध्यान—एहि बिम्बक अर्थ की?**

(A) सूक्ष्म प्रकृति-रचना मे दिव्य कौशल

(B) पात निरर्थक

(C) रूपक अभाव

(D) कविता-विरोध

**१२७७. बरसात खतम भेलो पर पानि कतएसँ झरैत अछि?**

(A) गाछक पातसभ सँ

(B) पाथरसँ आगि

(C) आकाशसँ धूल

(D) माटिसँ धुआँ

**१२७८. स्थिर पानि आ प्रतिबिम्बक कविता प्रकृति कैँ कोना पूर्ण करैत अछि?**

(A) प्रतिरूप बिना दृश्य अपूर्ण बुझाइत अछि

(B) प्रतिबिम्ब व्यर्थ

(C) पानी असुन्दर

(D) प्रकृति नहि

**१२७९. पतझड़क पात की पसारैत अछि?**

(A) अपन सतरंजी

(B) दीपक

(C) तटबन्ध

(D) झरना

**१२८०. समुद्रक तहमे की अछि?**

(A) विभिन्न आकार-प्रकारक रंग-बिरंग जीवन

(B) केवल शून्यता

(C) केवल पाथर

(D) अंधकार मात्र

## खण्ड ३८३ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक लघु प्रकृति-कविता: समुद्र, पर्वत, तितली आ बालक

**१२८१. नटखट समुद्र तटकेँ कोन चीजसँ वंचित करैत अछि?**

(A) आराम

(B) प्रकाश

(C) भाषा

(D) फूल

**१२८२. पहाड़क चोटी गहीर घाटीक बीच कोना लागैत अछि?**

(A) आरो बेसी ऊँच

(B) निच्चा

(C) समतल

(D) अनुपस्थित

**१२८३. पोखरिमे प्रकृतिक प्रतिबिम्ब कोना बुझाइत अछि?**

(A) उलटल

(B) गायब

(C) धुआँदार

(D) सुनसान मात्र

**१२८४. तितलीगण फुलक झुंड पर कोन वस्तु लऽ उतरैत देखायल?**

(A) पंखरूपी पैराशूट

(B) लाठी

(C) नाव

(D) दीप

**१२८५. गुफासँ उच्चतम शिखर पर दृष्टिगोचर दृश्य कोना अछि?**

(A) रमणीय

(B) भयानक मात्र

(C) रिक्त

(D) औद्योगिक

**१२८६. बच्चाक संग खेलमे कोन भाव प्राप्त होइत अछि?**

(A) एकेटा खुशीक आभास

(B) दुःख

(C) क्रोध

(D) भय

**१२८७. बरसातक बहैत पानि खिड़कीक काँच पर की बनबैत अछि?**

(A) टेढ़-मेढ़ रेखा

(B) फूलक माला

(C) माटिक ढेरी

(D) काला धुआँ

**१२८८. बादलसँ छनल किरण कतए चमकैत अछि?**

(A) समुद्रक लहरिक उपर

(B) रेगिस्तानक नीचे

(C) मंच पर

(D) कागजमे

**१२८९. पानीक तरंग कैं पक्षी कोना बदलैत अछि?**

(A) कलरवक लयमे

(B) पाथरमे

(C) रेतमे

(D) मौनमे

**१२९०. एहि लघु कवितासभक काव्य-शैली कोन अछि?**

(A) अति-संक्षिप्त दृश्य सँ प्रतीकात्मक भाव निकालब

(B) दीर्घ कथा मात्र

(C) सूखी रिपोर्ट

(D) कानूनी दस्तावेज

## खण्ड ३८४ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक प्रकृति-दर्शन: समग्र समीक्षा

**१२९१. ज्योतिक प्रकृति-कवितासभमे जलक रूप कितबा बहुविध अछि?**

(A) पोखरि, नदी, समुद्र, झरना, ओस, बरसात

(B) केवल एक गिलास पानी

(C) जल अनुपस्थित

(D) केवल बाढ़

**१२९२. गाछ-पात-फूलक बिम्ब कवितासभमे ककर प्रतीक बनैत अछि?**

(A) जीवन, रंग, जड़ आ सौन्दर्यक

(B) मृत्यु मात्र

(C) राजनीति मात्र

(D) धातु

**१२९३. पक्षी-केंद्रित बिम्ब कोन भाव बारंबार आनैत अछि?**

(A) उड़ान, विश्राम, प्रवास, परिवार आ जागरण

(B) स्थिरता मात्र

(C) भाषाविहीनता

(D) औद्योगिकता

**१२९४. प्रकृतिक सूक्ष्म दृश्यसँ ज्योति कोन मानवीय शिक्षा निकालैत छथि?**

(A) धैर्य, संतुलन, संवेदना आ विस्मय

(B) असंवेदनशीलता

(C) हिंसा

(D) विस्मृति

**१२९५. कठोरता आ कोमलताक विरोधाभास कोन बिम्बमे स्पष्ट अछि?**

(A) नारिकेरक कवच-फल, नागफनीक काँटा-फूल

(B) केवल नदी

(C) केवल धूप

(D) केवल बालक

**१२९६. प्रतिबिम्बक बिम्ब किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) दृश्यक पूर्णता संग उलट दृष्टि सेहो देत अछि

(B) सिर्फ सजावट

(C) अर्थहीनता

(D) अंधकार

**१२९७. प्रकृति आ आधुनिकता बीच तनाव कोन कवितामे स्पष्ट अछि?**

(A) विकास, बालश्रम, आधुनिक जीवनदर्शन

(B) केवल तारा-कविता

(C) केवल बतख-कविता

(D) केवल क्रिसमस-साँझ

**१२९८. बालश्रम कविता प्रकृति-कवितासभसँ कोना अलग होइतहुँ जुड़ैत अछि?**

(A) ओ जीवनक कोमलता कैँ सामाजिक कठोरता सँ टकराबैत अछि

(B) ओ असंबद्ध अछि

(C) ओ केवल हास्य

(D) ओ भूगोल-वर्णन

**१२९९. ज्योतिक कविता-समूहमे प्रवासी/दूरस्थ दृष्टि कोन संकेत दैत अछि?**

(A) गाम, प्रकृति आ स्मृति कैँ दूरसँ देखबाक संवेदना

(B) पूर्ण विस्मृति

(C) देशविरोध

(D) भाषाविरोध

**१३००. एहि २००-प्रश्नीय बैचक ज्योति-खण्डक सार की अछि?**

(A) प्रकृति, गाम, आधुनिकता आ मानवीय संवेदना एक-दोसरासँ गुंथल अछि

(B) केवल सूचीकरण

(C) पृष्ठ-संख्या प्रश्न

(D) विज्ञापन-संग्रह

## खण्ड ३८५ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक लघु-कविता tail: ऋतु, आलस, सूरज आ गाछ

**१३०१. ज्योतिक लघु-कवितामे ‘लुक्खी’ वसंत ऋतुमे कोन भावसँ निकलैत अछि?**

(A) आलस त्यागि अपन घड़सँ बाहर निकलैत

(B) अन्हारमे बिलाइत

(C) बाढ़सँ पनाह लैत

(D) नगर छोड़ैत

**१३०२. सोन सन सूरज आ उज्जर हीरा सन दिनक बिम्ब कोन प्राकृतिक क्षणकैँ देखबैत अछि?**

(A) दिनक उजास आ चमकक आरम्भ

(B) रातिक अन्तहीन अन्हार

(C) झरनाक गर्जन

(D) समुद्रक भय

**१३०३. गाछ सभ सूर्यक रोशनी पाबय लेल ‘होड़’ करैत देखायल अछि—एहि बिम्बक अर्थ की?**

(A) जीवनमे प्रकाश आ ऊर्जा लेल स्वाभाविक आकांक्षा

(B) गाछक आपसी युद्ध

(C) वनक पूर्ण नाश

(D) रोशनीक अस्वीकार

**१३०४. खजूरक गाछक भीड़मे पोखरिक कात मंदिरक दृश्य कोन प्रकारक वातावरण बनबैत अछि?**

(A) ग्रामीण-प्राकृतिक आ आध्यात्मिक दृश्य

(B) कारखाना-केंद्रित दृश्य

(C) समुद्री तूफान

(D) राजनीतिक सभा

**१३०५. सुखाएल छोट पात गाछसँ खसैत 'नबकेँ अवसर' दैत अछि—एहि बिम्बमे कोन जीवन-दर्शन अछि?**

(A) पुरानक अवसान नव जीवनक बाट खोलैत अछि

(B) पुरान सदा विजयी

(C) नवक कोनो स्थान नहि

(D) ऋतु निरर्थक

**१३०६. गाछक शाखा जतबा ऊँच पसारल अछि, जड़ ततबे गहिर—ई बिम्ब कोन शिक्षा दैत अछि?**

(A) ऊँचाई लेल गहिर आधार चाही

(B) जड़ निरर्थक अछि

(C) विकास बिना आधार सम्भव

(D) गाछ केवल सजावट

**१३०७. भोरमे गाछ पर लादल ओसक तुलना ककरासँ भेल अछि?**

(A) चमकैत हँसीसँ

(B) काला धुआँसँ

(C) बिजलीक तारसँ

(D) काँटासँ

**१३०८. गहुँक खेत कटाइक पिहने कोन वस्त्र सन देखायल अछि?**

(A) सोन सन कम्बल

(B) काजरक परदा

(C) लाल झंडा

(D) पाथरक दीवाल

**१३०९. चक्रवाती पवन जीवनरक्षकसँ जीवनसंहारक बनैत अछि—एहि विरोधाभासमे की संकेत अछि?**

(A) प्रकृतिक शक्ति उपयोगी सेहो, विनाशकारी सेहो भऽ सकैत अछि

(B) पवन सदा ममतामय

(C) विनाश असम्भव

(D) ऋतु स्थिर

**१३१०. गाछ आ वृक्ष पक्षी आ हिरणकेँ की प्रदान करैत अछि?**

(A) आश्रय

(B) कारखाना

(C) राजमार्ग

(D) लिखित कानून

## खण्ड ३८६ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक वर्षा-कविता: मेघक उत्पात आ बरखा

**१३११. 'मेघक उत्पात'मे मेघ लोकक आशाक संग कोन व्यवहार करैत अछि?**

(A) उपहास करैत, बेर-बेर नुकाइत

(B) सदा बरसैत

(C) पूर्ण मौन रहैत

(D) अन्न बाँटैत

**१३१२. मेघ कखनो गरजि भरि रहि जाइत अछि—एहि बिम्बक अर्थ की?**

(A) प्रतीक्षा बनैत अछि मुदा फल नहि भेटैत

(B) सदा समाधान

(C) सम्पूर्ण सूखा समाप्त

(D) केवल उत्सव

**१३१३. ‘मेघक उत्पात’मे कोसीक प्रवाह कोन विनाशक घटना करैत अछि?**

(A) बाँध तोड़ि गामक गाम जलमग्न करैत

(B) सड़क बनबैत

(C) वन उगबैत

(D) दीप जरबैत

**१३१४. किसानक भविष्य मेघपर आश्रित अछि—एहि कथनमे कोन सामाजिक सत्य अछि?**

(A) खेतीक जीवन वर्षा-अनिश्चिततासँ बन्हल अछि

(B) किसान वर्षासँ असंबद्ध

(C) मेघ केवल सजावट

(D) खेती शहरमे होइत

**१३१५. ‘बरखा तू आब कहिया जेबै’मे बरखाकेँ किएक तंग करनिहार कहल गेल?**

(A) अति वर्षासँ लोक अकच्छ भऽ गेल

(B) बरखा पूर्णतः अनुपस्थित

(C) बरखा केवल गीत अछि

(D) बरखा देवता नहि

**१३१६. बरखाक कारण घर-आँगनमे कोन प्राणी-स्थिति देखायल अछि?**

(A) बेंग घुसैत, ओकरा खिहारैत साँप आबय सकैत

(B) मोर नाचि मात्र

(C) केवल हिरण

(D) कौआ चुप

**१३१७. बरखाक संग मच्छड़ आ बीमारीक उल्लेख कोन स्तरक समस्या देखबैत अछि?**

(A) स्वास्थ्य-संकट

(B) केवल सौन्दर्य

(C) संगीत

(D) भाषा-विवाद

**१३१८. गरीबक टूटल-फूटल खपरीसँ छड़ायल कुटिया बरखामे की भोगैत अछि?**

(A) निरन्तर धाराक मारि

(B) राजसी सुख

(C) पूर्ण सुरक्षा

(D) रंगीन प्रकाश

**१३१९. बरखा गेलापछि शीतलहरीक आगमनक संकेत कोन भाव बनबैत अछि?**

(A) ऋतुचक्रक अगिला चुनौती

(B) पूर्ण मुक्ति

(C) अनंत गर्मी

(D) ऋतुहीनता

**१३२०. ‘पिनसोखा देखेनाई नहि बिसरिहैं’—एहि पंक्तिक काव्य-कार्य की?**

(A) बरखा बादक उजास आ आशाक स्मरण

(B) बाढ़क स्थायित्व

(C) अन्हारक विजय

(D) किसान-विरोध

## खण्ड ३८७ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक मिथिला-दृष्टि आ ईश-आराधना

**१३२१. ‘मिथिलाक विस्तार’मे समूहक लोक कोन धनी परम्परा सँ जुड़ल मानल गेल अछि?**

(A) इतिहास आ संस्कृति सँ

(B) केवल बाजारसँ

(C) सैनिक शक्ति सँ

(D) परदेशी भाषा सँ

**१३२२. ‘संरक्षणक अभाव’क उल्लेख कोन चिन्ता व्यक्त करैत अछि?**

(A) समृद्ध सभ्यता उपेक्षासँ नष्ट भऽ सकैत अछि

(B) संस्कृति पूर्ण सुरक्षित

(C) इतिहास अप्रासंगिक

(D) भाषा बेमानी

**१३२३. आधुनिकताक पाग पहिरबाक बिम्बक संग बेरोजगारीक राग किएक आयल?**

(A) प्रगतिक दावा आ वास्तविक सामाजिक संकटक विरोधाभास देखाबय लेल

(B) फैशनक प्रशंसा लेल

(C) केवल हास्य लेल

(D) भाषा-विरोध लेल

**१३२४. ‘संजीवनी बुटी’ ककरा लेल चाहल गेल अछि?**

(A) सभ्यता कैँ सुरक्षित आधार देबाक लेल

(B) व्यापार बढ़ेबाक लेल

(C) वन काटबाक लेल

(D) कथा रोकबाक लेल

**१३२५. विश्वस्तरीय संस्था बनयबाक आकांक्षा कोन लक्ष्यसँ जुड़ल अछि?**

(A) मिथिलाक विशेषताक विस्तार आ संरक्षण

(B) केवल भवन-सज्जा

(C) व्यक्तिगत पुरस्कार

(D) सड़क-निर्माण मात्र

**१३२६. ‘ईशक अराधना’मे हाथ ककरा लेल माँगल गेल अछि?**

(A) कर्मठ आ कुशल कार्य लेल

(B) केवल जोड़ि निष्क्रिय रहबाक लेल

(C) दूसराक क्षति लेल

(D) राजनीतिक नारा लेल

**१३२७. कविता मे पएर ककरा लेल चाहल गेल?**

(A) अपन भार सहि आनक प्रयोजन पर आगाँ बढ़य लेल

(B) पाछाँ हटय लेल

(C) निष्क्रिय रहय लेल

(D) दूसराकैँ गिराबय लेल

**१३२८. ‘एहेन वाणी’मे कोन गुण चाहल गेल?**

(A) शारदाक निवास, मिठास आ शीतलता

(B) भय आ लोलुपता

(C) क्रोध मात्र

(D) मौन दमन

**१३२९. ‘ईशक रूप घट-घट मे’ मानला पर हिमालय जाएबाक प्रश्न किएक उठैत अछि?**

(A) ईश्वर सर्वत्र छथि, बाह्य तीर्थ टा पर्याप्त नहि

(B) ईश्वर केवल पहाड़मे

(C) भक्ति असंभव

(D) दृष्टि अनावश्यक

**१३३०. ‘प्राणिमात्रक कल्याण लेल आमरण प्रयास’ कोन आराधना-दृष्टि अछि?**

(A) सर्वहितकारी सक्रिय भक्ति

(B) स्वार्थी पूजा

(C) कर्म-त्याग

(D) ज्ञान-विरोध

## खण्ड ३८८ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक ‘खरहाक भोज’ आ ‘कल्पनालोक’

**१३३१. ‘खरहाक भोज’मे खरहा सब कतए भोज करैत अछि?**

(A) बाड़ीमे

(B) समुद्रमे

(C) मंदिरक मचान पर

(D) रेलवे स्टेशन पर

**१३३२. गृहस्थक मोन तामससँ किएक जरैत अछि?**

(A) प्रतिदिनक मेहनतिक बाड़ी खरहा नष्ट करैत अछि

(B) खरहा कविता पढ़ैत अछि

(C) खेतमे पानी नहि

(D) सूरज उगैत अछि

**१३३३. खरहा पकड़ाइत किएक नहि?**

(A) ओ तुरन्त पड़ाइत अछि

(B) ओ स्थिर रहैत अछि

(C) ओ गाछ बनि जाइत अछि

(D) ओ जलमे डूबैत अछि

**१३३४. ‘बिन मेहनति आ बिन धैर्य मनुषकेँ किछु नहि भेटैत’—एहि कथनक मूल शिक्षा की?**

(A) श्रम आ धैर्य जीवनक आवश्यक आधार अछि

(B) सौभाग्ये पर्याप्त अछि

(C) कर्म व्यर्थ

(D) आलस श्रेष्ठ

**१३३५. ‘कल्पनालोक’मे कवि कोन प्रकारक लोकमे विचरण करैत छथि?**

(A) उन्मुक्त, विषादहीन आ स्नेहसिक्त लोकमे

(B) युद्धभूमि मे

(C) कारखाना मे

(D) बाढ़-शिविर मे

**१३३६. कल्पनालोकमे ‘आरोग्यक कचोर रंग’ की सूचित करैत अछि?**

(A) स्वास्थ्य आ जीवनक पल्लवित अवस्था

(B) रोगक फैलाव

(C) सूनापन

(D) सामाजिक हिंसा

**१३३७. कल्पनालोकमे शांति कतेक प्रबल अछि?**

(A) ओ अपूर्व आत्मसंतोष दैत अछि

(B) ओ क्रोध जगबैत अछि

(C) ओ रिक्त अछि

(D) ओ केवल भ्रम

**१३३८. कविता मे वास्तविकता कल्पनासँ कोना भिन्न अछि?**

(A) वास्तविकतामे बच्चा-वृद्ध सहित सभ समस्या सँ जूझैत अछि

(B) वास्तविकता पूर्ण स्वर्ग

(C) समस्या नहि

(D) लोक शिक्षित नहि चाही

**१३३९. कल्पनाक साकार भेनाइ ककरा पर निर्भर मानल गेल?**

(A) घर-घर लोक शिक्षित आ समृद्ध होयब पर

(B) अज्ञान फैलाबय पर

(C) बाड़ी नष्ट होयब पर

(D) सूरज छिपल रहय पर

**१३४०. 'खरहाक भोज' आ 'कल्पनालोक' एक संग पढ़ला पर कोन द्वंद्व उभरैत अछि?**

(A) व्यावहारिक श्रम-संघर्ष आ आदर्श समाजक चाह

(B) केवल पशु-चित्रण

(C) केवल धार्मिक गीत

(D) इतिहास-विरोध

## खण्ड ३८९ : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक 'कोसीक प्रकोप' आ 'असल राज'

**१३४१. 'कोसीक प्रकोप'मे कोसी नदी ककर प्रतीक बनैत अछि?**

(A) मिथिलाक प्राकृतिक आपदा आ सरकारी उपेक्षा

(B) केवल सौन्दर्य

(C) व्यक्तिगत प्रेम

(D) बाजार

**१३४२. सरकारकेँ 'बहिर' कहल गेल—एहि आरोपक आशय की?**

(A) आपदा-पीड़ित लोकक पीड़ा न सुनब

(B) सरकारक संगीत-प्रेम

(C) नदीक प्रशंसा

(D) किसानक उत्सव

**१३४३. कोसी 'बिहारक शोक' किएक कहल गेल?**

(A) बारंबार विनाशकारी बाढ़क कारण

(B) नीक फसलक कारण

(C) संगीतक कारण

(D) मंदिरक कारण

**१३४४. पर्यावरणक सतत हनन आ तापमान-वृद्धिक उल्लेख कोन आधुनिक चिन्ता जोड़ैत अछि?**

(A) जलवायु आ पर्यावरणीय संकट

(B) केवल मिथकीय कथा

(C) भाषा-विवाद

(D) व्यक्तिगत संस्मरण

**१३४५. मजबूत बाँध आ प्रवाह-मार्गदर्शन लेल कवि केकर सहभागिता चाहैत छथि?**

(A) भूगोलवेत्ता आ अभियंता

(B) केवल कवि

(C) केवल पुजारी

(D) केवल व्यापारी

**१३४६. जलसंचयक प्रयोग कोन दू सम्भावना लेल सुझायल गेल?**

(A) सिंचाइ आ विद्युत निर्माण

(B) गीत आ नृत्य

(C) युद्ध आ व्यापार

(D) दहेज आ भोज

**१३४७. 'असल राज'मे लन्दनक भोरक भीड़ कोना देखायल अछि?**

(A) समय-सँ पैबंद, काज दिस भागैत

(B) आराम करैत

(C) उत्सव मनबैत

(D) गामक पोखरि पर

**१३४८. ओवरकोटमे बन्द लोकक बिम्ब कोन वातावरण बनबैत अछि?**

(A) ठंढ, अनुशासन आ निजी दूरीक

(B) मिथिला पाबनिक

(C) बाढ़-पीड़ाक

(D) बाल-खेलक

**१३४९. 'कोनो काज तकरा करैमे जे नहि केलक लाज'—एहि पंक्तिसँ 'असल राज' की कहल गेल?**

(A) श्रम-सम्मान आ स्वावलम्बन

(B) काजक तिरस्कार

(C) वंश-गौरव मात्र

(D) निष्क्रियता

**१३५०. 'कोसीक प्रकोप' आ 'असल राज'मे साझा चिन्ता की अछि?**

(A) व्यवस्था, श्रम, अनुशासन आ जनजीवनक प्रश्न

(B) केवल प्रकृति-सौन्दर्य

(C) केवल प्रेमगीत

(D) केवल बालकाव्य

## खण्ड ३९० : विदेह-सदेह १ — ज्योतिक पतझड़, पीढ़ी-दृष्टि आ टेम्स

**१३५१. 'पतझड़क आगमन'मे प्रकृति कोन रंगसभसँ भरल देखायल अछि?**

(A) संतरा, पीयर, लाल, भूरा

(B) केवल कारी

(C) केवल उज्जर

(D) नील मात्र

**१३५२. पतझड़मे प्रकृति 'गेरुआ वस्त्र' धारण करैत अछि—एहि रूपकमे कोन भाव अछि?**

(A) सन्न्यास आ रूपान्तरण

(B) युद्धक तयारी

(C) बाजारक सजावट

(D) पूर्ण बसंत

**१३५३. हिमक बरखा बाद सुखद वसन्तक अभिलाषा कोन चक्र देखबैत अछि?**

(A) क्षय-पतन बाद नवजीवनक आशा

(B) वसन्त असंभव

(C) ऋतु समाप्त

(D) अंधकार स्थायी

**१३५४. 'वृद्धक अभिलाषा'मे वृद्ध की रोपि रहल अछि?**

(A) आमक गाछ

(B) काँटेदार बाड़

(C) धानक खेत

(D) कागज

**१३५५. वृद्धक गाछ रोपबाक उत्तरदायित्व ककर ऋण लौटेबाक प्रयास अछि?**

(A) बाप-दादाक रोपल कलमक ऋण

(B) व्यापारीक ऋण

(C) राज्यक कर

(D) मंदिरक दान

**१३५६. वृद्धक कथनमे गाछ फरैत रहब ककरा लेल महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) बाल-बच्चाक जीवनमे मिठास घोरेबाक लेल

(B) केवल वृद्धक लाभ लेल

(C) पड़ोस नष्ट करबाक लेल

(D) राजनीतिक भाषण लेल

**१३५७. 'टेम्स नदीमे नौकाविहार'मे तट पर कोन दृश्य देखायल?**

(A) ऊँच-ऊँच भव्य भवन आ वास्तुकला

(B) कच्चा खेत मात्र

(C) घना जंगल मात्र

(D) रेगिस्तान

**१३५८. टेम्सक अनुशासित बहाव कविकेँ कोन घाव मोन पाड़ैत अछि?**

(A) अपन प्रांतक बाढ़-समस्या

(B) बाल्यकालक खेल मात्र

(C) दहेज-विवाह

(D) भक्तिगीत

**१३५९. रातिक टेम्सक चमकैत धाराक तुलना ककरासँ भेल?**

(A) छठिक अर्घ्यदीपक भरमारसँ

(B) काला धुआँसँ

(C) सूखल पातसँ

(D) मरुभूमिसँ

**१३६०. ज्योतिक एहि कवितासभमे प्रवासी दृष्टि कोना काम करैत अछि?**

(A) दूरक दृश्यसँ मिथिला आ प्रकृति केँ फेर पढ़ैत अछि

(B) मिथिला विसरि जाइत अछि

(C) केवल लन्दनक प्रचार

(D) कविता रोकैत अछि

## खण्ड ३९१ : विदेह-सदेह १ — ज्योति प्रकाश लाल: परिचय आ कम्प्यूटर साक्षरता

**१३६१. ज्योति प्रकाश लालक लेख 'आजुक समय मे कम्प्यूटर शिक्षाक महत्व' क मुख्य आरम्भिक प्रश्न की अछि?**

(A) कम्प्यूटर: की आ किएक?

(B) कविता: की आ किएक?

(C) ग्रामदेवता: की आ किएक?

(D) बाढ़: की आ किएक?

**१३६२. लेखक कम्प्यूटरक हिन्दी/मैथिली नाम कोन बतबैत छथि?**

(A) संगणक

(B) दूरबीन

(C) शब्दकोश

(D) अंकुर

**१३६३. कम्प्यूटर साक्षरता सँ लेखकक आशय की?**

(A) कम्प्यूटर अनुप्रयोग प्रयोग कऽ काज करब

(B) कम्प्यूटर देखिते रहब

(C) केवल मशीन खरीदब

(D) कागज पर नाम लिखब

**१३६४. लेखकक अनुसार आजुक समयमे सभ कैं कोन योग्यता चाही?**

(A) कम्प्यूटर साक्षर होयबाक

(B) केवल टाइपराइटर सिखबाक

(C) डाकिया बनबाक

(D) कम्प्यूटरसँ दूर रहबाक

**१३६५. ज्योति प्रकाश लालक परिचयमे हुनकर पेशा कोन कहल गेल अछि?**

(A) सॉफ्टवेयर अभियंता

(B) लोकगायक

(C) रंगकर्मी

(D) कृषक

**१३६६. हुनकर अनुभवक क्षेत्रमे कोन बड़का वैश्विक संस्था/प्रसंगक उल्लेख अछि?**

(A) माइक्रोसॉफ्टक विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर शोध-विकास

(B) केवल ग्राम पंचायत

(C) केवल लोकनाट्य

(D) केवल कृषि

**१३६७. लेखक ककरा मुफ़्त कैरियर सुझाव देबाक माध्यम बनबैत छथि?**

(A) वेब-आधारित मंच/फोरम

(B) ग्रामसभा मात्र

(C) मंदिरक घोषणा

(D) नाटक-मंच

**१३६८. 'मातृभाषा मैथिलीमे अंग्रेजी शब्द'क प्रसंग लेखक किएक उठबैत छथि?**

(A) प्रौद्योगिक शब्दावलीक व्यवहारिक कठिनाइ देखाबय लेल

(B) मैथिली नकारय लेल

(C) कविता छोड़य लेल

(D) इतिहास बदलय लेल

**१३६९. कम्प्यूटरक लोकप्रियता आ माँगक पाछाँ लेखक कोन कारण देखैत छथि?**

(A) लगभग सभ काममे उपयोगिता

(B) केवल खेल

(C) केवल सजावट

(D) केवल धार्मिक उपयोग

**१३७०. लेखकक दृष्टिमे कम्प्यूटर साक्षरता केवल तकनीकी कौशल नहि, बल्कि की अछि?**

(A) आधुनिक कामकाजमे सहभागी होयबाक आधार

(B) कविता-विरोध

(C) समाजसँ पलायन

(D) कृषि-विरोध

## खण्ड ३९२ : विदेह-सदेह १ — ज्योति प्रकाश लाल: लेखन, आवेदन आ कार्यालयी उपयोग

**१३७१. लेखक टाइपराइटरक तुलना कम्प्यूटरसँ ककर उदाहरणमे करैत छथि?**

(A) दरख्वास्त वा चिट्ठी लिखबाक प्रसंगमे

(B) खेती करबाक प्रसंगमे

(C) नाव चलाबय लेल

(D) गाय दुहबाक लेल

**१३७२. टाइपराइटर पर लिखल दरख्वास्तमे लेखक कोन समस्या बतबैत छथि?**

(A) हिज्जै, अनुच्छेद-संरेखण आ मार्जिनक गलतीक सम्भावना

(B) कम्प्यूटर वायरस

(C) बाढ़

(D) चित्रकला

**१३७३. कम्प्यूटरमे स्पेलिंग चेकिन्गक सुविधा की करैत अछि?**

(A) गलत हिज्जै चिन्हा सकैत अछि

(B) कागज फाड़ैत अछि

(C) संगीत गबैत अछि

(D) माटि जोतैत अछि

**१३७४. कम्प्यूटर व्याकरणिक त्रुटि पकड़ि सकैत अछि—लेखक एहि बातसँ कोन लाभ बतबैत छथि?**

(A) लिखित सामग्री अधिक शुद्ध बनि सकैत अछि

(B) त्रुटि बढ़ि जाइत अछि

(C) पाठक घटैत अछि

(D) मशीन बंद भऽ जाइत अछि

**१३७५. पैरा Alignment आ Margins क सुविधा कम्प्यूटरमे कोना बतायल गेल?**

(A) बहुत सुविधाजनक

(B) असम्भव

(C) कठिनतम

(D) अप्रासंगिक

**१३७६. लेखमे 'Software Package' क भूमिका की अछि?**

(A) चिट्ठी/दरख्वास्त लिखब, सज्जा आ प्रिन्टआउट देब

(B) खेतमे पानी देब

(C) लोकगीत गाबय लेल

(D) छठि घाट बनाबय लेल

**१३७७. प्रिन्टआउट निकालबाक सुविधा लेखकक अनुसार कोन परिवर्तन लाबैत अछि?**

(A) लिखित सामग्रीकेँ साफ-सुथरा प्रतिरूपमे देबाक सुविधा

(B) केवल मौखिकता

(C) कागजहीन मौन

(D) मंचीय अभिनय

**१३७८. लेखकक कार्यालयी उपयोगक उदाहरणक मुख्य शिक्षा की?**

(A) कम्प्यूटर लेखनक शुद्धता, रूपायन आ पुनरुत्पादन सुलभ करैत अछि

(B) कम्प्यूटर व्यर्थ अछि

(C) टाइपराइटर सदा पर्याप्त

(D) लेखन छोड़ब चाही

**१३७९. दरख्वास्त उदाहरणमे लेखक कम्प्यूटर शिक्षाकेँ कोना जमीनसँ जोड़ैत छथि?**

(A) दैनिक कामकाजक छोट उदाहरण द्वारा

(B) केवल सिद्धान्त द्वारा

(C) दूरस्थ विज्ञान कथा द्वारा

(D) पौराणिक कथा द्वारा

**१३८०. एहि लेखांशक अनुसार कम्प्यूटरक लाभ केवल विशेषज्ञ लेल अछि कि आम उपयोगकर्ता लेल सेहो?**

(A) आम उपयोगकर्ता लेल सेहो

(B) केवल वैज्ञानिक लेल

(C) केवल सेना लेल

(D) केवल कलाकार लेल

## खण्ड ३९३ : विदेह-सदेह १ — ज्योति प्रकाश लाल: क्षेत्रीय उपयोग, इंटरनेट आ संचार

**१३८१. लेखकक अनुसार कम्प्यूटर बैंकिंग क्षेत्रमे कोना प्रवेश कएने अछि?**

(A) धूम-धड़ाका सँ प्रयोगमे अछि

(B) कखनहुँ नहि

(C) केवल सजावट रूपमे

(D) केवल गीत लेल

**१३८२. मेडिकल क्षेत्रक उल्लेख लेखक किएक करैत छथि?**

(A) कम्प्यूटरक उपयोग स्वास्थ्य-क्षेत्र धरि पहुँचल अछि

(B) मेडिकलमे कम्प्यूटर निषिद्ध अछि

(C) चिकित्सा अप्रासंगिक

(D) गाममे डॉक्टर नहि

**१३८३. रेल आरक्षण आ हवाई जहाजक उदाहरण की सिद्ध करैत अछि?**

(A) यातायात व्यवस्था मे कम्प्यूटरक उपयोग

(B) कम्प्यूटर केवल घरमे

(C) यातायात बंद

(D) पत्राचार समाप्त

**१३८४. लेखक कम्प्यूटरक आवश्यकता केँ तरकारीमे ककरासँ तुलना करैत छथि?**

(A) नोनसँ

(B) चीनीसँ

(C) धुआँसँ

(D) काठसँ

**१३८५. ‘कम्प्यूटर नहि जानैत छी तँ निर्भर छी’—एहि कथनक आशय की?**

(A) डिजिटल कौशलक अभाव आधुनिक जीवनमे परनिर्भरता बढ़बैत अछि

(B) कम्प्यूटर जाननाइ हानि

(C) निर्भरता श्रेष्ठ

(D) कम्प्यूटर केवल खेल

**१३८६. लेखमे अंग्रेजी कहावतक भाव की अछि?**

(A) कम्प्यूटर निरक्षरता आधुनिक निरक्षरता जकाँ देखल जा रहल अछि

(B) कम्प्यूटर अप्रासंगिक

(C) अंग्रेजी विरोध

(D) डाक श्रेष्ठ

**१३८७. लेखक पाछुक समयक पत्राचारमे कोन साधनक भूमिका याद करैत छथि?**

(A) पोस्टकार्ड, अन्तर्देशीय, लिफाफा आ डाकघर

(B) मोबाइल ऐप मात्र

(C) नदीक नाव

(D) मंदिर घंटा

**१३८८. पत्राचारक आधुनिक परिवर्तनमे कोन दू माध्यम आयल?**

(A) कुरियर आ ई-मेल

(B) नाव आ बैलगाड़ी

(C) मंदिर आ हाट

(D) तलवार आ ढाल

**१३८९. ई-मेल शहरी परिवेशमे ककरा बदलि रहल अछि?**

(A) पोस्ट ऑफिसक रस्ता-पेरा आ डाकियाक प्रतीक्षा

(B) कृषि उपकरण

(C) देवीगीत

(D) नदीक बहाव

**१३९०. ज्योति प्रकाश लालक लेखक समग्र संदेश की अछि?**

(A) कम्प्यूटर शिक्षा आधुनिक जीवन, कामकाज आ संचारक जरूरी आधार अछि

(B) कम्प्यूटर त्यागू

(C) पत्राचार बंद करू

(D) तकनीकसँ भय मात्र

## खण्ड ३९४ : विदेह-सदेह १ — ज्योति प्रकाश लाल: डिजिटल युगक मैथिली पाठ

**१३९१. लेखकक लेखनशैली तकनीकी विषयकेँ कोना सरल बनबैत अछि?**

(A) दैनिक उदाहरण आ लोकभाषिक रूपक द्वारा

(B) गूढ़ गणित मात्र

(C) कानूनी भाषा मात्र

(D) मौन संकेत

**१३९२. कम्प्यूटरक ‘संगणक’ नामक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) स्थानीय भाषा आ आधुनिक तकनीक बीचक शब्द-संकट देखाबय लेल

(B) कम्प्यूटरक विरोध लेल

(C) अंग्रेजी कविता लेल

(D) गामक लोकगीत लेल

**१३९३. लेखक अँग्रेजी शब्द प्रयोगक स्वीकार्यता ककर कारण मानैत छथि?**

(A) तकनीकी व्यवहारमे प्रचलित शब्दक उपयोगिताक कारण

(B) मैथिलीसँ घृणा

(C) व्याकरणक अभाव

(D) काव्य-विरोध

**१३९४. कम्प्यूटर साक्षरता आ स्वावलम्बनक सम्बन्ध लेखमे कोना अछि?**

(A) जानकारी होयबासँ व्यक्ति अपन काज अपने कऽ सकैत अछि

(B) ज्ञान परनिर्भर बनबैत अछि

(C) कम्प्यूटर आलस बढ़बैत अछि

(D) साक्षरता असंभव

**१३९५. लेखमे 'छोट-मोट व्यापारी'क उल्लेख की देखबैत अछि?**

(A) कम्प्यूटरक उपयोग बड़े संस्थानसँ उतरि सामान्य कारोबार धरि पहुँचल

(B) कम्प्यूटर केवल विश्वविद्यालयमे

(C) व्यापारमे तकनीक निषिद्ध

(D) ग्राम्य जीवनक अन्त

**१३९६. कम्प्यूटर ऑपरेटर राखबाक हिम्मत व्यापारिक जगतमे कोन बदलाव सूचित करैत अछि?**

(A) डिजिटल कामकाजक संस्थानीकरण

(B) कागजक पूर्ण वापसी

(C) व्यापार समाप्त

(D) हस्तलिखित पत्रक अनिवार्यता

**१३९७. लेखमे कम्प्यूटरक उपयोगक क्षेत्र कतेक व्यापक देखायल अछि?**

(A) लेखन, बैंकिंग, मेडिकल, रेल, विमान, इंटरनेट आ पत्राचार धरि

(B) केवल कविता धरि

(C) केवल खेत धरि

(D) केवल पाबनि धरि

**१३९८. लेखकक कम्प्यूटर-विषयक दृष्टि भय-प्रधान अछि वा उपयोग-प्रधान?**

(A) उपयोग-प्रधान

(B) भय-प्रधान मात्र

(C) निषेधात्मक

(D) मिथकीय

**१३९९. मातृभाषामे तकनीकी लेखनक एहि प्रयासक साहित्यिक मूल्य की अछि?**

(A) मैथिलीमे आधुनिक ज्ञान-विषयक गद्यक विस्तार

(B) साहित्यक संकुचन

(C) भाषाक अवमूल्यन

(D) केवल अनुवाद

**१४००. एहि लेखक आधार पर पाठक लेल मुख्य व्यवहारिक शिक्षा की अछि?**

(A) कम्प्यूटर सीखब आधुनिक जीवनक अनिवार्य दक्षता अछि

(B) कम्प्यूटरसँ दूर रहू

(C) डाकघरसँ पत्र मात्र पठाउ

(D) तकनीक पर चर्चा नहि करू

## खण्ड ३९५ : विदेह-सदेह १ — कैलाश कुमार मिश्र: परिचय आ ‘यायावरी’ आरम्भ

**१४०१. डॉ. कैलाश कुमार मिश्रक ‘यायावरी’ स्तम्भ कोन विधासँ जुड़ल अछि?**

(A) यात्रा-वृत्तान्त

(B) गजल

(C) नाटक

(D) बालगीत

**१४०२. कैलाशजी अपना अंग्रेजीकेँ कोन भाषा कहैत छथि?**

(A) व्यवसाय केर भाषा

(B) मातृभाषा

(C) गोपनीय भाषा

(D) लोकगीतक भाषा

**१४०३. मैथिलीमे लिखबाक कल्पना करिते लेखकक हाथ किएक काँपैत अछि?**

(A) कारण ओ मिथिलामे नहि रहलाह आ शुद्ध मैथिली-संस्कृत नहि पढ़लाह

(B) कारण मैथिलीमे विषय नहि

(C) कारण यात्रा नहि केलाह

(D) कारण पाठक नहि

**१४०४. ‘रचना’ पत्रिकामे यायावरी लिखबाक लेल के हुनका भावनात्मक रूपेँ बाध्य केलनि?**

(A) डॉ. विश्वनाथ झा

(B) गौतम शर्मा

(C) लंगथासा

(D) देवशंकर नवीन

**१४०५. विदेह लेल फेर मैथिलीमे लिखबाक आग्रह के करैत रहलाह?**

(A) गजेन्द्र बाबू

(B) लाखन-सारा

(C) शंकरदेव

(D) राजकमल

**१४०६. कैलाशजी पाठकसँ भाषा-विन्यासक गलती पर की आग्रह करैत छथि?**

(A) गलतीपर बेसी ध्यान नहि देबाक

(B) लेख नहि पढ़बाक

(C) भाषा बदलबाक

(D) यात्रा रोकबाक

**१४०७. यायावरीक आरम्भ कैलाशजी कतएसँ करैत छथि?**

(A) असमक नॉर्थ कछार हिल्ससँ

(B) दिल्लीसँ

(C) दरभंगासँ

(D) लन्दनसँ

**१४०८. नॉर्थ कछार हिल्सकेँ लेखक कोना प्रस्तुत करैत छथि?**

(A) भव्य, रम्य, आकर्षक, कठिन आ अनेक रंग-उल्लाससँ भरल भूखंड

(B) सपाट मरुभूमि

(C) पूर्ण नगर मात्र

(D) असांस्कृतिक क्षेत्र

**१४०९. इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्रक प्रसंग लेखकक कार्यकेँ कोन दिशा दैत अछि?**

(A) उत्तर-पूर्व भारतमे संस्कृति आ विरासत संरक्षण

(B) केवल निजी पर्यटन

(C) व्यापारिक दौरा

(D) राजनीतिक अभियान

**१४१०. यायावरीक आरम्भिक स्वर कोन अछि?**

(A) नम्र आत्मस्वीकार, यात्रा-संवेदना आ सांस्कृतिक प्रतिबद्धता

(B) घमंड मात्र

(C) शुष्क आँकड़ा मात्र

(D) कथा-विरोध

## खण्ड ३९६ : विदेह-सदेह १ — कैलाश: श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र

**१४११. श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र कतए स्थित सांस्कृतिक परिसर रूपमे वर्णित अछि?**

(A) गुवाहाटी

(B) हाफलॉंग

(C) जनकपुर

(D) लन्दन

**१४१२. कलाक्षेत्र लगभग कतेक बीघा पहाड़ी धरतीमे बनल कहल गेल?**

(A) चौंसठ बीघा

(B) दस बीघा

(C) एक बीघा

(D) हजार बीघा

**१४१३. कलाक्षेत्रमे कोन-कोन सुविधा/स्थल लेखक उल्लेख करैत छथि?**

(A) फव्वारा, फूलबारी, भवन, संग्रहालय, कला दीर्घा, टॉय रेल

(B) केवल बाजार

(C) केवल खेत

(D) केवल रेल लाइन

**१४१४. असमक अधिकांश कार्यालय/घरमे प्रवेशपूर्व कोन परम्परा लेखक निभबैत छथि?**

(A) जूता-चप्पल बाहर खोलब

(B) ढोल बजाब

(C) दीपदान

(D) पत्र पढ़ब

**१४१५. कलाक्षेत्र कोन संतक नाम पर बनल अछि?**

(A) श्रीमंत शंकरदेव

(B) विद्यापति

(C) साहेबदास

(D) राजकमल

**१४१६. कलाक्षेत्रक उद्देश्य की बतायल गेल?**

(A) उत्तर-पूर्व, विशेषत: असमक संस्कृति, विरासत आ गौरवक संरक्षण-संवर्धन

(B) केवल खेल आयोजन

(C) व्यापारिक मेळा

(D) राजनीतिक कार्यालय

**१४१७. कलाक्षेत्रक वर्णनमे ‘लाइट एंड साउंड’ क उल्लेख ककरा लेल अछि?**

(A) असमक इतिहासक प्रस्तुति लेल

(B) बालश्रम लेल

(C) बाढ़क राहत लेल

(D) कम्प्यूटर प्रशिक्षण लेल

**१४१८. कलाक्षेत्रमे शिवसागरक रंगघरक ककर उल्लेख अछि?**

(A) रिप्रोडक्शन

(B) उपेक्षा

(C) नाश

(D) विरोध

**१४१९. कलाक्षेत्रक वर्णन कैलाशजीक यात्रा-वृत्तान्तमे की भूमिका निभबैत अछि?**

(A) उत्तर-पूर्वक सांस्कृतिक संरचना आ संरक्षण-दृष्टि खोलैत अछि

(B) कथानक समाप्त करैत अछि

(C) कविता मात्र बनैत अछि

(D) मुख्य विषयसँ असंबद्ध

**१४२०. गुवाहाटी जाएबला कलाप्रेमी लेल लेखकक निवेदन की अछि?**

(A) शंकरदेव कलाक्षेत्र अवश्य देखू

(B) एहि स्थलसँ बचू

(C) केवल बाजार जाउ

(D) संग्रहालय नहि देखू

## खण्ड ३९७ : विदेह-सदेह १ — कैलाश: शंकरदेव-मिथिला शोध आ गौतम शर्मा

**१४२१. बाल्मीकि प्रसाद सिंह कैलाशजीकेँ शंकरदेवक संबंधमे कोन बात कहलनि?**

(A) शंकरदेव मैथिल छलाह, हुनकर पितामह मिथिलासँ असम गेलाह

(B) शंकरदेव बंगालक राजा छलाह

(C) शंकरदेवक मिथिलासँ संबंध नहि

(D) शंकरदेव केवल कवि नहि

**१४२२. पंजीसँ लेखककेँ कोन संकेत भेटैत अछि?**

(A) शंकरदेव नहि, मुदा हुनकर पिता मिथिला आएल छलाह

(B) कुनो संबंध नहि

(C) केवल लोककथा

(D) केवल मंदिर सूची

**१४२३. शंकरदेव पर गहन शोधक आवश्यकता लेखक किएक देखैत छथि?**

(A) मैथिल-सांस्कृतिक इतिहासक सम्भावित महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध प्रमाणित करबाक लेल

(B) लोककथा मिटेबाक लेल

(C) असम-विद्वेष लेल

(D) भाषा रोकबाक लेल

**१४२४. लेखक विद्वान मैथिल सभसँ कोन आग्रह करैत छथि?**

(A) बिहार सरकारसँ शंकरदेव पर शोध-परियोजना आरम्भ करबाक निवेदन

(B) शोध छोड़बाक

(C) पुस्तक दफन करबाक

(D) यात्रा रोकबाक

**१४२५. विद्यापतिक मिथिला-संबंधक उदाहरण किएक देल गेल?**

(A) पूर्वमे विवादित/दावित सम्बन्ध शोधसँ प्रमाणित भऽ सकैत अछि, से देखाबय लेल

(B) विद्यापतिसँ असंबद्धता लेल

(C) बंगाली साहित्यक नकार लेल

(D) लोकगीत रोकय लेल

**१४२६. गौतम शर्मा के छथि, लेखमे हुनका कोना देखायल गेल?**

(A) शंकरदेव कलाक्षेत्रक सचिव, सुलझल आ सक्रिय व्यक्ति

(B) जटिंगा वृद्ध

(C) विदेहक सम्पादक

(D) बैंक अधिकारी

**१४२७. गौतम शर्माक नेतृत्वमे कलाक्षेत्रक कर्मचारी कोना काम करैत देखायल?**

(A) हुनकर इशारा पर समन्वित रूपसँ

(B) पूर्ण असंबद्ध

(C) केवल विरोधमे

(D) बिना व्यवस्था

**१४२८. गौतम शर्माक सहयोग लेखकक असम-कार्यक लेल की बनल?**

(A) गुवाहाटी, तेजपुर आ आगूक सांस्कृतिक कार्यक्रमक आधार

(B) कार्य-विघ्न

(C) निजी भ्रमण मात्र

(D) भाषिक विवाद

**१४२९. कैलाशजी असमक कोन क्षेत्र पर विशेष कार्य करय चाहैत छथि?**

(A) जे क्षेत्रक संस्कृति/विरासत पर विशेष कार्य नहि भेल हो

(B) केवल लोकप्रिय शहर

(C) केवल राजधानी

(D) केवल बाजार

**१४३०. एहि खण्डक केंद्रीय शोध-दृष्टि की अछि?**

(A) स्थानीय परम्परा, पंजी-साक्ष्य आ संस्थागत शोधकेँ जोड़ब

(B) बिना प्रमाण दावाक प्रचार

(C) इतिहास छोड़ब

(D) कला-स्थल हटायब

## खण्ड ३९८ : विदेह-सदेह १ — कैलाश: नॉर्थ कछार योजना आ हाफलॉंग यात्रा

**१४३१. गौतम शर्मा असमकेँ सांस्कृतिक दृष्टिएँ कतेक प्रमुख क्षेत्रमे बाँटि बतबैत छथि?**

(A) चारि

(B) दू

(C) दस

(D) एक

**१४३२. नॉर्थ कछार हिल्सक विशेषता की बतायल गेल?**

(A) सांस्कृतिक वैविध्य, सौन्दर्य, मुदा उपद्रव-बन्दक कारण गलत छवि

(B) केवल मरुभूमि

(C) पूर्ण औद्योगिक क्षेत्र

(D) संस्कृति-विहीनता

**१४३३. लेखक नॉर्थ कछार घाटीकेँ असमक की कहैत छथि?**

(A) श्रृंगार-नकमुन्नी

(B) मरुभूमि

(C) राजधानी

(D) बाजार

**१४३४. हाफलॉंगमे कार्यक्रम करबाक योजना कतेक दिनक छल?**

(A) आठ दिनक संस्कृति आ विरासत प्रलेखन कार्यक्रम

(B) एक घंटाक कार्यक्रम

(C) पूरा वर्ष

(D) केवल रातिक

**१४३५. दिल्लीसँ गुवाहाटी पहुँचबाक बाद हाफलॉंग लेल यात्रा कोन साधनसँ भेल?**

(A) टाटा सूमो/जीपसँ

(B) नावसँ

(C) हवाई जहाजसँ सीधे

(D) पैदल मात्र

**१४३६. गुवाहाटीसँ हाफलॉंगक दूरी सड़कमार्गे कतेक कहल गेल?**

(A) २६१ किलोमीटर

(B) ८ किलोमीटर

(C) ६४ बीघा

(D) ४५२९ किलोमीटर

**१४३७. यात्रामे दुर्गापूजाक समय स्थानीय युवक सभ किएक रोकैत रहल?**

(A) चन्दा लेल

(B) दिशा पूछय लेल

(C) कथा सुनय लेल

(D) बाढ़ मापय लेल

**१४३८. रास्तामे बड़का बसक चक्का ककरा मे धसि गेल?**

(A) सड़कक कात माटिमे

(B) समुद्रमे

(C) छत पर

(D) पोखरिमे

**१४३९. हाफलॉंग पहुँचलाक समय लेखकक मनमे डर किएक छल?**

(A) आगमनसँ दू दिन पहिले गोलीक घटना भेल छल

(B) मौसम गर्म छल

(C) बस खाली छल

(D) भोजन नहि भेटल

**१४४०. सर्किट हाउसक वर्णनमे कोन विशेषता अछि?**

(A) ऊँच स्थान पर अंग्रेजी हुकूमतक समयक भव्य मकान

(B) साधारण झोपड़ी

(C) नदीक नाव

(D) रेल डिब्बा

## खण्ड ३९९ : विदेह-सदेह १ — कैलाश: लंगथासा आ सांस्कृतिक प्रलेखन

**१४४१. लंगथासा महोदय कोन विभागसँ जुड़ल छथि?**

(A) नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनोमस काउंसिलक कला एवं संस्कृति विभाग

(B) बैंकिंग विभाग

(C) रेल आरक्षण

(D) कम्प्यूटर कम्पनी

**१४४२. लंगथासा कोन जनजातिसँ छथि?**

(A) दिमासा

(B) मैथिल ब्राह्मण

(C) बंगाली

(D) तमिल

**१४४३. लंगथासा दिल्लीसँ आयल टोलीकेँ कोन कारणसँ गौरवक विषय मानैत छथि?**

(A) ओ सभ उपेक्षित क्षेत्रक संस्कृति-धरोहर संरक्षण लेल आयल छल

(B) ओ सभ व्यापार लेल आयल छल

(C) ओ सभ युद्ध लेल आयल छल

(D) ओ सभ शिकार लेल आयल छल

**१४४४. लेखक लंगथासाकेँ प्रत्युत्तरमे कोन वचन दैत छथि?**

(A) यदि सहयोग भेटत तँ बेर-बेर संरक्षण-संवर्धन हेतु आएब

(B) हम फेर नहि आएब

(C) संस्कृति असम्भव

(D) केवल फोटो लैत छी

**१४४५. लंगथासाक अनुसार अलगाववादी अथवा सरकार-विरोधी समूह सभ संस्कृतिक संबंधमे कोन भाव रखैत अछि?**

(A) संस्कृति-रक्षणक विरोधी नहि

(B) संस्कृति नष्ट करय चाहैत

(C) प्रलेखन निषिद्ध

(D) कला-विरोधी

**१४४६. संस्कृति भवनक प्रांगणमे कार्यक्रमक अनुमति ककर प्रयाससँ भेटल?**

(A) लंगथासा महोदयक प्रयाससँ

(B) कौआक आवाजसँ

(C) बाढ़ अधिकारीसँ

(D) डाकघरक पत्रसँ

**१४४७. प्रथम रात्रिक सांस्कृतिक कार्यक्रममे लगभग कतेक लोक उपस्थित छल?**

(A) पाँच हजार

(B) पाँच

(C) पचास

(D) एक लाख

**१४४८. उपस्थित जनसमूह कोना सजल-सँवरल छल?**

(A) परम्परागत रंग-बिरंग वस्त्र पहिरि

(B) सैन्य वर्दी मात्र

(C) काला कपड़ा मात्र

(D) साधारण मौन

**१४४९. लेखक अपन भाषणमे कहैत छथि जे ओ सिखाबय नहि, ककरा लेल आएल छथि?**

(A) स्थानीय लोककेँ सांस्कृतिक गौरव प्रति जागृत करय आ दस्तावेजीकरण करय

(B) धर्म बदलय

(C) व्यापार सिखाबय

(D) शिकार करय

**१४५०. 'हमर कार्यक्रममे कौमा वा अर्धविराम भऽ सकैत अछि, पूर्ण विराम नहि'—एहि कथनक अर्थ की?**

(A) कार्य रुकत नहि, निरन्तर चलत

(B) कार्य समाप्त

(C) भाषण छोट

(D) यात्रा विफल

## खण्ड ४०० : विदेह-सदेह १ — कैलाश: वन, बाँस आ जटिंगा दिस यात्रा

**१४५१. नॉर्थ कछार जनपदक उल्लेखमे जंगलक क्षेत्रफल कतेक बतायल गेल?**

(A) करीब ४५२९ वर्ग किलोमीटर

(B) ८ किलोमीटर

(C) ६४ बीघा

(D) तीन बीघा

**१४५२. तीन सुरक्षित जंगल क्षेत्रमे कोन नाम सम्मिलित अछि?**

(A) लांगटिंग-मूपा, कुरुंग, बोराइल

(B) गंगा, कोसी, कमला

(C) जनकपुर, दरभंगा, लन्दन

(D) पोस्ट, ईमेल, कुरियर

**१४५३. जटिंगा पहाड़ी-गाम लए चलबाक प्रस्ताव के देलक?**

(A) लंगथासा, संजय डूंग आ अन्य स्थानीय अधिकारीगण

(B) ज्योति प्रकाश लाल

(C) कालीकान्त

(D) बरसामबाली काकी

**१४५४. गुवाहाटीमे लेखक जटिंगा संबंधमे की सुनने रहथि?**

(A) अन्हरिया राति रोशनी देख चिड़ै झुंडमे खसैत अछि

(B) ओतय बाढ़ नहि

(C) ओतय कम्प्यूटर मेला

(D) ओतय कथा-संकलन

**१४५५. जटिंगा रस्तामे कोन वनस्पति विशेष रूपेँ भेटल?**

(A) बेंत आ बाँसक झाड़ी

(B) केवल गेहूँ

(C) नारिकेर बगान

(D) सरोवर मात्र

**१४५६. नॉर्थ कछारक धरतीमे बाँसक क्षेत्र कतेक बतायल गेल?**

(A) लगभग ३०७९०० हेक्टेयर

(B) केवल एक हेक्टेयर

(C) आठ किलोमीटर

(D) पाँच बीघा

**१४५७. असम प्रदेशमे बाँसक कुल कतेक नस्ल बतायल गेल?**

(A) ३३

(B) ५

(C) २

(D) १००

**१४५८. जटिंगा क्षेत्रमे उपलब्ध बाँसक लगभग कतेक नस्ल बतायल गेल?**

(A) २०

(B) १

(C) ५०

(D) ३३३

**१४५९. स्थानीय जीवनमे बाँसक उपयोग कोन-कोन रूपमे बतायल गेल?**

(A) झोपड़ी, जाफरी, पूल, बर्तन, फर्नीचर, कृषि-उपकरण, हस्तकला

(B) केवल लेखन

(C) केवल पूजा

(D) केवल जल

**१४६०. बाँसक कोपड़सँ की बनायल जाइत अछि?**

(A) तरकारी आ अचार

(B) कम्प्यूटर

(C) कथा-संकलन

(D) दीवाल

## खण्ड ४०१ : विदेह-सदेह १ — कैलाश: जटिंगा पक्षी-रहस्य

**१४६१. जटिंगा गाम कोन रेंजक पादगिरि पर बसल अछि?**

(A) बोराइल रेंज

(B) हिमालय मुख्य शिखर

(C) गंगा मैदान

(D) टेम्स तट

**१४६२. जटिंगा हाफलॉंगसँ कतेक दूरी पर अछि?**

(A) आठ किलोमीटर

(B) २६१ किलोमीटर

(C) ६४ बीघा

(D) एक कोस

**१४६३. जटिंगा पहाड़ी ककर विश्राम-स्थली कहल गेल?**

(A) प्रवासी आ देशी चिड़ै सभक

(B) व्यापारी सभक

(C) नाटककार सभक

(D) डाकिया सभक

**१४६४. चिड़ै सभ मुख्यतः कोन महिनामे अन्हरिया राति रोशनी दिस आकृष्ट होइत अछि?**

(A) सितम्बर-अक्टूबर

(B) जनवरी-फरवरी

(C) अप्रैल-मई

(D) दिसम्बर मात्र

**१४६५. जटिंगा घटना घटबाक लेल रोशनीक कोन स्रोत उदाहरण रूपमे देल गेल?**

(A) टॉर्च आ मशाल

(B) सूर्योदय

(C) चाँदनी मात्र

(D) मोबाइल स्क्रीन मात्र

**१४६६. चिड़ैमार लोक रोशनीसँ झलफलायल चिड़ै पर ककरासँ प्रहार करैत अछि?**

(A) बाँसक लग्गी वा बत्ती

(B) कम्प्यूटर

(C) दूधक भाँड़ा

(D) कथा-पुस्तक

**१४६७. जटिंगा घटना लेल हवा कोन दिशासँ कोन दिशा दिस चाही बतायल गेल?**

(A) दक्षिण-पश्चिमसँ उत्तर-पूब

(B) उत्तर-पूबसँ दक्षिण-पश्चिम

(C) पूर्वसँ पश्चिम मात्र

(D) कोनो दिशा नहि

**१४६८. बोराइल पहाड़ीक आसपास धूंध आ शीतक भूमिका की बतायल गेल?**

(A) घटनाक अनुकूल वातावरण बनबैत अछि

(B) घटना रोकैत अछि

(C) कुनो सम्बन्ध नहि

(D) केवल सौन्दर्य

**१४६९. जटिंगा घटना मे अधिकतर कोन चिड़ै प्रभावित कहल गेल?**

(A) देशी चिड़ै

(B) केवल प्रवासी चिड़ै

(C) केवल पालतू मुर्गी

(D) केवल बतख

**१४७०. ई प्रवृत्ति पूरा जटिंगा पहाड़ीमे पसरल अछि कि सीमित क्षेत्रमे?**

(A) मात्र डेढ़ किलोमीटर लम्बाई आ २०० मीटर चौड़ाईक खास क्षेत्रमे

(B) पूरा असममे

(C) पूरा भारतमे

(D) कुनो स्थान नहि

## खण्ड ४०२ : विदेह-सदेह १ — कैलाश: जटिंगा इतिहास आ संरक्षण-दृष्टि

**१४७१. एक वृद्ध खासी व्यक्तिक अनुसार जटिंगा घटना संबंधी जानकारी लगभग कहिया चलल?**

(A) १९१४ ई.क आसपास

(B) २००७ ई.मे प्रथम

(C) प्राचीन वैदिक कालमे

(D) १९७८ ई.मे

**१४७२. बरद ताकय गेल टोली कोन वस्तुसँ मशाल बनौलक?**

(A) बाँसक फट्टीमे कपड़ा बान्हि मटिया तेल डालि

(B) कम्प्यूटर तारसँ

(C) नारिकेर कवचसँ

(D) कागजक नावसँ

**१४७३. पहिल राति चिड़ै खसला पर स्थानीय लोक ओकरा किएक नहि पकड़लक?**

(A) भूत-प्रेतक भ्रम आ अनिष्टक डर छल

(B) उन्हें पक्षी नहि देखल

(C) वे शाकाहारी छलाह मात्र

(D) प्रशासन रोकने छल

**१४७४. १९१७ ई.क आसपास लाखन-सारा की केलनि?**

(A) रोशनीसँ झलफलायल चिड़ै पकड़ि घर आनि खयलनि

(B) चिड़ै बचौलनि मात्र

(C) जंगल छोड़लनि

(D) कविता लिखलनि

**१४७५. लाखन-साराक घटना बाद चिड़ै सभ पर की शुरू भेल?**

(A) कृत्रिम रोशनीक सहारे संहार

(B) पूर्ण संरक्षण

(C) उड़ान महोत्सव

(D) कम्प्यूटर शिक्षा

**१४७६. अंग्रेज प्रशासनकेँ जानकारी भेटला पर की भेल?**

(A) एहि परम्परा पर रोक लगायल गेल

(B) शिकार बढ़ायल गेल

(C) मेला बनायल गेल

(D) सड़क बन्द

**१४७७. स्वतंत्रता प्राप्ति बाद शिकारक स्थिति कोना भेल?**

(A) लोक नुका-चोरा कऽ फेर शिकार करय लगल

(B) सदैव बन्द रहल

(C) चिड़ै नष्ट नहि

(D) कोनो घटना नहि

**१४७८. पर्यावरणविद, पक्षीशास्त्री, पत्रकार आदिक प्रयासक बाद प्रशासन की केलक?**

(A) कृत्रिम रोशनीसँ चिड़ै मारबाक प्रथा पर पुनः प्रतिबन्ध

(B) शिकारक पुरस्कार

(C) जंगल काटब

(D) मंदिर बनब

**१४७९. जटिंगा स्थल पर लिखल मूल वाक्यक अर्थ की छल?**

(A) चिड़ैकेँ गोलीसँ नहि, कैमरा सँ शूट करू

(B) चिड़ै मारू

(C) प्रकाश बढ़ाउ

(D) मशाल जलाउ

**१४८०. जटिंगा प्रसंग कैलाशजीक लेखमे कोन व्यापक संदेश दैत अछि?**

(A) लोकविश्वास, पर्यावरण, विज्ञान आ संरक्षणक संवाद जरूरी अछि

(B) शिकार श्रेष्ठ

(C) रहस्य छोड़ि देब

(D) संस्कृति असंबद्ध

## खण्ड ४०३ : विदेह-सदेह १ — कमलानन्द झा: मैथिली कथा-संकलन ‘उदाहरण’

**१४८१. कमलानन्द झाक आलेख कोन विषय पर केन्द्रित अछि?**

(A) मैथिली समस्या टोह लैत कथा-संकलन ‘उदाहरण’

(B) कम्प्यूटर शिक्षा

(C) जटिंगा पक्षी

(D) विधवा कथा ‘माहुर’

**१४८२. पिछला चारि वर्षमे प्रकाशित तीन कथा-संकलनकेँ लेखक कोन संकेत मानैत छथि?**

(A) मैथिली भाषा लेल शुभ संकेत

(B) साहित्यक अन्त

(C) कथा-विरोध

(D) केवल बाजार

**१४८३. लेखमे ‘मैथिली कथा संचयन’ क सम्पादक के कहल गेल?**

(A) शिवशंकर श्रीनिवास

(B) देवशंकर नवीन

(C) तारानन्द वियोगी

(D) राजकमल चौधरी

**१४८४. ‘देसिल बयना’ क सम्पादक के कहल गेल?**

(A) तारानन्द वियोगी

(B) शिवशंकर श्रीनिवास

(C) कैलाश मिश्र

(D) ज्योति प्रकाश लाल

**१४८५. ‘उदाहरण’ क सम्पादक के छथि?**

(A) देवशंकर नवीन

(B) राजमोहन झा

(C) मायानन्द मिश्र

(D) प्रदीप बिहारी

**१४८६. ‘उदाहरण’मे कुल कतेक कथा संकलित बतायल गेल?**

(A) छत्तीस

(B) दस

(C) एक

(D) सौ

**१४८७. राजकमल चौधरीक कोन कथा घाघ मैथिल समाजक टोप-टहंकार अनावृत्त करैत कहल गेल?**

(A) एकटा चम्पाकली एकटा विषधर

(B) भए प्रकट कृपाला

(C) मकड़ी

(D) तानपूरा

**१४८८. ‘एकटा चम्पाकली एकटा विषधर’मे तेरह वर्षीया चम्पाक विवाह ककरासँ करबाक योजना अछि?**

(A) बासठ वर्षक वृद्ध शशि बाबूसँ

(B) तरुण कलाकारसँ

(C) पत्रकारसँ

(D) सैनिकसँ

**१४८९. मायानन्द मिश्रक ‘भए प्रकट कृपाला’ केन पक्षसँ जुड़ल कहल गेल?**

(A) पत्रकारिता आ मीडिया-तंत्र

(B) कृषि

(C) कम्प्यूटर

(D) पक्षीशास्त्र

**१४९०. ‘भए प्रकट कृपाला’मे पत्रकारक हड़बड़ी ककर खबरे लेल अछि?**

(A) कॉरपोरेट बादशाह श्याम बोगलाक मृत्यु

(B) बाढ़क आँकड़ा

(C) जटिंगा पक्षी

(D) बालश्रम

## खण्ड ४०४ : विदेह-सदेह १ — कमलानन्द झा: कथा-चयन, स्त्री-चेतना आ आलोचना

**१४९१. लिली रे क कथा ‘विधिक विधान’मे लेखक की सफल मानैत छथि?**

(A) कामकाजी स्त्रीक संघर्षक यथार्थ आ कलात्मक उभार

(B) केवल हास्य

(C) पक्षी-रहस्य

(D) कम्प्यूटर प्रशिक्षण

**१४९२. उषाकिरण खानक ‘त्यागपत्र’ पर लेखकक आपत्ति की अछि?**

(A) ग्रामीण युवतीक जिजीविषा पूर्ण रूपेँ व्यक्त नहि भऽ सकल

(B) कथा बहुत लंबी

(C) कथा राजनीति-विहीन

(D) कथा मे गीत नहि

**१४९३. प्रदीप बिहारीक ‘मकड़ी’ स्त्री-चेतना दृष्टिएँ कोना कहल गेल?**

(A) अपेक्षाकृत मेच्योर आ बोल्ड कथा

(B) नवसाक्षर कथा

(C) इति-वृत्त मात्र

(D) कम्प्यूटर लेख

**१४९४. देवशंकर नवीनक ‘पेंपी’ कोन समस्या व्यक्त करैत अछि?**

(A) पति-पत्नी सम्बन्ध-विच्छेदक प्रभाव बेटी पर

(B) जटिंगा पक्षी

(C) कृषि उपकरण

(D) बाँसक उपयोग

**१४९५. राजमोहन झाक ‘भोजन’ पर कमलानन्द झाक टिप्पणी की संकेत करैत अछि?**

(A) स्त्रीक बाहर काज करबाक विरोध बहन्ने प्रगतिशील मुद्राक आलोचना

(B) भोजन-विधि

(C) कम्प्यूटर-भोजन

(D) केवल रसिकता

**१४९६. तारानन्द वियोगीक ‘पन्द्रह अगस्त सन्तानबे’ क मुख्य राजनीतिक निष्पत्ति की बतायल?**

(A) निम्नवर्गक आर्थिक-सामाजिक सुधारसँ आत्मसम्मान आ राजनीतिक चेतना अंकुरित भेल

(B) राजनीति असंभव

(C) सवर्ण-पार्टी स्थायी

(D) वर्ग-प्रश्न गौण

**१४९७. अशोकक ‘तानपूरा’ क मध्यवर्गीय आलोचना कोन अछि?**

(A) संगीत-प्रेमक दावा, मुदा पुत्रक संगीत-साधनाक विरोध

(B) बाढ़-वर्णन

(C) डाक-व्यवस्था

(D) देवीगीत

**१४९८. लेखक कतोक कथा कैं ‘शुष्क गद्य’ किएक मानैत छथि?**

(A) यथार्थक मोहमे घटना-विवरण मात्र रहि गेल, क्षणक मर्म नहि आइल

(B) कथा बहुत प्रतीकात्मक

(C) भाषा अति कठिन

(D) नारी पात्र बेसी

**१४९९. मैथिली कथा-संकलन पर लेखकक एक महत्त्वपूर्ण आपत्ति की अछि?**

(A) तीनूँ संकलनमे कथाकार सूचीमे अद्भुत साम्य आ चयनमे कथाकार-प्रधानता

(B) कथा बहुत बेसी नव

(C) सन्दर्भ बहुत स्पष्ट

(D) प्रकाशन अत्यधिक

**१५००. ‘उदाहरण’मे कथाक प्रकाशन-वर्ष आ सन्दर्भक अनुपस्थिति लेखकक अनुसार किएक खटकैत अछि?**

(A) समय-सीमा बिना कथाक सम्यक मूल्यांकन कठिन

(B) पृष्ठ घटि जाएत

(C) कथा लंबी होयत

(D) पाठक नाम नहि पढ़त

## खण्ड ४०५ : विदेह-सदेह १ — केदारनाथ चौधरी: परिचय आ ‘माहुर’क आरम्भ

**१५०१. केदारनाथ चौधरीक जन्म कतय बतायल गेल अछि?**

(A) नेहरा, जिला दरभंगा

(B) जनकपुरधाम

(C) सलेमपुर

(D) समौल

**१५०२. केदारनाथ चौधरी अर्थशास्त्रमे स्नातकोत्तर कहाँसँ केलनि?**

(A) कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय

(B) दिल्ली विश्वविद्यालय

(C) जे.एन.यू.

(D) असम विश्वविद्यालय

**१५०३. सानफ्रांसिस्को विश्वविद्यालयसँ हुनक कोन डिग्री बतायल गेल?**

(A) एम.बी.ए.

(B) पी.एच.डी.

(C) बी.लिब.

(D) लॉ

**१५०४. भारत आगमनक वर्ष परिचयमे कोन बतायल गेल?**

(A) १९७८

(B) २००४

(C) १९५८

(D) २००८

**१५०५. केदारनाथ चौधरी कोन मैथिली फिल्मसँ सह-निर्माता रूपेँ जुड़ल बतायल गेलाह?**

(A) ममता

(B) उगना हाल्ट

(C) सीतायण

(D) विदेशिया

**१५०६. 'माहुर' आरम्भमे रंजना भाइजीक हाथक पोटरीमे पहिले की अनुमान करैत छथि?**

(A) माता दुर्गाक प्रसाद/मीट

(B) कम्प्यूटर

(C) पत्र

(D) फूल

**१५०७. रंजनाक भाइजीक नाम की अछि?**

(A) आकाश

(B) भास्कर

(C) यदुनाथ

(D) बिदेसरा

**१५०८. रंजनाक भाइजी पोटरी देबाक क्षणमे की करैत छथि?**

(A) हाथ पाछाँ घीचि लैत छथि आ थरथराइत ठाढ़ रहैत छथि

(B) हँसि कऽ चलि जाइत छथि

(C) पत्र लिखैत छथि

(D) नाच शुरू करैत छथि

**१५०९. आकाशक आँखिसँ की बहय लगैत अछि?**

(A) ढबढब नोर

(B) हँसी

(C) नींद

(D) धुँआ

**१५१०. कथा-आरम्भक भाव-दिशा की अछि?**

(A) एक घरेलू वस्तु पोटरीसँ सामाजिक करुणा आ अपराध-बोधक उद्घाटन

(B) सामान्य हास्य-प्रसंग

(C) कम्प्यूटर-शिक्षा

(D) यात्रा-वृत्तांत

## खण्ड ४०६ : विदेह-सदेह १ — 'माहुर': रंजना, विधवापन आ परिवारक स्तब्धता

**१५११. रंजना आकाशसँ कतेक छोट कहल गेलीह?**

(A) बारह वर्ष

(B) दू वर्ष

(C) पच्चीस वर्ष

(D) एक मास

**१५१२. रंजना कथाक एहि भागमे उम्रक कोन दहलीज पर छथि?**

(A) पन्द्रहम वर्षमे पयर रखने

(B) साठिम वर्षमे

(C) पाँच वर्षक

(D) तीस वर्षक

**१५१३. रंजना हाथमे चूड़ीक बदला की बान्हने छलीह?**

(A) घड़ी

(B) फूल

(C) तलवार

(D) पान

**१५१४. रंजनाक पति भास्कर चौधरीक पद/पहचान की रहल?**

(A) कमीशन प्राप्त सेकेण्ड लेफ्टिनेंट

(B) बैंककर्मी

(C) पुजारी

(D) पत्रकार

**१५१५. भास्कर चौधरी कतय ड्यूटी पर पहुँचला पर शहीद भेलाह?**

(A) कश्मीर

(B) दरभंगा

(C) पानापुर

(D) लंदन

**१५१६. आकाशक पेशा/काजक स्थान की बतायल गेल?**

(A) दरभंगाक एक बैंकमे कार्यरत

(B) मंदिरक पुजारी

(C) कविता शिक्षक

(D) हाफलॉग अधिकारी

**१५१७. आकाश गामसँ बैंक कोना जाए-आबय छथि?**

(A) स्कूटर पर

(B) नाव पर

(C) हवाई जहाजसँ

(D) बैलगाड़ी पर

**१५१८. दशहराक छुट्टीक कारण कथा-दृश्य कोन पाबनिक पृष्ठभूमि बनबैत अछि?**

(A) अष्टमी आ दुर्गास्थानक बलिप्रदान

(B) होली

(C) दीपावली

(D) मकर संक्रान्ति

**१५१९. आकाश पोटरीक मीट अंततः की करैत छथि?**

(A) नाला मे फेकि दैत छथि

(B) भोजनमे परोसैत छथि

(C) मंदिरमे चढ़बैत छथि

(D) बाज़ारमे बेचैत छथि

**१५२०. परिवारक सामूहिक क्रन्दनमे के अडिग/अविचल ठाढ़ रहैत छथि?**

(A) रंजना

(B) बिदेसरा

(C) मजहर

(D) राममणि

## खण्ड ४०७ : विदेह-सदेह १ — ‘माहुर’: पाठी, बलि आ विधवा-समाजक रूपक

**१५२१. कथा रंजनाक विधवापनकेँ ककर बलिसँ तुलना करैत अछि?**

(A) मनता मानल पाठी/छागरक बलि

(B) कम्प्यूटरक खराबी

(C) नदीक बाढ़

(D) जटिंगा चिड़ै

**१५२२. रंजनाक जातीय-सांस्कृतिक समाजमे कोन व्यवस्था नहि रहैक?**

(A) विधवा पुनर्विवाहक नियम/निदान

(B) मेला

(C) पान दोकान

(D) पत्र-लेखन

**१५२३. रंजनाक विधवापनक प्रति समाज कोन मिथकीय तर्क लगबैत अछि?**

(A) पूर्वजन्मक पापक भोग

(B) वैज्ञानिक शोध

(C) कैरियर सलाह

(D) नव-वर्ष उत्सव

**१५२४. बलि देखिनिहारक दृष्टि कथामे मुख्यतः की सोचैत कहल गेल?**

(A) भुजल माँसक स्वाद

(B) पशु-दया

(C) अर्थशास्त्र

(D) कम्प्यूटर साक्षरता

**१५२५. विधवा रंजनासँ समाज की-की सेवा अपेक्षित करैत अछि?**

(A) टहल-टिकोरा, अदौरी-कुम्हरौरी, भानस, तीर्थ-भनसिया आदि

(B) सॉफ्टवेयर लेखन

(C) बैंक प्रबन्धन

(D) पक्षी शोध

**१५२६. ‘छौड़ा सँ बूढ़बा तकक करेजक तपन’ वाक्यांशक संकेत की अछि?**

(A) विधवाक देह पर पुरुष-दृष्टिक हिंस्र अधिकार-भाव

(B) मौसम-विज्ञान

(C) कला-दीर्घा

(D) पत्राचार

**१५२७. बरसामबाली काकीक कथनक भाव की अछि?**

(A) समाज विधवाकेँ ‘ईश्वरक इंतजाम’ मानि उपयोगी वस्तु बना दैत अछि

(B) विधवाक अधिकार

(C) कविता-सौन्दर्य

(D) जंगल-संरक्षण

**१५२८. कथाकार ‘मनता मानल पाठी’ आ रंजनाक बीच फरक पूछि की करैत छथि?**

(A) सामाजिक उपभोग-मानसिकताक व्यंग्यात्मक पर्दाफाश

(B) भोजन-विधि

(C) राजनीतिक प्रचार

(D) यात्रा-मार्ग

**१५२९. एहि भागमे व्यंग्यक लक्ष्य के अछि?**

(A) सनातन कहि जड़ सामाजिक अमानवीयता कैँ ढाकनिहार व्यवस्था

(B) बालक खेल

(C) बाँसक प्रजाति

(D) डाकिया

**१५३०. 'माहुर' शीर्षकक संकेत एहि खण्डमे कोना खुलैत अछि?**

(A) समाजक भीतर पसारल धीमा विष रूपी अमानवीयता

(B) मीठ फल

(C) कम्प्यूटर वायरस

(D) चिड़ै-महोत्सव

## खण्ड ४०८ : विदेह-सदेह १ — 'माहुर': पानापुर, दुर्गामन्दिर आ पुजारी-परिवार

**१५३१. रंजनाक प्रसंगक बाद कथा कोन गामक घटना दिस मुड़ैत अछि?**

(A) पानापुर

(B) जनकपुर

(C) हाफलॉंग

(D) सलेमपुर

**१५३२. पानापुर गामक सामाजिक बनावट कोना बतायल गेल?**

(A) सभ जाति, समुदाय आ सम्प्रदायक लोकक निवास

(B) केवल एक परिवार

(C) निर्जन जंगल

(D) विदेशी नगर

**१५३३. पानापुर आर्थिक रूपैँ कोना कहल गेल?**

(A) सम्पन्न

(B) पूर्ण उजाड़

(C) केवल पर्वतीय

(D) रेगिस्तान

**१५३४. पानापुरक प्रसिद्ध दुर्गा मन्दिर कतय पसरल छल?**

(A) पैघ पोखरिक पूबरी भीड़ पर तीन-चार बीघा मे

(B) रेलवे स्टेशन पर

(C) कछार पहाड़ी पर

(D) हवाई अड्डा पर

**१५३५. दशहरा समय मन्दिर परिसरमे की-की आयोजित होइत छल?**

(A) मेला, नौटंकी, नाच-गान

(B) कम्प्यूटर परीक्षा

(C) पक्षी-शिकार

(D) कथा-संकलन विमोचन

**१५३६. दुर्गा मन्दिरक पुजारीक नाम की छल?**

(A) कालीकान्त ओझा

(B) आकाश

(C) मजहर

(D) केदारनाथ

**१५३७. कालीकान्त ओझाक देह-वर्णनमे कोन गुण प्रमुख अछि?**

(A) दुब्बर-पातर, वैष्णव, मृदुभाषी

(B) बैंक अधिकारी

(C) सैनिक

(D) टेलीविजन संचालक

**१५३८. पुजारीक पत्नीक वर्णनमे कोन विरोधाभास उपस्थित अछि?**

(A) पुजारीक वैष्णव-संयमक बरअक्स माँस-माछ, बीड़ी, पान-जर्दा प्रिय व्यक्तित्व

(B) पूर्ण मौन तपस्विनी

(C) विदेशी शोधक

(D) बाल कलाकार

**१५३९. पुजारी-पत्नी मंदिरक आमदनी पर कोना अधिकार रखैत कहल गेलीह?**

(A) पूरा एकाधिकार

(B) कोनो अधिकार नहि

(C) सरकारक नियंत्रण

(D) यात्रीक दान मात्र

**१५४०. पुजारीजी पत्नी सँ कोना व्यवहार करैत/डेराइत बतायल गेलाह?**

(A) सोझा आबयमे काँपत आ डेरायल रहैत

(B) उनका आदेश दैत

(C) उपेक्षा करैत

(D) उन्हें खोजय विदेश जाइत

## खण्ड ४०९ : विदेह-सदेह १ — ‘माहुर’: यदुनाथ, कामिनी आ बिदेसरा कुएक

**१५४१. कालीकान्त ओझाक पुत्रक नाम की छल?**

(A) यदुनाथ ओझा

(B) भास्कर चौधरी

(C) कृष्णमोहन

(D) कुमार मनोज

**१५४२. यदुनाथक उपनयनक बाद अल्प समयमे की भेल?**

(A) विवाह

(B) विदेश-यात्रा

(C) पी.एच.डी.

(D) बैंक-नोकरी

**१५४३. यदुनाथक पत्नी ककर बेटी छलीह?**

(A) गंगा तटक पिहुआ गामक मन्दिर-पुजारीक बेटी

(B) सैनिकक बेटी

(C) बैंककर्मी बेटी

(D) डॉक्टरक बेटी

**१५४४. कामिनीक सासुर पहुँचला पर पानापुरक प्रतिक्रिया की छल?**

(A) हुनक सौन्दर्यसँ पूरा गाम गमकि उठल

(B) कोनो ध्यान नहि

(C) सब पलायन कएल

(D) मेला बन्द भऽ गेल

**१५४५. कामिनी कोन संस्कार लऽ सासुर आएल रहथि?**

(A) सासु-ससुरक सेवा आ पतिक आदेश पालन

(B) शिकार-विद्या

(C) कम्प्यूटर-प्रोग्रामिंग

(D) न्यूक्लियर नीति

**१५४६. बिदेसरा कुएक गाममे ककर रूपमे मानल जाइत छल?**

(A) सब सँ तेज-तर्रार सड़क-छाप स्वास्थ्य-कर्मी/कुएँक

(B) राजकवि

(C) पुजारी

(D) सैनिक

**१५४७. बिदेसरा कुएकसँ लोक किएक डेराइत/परहेज नहि करैत छल?**

(A) बेमारी-राति मे ओकरा डॉक्टर-जकाँ आवश्यक बुझल जाइत छल

(B) ओ राजा छल

(C) ओ शिक्षक छल

(D) ओ पंछीपालक छल

**१५४८. बिदेसरा कुएक यदुनाथसँ कोना निकट भेल?**

(A) चाह-नाश्ता आ चोटगर-मीठगर गपसपसँ मोन मोहैत

(B) पत्र-लेखनसँ

(C) जंगल-यात्रासँ

(D) कथा-संग्रहसँ

**१५४९. दशमी/अष्टमी रातिक शराब-दृश्य कतय घटैत अछि?**

(A) यदुनाथक शयन-कक्षमे

(B) चबूतरा पर

(C) रेलवे स्टेशन पर

(D) जटिंगा पहाड़ी पर

**१५५०. शराब-दृश्यक टेबल पर की-की राखल छल?**

(A) विदेशी शराबक बोतल, पानीक जग आ दू गिलास

(B) सिलाई मशीन

(C) कम्प्यूटर

(D) पंजी-पोथा

## खण्ड ४१० : विदेह-सदेह १ — 'माहुर': शराब-दृश्य आ कामिनीक अंतर्द्वन्द्व

**१५५१. यदुनाथ बिदेसरा लेल दरभंगासँ की मँगौलनि?**

(A) असली अस्सी प्रतिशत प्रूफ अल्कोहलबला जिन

(B) दू रुपैया

(C) मखान

(D) कथा-संकलन

**१५५२. कामिनी पहिल बेर टेबल पर की रखैत छथि?**

(A) भुजल माँस

(B) पत्र

(C) फूल

(D) कम्प्यूटर

**१५५३. बिदेसरा कुएक कामिनीक देह-दिस कोना देखैत अछि?**

(A) लोभी नजिरसँ बाँह/लॉउज पर टिकैत

(B) माता जकाँ

(C) विद्यार्थी जकाँ

(D) न्यायाधीश जकाँ

**१५५४. यदुनाथ पिहल पैग पछात कोना होइत छथि?**

(A) डोलि जाइत छथि

(B) नाचय लगैत छथि

(C) पत्र लिखैत छथि

(D) कचहरी जाइत छथि

**१५५५. दोसरा पैगक बाद यदुनाथक हालत कतेक बिगड़ैत अछि?**

(A) आँखिक डिब्बासँ टॉर्च-जेकाँ फोकसिंग बाहर होबय लगैत

(B) पूर्ण सजग

(C) सोझे भाषण

(D) कविता पाठ

**१५५६. कामिनी तेसर खेपक माँस लऽ घुरला पर यदुनाथकेँ कोना देखैत छथि?**

(A) पलंग पर चित बेहोश

(B) मंदिरमे पूजा करैत

(C) दरभंगाक बैंकमे

(D) गाछ तर बैठल

**१५५७. बेहोश यदुनाथक मुँह/थुथूनसँ की आवाज निकलैत छल?**

(A) साँ-साँ

(B) गीत

(C) हँसी

(D) शंखध्वनि

**१५५८. कामिनी पतिक प्रति कोन धारणा लऽ सासुर आएल छलीह?**

(A) पति रक्षक आ परमेश्वर छथि

(B) पति सेवक छथि

(C) पति शत्रु छथि

(D) पति अजनबी अधिकारी छथि

**१५५९. कामिनीक लेल वर्तमान परिस्थिति कोना बनि जाइत अछि?**

(A) अप्रत्याशित आ ओझरायल

(B) पूर्णतः सहज

(C) हास्यपूर्ण

(D) उत्सवपूर्ण

**१५६०. शराब-दृश्य 'माहुर' मे की संकेत करैत अछि?**

(A) धर्म, पितृसत्ता, वासना आ नशाक भीतर छिपल विष

(B) प्रकृति-सौन्दर्य

(C) कम्प्यूटरक लाभ

(D) पक्षी-संरक्षण

## खण्ड ४११ : विदेह-सदेह १ — कृपानन्द झा: चौकपर आणविक समझौता

**१५६१. कृपानन्द झा कतय जन्मल बतायल गेलाह?**

(A) समौल, मधुबनी

(B) नेहरा

(C) सलेमपुर

(D) जनकपुर

**१५६२. कृपानन्द झाक शैक्षिक पृष्ठभूमिमे कोन विषय प्रमुख अछि?**

(A) गणित, पुस्तकालय/सूचना विज्ञान

(B) रंगमंच मात्र

(C) संगीत मात्र

(D) कृषि मात्र

**१५६३. 'चौकपर आणविक समझौता' कहाँ घटित संवाद रूपमे आरम्भ होइत अछि?**

(A) गामक चौक/टोनुआँक दोकान-चबूतरा

(B) मन्दिरक गर्भगृह

(C) टेम्स नदी

(D) जटिंगा जंगल

**१५६४. मंटू भाईक मूल शंका की अछि?**

(A) अमेरिका भारतक स्वतंत्र आणविक कार्यक्रममे टाँग अड़ाबय चाहैत अछि

(B) मैथिली गीतक धुन

(C) बालश्रम

(D) चिड़ै बचाव

**१५६५. गगनजी समझौता मुख्यतः ककर आवश्यकता सँ जोड़ैत छथि?**

(A) ऊर्जा आवश्यकता

(B) देवी पूजा

(C) पत्राचार

(D) विधवा प्रथा

**१५६६. गगनजी १२३ समझौता पर कोन आश्वासन दैत छथि?**

(A) केवल भारत सरकार चाहत से रिएक्टर अन्तरराष्ट्रीय निगरानीमे जाएत

(B) सभ रिएक्टर बन्द

(C) कृषि समाप्त

(D) पत्र नहि लिखल जाएत

**१५६७. मंटू भाई आन्तरिक संसाधनक उदाहरणमे कोन-कोन प्रदेश उल्लेख करैत छथि?**

(A) झारखण्ड, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, मेघालय, राजस्थान आदि

(B) केवल लंदन

(C) केवल जटिंगा

(D) केवल पानापुर

**१५६८. मजहरक अनुसार एन.पी.टी. पर हस्ताक्षर बिना भारत की करबाक कोशिश करैत अछि?**

(A) अन्तरराष्ट्रीय आणविक बाजारमे सेन्ध मारबाक

(B) मन्दिर बनाबय

(C) कथा छापय

(D) मेला रोकय

**१५६९. मजहर दीर्घकालिक असर की सम्भावना देखैत अछि?**

(A) भारत आणविक क्षेत्रमे पैघ निर्यातक बनि सकैत अछि

(B) भारत सम्पूर्णतः कमजोर

(C) कथासंग्रह बन्द

(D) लोकगीत नष्ट

**१५७०. एहि संवादक साहित्यिक महत्त्व की अछि?**

(A) गामक चौककेँ वैश्विक नीति-बोधक जनमंच बनबैत अछि

(B) केवल पानक बिक्री

(C) केवल यात्रा-वृत्तांत

(D) केवल पारिवारिक कथा

## खण्ड ४१२ : विदेह-सदेह १ — कृष्णमोहन झा: परिचय आ ‘दुनूकेँ’

**१५७१. कृष्णमोहन झाक जन्म कोन गाम/जिलामे बतायल गेल?**

(A) जीतपुर, मधेपुरा

(B) नेहरा, दरभंगा

(C) सलेमपुर, मधुबनी

(D) पानापुर

**१५७२. कृष्णमोहन झा एम.फिल. कोन विषय पर केलनि?**

(A) विजयदेव नारायण साही की काव्यानुभूति की बनावट

(B) मैथिली फॉकलोर

(C) कम्प्यूटर शिक्षा

(D) आणविक समझौता

**१५७३. कृष्णमोहन झाक पी.एच.डी. कोन साहित्यकारक कथा-साहित्यमे प्रेमक परिकल्पना पर अछि?**

(A) निर्मल वर्मा

(B) राजकमल चौधरी

(C) विद्यापति

(D) मायानन्द मिश्र

**१५७४. हिन्दीमे कृष्णमोहन झाक कविता-संग्रहक नाम की अछि?**

(A) समय को चीरकर

(B) एकटा हेरायल दुनिया

(C) माहुर

(D) दू पत्र

**१५७५. मैथिलीमे हुनक प्रकाशित कृति कोन कहल गेल?**

(A) एकटा हेरायल दुनिया

(B) माहुर

(C) करार

(D) हारल मनुक्ख

**१५७६. कृष्णमोहन झा कतय अध्यापन करैत बतायल गेलाह?**

(A) असम विश्वविद्यालय, सिलचरक हिन्दी विभाग

(B) सी.एम. कॉलेज दरभंगा

(C) बैंक

(D) दुर्गा मन्दिर

**१५७७. ‘दुनूकेँ’ कविता मे स्त्री ककरा देखैत अछि?**

(A) माछकेँ

(B) कम्प्यूटर

(C) चबूतरा

(D) पत्र

**१५७८. ‘दुनूकेँ’ कविता मे माछ ककरा देखैत अछि?**

(A) स्त्री केँ

(B) चौक

(C) मन्दिर

(D) बिदेसरा

**१५७९. कविताक तेसर दृष्टा के अछि?**

(A) अहाँ/पाठक

(B) गंगाजी

(C) पुजारी

(D) पोस्टमैन

**१५८०. ‘दुनूकेँ’क केन्द्रीय शिल्प की अछि?**

(A) तीन दृष्टिक त्रिकोण—स्त्री, माछ, आ पाठक

(B) दीर्घ कथा

(C) राजनीतिक भाषण

(D) यात्रा-वर्णन

## खण्ड ४१३ : विदेह-सदेह १ — कुमार मनोज कश्यप: ‘हारल मनुक्ख’

**१५८१. कुमार मनोज कश्यपक जन्म कोन गाममे बतायल गेल?**

(A) सलेमपुर, मधुबनी

(B) समौल

(C) नेहरा

(D) दुहबी

**१५८२. कुमार मनोज कश्यप वर्तमानमे कोन पद पर पदस्थापित बतायल गेलाह?**

(A) केन्द्रीय सचिवालयमे अनुभाग अधिकारी

(B) बैंक अधिकारी

(C) दुर्गा पुजारी

(D) विश्वविद्यालय कुलपति

**१५८३. ‘हारल मनुक्ख’क आरम्भमे कथावाचक की प्रतीक्षा करैत अछि?**

(A) गामक बस

(B) पत्र

(C) कम्प्यूटर

(D) बरखा

**१५८४. प्रतीक्षाक समय मौसम/स्थिति कोना अछि?**

(A) जेठक दुपहरिया, रौद आ खराब सार्वजनिक यातायात

(B) हिमपात

(C) बरखा-गीत

(D) शीतल राति

**१५८५. वृद्ध/बीमार व्यक्ति कथावाचकसँ कतेक रुपैया माँगैत अछि?**

(A) दू रुपैया

(B) पचास

(C) सौ

(D) दस

**१५८६. वृद्ध व्यक्ति दू रुपैया किएक माँगैत अछि?**

(A) ट्रेक्टर पकड़ि गाम जाएब लेल

(B) सिनेमा देखब लेल

(C) मीट किनब लेल

(D) शराब लेल

**१५८७. कथावाचक वृद्धक याचना पहिले किएक अनसुना करैत अछि?**

(A) भीख माँगबाक नव-नव ढंगक शंका मोनमे आबैत अछि

(B) ओ बहिर अछि

(C) ओ बसमे छल

(D) ओ सोइ रहल छल

**१५८८. बसमे बैसलाक बाद कथावाचक रस्ता कात की देखैत अछि?**

(A) सेहि वृद्धकेँ घिसियाइत गन्तव्य दिस चलैत

(B) पुस्तकालय

(C) मन्दिरक मेला

(D) जटिंगा चिड़ै

**१५८९. कथावाचक कतेक रुपैया ठंढा पीबामे खर्च कयने रहैत अछि?**

(A) दस रुपैया

(B) दू रुपैया

(C) एक रुपैया

(D) सौ

**१५९०. 'हारल मनुक्ख'क मूल नैतिक प्रश्न की अछि?**

(A) छोट करुणा अस्वीकार कएलाक अपराध-बोध

(B) आणविक निर्यात

(C) देवीगीत धुन

(D) रंगमंच पुरस्कार

## खण्ड ४१४ : विदेह-सदेह १ — कुमार मनोज कश्यप: 'थाकल बाट'

**१५९१. 'थाकल बाट'मे कथावाचक कोन कार्यालयक चक्कर लगा रहल अछि?**

(A) बिजली ऑफिस

(B) डाकघर

(C) मंदिर

(D) विश्वविद्यालय

**१५९२. कर्मचारीक चिरपरिचित उत्तर की अछि?**

(A) ऊपरसँ नहि लौटलै

(B) सब ठीक अछि

(C) पत्र पहुँचल

(D) मेला शुरू

**१५९३. कथावाचक कतेक दिनसँ चक्कर लगा रहल अछि?**

(A) १५ दिन

(B) एक वर्ष

(C) एक घंटा

(D) दू मास

**१५९४. मित्र प्रभास की सलाह दैत अछि?**

(A) बिना 'सेवा' किछु नहि हेतौक

(B) कविता लिखू

(C) जटिंगा जाऊ

(D) गाम छोड़ू

**१५९५. 'सेवा' पेलाक बाद कर्मचारी की तुरत दैत अछि?**

(A) आदेश-पत्र

(B) पान

(C) माँस

(D) पत्रिका

**१५९६. बाहर निकलैत कथावाचक कोन बोर्ड देखैत अछि?**

(A) रिश्वत लेना एवं देना जुर्म है

(B) गोसाउनि गीत

(C) कम्प्यूटर साक्षरता

(D) जटिंगा पर्यटन

**१५९७. बोर्डक हालत कोना अछि?**

(A) पानक पीकसँ विकृत

(B) स्वर्णमय

(C) नव रंगल

(D) नदीमे बहल

**१५९८. 'उपयुक्त चीज उपयुक्त जगह' वाक्यक व्यंग्य की अछि?**

(A) रिश्वत-बोर्ड भ्रष्ट कार्यालयमे विडम्बनात्मक रूपेँ उपयुक्ते लगैत अछि

(B) संगीत-प्रशंसा

(C) पत्र-लेखन

(D) बाढ़ राहत

**१५९९. बिजलीक तारमे टोका फँसबैत व्यक्ति ककर प्रतीक बनैत अछि?**

(A) सार्वजनिक व्यवस्था सँ जुगाड़क निर्भरता

(B) विदेशी शोध

(C) अध्यात्म

(D) दुर्गा पूजा

**१६००. 'थाकल बाट' शीर्षकक अर्थ की?**

(A) व्यक्ति नहि, व्यवस्था आ रास्ता दुनू थाकल/भ्रष्ट अछि

(B) थकान रहित उत्सव

(C) प्रकृति-चित्र

(D) पत्र-स्मृति

## खण्ड ४१५ : विदेह-सदेह १ — कुमार मनोज कश्यप: 'भावना'

**१६०१. 'भावना' कथाक मौसम कतेक कठोर बतायल गेल?**

(A) जेठक भोरसँ दुपहरिया धरि आगि-जेकाँ गरमी

(B) हिमपात

(C) शरद शीतलता

(D) बाढ़क राति

**१६०२. कथावाचक आ पत्नी भोजन लेल की निर्णय करैत छथि?**

(A) बाहर भोजन करब

(B) उपवास

(C) पत्र लिखब

(D) मेला जाएब

**१६०३. उन्हें कतेक कठिनाइ सँ की भेटैत अछि?**

(A) एक रिक्शावाला

(B) हवाई जहाज

(C) घोड़ा

(D) नाव

**१६०४. रिक्शावाला भाड़ा कतेक कहैत अछि?**

(A) दस रुपैया

(B) दू रुपैया

(C) पचास

(D) सौ

**१६०५. पत्नी रिक्शावालासँ कतेक भाड़ा लेल झगड़ा करैत छथि?**

(A) दस कैँ पाँच रुपैया बनबैत

(B) दू कैँ दस

(C) पचास कैँ सौ

(D) भाड़ा नहि

**१६०६. रिक्शावाला अन्ततः की करैत अछि?**

(A) पाँचक सिक्का लऽ चुपचाप चलि जाइत अछि

(B) पुलिस बजबैत अछि

(C) गीत गाबैत अछि

(D) भोजन करैत अछि

**१६०७. रेस्टोरेंटमे कथावाचक टिप रूपमे कतेक छोड़ैत अछि?**

(A) दस रुपैया

(B) दू

(C) एक

(D) सौ

**१६०८. पत्नी 'स्टेटस' कहि टिप कतेक करैत छथि?**

(A) पचासक नोट

(B) पाँच

(C) दू

(D) किछु नहि

**१६०९. कथावाचक किनकर तुलना करैत अछि?**

(A) वातानुकूलित कक्षमे वेटर आ रौदमे कँध तोड़ैत रिक्शावाला

(B) जटिंगा आ पानापुर

(C) माछ आ स्त्री

(D) पत्र आ पोस्टमैन

**१६१०. 'भावना'क मुख्य आलोचना की अछि?**

(A) वर्गीय संवेदनहीनता आ सुविधा-आधारित दया

(B) कम्प्यूटर शिक्षा

(C) लोकगीत संग्रह

(D) पक्षी-रहस्य

## खण्ड ४१६ : विदेह-सदेह १ — कुमार मनोज कश्यप: 'बी.डी.ओ.' आ 'नव-वर्ष'

**१६११. 'बी.डी.ओ.'मे 'माने' नाम किएक पड़ल?**

(A) ओ बात-बात पर 'माने' शब्द प्रयोग करैत छलीह

(B) ओ अधिकारी छलीह

(C) ओ कवि छलीह

(D) ओ गायिका छलीह

**१६१२. 'माने' क पारिवारिक/सामाजिक स्थिति की बतायल गेल?**

(A) बाल-विधवा, संतानहीन, घरक सदस्या-जकाँ

(B) सैनिक अधिकारी

(C) कम्प्यूटर शिक्षक

(D) असमक कलाकार

**१६१३. प्रधानमंत्री मधुबनी आबि रहल छथि सुनि 'माने' की पूछैत छथि?**

(A) के अबैत छथिन?

(B) कतय होटल अछि?

(C) कतेक रुपैया?

(D) कतेक चिड़ै?

**१६१४. प्रधानमंत्री पर 'माने'क प्रतिक्रिया की अछि?**

(A) ओ कोनो बी.डी.ओ. छथि जे वृद्धा-पेंशन देताह?

(B) हम अवश्य देखब

(C) ओ गायक छथि

(D) ओ डॉक्टर छथि

**१६१५. 'बी.डी.ओ.' कथा मे सत्ता-समझक केन्द्र की अछि?**

(A) लोकतांत्रिक पद नहि, जीवनोपयोगी सहायता

(B) विदेश नीति

(C) नृत्य

(D) पक्षी-शिकार

**१६१६. 'नव-वर्ष' शहरी संस्कृतिकेँ कोना देखबैत अछि?**

(A) उल्लास, नाच-गान, धूम-धड़क्का

(B) शोक मात्र

(C) मौन उपवास

(D) जंगल यात्रा

**१६१७. सुकनाक बेटा की प्रश्न करैत अछि?**

(A) हम सभक नया साल कहिया एतैक?

(B) जटिंगा कतय अछि?

(C) मीटर कहाँ पहुँचल?

(D) माँस कतेक?

**१६१८. सुकनाक अनुसार गरीबक नया साल कोना निर्धारित होइत अछि?**

(A) मजूरी भेटला पर खुशी, नहि भेटला पर पुरान दुख

(B) कैलेंडरक पहिल दिन

(C) विदेशी यात्रा

(D) दुर्गा मेला

**१६१९. 'सभ साँझ नया साल आ सभ भिनसर पुरान साल'क भाव की अछि?**

(A) दैनिक श्रम-आधारित असुरक्षित जीवन

(B) निरन्तर उत्सव

(C) समृद्धि

(D) कला-प्रदर्शनी

**१६२०. 'बी.डी.ओ.' आ 'नव-वर्ष' दूनू मे साझा दृष्टि की अछि?**

(A) हाशिये के लोकक नजरिएसँ सत्ता आ उत्सवक अर्थ बदलि जाइत अछि

(B) केवल प्रकृति-वर्णन

(C) केवल प्रेमगीत

(D) केवल तकनीक

## खण्ड ४१७ : विदेह-सदेह १ — कुमार मनोज कश्यप: गजल आ आत्म-खोज

**१६२१. गजलमे वक्ता रातुक 'श्याह आँचर'मे ककर खोज करैत अछि?**

(A) भोर

(B) माहुर

(C) कम्प्यूटर

(D) बाँस

**१६२२. 'अपन आंगन मे ठाढ़ हम, आई अपने घर के ताक रहल छी' पंक्तिक भाव की अछि?**

(A) घरमे रहितो अपन घर/पहचानक खोज

(B) विदेश यात्रा

(C) दुकानदारी

(D) मेला

**१६२३. वक्ता ककरा दोष देबासँ बचैत अछि?**

(A) दोसरा कैँ

(B) बरखा कैँ

(C) माछ कैँ

(D) चिड़ै कैँ

**१६२४. 'अपनो सभ तऽ अंठिए बनला' क भाव की?**

(A) समस्या मे अपन समाजक भागीदारी मानब

(B) पूर्ण निर्दोषता

(C) मौसम

(D) शिक्षा

**१६२५. गजलमे वक्ता कोन तरहक आँखि खोजैत अछि?**

(A) जाहि पलकसँ नोर नहि ढरकय

(B) लाल टरेस आँखि

(C) माछक आँखि

(D) पक्षी आँखि

**१६२६. 'सुन्न राह'मे वक्ताक संबल की बचल अछि?**

(A) अन्हार मात्र

(B) बिजली बिल

(C) दुर्गा प्रसाद

(D) कम्प्यूटर

**१६२७. गजलमे 'बगबाहो अपनहि हाथें ... कलम-बाग सभ जारऽ आयल' कोन भाव देत अछि?**

(A) अपन साधन/स्मृति स्वयं नष्ट कएलाक पीड़ा

(B) उत्सव

(C) सफल व्यापार

(D) प्रकृति-दर्शन

**१६२८. गजल सामाजिक-व्यक्तिगत दुखकेँ कोना जोड़ैत अछि?**

(A) अंगन, घर, याद, नोर आ अन्हारक बिम्बसँ

(B) सूची मात्र

(C) अंकीय तालिका

(D) कम्प्यूटर निर्देश

**१६२९. एहि गजलक प्रधान स्वर की अछि?**

(A) आहत आत्मालोचन आ आशा-खोज

(B) हास्य-उत्सव

(C) शिकार-वर्णन

(D) बैंक-प्रशिक्षण

**१६३०. कुमार मनोजक एहि खण्डक कथासभ आ गजलमे साझा चिंता की अछि?**

(A) मानवीय संवेदना, आत्मग्लानि आ सामाजिक असमानता

(B) केवल तकनीक

(C) केवल पक्षी

(D) केवल यात्रा

## खण्ड ४१८ : विदेह-सदेह १ — अयोध्यानाथ चौधरी: परिचय आ 'दू पत्र'

**१६३१. अयोध्यानाथ चौधरी कतयक छथि?**

(A) धनुषा, नेपाल

(B) दरभंगा

(C) सिलचर

(D) लंदन

**१६३२. अयोध्यानाथ चौधरी मुख्यतः कोन रूपमे परिचित कहल गेलाह?**

(A) कवि

(B) बैंकर

(C) कुयेक

(D) रंगनिर्देशक

**१६३३. हुनक लेखनमे कोन विशेषता बतायल गेल?**

(A) मानवीय संवेदनाक प्रतिबिम्ब आ फड़िछायल लेखन

(B) शुष्क आँकड़ा

(C) वैज्ञानिक तालिका

(D) मात्र नाटक

**१६३४. अयोध्यानाथ चौधरीक कविता-संग्रहक नाम की अछि?**

(A) क्षितिजक ओहिपार

(B) माहुर

(C) समय को चीरकर

(D) हारल मनुक्ख

**१६३५. 'दू पत्र'मे वक्ता ककरा पत्र लिखबाक लेल उद्यत होइत अछि?**

(A) दिनेश कैँ

(B) रंजना कैँ

(C) मजहर कैँ

(D) मोदानन्द झा कैँ

**१६३६. पत्र लिखबा मे कतेक वर्षक अन्तरालक उल्लेख अछि?**

(A) ३६ वर्ष

(B) दू वर्ष

(C) १५ दिन

(D) आठ दिन

**१६३७. वक्ता केना अपन असफलता पर खीझैत अछि?**

(A) उत्साही पत्र-लेखक आ दायित्व-निभाउने व्यक्ति नहि बनि सकल

(B) गायन नहि सीखल

(C) बाँस नहि रोपल

(D) मेला नहि देखल

**१६३८. वक्ता मनमे कोन भय/शंका उठबैत अछि?**

(A) पत्र लौटि सकैत, प्राप्तकर्ता जीवित नहि हो सकैत

(B) पत्र तुरन्त छपि जाएत

(C) चिड़ै खसत

(D) मीटर लगत

**१६३९. दशमीक संदर्भ मे वक्ता की आशा करैत अछि?**

(A) दिनेश गाम आबि सकैत अछि, पत्र परिवार सहेजि राखत

(B) सभ विदेश पलायत

(C) मेला बन्द

(D) पत्र नहि पहुँचत

**१६४०. 'दू पत्र'क मूल आरम्भिक तनाव की अछि?**

(A) स्मृति, अपराध-बोध, समय-अन्तराल आ सम्पर्क-पुनर्स्थापन

(B) केवल भोज

(C) केवल नीति-विवाद

(D) केवल प्रकृति-चित्र

## खण्ड ४१९ : विदेह-सदेह १ — ‘दू पत्र’: सी.एम. कॉलेज, मित्रता आ स्मृति

**१६४१. वक्ता आ दिनेशक मित्रता कतेक वर्ष संग रहबाक कारणे गहिर कहल गेल?**

(A) चारि वर्ष

(B) एक दिन

(C) दस मास

(D) बीस वर्ष

**१६४२. वक्ता कॉलेजक कोन भवन/भागक स्मृति करैत अछि?**

(A) सी.एम. कॉलेजक आर्ट्स ब्लॉक

(B) दुर्गा मन्दिर

(C) शंकरदेव कलाक्षेत्र

(D) बिजली ऑफिस

**१६४३. कॉलेज स्मृतिमे कोन नदीक किनार/किछेरक उल्लेख अछि?**

(A) बागमती

(B) टेम्स

(C) कोसी

(D) गंगा मात्र

**१६४४. कॉलेजक ‘गर्ल्स कॉमन-रूम’ कथा-स्मृति मे कोना वर्णित अछि?**

(A) रहस्यमय

(B) सरकारी कार्यालय

(C) मछली बाजार

(D) युद्धस्थल

**१६४५. वाइस प्रिंसिपल हुसैन साहबक तर्जनी उठिते छात्रसभ की करैत छल?**

(A) सीढ़ीसँ नीचा भागैत छल

(B) गीत गाबैत छल

(C) पत्र लिखैत छल

(D) भोजन करैत छल

**१६४६. रीनिता नामक सहपाठी ककर अपूर्व संयोग कहल गेल?**

(A) लक्ष्मी आ सरस्वती

(B) शिव आ शक्ति

(C) माछ आ नदी

(D) पत्र आ टिकट

**१६४७. रीनिताक लेख का शीर्षक छल?**

(A) Exclusively ours

(B) दू पत्र

(C) माहुर

(D) हारल मनुक्ख

**१६४८. रीनिताक कॉलेज छोड़बाक बाद वक्ता की अनुभव करैत अछि?**

(A) शीर्षकक तात्पर्य आजुओ बूझबा मे कठिनाई

(B) पूर्ण विस्मरण

(C) हर्षोल्लास

(D) प्रशासनिक राहत

**१६४९. कॉलेजक वर्णनमे पक्षी-झुंड आ कलरवक बिम्ब की देत अछि?**

(A) युवा-संसारक जीवंतता

(B) भ्रष्टाचार

(C) शराब

(D) रिश्वत

**१६५०. 'दू पत्र'क कॉलेज-स्मृति भागक साहित्यिक भूमिका की अछि?**

(A) पत्र लिखबाक आवेगकेँ साझा अतीतक दृश्य-संपदा देब

(B) अर्थशास्त्र पढ़ाब

(C) पुलिस रिपोर्ट

(D) भोजन-रेसिपी

## खण्ड ४२० : विदेह-सदेह १ — 'दू पत्र': नन्दी, मौन प्रेम आ सामाजिक दूरी

**१६५१. वक्ता कोन सहपाठीक आँखिक चमक आजुओ स्मरण करैत अछि?**

(A) नन्दी टाइटलवाली बंगालिन सहपाठी

(B) कामिनी

(C) माने

(D) रंजना

**१६५२. नन्दी प्रसंगमे एक सहपाठी लड़का की कएलक?**

(A) हुनकर नाम लैत जहर खा लेलक

(B) पत्र जरा देलक

(C) बस रोकलक

(D) मेला लगौलक

**१६५३. लड़का किएक बचि गेल?**

(A) समये पर अस्पताल पहुँचाओल गेल

(B) पत्र लौटि गेल

(C) मेला बन्द भेल

(D) शराब बन्द भेल

**१६५४. नन्दीक प्रतिक्रिया कथावाचक कोना बतबैत अछि?**

(A) कोनो प्रतिक्रिया, हलचल नहि; सब सामान्य

(B) तीव्र क्रन्दन

(C) नृत्य

(D) पत्राचार

**१६५५. नन्दी कोन ग्रुपमे टॉप कएलक?**

(A) English Honours Group

(B) Math Group

(C) Music Group

(D) Theatre Group

**१६५६. वक्ता ओ जमाना केँ किएक 'बेजाय' कहैत अछि?**

(A) लड़का-लड़कीमे बातचीतक संचार नहि होइत छल

(B) बस नहि छल

(C) कम्प्यूटर छल

(D) चिड़ै खसैत छल

**१६५७. वक्ता आ दिनेशक मुँहसँ कौन शब्द नहि फुटल?**

(A) Congratulations

(B) माहुर

(C) सेवा

(D) बी.डी.ओ.

**१६५८. ‘कॉलेज आ संवेदनशील घटना’क सम्बन्ध कथामे कोना कहल गेल?**

(A) एक-दोसरक पर्याय जकाँ

(B) पूर्ण असंबद्ध

(C) कानूनी मसला

(D) न्यूक्लियर नीति

**१६५९. नन्दी प्रसंग ‘दू पत्र’मे की खोलैत अछि?**

(A) युवा-प्रेम, सामाजिक मौन आ स्मृति-लज्जाक त्रिकोण

(B) भोजनक विधि

(C) रिश्वत

(D) पक्षी-संरक्षण

**१६६०. दिनेशकेँ पत्र लिखबासँ एहि प्रसंगक सम्भावित भूमिका की?**

(A) ओहो एहि घटना पर स्मृति/चर्चा करितथि

(B) ओ मीट किनत

(C) ओ मेला लगायत

(D) ओ चिड़ै बचायत

## खण्ड ४२१ : विदेह-सदेह १ — ‘दू पत्र’: सीमा, पहाड़क गीत आ राममणि

**१६६१. वक्ताक जन्मभूमि आ कर्मभूमि कोन देश-संयोगमे देखायल गेल?**

(A) नेपाल

(B) इंग्लैंड

(C) असम

(D) मुम्बई

**१६६२. वक्ता सीमा-जीवनक मजा कोना कहैत अछि?**

(A) कखन उत्तराभिमुख, कखन दक्षिणाभिमुख

(B) केवल एक दिशा

(C) केवल विदेश

(D) पूर्ण निर्वासन

**१६६३. दूटा संस्कृति मिश्रित जीवनक भाव की कहल गेल?**

(A) उत्फुल्लता

(B) घृणा

(C) मौन

(D) बन्धन

**१६६४. पहाड़क गीत आ समुद्रक लहरि सम्बन्धी रूपक की संकेत करैत अछि?**

(A) भाषा भिन्न मुदा भाव एक

(B) मौसम रिपोर्ट

(C) युद्ध

(D) व्यापार

**१६६५. १९७१ क स्मृतिमे आयोजन कतय भेल?**

(A) काठमांडूसँ दूर उत्तर बालाजू उद्यानसँ ऊपर पहाड़ी पर

(B) पानापुर

(C) जटिंगा

(D) दरभंगा बैंक

**१६६६. वनभोज समारोहमे नाचक दृश्य कोना बतायल गेल?**

(A) लड़का-लड़की भेद बिना निर्विकार नाच

(B) पूर्ण निषेध

(C) केवल पुरुष

(D) केवल सैनिक

**१६६७. वक्ता अपना समाजक कौन अवरोध बतबैत अछि?**

(A) लज्जा कलाकेँ प्रस्फुटित नहि होबय दैत अछि

(B) अत्यधिक गीत

(C) बहुत बर्फ

(D) पक्षी हमला

**१६६८. वनभोजमे गीत के गओलक?**

(A) राममणि

(B) दिनेश

(C) मजहर

(D) बिदेसरा

**१६६९. गीत सुनि एक प्रशिक्षार्थी/शिक्षिकाक आँखिसँ की बहय लगल?**

(A) नोर

(B) हँसी

(C) धुँआ

(D) शराब

**१६७०. वक्ता राममणिक पता कखन धरि संजोने अछि?**

(A) डायरीमे, भले पन्ना जीर्ण-शीर्ण भऽ गेल

(B) कम्प्यूटर फाइलमे मात्र

(C) मेला पोस्टरमे

(D) मन्दिरक दीवार पर

## खण्ड ४२२ : विदेह-सदेह १ — डॉ. बलभद्र मिश्र: मोदानन्द झा पंजीकार संस्मरण

**१६७१. डॉ. बलभद्र मिश्रक आलेख ककर संस्मरण अछि?**

(A) स्व. पं. मोदानन्द झा जी

(B) केदारनाथ चौधरी

(C) कुमार मनोज

(D) अयोध्यानाथ

**१६७२. मोदानन्द झा जी कोन क्षेत्रक श्रेष्ठ व्यक्ति कहल गेलाह?**

(A) पंजीकारिता/पंजी-शास्त्र

(B) कम्प्यूटर

(C) नौकाविहार

(D) शिकार

**१६७३. मोदानन्द झा जी कतय प्रतिवर्ष जाइत छलाह?**

(A) सौराठ सभा गाछी

(B) जटिंगा

(C) लंदन

(D) टेम्स नदी

**१६७४. सौराठ सभागाछीमे ओ की आदान-प्रदान/लिपिबद्ध करैत छलाह?**

(A) पूबारी-पछबारी पारक विवाहक सिद्धान्त

(B) कम्प्यूटर बिल

(C) पक्षी सूची

(D) नाटक टिकट

**१६७५. महाराज दरभंगाक अध्यक्षतामे आयोजित कोन परीक्षामे ओ प्रथम स्थान पेलनि?**

(A) पंजीकार धौत परीक्षा

(B) कम्प्यूटर परीक्षा

(C) सैनिक परीक्षा

(D) संगीत परीक्षा

**१६७६. निर्णायक मंडलमे केहन विद्वानक उल्लेख अछि?**

(A) महामहोपाध्याय सर गंगानाथ झा सम प्रभृति विद्वान

(B) कुयेक

(C) रिक्शावाला

(D) बिदेसरा

**१६७७. लेखकक मोदानन्द झा जीसँ सम्पर्क कहिया सँ बनल?**

(A) १९५५ मे विवाहक बाद

(B) २००७ मे

(C) १९१४ मे

(D) दशमीमे

**१६७८. मोदानन्द झा जी वर-कन्याक अधिकार देखैत काल पंजी-पोथा किएक उलटैत छलाह?**

(A) गलती नहि भऽ जाए, ताहि सावधानीसँ

(B) उन्हें किछु याद नहि छल

(C) मेला सजाबय

(D) कविता लिखय

**१६७९. मोदानन्द झा जीक स्वभाव कोना रेखांकित अछि?**

(A) सदाचार-संपन्न, अहंकार-मुक्त, स्नेही

(B) घमण्डी

(C) अव्यवस्थित

(D) हिंस्र

**१६८०. मोदानन्द झाक पुत्र विद्यनन्द झा/मोहनजी संबंधी आशा की व्यक्त अछि?**

(A) पंजीकारितामे निष्ठापूर्वक मनोयोग रखने छथि

(B) थिएटर छोड़ि देलनि

(C) बिजली ऑफिसमे

(D) जटिंगा गेला

## खण्ड ४२३ : विदेह-सदेह १ — भालचन्द्र झा: रंगकर्म, लेखन आ माध्यम

**१६८१. भालचन्द्र झा कतेक भाषामे निष्णात बतायल गेलाह?**

(A) मैथिली, हिन्दी, मराठी, अंग्रेजी आ गुजराती

(B) केवल मैथिली

(C) केवल अंग्रेजी

(D) केवल संस्कृत

**१६८२. भालचन्द्र झा कतेक वर्षसँ मराठी आ हिन्दी थिएटरमे निर्देशक कहल गेलाह?**

(A) १९७४ सँ

(B) २००८ सँ

(C) १९१४ सँ

(D) १९५५ सँ

**१६८३. हुनका महाराष्ट्र राज्य उपाधि कोन-कोन वर्षमे भेटल?**

(A) १९८६ आ १९९९

(B) २००५ आ २००७

(C) १९१४ आ १९१७

(D) १९५८ आ १९५९

**१६८४. भालचन्द्र झा आइ.एन.टी. लेल कोन नाटक निर्देशित केलनि?**

(A) सीता

(B) माहुर

(C) दू पत्र

(D) हारल मनुक्ख

**१६८५. 'वासुदेव संगति'सँ हुनक सम्बन्ध कोन क्षेत्रसँ जुड़ल अछि?**

(A) लोककलाक शोध आ प्रदर्शन

(B) बिजली विभाग

(C) आणविक समझौता

(D) पत्राचार

**१६८६. भालचन्द्र झा विकलांग बाल लेल ककर माध्यमसँ जुड़ल छथि?**

(A) थिएटर

(B) कम्प्यूटर बैंकिंग

(C) जंगल शिकार

(D) पान दुकान

**१६८७. हुनक टीवी-मीडिया कार्यमे कोन मराठी दैनिक धारावाहिकक उल्लेख अछि?**

(A) आभलमया

(B) माहुर

(C) उगना हाल्ट

(D) मकड़ी

**१६८८. बच्चाक लेल कठपुतली शोक रूपमे कोन नाम उल्लेखित अछि?**

(A) बैंगन राजा

(B) माहुर

(C) दू पत्र

(D) नव-वर्ष

**१६८९. भालचन्द्र झा एखन कोन रूपमे कार्यरत बतायल गेलाह?**

(A) फ्री-लांस लेखक-निर्देशक

(B) बैंककर्मी

(C) पंजीकार

(D) कुयेक

**१६९०. भालचन्द्र झाक परिचयक मुख्य बोध की अछि?**

(A) मैथिली मूलक कलाकारक बहुभाषी-बहुमाध्यम रंग-संसार

(B) केवल ग्रामीण कथा

(C) केवल कम्प्यूटर शिक्षा

(D) केवल लोकगीत

## खण्ड ४२४ : विदेह-सदेह १ — भालचन्द्र झा: 'अस्तित्व' आ 'हमर माय'

**१६९१. 'अपन अस्तित्वक असली मोल' कविता मे अस्तित्व बुझबाक लेल ककरा पूछबाक कहल गेल?**

(A) सुकरात कैँ

(B) बिदेसरा कैँ

(C) मजहर कैँ

(D) पोस्टमैन कैँ

**१६९२. अस्तित्व कविता मे क्रम कोन दिस सँ कोन दिस घटैत अछि?**

(A) विश्वक नक्शा सँ देश, राज्य, जिला, गाम, घर आ अपना धरि

(B) घर सँ जंगल

(C) बस सँ रेस्टोरेंट

(D) पत्र सँ पोस्टमैन

**१६९३. 'विश्वक नक्शा' बिम्बक काम की अछि?**

(A) व्यक्ति-अस्तित्वक लघुता आ जटिल स्थानिकता देखाबय

(B) नौकाविहार

(C) शिकार

(D) रिश्वत

**१६९४. 'हमर माय' कविता मे वक्ता जन्मक बाद मायक पहिल दृश्य कतय देखैत अछि?**

(A) भनसिया घरमे

(B) कम्प्यूटर कक्षमे

(C) बैंकमे

(D) जटिंगा पहाड़ी पर

**१६९५. माय तीतल जारैनक धुआँमे की करैत रहय?**

(A) धधरा/आगिक आवाहन

(B) पत्र लिखैत

(C) मीट किनैत

(D) चिड़ै पकड़ैत

**१६९६. कविता मे मायकैँ आन कोनो ठाम नहि देखल गेल, मुख्यतः कतय देखल गेल?**

(A) कोनटा घरक ऐँठार, अँगना, जारैन, जाँत, ढेकी आदि घरेलू श्रमस्थल

(B) विश्वविद्यालय

(C) टेलीविजन स्टूडियो

(D) चबूतरा

**१६९७. ‘सभक ऐँठ पखारैत’ पंक्ति मायक कोन रूप देखबैत अछि?**

(A) परिवारक अविराम सेवा आ अपमानित श्रम

(B) राजकीय सत्ता

(C) विदेश-यात्रा

(D) आणविक नीति

**१६९८. ‘हमर माय’मे मायक शरीर/समय कोना उपस्थित अछि?**

(A) लगातार घरेलू काममे खपैत

(B) निष्क्रिय दर्शक

(C) मेला-कलाकार

(D) पत्रलेखक

**१६९९. भालचन्द्र झाक दूनू कविता मे साझा प्रश्न की अछि?**

(A) अस्तित्वक मूल्य—व्यक्ति, घर, मातृत्व आ श्रमक आधार पर

(B) बिजली मीटर

(C) पक्षी-शिकार

(D) रिश्वत

**१७००. ‘हमर माय’क साहित्यिक शक्ति की अछि?**

(A) मातृ-स्तुति कैँ घरेलू श्रमक करुण यथार्थसँ जोड़ब

(B) केवल हास्य

(C) केवल नीति-विवाद

(D) केवल सूचना-सूची

## खण्ड ४२५ : विदेह-सदेह १ — भरत माँझी: “हमर घुरलाक बाद”

**१७०१. भरत माँझीक “हमर घुरलाक बाद” कविता मे वक्ता अपन घुरलाक बाद की खाली नहि छोड़बाक आग्रह करैत अछि?**

(A) ओहि स्थानकैँ

(B) गामक हाटकैँ

(C) पोथीक जिल्दकैँ

(D) राजपाटक आसनकैँ

**१७०२. कविता मे फूलसभक संग कोन दृष्टि अपनएबाक कहल गेल अछि?**

(A) टटका वा मौलाएल, दुनूक महत्व बुझबाक

(B) केवल टटका फूल राखबाक

(C) सभ फूल फेकबाक

(D) केवल रंग गिनबाक

**१७०३. “नुकाएल भोथिआएल स्वप्न” खोलबाक आग्रह कोन भाव जगबैत अछि?**

(A) दबायल सपना कैँ फेर सँ अलंकृत करबाक भाव

(B) सपना छोड़ि देबाक भाव

(C) व्यापार बन्द करबाक भाव

(D) राजनीति नकारबाक भाव

**१७०४. सभ ठामक लैम्प कैँ उनटि देबाक बिम्ब की संकेत करैत अछि?**

(A) अन्हारक विरुद्ध सक्रिय हस्तक्षेप

(B) अन्हार स्वीकार करब

(C) दीप बुतायब

(D) मौन तमाशा देखब

**१७०५. कविता मे समुद्र आ आकाश प्रति “घृणा नहि” किएक कहल गेल अछि?**

(A) भय वा विपत्ति बीचो व्यापक प्रकृति सँ द्वेष नहि करबाक लेल

(B) प्रकृति नष्ट करबाक लेल

(C) आकाश बेचबाक लेल

(D) समुद्र सुखायबाक लेल

**१७०६. “पृथ्वीकेँ सममिश्रित स्थान” बुझबाक बात कोन मूल्य व्यक्त करैत अछि?**

(A) विविधता आ सह-अस्तित्वक मूल्य

(B) एकरूप दमन

(C) जातीय घमण्ड

(D) भाषिक उपेक्षा

**१७०७. कविता मे “बाट ताकू” कहब ककर प्रतीक्षा बनैत अछि?**

(A) वक्ताक पुनरागमन आ स्मृतिक पुनर्संयोग

(B) दुकानक ग्राहक

(C) बैंक आदेश

(D) चुनावी भाषण

**१७०८. सिरिसवक बीआसँ बाट बाउग करबाक बिम्ब की अर्थ देत अछि?**

(A) छोट बीज सँ भविष्यक राह रोपबाक संकल्प

(B) बीज नष्ट करब

(C) राह रोकब

(D) केवल शोर करब

**१७०९. “हम घुरब”क पुनरुक्ति कविता मे की प्रभाव बनबैत अछि?**

(A) अटल वापसी आ स्मृति-निष्ठाक आश्वासन

(B) निराश पलायन

(C) पूर्ण विस्मृति

(D) आत्मसमर्पण

**१७१०. भरत माँझीक कविता संपूर्ण रूपेँ कोन भावपर आधारित बुझाइत अछि?**

(A) अनुपस्थिति, स्मृति, प्रतिरोध आ धरतीसँ लगाव

(B) दरबारी विनोद

(C) सिर्फ व्यापार

(D) यांत्रिक सूचना

## खण्ड ४२६ : विदेह-सदेह १ — भरत माँझीक कवितामे जागरण आ पृथ्वी-बोध

**१७११. “रहू जागल” पंक्ति कविता मे कोन नैतिक आग्रह अछि?**

(A) स्मृति आ जिम्मेदारी प्रति सजग रहबाक

(B) उदासीन रहबाक

(C) स्थान छोड़बाक

(D) घृणा फैलायबाक

**१७१२. कविता मे अन्हारक प्रति रवैया की अछि?**

(A) अन्हारकेँ रोकबाक, मुदा जगतसँ घृणा नहि करबाक

(B) अन्हारक पूजा करबाक

(C) समुद्र नकारबाक

(D) आकाशसँ बदला लेबाक

**१७१३. मौलाएल फूल न फेकबाक आग्रह कोन सामाजिक अर्थ खोलैत अछि?**

(A) पुरान, थाकल वा भूला देल वस्तुक मूल्य बचाएब

(B) केवल चमकदार वस्तु मानब

(C) बुजुर्ग स्मृति हटाएब

(D) साहित्यक अवमानना

**१७१४. "नुकाएल स्वप्न" अलंकृत करबाक पंक्ति कोन प्रक्रिया संकेत करैत अछि?**

(A) दबा देल आकांक्षा कैँ प्रतिष्ठा देबाक

(B) स्वप्नक उपहास

(C) जड़ता

(D) हिंसा

**१७१५. कविताक वक्ता अपन लौटबाक घोषणा कुन धरतीपर करैत अछि?**

(A) एहि एकमात्र पृथ्वीपर

(B) कोनो कृत्रिम नगरपर

(C) राजसिंहासनपर

(D) दुकानक बरामदा पर

**१७१६. कविता मे "स्थान" आ "पथ" दुनू बिम्ब मिलि की रचैत अछि?**

(A) स्मृति सँ यात्रा आ भविष्य धरिक सेतु

(B) स्थिर बन्दीपन

(C) केवल बाजार

(D) कानूनी आदेश

**१७१७. कविता मे वक्ता अनुपस्थित होइतहुँ पाठक/श्रोता सँ की करब चाहैत अछि?**

(A) सक्रिय संरक्षण आ प्रतीक्षा

(B) सबटा विसरब

(C) सिर्फ मनोरंजन

(D) झूठा उत्सव

**१७१८. "समुद्र देखू" पंक्ति मे घबराहट नहि करबाक आग्रह केहन मनोदशा बनबैत अछि?**

(A) विस्तृत, धैर्यपूर्ण आ साहसी मनोदशा

(B) संकुचित भय

(C) घृणात्मक आवेग

(D) मिथ्या अहंकार

**१७१९. एहि कवितामे प्रकृति मुख्यतः कोन रूपमे अछि?**

(A) मानवीय स्मृति आ आशाक सहचर

(B) शत्रु

(C) सिर्फ सजावट

(D) कर-व्यवस्था

**१७२०. भरत माँझीक कविता पाठक कैँ अन्ततः कोन काज सौंपैत अछि?**

(A) स्थान, सपना, प्रकाश आ पथक रक्षा

(B) नाम-सूची बनायब

(C) मूल्य गिनब

(D) दोषारोपण करब

## खण्ड ४२७ : विदेह-सदेह १ — भवनाथ “दीपक”: अभियान गीत

**१७२१. भवनाथ “दीपक”क “अभियान गीत”क आरम्भिक पुकार की अछि?**

(A) उठह, चलह, बढह

(B) रुकह, सुतह, छोड़ह

(C) किनह, बेचह, भागह

(D) मौन रहू, झुकू, डेरू

**१७२२. गीत मे घरक भेदभाव कैँ की बुझबाक कहल गेल अछि?**

(A) शत्रुक आगमनक संकेत

(B) मैत्रीक आधार

(C) उत्सवक नियम

(D) व्यक्तिगत मनोरंजन

**१७२३. “आन सँग एक बुद्धि भेल” पंक्ति कोन लक्ष्य दैत अछि?**

(A) समूहक साझा बुद्धि आ संयुक्त दिशा

(B) अलगाव

(C) जातीय दर्प

(D) निजी स्वार्थ

**१७२४. गीत मे “विश्व मंच” पर कोन दावा अछि?**

(A) हम उचित जगह लेब

(B) हम हटि जाएब

(C) हम मौन रहब

(D) हम भाषा छोड़ब

**१७२५. “जाति–पाँति वर्ण धर्म भेदभाव हीन” पंक्ति कोन समाज-दृष्टि व्यक्त करैत अछि?**

(A) समावेशी, भेदरहित समाज

(B) विभाजनकारी समाज

(C) सत्ता-केन्द्रित समाज

(D) मौन दर्शक समाज

**१७२६. गीत मे श्रमिक, कृषक, बुद्धिजीवी आ उद्यमी सभकैँ कोना जोडल गेल अछि?**

(A) एक सूत्रमे गूँथल विविध व्यक्ति-समूह

(B) अलग-अलग शत्रु

(C) राजकर्मक बाधा

(D) सिर्फ दर्शक

**१७२७. “भुक्ति मुक्ति हेतु” पंक्ति कोन दोहरा लक्ष्य खोलैत अछि?**

(A) जीवन-यापन आ आत्मिक/सामाजिक मुक्ति

(B) केवल भोज

(C) केवल युद्ध

(D) केवल मेला

**१७२८. गीत मे एकताक सेतु की करबाक साधन बनैत अछि?**

(A) हित-माटि संग जुड़ि सामूहिक रक्षा

(B) निजी लाभ

(C) दूर रहब

(D) विवाद बढ़ायब

**१७२९. “सब प्रबुद्ध, सब सचेत” कोन भाव पैदा करैत अछि?**

(A) जन-जागरण आ सक्रिय नागरिकता

(B) नींद आ सुस्ती

(C) भ्रम आ पलायन

(D) अनुकरण मात्र

**१७३०. “अल्पप्राण” कहबाक प्रतिवाद गीतमे ककर लेल अछि?**

(A) मैथिल/मैथिलीक पुत्रक सामर्थ्य सिद्ध करबाक लेल

(B) शत्रुक प्रशंसा लेल

(C) भाषा छोड़बाक लेल

(D) निष्क्रियता लेल

## खण्ड ४२८ : विदेह-सदेह १ — भवनाथ “दीपक”: जागरण, लक्ष्य आ शत्रु-मित्र विवेक

**१७३१. “लक्ष्य चीन्हि लेल” पंक्ति अभियानक कुन चरणक सूचना दैत अछि?**

(A) सचेत लक्ष्य-निर्धारण

(B) दिशाहीन भटकाव

(C) आराम

(D) समर्पण

**१७३२. “निधि चीन्हि लेल” पंक्ति कैँ कोना बुझल जा सकैत अछि?**

(A) अपन संसाधन आ मूल्य पहचानबाक आग्रह

(B) संसाधन फेकबाक आग्रह

(C) ऋण बढ़ायब

(D) भाषा विसरब

**१७३३. “शत्रु–मित्र केर भेद–विधि” चीन्हबाक आग्रह कोन चेतना बनबैत अछि?**

(A) राजनीतिक-सामाजिक विवेक

(B) अंध-उत्साह

(C) सर्वस्वीकार

(D) कर्महीनता

**१७३४. गीतक त्रयी “उठह-चलह-बढह” बार-बार आबि की करैत अछि?**

(A) सामूहिक गति आ अभियानक ताल बनबैत अछि

(B) कथा रोकैत अछि

(C) विरह बढ़बैत अछि

(D) व्यापार सूची दैत अछि

**१७३५. भवनाथ “दीपक”क गीतमे मातृभूमि ककर रूपमे उपस्थित अछि?**

(A) तिरहुतिक माटि/जन्मभूमि

(B) बाजारक गोदाम

(C) कम्प्यूटर प्रयोगशाला

(D) बैंक कक्ष

**१७३६. “जन्मभूमि प्राण हेतु ठाढ़ हुअह” मे कोन आह्वान अछि?**

(A) जननी-भूमि लेल तन-मन सँ खड़ा होयबाक

(B) मायभूमि छोड़बाक

(C) भेदभाव बढ़ायबाक

(D) अवसर टारबाक

**१७३७. गीतमे शत्रुकेँ “भैरवक स्वरूप” देखाय देबाक भाव की अछि?**

(A) साहसिक प्रतिरोधक कल्पना

(B) डरि भागबाक

(C) शत्रु-वंदना

(D) उदासीनता

**१७३८. “के अलच्छ निन्दमे रहत भसैत चूप?” पंक्ति कोन चेतावनी दैत अछि?**

(A) सुस्ती आ मौन विनाशकारी अछि

(B) नींद श्रेष्ठ अछि

(C) मौन समाधान अछि

(D) भेदभाव लाभदायक अछि

**१७३९. भवनाथक अभियान-गीतक भाषा मुख्यतः केहन अछि?**

(A) नारात्मक, सामूहिक आ ऊर्जस्वी

(B) व्यक्तिगत विलाप मात्र

(C) शुष्क सूचना

(D) हास्य-निबंध

**१७४०. एहि गीतक मूल संदेश की अछि?**

(A) भेद छोड़ि जागू, लक्ष्य चीन्हू, जन्मभूमि लेल बढ़ू

(B) घरमे विभाजन राखू

(C) भाषा छोड़ू

(D) स्मृति मेटू

## खण्ड ४२९ : विदेह-सदेह १ — रामभरोस कापड़ि “भ्रमर”: साहित्यिक परिचय

**१७४१. रामभरोस कापड़ि “भ्रमर”क जन्मस्थल कोन कहल गेल अछि?**

(A) बघचौरा, धनुषा

(B) बलौर, दरभंगा

(C) जगतपुर, सुपौल

(D) सलेमपुर, मधुबनी

**१७४२. हुनक वर्तमान/संपर्कित नगर कोन बतायल गेल?**

(A) जनकपुरधाम

(B) हैदराबाद

(C) गुवाहाटी

(D) लंदन

**१७४३. रामभरोस कापड़ि “भ्रमर”क शैक्षिक परिचयमे कोन उपाधि/अवस्था अछि?**

(A) त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ एम.ए. आ मानद पी.एच.डी.

(B) केवल प्राथमिक शिक्षा

(C) केवल सैन्य प्रशिक्षण

(D) केवल कम्प्यूटर डिप्लोमा

**१७४४. ओ कोन-कोन पत्र/पत्रिकासँ प्रधान सम्पादक/सम्पादन रूपेँ जुड़ल बतायल गेलाह?**

(A) गामघर, जनकपुर एक्सप्रेस, आंजुर, आंगन

(B) केवल बैंक पत्र

(C) केवल विज्ञान-पत्र

(D) केवल खेल पत्रिका

**१७४५. हुनक “बन्द कोठरी: औनाइत धुँआ” कोन विधाक कृति रूपेँ उल्लिखित अछि?**

(A) कविता-संग्रह

(B) नाटक-संग्रह

(C) यात्रावृत्तांत

(D) बैंक रिपोर्ट

**१७४६. “तोरा संगे निह जएबौ रे कुजबा” कृति कोन विधासँ जुड़ल अछि?**

(A) कथा-संग्रह

(B) गीत-संग्रह

(C) चित्रकला-पोथी

(D) पंजी-पुस्तिका

**१७४७. रामभरोस कापड़ि “भ्रमर”क जट-जटिन सम्बन्धी कृति ककर रूपमे अछि?**

(A) लोकनाट्य-अनुसंधान

(B) बालकथा

(C) कम्प्यूटर पाठ

(D) सैनिक संस्मरण

**१७४८. हुनक नेपाली कृतिमे “आजको धनुषा” कोन प्रकारक लेखनसँ जुड़ल अछि?**

(A) धनुषा/जनकपुर क्षेत्रक सांस्कृतिक आलेख

(B) केवल प्रेमगीत

(C) कृषि-हिसाब

(D) रसोई विधि

**१७४९. “नहि आब नहि”क नेपाली अनुवादक शीर्षक की बतायल गेल?**

(A) भयो, अब भयो

(B) समय को चीरकर

(C) माहुर

(D) दू पत्र

**१७५०. रामभरोस “भ्रमर”क परिचयक मुख्य अर्थ की अछि?**

(A) नेपालक मैथिली साहित्य, पत्रकारिता, लोक-संस्कृति आ संस्थागत कर्मक विस्तृत संगम

(B) एकमात्र गीतकार परिचय

(C) केवल राजनैतिक सूची

(D) सिर्फ व्यापारिक परिचय

## खण्ड ४३० : विदेह-सदेह १ — रामभरोस “भ्रमर”: सम्मान, सम्पादन आ सामाजिक सेवा

**१७५१. रामभरोस “भ्रमर” केँ नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठानक कोन पुरस्कारक पहिल प्राप्तकर्ता कहल गेल?**

(A) मायादेवी प्रज्ञा पुरस्कार

(B) नोबेल पुरस्कार

(C) कम्प्यूटर पुरस्कार

(D) विद्युत सेवा पुरस्कार

**१७५२. हुनका “मिथिला रत्न” सम्मान कतयक अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनसँ जुड़ल अछि?**

(A) मुम्बई

(B) जटिंगा

(C) हाफलांग

(D) टेम्स

**१७५३. हुनका दीर्घ पत्रकारिता सेवाक लेल कोन संस्थासँ सम्मान/पुरस्कार भेटल?**

(A) नेपाल पत्रकार महासंघ धनुषा आ जिला विकास समिति धनुषा

(B) रेलवे विभाग

(C) नॉर्थ कछार परिषद

(D) बिजली दफ्तर

**१७५४. सामाजिक सेवा सूचीमे तराई जनजाति अध्ययन प्रतिष्ठानमे हुनक भूमिका की अछि?**

(A) अध्यक्ष

(B) दर्शक

(C) बैंक क्लर्क

(D) रंग-निर्देशक

**१७५५. मैथिली अकादमी, नेपालसँ हुनक सम्बन्ध कोन पद रूपेँ अछि?**

(A) उपकुलपति

(B) छात्र

(C) नौकर

(D) रिक्शावाला

**१७५६. नेपालक साझा प्रकाशनक सन्दर्भमे हुनका कोना चिन्हित कएल गेल?**

(A) पहिल मैथिल/मधेसी चेयरमैन

(B) पहिल सैनिक

(C) पहिल बैंक अधिकारी

(D) पहिल चित्रकार

**१७५७. "आँजुर" आ "अंजुली"क उल्लेख हुनक कोन कर्मक्षेत्र देखबैत अछि?**

(A) पत्र-पत्रिका सम्पादन/प्रकाशन

(B) कृषि-व्यवसाय

(C) सैनिक जीवन

(D) बाल-खेल

**१७५८. रामभरोस "भ्रमर"क सम्मान-सूची ककर सूचक अछि?**

(A) मैथिली आ नेपाली सांस्कृतिक क्षेत्रमे व्यापक स्वीकार्यता

(B) सिर्फ निजी प्रसिद्धि

(C) दुकान चलबय

(D) कम्प्यूटर साक्षरता

**१७५९. हुनक सामाजिक भूमिकासभमे "जनकपुर ललित कला प्रतिष्ठान" कोन रूपमे आबैत अछि?**

(A) अध्यक्षीय सांस्कृतिक संस्था

(B) बिजली ऑफिस

(C) पक्षी संरक्षण केन्द्र

(D) रेलवे स्टेशन

**१७६०. एहि परिचय सँ रामभरोस "भ्रमर"क व्यक्तित्वक केहन छवि बनैत अछि?**

(A) लेखक, सम्पादक, संस्कृतिकर्मी आ संस्था-निर्माता

(B) केवल दर्शक

(C) केवल व्यापारी

(D) केवल अभियन्ता

## खण्ड ४३१ : विदेह-सदेह १ — अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन: अनुभव आ नेपाल-भागीदारी

**१७६१. लेखककेँ दिल्लीमे होबयवाला अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलनमे आमंत्रण के देलनि?**

(A) बैजू बाबू

(B) नरेश

(C) भवनाथ दीपक

(D) मजहर

**१७६२. पहिल आयोजनमे लेखक आ डा. विमल किएक नहि जा सकलाह?**

(A) आमंत्रण हड़बड़ी आ अस्पष्ट रूपमे आयल छल

(B) रेल बंद छल

(C) कविता नहि लिखल गेल

(D) कम्प्यूटर खराब छल

**१७६३. दिल्ली आयोजनमे नेपालसँ के सभ गेल रहथि?**

(A) धीरेन्द्र आ कमलेश झा

(B) भालचन्द्र आ भरत

(C) मजहर आ माने

(D) सुजाता आ रंजना

**१७६४. अगिला वर्षक सम्मेलन कतय करबाक घोषणा ओहि अवसर पर भेल?**

(A) काठमांडू

(B) जटिंगा

(C) लंदन

(D) मनीगाछी

**१७६५. बैजू बाबू बादमे जनकपुर किएक अएलाह?**

(A) काठमांडू आयोजनक तैयारी बुझबाक लेल

(B) चिड़ै देखबाक लेल

(C) रिस्क फैक्टर गिनबाक लेल

(D) मीटर फाइल खोजबाक लेल

**१७६६. काठमांडू आयोजनक प्रसंगमे धीरेन्द्र आदि लोक कोना चित्रित छथि?**

(A) पहिले गछनिहार मुदा बादमे पाछाँ हटि गेल

(B) पूरा आयोजन सम्पन्न केलनि

(C) शत्रु बनि गेलाह

(D) नौकाविहार करेलनि

**१७६७. काठमांडू सम्भावना टूटलाक बाद बैजू बाबू कतय आयोजनक ब्यौंत धरौलनि?**

(A) मुम्बई

(B) कोइलख

(C) हाफलांग

(D) टेम्स

**१७६८. लेखक मुम्बई जाएबाक निर्णय ककर विश्वाससँ प्रेरित भेल?**

(A) सम्मेलन भारत-नेपाल विद्वान/मैथिली सेवकक साझा मंच होयत

(B) सिर्फ पर्यटन होयत

(C) व्यापार मेला होयत

(D) सैनिक अभ्यास होयत

**१७६९. मुम्बई यात्राक टिकट व्यवस्था ककर जिम्मा देल गेल?**

(A) चन्द्रेशजी

(B) गुरुजी

(C) बहादुर

(D) लंगथासा

**१७७०. लेखकक अनुभवमे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनक मूल महत्व की छल?**

(A) नेपाल-भारत मैथिली संसारक संवाद आ साझा मंच

(B) केवल पुरस्कार-वितरण

(C) केवल भोजन

(D) केवल यात्रा

## खण्ड ४३२ : विदेह-सदेह १ — सम्मेलनक सकारात्मक अनुभव आ उपयोगिता

**१७७१. कलकत्ता सम्मेलनक तैयारीमे बैजू बाबू लेखक पर कोन अतिरिक्त भार देलनि?**

(A) “मिथिला रत्न”क लेल व्यक्तित्व-चयन

(B) पक्षी-पकड़

(C) बिजली मीटर

(D) बस बुकिंग

**१७७२. रेवती जी कोन नाम सुझौलनि?**

(A) बदरी नारायण वर्मा

(B) ज्योति प्रकाश लाल

(C) कुमार मनोज

(D) गौतम शर्मा

**१७७३. लेखक ककरा उपयुक्त बुझि नाम पठौलनि?**

(A) डा. रामदयाल राकेश कैँ

(B) मजहर कैँ

(C) इजोतया कैँ

(D) नरेश कैँ

**१७७४. कलकत्ता पहुँचला पर स्टेशन पर के ठाढ़ छलथि?**

(A) बैजू बाबू

(B) कुयेक

(C) पोस्टमैन

(D) जटिंगा गाइड

**१७७५. कलकत्ता सम्मेलनमे नेपालक चारी गोट प्रतिनिधिक लेल की व्यवस्था भेल?**

(A) फुटे कोठरीमे आवास आ सम्मान

(B) जंगल-टेंट

(C) बिना आवास

(D) केवल टिकट

**१७७६. लेखकक अनुसार डा. वैद्यनाथ चौधरी बैजूक व्यवहार केहन छल?**

(A) सहज आ अपनत्व भरल

(B) उपेक्षापूर्ण

(C) सिर्फ औपचारिक

(D) कठोर प्रशासनिक

**१७७७. लेखक चेन्नई सम्मेलनक विषयमे की आशा करैत छथि?**

(A) नेपाल महत्वपूर्ण सहभागी रूपमे उपस्थित होयत

(B) नेपाल पूर्णतः अनुपस्थित रहत

(C) केवल व्यापार होयत

(D) भाषा पर चर्चा नहि होयत

**१७७८. सम्मेलन २२ दिसंबरक अधिकार-दिवससँ किएक जुड़ल अछि?**

(A) मैथिलीकेँ अष्टम अनुसूचीमे स्थान भेटलाक स्मरणसँ

(B) चिड़ै-शिकार दिवससँ

(C) नववर्ष भोजसँ

(D) बैंक अवकाशसँ

**१७७९. सम्मेलनमे भेंटघाँट कोन-कोन वर्ग बीच होइत बतायल गेल?**

(A) साहित्यकार, सेवी, भाषाशास्त्री, संगीत आ नृत्यकलाकार

(B) केवल व्यापारी

(C) केवल सैनिक

(D) केवल बैंककर्मी

**१७८०. लेखक सम्मेलनक उपयोगिता कोना देखैत छथि?**

(A) भाषा, साहित्य, संस्कृति लेल योजना, पुस्तक-विमोचन, सम्मान आ प्रतिभा-विकासक मंच

(B) केवल मनोरंजन

(C) केवल भोजन-आवास

(D) केवल राजनीतिक भाषण

## खण्ड ४३३ : विदेह-सदेह १ — सम्मेलनक सुझाव आ नेपाल-भारत सम्बन्ध

**१७८१. लेखकक अनुसार सम्मेलन नेपाल-भारत सम्बन्धमे की करैत अछि?**

(A) प्राचीन सम्बन्धमे ताजापन आनैत अछि

(B) दूरी बढ़बैत अछि

(C) भाषा तोड़ैत अछि

(D) यात्रा रोकैत अछि

**१७८२. मुंबई आ कलकत्ता मे लेखकक भाषणक प्रति दर्शक प्रतिक्रिया कोना बतायल गेल?**

(A) तालीक गड़गड़ाहट

(B) पूर्ण मौन

(C) विरोध

(D) हँसी मात्र

**१७८३. कलकत्ता सम्मेलनमे नेपालसँ संबंधित कोन सामग्री बाँटल गेल?**

(A) “नेपालमे मैथिली” नामक बुकलेट आदि

(B) बैंक फार्म

(C) चिड़ै सूची

(D) मीटर फाइल

**१७८४. रामभरोस कापड़ि “भ्रमर”क कोन पुस्तक कलकत्तामे विमोचित भेल?**

(A) “राजकमलक कथा साहित्यमे नारी”

(B) “माहुर”

(C) “कम्प्यूटर शिक्षाक महत्व”

(D) “अभियान गीत”

**१७८५. लेखक सम्मेलन निरन्तर जारी रहबाक बात किएक करैत छथि?**

(A) अनुभव ओकर औचित्य सिद्ध करैत अछि

(B) क्योंकि केवल पर्यटन अछि

(C) क्योंकि व्यापार लाभ अछि

(D) क्योंकि संवाद निरर्थक अछि

**१७८६. लेखकक पहिल सुझाव बैनर सम्बन्धी की अछि?**

(A) नेपालक प्रतीक-चिह्न अवश्य रहय

(B) केवल अंग्रेजी रहय

(C) बैनर नहि बनय

(D) भाषा हटाय देल जाय

**१७८७. कार्यक्रम-व्यवस्थापन सम्बन्धी लेखक की चाहैत छथि?**

(A) पूर्व-निर्धारित आ व्यवस्थित कार्यक्रम

(B) चलैत बेरमे अव्यवस्थित निर्णय

(C) बिना सूची

(D) मात्र आकस्मिकता

**१७८८. अधिकार-दिवस पर लेखक की जोड़बाक सुझाव दैत छथि?**

(A) केवल भाषण नहि, कार्यपत्र प्रस्तुति आ टिप्पणी

(B) केवल भोज

(C) केवल नृत्य

(D) पूर्ण मौन

**१७८९. नेपालक प्रतिनिधि संबंधी लेखकक अपेक्षा की अछि?**

(A) कार्यपत्र आ बोलबाक अवसर, मंच पर प्रतिनिधित्व

(B) सिर्फ दर्शक बनब

(C) प्रवेश निषेध

(D) नाम हटायब

**१७९०. लेखकक अन्तिम आशा मे सम्मेलन कोन भूमिका निभाबय?**

(A) मैथिली अस्तित्वक संघर्षमे आपसी अपनत्व आ लक्ष्य-शक्ति बढ़ाबय

(B) संबंध कमजोर करय

(C) भाषा विसरबय

(D) सिर्फ स्मारिका बेचय

## खण्ड ४३४ : विदेह-सदेह १ — “फ्लैशबैक”: नरेशक बाल्य-पाठशाला

**१७९१. “फ्लैशबैक” मे नरेश कतेक वर्ष पाछाँ स्मृतिमे लौटैत अछि?**

(A) लगभग पचास वर्ष

(B) पाँच दिन

(C) दू मास

(D) दस हजार वर्ष

**१७९२. नरेशकेँ गुरुजी लग पढ़य लए के लऽ जाइत छल?**

(A) बहादुर नोकर

(B) पोस्टमैन

(C) बैंककर्मी

(D) मजहर

**१७९३. गुरुजीक छड़ी/करची नरेशक बाल-हठ पर की प्रभाव करैत छल?**

(A) जीद हेरा दैत छल

(B) ओकरा राजा बनबैत छल

(C) चिड़ै उड़बैत छल

(D) पत्र लिखबैत छल

**१७९४. नरेश पाटी साफ कय की लिखबाक प्रयास करैत छल?**

(A) क ख ग घ

(B) नववर्ष गीत

(C) बिजली आवेदन

(D) नौकाविहार

**१७९५. गुरुजीक ओतय कंठस्थ करबाक कोन चीजक उल्लेख अछि?**

(A) बटखरा

(B) उपन्यास सूची

(C) शेयर बाजार

(D) नाटक टिकट

**१७९६. चौठचन्दक समय नरेश गुरुजीक संग की करैत घुमैत छल?**

(A) घंटी आ काठक डंटा बजबैत घरे-घरे

(B) मीटर जाँचैत

(C) मछली बेचैत

(D) रेल टिकट काटैत

**१७९७. गुरुजीक डेरापर प्रसाद रूपमे की खेनाइ आनन्ददायक छल?**

(A) गुड़-चाउर

(B) तिलकोर तरुआ

(C) मीट

(D) सिरिसव बीज

**१७९८. हर-हर महादेव बनि गाम घूमबाक प्रसंग कोन आवश्यकता/आशासँ जुड़ल अछि?**

(A) बरखा/पानीक आससँ

(B) बैंक ऋण

(C) चिड़ै शिकार

(D) नववर्ष सजावट

**१७९९. महादेव बनल बच्चाक शरीर पर की लगाओल जाइत छल?**

(A) छाउर, अशोक पात, जूट-सनक जटा आदि

(B) सोना-मोती

(C) सैनिक वर्दी

(D) कम्प्यूटर तार

**१८००. नरेशक स्मृतिमे बाल्य-पाठशाला कोन द्वंद्व रखैत अछि?**

(A) आनन्द, भय, अनुशासन आ लोक-रंगक संग-साथ

(B) केवल हिंसा

(C) केवल खेल

(D) केवल व्यापार

## खण्ड ४३५ : विदेह-सदेह १ — “फ्लैशबैक”: लोकखेल, इजोतिया आ स्मृति

**१८०१. नरेशक बाल-मंडलीमे इजोतिया ककर बेटी बतायल गेल अछि?**

(A) लगुआक बेटी

(B) गुरुजीक बेटी

(C) बैंककर्मी बेटी

(D) जटिंगा गाइडक बेटी

**१८०२. इजोतिया संग नरेश कोन खेल खेलैत प्रसन्न रहैत छल?**

(A) अन्हरिया-इजोरिया

(B) कम्प्यूटर गेम

(C) नौकाविहार

(D) मेला टिकट

**१८०३. इजोरिया रातिमे चानक घेरा संबंधी मायक व्याख्या कोन कल्पना रचैत अछि?**

(A) पुरखासभ इन्द्र भगवान लग पानिक बात करैत छथि

(B) बैंक मीटिंग

(C) चुनावी सभा

(D) रिस्क रिपोर्ट

**१८०४. जट-जटिन गीतमे नरेशक भूमिका की छल?**

(A) नियमित दर्शक

(B) मुख्य गायक मात्र

(C) सरकारी निरीक्षक

(D) बैंक अधिकारी

**१८०५. जट-जटिन मंडलीमे इजोतिया कोना उपस्थित अछि?**

(A) सामिल रहैत अछि

(B) पूरा अनुपस्थित

(C) गुरुजी बनैत अछि

(D) बैंक चलबैत अछि

**१८०६. भतखोखरि बुढ़ियाक अँगनामे मेंढक/पतली फेकबाक प्रसंग कोन लोक-उपद्रव देखबैत अछि?**

(A) बाल्य-शरारत आ बरखा-लोकविश्वासक मिश्रण

(B) कानूनी अनुबंध

(C) कम्प्यूटर पाठ

(D) व्यापारी बैठक

**१८०७. नरेशकेँ रातुक माहौल किएक स्वतंत्र लगैत छल?**

(A) बाबूजी आ बहादुरक डर सँ मुक्त छल

(B) क्योंकि बैंक बंद छल

(C) क्योंकि रेल चलल

(D) क्योंकि पंजी खुलल

**१८०८. इजोतियाक प्रस्ताव पर नरेश की प्रतिक्रिया देलक?**

(A) डेरा कऽ मना कय नासि गेल

(B) स्वीकार कयलक

(C) पत्र लिखलक

(D) गीत गओलक

**१८०९. नरेशकेँ पुरना बात आब किएक मोन पड़ए लगल?**

(A) पोताक उदंडपनीसँ वर्तमान आ अतीत टकरा गेल

(B) नववर्ष कार्डसँ

(C) बैंक ऋणसँ

(D) समुद्र देखिसँ

**१८१०. "फ्लैशबैक"क एहि खण्डक मुख्य साहित्यिक बोध की अछि?**

(A) बाल्य-लोक, शरीर-स्मृति आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चिंता

(B) केवल हास्य

(C) केवल सरकारी योजना

(D) केवल यात्रा-वृत्तांत

## खण्ड ४३६ : विदेह-सदेह १ — "फ्लैशबैक": बचपनक चोट आ वर्तमानक आतंक

**१८११. नरेश अपन पोताक कोन बातसँ परेशान अछि?**

(A) देरी सँ उठब, स्कूल प्रति लापरवाही, कुंडलिया संगत आ नशाक आशंका

(B) बहुत पढ़ब

(C) पत्र लिखब

(D) चित्र बनायब

**१८१२. मायक घुघुमना खेलमे नरेश की अनुभव करैत छल?**

(A) देहमे गुदगुदी आ आनन्द

(B) भय मात्र

(C) भूख मात्र

(D) राग मात्र

**१८१३. नरेश बादमे ककरा संग मायक खेलक नक्कल करैत छल?**

(A) भतीज केँ टाँग पर झुलबैत

(B) गुरुजी केँ

(C) पोस्टमैन केँ

(D) बैंककर्मी केँ

**१८१४. तीर-धनुषक खेलमे नरेशक कोन अंग पर चोट लगल?**

(A) बाम आँखि

(B) दहिना पाँव

(C) कान

(D) पीठ

**१८१५. आँखिक चोट पर माय कोना प्रतिक्रिया देलीह?**

(A) बताह जकाँ व्याकुल भऽ गेलीह

(B) पूर्ण उदासीन

(C) हँसि देलीह

(D) पत्र लिखलीह

**१८१६. आम लूटय काल नरेश केँ दोसर चोट कतय लगल?**

(A) कपार मे, गाछीमे गाड़ल खूँटाक नोक सँ

(B) हाथ मे सुई सँ

(C) कान मे गीत सँ

(D) आँखि मे धुआँ सँ

**१८१७. शिक्षामे पछुआएल परिवारक संघर्ष कथा मे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) सभ्य समाजक अंग बनबा लेल बालक कैँ संघर्ष भोग पड़ल

(B) क्योंकि पढ़ाइ निरर्थक छल

(C) क्योंकि खेल निषेध छल

(D) क्योंकि यात्रा सुखद छल

**१८१८. उमेरक चतुर्थ प्रहरमे नरेश की चाहैत अछि?**

(A) फेर सँ बचपन दिस लौटब

(B) बैंक नौकरी

(C) चिड़ै शिकार

(D) सत्ता-प्राप्ति

**१८१९. वर्तमान समाजक कोन-कोन भय नरेशक जीवन कैँ तनावपूर्ण बनबैत अछि?**

(A) राजनीतिक विद्रूपता, चंदा, अपहरण, हत्या, असुरक्षा

(B) फूल आ दीप

(C) संगीत आ नाच

(D) पानी आ मेघ मात्र

**१८२०. "फ्लैशबैक"क नरेश स्मृति सँ कोन प्रश्न उठबैत अछि?**

(A) स्वच्छन्द बचपन आ असुरक्षित वर्तमानक बीच जीवनक अर्थ

(B) कम्प्यूटर साक्षरता

(C) व्यापार कर

(D) चित्रकला मूल्य

## खण्ड ४३७ : विदेह-सदेह १ — बी.के. कर्ण: संकट गुणक आ मैथिल

**१८२१. बी.के. कर्णक लेख "संकट गुणक" मुख्यतः कोन विषय उठबैत अछि?**

(A) मिथिलाक विकास, मैथिली, पलायन आ जोखिम

(B) केवल प्रेमगीत

(C) केवल चिड़ै विज्ञान

(D) केवल रसोई विधि

**१८२२. लेखकक अनुसार विकासक रास्ता केहन अछि?**

(A) उबड़-खाबड़ आ संघर्षपूर्ण

(B) एकदम सरल

(C) पूर्ण तैयार

(D) अनावश्यक

**१८२३. सर्वांगीण विकासक हेतु लेखक कोन आधार मानैत छथि?**

(A) व्यक्तिगत विकास

(B) पूर्ण निष्क्रियता

(C) भाषा-विस्मृति

(D) कर्महीनता

**१८२४. लेखक मैथिल समाजक सुतल सकारात्मक प्रयासक उपमा कोना दैत छथि?**

(A) उठलापर सिंह जकाँ दहाड़ब वा साँप जकाँ फुफकारब

(B) सदैव मौन रहब

(C) जल्दी भागब

(D) दीप बुतायब

**१८२५. हनुमानजीक उदाहरण ककर संकेत अछि?**

(A) भुलायल शक्ति फेर सँ स्मरण करबाक

(B) भाषा छोड़बाक

(C) दुकान खोलबाक

(D) जंगल काटबाक

**१८२६. प्रवासी आर्थिक सफलताक बावजूद पैघ संकट की कहल गेल?**

(A) सन्तान मिथिला-मैथिल सँ दूर भऽ जाएब

(B) सन्तान अत्यधिक निकट होएब

(C) भाषा स्वतः फैलि जाएब

(D) जोखिम समाप्त होएब

**१८२७. लेखकक कथन "मैथिलक सम्मान मैथिली थीक" कोन दृष्टि देत अछि?**

(A) भाषा केँ सामुदायिक आत्मसम्मानक केन्द्र मानब

(B) भाषा बोझ अछि

(C) भाषा अप्रासंगिक अछि

(D) केवल व्यापार सम्मान अछि

**१८२८. लेखक मैथिली केँ "घरेमे टूअर" कहि कोन पीड़ा व्यक्त करैत छथि?**

(A) अपन घरभितर भाषा उपेक्षित अछि

(B) भाषा बहुत सुरक्षित अछि

(C) कोनो मतभेद नहि

(D) भाषा शासनक शीर्ष पर अछि

**१८२९. पलायनक दुइ स्थिति लेखमे कोन-कोन कहल गेल?**

(A) जीवन-भरण-पोषण आ व्यक्तिगत उद्देश्यक पूर्ति

(B) उत्सव आ मेला

(C) शिकार आ खेल

(D) पत्र आ कविता

**१८३०. लेखक मैथिली-संकटक समाधानक रूपमे की मांगैत छथि?**

(A) कोमल स्पर्श आ भाषा प्रति अथाह लगन

(B) भाषा तोड़ब

(C) उदासीनता

(D) पूर्ण मौन

## खण्ड ४३८ : विदेह-सदेह १ — बी.के. कर्ण: भाषा, पलायन आ आत्मसम्मान

**१८३१. बी.के. कर्ण बंगाली, पंजाबी, मराठीक उदाहरण किएक दैत छथि?**

(A) मातृभाषा प्रति प्राणसँ ऊपर सम्मान देखाबय लेल

(B) उन्हें मैथिली छोड़बाक लेल

(C) व्यापार बंद करबाक लेल

(D) जंगल बचाबय लेल

**१८३२. लेखकक "बिहारीक भाषा की?" प्रश्न की खोलैत अछि?**

(A) बिहारक भाषिक पहचानक उलझन

(B) केवल भोजनक सूची

(C) संगीतक राग

(D) कृषि उपकरण

**१८३३. भोजपुरीक सन्दर्भमे लेखक की स्वीकारैत छथि?**

(A) भोजपुरी सिनेमा उद्योग कैँ सफलता भेटल

(B) भोजपुरी अनुपस्थित अछि

(C) भोजपुरी मृत अछि

(D) भोजपुरी मात्र गाममे अछि

**१८३४. लेखकक अनुसार मिथिलामे मैथिलीक स्थिति केहन अछि?**

(A) कमजोर

(B) अत्यन्त अजेय आ सर्वस्वीकृत

(C) अप्रासंगिक नहि

(D) सैन्य विषय

**१८३५. "मैथिलीकैँ बोझ नहि बुझियौक" कथन कोन आग्रह अछि?**

(A) अनेक भाषा सीखू, मुदा मैथिली नहि छोड़ू

(B) केवल मैथिली छोड़ू

(C) कुनो भाषा नहि सीखू

(D) भाषा पर मौन रहू

**१८३६. मैथिली छोड़निहार मैथिलक विषयमे लेखक कोन कठोर मूल्यांकन करैत छथि?**

(A) ओ मानसिक रूपसँ गरीब भऽ जाइत छथि

(B) ओ पूर्ण समृद्ध होइत छथि

(C) ओ दोषमुक्त छथि

(D) ओ शोधकर्ता बनैत छथि

**१८३७. मैथिल मिथिलाक बाहर मेहनती मुदा भीतर आलसी—एहि कथनक उद्देश्य की अछि?**

(A) स्व-आलोचना द्वारा सामाजिक जड़ता तोड़ब

(B) मिथिला छोड़बाक प्रचार

(C) अन्हार बढ़ायब

(D) हास्य मात्र

**१८३८. गरीबी झेलबाक मानसिकता पर लेखकक प्रश्न की अछि?**

(A) पाँच करोड़ मैथिलक एके रंग भाग्य किएक?

(B) सभी धनी किएक

(C) भाषा किएक

(D) चित्रकला किएक

**१८३९. लेखक मैथिल समाजक मुख्य कमजोरी रूपेँ की कहैत छथि?**

(A) वाक्पटुता बेसी, मौलिक आवश्यकता पूर्तिमे गरीबी

(B) मौन अधिक

(C) व्यापार बहुत अधिक

(D) भाषा अति-सुरक्षित

**१८४०. "स्वस्थ नेताविहीन मैथिल समाज" कथन कोन संकट देखबैत अछि?**

(A) मौलिक हक सँ दूर समाज

(B) हक पूरी तरह मिलल समाज

(C) अतिविकसित व्यापार

(D) अत्यधिक नेतृत्व

## खण्ड ४३९ : विदेह-सदेह १ — बी.के. कर्ण: व्यवसाय, निर्भरता आ जोखिम

**१८४१. बी.के. कर्ण विकसित देश/राज्यक पाछाँ कोन मूल कारण देखैत छथि?**

(A) व्यवसाय-विकास

(B) केवल भाग्य

(C) केवल भाषण

(D) केवल पर्व

**१८४२. लेखकक अनुसार मिथिलामे केकर कमी नहि अछि?**

(A) विद्वान वा ज्ञानी मैथिलक

(B) सिर्फ जंगलक

(C) सिर्फ समुद्रक

(D) सिर्फ चिड़ैक

**१८४३. व्यापारी वर्गक स्थिति लेखमे कोना चित्रित अछि?**

(A) बहुत कम, नोइ बराबरि

(B) अत्यधिक प्रबल

(C) संपूर्ण नियंत्रण

(D) केवल प्रवासी

**१८४४. सिंधी, मारवाड़ी आ पंजाबी समाजक उदाहरण लेखक किएक दैत छथि?**

(A) व्यवसायमे धाक जमायबाक क्षमता देखाबय लेल

(B) मैथिली तोड़बाक लेल

(C) चित्रकला नकारबाक लेल

(D) सैनिक स्मरण लेल

**१८४५. लेखकक आलोचना अनुसार मिथिलाक विद्वान अखबार संबंधी कोन जोखिम नहि उठबैत छथि?**

(A) प्रिन्ट आ बाजारमे आनबाक जोखिम

(B) माँगि पढ़बाक जोखिम

(C) बहस करबाक जोखिम

(D) भाषण देबाक जोखिम

**१८४६. सुइदखोर व्यवसायक विषयमे लेखक की चिन्ता व्यक्त करैत छथि?**

(A) नियमहीन अपराधी सूदखोरी

(B) समुचित बैंकिंग

(C) नैतिक ऋण

(D) पूर्ण दान

**१८४७. मिथिला बैंकक शुरुआत लेखकक अनुसार की कम कए सकैत अछि?**

(A) अपराधी सूदखोर मैथिल कैँ झेलबाक बाध्यता

(B) भाषा-विनाश

(C) कला-विरोध

(D) बाल्य-स्मृति

**१८४८. व्यवसायिक वर्ग २ प्रतिशतो कम कहल जेबाक बात कोन प्रश्न उठबैत अछि?**

(A) मिथिलामे उद्यमक अल्पता

(B) भाषा अति-सुरक्षित

(C) जनसंख्या शून्य

(D) खेती पूर्णतः समाप्त

**१८४९. परिवारमे एक कमाऊ आ बाकी आश्रित सदस्यक चित्रण कोन जोखिम देखबैत अछि?**

(A) निर्भरता, अकर्मण्यता आ भावुक जरूरतक दबाव

(B) पूर्ण स्वावलम्बन

(C) साझा उद्यम

(D) कला-प्रसार

**१८५०. लेखकक अनुसार मिथिलामे जीवनक जोखिम आ व्यापारक जोखिमक विरोधाभास की अछि?**

(A) जीवनक जोखिम सहज लेल जाइत अछि, व्यापारक जोखिम कठिन बुझाइत अछि

(B) दुनू समान सहज

(C) दुनू अनुपस्थित

(D) व्यापारक जोखिम प्रिय

## खण्ड ४४० : विदेह-सदेह १ — वृषेश चन्द्र लाल: जीवन, राजनीति आ “फेकनाक दिआबाती”

**१८५१. वृषेश चन्द्र लालक मूल परिचय कोन क्षेत्रसँ जुड़ल अछि?**

(A) राजनीतिक कर्म आ लोकतान्त्रिक संघर्ष

(B) कम्प्यूटर शिक्षा

(C) पक्षी विज्ञान

(D) रसोई

**१८५२. नेपालमे लोकतंत्र लेल संघर्षक क्रममे हुनका कतेक बेर गिरफ्तार कहल गेल?**

(A) १७ बेर

(B) एक बेर

(C) सात बेर

(D) शून्य बेर

**१८५३. हुनका लगभग कतेक वर्ष जेलमे रहल कहल गेल?**

(A) ८ वर्ष

(B) एक मास

(C) बीस दिन

(D) ३० वर्ष

**१८५४. वृषेश चन्द्र लालक “फेकनाक दिआबाती” मे दीवाबातीक चमकसँ ककर छाया दिस ध्यान अछि?**

(A) फेकना/अभावग्रस्त लोक दिस

(B) राजमहल दिस

(C) व्यापार मंडी दिस

(D) बैंक फाइल दिस

**१८५५. कविता मे फेकना किएक तेल बुताएल दिया ताकैत अछि?**

(A) एक मुट्ठी भात आ तिलकोर तरुआक लोभे

(B) पुरस्कार लेल

(C) पक्षी पकड़य लेल

(D) नाटक टिकट लेल

**१८५६. फुलझड़ी, अनार, भुइँपटका आ फटाका कात राखबाक अर्थ की अछि?**

(A) चमकदार उत्सवसँ हटि उपेक्षित भूख दिस देखब

(B) उत्सवक बढ़ाई मात्र

(C) राजनीतिक भाषण

(D) व्यापार सूची

**१८५७. “फेकनाक दिआबाती” मे उत्सवक सौन्दर्य ककर विरुद्ध रखल गेल?**

(A) गरीबी आ भोजन-अभावक विरुद्ध

(B) भाषा-गौरव विरुद्ध

(C) चित्रकला विरुद्ध

(D) जंगल विरुद्ध

**१८५८. वृषेशक परिचयमे बी.पी. कोइरालासँ सम्बन्ध कोना आवैत अछि?**

(A) कोइरालाक प्रति प्रतिबद्ध राजनीतिक अनुयायी रूपमे

(B) कला-गुरु रूपमे

(C) बैंक मैनेजर रूपमे

(D) पक्षीशास्त्री रूपमे

**१८५९. हुनक प्रकाशित कार्यमे “मोदिआइन”क मैथिली रूपान्तरण की संकेत करैत अछि?**

(A) नेपाली राजनीतिक-साहित्यिक परंपरासँ मैथिली संवाद

(B) सिर्फ बाल-गीत

(C) सिर्फ व्यापार-पत्र

(D) सिर्फ नाटक टिकट

**१८६०. “फेकनाक दिआबाती”क सामाजिक केन्द्र की अछि?**

(A) उत्सवक चमकक भीतर छूटल मनुष्यक भूख

(B) राजसी भोज

(C) कम्प्यूटर प्रशिक्षण

(D) जंगल यात्रा

## खण्ड ४४१ : विदेह-सदेह १ — वृषेश चन्द्र लाल: “क्षणक छनाक”

**१८६१. “क्षणक छनाक”क पहिल बिंदु शासन लेल की चाहैत अछि?**

(A) अनुशासन

(B) अराजकता

(C) मौन

(D) निष्क्रियता

**१८६२. “लाल पहाड़ / महाभारतबला? / खूनक ढेरी!” बिम्ब की संकेत करैत अछि?**

(A) हिंसक इतिहास आ रक्त-राजनीति

(B) फूलबारी

(C) नौकाविहार

(D) बालखेल

**१८६३. “मीत अपने / हएबन्हि, ओ किछु / अओर छथिन!” पंक्ति कोन चेतना दैत अछि?**

(A) दिखावटी मित्रता पर संशय

(B) पूर्ण विश्वास

(C) अंध-समर्पण

(D) मौसम वर्णन

**१८६४. “एकता माने / सभलेल नै खाली / एकटाले” पंक्ति कोन सुधार सुझबैत अछि?**

(A) एकता सामूहिक हित लेल, एक व्यक्तिक लेल नहि

(B) एकताक निजीकरण

(C) नेता-पूजा

(D) मौन समाज

**१८६५. “गढै अछि शब्द / काबिलसभ, बात / चिबबैलेल” मे कोन व्यंग्य अछि?**

(A) बुद्धिजीवी शब्द बनबैत छथि मुदा बात चबायल जाइत अछि

(B) शब्दक अनुपस्थिति

(C) मौन श्रेष्ठता

(D) भाषा-विनाश

**१८६६. “सफल भेल / अपनेस? जरूर / फेरल हैत!” कोन मनोदशा पर चोट अछि?**

(A) सफलताक श्रेय आ आत्म-केन्द्रित व्यंग्य

(B) निःस्वार्थ सेवा

(C) सामूहिक श्रम

(D) शान्ति

**१८६७. “सनकी अछि / दोष देखोनिहार / धरतीपर!” पंक्ति कोन सामाजिक प्रवृत्ति पर बोलैत अछि?**

(A) दोष देखनिहार कैँ सनकी कहि खारिज करब

(B) दोष मानि सुधारब

(C) सत्य स्वीकारब

(D) भाषा रक्षा

**१८६८. “बरियातमे / छिटल गेल इत्र / गन्हाइ छलै!” कोन विरोधाभास अछि?**

(A) सुगन्धक दावा आ दुर्गन्धक यथार्थ

(B) साफ-सुथरा भोज

(C) पूर्ण शांति

(D) सफल विवाह

**१८६९. “पुरान मन / रचतै युग नव? / नइ हेतै!” कोन निष्कर्ष दैत अछि?**

(A) पुरानी मानसिकता सँ नया युग नहि बनत

(B) पुरान मन पर्याप्त अछि

(C) नवयुग असम्भव नहि

(D) इतिहास निरर्थक

**१८७०. “गैंडाक खाक / ओकर शिकारक / कारण थिक!” मे कोन व्यंग्य सम्भव अछि?**

(A) शिकारक तर्क अपने निर्मित कारणसँ बनैत अछि

(B) जंगल-पूजा

(C) सिर्फ पशु-वर्णन

(D) संगीत-वंदना

## खण्ड ४४२ : विदेह-सदेह १ — छवि झा/कुमुद सिंह: मिथिला चित्रकला आ अर्थक प्रश्न

**१८७१. छवि झा पिछले कतेक वर्षसँ मिथिला चित्रकलाक अर्थ पर काज करैत बतायल गेलीह?**

(A) तीस वर्ष

(B) तीन दिन

(C) दस मास

(D) एक सप्ताह

**१८७२. कुमुद सिंहक परिचयमे कोन विशिष्टता बतायल गेल?**

(A) मैथिलीक पहिल ई-पेपरक सम्पादक

(B) पहिल पक्षीशास्त्री

(C) पहिल बैंक अधिकारी

(D) पहिल नौकाचालक

**१८७३. मिथिला चित्रकला पर लेख १९६० क दशकक कोन परिवर्तन सँ शुरू होइत अछि?**

(A) दीवारसँ कागज पर उतारबाक प्रयास

(B) कागजसँ मिट्टी मे गाड़ब

(C) चित्रकला छोड़ब

(D) केवल छपाइ रोकब

**१८७४. दीवारसँ कागज पर आएलाक बाद चित्रकलामे की शुरू भेल?**

(A) नव-नव प्रयोग आ अर्थक नव संसार

(B) पूर्ण स्थिरता

(C) अर्थक समाप्ति बिना कारण

(D) चित्रकला निषेध

**१८७५. लेखकक अनुसार नव प्रयोग आ पुरान अर्थक मिश्रण की प्रश्न उठौलक?**

(A) कलाक स्वरूप आ अर्थक औचित्य पर सवाल

(B) सिर्फ रंगक मूल्य

(C) दामक सूची

(D) गीतक ताल

**१८७६. सब कलाकृतिक सम्बन्धमे लेख कोन मूल धारणा दैत अछि?**

(A) प्रत्येक कलाकृतिक एक अर्थ होइत अछि

(B) कोनो अर्थ नहि होइत

(C) अर्थ केवल विक्रेता तय करैत

(D) रंगहि सब किछु अछि

**१८७७. लेखकक अनुसार मिथिला आ भारतक विद्वान एही कलाक प्रति की नहि बना सकलथि?**

(A) अपन स्वतंत्र नजरिया

(B) कागज

(C) रंग

(D) दीवार

**१८७८. विदेशी विद्वानक दृष्टि पर निर्भरता लेखमे ककर परिणाम मानल गेल?**

(A) देशी नजरियाक अभाव आ अर्थ-भ्रम

(B) भाषाक उन्नति

(C) सटीक पंजी

(D) व्यापारिक समृद्धि

**१८७९. १९८४ मे अमेरिकासँ प्रकाशित मानवशास्त्रीय पत्रिका मे कोन बात उठायल गेल?**

(A) अर्थक अधिकता सँ साथर्कता खतम होबाक प्रश्न

(B) पक्षीशिकार

(C) बैंकिंग

(D) नौकाविहार

**१८८०. मिथिला चित्रकला लेखक मुख्य संकट की अछि?**

(A) अर्थक अधिकता, बाहरी व्याख्या आ स्थानीय सूत्रक उपेक्षा

(B) रंगक पूर्ण अभाव

(C) चित्रकला न होएब

(D) लोककला पूरी तरह समाप्त

## खण्ड ४४३ : विदेह-सदेह १ — मिथिला चित्रकला: देशी-विदेशी दृष्टि आ अर्थ-भ्रम

**१८८१. लेख मे डब्ल्यू.जी. आर्चरक १९४९ क उल्लेख ककर संदर्भमे अछि?**

(A) मिथिला चित्रकलापर आरम्भिक लिखित टिप्पणी

(B) कम्प्यूटर शिक्षा

(C) सैनिक कथा

(D) बाढ़ रिपोर्ट

**१८८२. लक्ष्मीनाथ झाक पुस्तकक विशेषता की बतायल गेल?**

(A) मिथिला लोकचित्रकला पर पहिल अधिकृत देशी दस्तावेज

(B) नौका-विहार गाइड

(C) बैंक नियमावली

(D) शिकार पोथी

**१८८३. देशी नजरियावाला पुस्तक पाठक धरि नहि पहुँचब कैँ लेखक की मानैत छथि?**

(A) अर्थक अधिकताक मूल कारण सभमे एक

(B) चित्रकला समाप्तिक प्रमाण

(C) भाषा-विरोध

(D) व्यापारक विजय

**१८८४. कैरोलीन ब्राउनक हवाला सँ लेख कोन शिकायत रखैत अछि?**

(A) मिथिला चित्रकलाक अर्थ गलत आ भ्रमक तरीका सँ विश्व समक्ष राखल गेल

(B) चित्रकलाक अर्थ पूर्ण स्पष्ट अछि

(C) देशी विद्वान बहुत काज केलथि

(D) विदेशी व्याख्या सदैव शुद्ध अछि

**१८८५. लेखकक अनुसार विदेशी शोधकर्ता लेल मुख्य चुनौती की अछि?**

(A) लोककला बुझि ओकर सही अर्थ अभिव्यक्त करब

(B) रंग किनब

(C) पोस्टकार्ड लिखब

(D) नाटक मंचन

**१८८६. भिन्न-भिन्न अर्थ बीच की होइत अछि, लेखक कहैत छथि?**

(A) एकटा समानता जे अर्थ कैँ जोड़ैत अछि

(B) पूर्ण असंबंध

(C) केवल रंग

(D) केवल बाजार

**१८८७. पुरुष आ स्त्रीक ज्ञान-क्षेत्र पर लेख की कहैत अछि?**

(A) पुरुष शास्त्रीय/कर्मकाण्ड, स्त्री घरेलू पर्व-त्योहारक व्याख्या मे दक्ष

(B) दुनूक कोनो भूमिका नहि

(C) स्त्री केवल दर्शक

(D) पुरुष केवल चित्रकार

**१८८८. चित्रकलाक सही अर्थ एखन किनका लग सुरक्षित रहबाक संकेत अछि?**

(A) किछु मिहलाक लग, जे व्यावसायिक नहि छथि

(B) केवल विदेशी लेखक लग

(C) केवल बाजार लग

(D) केवल प्रिंट मशीन लग

**१८८९. विदेशी विद्वान अल्प-ज्ञानी स्रोतसँ जानकारी ल’ की करैत छथि?**

(A) सूत्र-जिनिहारि महिलाक नजरअंदाज

(B) महिलाक पूर्ण सम्मान

(C) देशी अर्थ संरक्षित

(D) सत्य संकलन

**१८९०. एहि खण्डक मुख्य तर्क की अछि?**

(A) मिथिला चित्रकलाक अर्थ स्थानीय स्त्री-ज्ञान आ सामाजिक सूत्र बिना नहि बुझल जा सकैत

(B) कला केवल सजावट अछि

(C) अर्थक आवश्यकता नहि

(D) कागज पर आबि समस्या समाप्त

## खण्ड ४४४ : विदेह-सदेह १ — मिथिला चित्रकला: पुरैन, कोहबर आ लोक-संस्कृति

**१८९१. लेखकक अनुसार कोहबरक पुरैन संबंधी मुख्य भ्रम की अछि?**

(A) अधिकतर विद्वान एकरा कोहबर नामसँ परिभाषित करैत छथि, जबकि पुरैन चित्रगुच्छक एक सदस्य मात्र अछि

(B) पुरैन पूर्णतः अनुपस्थित अछि

(C) पुरैन केवल बैंक चिन्ह अछि

(D) कोहबर शिकार स्थल अछि

**१८९२. पुरैनक वर्तमान रूप जानकार महिलामे किएक भ्रम पैदा करैत अछि?**

(A) मूल सूत्र आ दीवार-परम्परासँ अलग रूप फैलि रहल अछि

(B) क्योंकि रंग नहि अछि

(C) क्योंकि चित्र बनैत नहि

(D) क्योंकि केवल पुरुष बनबैत छथि

**१८९३. पुरैनक चित्र मे गोलाकार आकृति संग कतेक मौखिक मुँह/मुखक उल्लेख अछि?**

(A) चारूकात छह आ बीचमे सातम, पैघ आकारक

(B) केवल एक

(C) बीस

(D) कोनो नहि

**१८९४. मिथिला मे अरिपन की कहल जाइत अछि?**

(A) जमीन पर बनाओल रेखाचित्र

(B) दीवारक रंगीन भित्तिचित्र

(C) बैंक-चार्ट

(D) पत्र-सूची

**१८९५. मिथिला मे पुरैनक दूटा सूत्र कोन सामाजिक समूहसँ जुड़ल बतायल गेल?**

(A) ब्राह्मण आ कर्णकायस्थ

(B) सैनिक आ व्यापारी

(C) गायक आ नर्तक

(D) बैंककर्मी आ पोस्टमैन

**१८९६. साँप, कछुआ, माछ आदि चित्रक औचित्य विदेशी विद्वान लेल किएक कठिन अछि?**

(A) स्थानीय सांस्कृतिक सूत्र बिना संदेश बुझब कठिन अछि

(B) चित्र खाली अछि

(C) रंग नहि अछि

(D) कथासूत्र नहि

**१८९७. ब्राउनक अनुसार पुरैनक स्वरूप ककर नव रूपसँ मिलैत अछि?**

(A) कायस्थ प्रारूपसँ

(B) सैनिक नक्सासँ

(C) बैंक चार्टसँ

(D) नाटक पोस्टरसँ

**१८९८. पुरैन कमलक लत्ती किएक कहल जाइत अछि?**

(A) कमल-पोखरि आ वंश-वृद्धिक सांकेतिक अर्थसँ

(B) सिर्फ सजावट लेल

(C) केवल पशु-पक्षी लेल

(D) व्यापारिक छाप लेल

**१८९९. लक्ष्मीनाथ झाक अनुसार पुरैन नव दंपति सँ कोन सांकेतिक अनुरोध अछि?**

(A) घर कैँ वंश-विहीन नहि होबय देबाक

(B) घर छोड़ि देबाक

(C) भाषा न बोलबाक

(D) चित्र नहि बनायबाक

**१९००. लेखक आधुनिक समयमे पुरैनक औचित्यबारे की संकेत करैत छथि?**

(A) बियाहक अर्थ बदललाक बाद पुरैनक प्रासंगिकता पर पुनर्विचार जरूरी अछि

(B) पुरैन सदैव निरर्थक अछि

(C) पुरैन केवल बाजारू वस्तु अछि

(D) कोहबरक कोनो अर्थ नहि

## खण्ड ४४५ : विदेह-सदेह १ — मिथिला चित्रकला: अर्थ-भ्रमक निष्कर्ष

**१९०१. छवि झा/कुमुद सिंहक लेखक अंतिम आग्रह की अछि?**

(A) मिथिला चित्रकलाक गंभीर शोध हो आ अर्थक अधिकता कम हो

(B) चित्रकला छोड़ि देल जाए

(C) कागज पर सभ चित्र बंद हो

(D) चित्रकला केवल विदेशमे बनय

**१९०२. लेखकसभक अनुसार मिथिला चित्रकला कैँ दुनिया समक्ष कोना परिभाषित कएल गेल?**

(A) बहुत बेर गलत ढंगसँ

(B) सदैव पूर्ण शुद्ध ढंगसँ

(C) केवल मौखिक रूपेँ

(D) एकदम परिभाषित नहि कएल गेल

**१९०३. आधुनिक मिथिला चित्रकलाक एक मुख्य संकट लेखमे की कहल गेल?**

(A) बहुत चित्र एतुका संस्कृति सँ कटि बनि रहल अछि

(B) सभ चित्र केवल पुरान दीवार पर अछि

(C) कोनो नव प्रयोग नहि अछि

(D) चित्रकला पूर्णतः लुप्त अछि

**१९०४. “अज्ञानताक द्योतक” बनल रहबाक खतरा ककरा लेल कहल गेल?**

(A) मिथिला चित्रकलाक गलत अर्थ-प्रसार लेल

(B) गामक खेती लेल

(C) गजल संरचना लेल

(D) कम्प्यूटर शिक्षाक लेल

**१९०५. लेखकक अनुसार मिथिलाक संस्कृति कैँ गलत परिभाषित करबाक कारण मे की शामिल अछि?**

(A) स्थानीय सूत्र आ स्त्री-ज्ञानक उपेक्षा

(B) केवल मौसमक बदल

(C) सैनिक व्यवस्था

(D) राजनीतिक चुनाव मात्र

**१९०६. लेखकसभ पुरैन आ कोहबरक बहस सँ की साबित करैत छथि?**

(A) चित्रक रूप मात्र नहि, ओकर सांस्कृतिक सूत्र बुझब जरूरी अछि

(B) सभी चित्र एक समान अछि

(C) कोहबर निरर्थक अछि

(D) पुरैन केवल सजावट अछि

**१९०७. मिथिला चित्रकलाक अर्थ-बोध मे ककर भूमिका लेख विशेष रूपेँ रेखांकित करैत अछि?**

(A) मिथिलाक स्त्री-परंपराक

(B) केवल विदेशी संग्रहालयक

(C) केवल व्यापारीक

(D) केवल सरकारी दफ्तरक

**१९०८. कागज पर उतरबाक बाद चित्रकलामे की बढ़ल?**

(A) नव प्रयोग आ अर्थक नव संसार

(B) केवल मौन

(C) पूर्ण विराम

(D) कृषि उत्पादन

**१९०९. लेख मिथिला चित्रकलाक रक्षा लेल कोन पद्धति उचित मानैत अछि?**

(A) स्थानीय संस्कृति, भाषा आ परंपरागत अर्थक आधार पर पुनर्पाठ

(B) सिर्फ विदेशी पुस्तकक नकल

(C) चित्रक नाम बदलि देब

(D) रंग हटाब

**१९१०. छवि झा/कुमुद सिंहक लेखक मूल स्वर कोन अछि?**

(A) कला-समालोचनात्मक आ सांस्कृतिक आत्मरक्षा वाला

(B) केवल यात्रा-वृत्तांत

(C) केवल हास्य-कथा

(D) केवल सरकारी सूचना

## खण्ड ४४६ : विदेह-सदेह १ — देवशंकर नवीन: विरासत आ अदद्दी पेन

**१९११. देवशंकर नवीनक लेख “अदद्दी पेनकँ मजगुत करबाक आवश्यकता”क आरम्भ मे मिथिलाक कोन परंपरा देखायल गेल?**

(A) उच्च शिक्षा, गंभीर चिंतन आ विचार-विमर्शक परंपरा

(B) केवल युद्धक परंपरा

(C) केवल समुद्री व्यापार

(D) केवल मौन साधना

**१९१२. लेखक मिथिलाक लोकजीवन मे “परसुख”क कोन भूमिका देखैत छथि?**

(A) दोसराकैँ प्रसन्न करबामे आनंद

(B) दोसरा सँ दूरी

(C) अपना घर बंद करब

(D) भाषा छिपायब

**१९१३. अतिथि-सत्कारक तीव्रता देखाबय लेल लेखमे कोन उदाहरण अछि?**

(A) घरक थारी-लोटा धरि बन्धकी राखि देबाक

(B) नदी सुखायब

(C) पोथी जारब

(D) मेला तोड़ब

**१९१४. भनसियाकेँ "महराज/महराजिन" कहबाक परंपरा सँ लेखक की समझबैत छथि?**

(A) काज करनिहार लोक केँ सम्मानसूचक सम्बोधन

(B) भोजनक निंदा

(C) सेवा-वर्गक अपमान

(D) राज्यक आदेश

**१९१५. घर-आँगन साफ करय अथवा सोइरी-घरक काज करयवाली स्त्री केँ "दाय" कहब कोन दृष्टि खोलैत अछि?**

(A) सामाजिक स्नेह आ सम्बन्धक विस्तार

(B) निरादर

(C) व्यापारिक पद

(D) सैनिक उपाधि

**१९१६. लेखकक अनुसार मिथिलामे अति-अध्ययनशील आ अशिक्षित लोकक बीच की खाई छल?**

(A) गनल-गुथल लोक बहुत पढ़ल, बाकी रोजी-रोटीमे लागल रहल

(B) सभी समान शिक्षित छल

(C) कृषि नहि छल

(D) विद्वान नहि छल

**१९१७. रोजी-रोटीक प्रमुख आधार की कहल गेल?**

(A) कृषि

(B) समुद्री व्यापार

(C) कारखाना मात्र

(D) विदेशी नौकरी मात्र

**१९१८. ईश-भक्तिक दृढ़ता लेल लेखक कोन सामाजिक कारण सुझबैत छथि?**

(A) धर्म-भय सँ सदाचार आ सामाजिक मर्यादा टिकत, ई आशा

(B) राजनीतिक प्रचार

(C) व्यापारिक लाभ

(D) केवल कलात्मक शौक

**१९१९. धर्म-भक्तिक लक्ष्यपूर्ति नहि भेल कहि लेखक कोन परिणाम गिनबैत छथि?**

(A) धर्मभीरुता, पाखण्ड, अंधविश्वास, लोभ आ अत्याचार

(B) पूर्ण सदाचार मात्र

(C) समाजक पूर्ण एकता

(D) गरीबी समाप्ति

**१९२०. एहि आरम्भिक विवेचनक मुख्य निष्कर्ष की अछि?**

(A) मिथिलाक विरासत ऊँच अछि, मुदा ओकर मूल्य-सूत्र कमजोर पड़ल अछि

(B) मिथिलाक कोनो विरासत नहि

(C) सभ परंपरा निरर्थक अछि

(D) कृषि अनावश्यक अछि

## खण्ड ४४७ : विदेह-सदेह १ — देवशंकर नवीन: कृषि-संस्कृति आ सामूहिकता

**१९२१. लेखकक अनुसार कृषि-जीवनसँ समाजक कौटुम्बिक बंधन केहन छल?**

(A) बहुत मजगूत

(B) पूर्णतः टूटल

(C) अप्रासंगिक

(D) केवल कागजी

**१९२२. भूमिहीन व्यक्ति सेहो किसानक दर्जा पबैत छल — एहि कथनक अर्थ की?**

(A) कृषि-समाजमे काम आ सहभागिता स्वामित्वसँ बेसी महत्त्वपूर्ण छल

(B) भूमिहीनक कोई भूमिका नहि छल

(C) कृषि सिर्फ जमींदारक छल

(D) गाममे किसान नहि छल

**१९२३. गाम पूरा होएबाक लेल लेखक कोन चीज जरूरी बतबैत छथि?**

(A) विभिन्न जाति-वृत्ति समुदाय सभक उपस्थिति

(B) एक जातिक प्रभुत्व

(C) केवल बाजार

(D) केवल विद्यालय

**१९२४. जमींदार, पुरहित, नौआ, कमार, धोबी आदिक उदाहरण लेखमे किएक देल गेल?**

(A) परस्पर-आश्रित वृत्ति-समाज देखाबय लेल

(B) सिर्फ नाम-सूची बनाबय लेल

(C) विवाह-तालिका लेल

(D) शहरक नक्शा लेल

**१९२५. सिरपंचमी, दशमी, दीयाबाती, सामा-चकेबा आदि प्रसंगक भूमिका की अछि?**

(A) सर्वजातीय-सर्ववृत्तीय सहभागिताक उदाहरण

(B) केवल निजी पूजा

(C) सैनिक अभ्यास

(D) पत्रकार सम्मेलन

**१९२६. मिथिलाक विवाहमे नौआक गारी देबाक प्रसंग की संकेत करैत अछि?**

(A) परिहासक माध्यमसँ सामाजिक भूमिका

(B) गंभीर अपमान

(C) कानूनी दंड

(D) विवाह-निषेध

**१९२७. धोबिन द्वारा कनियाँक केस धोब आ सोहाग देब कोन दर्जा देत अछि?**

(A) कन्याक माय-समान ओहदा

(B) राजकीय पद

(C) अतिथि-मात्र भूमिका

(D) कोनो ओहदा नहि

**१९२८. छठ पाबनि लेखमे कोन रूपेँ देखायल अछि?**

(A) जाति-धर्म समभाव आ साझा विरासतक रक्षा करनिहार पाबनि

(B) केवल निजी भोजन

(C) सिर्फ पुरुषक अनुष्ठान

(D) केवल व्यापार

**१९२९. लेखक आधुनिक कालक कोन कलंक पर चोट करैत छथि?**

(A) लोभ, द्वेष, छुआछूत, जाति-द्वेष आ शोषणक वृद्धि

(B) पूर्ण समानता

(C) कला-वृद्धि मात्र

(D) अतिथि-सत्कारक विस्तार

**१९३०. कृषि-संस्कृति संबंधी एहि भागक मुख्य तर्क की अछि?**

(A) मिथिलाक पुरान समाज परस्पर-आश्रित सामूहिकता पर टिकल छल

(B) समाज पूर्णतः एकाकी छल

(C) पेशा निरर्थक छल

(D) पर्वक कोनो अर्थ नहि छल

## खण्ड ४४८ : विदेह-सदेह १ — देवशंकर नवीन: उदारता, बेटी आ मर्यादा

**१९३१. नव साग-पात वा फल-फूल पहिने कतय पहुँचाओल जाइत छल?**

(A) ग्रामदेवक थान आ पड़ोसियाक आँगनमे

(B) सीधे बाजारमे

(C) केवल राजदरबारमे

(D) केवल स्कूलमे

**१९३२. फसल तैयार भेलाक बाद आगअँ-राशि ककरा देल जाइत छल?**

(A) कोनो परगोत्री कैं

(B) केवल सेनाकैं

(C) केवल व्यापारी कैं

(D) ककरो नहि

**१९३३. सनेसमे आएल वस्तु सौंसे टोलमे बिलहबाक अर्थ की छल?**

(A) कुटुम्ब-सम्बन्ध कैं पूरे समाजक संग साझा करब

(B) भोजन बरबाद करब

(C) व्यापार घटायब

(D) गोपनीयता राखब

**१९३४. बेटीक दुरागमनक मिठाई गाममे बिलहल जाएबाक संकेत की छल?**

(A) सम्पूर्ण गाम कैं बेटी विदा होएबाक सूचना आ भाव-साझेदारी

(B) केवल बाजार बिक्री

(C) दहेज गिनती

(D) विवाद घोषणा

**१९३५. दुरागमन पहिने गामक लोक बेटीकँ भोजन करबैत छल — लेखक एहि में की अर्थ देखैत छथि?**

(A) बेटीक विवेक आ कुल-शीलक स्मरण कराएब

(B) गामसँ बहिष्कार

(C) आर्थिक दंड

(D) सैन्य अनुशासन

**१९३६. दुरागमनक दिन पैघ अन्तराल देल जाएबाक कारण की बतायल गेल?**

(A) गामक लोक द्वारा बेटी कैं सामाजिक शिक्षा देबाक अवसर

(B) मिठाई महँगी होएबाक कारण

(C) नौआ अनुपस्थित छल

(D) कृषि रुकल छल

**१९३७. आधुनिक कालमे एहि रस्मक स्थिति लेखक की कहैत छथि?**

(A) औपचारिकता बनि गेल अछि

(B) और गाढ़ भेल अछि

(C) पूर्णतः शास्त्रीय रहि गेल

(D) बाजार बनि गेल मात्र

**१९३८. भैंसुर आ ममिया ससुर संग स्त्रीक वर्जना कैँ लेखक कोना पढ़ैत छथि?**

(A) शिष्टाचार आ सम्भावित अघट रोकबाक सामाजिक मर्यादा

(B) सिर्फ पाखण्ड

(C) केवल दंड

(D) केवल हास्य

**१९३९. घोघट देबाक अधिकार किनका प्राथमिक रूपेँ देल जाइत अछि?**

(A) भैंसुर वा ममिया ससुर कैँ

(B) पोस्टमैन कैँ

(C) बाजारक दुकानदार कैँ

(D) अतिथि मात्र कैँ

**१९४०. घोघट-प्रक्रियाक नैतिक अर्थ लेखक कोन रूपमे देलथि?**

(A) स्त्रीक लाजक जीवनपर्यन्त रक्षा करबाक प्रतिज्ञा

(B) स्त्रीक अपमान

(C) केवल नाटक

(D) भोजनक विधि

## खण्ड ४४९ : विदेह-सदेह १ — देवशंकर नवीन: भोजन, स्त्री-कौशल आ लोकनाट्य

**१९४१. “मैथिल भोजन भट्ट” कहबीक भीतर लेखक कोन सांस्कृतिक तर्क खोजैत छथि?**

(A) स्त्रीक सृजनशीलता आ भोजन-विन्यासक कौशल

(B) केवल पेटूपन

(C) केवल गरीबी

(D) केवल यात्रा

**१९४२. परदा-प्रथा कारण स्त्रीक पैर कतय धरि बँधल रहैत छल?**

(A) भनसा घर सँ अँगनाक ड्योढ़ी धरि

(B) समुद्र तट धरि

(C) कार्यालय धरि

(D) जंगल धरि

**१९४३. स्त्रीक सृजनशील प्रतिभा ककरा मे लगल कहल गेल?**

(A) भोजनक विन्यास, तीमन-तरकारी, चटनी, अचार आदि मे

(B) केवल राजनीति

(C) सिर्फ युद्धकला

(D) केवल बैंकिंग

**१९४४. वनस्पतिजन्य औषधि कैँ सु-स्वादु भोजन बनएबाक प्रथा कहाँ सवाधिक कहल गेल?**

(A) मिथिलामे

(B) समुद्रद्वीपमे

(C) यूरोपमे

(D) रेगिस्तानमे

**१९४५. स्त्रीक कला-कौशल खेत-पथार आ बाबू-बबुआनक घरक काममे कोना देखाइत छल?**

(A) शरीर-श्रम आ घर-आँगनक कलात्मकता मे

(B) काज अनुपस्थित छल

(C) केवल गीतमे

(D) केवल परीक्षा-पत्रमे

**१९४६. जट-जटिन लोकनाटिका कैँ लेखक कोन प्रकारक आयोजन मानैत छथि?**

(A) कृषि-कर्म आ मेघ-आवाहनक आयोजन

(B) दरबारी संगीत मात्र

(C) व्यापार मेळा

(D) युद्धाभ्यास

**१९४७. सामा भसेबा कालक गीतमे स्त्रीसभ ककर स्वास्थ्यक कामना करैत छथि?**

(A) पारिवारिक पुरुष पात्रक

(B) विदेशी विद्वानक

(C) राजकीय अधिकारीक

(D) केवल अपनेक

**१९४८. विवाह-उपनयनमे वृक्ष, नदी, प्रकृति पूजाक उल्लेख किएक अछि?**

(A) संस्कारक भीतर पर्यावरण-संबंधित लोकविश्वास देखाबय लेल

(B) प्रकृति-विरोध

(C) सैनिक नारा

(D) व्यापारिक विज्ञापन

**१९४९. वृत्ति-समुदायक अधिकार-क्षेत्र संबंधी उदाहरण क्या बतबैत अछि?**

(A) हर पेशागत समुदायक नियत स्वामित्व आ सामाजिक स्थान छल

(B) कोनो पेशा नहि छल

(C) सभ अधिकार बाजारक छल

(D) केवल राज्यक अधिकार

**१९५०. एहि खण्डक सार की अछि?**

(A) स्त्री-कला, भोजन, लोकनाट्य आ वृत्ति-व्यवस्था मिथिला-जीवनक गूढ़ संस्कृति छल

(B) सबटा केवल अंधविश्वास छल

(C) भोजन निरर्थक छल

(D) लोकनाट्य बाहरी आयात छल

## खण्ड ४५० : विदेह-सदेह १ — देवशंकर नवीन: हस्तकला, शब्द आ लुप्तप्राय जीवन-पद्धति

**१९५१. लेखक मिथिलाक हस्तकला-आधारित कुटीर उद्योगकैँ केहन बतबैत छथि?**

(A) बहुत सम्पन्न

(B) एकदम अनुपस्थित

(C) सिर्फ विदेशी

(D) नव-आविष्कृत

**१९५२. सूप, कोनियाँ, पथिया, बखारी, घैल आदि उदाहरण ककर संकेत अछि?**

(A) लोक-हस्तकला आ घरेलू उपयोगक समृद्ध परंपरा

(B) सैनिक अस्त्र

(C) कम्प्यूटर उपकरण

(D) नदी घाट

**१९५३. जनौ, चरखा, लदहा, बरहा, गरदामी आदि शब्दक लुप्तप्रायता सँ लेखक ककर चिंता करैत छथि?**

(A) शब्द आ क्रिया दुनूक विस्मृति

(B) मूल्यवृद्धि

(C) कम्प्यूटर वायरस

(D) पत्र विलम्ब

**१९५४. "ढोनि केनाइ, भौरी केनाइ..." सन क्रिया कम होएबाक अर्थ की अछि?**

(A) जीवन-पद्धतिक क्रियात्मक ज्ञान मेटा रहल अछि

(B) नव खेल बनि रहल

(C) नदी बढ़ि रहल

(D) कथा समाप्त

**१९५५. आधुनिक शिक्षाक प्रभाव पर लेखकक दृष्टि की अछि?**

(A) जागृति बढ़ल, मुदा आर्थिक उदारीकरण आ अहंकारेँ परंपरा पर चोट पड़ल

(B) शिक्षा पूर्णतः निष्फल

(C) शिक्षा मात्र दोषी

(D) परंपरा स्वतः सुरक्षित

**१९५६. मायानन्द मिश्रक "रंग उड़ल मूरत" आ ललितक "रमजानी"क उल्लेख किएक अछि?**

(A) मिथिलाक परंपरा पर आघात साहित्य मे पहिनेसँ देखाओल गेल अछि

(B) व्याकरण नियम लेल

(C) गजल तुक लेल

(D) कम्प्यूटर पाठ लेल

**१९५७. खढ़क घर आ घरामी वृत्ति पर लेखक की कहैत छथि?**

(A) खढ़क घर घटल, घरामीक वृत्ति चलि गेल

(B) वृत्ति बढ़ल

(C) घरामी राज्याधिकारी भेल

(D) खढ़क घर समुद्रमे गेल

**१९५८. प्लास्टिकक डोरी आ खेलौना उदाहरण की देखबैत अछि?**

(A) पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्तुक स्थान बाजारू वस्तु लेलक

(B) हस्तकला समृद्ध भेल

(C) कृषि बढ़ल

(D) गीत बढ़ल

**१९५९. मिथिला पेंटिंगक ऑफसेट री-प्रोडक्शन बेचबाक प्रसंग कोन आलोचना अछि?**

(A) लोककला केँ पूँजीक द्वारा प्रतिकृति-वस्तु बनाय देबाक

(B) कला संरक्षणक पूर्ण उपाय

(C) मूलकला विस्तार मात्र

(D) कविता लेखन

**१९६०. गोनू झा, सलहेस, नैका बिनजारा आदिक कथा रिकॉर्ड/सीडी/रीमिक्स बनबाक चर्चा ककर संकेत अछि?**

(A) लोकधारा केँ अभिलेखागार/बाजारमे स्थिर करब, ओकर जीवित प्रवाह रोकबाक खतरा

(B) लोकजीवनक पूर्ण पुनर्जन्म

(C) कोनो संकट नहि

(D) केवल खेल

## खण्ड ४५१ : विदेह-सदेह १ — देवशंकर नवीन: लोक सँ अभिलेखागार धरि

**१९६१. लेखक कहैत छथि जे लोककला लोकजीवन संग केना रहैत छल?**

(A) विकसित आ परिवर्धित होइत, अविरल प्रवाहमे

(B) स्थिर बन्द वस्तु जकाँ

(C) केवल संग्रहालयमे

(D) नकली रूपमे

**१९६२. अभिलेखन/दस्तावेजीकरणक जोखिम लेखक कतेक बतबैत छथि?**

(A) जीवित सांस्कृतिक धारा कैँ स्थिर करि देबाक

(B) कला स्वतः जीवित करबाक

(C) सामाजिकता बढ़ेबाक

(D) भाषा स्वतः बचेबाक

**१९६३. लोक-संस्कृतिक रक्षा लेल लेखक की जरूरी मानैत छथि?**

(A) जुड़ल लोक कैँ सम्मानित जीवन-जोगर वृत्ति देब

(B) केवल वीडियो बनाब

(C) केवल नाम बदलब

(D) केवल टिकट बेचब

**१९६४. “मिथिलाक लोके ओ लोक नहि रहि गेल अछि” कथनक आशय की?**

(A) लोक-जीवनक आधार बदलल, तैँ लोक-संस्कृति कैँ वाहक संकटमे अछि

(B) लोक पूर्णतः बढ़ल

(C) परंपरा अजेय

(D) भाषा निरर्थक

**१९६५. लोक-परंपराक रक्षा के करत — एहि प्रश्नमे कोन चिंता अछि?**

(A) वाहक समुदायक विस्थापन आ असुरक्षित भविष्य

(B) सरकारी आदेश पर्याप्त अछि

(C) बाजार सभ बचा लेत

(D) सिर्फ विदेशी लिखत

**१९६६. लेखक “अदद्दी पेन” कैँ मजबूत करबाक रूपक सँ ककर आग्रह करैत छथि?**

(A) लेखन-समीक्षा द्वारा विरासतक सही लेखाजोखा

(B) पेन तोड़बाक

(C) चित्र न बनायबाक

(D) गजल छोड़बाक

**१९६७. लेखमे मिथिला विरासतक संकट केवल अतीत-विलाप नहि किएक अछि?**

(A) क्योंकि लेखक आर्थिक, सामाजिक, भाषिक आ सौंदर्यात्मक कारण सभ जोड़ैत छथि

(B) क्योंकि ओ केवल रोदन अछि

(C) क्योंकि तथ्य नहि अछि

(D) क्योंकि विषय छोट अछि

**१९६८. कुटीर उद्योग लुप्त होएबाक साथ ककर हानि होइत अछि?**

(A) जीविका, शब्द, कौशल आ सामाजिक संबंध

(B) केवल सामानक रंग

(C) केवल गीतक धुन

(D) केवल नदीक धार

**१९६९. लेखक आधुनिक वस्तु-प्रवाहक आलोचना किएक करैत छथि?**

(A) क्योंकि ओ परंपरागत श्रम आ मौलिकता कैं विस्थापित करैत अछि

(B) क्योंकि नव वस्तु देखल नहि

(C) क्योंकि शिक्षा नापसन्द

(D) क्योंकि भोजन नापसन्द

**१९७०. देवशंकर नवीनक लेखक मूल चिंता की अछि?**

(A) मिथिलाक सांस्कृतिक जीवन-सूत्र टूटि रहल अछि, ओकर लेखा आ पुनर्संरक्षण जरूरी अछि

(B) सिर्फ उत्सवक संख्या

(C) केवल परिहास

(D) केवल व्यक्तिगत कथा

## खण्ड ४५२ : विदेह-सदेह १ — धर्मेन्द्र विह्वल: किछु छौंक

**१९७१. धर्मेन्द्र विह्वलक "बदनामी" कविता ककर नीलामी नहि करबाक आग्रह करैत अछि?**

(A) प्रेम आ सिनेहक

(B) फसलक दाम

(C) कम्प्यूटरक फाइल

(D) नदीक पानि

**१९७२. "बदनामी" मे गौरवमय इतिहास कैं कोना नहि करबाक कहल गेल?**

(A) बदनाम नहि करबाक

(B) लिखबाक

(C) सहेजबाक

(D) स्मरण करबाक

**१९७३. "विज्ञापन" कविता मे वक्ता कतय हेरा रहल अछि?**

(A) आदमीक जंगलमे

(B) पोखरिक कातमे

(C) सर्किट हाउसमे

(D) कम्प्यूटर कक्षमे

**१९७४. "विज्ञापन" मे अखबारक ढेरमे वक्ता की ताकैत अछि?**

(A) जिनगीक विज्ञापन

(B) नौकरी आदेश

(C) ग्रामदेव थान

(D) घोघट

**१९७५. "इज्जत" कविता मे ककर बिक्री खुल्लमखुल्ला देखायल गेल?**

(A) इज्जतक

(B) माटिक

(C) गीतक

(D) पत्रक

**१९७६. "दाम दऽ झट कीनि दिअ" पंक्ति कोन भाव बनबैत अछि?**

(A) नैतिक मूल्यक बाजारू वस्तुकरण पर व्यंग्य

(B) सच्चा सम्मान

(C) गंभीर पूजा

(D) निर्दोष खेल

**१९७७. “स्टॉक सीमित अछि” पंक्ति की संकेत करैत अछि?**

(A) नैतिकता/इज्जतक कमी आ बाजारू भाषा

(B) अनंत भंडार

(C) कृषि विस्तार

(D) गजल संरचना

**१९७८. धर्मेन्द्र विह्वलक तीनू लघुकविता मे साम्य की अछि?**

(A) सामाजिक नैतिकता पर संक्षिप्त व्यंग्य

(B) प्रकृति-चित्र मात्र

(C) लंबा आख्यान

(D) गजल-व्याकरण

**१९७९. “किछु छौंक” शीर्षकक अर्थ-वातावरण की बनबैत अछि?**

(A) तीक्ष्ण, छोट-छोट भाव-विस्फोट

(B) दीर्घ उपन्यास

(C) शास्त्रीय ग्रंथ

(D) निष्प्राण सूची

**१९८०. एहि कवितासभक भाषा ककरा निकट अछि?**

(A) संकुचित पंक्तिमे तीक्ष्ण सामाजिक टिप्पणी

(B) लंबा वर्णनात्मक इतिहास

(C) राजकीय आदेश

(D) वैज्ञानिक सूत्र मात्र

## खण्ड ४५३ : विदेह-सदेह १ — धीरेन्द्र प्रेमर्षि: गीत आ गजल

**१९८१. धीरेन्द्र प्रेमर्षि गीत आ गजल कैँ रूप-रंग आ चालि-प्रकृति देखलापर की मानैत छथि?**

(A) सहोदर

(B) शत्रु

(C) असम्बद्ध

(D) एके वस्तु

**१९८२. मैथिलीमे गीतक स्थान लेखमे कोना बतायल गेल?**

(A) अति प्राचीन काव्यशैली

(B) नवीन आयात मात्र

(C) अप्रासंगिक विधा

(D) केवल अरबी विधा

**१९८३. गजल मैथिलीमे कोना देखायल गेल?**

(A) अपेक्षाकृत नवीन रूप

(B) सबसे पुरान विधा

(C) पूर्णतः अनुपस्थित

(D) सिर्फ गद्य

**१९८४. लेखक गीत-गजल बिछुड़बाक कथा कोन बिम्ब सँ कहैत छथि?**

(A) कुम्भ मेलामे बिछुड़ल सहोदरक रूपक

(B) नदी-संघर्ष

(C) युद्धभूमि

(D) बैंक-लाइन

**१९८५. गजल कतय पलल-बढ़ल कहल गेल?**

(A) अरब दिशा मे

(B) मिथिलाक पोखरि मे

(C) केवल नेपालमे

(D) यूरोपमे

**१९८६. मिथिलाक गीत गजल कैँ प्रारम्भमे कोना देखलक?**

(A) अपन जगह कब्जा करय आएल प्रतिद्वन्द्वी जकाँ

(B) तुरन्त सहोदर जकाँ

(C) अदृश्य जकाँ

(D) केवल नाटक जकाँ

**१९८७. गीत आ गजलक पुनर्भेटक बाद की समझ आयल?**

(A) बैरक कारण नहि, दुनू सहोदर छथि

(B) दुनू असम्भव

(C) गीत हारल

(D) गजल समाप्त

**१९८८. गीतक स्वभाव मे स्थानीयताक असर कोना देखायल गेल?**

(A) रंग-बिरंगी फूल सँ सजाओल सेजौट जकाँ

(B) कठोर मरुभूमि जकाँ

(C) लौह-कवच जकाँ

(D) शून्य सूची जकाँ

**१९८९. मैथिली गीतमे काँटोसन बात सेहो कोना कहल जाइत अछि?**

(A) फूलसन मोलायम भावमे

(B) तरुआरिसँ सीधा चोट

(C) पूर्ण मौन

(D) कागजी आदेश

**१९९०. लेखक गीतक ताकत कैँ कोन बिम्ब सँ समझबैत छथि?**

(A) लालीगुराँसक फूल जे गऽरक काँट गलाबय

(B) पत्थरक भार

(C) खाली दीप

(D) सूखा पन्ना

## खण्ड ४५४ : विदेह-सदेह १ — धीरेन्द्र प्रेमर्षि: गजलक स्वभाव आ गुणवत्ता

**१९९१. प्रेमर्षिक अनुसार गजलमे गीतसन की नहि होइत?**

(A) नरमाहटि

(B) छंद

(C) प्रेम

(D) तुक

**१९९२. गजलक स्वभाव “उसराह मरुभूमि”मे पोसल कहल गेल — एहि सँ की संकेत अछि?**

(A) कठोरता आ उग्र तेज

(B) संपूर्ण मृदुता

(C) जलमय कोमलता

(D) पूर्ण शैथिल्य

**१९९३. गजल कैँ प्रेमक माध्यम मानि लेखक की जोड़ैत छथि?**

(A) प्रेम सेहो धरगर अंदाजमे कहल जाइत अछि

(B) प्रेम अनुपस्थित अछि

(C) प्रेम मात्र फूल जकाँ अछि

(D) प्रेम गजलमे निषिद्ध अछि

**१९९४. गजल कैँ तरुआरि जकाँ सीधे बेध दैत कहल गेल — कोन विशेषता?**

(A) लक्ष्यभेदी तीक्ष्णता

(B) घुमाउर लाइलपट

(C) पूर्ण अस्पष्टता

(D) शुष्क मौन

**१९९५. मिथिला-संदर्भमे गीत आ गजलक अन्तर लेखक कोना कहैत छथि?**

(A) गजल फूलक प्रक्षेपण तरुआरि जकाँ, गीत तरुआरि सेहो फूल जकाँ भाँजैत

(B) दुनू नीरस

(C) दुनू गद्य

(D) गीत मात्र हिंसक

**१९९६. मैथिली गजल संख्या मे कम होइतहुँ लेखक ओकर गुणवत्ताबारे की कहैत छथि?**

(A) हिन्दी वा नेपाली गजलसँ झूस नहि

(B) बहुत हीन

(C) अप्रासंगिक

(D) केवल अनुकरण

**१९९७. हिन्दी, नेपाली आ मैथिलीमे गजलक प्रवेशक समयबारे लेखकक संकेत की अछि?**

(A) लगभग एकहि मुहूर्तमे प्रवेश

(B) हजार बरखक अंतर

(C) केवल हिन्दीमे प्रवेश

(D) मैथिलीमे प्रवेश नहि

**१९९८. हिन्दीमे गजलक आरम्भक नाम लेखक किनका संग जोड़ैत छथि?**

(A) भारतेन्दु

(B) विद्यापति

(C) शंकरदेव

(D) गोनू झा

**१९९९. नेपाली गजल-आरम्भक सन्दर्भमे कोन नाम देल गेल?**

(A) मोतीराम भट्ट

(B) कालिदास

(C) धूमकेतु

(D) सिरिसव

**२०००. मैथिली गजल-आरम्भक सन्दर्भमे लेखक कोन नाम दैत छथि?**

(A) पं. जीवन झा

(B) भरत माँझी

(C) भवनाथ दीपक

(D) बी.के. कर्ण

## खण्ड ४५५ : विदेह-सदेह १ — धीरेन्द्र प्रेमर्षि: गजलक संरचना

**२००१. प्रेमर्षि गजलक संरचना पर लिखब कैं “दिनहिमे डिबिया बारब” किएक कहैत छथि?**

(A) मैथिलीमे गजल एतबा लिखल जा चुकल जे मूल संरचना कहब सहज लगैत अछि

(B) गजल बिल्कुल नहि लिखल गेल

(C) गजल अन्हार मात्र अछि

(D) संरचना असम्भव अछि

**२००२. गजलक नामपर कतेको पंक्तिसभ देख लेखकक मन किएक झुँझुआइत अछि?**

(A) दू-दू पंक्तिक तुकबन्दी कैं गजल बूझि लेबाक प्रवृत्ति

(B) बहुत सुंदर संरचना

(C) अति कम लेखन

(D) केवल गीत छपबाक

**२००३. लेखकक अनुसार गजलक पहिल दू पाँतिक विशेषता की अछि?**

(A) अन्त्यानुप्रास मिलल रहैत अछि

(B) पूर्णतः अतुकान्त

(C) एकहि शब्द मात्र

(D) कोनो सम्बन्ध नहि

**२००४. सभ पाँतिमे साझी अन्तिम शब्द रहला पर ककरा मे तुक चाही?**

(A) साझी शब्द सँ पहिनुक शब्दमे

(B) पहिल अक्षरमे मात्र

(C) बीचमे कोनो शब्दमे

(D) कहीं नहि

**२००५. अगिला दू-दू पाँतिमे पहिल पाँति ककर दृष्टिएँ स्वतंत्र रहैत अछि?**

(A) अनुप्रासक दृष्टिएँ

(B) विषयक दृष्टिएँ असम्बद्ध

(C) लंबाइक दृष्टिएँ असीम

(D) व्याकरणक दृष्टिएँ

**२००६. दोसर वा पिछला पाँति की करैत अछि?**

(A) स्थायीवला अनुप्रास कैं पछुअबैत चलैत अछि

(B) तुक तोड़ैत अछि

(C) गीत बना दैत अछि

(D) संदेश हटबैत अछि

**२००७. गजलक “मुह-कान” ठीक होएबाक बादो की जरूरी अछि?**

(A) कथ्य बौआइत नहि रहए

(B) कथ्य बिल्कुल न हो

(C) केवल आकार रहे

(D) गीत हटा देल जाए

**२००८. देखबामे गजल लगि पर अर्थहीन रचना कैं लेखक कोना कहैत छथि?**

(A) गीजल

(B) श्रेष्ठ गजल

(C) महाकाव्य

(D) नाटक

**२००९. गजलक प्रस्तुति मे की होएबाक चाही?**

(A) रहस्य, रोमांच आ समधानल चोट

(B) लंबा उपदेश मात्र

(C) पूर्ण सपाटपन

(D) अविराम सूची

**२०१०. गजलक शब्दसभ कोन साँचमे बैसबाक चाही?**

(A) ताल- मात्राक प्रवाहमय साँचमे

(B) अनियमित ढेरमे

(C) मौनमे

(D) गद्यक पंक्तिमे मात्र

## खण्ड ४५६ : विदेह-सदेह १ — धीरेन्द्र प्रेमर्षि: शेर, खेत आ लोहक बिम्ब

**२०११. गजलक पाँति कैँ अर्थवत्ता हिसाबे लेखक ककरा जकाँ देखैत छथि?**

(A) हरक सिराउर जकाँ

(B) बंद दरवाजा जकाँ

(C) सूखा पत्थर जकाँ

(D) कागजी सूची जकाँ

**२०१२. गजलक पहिल पाँति हरक पहिल सिराउर जकाँ की करैत अछि?**

(A) कल्पना वा विषयवस्तुक उठान

(B) विषय समाप्त

(C) तुक छिपाब

(D) कथा रोक

**२०१३. गजलक दोसर पाँति हरक दोसर सिराउर जकाँ की करैत अछि?**

(A) पहिलमे खसाओल बीज कैँ तोपि आगू बढ़बाक मार्ग प्रशस्त

(B) बीज हटाब

(C) लय तोड़ब

(D) कथ्य मिटाब

**२०१४. प्रत्येक दू-पाँति गजलमे कोना रहैत अछि?**

(A) अपनहुमे स्वतंत्र, समग्रमेसँ जुड़ल

(B) पूर्णतः निर्भर मात्र

(C) सदैव असम्बद्ध

(D) केवल शीर्षक

**२०१५. लोहारक बिम्बमे पहिल पाँति की कहल गेल?**

(A) कनसार सँ निकलल लालोलाल लोह

(B) घनक चोट

(C) राख

(D) पानी

**२०१६. लोहारक बिम्बमे दोसर पाँति की अछि?**

(A) निर्दिष्ट आकार दिस बढ़एबाक घनक समधानल चोट

(B) ठंढा पानी मात्र

(C) खाली धुआँ

(D) बिना आकारक राख

**२०१७. गीत सृजनमे सिद्धहस्त मैथिल गजल किएक सहज लिखि सकैत छथि?**

(A) बगय-बानि बुझिते गजलक सृजन संभव होइत अछि

(B) क्योंकि गजलमे लय नहि

(C) क्योंकि गीतक विरोध जरूरी

(D) क्योंकि मैथिली अयोग्य

**२०१८. लेखक अपन तौर-तरीका संबंधी कथन कैँ सिद्धहस्त लोक लेल केहन मानैत छथि?**

(A) हास्यास्पद भऽ सकैत

(B) अति आवश्यक आदेश

(C) एकमात्र नियम

(D) सर्वोच्च शास्त्र

**२०१९. नवसिखुआसभ लेल लेखकक उद्देश्य की अछि?**

(A) गजल-संरचना सहज बुझब

(B) गजल छोड़ब

(C) गीतक अपमान

(D) केवल नाम गिनब

**२०२०. एहि खण्डमे रूपकसभक उपयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) गजलक तकनीक कैँ लोक-जीवनक हर, लोह आ घन सँ समझेबाक

(B) सिर्फ सजावट

(C) तथ्य छिपाब

(D) कथा बदलाब

## खण्ड ४५७ : विदेह-सदेह १ — धीरेन्द्र प्रेमर्षि: मैथिली गजलक परंपरा

**२०२१. प्रेमर्षि कहैत छथि जे मैथिलीमे कलम चलौनिहार सभ प्रायः की करैत भेटलाह?**

(A) एक-आध हाथ गजलमे सेहो अजमबैत

(B) गजल पूर्णतः नकारैत

(C) केवल नाटक लिखैत

(D) कथा न पढ़ैत

**२०२२. यात्रीक कोन कविता गजलक संरचनामे लिखल कहल गेल?**

(A) “भगवान हमर ई मिथिला”

(B) “बदनामी”

(C) “अभियान गीत”

(D) “हमर माय”

**२०२३. सियाराम झा “सरस”, कलानन्द भट्ट, राजेन्द्र विमल कैँ लेखक कोन रूपमे चिह्नैत छथि?**

(A) खाँटी गजलकार

(B) चित्रकार मात्र

(C) कम्प्यूटर शिक्षक

(D) उपन्यास पात्र

**२०२४. सोमदेव, केदारनाथ लाभ, तारानन्द वियोगी, रामचैतन्य धीरज आदि नाम किएक देल गेल?**

(A) मैथिली गजल-संसारक विस्तार देखाबय लेल

(B) नाम-सूची मात्र

(C) पृष्ठ भरण

(D) नाटक पात्र

**२०२५. गजलमे महिला हस्ताक्षरबारे लेखक की कहैत छथि?**

(A) बहुत कम देखल जाइत अछि

(B) बहुत अधिक अछि

(C) एकदम अनुपस्थित नहि पर बहुलता अछि

(D) केवल महिला गजल लिखैत छथि

**२०२६. गीत आ गजलक सम्बन्ध लेखमे अन्ततः कोन रूपमे स्थापित होइत अछि?**

(A) भ्रातृत्व आ सहयात्रा

(B) स्थायी शत्रुता

(C) पूर्ण विलय

(D) असम्बद्धता

**२०२७. प्रेमर्षिक आलोचना सतही गजल-लेखन पर किएक अछि?**

(A) क्योंकि केवल तुकबन्दी गजल नहि बना दैत

(B) क्योंकि गजल वर्जित अछि

(C) क्योंकि प्रेम अनुपस्थित होएबाक चाही

(D) क्योंकि गीत श्रेष्ठ नहि

**२०२८. मैथिली गजलक सामर्थ्यबारे लेख आश्वस्त किएक अछि?**

(A) गुणवत्ता हिन्दी-नेपालीसँ कम नहि आ गीत-परंपरा मजबूत अछि

(B) क्योंकि गजल नहि अछि

(C) क्योंकि भाषा कमजोर अछि

(D) क्योंकि केवल बाहरी प्रभाव अछि

**२०२९. लेखक पारिभाषिक शब्द टारि सरल ढंग किएक अपनबैत छथि?**

(A) नव जिज्ञासुक कैँ संरचना बुझाबय लेल

(B) विद्वानकैँ भ्रमित करबाक लेल

(C) गजल छिपाबय लेल

(D) गीत काटबाक लेल

**२०३०. धीरेन्द्र प्रेमर्षिक “मैथिलीमे गजल” लेखक सार की अछि?**

(A) गीत-गजल सम्बन्ध, गजलक स्वभाव, संरचना आ मैथिली परंपराक व्याख्या

(B) केवल जीवन-वृत्त

(C) केवल यात्रा

(D) केवल चित्रकला

## खण्ड ४५८ : विदेह-सदेह १ — “चमेली रानी” आ “माहुर”: उपन्यास-सम्भावना

**२०३१. केदारनाथ चौधरीक “चमेली रानी” आ “माहुर” कैँ विवेचन कोन बात सिद्ध करैत कहल गेल?**

(A) जीवनानुभव विस्तृत होए तँ कथा-विविधता आ नूतनता आबि सकैत अछि

(B) उपन्यास असम्भव अछि

(C) कथा केवल गीत अछि

(D) चरित्रक जरूरत नहि

**२०३२. “चमेली रानी” आ “माहुर”क पात्रसभक विषयमे विवेचन की कहैत अछि?**

(A) चमत्कारी आ सफल

(B) सपाट आ निर्जीव

(C) केवल हास्य पात्र

(D) पूर्णतः अनुपस्थित

**२०३३. चमेली रानीक कथा मे ओ कुन अवस्था मे देखाइत छथि?**

(A) दसमा परीक्षा पास कएने समयक प्रसंग

(B) विदेशी मंत्री

(C) कम्प्यूटर वैज्ञानिक

(D) जंगल अधिकारी

**२०३४. भूखन सिंहक भूमिका की बतायल गेल?**

(A) चमेली रानीक धर्म-पिता

(B) सिर्फ शत्रु

(C) पोस्टमैन

(D) गजलकार

**२०३५. पहिल भाग कोन विवरण संग समाप्त होइत कहल गेल?**

(A) डकैतीक विवरण संग

(B) विवाह गीत संग

(C) गजल संग

(D) कम्प्यूटर पाठ संग

**२०३६. दूसर भागमे विधायकजीक पैसा/खजाना लूटबाक विवरण कोना देखायल गेल?**

(A) पूर्व नियोजित घटना कैँ नांगटनाथक कृत्यक परिणाम जकाँ

(B) साधारण दान जकाँ

(C) भोजन-विधान जकाँ

(D) चित्रकला जकाँ

**२०३७. नांगटनाथक सामाजिक-राजनीतिक पहचान विवेचनमे की अछि?**

(A) मुख्यमंत्री गुलाब मिसिरक खबास जे दाँव-पेंचमे विधायक बनल

(B) बाल-गीतक गायक

(C) चित्रकार

(D) वैज्ञानिक

**२०३८. अरविन्द अडिगक “द व्हाइट टाइगर”क बलराम हलवाई संग तुलना किएक अछि?**

(A) नीचले स्तरसँ छल/हिंसा द्वारा उन्नति करनिहार चरित्र-समानता लेल

(B) भाषिक शैली समान लेल

(C) चित्रकला विषय लेल

(D) कृषि गीत लेल

**२०३९. के.जी.बी. एजेंट भाटाजी उपन्यासमे कोना उपस्थित कहल गेल?**

(A) दोसरा खण्ड “माहुर” धरि प्रभावी उपस्थिति

(B) एक पंक्ति मात्र

(C) अदृश्य देवता

(D) कृषि उपकरण

**२०४०. अहमदुल्ला खाँक अभियानक विवेचन की कहैत अछि?**

(A) रमनगर आ वर्तमान राजनीतिक कुरूपता समेटनिहार

(B) पूर्णतः असंबद्ध

(C) केवल प्रेमकथा

(D) संगीत आयोजन

## खण्ड ४५९ : विदेह-सदेह १ — “माहुर”: राजनीति, प्रतिशोध आ विवेचन

**२०४१. गुलाब मिसिरक खेरहा वाला भाग ककर स्मरण करबैत कहल गेल?**

(A) बलराम हलवाईक

(B) विद्यापतिक

(C) गुरुजीक

(D) आर्यक

**२०४२. गुलाब मिसिर पन्ना सँ की चाहैत अछि?**

(A) भूखन सिंह कैं मारबाक

(B) गीत गेबाक

(C) चित्र बनयबाक

(D) पत्र भेजबाक

**२०४३. पाँचम भागमे चमेली रानी अपन अड्डा छोड़ि कतय जाइत छथि?**

(A) बैद्यनाथ धाम

(B) लंदन

(C) जटिंगा

(D) गुवाहाटी

**२०४४. चमेली रानीक राजनीतिक महत्वाकांक्षा कोन चरणमे सोझाँ आबैत अछि?**

(A) भूखन सिंहक ट्रस्ट आ बैद्यनाथ धाम प्रसंगक बाद

(B) गीत-गजल बहसक बाद

(C) छठ पाबनि बाद

(D) कम्प्यूटर पाठ बाद

**२०४५. स्टिंग ऑपरेशनक परिणाम की बतायल गेल?**

(A) गुलाब मिसिर घेराइत छथि

(B) चमेली रानी गुम होइत छथि

(C) गजल समाप्त होइत अछि

(D) चित्रकला शुरू होइत अछि

**२०४६. मुख्यमंत्रीक निपत्ता रहलाक बाद मात्र फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनबाक चर्चा कोन टिप्पणी अछि?**

(A) कोएलिशन राजनीतिक विवशता पर

(B) कृषि-विधि पर

(C) गजल तुक पर

(D) लोकगीत पर

**२०४७. “माहुर”क पहिल भाग कोन विषयसभक चारूकात घुमैत अछि?**

(A) चमेली रानीक पार्टी संगठन, स्त्री-अत्याचार, बाल-विधवा, वैश्यावृत्ति

(B) कम्प्यूटर शिक्षा

(C) पुरैन चित्र

(D) सामा गीत

**२०४८. “माहुर”क दोसरा भागमे चमेली रानी कतय जाइत छथि?**

(A) नक्सली नेताक अड्डा पर

(B) संगीत मंच पर

(C) विद्यालय कक्षा मे

(D) बैंक कार्यालय मे

**२०४९. चमेली रानीक माएक रहस्योद्घाटन की अछि?**

(A) कनही मोदियाइन पैघ घरक छलीह, हुनका पर अत्याचार भेल आ पिता मारल गेल

(B) ओ विदेशी वैज्ञानिक छलीह

(C) ओ चित्रकार मात्र छलीह

(D) ओ गुरुजी छलीह

**२०५०. “माहुर”क चतुर्थ-पंचम भागक मूल कथा-गतिशीलता की अछि?**

(A) प्रतिशोध, सम्पत्ति, राजनीतिक दाँव-पेंच आ दलक विजय

(B) केवल भोजन-विन्यास

(C) केवल लघुकविता

(D) केवल लोकगीत

## खण्ड ४६० : विदेह-सदेह १ — उपन्यास-विवेचन: विधा, यथार्थ आ कल्पना

**२०५१. विवेचन मे उपन्यास-विधाक गंभीर स्वरूप कब सँ जुड़ल कहल गेल?**

(A) उन्नैसम शताब्दी आगमन सँ किछु समय पूर्व

(B) वैदिक युगमे पूर्ण

(C) बीसम शताब्दी बाद मात्र

(D) कहियो नहि

**२०५२. उपन्यासमे वाद-विवाद-संवाद सँ की उत्पन्न होइत अछि?**

(A) निबंध

(B) चित्र

(C) नदी

(D) मौन

**२०५३. युवक-युवती चरित्र उपन्यासमे की अनैत अछि?**

(A) प्रेमाख्यान

(B) वैज्ञानिक सूत्र

(C) कृषि उपकरण

(D) आर्थिक चार्ट

**२०५४. लोक आ भूगोल उपन्यासमे की दैत अछि?**

(A) इतिहासक वर्णन

(B) केवल तुकबन्दी

(C) नाट्यगीत

(D) व्यापार-तालिका

**२०५५. मार्क्सवाद उपन्यासक ककर वकालत करैत कहल गेल?**

(A) सामाजिक यथार्थक

(B) पूर्ण रहस्यवाद

(C) केवल छंद

(D) केवल रंग

**२०५६. फ्रायडवादी दृष्टि मनुष्य कैं कोना मानैत अछि?**

(A) रहस्यमयी

(B) पूर्ण पारदर्शी

(C) केवल सामाजिक संख्या

(D) कोनो इच्छा-विहीन

**२०५७. नव-फ्रायडवाद जैविकक बदला ककर प्रधानता पर बल दैत देखायल?**

(A) सांस्कृतिक तत्त्वक

(B) केवल भूगोल

(C) केवल धन

(D) केवल मौसम

**२०५८. नव-समीक्षावाद ककरा पर आधारित कहल गेल?**

(A) कृतिक विस्तृत विवरण पर

(B) लेखकक जाति मात्र

(C) पाठकक उम्र

(D) बाजारक दाम

**२०५९. लेखकक दबायल इच्छा पूरा करबाक रूपक कोना देल गेल?**

(A) लेखक एक संसार रचैत छथि

(B) लेखक मौन रहैत छथि

(C) लेखक खेत जोतैत छथि मात्र

(D) लेखक गजल छोड़ैत छथि

**२०६०. विवेचनक अनुसार पाठक उपन्यासमे कोन मार्ग पर चलैत अछि?**

(A) यथार्थ आ काल्पनिकताक बीचक आड़ी-धूर पर

(B) केवल तथ्य-सूची पर

(C) केवल स्वप्नमे

(D) केवल नाटक-मंच पर

## खण्ड ४६१ : विदेह-सदेह १ — नचिकेता: “नो एंट्री: मा प्रवेश” — नाट्यसिद्धान्त

**२०६१. “नो एंट्री: मा प्रवेश”क विवेचन कोन तुलनात्मक अध्ययन सँ आरम्भ होइत अछि?**

(A) भारतीय आ पाश्चात्य नाट्यसिद्धान्तक तुलना

(B) कम्प्यूटर शिक्षा

(C) मिथिला चित्रकला

(D) व्यापार जोखिम

**२०६२. भारतीय नाट्यशास्त्र मुख्यतः किनका ग्रंथसभ पर आधारित कहल गेल?**

(A) भरतक नाट्यशास्त्र आ धनंजयक दशरूपक

(B) अरस्तू मात्र

(C) मार्क्स मात्र

(D) ब्राउनक पुस्तक

**२०६३. पाश्चात्य नाट्यशास्त्रक प्रामाणिक ग्रंथ कोन कहल गेल?**

(A) अरस्तूक काव्यशास्त्र

(B) दशरूपक

(C) गीतगोविन्द

(D) अभिधान

**२०६४. भरत नाट्य कैं की कहैत छथि?**

(A) कृतानुसार भावानुकार

(B) व्यापारक नियम

(C) गजल तुक

(D) चित्रक रंग

**२०६५. धनंजय नाट्य कैं कोना परिभाषित करैत छथि?**

(A) अवस्थाक अनुकृति

(B) सिर्फ गीत

(C) केवल कथानक

(D) दस्तावेज

**२०६६. भारतीय साहित्यमे अनुकरण ककर कर्म कहल गेल?**

(A) नट-कर्म

(B) कवि-कर्म नहि

(C) व्यापारी-कर्म

(D) चित्रकार-कर्म

**२०६७. पश्चिममे अनुकरण ककर कर्म कहल गेल?**

(A) कवि-कर्म

(B) नट-कर्म

(C) किसान-कर्म

(D) गृहस्थ-कर्म

**२०६८. अरस्तू नाटकमे ककरा पर विशेष बल दैत छथि?**

(A) कथानक पर

(B) सिर्फ वस्त्र पर

(C) सिर्फ भोजन पर

(D) सिर्फ दर्शक संख्या पर

**२०६९. भरतक अनुसार नायकसँ संबंधित कथावस्तु की कहल जाइत अछि?**

(A) आधिकारिक

(B) प्रासंगिक

(C) अप्रासंगिक

(D) मौन

**२०७०. आधिकारिक कथावस्तु कैं सहायता करएबला कथा की कहल जाइत अछि?**

(A) प्रासंगिक

(B) मुख्य बीज

(C) अवसान

(D) छंद

## खण्ड ४६२ : विदेह-सदेह १ — “नो एंट्री: मा प्रवेश”: पात्र, कथा आ अवस्थाएँ

**२०७१. विवेचनक अनुसार “नो एंट्री: मा प्रवेश” मे सर्वमान्य नायक किएक नहि अछि?**

(A) एक पात्र थोड़े काल बाद गौण पड़ि जाइत, सभ रिबाउण्ड करैत अछि

(B) पात्र नहि अछि

(C) केवल गीत अछि

(D) नाटक अधूरा अछि

**२०७२. यमराजक तेज केकर सोझाँ मध्यम होइत देखाइत अछि?**

(A) निभाक सोझाँ

(B) गुरुजीक सोझाँ

(C) बैंकक सोझाँ

(D) अभियान गीतक सोझाँ

**२०७३. भिखमंगनी यमराज-चित्रगुप्तक दैवी स्वरूप उतरने देख की करैत अछि?**

(A) हँसैत अछि

(B) पूजा मात्र करैत अछि

(C) भागि जाइत अछि

(D) पत्र लिखैत अछि

**२०७४. कथा-इतिवृत्ति तीन प्रकारक बतायल गेल — प्रख्यात, उत्पाद्य आ की?**

(A) मिश्र

(B) मौन

(C) अंत्यानुप्रास

(D) व्यापार

**२०७५. "नो एंट्री: मा प्रवेश" कैँ मिश्र इतिवृत्ति किएक नहि मानल गेल?**

(A) यमराज-चित्रगुप्त नकली भेष उतारैत छथि आ कथा उत्पाद्य सिद्ध होइत अछि

(B) क्योंकि इतिहास मात्र अछि

(C) क्योंकि गीत नहि अछि

(D) क्योंकि समय नहि अछि

**२०७६. अरस्तूक सरल-जटिल कथानक भेदक हिसाबे ई नाटक कोन श्रेणी दिस राखल गेल?**

(A) सरल कथानक आधारित

(B) जटिल मात्र

(C) अकथानक

(D) महाकाव्य

**२०७७. अरस्तूक इतिवृत्त-वर्गीकरण हिसाबे नाटक कैँ कोन श्रेणीमे राखल गेल?**

(A) काल्पनिकमूलक

(B) दंतकथा मात्र

(C) इतिहास मात्र

(D) कृषि-वृत्त

**२०७८. अरस्तूक त्रासदीक चिरित ककर मिश्रण होइत अछि?**

(A) सत् आ असत्

(B) केवल सत्

(C) केवल असत्

(D) रंग आ तुक

**२०७९. निभा आ रमणी मोहन प्रसंग पात्रक कोन गुण दिखबैत अछि?**

(A) सत्-असत् मिश्रित जटिलता

(B) पूर्ण देवत्व

(C) पूर्ण शून्यता

(D) केवल हास्य

**२०८०. भिखमंगनीक असल पहचान की बतायल गेल?**

(A) मिथिला चित्रकार अनसूया

(B) राजनीतिक नेता

(C) कम्प्यूटर शिक्षक

(D) गजलकार

## खण्ड ४६३ : विदेह-सदेह १ — “नो एंट्री: मा प्रवेश”: संरचना, दृश्यत्व आ उत्तर-आधुनिकता

**२०८१. भारतीय सिद्धान्तक पाँच कार्य-अवस्था मे आरम्भ, प्रयत्न, प्राप्त्याशा, नियताप्ति आ की अछि?**

(A) फलागम

(B) रदीफ

(C) काफिया

(D) पुरैन

**२०८२. पाश्चात्य सिद्धान्तक क्रम मे आरम्भ, कार्य-विकास, चरम घटना, निगति आ की अछि?**

(A) अन्तिम फल

(B) अंगिका

(C) आलाप

(D) डाक

**२०८३. कायावस्था/कार्य-विभाजनक पाँच अवयव मे बीज, बिन्दु, पताका, प्रकरी आ की अछि?**

(A) कार्य

(B) गीत

(C) नृत्य

(D) पर्व

**२०८४. “नो एंट्री: मा प्रवेश” मे बीज की कहल गेल?**

(A) मृत्युक बादक लोकक द्वन्द्व

(B) कृषि आरम्भ

(C) भोजन विधि

(D) गजल तुक

**२०८५. नो एंट्री: मा प्रवेश मे बीमा एजेंटक भूमिका की विचित्रता अनैत अछि?**

(A) बिना मृत्युक पहुँचि जाइत अछि

(B) जन्म नहि लेत

(C) गजल गबैत अछि

(D) चित्र बनबैत अछि

**२०८६. विवेचनक अनुसार नाटकमे मुख्यतः कोन-कोन सन्धि अछि?**

(A) मुख, प्रतिमुख आ निर्वहण

(B) गर्भ आ विमर्श मात्र

(C) कोनो सन्धि नहि

(D) केवल प्रकरी

**२०८७. पाश्चात्य त्रिक — स्थान, समय, कार्य — नाटकमे कोना उपस्थित अछि?**

(A) स्थान एक, समय लगातार, कार्य द्वार भीतर पैसबाक आकांक्षा

(B) स्थान अनेक, समय असंगत

(C) कार्य अनुपस्थित

(D) केवल यात्रा

**२०८८. दू घंटाक नाटकमे घटना-समय कतेक कहल गेल?**

(A) दू घंटा

(B) दस बरख

(C) एक युग

(D) अनंत काल

**२०८९. भारतमे नाटकक दृश्यत्व परंपरा आ पश्चिमी मतक चर्चा किएक आयल?**

(A) नाटकक दृश्य/पठनीय रूपक सिद्धान्त-भेद देखाबय लेल

(B) भोजनक स्वाद लेल

(C) व्यापार माप लेल

(D) चित्रक रंग लेल

**२०९०. “नो एंट्री: मा प्रवेश”क अंतिम महत्त्व विवेचन की मानैत अछि?**

(A) मैथिली नाटक लेखन कैँ नव दिशा देबाक सम्भावना

(B) नाटक समाप्त करबाक

(C) गीत हटाएबाक

(D) कथा नकारबाक

## खण्ड ४६४ : विदेह-सदेह १ — कथा “पहरराति”: आयाम, प्रयोगशाला आ समय

**२०९१. “पहरराति” कथा केकर प्रयोगशाला प्रसंगसँ शुरू होइत अछि?**

(A) धौम्यक

(B) नरेशक

(C) आर्यक

(D) भ्रमरक

**२०९२. धौम्य की प्रयोग करय जा रहल छथि?**

(A) चार आयामक वातावरणमे द्वि आ त्रि आयामी वस्तुक प्रयोग

(B) गजल तुक

(C) मिथिला पेंटिंग

(D) दुरागमन रस्म

**२०९३. दू आयामक जीव तीन आयामक मनुष्यक कार्य कैँ कोना अनुभव करैत अछि?**

(A) देख नहि सकैत, मुदा परिणाम अनुभव करैत अछि

(B) सब स्पष्ट देखैत अछि

(C) किछु नहि अनुभव करैत

(D) केवल सुनैत अछि

**२०९४. एक आयामी विश्वमे की-की बोध नहि अछि?**

(A) वाम-दहिन आ ऊपर-नीचाँ

(B) आगू-पाछू

(C) रेखा

(D) गति

**२०९५. एक आयामी जीव एक दोसरा कैँ पार किएक नहि कए सकैत?**

(A) कारण ओकर विश्व एके पंक्तिमे समाप्त अछि

(B) कारण ओ उड़ैत अछि

(C) कारण ऊँचाई असीम अछि

(D) कारण समय नहि अछि

**२०९६. द्वि आयामी प्रयोगशाला मे जीवसभ एक दोसरा कैँ कतेक रूपमे देखैत अछि?**

(A) एक बेरमे रेखाक रूपमे

(B) पूर्ण त्रि-आकृति रूपमे

(C) ध्वनि मात्र

(D) अदृश्य

**२०९७. धौम्य संग नव कार्य हेतु कतेक विद्यार्थी तैयार भेल?**

(A) पाँच

(B) दू

(C) सात

(D) बीस

**२०९८. चौथा/ऊँच आयामी शोधमे समयक भूमिका कोना आयल?**

(A) स्थानिक आयामक संग समयक एक वा अधिक आयामक सम्भावना

(B) समय अप्रासंगिक

(C) समय हटि गेल

(D) केवल घड़ीक समय

**२०९९. वर्ण-अन्धताक उदाहरण धौम्य किएक दैत छथि?**

(A) अदृश्य अतिरिक्त आयामक अप्रत्यक्ष अनुभव बुझाबय लेल

(B) रंगक सौंदर्य मात्र

(C) चित्रकला बेचबाक लेल

(D) गीत गेबाक लेल

**२१००. “पहरराति”क आरम्भिक भागक मूल प्रश्न की अछि?**

(A) हमर सभसँ ऊपर वा अधिक आयामी जीवन/हस्तक्षेप सम्भव अछि की?

(B) गजल कित्ता लंब हो

(C) सूप केना बनय

(D) भोजन केना परसय

## खण्ड ४६५ : विदेह-सदेह १ — कथा “आर्य”: भेट, वर्ग-दृष्टि आ किरायादार परिवार

**२१०१. कथा “आर्य”क आरम्भिक परिस्थिति की अछि?**

(A) विवाहक उपरान्त सासुरमे भेटघाटक सिलसिला चलि रहल अछि

(B) विद्यालयक परीक्षा-कक्षमे युद्ध अछि

(C) राजनीतिक सभा चालू अछि

(D) जंगलमे साधना भऽ रहल अछि

**२१०२. आर्य कथामे पहिल बेर कोना अबैत अछि?**

(A) माएक संग नहि, असगरे भेट करय अबैत अछि

(B) सेनादल संग अबैत अछि

(C) होटलक मालिक बनि अबैत अछि

(D) पत्रमे मात्र उल्लेखित अछि

**२१०३. आर्यक शारीरिक/व्यवहारिक चित्रणमे कोन बात प्रमुख अछि?**

(A) कारी, दुबर-पातर, अत्यधिक अनुशासित, नापि-जोखि बजिनिहारि

(B) अत्यधिक उदंड आ हिंसक

(C) सदैव हास्यक पात्र

(D) पूरी तरह मौन मूर्ति

**२१०४. कथावाचक कैँ आर्यक माएक प्रति घरक व्यवहार किएक खटैत अछि?**

(A) क्योंकि पितामहीक लेहाज राखल गेल, मुदा माएक अवहेलना सन भेल

(B) क्योंकि माए अनुपस्थित छलीह

(C) क्योंकि घरक लोक हुनका मंत्री मानलक

(D) क्योंकि कथावाचक ककरो नहि भेटल

**२१०५. आर्यक माए अपन परिवारक स्थिति कोना स्पष्ट करैत छथि?**

(A) ओ सभ ससुरक किरायादार छी आ ऊपरका महला पर रहैत छी

(B) ओ राजघरानाक मालिक छी

(C) ओ गामक मुखिया छी

(D) ओ दूर देशसँ आयल यात्री छी

**२१०६. सासु कथावाचक-पत्नीकें ऊपर न जाएबाक निर्देश किएक दैत छथि?**

(A) किरायादार परिवारसँ दूरी बनाबयक सामाजिक मनोवृत्ति कारण

(B) पृष्ठ नहि भेटल छल

(C) स्कूल बन्द छल

(D) वर्षा बहुत छल

**२१०७. आर्यक पिता पहिल बेर कथावाचक कैँ कोन अवस्थामे भेटैत छथि?**

(A) नशाग्रस्त, डोलैत आ बड़बड़ाइत अवस्था मे

(B) मंदिरक पुजारी रूपेँ

(C) कक्षा शिक्षक रूपेँ

(D) नाटक निर्देशक रूपेँ

**२१०८. आर्यक पिता अपन पेशाक दृष्टिसँ की छथि?**

(A) एम.बी.बी.एस. डॉक्टर

(B) नौआ

(C) रंगकर्मी

(D) गजलकार

**२१०९. सासु आर्यक पिता संबंधमे कौन जटिल टिप्पणी करैत छथि?**

(A) पीने रहितो ओ अभद्र गप नहि बजैत, मनुक्ख ठीक अछि, मुदा गड़बड़ी भारी अछि

(B) ओ पूर्ण अपराधी आ असभ्य छथि

(C) ओ ककरो नहि चिन्हैत छथि

(D) ओ केवल कवि छथि

**२११०. एहि आरम्भिक भागक मुख्य कथा-तनाव की अछि?**

(A) व्यक्तिगत संवेदना आ परिवारक वर्ग-नैतिक दूरीक टकराव

(B) युद्ध आ विजय

(C) कृषि आ व्यापार

(D) गजल आ गीतक छन्द

## खण्ड ४६६ : विदेह-सदेह १ — कथा “आर्य”: नशा, गप-चर्चा आ आत्महत्या

**२१११. आर्यक परिवार कैँ घर छोड़बाक अल्टीमेटम कोन प्रसंगमे देल गेल?**

(A) पिताक नशाग्रस्त व्यवहार आ किरायादार-विवादक बाद

(B) कविता छपलाक बाद

(C) चित्रकला सीखलाक बाद

(D) परीक्षा सफल भेलाक बाद

**२११२. आर्यक बोडर्क बाद पटना जेबाक विनती ककरा खयाल रखि कएल गेल?**

(A) आर्यक खयाल रखि

(B) होटल मालिकक खयाल रखि

(C) नाटक निर्देशकक खयाल रखि

(D) ग्रामदेवक खयाल रखि

**२११३. बादमे कथावाचक कैँ आर्यक पिताक मृत्यु संबंधी कोन सूचना भेटैत अछि?**

(A) विष खा कऽ आत्महत्या केलनि

(B) युद्धमे शहीद भेलाह

(C) तीर्थयात्रामे हराएलाह

(D) गंगा-स्नानमे सिद्ध भेलाह

**२११४. डॉक्टर-पति आ पत्नी बीच झगड़ाक कारणक उलट जवाब की छल?**

(A) पत्नी कहैत छलीह पीबाक कारणे झगड़ा, पति कहैत छलाह झगड़ाक कारणे पीबैत छी

(B) दूनू गजल लिखैत छलाह

(C) दूनू चित्र बनबैत छलाह

(D) दूनू शिक्षक छलाह

**२११५. पिताक मृत्यु पर आर्यक माएक भाव कोना देखाओल गेल?**

(A) मानो मुक्ति भेटल हो

(B) पूर्ण विजय-नृत्य

(C) कोनो प्रतिक्रिया नहि

(D) केवल धार्मिक व्रत

**२११६. आर्यक आत्महत्या-सूचना कथावाचक पर कोन प्रभाव छोड़ैत अछि?**

(A) पुरान बातसभ मोनमे फेर घूमए लगैत अछि

(B) ओ तुरन्त हँसैत अछि

(C) ओ घटना बिसरि जाइत अछि

(D) ओ केवल परीक्षा सोचैत अछि

**२११७. आर्यक प्रेम-संदर्भमे ओकर स्वभाव कोना खुलैत अछि?**

(A) ओ भावुक छलीह आ बात गंभीरतासँ लैत छलीह

(B) पूर्णतः कठोर आ निर्विकार

(C) हँसी-मजाक मात्र

(D) कोनो लगाव नहि

**२११८. आर्य जे युवक चाहैत छलीह, ओकर पारिवारिक पृष्ठभूमि कोना बतायल गेल?**

(A) माए शिक्षिका, पिता मेरीनमे, परिवारमे झगड़ा-बदनामीक प्रसंग

(B) राजमहलक सीधा उत्तराधिकारी मात्र

(C) कोनो परिचय नहि

(D) गुरुजीक पोता

**२११९. कथावाचक आर्यक आत्महत्याक कारण अन्ततः कोन सामाजिक वृत्तमे ताकैत अछि?**

(A) परिवारक सम्बन्धी, दोष-महीम आ समाजक चटखारापूर्ण चर्चा

(B) केवल मौसम

(C) केवल परीक्षा-केंद्र

(D) केवल कोका-कोला

**२१२०. “आत्महत्याक नाम दऽ ओकरा मृत्युदण्ड देलक समाज” — एहि भावक अर्थ की?**

(A) समाजक कलंक, गप्प आ उपेक्षा आर्यक मृत्यु मे सहभागी रहल

(B) समाज पूर्णतः निर्दोष अछि

(C) आर्य केवल कथा-पात्र नहि

(D) परिवार अत्यंत सुखी छल

## खण्ड ४६७ : विदेह-सदेह १ — कुमार शुशान्त: “डटके जलपान”क हास्य-प्रसंग

**२१२१. “डटके जलपान”क वास्तविक नाम की बतायल गेल?**

(A) दिवसलाल

(B) धौम्य

(C) आर्य

(D) प्रकाशचन्द्र

**२१२२. डटकेजलपान परीक्षार्थी दलक संग किएक भेजल गेल?**

(A) गामक लड़कासभ अभिभावकसँ दूर रहत, तैं देख-रेख लेल

(B) भोजन पकयबा लेल मात्र

(C) नाटक करयबा लेल

(D) चित्र बनयबा लेल

**२१२३. लड़का-मंडली कोका-कोला कतेक मँगबैत अछि आ किएक?**

(A) दस बोतल, जानि-बूझि डटकेजलपानकेँ अलग राखय लेल

(B) एगारह बोतल, सभकेँ बराबर लेल

(C) एक बोतल, पूजा लेल

(D) बीस बोतल, होटल लेल

**२१२४. मित्रसभ कोका-कोला बारे डटकेजलपान केँ की बुझाबैत अछि?**

(A) ई कड़ा नशा देबयवला चीज अछि

(B) ई औषधि अछि

(C) ई जल नहि अछि

(D) ई परीक्षा-पत्र अछि

**२१२५. डटकेजलपान पहिने की प्रतिक्रिया दैत अछि?**

(A) माँ-बापक पढ़ाएल परीक्षा छोड़ि लड़कासभ दारू पीबैत अछि, एना धिक्कारैत अछि

(B) ओ तुरन्त गीत गाबैत अछि

(C) ओ कोका बेचय लगैत अछि

(D) ओ होटल खोलैत अछि

**२१२६. कोका-कोला पीबाक बाद डटकेजलपान केँ की अनुभव होइत कहल गेल?**

(A) कानमे फहऽ-फहऽ करैत अछि

(B) ऊँच आयाम देखाइत अछि

(C) गजल याद होइत अछि

(D) सागर पार होइत अछि

**२१२७. रास्ताक भीड़ केँ जखन पता चलैत अछि जे कोका-कोला पीने छथि, तखन प्रतिक्रिया की अछि?**

(A) ई नशा नहि देत, बड़ नौटंकी अछि

(B) ओ सभ पुलिस बजबैत अछि

(C) ओ सभ पूजा करैत अछि

(D) ओ सभ कथा लिखैत अछि

**२१२८. डटकेजलपान उठि की शिकायत करैत छथि?**

(A) झूठे नशावला चीज कहि बेइज्जती करेलक

(B) हमरा परीक्षा मे पास करेलक

(C) हमरा मंच पर चढ़ेलक

(D) हमरा चित्र बनौलह

**२१२९. मित्रक “बेइज्जती ओकरा हो जकरा ठाम इज्जत छई” कथन की जोड़ैत अछि?**

(A) ग्रामीण दोस्ताना व्यंग्य आ हास्यक तीखापन

(B) दार्शनिक मोक्ष

(C) राजनीतिक कार्यक्रम

(D) भक्ति रस

**२१३०. एहि प्रथम प्रसंगक हास्य-तत्व की अछि?**

(A) भोले निरीक्षकक मनोवैज्ञानिक भ्रम आ मित्रसभक शरारत

(B) अपराध-कथा

(C) भक्तिकथा

(D) युद्धकथा

## खण्ड ४६८ : विदेह-सदेह १ — “डटके जलपान”: भोजन, अतृप्ति आ लोक-हँसी

**२१३१. डटकेजलपान कैँ भोजन लेल सभसँ पहिले किएक पठाओल गेल?**

(A) बेरा-बेरी भोजन करबाक योजना मे पहिले हुनका होटल पठाओल गेल

(B) ओ होटल मालिक छलाह

(C) ओ परीक्षा निरीक्षक छलाह

(D) ओ आर्यक पिता छलाह

**२१३२. होटलमे भोजनक व्यवस्था पहिने कोना तय भेल छल?**

(A) दू रुपैयामे भरिपेट भोजन आ अग्रिम पाई जमा

(B) मुफ्त भोजन बिना बात

(C) केवल मिठाई

(D) नाटकक टिकट

**२१३३. डटकेजलपान देर धरि न लौटलापर मित्रसभक मुख्य भाव की छल?**

(A) चिन्ता सँ बेसी कौतूहल

(B) पूर्ण उदासीनता

(C) क्रोध मात्र

(D) राजनीतिक डर

**२१३४. होटल मालिक डटकेजलपान कैँ खुआयब किएक नहि चाहैत छल?**

(A) कारण भोजनक हाँड़ा खाली भऽ गेल छल

(B) क्योंकि होटल बन्द छल

(C) क्योंकि पाई नहि देल गेल

(D) क्योंकि पूजा चालू छल

**२१३५. होटल वाला “मनुख्खक भोजन” कहि की सूचित करैत अछि?**

(A) डटकेजलपान सामान्य आदमीसँ बहुत बेसी खा गेलाह

(B) ओ मनुष्य नहि छलाह

(C) भोजन अशुद्ध छल

(D) रसोइया अनुपस्थित छल

**२१३६. होटल मालिक कतेक पाई वापस दैत अछि?**

(A) बारह टका

(B) केवल एक टका

(C) सौ टका

(D) किछु नहि

**२१३७. अतिरिक्त दू टका होटल वाला किएक दैत अछि?**

(A) सामनेवला होटल सँ झगड़ा छल, तैं डटकेजलपान कैँ ओतय पठेबाक घूस रूपैँ

(B) दान रूपैँ

(C) मजदूरी रूपैँ

(D) परीक्षा फीस रूपैँ

**२१३८. मित्रसभक हँसी किएक छूटि जाइत अछि?**

(A) होटल मालिक डटकेजलपानकैँ प्रतिशोधक हथियार जकाँ उपयोग करय चाहैत अछि

(B) क्योंकि परीक्षा रद्द भेल

(C) क्योंकि आर्य आयल

(D) क्योंकि पेन टूटल

**२१३९. डटकेजलपानक कारनामाक वर्णन लेल समुद्रक मसी रूपक किएक आयल?**

(A) हुनकर एक-एक काज असीम हास्य-सम्भार जकाँ प्रस्तुत अछि

(B) शाब्दिक भूगोल लेल

(C) चित्रकला लेल

(D) वेद-विवरण लेल

**२१४०. “डटके जलपान”क मूल साहित्यिक स्वर की अछि?**

(A) लोक-हास्य, अतिशयोक्ति, मित्र-मंडली आ चरित्र-केंद्रित विनोद

(B) शुद्ध शोकगीत

(C) राजकीय आदेश

(D) दार्शनिक उपनिषद् मात्र

## खण्ड ४६९ : विदेह-सदेह १ — अरिपन, मधुप आ आरम्भिक साहित्यिक संकेत

**२१४१. श्रीमती लक्ष्मी ठाकुरक परिचयक साथ कोन अरीपनक उल्लेख अछि?**

(A) षडदल अरिपन

(B) कोहबर पुरैन मात्र

(C) सामा-चकेबा गीत

(D) जट-जटिन नाटक

**२१४२. षडदल अरिपनमे कोन यंत्र-संकेत देल गेल?**

(A) देवी भागवत पुराणक षट्कोण यंत्र

(B) राशिचक्र मात्र

(C) गजल-छन्द

(D) कम्प्यूटर चिप

**२१४३. षडदल अरिपनमे छः कमल दलक अर्थ की संकेत करैत अछि?**

(A) देवी-पूजाक अनुष्ठानिक रचना

(B) होटल भोजन

(C) नाटक मंच

(D) राजनीतिक दल

**२१४४. काशीकान्त मिश्र “मधुप”क राधाविरह ककर रूपमे उल्लेखित अछि?**

(A) साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त महाकाव्य

(B) हास्य कथा

(C) राजनीतिक निबंध

(D) कम्प्यूटर पाठ

**२१४५. मधुपजीक “झंकार” कविताक संबंधमे की कहल गेल?**

(A) क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि

(B) कोका-कोला प्रसंग

(C) आर्य कथा

(D) अरीपन वर्णन

**२१४६. “घसल अठन्नी” कविता लेल मधुपजीकेँ की भेटल कहल गेल?**

(A) कथ्य आ शिल्प-संवेदन दुनू स्तर पर लोकप्रियता

(B) पूर्ण उपेक्षा

(C) केवल दंड

(D) अज्ञातता

**२१४७. मधुपजीक कवितामय चिट्ठी ककरा संबोधित अछि?**

(A) चन्द्रकान्त मिश्र केँ

(B) आर्य केँ

(C) डटकेजलपान केँ

(D) प्रकाशचन्द्र झा केँ

**२१४८. कवितामय चिट्ठीमे शुभाशीर्वाद आ परिवार-चिन्ता किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) कविता निजी पत्राचार केँ सांस्कृतिक-साहित्यिक रूप दैत अछि

(B) क्योंकि ई परीक्षा-प्रपत्र अछि

(C) क्योंकि ई होटल हिसाब अछि

(D) क्योंकि ई राजकीय आदेश अछि

**२१४९. महाप्रकाशक परिचयमे पिहल कविता-संकलन कोन कहल गेल?**

(A) कविता सम्भवा

(B) माहुर

(C) डटके जलपान

(D) नो एंट्री

**२१५०. सुभाषचन्द्र यादवक कथा-यात्रा पर आरम्भिक टिप्पणी की कहैत अछि?**

(A) ओ कथा-कला मे अन्वेषण करैत अलग विशिष्ट साँचा बना लेलनि

(B) ओ केवल अरीपन बनबैत छथि

(C) ओ कथा सँ असंबद्ध छथि

(D) ओ नाटक मात्र लिखैत छथि

## खण्ड ४७० : विदेह-सदेह १ — महेन्द्र कुमार मिश्र: आतंकक उत्पत्ति आ इतिहास

**२१५१. महेन्द्र कुमार मिश्रक लेखक शीर्ष तर्क की अछि?**

(A) आतंकवाद महत्वाकांक्षाक खेतमे अंकुरित होइत अछि

(B) आतंक केवल प्राकृतिक वर्षा अछि

(C) आतंकक कोनो कारण नहि

(D) आतंक सदा लोकगीत अछि

**२१५२. लेखक आतंक केँ प्राणी-जगतमे कोन कालसँ देखैत छथि?**

(A) आदिम प्रभात सँ

(B) केवल आधुनिक युगसँ

(C) केवल इंटरनेट युगसँ

(D) केवल चुनावक बाद

**२१५३. देवासुर संग्रामक उल्लेख किएक अछि?**

(A) पुराणक प्रसंगसँ आतंक-श्रृंखलाक महागाथा देखाबय लेल

(B) कथा सजावट लेल मात्र

(C) गजल संरचना लेल

(D) होटल विवाद लेल

**२१५४. महिषासुर प्रसंगमे देवतागण कोन उपाय दिस जाइत छथि?**

(A) शक्ति-आराधना आ नारी द्वारा छल-प्रपञ्चक रचना

(B) बाजार खोलब

(C) होटल भोजन

(D) गजल-पाठ

**२१५५. रावणक आतंक समापनक प्रसंगमे रामक कौन भूमिका बतायल गेल?**

(A) अनेक जातिक सहयोग लऽ समाज कैँ मुक्ति देलनि

(B) असगरे मौन रहलाह

(C) कथा नहि अछि

(D) विज्ञान प्रयोग केलनि

**२१५६. कंसक उन्मादक बाद कृष्णक आगमन कोन संकेत अछि?**

(A) सामान्य गोपाल रूपमे प्रतिरोधक उदय

(B) राजकीय तानाशाहीक विजय

(C) कृषि-विनाश

(D) भोजन-विवाद

**२१५७. लेख "बिनु बीज वृक्षक अंकुरण नहि" कहि आतंकबारे की बुझबैत अछि?**

(A) आतंकक भी कारण-बीज रहैत अछि

(B) आतंक अचानक बिना कारण

(C) आतंक केवल मौसम

(D) आतंक केवल कला

**२१५८. सद्दाम, ओसामा बिन लादेन आ भिंडरवाला उदाहरण किएक देल गेल?**

(A) पालन-पोषण आ शक्ति-राजनीतिक उल्टा परिणाम देखाबय लेल

(B) भक्ति-काव्य लेल

(C) अरीपन लेल

(D) बाल-हास्य लेल

**२१५९. हिंसा आ प्रतिहिंसाक सम्बन्ध लेखक कोना देखैत छथि?**

(A) आतंकवादी हिंसा दोसर पक्ष कैँ सेहो हिंसक काज करय बाध्य करैत अछि

(B) हिंसा सदैव शान्ति देत

(C) प्रतिहिंसा नहि होइत

(D) हिंसा केवल कविता अछि

**२१६०. एहि खण्डक मूल निष्कर्ष की अछि?**

(A) आतंकवाद इतिहास, महत्वाकांक्षा, अन्याय आ प्रतिहिंसाक संयुक्त परिणाम अछि

(B) आतंक व्यंग्य मात्र

(C) आतंक बिना समाजक

(D) आतंक केवल लोकगीत

## खण्ड ४७१ : विदेह-सदेह १ — महेन्द्र कुमार मिश्र: परिभाषा, नेपाल आ मधेश

**२१६१. लेखक “आतंक” शब्दक अर्थ कोन रूपमे दैत छथि?**

(A) हैजा-जकाँ प्रकोप वा कठोर अत्याचारसँ उपजल भय

(B) केवल गीतक लय

(C) कृषि बीज

(D) अरीपन रेखा

**२१६२. आतंकमे “वाद” जोड़ला पर अर्थ कोना बदलैत अछि?**

(A) डेरा-धमका कऽ हिंसात्मक विद्रोहसँ प्रभुत्व स्थापित करबाक विचार-सिद्धान्त

(B) भक्ति मात्र

(C) नाटकक मंच

(D) खेल प्रतियोगिता

**२१६३. दुराचारी कर्मसभ रूपमे लेखक की-की गिनबैत छथि?**

(A) लूट, आगजनी, बलात्कार, समाजमे उत्पाद

(B) सत्कर्म, दान, तप

(C) गजल, गीत, कथा

(D) अरिपन, चित्र, रंग

**२१६४. तानाशाहीबारे लेख कोन निर्णय दैत अछि?**

(A) जेकर होउ, नीक नहि मानल जाए

(B) तानाशाही सदैव श्रेष्ठ

(C) तानाशाही मोक्ष देत

(D) तानाशाही केवल कविता

**२१६५. कुन शासन-प्रवृत्ति एक दिन विनाश पबैत अछि?**

(A) कुनो राष्ट्रक तानाशाही आ दादागिरी

(B) सामूहिक सेवा

(C) भक्ति-साधना

(D) सत्कर्म

**२१६६. नेपाल प्रसंगमे माओवादी आन्दोलनक बादो समस्या किएक शेष कहल गेल?**

(A) क्योंकि सब पक्षकेँ समेटबामे असफलता आ पीड़ित वर्गक अविश्वास रहल

(B) क्योंकि कविता नहि छपल

(C) क्योंकि होटल बन्द छल

(D) क्योंकि अरीपन न भेल

**२१६७. सामाजिक रूपान्तरण टिकाउ कखन होइत कहल गेल?**

(A) हथियार नहि, विचारसँ कएल जाए तखन

(B) तोप मात्रसँ

(C) भय मात्रसँ

(D) अफवाह मात्रसँ

**२१६८. सहिष्णुता केँ लेखक कोन रूपमे देखैत छथि?**

(A) संस्कारक उदात्तीकरण

(B) कमजोरी मात्र

(C) हिंसाक कारण

(D) भाषा-विनाश

**२१६९. मधेश आन्दोलनसँ प्राप्त अधिकारक सन्दर्भमे नव संविधान ककरा सक्षम करबाक चाही?**

(A) समावेशी, बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक अधिकारयुक्त लोकतन्त्र

(B) एकभाषी दमन

(C) दादागिरी

(D) नया तानाशाह

**२१७०. महेन्द्र कुमार मिश्रक लेखक सामाजिक संदेश की अछि?**

(A) अन्याय-दमन हटाओल बिना विद्रोह आ आतंकक चक्र नहि टूटत

(B) आतंक कैँ पूजा करू

(C) दमन बढ़ाउ

(D) संवाद छोड़ू

## खण्ड ४७२ : विदेह-सदेह १ — महेन्द्र मलंगिया: रंगकर्मी, शोधक आ रचनाकार

**२१७१. महेन्द्र मलंगिया के रूपमे परिचय मुख्यतः की अछि?**

(A) नाटककार, रंग निर्देशक, मैलोरंगक संस्थापक अध्यक्ष

(B) होटल मालिक

(C) आर्यक पिता

(D) अरीपन कलाकार मात्र

**२१७२. “थ्री-इन-वन” उपाधि ककरा लेल प्रयुक्त भाव अछि?**

(A) लेखक, निर्देशक आ संस्थापक/संगठक तीनू रूप एक व्यक्तित्वमे

(B) तीन बोतल कोका-कोला

(C) तीन आयाम प्रयोग

(D) तीन परीक्षार्थी

**२१७३. मलंगियाजी लोक-साहित्य पर की कएल कहल गेल?**

(A) गंभीर शोध-आलेख

(B) व्यंग्य मात्र

(C) होटल हिसाब

(D) कम्प्यूटर तालिका

**२१७४. मलंगियाजीक प्रकाशित/प्रसारित रचना-विस्तार कोन श्रेणीसभमे अछि?**

(A) नाटक, एकांकी, नुक्कड़, रेडियो नाटक

(B) केवल गजल

(C) केवल आत्मकथा

(D) केवल चित्रकला

**२१७५. मलंगियाजी वर्तमानमे कोन प्राचीन मैथिली ग्रंथ पर शोध करैत बताओल गेलाह?**

(A) वर्णरत्नाकर

(B) माहुर

(C) डटके जलपान

(D) संतोष

**२१७६. मलंगियाजी कोन-कोन भाषाक जानकार कहल गेलाह?**

(A) मैथिली, हिन्दी, अंग्रेजी आ नेपाली

(B) केवल मैथिली

(C) केवल ओड़िया

(D) केवल फारसी

**२१७७. हुनकर “ओकरा आँगनक बारहमासा” आ “काठक लोक”क शैक्षिक महत्व की अछि?**

(A) विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रममे सम्मिलित

(B) होटल मेन्यू

(C) अरीपन तालिका

(D) भोजन-विवाद

**२१७८. मलंगियाजीक रचनासूचीमे “राजा सलहेस” आ “कमला कातक राम” सन शीर्षक की सूचित करैत अछि?**

(A) लोक-इतिहास आ मिथिला-संस्कृति सँ जुड़ल नाट्य-रुचि

(B) केवल विज्ञान-कथा

(C) केवल निजी डायरी

(D) केवल परीक्षाकथा

**२१७९. रेडियो नाटक आ नुक्कड़ नाटकक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) मंचसँ बाहर जनसंचार माध्यममे सेहो मैथिली रंगकर्मक विस्तार

(B) भक्ति रस मात्र

(C) चित्र-विक्रय

(D) व्यक्तिगत चिट्ठी

**२१८०. मलंगियाजीक समग्र परिचयक साहित्यिक निष्कर्ष की अछि?**

(A) मैथिली रंगमंचमे रचना, निर्देशन, शोध, पाठ्यक्रम आ संस्थान-निर्माणक संयुक्त योगदान

(B) एकमात्र हास्य पात्र

(C) केवल किरायादार

(D) केवल परीक्षार्थी

## खण्ड ४७३ : विदेह-सदेह १ — प्रकाश चन्द्र झा: मलंगियाक अभिनेता-खोज

**२१८१. मलंगियाजी १९७५ मे कोन नाटक लिखने रहथि?**

(A) जुआयल कनकनी

(B) पहरराति

(C) आर्य

(D) डटके जलपान

**२१८२. जीवकांतजी “जुआयल कनकनी” पर की टिप्पणी केने छलाह?**

(A) मिथिलांचलमे एखन ओहन अभिनेता नहि जन्मल जे एकर तेज सम्हारि सकत

(B) नाटक असफल अछि

(C) ई केवल गीत अछि

(D) एहि मे संवाद नहि

**२१८३. मलंगियाजी अपनहुँ की अनुभव केने छलाह?**

(A) एहि नाटकक अनुरूप अभिनेता ताकबाक आवश्यकता

(B) नाटक छोड़बाक

(C) चित्रकला करबाक

(D) होटल खोलबाक

**२१८४. मिथिलांचलमे अभिनेता सभक समस्या कोना बतायल गेल?**

(A) अभिनेता अछि, मुदा जीवन अल्पकालीन; नौकरी भेटल कि रंगकर्म छोड़ि दैत अछि

(B) कियो अभिनेता नहि

(C) सभ आजीवन रहैत अछि

(D) रंगमंच पूर्ण रोजगार दैत अछि

**२१८५. अभिभावक रंगमंचसँ जुड़ल बेटा किएक नहि चाहैत?**

(A) मैथिली रंगमंच रोजी-रोटी देबाक सामर्थ्य कम रखैत अछि

(B) रंगमंच बहुत महँग अछि

(C) गाममे मंच नहि

(D) गीत नहि अछि

**२१८६. प्रकाश चन्द्र झा पहिने अपन परिचयमे घर कतय कहलनि?**

(A) घोघौर

(B) पचाढ़ी

(C) गोविन्दपुर

(D) हैंठी-बाली

**२१८७. ओ पढ़ाइ कतय करैत छलाह?**

(A) आर.के. कॉलेज, मधुबनी

(B) सासुरक ऊपरका महला

(C) जटिंगा गाम

(D) पचाढ़ी संस्कृत महाविद्यालय

**२१८८. प्रकाश कोन संस्था सँ नाटकसँ जुड़ल बतौलनि?**

(A) मधुबनी इप्टा

(B) साहित्य अकादेमी

(C) होटल संघ

(D) अरीपन विद्यालय

**२१८९. बिजुलिया भौजीक पचास शोमे प्रकाशक सहभागिता लेखमे किएक महत्वपूर्ण अछि?**

(A) नुक्कड़ नाटक लोकप्रिय बनेबाक लगनक प्रमाण

(B) भोजन-क्षमताक प्रमाण

(C) गजल-कला

(D) वैदिक कर्मक प्रमाण

**२१९०. एहि भागक मूल प्रश्न की अछि?**

(A) प्रकाशमे ओ अभिनेता भेटल की जे कठिन मैथिली नाटकक तेज सम्हारि सकै?

(B) ओ गजल लिखैत छथि की

(C) ओ डटके खाइत छथि की

(D) ओ अरिपन बनबैत छथि की

## खण्ड ४७४ : विदेह-सदेह १ — प्रकाश चन्द्र झा: मंच, भूमिका आ अभिनय-कौशल

**२१९१. प्रकाश चन्द्र झा कैँ मलंगियाजी मंच पर लगभग कोन वर्षक अवसर पर देखल बतबैत छथि?**

(A) १९९५ ई. आसपास

(B) १९४६ ई.

(C) २०६३ साल

(D) १९०६ ई.

**२१९२. मलंगियाजीक कोन नाटक नगर भवन मधुबनीमे मंचित भेल छल जकरा मे प्रकाश दरोगाक भूमिका कयलनि?**

(A) ओरिजनल काम

(B) आर्य

(C) डटके जलपान

(D) अनुरोध

**२१९३. दरोगाक भूमिकाक प्रशंसा ककरा मे उल्लेखित भेल?**

(A) दैनिक जागरण आ दैनिक हिन्दुस्तान

(B) भगवद्गीता

(C) देवी भागवत

(D) ग्रामदेव थान

**२१९४. “गाम नहि सुतय” मे प्रकाश कोन प्रकारक भूमिका कयलनि?**

(A) गामक तीन बिगड़ल युवकमे एक

(B) महाराज

(C) डॉक्टर

(D) साधु

**२१९५. “हमरो जे साम भैया” मे प्रकाश कोन भूमिका कयलनि?**

(A) चारुवक्य

(B) डटकेजलपान

(C) भिखमंगनी

(D) आर्य

**२१९६. चारुवक्यक भूमिकाकेँ देखि मलंगियाजी केँ कोन अपसोस भेल?**

(A) जीवकांतजी एतय रहितथि तँ अपन पुरान बात घुरा लितथि

(B) प्रकाश नहि आयल

(C) नाटक अधूरा रहल

(D) होटल बन्द छल

**२१९७. चारुवक्यक अभिनयबारे मलंगियाजीक निर्णय की छल?**

(A) एहन भूमिका दोसर सहज नहि कए सकैत

(B) ककरो स्मरण नहि

(C) भूमिका व्यर्थ छल

(D) अभिनय बेजान छल

**२१९८. निर्देशकक कठपुतली होएबाक तर्क पर लेखक कोन प्रश्न उठबैत छथि?**

(A) एकहि भूमिका दू अभिनेता कए तँ एक नीक आ एक बेजाय किएक?

(B) मंचक रंग किएक लाल

(C) दर्शक कतय बैसल

(D) पृष्ठ कोन छल

**२१९९. प्रकाशक अभिनयक मूल गुण लेखक की मानैत छथि?**

(A) सृजनात्मक प्रतिभा

(B) केवल निर्देशकक नकल

(C) केवल पोशाक

(D) केवल ध्वनि

**२२००. दुलहा पागल भऽ गैलै प्रसंगमे प्रकाशक अभिनयक सूचना ककरा सँ पुष्ट भेल?**

(A) दीपनारायण सिंहक बातसँ

(B) आर्यक माएसँ

(C) होटल मालिकसँ

(D) विभूतिक कवितासँ

## खण्ड ४७५ : विदेह-सदेह १ — प्रकाश चन्द्र झा: रंगप्रवाह, प्रशिक्षण आ प्रभाव

**२२०१. जनकपुरधामक २००५ नाट्य समारोहमे प्रकाश कोन भूमिकामे चर्चित रहल?**

(A) गोरखधंधा नाटकक सूत्रधार

(B) डॉक्टर

(C) साहेब रामदास

(D) डटकेजलपान

**२२०२. लेखकक अनुसार नव पीढ़ीक रंगकर्मीक भीड़मे प्रकाश किएक ध्यान खींचैत अछि?**

(A) अपन रंग-प्रवाह आ सरवरंग अभियानक प्रभाव कारण

(B) केवल नाम कारण

(C) भोजन कारण

(D) अरीपन कारण

**२२०३. प्रकाशक रंग-प्रवाहक शुरुआत कतयसँ कहल गेल?**

(A) घोघौर सन छोट गामसँ

(B) अमेरिका

(C) जगन्नाथपुरी

(D) सासुर महला

**२२०४. मधुबनी नगर इप्टामे प्रकाशक पाँच सालक कार्यकाल केहन कहल गेल?**

(A) स्वर्णकाल

(B) पूर्ण विफल

(C) अज्ञात

(D) केवल छात्रकाल

**२२०५. प्रकाश विश्वविद्यालय स्तर पर काहिमे प्रथम सम्मान पओलनि?**

(A) अभिनयमे

(B) चित्रकलामे

(C) भोजनमे

(D) कृषिमे

**२२०६. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालयक चयन-प्रक्रियाबारे प्रकाशक स्थिति की बतायल गेल?**

(A) अन्तिम प्रक्रिया धरि पहुँचलाह

(B) कहियो प्रयास नहि

(C) पहिने दिन हटि गेलाह

(D) मात्र दर्शक रहलाह

**२२०७. संगीत नाटक अकादेमी प्रशिक्षणक बाद प्रकाश कोन भूमिका निभौलनि?**

(A) कार्यशाला सहायक रूपेँ कतेको राज्यमे जिम्मेदारी

(B) होटल ग्राहक

(C) अरीपन पूजारी

(D) भक्तिकवि

**२२०८. रंग प्रसंग पत्रिकासँ प्रकाशक सम्बन्ध की अछि?**

(A) संपादन सहयोगी रूपमे महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी

(B) रसोइया

(C) किरायादार

(D) यात्री मात्र

**२२०९. मधुबनीमे प्रकाश द्वारा जराओल रंगदीपक परिणाम की बतायल गेल?**

(A) कतेको रंगकर्मी राष्ट्रीय प्रशिक्षण आ छात्रवृत्ति धरि पहुँचल

(B) गाम खाली भेल

(C) नाटक समाप्त भेल

(D) कृषि रुकल

**२२१०. एहि लेखमे प्रकाश चन्द्र झाक मूल्यांकनक सार की अछि?**

(A) अभिनेता, प्रेरक, प्रशिक्षक-सूत्र आ रंग-संगठक रूपेँ बहुआयामी योगदान

(B) सिर्फ एक भूमिका

(C) केवल दर्शक

(D) केवल आलोचक

## खण्ड ४७६ : विदेह-सदेह १ — महेश मिश्र “विभूति”: “पन्थीसँ”, “सन्तोष” आ ढाढ़स

**२२११. “पन्थीसँ” कवितामे पन्थीकेँ की सलाह देल गेल?**

(A) भ्रमित नहि हो, सबल पग राखू, मन पर काबू राखू

(B) मार्ग छोड़ू

(C) केवल धन खोजू

(D) कविता न पढ़ू

**२२१२. “पन्थीसँ” मे स्नेह-सलिलक बाढ़ आबि गेल तखन की अपेक्षा अछि?**

(A) सबल पग राखब

(B) नौका डुबायब

(C) बात बंद करब

(D) मार्ग बिसरब

**२२१३. दृढ़-संकल्प पतवार पकड़बाक बिम्ब की देखबैत अछि?**

(A) जीवन-नावकेँ नियंत्रणमे राखबाक आत्मबल

(B) भोजन-विवाद

(C) अरीपन रेखा

(D) नाटक मंच

**२२१४. “सन्तोष” कविताक मूल नैतिक सूत्र की अछि?**

(A) सत्कर्म, संतोष आ मस्तक ऊँचा राखब

(B) लोभ आ झगड़ा

(C) दमन आ भय

(D) मात्र मनोरंजन

**२२१५. “सन्तोष सरितमे नित नहाय” पंक्ति कोन भाव बनबैत अछि?**

(A) संतोष केँ स्नान-सदृश शुद्धिक अनुभव

(B) संतोष असंभव

(C) संतोष अपराध

(D) संतोष बाजार

**२२१६. “फकीरी” आ “अमीरी”क तुलना कवितामे ककर आधार पर अछि?**

(A) मस्तक ऊँच, सत्कीर्ति आ सद्भाव

(B) सोन-चाँदी मात्र

(C) राजकीय पद

(D) अधिक भोजन

**२२१७. “उद्बोधन: ढाढ़स” मे निराशा पर कवि की कहैत छथि?**

(A) एक झटका पर निराश नहि हो, पुनः रणमे उतरू

(B) हारि चुप रहू

(C) कर्म छोड़ू

(D) दुनिया छोड़ू

**२२१८. चन्द्रमा रूपक “ढाढ़स” मे किएक अछि?**

(A) पूर्णता आ क्षय-उदयक क्रमसँ जीवनक उत्थान-पतन बुझाबय लेल

(B) समय बताबय लेल मात्र

(C) चित्रकला लेल

(D) होटल दिशा लेल

**२२१९. “उत्थान-पतन क्रम कर्मक” कथन जीवन-दृष्टि कोना बनबैत अछि?**

(A) परिवर्तन कर्म-क्रमक अंग अछि, धैर्य चाही

(B) सब स्थिर अछि

(C) कर्म निरर्थक

(D) निराशा श्रेष्ठ

**२२२०. महेश मिश्र “विभूति”क एहि कवितासभक साझा स्वर की अछि?**

(A) नैतिकता, धैर्य, सद्भाव आ जीवन-साहस

(B) व्यंग्य मात्र

(C) हिंसा आ दमन

(D) नशा आ उपहास

## खण्ड ४७७ : विदेह-सदेह १ — “मधुर स्वप्न”, “अनुरोध” आ “बादरीक आगमन”

**२२२१. “मधुर स्वप्न” मे वक्ता केकरा सँ संवाद करैत अछि?**

(A) मधुर स्वप्न देखनिहार/सजनि-संवादी व्यक्तिसँ

(B) होटल मालिकसँ

(C) नवाबसँ

(D) नाटक निर्देशकसँ

**२२२२. “मधुर स्वप्न” मे मौनक आलोचना कोन रूपमे अछि?**

(A) मौन रहला पर पर-वेदना के बुझत?

(B) मौन सदैव पूर्ण समाधान

(C) मौन भोजनक नियम

(D) मौन नाटकक मंच

**२२२३. “मधुर स्वप्नक ज्वलित ज्वाला” कथन की संकेत करैत अछि?**

(A) स्वप्न सुखद होइतहुँ क्लेशकारी बनि सकैत अछि

(B) स्वप्न सदा शान्त

(C) स्वप्न असंगत

(D) स्वप्न केवल हास्य

**२२२४. “सिन्दूर-दानक गीत: अनुरोध” कोन संस्कार-क्षण पर केन्द्रित अछि?**

(A) विवाहमे सिन्दूरदान

(B) उपनयन

(C) जगन्नाथ यात्रा

(D) कोका-कोला प्रसंग

**२२२५. “प्रिय पाहुन सिन्दूर-दान करू” पंक्ति मे “पाहुन” शब्द ककरा सम्बोधित अछि?**

(A) वर कैं

(B) होटल मालिक

(C) गुरुजी

(D) नवाब

**२२२६. सिन्दूरदान गीतमे शंकर-गौरी मइयाक शुभाशीष किएक स्मरित अछि?**

(A) युगल जीवनक मंगलकामना लेल

(B) युद्ध जीतबाक लेल

(C) नाटक करबाक लेल

(D) गंगा स्नान लेल

**२२२७. “बादरीक आगमन” मे बादरक दृश्य कोना अछि?**

(A) कारी-कारी बादर, बिजुरी, ठनका आ जन-डर

(B) नीरव धूप

(C) सूखा रेगिस्तान

(D) होटल भीड़

**२२२८. “बादरीक आगमन” मे लोकक भिन्न-भिन्न चिन्ता की देखबैत अछि?**

(A) ककरो माल हेरायल, ककरो प्रिय नहि आयल, ककरो पशु/फसलक चिन्ता

(B) सभ केवल नाचैत अछि

(C) ककरो भय नहि

(D) केवल कोका-कोला

**२२२९. सूखल धरती “विभूतिमय” भेनाइ ककर प्रतीक अछि?**

(A) बरखा सँ जीवन आ हर्षक पुनरागमन

(B) मृत्यु यात्रा

(C) नशा

(D) रंगमंच

**२२३०. एहि कवितासभक सामूहिक विशेषता की अछि?**

(A) संस्कार, प्रेम-वेदना, प्रकृति आ लोक-भावक मिलाप

(B) केवल राजनीतिक निबंध

(C) केवल विज्ञान कथा

(D) केवल अरीपन-विवरण

## खण्ड ४७८ : विदेह-सदेह १ — “जगक प्रमाण”, युवा-उद्बोधन आ वेदना

**२२३१. “जगक प्रमाण” मे डोलीक बिम्ब कोन सत्यक संकेत अछि?**

(A) मृत्यु आ जीवनक अनिवार्य गमन

(B) विवाह-हास्य मात्र

(C) भोजन व्यवस्था

(D) नाटक प्रवेश

**२२३२. “श्वेत वस्त्रसँ मृतक सजाओल” पंक्ति कोन लोकरीति दिस इशारा करैत अछि?**

(A) मृत्यु-संस्कारक सामूहिक दृश्य

(B) रंगमंच पोशाक

(C) परीक्षाक वस्त्र

(D) देवी-अरीपन

**२२३३. “पुत्रार्थे भार्या” प्रसंग ककर भूमिका रेखांकित करैत अछि?**

(A) अग्निदान आ मृत्यु-संस्कारमे पुत्रक भूमिका

(B) होटल अग्रिम

(C) गजल संरचना

(D) चित्रकला अर्थ

**२२३४. “अपटुडेट बलिष्ठ युवकसँ” मे कवि कोन आग्रह करैत छथि?**

(A) किछु काज करू, सन्मार्ग पर चलू, माताक ऋण चुकाऊ

(B) आलस्य राखू

(C) भाषा छोड़ू

(D) कर्म टारू

**२२३५. युवा-कवितामे “रतन धन” ककरा कहल गेल?**

(A) मानव जन्म/युवा-शक्ति कैँ

(B) सिर्फ पाई

(C) होटल भोजन

(D) चित्रक रंग

**२२३६. “माता कराहति छथि” प्रसंग की प्रतीकात्मक अर्थ दैत अछि?**

(A) मातृभूमि/माँक पीड़ा प्रति युवकक दायित्व

(B) माताक उपेक्षा उचित

(C) कोनो ऋण नहि

(D) भोजनक मजाक

**२२३७. “अनुरोध” मे “की कहू? कहलो नैँ जाय”क पुनरावृत्ति की बनबैत अछि?**

(A) अकथ वेदनाक लयात्मक आवर्तन

(B) हास्य

(C) व्यापार

(D) रंगप्रशिक्षण

**२२३८. “अनुरोध” मे व्यथित हृदय आ असमर्थ वाणी कोन मनःस्थिति देखबैत अछि?**

(A) गहन पीड़ा जे शब्दमे पूर्ण नहि उतरैत

(B) पूर्ण उदासीनता

(C) आर्थिक हिसाब

(D) आनन्दोत्सव

**२२३९. “मधु-मधुर मुस्कान”क अनुरोध ककरा प्रतिकार रूपमे अछि?**

(A) दारुण दुःख आ व्यथा कैँ कम करबाक

(B) नशा बढ़एबाक

(C) होटल बन्द करबाक

(D) नाटक छोड़बाक

**२२४०. एहि खण्डक काव्य-सार की अछि?**

(A) मृत्यु-बोध, कर्म-आह्वान आ प्रेम-वेदना एकहि कवि-स्वरमे बन्हल अछि

(B) केवल विज्ञान

(C) केवल राजनैतिक प्रस्ताव

(D) केवल हास्य

## खण्ड ४७९ : विदेह-सदेह १ — मैथिलीपुत्र प्रदीप: निष्काम कर्म आ वेद

**२२४१. मैथिलीपुत्र प्रदीपक निबंध कोन प्रश्नसँ आरम्भ होइत अछि?**

(A) मोक्षकामी लेल वैदिक कर्मक प्रयोजन की?

(B) होटलमे भोजन कतेक

(C) नाटकमे सूत्रधार के

(D) गजलमे तुक की

**२२४२. यज्ञ-यागादि कर्मक फलश्रुति सामान्यतः की बतायल गेल?**

(A) स्वर्ग प्राप्ति

(B) राजनीतिक पद

(C) होटल लाभ

(D) चित्रकला पुरस्कार

**२२४३. बृहदारण्यक उपनिषद् उद्धरणमे ब्राह्मणगण ब्रह्मकेँ चिन्हय लेल कोन साधन अपनबैत छथि?**

(A) वेदाध्ययन, निष्काम यज्ञ, दान आ तप

(B) नशा, उपहास, लूट

(C) चित्र, रंग, बाजार

(D) मंच, पोशाक, तालिका

**२२४४. "अनाशकेन" पदक अर्थ निबंधमे कोना समझाओल गेल?**

(A) कामनारहित यज्ञ, दान, तप

(B) अर्थहीन कर्म

(C) निषिद्ध कर्म

(D) नाटक संवाद

**२२४५. आसक्ति सहित कर्म कएलासँ की प्राप्त होइत कहल गेल?**

(A) स्वर्गक भोग

(B) मोक्ष तत्काल

(C) पूर्ण शून्यता

(D) रंगमंच सिद्धि

**२२४६. निष्काम भावसँ कर्म कएलासँ की होइत अछि?**

(A) चित्त शुद्ध भऽ मोक्षक अधिकारिता बनैत अछि

(B) चित्त मलिन

(C) कर्म व्यर्थ

(D) भाषा नष्ट

**२२४७. गीता अठारहम अध्यायक उद्धरणक मूल शिक्षा की अछि?**

(A) यज्ञ, दान, तप त्यागब नहि; संग आ फल त्यागि कर्तव्य रूपेँ करब

(B) कर्म छोड़ू

(C) दान छोड़ू

(D) तप निषिद्ध

**२२४८. आन्तरिक कल्याण चाहनिहार मनुष्य केँ कोन भावसँ कार्य करबाक चाही?**

(A) भगवानक प्रसन्नता लेल निष्काम भावसँ

(B) लोक-दिखावा लेल

(C) दमन लेल

(D) प्रशंसा लेल मात्र

**२२४९. चित्तक मल हटेबाक लेल की आवश्यक कहल गेल?**

(A) सत्कर्म

(B) दुष्कर्म

(C) मात्र मौन

(D) अनुशासनहीनता

**२२५०. निबंधक मुख्य तत्त्व की अछि?**

(A) वैदिक कर्म निष्काम भावमे मोक्ष-साधना लेल साधक बनैत अछि

(B) कर्मक पूरा निषेध

(C) स्वर्गे अंतिम लक्ष्य

(D) ज्ञान अप्रासंगिक

## खण्ड ४८० : विदेह-सदेह १ — मैथिलीपुत्र प्रदीप: संस्कार, काण्ड आ ऋण

**२२५१. वेदक अन्तिम लक्ष्य निबंधमे की कहल गेल?**

(A) मोक्ष प्राप्ति

(B) केवल धन

(C) होटल भोजन

(D) नाट्य प्रसिद्धि

**२२५२. ईश्वर-उपासना, योगाभ्यास, धर्म-अनुष्ठान, विद्या-प्राप्ति आदि ककर साधन कहल गेल?**

(A) मुक्तिक

(B) व्यापारक

(C) हास्यक

(D) राज्यसत्ताक

**२२५३. वेदक मुख्य विशेषतामे पुनर्जन्मक प्रतिपादन ककर लेल कहल गेल?**

(A) कर्मफल प्राप्ति लेल

(B) अरीपन लेल

(C) नाटक लेल

(D) होटल हिसाब लेल

**२२५४. वर्णाश्रम व्यवस्था निबंधमे ककर लेल उल्लेखित अछि?**

(A) समुचित जीवन-यापन लेल

(B) दमन लेल मात्र

(C) हास्य लेल

(D) भोजन-विवाद लेल

**२२५५. भक्ष्य-अभक्ष्यक निर्णय ककर लेल कहल गेल?**

(A) जीवनक पवित्रता लेल

(B) लोक-हँसी लेल

(C) राजनीतिक विरोध लेल

(D) चित्र-रंग लेल

**२२५६. वेदमे मुख्यतः कोन तीन काण्डक वर्णन भेटैत अछि?**

(A) कर्मकाण्ड, उपासनाकाण्ड, ज्ञानकाण्ड

(B) नाटककाण्ड, गजलकाण्ड, कथाकाण्ड

(C) भोजनकाण्ड, रंगकाण्ड, पत्रकाण्ड

(D) चित्रकाण्ड, हाट, झगड़ा

**२२५७. यज्ञमे तीन क्रिया एक संग होइत कहल गेल — देवता-पूजा, ऋषि-महर्षिक सत्संग आ की?**

(A) दान

(B) नशा

(C) व्यंग्य

(D) चित्र-विक्रय

**२२५८. ब्रह्मचर्य पालनसँ कोन ऋण मुक्त होयबाक आदर्श बतायल गेल?**

(A) ऋषि-ऋण

(B) होटल-ऋण

(C) नाटक-ऋण

(D) कोका-ऋण

**२२५९. यज्ञ द्वारा कोन ऋण मुक्त होयबाक आदर्श अछि?**

(A) देव-ऋण

(B) ग्राम-ऋण मात्र

(C) राज-ऋण

(D) वाणिज्य-ऋण

**२२६०. संतानोत्पत्ति द्वारा कोन ऋण मुक्त होयबाक आदर्श अछि?**

(A) पितृ-ऋण

(B) रंग-ऋण

(C) गजल-ऋण

(D) अरीपन-ऋण

## खण्ड ४८१ : विदेह-सदेह १ — साहेब रामदास: वैराग्य, गुरु आ तीर्थ-साधना

**२२६१. साहेब रामदास पुत्र-वियोगक बाद कोना बदललाह?**

(A) पक्का वैरागी भऽ जंगल-जंगल एकान्तवास आ भजन-कीर्तन करय लगलाह

(B) होटल चलाबय लगलाह

(C) राजनीतिमे गेलाह

(D) गजल-सम्मेलन करय लगलाह

**२२६२. गामक लोक सभ हुनका घुरबाक आग्रह किएक करैत छल?**

(A) ओ सभ अपने केँ पुत्र-समान मानि सेवा करबाक आश्वासन दैत छल

(B) क्योंकि खेत खाली छल

(C) क्योंकि नाटक अधूरा छल

(D) क्योंकि होटल चलाबय छल

**२२६३. बैरागी भेलाक बाद रामदासजी कोन साधना मे लागलाह?**

(A) भजन-कीर्तन संग योग-साधना

(B) व्यापार

(C) छात्र-परीक्षा

(D) पत्रकारिता

**२२६४. केओटीक निवासी केकरासँ रामदासजी दीक्षा ग्रहण कएलनि?**

(A) बलिरामदासजी

(B) डटकेजलपान

(C) प्रकाश चन्द्र

(D) महेन्द्र मिश्र

**२२६५. जगन्नाथपुरी यात्रा संबंधी जनश्रुति की अछि?**

(A) ओ दण्ड-प्रणाम करैत-करैत जगन्नाथपुरी गेलाह

(B) ओ जहाजसँ गेलाह

(C) ओ कखनो तीर्थ नहि गेलाह

(D) ओ चित्र बनाबय गेलाह

**२२६६. जगन्नाथपुरी यात्रा मे कष्टक बावजूद ओ की नहि छोड़लनि?**

(A) दण्ड-प्रणाम

(B) होटल भोजन

(C) पत्र लेखन

(D) गजल तुक

**२२६७. गुरु बलिरामदासक भूमिका की कहल गेल?**

(A) योग-साधनामे निपुण गुरु, जिनक प्रसादसँ ज्ञान-सिद्धि

(B) होटल मालिक

(C) राजनीतिक नेता

(D) रंग निर्देशक

**२२६८. दीक्षा आ योग-सिद्धिक बाद रामदासजी कैँ कोन विश्वास भेल?**

(A) जन्म-मरणसँ छुटकारा आ मोक्ष सम्भव अछि

(B) केवल राज्यप्राप्ति

(C) होटल लाभ

(D) नाटक प्रसिद्धि

**२२६९. रामदासजीक प्रमुख आराध्य कोन देव रूपमे रेखांकित छथि?**

(A) श्रीकृष्ण

(B) नवाब

(C) होटल मालिक

(D) डॉक्टर

**२२७०. रामदासजीक आरम्भिक जीवन-खंडक मुख्य भाव की अछि?**

(A) वियोगसँ वैराग्य, वैराग्यसँ गुरु-दीक्षा, दीक्षासँ भक्ति-सिद्धि

(B) हास्यसँ भोजन

(C) व्यापारसँ सत्ता

(D) चित्रसँ बाजार

## खण्ड ४८२ : विदेह-सदेह १ — साहेब रामदास: मिथिला-प्रेम, पचाढ़ी आ लोक-श्रद्धा

**२२७१. साहेब रामदास सांसारिक मोह त्यागलाक बादो ककरा नहि त्यागि सकलाह?**

(A) मिथिला भूमि कैँ

(B) होटल कैँ

(C) कोका-कोला कैँ

(D) नाटक कैँ

**२२७२. “मिथला नगरी तोर दान बिनु...” सन पद ककर भाव सूचित करैत अछि?**

(A) मिथिला प्रति द्रवित भक्ति आ प्रेम

(B) मिथिलासँ दूरी

(C) राजनीतिक व्यंग्य मात्र

(D) भोजन-विन्यास

**२२७३. रामदासजी जतय साधना करैत छलाह, ओतय की रोपैत छलाह?**

(A) पाकड़िक गाछ

(B) कमलदल

(C) बांस

(D) सिरिस बीज मात्र

**२२७४. हुनकर अंतिम योगमढ़ी कतय बताओल गेल?**

(A) दरभंगा जिलाक पचाढ़ी गाममे

(B) जनकपुर स्टेशन

(C) जटिंगा पहाड़

(D) घोघौर गाम

**२२७५. पचाढ़ी स्थान पहिने कोन नामसँ विख्यात छल?**

(A) बूढ़वन

(B) कुरुक्षेत्र

(C) घोघौर

(D) बस्तिपुर

**२२७६. पचाढ़ी स्थानक प्राकृतिक शोभा ककरासँ तुलना योग्य कहल गेल?**

(A) वृन्दावनसँ

(B) समुद्रतटसँ

(C) राजधानीसँ

(D) रेगिस्तानसँ

**२२७७. पचाढ़ी स्थानक वैभवक पाछाँ ककर योगदान बताओल गेल?**

(A) राजदरभंगाक

(B) होटल मालिकक

(C) मधुबनी इप्टाक

(D) किरायादार परिवारक

**२२७८. रानी पद्मावती पचाढ़ी स्थान कैँ की दान देने छलीह?**

(A) तीन सय बीघा जमीन

(B) दस बोतल कोका-कोला

(C) एक नाटक-पुस्तक

(D) एक अरीपन

**२२७९. रामदासजी दान-पत्र संग की केलनि कहल गेल?**

(A) अग्निमे फेकि देलनि

(B) फ्रेममे टांगलनि

(C) बेचि देलनि

(D) गीत बना देलनि

**२२८०. पचाढ़ी स्थानक वर्तमान सेवा-व्यवस्था की सूचित करैत अछि?**

(A) मंदिर, भोग-राग, फूलबाड़ी, अतिथि-सत्कार आ संस्कृत महाविद्यालयक परंपरा

(B) स्थल पूर्ण लुप्त

(C) कोनो व्यवस्था नहि

(D) केवल होटल

## खण्ड ४८३ : विदेह-सदेह १ — साहेब रामदास: चमत्कार, कारागार आ भक्त-कवि

**२२८१. राजा नरेन्द्र सिंहक समयक संघर्षमे रामदासजी कोन प्रार्थना केलनि?**

(A) राजाक विजय आ मिथिलेशक सुख लेल श्रीकृष्णसँ प्रार्थना

(B) नवाबक विजय लेल

(C) होटल लाभ लेल

(D) गजल पुरस्कृत लेल

**२२८२. नवाब रामदासजी कैँ किएक बन्दी बनौलक?**

(A) मिथिला-पक्षीय प्रार्थना/आध्यात्मिक हस्तक्षेप पर क्रुद्ध भऽ

(B) भोजन बेसी खयलनि

(C) नाटक लिखलनि

(D) अरीपन बनौलनि

**२२८३. कारागारमे बन्द रहितो रामदासजीक कौन क्रम टूटल नहि?**

(A) गंगा-स्नान, संध्या-तर्पण, पूजा-पाठ

(B) होटल भोजन

(C) रंगअभ्यास

(D) परीक्षा तैयारी

**२२८४. नवाब स्वयं ताला लगाएलापर सेहो की भेल?**

(A) रामदासजीक गंगा-स्नानक क्रम नहि टूटल

(B) ओ गायब भऽ गेलाह हमेशा

(C) पूजा बन्द भेल

(D) गंगा सुखा गेल

**२२८५. पएरमे बेड़ी बाँधलापर रामदासजी ककरा पुकारलनि?**

(A) आराध्य श्रीकृष्ण कैँ

(B) होटल मालिक कैँ

(C) आर्य कैँ

(D) प्रकाश चन्द्र कैँ

**२२८६. प्रार्थना गबिते की चमत्कार घटल?**

(A) बेड़ी आ फाटकक ताला टूटि खसि पड़ल

(B) होटल भरि गेल

(C) नाटक शुरू भेल

(D) गजल छपल

**२२८७. नवाब अन्ततः की केलक?**

(A) क्षमा माँगल आ सम्मानसँ मिथिला पहुँचा देलक

(B) आरो दण्ड देलक

(C) चुपचाप भागल

(D) गजल लिखल

**२२८८. रामदासजीक अन्य चमत्कारसभमे कोन प्रसंग आयल?**

(A) प्रेत-बाधा शांत करब, माटिक भीत हाँकब, भंडारमे कमी नहि होएब

(B) कोका-कोला नशा

(C) होटल घूस

(D) नाटक अभिनय

**२२८९. रामदासजीक पद-रचना ककर साधन छल?**

(A) भजन-कीर्तन

(B) राजनीतिक भाषण

(C) भोजन-विक्रय

(D) रंग-समीक्षा

**२२९०. रामदासजीक आध्यात्मिक-लोक महत्व की अछि?**

(A) वैरागी वैष्णव भक्त-कवि रूपेँ लोकश्रद्धा, चमत्कार आ पदावलीक केन्द्र

(B) हास्य पात्र

(C) होटल ग्राहक

(D) रंग निर्देशक

## खण्ड ४८४ : विदेह-सदेह १ — साहेब रामदास: पदावली, रस आ संगीत-परम्परा

**२२९१. रामदासजी भगवानक कोन रूप मानैत छलाह?**

(A) सगुण आ निर्गुण दुनू

(B) केवल निर्गुण, सगुण निषेध

(C) केवल राजकीय रूप

(D) केवल नाट्यरूप

**२२९२. रामदासजीक उपलब्ध पदावलीमे लगभग कतेक पद संकलित अछि?**

(A) ४७८ टा

(B) दस टा

(C) बीस टा

(D) एकोटा नहि

**२२९३. पदावली हुनकर यशक संबंधमे की कहल गेल?**

(A) अक्षुण्ण बनाए रखबाक सामर्थ्य रखैत अछि

(B) पूरी तरह अपर्याप्त

(C) लुप्त

(D) सिर्फ नाम मात्र

**२२९४. रामदासजीक पदसभ किन-किन विषयपर अछि?**

(A) कृष्ण-जन्म, वात्सल्य, वंशीवादन, संयोग-श्रृंगार, रासलीला, झुलोत्सव आदि

(B) केवल होटल प्रसंग

(C) केवल परीक्षा

(D) केवल नाटक-समीक्षा

**२२९५. रासलीला परक पदसभक विशेषता की कही गेल?**

(A) मैथिलीमे अत्यन्त विलक्षण; स्वतंत्र विवेचन योग्य

(B) पूर्णतः सामान्य

(C) अनुपस्थित

(D) गैर-भक्ति

**२२९६. रामदासजीक काव्यक मुख्य गुण कोन कहल गेल?**

(A) कृष्ण-प्रेमक अनन्यता, भक्ति-प्रवणता आ प्रसादगुण

(B) व्यंग्य मात्र

(C) नशा-वर्णन

(D) राजकीय भय

**२२९७. ऋतुगीत आ समयोपयोगी पदमे कोन राग-संकेतसभ भेटैत अछि?**

(A) प्राती, सारंग, ललित, बिहाग आदि

(B) केवल नाटकक दृश्य

(C) केवल भोजनक प्रकार

(D) केवल परीक्षा-विषय

**२२९८. मिथिलाक पंचदेवोपासक परंपरा रामदासजीक रचनामे कोना झलकैत अछि?**

(A) कृष्णक अनन्य भक्त होइतहुँ आन देवी-देवता पर पद रचैत छथि

(B) केवल एक देवता छोड़ि सभ निषिद्ध

(C) भक्ति अनुपस्थित

(D) केवल राजनीति

**२२९९. साहेब रामदासक रचनाक संगीतशास्त्रीय शोध किएक आवश्यक कहल गेल?**

(A) प्रायः सभ कवितामे रागक उल्लेख अछि

(B) क्योंकि राग अनुपस्थित अछि

(C) क्योंकि नाटक चाही

(D) क्योंकि होटल कथा अछि

**२३००. रामदासजीक गीतसभक संरक्षणक अंतिम आग्रह की अछि?**

(A) गाम-घरक बुजुर्ग लोकक ठोर पर बाँचल गीतसभक संकलन आवश्यक अछि

(B) गीत छोड़ि देब

(C) केवल नाम रखब

(D) स्मृति हटाब

## खण्ड ४८५ : विदेह-सदेह १ — मनोज मुक्ति: “स्मिताक लड़ाई”

**२३०१. “स्मिताक लड़ाई” कविताक आरम्भमे देशक नैतिक दशा कोना चित्रित अछि?**

(A) पशुपतिनाथक देशमे सेहो व्यभिचार सभ भेषमे देखाइत अछि

(B) देश पूर्णतः निष्कलंक कहल गेल अछि

(C) केवल प्रकृति-वर्णन अछि

(D) हास्य-व्यंग्य मात्र अछि

**२३०२. कवितामे मिथिलावासी कैँ कोन संकटपूर्ण मनोवृत्तिसँ जोड़ल गेल?**

(A) अपन अलग छाप होइतहुँ डरपोक हूलमे शामिल भऽ रहल अछि

(B) पूर्ण निर्भीक विजेता

(C) केवल व्यापारी समुदाय

(D) नाटकक दर्शक मात्र

**२३०३. “अपना समस्त अधिकारसभसँ वंचित” पंक्ति कोन भाव व्यक्त करैत अछि?**

(A) अधिकारहीनता आ भविष्यक आशा पर टिकि रहल जीवन

(B) पूर्ण समृद्धि

(C) कला-प्रदर्शनी

(D) भोजन-सूची

**२३०४. भ्रष्ट प्रशासन आ नेताक लोभ कवितामे की करैत देखाओल गेल?**

(A) देशकैँ विदेशी पाशमे जकड़ैत अछि

(B) देशकैँ तुरन्त मुक्त करैत अछि

(C) केवल गीत सिखबैत अछि

(D) अरीपन बनबैत अछि

**२३०५. मिथिला कैँ स्वर्ग समान मनुष्यजीवन भेटलाक बादो कवि किएक व्यथित छथि?**

(A) मिथिलाक दुर्दशा अपन आँखि आगाँ देखैत छथि

(B) कवि केवल पाबनि मना रहल छथि

(C) ककरो दुख नहि अछि

(D) कविता केवल पाक-विधि अछि

**२३०६. जगतक माय आ सीता संबंधी चित्रण की संकेत करैत अछि?**

(A) सीता-जकाँ विलक्षणा नारी/मिथिला-मर्यादा घरसँ निकालल जा रहल अछि

(B) सीता पर कोनो उल्लेख नहि

(C) केवल बाजारक दृश्य अछि

(D) नारीक विजय-उत्सव मात्र अछि

**२३०७. मिथिलावासी घरक कोनामे बहादुरी देखाबैत अछि — एहि व्यंग्यक अर्थ की?**

(A) सार्वजनिक संघर्षक बदला निजी सुरक्षित रोषमे सीमित रहब

(B) सीधा युद्ध-विजय

(C) कविता-पाठ

(D) शांत साधना

**२३०८. "सस्ता रंग" आ "शोणित"क प्रयोग कोन प्रकारक दृश्य बनबैत अछि?**

(A) रक्त, हिंसा आ सस्ते दिखावाक भयावह मिलाप

(B) केवल चित्रकलाक रंग

(C) विवाहक अलंकार

(D) दूधक खीर

**२३०९. कवि "बचने मात्र सँ काज नहि चलत" किएक कहैत छथि?**

(A) अस्तित्व-रक्षा लेल सक्रिय संघर्ष आ नव चेतना चाही

(B) चुप रहब पर्याप्त अछि

(C) केवल भोजन चाही

(D) स्मृति मेटा देबाक चाही

**२३१०. "स्मिताक लड़ाई"क मूल संदेश की अछि?**

(A) सम्पूर्ण मैथिल समाजमे नव चेतना भरि संघर्ष करबाक आवश्यकता

(B) अधिकार छोड़बाक शिक्षा

(C) सिर्फ हास्य-विनोद

(D) केवल पौराणिक कथा

## खण्ड ४८६ : विदेह-सदेह १ — डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह "मौन": जीवन, लेखन आ अवदान

**२३११. डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह "मौन"क जन्मस्थान/परिचयमे कोन बात प्रमुख अछि?**

(A) हसनपुर, समस्तीपुरसँ जुड़ल विद्वान आ लेखक

(B) पूर्णतः अज्ञात विदेशी लेखक

(C) केवल रंगकर्मी

(D) केवल पाक-विशेषज्ञ

**२३१२. मौनजीक सेवा-क्रममे भारत आ नेपालक कोन पक्ष प्रमुख अछि?**

(A) दुनू देशमे अध्यापन आ शैक्षिक प्रशासन

(B) केवल युद्ध सेवा

(C) केवल होटल व्यवसाय

(D) केवल चित्र-विक्रय

**२३१३. मौनजी किन भाषासभक ज्ञाता कहल गेल छथि?**

(A) मैथिली, नेपाली, अंग्रेजी आ हिन्दी

(B) केवल संस्कृत

(C) केवल उर्दू

(D) केवल तेलुगु

**२३१४. “नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास” मौनजीक कोन प्रकारक योगदान अछि?**

(A) मैथिली साहित्य इतिहासक क्षेत्रमे आरम्भिक/महत्त्वपूर्ण ग्रन्थीय योगदान

(B) रसोई-पुस्तक

(C) नाटक-मंचन

(D) व्यापार-रिपोर्ट

**२३१५. “मैथिली” त्रैमासिकक संपादन हुनक कोन भूमिका देखबैत अछि?**

(A) पत्रिका-संपादक आ साहित्य-संगठक रूप

(B) अभिनेता मात्र

(C) कृषक मात्र

(D) होटल मालिक

**२३१६. “प्रेमचन्द चयनित कथा”क अनुवाद हुनक कोन क्षमता देखबैत अछि?**

(A) अनुवादक रूपेँ हिन्दी साहित्यकेँ मैथिली पाठक धरि आनब

(B) चित्रकला सिखेबाक काम

(C) अरीपन विधि

(D) आणविक सिद्धान्त

**२३१७. मौनजीक अकादमिक अवदानमे कोन संस्था/भूमिका आयल अछि?**

(A) साहित्य अकादमी सहित अनेक संस्थासँ परामर्शी/सदस्य रूपेँ सम्बन्ध

(B) केवल स्थानीय होटल

(C) केवल विवाह-दल

(D) केवल कंठस्थ गीत

**२३१८. मौनजी केँ भेटल सम्मानसभक स्वरूप की सूचित करैत अछि?**

(A) मैथिली, लोकसंस्कृति, इतिहास आ अनुवाद क्षेत्रक व्यापक मान्यता

(B) अस्वीकृति मात्र

(C) केवल खेल पुरस्कार

(D) केवल पाक प्रतियोगिता

**२३१९. अप्रकाशित कृतिसभमे “मिथिलाक लोकसंस्कृति” सन शीर्षक की बतबैत अछि?**

(A) लोक-संस्कृति शोधमे हुनक निरंतर रुचि

(B) विषयसँ दूरी

(C) रंगकर्म समाप्ति

(D) केवल हास्य

**२३२०. मौनजीक समग्र परिचयक सार की अछि?**

(A) शोधक, संपादक, अनुवादक, लोकसंस्कृति-चिन्तक आ बहुभाषी साहित्य-पुरुष

(B) एकरेखा हास्य-पात्र

(C) केवल किरायादार

(D) सिर्फ रसोइया

## खण्ड ४८७ : विदेह-सदेह १ — “पंचदेवोपासक भूमि मिथिला”: भूगोल, इतिहास आ विदेह

**२३२१. मिथिलांचलक सीमा लेखमे कोना आरम्भिक रूपेँ चिन्हायल गेल?**

(A) हिमालयक पादप्रदेशमे गंगासँ उत्तर, कोशीसँ पश्चिम आ गंडकसँ पूर्व भूभाग

(B) समुद्रक बीचक द्वीप

(C) केवल दिल्ली नगर

(D) रेगिस्तानक पट्टी

**२३२२. सतपथ ब्राह्मणक अंतःसाक्ष्य अनुसार विदेह माथवक भूमिका की अछि?**

(A) पूर्वाभिमुख आर्य शाखाक नेतृत्व कऽ सदानीरा पार कयलनि

(B) नाटक मंचित कयलनि

(C) भोजन बनौलनि

(D) चित्रकला बेचलनि

**२३२३. विदेह नामक प्रतिष्ठा कोन प्रक्रियासँ जुड़ल बताओल गेल?**

(A) सदानीरा पार कऽ भूमिक अग्नि-संस्कार आ बसोवास

(B) होटल अग्रिम

(C) गजल लेखन

(D) बाराती-सत्कार

**२३२४. मिथिलाक प्राचीन सम्बन्ध विदेहसँ कोना बतायल गेल?**

(A) विदेह राष्ट्र/देश आ मिथिला ओकर राजधानीनगर रूपेँ

(B) मिथिला केवल पकवान

(C) विदेह केवल पात्र

(D) दूनू असंबद्ध

**२३२५. प्राचीन मिथिलापुरीक अज्ञान/अनिश्चितता सम्बन्धी बात की अछि?**

(A) भव्य मिथिलापुरीक सटीक अभिज्ञान एखन धरि सुनिश्चित नहि

(B) सर्वथा नकारल गेल

(C) आज पूर्ण मानचित्र उपलब्ध

(D) केवल मंदिर मात्र

**२३२६. तीरभुक्ति/तिरहुत नाम कोन परिप्रेक्ष्यमे आयल?**

(A) नदीमातृक जनपदक पूर्व-मध्यकालीन ऐतिहासिक परिवेशमे

(B) होटल नाम

(C) रेसिपी नाम

(D) नाटकक पात्र

**२३२७. मिथिलाक सांस्कृतिक मूलमे लेख कोन तत्वसभ बतबैत अछि?**

(A) धर्म-दर्शनक गांभीर्य, कला, ज्ञान-विज्ञान, भाषा-साहित्यक परंपरा

(B) केवल व्यापार

(C) केवल युद्ध

(D) केवल कोका-कोला

**२३२८. लेखमे जनक, याज्ञवल्क्य, कणाद, उदयन आदि नाम किएक आएल?**

(A) मिथिलाक पांडित्य, दर्शन आ ज्ञान-परंपरा देखाबय लेल

(B) भोजनक सामग्री बताबय लेल

(C) नाटकक टिकट लेल

(D) रंग-सूची लेल

**२३२९. गर्गी, मैत्रेयी, भारती, लखिमा आदि नाम की सूचित करैत अछि?**

(A) मिथिलाक आदर्श नारी-चेतना आ बौद्धिक परम्परा

(B) नारी अनुपस्थित छलीह

(C) केवल हास्य-पात्र

(D) किरायादार परिवार

**२३३०. एहि खण्डक मुख्य अभिप्राय की अछि?**

(A) मिथिला कैँ भूगोल, वैदिक स्मृति, दर्शन आ सांस्कृतिक धरोहरक संयुक्त भूमि रूपेँ देखब

(B) केवल आधुनिक पाककला

(C) सिर्फ चुनाव-समाचार

(D) केवल निजी प्रेमकथा

## खण्ड ४८८ : विदेह-सदेह १ — पंचदेवोपासना, मातृका आ सांस्कृतिक तीर्थ

**२३३१. पंचदेवोपासक क्षेत्रक अर्थ लेखमे की देल गेल?**

(A) गणेश, विष्णु, सूर्य, शिव आ भगवतीक क्षेत्र

(B) पाँच होटलक क्षेत्र

(C) पाँच नाटकक मंच

(D) पाँच परीक्षा केन्द्र

**२३३२. लेखमे सूर्य आ शिव सम्बन्धी कोन भेद बताओल गेल?**

(A) सूर्य सर्वप्राचीन देव आ शिव सर्वप्राचीन ऐतिहासिक देवता कहल गेल

(B) दूनू अनुपस्थित

(C) दूनू केवल आधुनिक

(D) दूनू भोजन-सामग्री

**२३३३. भगवतीक तीन शक्ति रूपक सार की अछि?**

(A) सृष्टि, पोषण आ संहार तीनू शक्ति निहित

(B) केवल व्यापार

(C) केवल भोजन

(D) केवल संगीत

**२३३४. लक्ष्मी-गणेशक पूजन ककर लेल कहल गेल?**

(A) सुख-समृद्धिक लेल

(B) आतंकक लेल

(C) वियोगक लेल

(D) युद्धक लेल

**२३३५. पंचदेवोपासना लेखमे ककर प्रतीक मानल गेल?**

(A) धार्मिक सद्भावक

(B) धार्मिक संघर्षक

(C) भाषा-विस्मृतिक

(D) सिर्फ बजारक

**२३३६. सप्तमातृका मूलतः ककर शक्ति रूपमे प्रस्तुत छथि?**

(A) सात देवता सभक संयुक्त शक्ति

(B) सात व्यापारी

(C) सात अभिनेता

(D) सात पाक-विधि

**२३३७. सप्तमातृका सूचीमे ब्राह्मणी, वैष्णवी, माहेश्वरी आदि किएक आयल?**

(A) देवतासभक स्त्री-शक्ति रूप बताबय लेल

(B) भोजनक नाम लेल

(C) कविता छन्द लेल

(D) किरायादार परिचय लेल

**२३३८. सप्तमातृकाक शिल्पांकनक आरम्भ कोन कालमे कहल गेल?**

(A) कुषाणकालमे

(B) आधुनिक कालमे मात्र

(C) काल अज्ञात रहबाक घोषणा

(D) उपनिवेशकालमे

**२३३९. दशमहाविद्याक ऐतिहासिक मूर्ति सभ कतय उपलब्ध बताओल गेल?**

(A) भीठभगवानपुर आ गढ़-बरुआरी

(B) केवल काठमांडू एयरपोर्ट

(C) केवल होटल

(D) केवल समुद्रतट

**२३४०. पंचदेवोपासना विषयक लेखक मुख्य महत्व की अछि?**

(A) मिथिलाक तीर्थ, आस्था, शिल्प आ लोक-संस्कृति कैं एक सूत्रमे देखब

(B) केवल पंजी विवाद

(C) केवल हास्यप्रसंग

(D) केवल रसोई

## खण्ड ४८९ : विदेह-सदेह १ — मायानन्द मिश्र: “अहाँ की छी”

**२३४१. “अहाँ की छी” कविताक मुख्य संरचना कोन प्रश्न पर टिकल अछि?**

(A) अहाँ की छी?

(B) कतेक भोजन चाही?

(C) कोन शहर?

(D) ककर टिकट?

**२३४२. कवि “अहाँ” कैं प्रलोभनक नाक काटयवला मर्यादा नहि कहि की करैत छथि?**

(A) निषेधात्मक परिभाषासँ व्यक्ति/समाजक रिक्तता देखबैत छथि

(B) सीधा प्रशंसा मात्र

(C) रेसिपी देबैत छथि

(D) इतिहास गणना करैत छथि

**२३४३. “ट्रैफिक गाइड जकाँ चौबटियापर ठाढ़” बिम्ब कोन अर्थ दैत अछि?**

(A) संतुलनक बाहरी मुद्रा, मुदा अहिंसा-तत्व नहि

(B) शहर-यातायात सूचना मात्र

(C) होटल दिशा

(D) नाटक प्रकाश

**२३४४. “कोडोपैरीन खा-खा कऽ मथदुखी दबबऽ” कोन सामाजिक प्रवृत्ति पर व्यंग्य अछि?**

(A) मूल पीड़ाक इलाज नहि, तात्कालिक दमन

(B) पूर्ण आरोग्य

(C) वैदिक यज्ञ

(D) नवगीत

**२३४५. “क्षुब्ध हिमालय” बिम्ब केहन विरोध रचैत अछि?**

(A) बाह्य विराटता आ भीतर दबी पीड़ा

(B) छोट हास्य

(C) रसोईक सामान

(D) कोका-कोला

**२३४६. “खण्डित रसना कैँ दाबि चुपचाप कानयवला सिन्धु” ककर संकेत अछि?**

(A) आवाज कटि गेल, विशाल पीड़ा मौन बनल

(B) पूर्ण वक्तृत्व

(C) गीत-उत्सव

(D) व्यापार

**२३४७. “एकटा बिन्दु” बिम्ब की बतबैत अछि?**

(A) जहाँसँ अनेक रेखा खिंचि सकैत अछि

(B) अंतिम शून्यता मात्र

(C) होटल बिल

(D) चिट्ठी पत्ता

**२३४८. रेखासभ अन्हार गुफाक घाटीमे समाप्त भऽ जाएत अछि — एहि छवि क अर्थ की?**

(A) संभावनासभ दिशा पाबि अंधकारमे हराएत अछि

(B) सब सफल

(C) कोनो संकट नहि

(D) केवल उत्सव

**२३४९. कविताक स्वर मुख्यतः केहन अछि?**

(A) प्रश्नाकुल, आत्मसंशयी आ तीखा रूपकीय

(B) सरल हास्य मात्र

(C) पाक-विधि

(D) भक्ति-स्तुति मात्र

**२३५०. “अहाँ की छी”क साहित्यिक महत्व की अछि?**

(A) पहचान, मौन, पीड़ा आ संभावना पर लघु लेकिन गहन विचार

(B) सिर्फ जीवनी-सूची

(C) सिर्फ भातक विधि

(D) सिर्फ यात्रा-वर्णन

## खण्ड ४९० : विदेह-सदेह १ — डॉ. मित्रनाथ झा: परिचय आ “विदेह-वैभव”

**२३५१. डॉ. मित्रनाथ झाक परिचयमे हुनक पिताक सम्बन्ध कोन क्षेत्रसँ अछि?**

(A) मिथिला चित्रकला; स्व. लक्ष्मीनाथ झा “खोखा बाबू”

(B) होटल व्यवसाय

(C) नाटक निर्देशन

(D) सैनिक सेवा

**२३५२. डॉ. मित्रनाथ झा सध्या कोन संस्थान/कार्यसँ जुड़ल बतायल गेल?**

(A) मिथिला शोध संस्थान, दरभंगा मे पांडुलिपि विभागाध्यक्ष आ अध्यापन

(B) परीक्षा-डेरा

(C) रसोईघर

(D) रेलवे टिकटघर

**२३५३. हुनक भाषिक क्षमता कोना व्यापक बतायल गेल?**

(A) संस्कृत, मैथिली, हिन्दी, अंग्रेजी, भोजपुरी आ उर्दूमे गद्य-पद्य लेखन

(B) केवल मैथिली अक्षर ज्ञान

(C) केवल अंग्रेजी

(D) भाषासँ असंबद्ध

**२३५४. "विदेह-वैभव" कवितामे विदेह-भूमि कोना कहल गेल?**

(A) विद्या-वैभव केर गरिमासँ युक्त सिद्ध भूमि

(B) शून्य भूमि

(C) केवल बाजार

(D) केवल पाकशाला

**२३५५. कविता अनुसार विदेह भूमिक उदारता कोन पंक्ति-भावमे अछि?**

(A) अपन वा आनक थातीमे अंतर नहि करब

(B) केवल अपन हित

(C) दुसराक ज्ञान रोकब

(D) भाषा बिसरब

**२३५६. "ज्ञान केर बाती" बिम्ब कोन कार्य देखबैत अछि?**

(A) ज्ञानक ज्योति कैँ मंद नहि पड़य देब

(B) दीया बेचब

(C) सामान तोलब

(D) दूध खौलायब

**२३५७. "मिथला केर तापस ज्ञान-भानु"क अर्थ की अछि?**

(A) मिथिलाक तपस्वी ज्ञान-सूर्य सँ अनेक क्षेत्र प्रकाशित भेल

(B) सूर्यास्त मात्र

(C) कृषि-विफलता

(D) रसोई ताप

**२३५८. कवितामे मतवैभिन्न्यक मिहमा किएक रेखांकित अछि?**

(A) विचार-विविधता कैँ दिव्यभूमिक शक्ति मानल गेल

(B) मतभेद निषिद्ध अछि

(C) कोनो विचार नहि

(D) केवल आदेश

**२३५९. "मध्य मार्ग"क अनुगामी रहबाक अर्थ की?**

(A) तुच्छ फलासक्ति सँ दूर संतुलित ज्ञान-मार्ग

(B) अतिवाद मात्र

(C) निष्क्रियता

(D) व्यापारिक लाभ

**२३६०. "विदेह-वैभव"क मूल स्वर की अछि?**

(A) मिथिला/विदेहक ज्ञान, उदारता आ पावन परंपराक स्तुति

(B) व्यंग्य मात्र

(C) भोजन-वर्णन

(D) नशा-प्रसंग

## खण्ड ४९१ : विदेह-सदेह १ — “भग्न चिन्तन” आ “भोर”क आरम्भिक विवेचना

**२३६१. “भग्न चिन्तन” मे कवि रचनात्मक कार्य किएक कठिन मानैत छथि?**

(A) चिन्ताक तप्त दावानलमे मन फँसल अछि

(B) समय बहुत सरल अछि

(C) कवि प्रसन्न भोजमे छथि

(D) कोनो भाव नहि

**२३६२. “हियमे अबैछ लहरि भावक” पंक्तिक अर्थ की?**

(A) भावनासभ उठैत अछि, मुदा ओकर धार पार करब कठिन अछि

(B) भाव शून्य अछि

(C) कविता समाप्त

(D) केवल गद्य

**२३६३. लेखनी “बाजि रहल” आ मानस-पट “धिक्कारि रहल” — ई की सूचित करैत अछि?**

(A) सृजनक आन्तरिक दबाव आ आत्मग्लानि

(B) पूर्ण निश्चिन्तता

(C) भोजनक निमंत्रण

(D) नाटकक ताल

**२३६४. “खाली हाथ जाएत सभ क्यो” भाव ककरा स्वीकार करैत अछि?**

(A) भौतिक वस्तु संग नहि जाएत, ई जीवन-सत्य

(B) धन अमर अछि

(C) मानव अमर देहमे

(D) भोजन शाश्वत

**२३६५. “भग्न वीणा केर रुग्ण तार” बिम्ब की बतबैत अछि?**

(A) टूटल-संवेदनशील साधनसँ सेहो दू आखर गाबयक आकांक्षा

(B) पूर्ण मौनक आदेश

(C) व्यंग्य

(D) नाटक

**२३६६. मुखीलाल चौधरीक आलेख कोन गीतिएलबमक चर्चा सँ आरम्भ होइत अछि?**

(A) समझौता नेपालक “भोर”

(B) पंचदेवोपासना

(C) डटके जलपान

(D) पन्थीसँ

**२३६७. “भोर” एल्बमक लेल लेखक कोन व्यापक आशा व्यक्त करैत छथि?**

(A) गीत-संगीतसँ मिथिलावासी, मधेशी, आदिवासी थारु आ देशवासीमे जागरण-सद्भाव बढ़य

(B) केवल व्यापार बढ़य

(C) केवल विवाह खर्च बढ़य

(D) समाज विभाजित होय

**२३६८. मुखीलालक अनुसार “भोर”क गीतसभक गुणवत्ता कोना अछि?**

(A) कोनो गीत बीस नहि, सभटा एकैस; एकसँ बढ़ि कऽ एक

(B) सभ गीत कमजोर

(C) किछु नहि कहल

(D) केवल वाद्य अछि

**२३६९. रूपा झाक गीतक मुख्य संदेश की कहल गेल?**

(A) शिक्षा प्रति जागरूकता, ज्ञान प्रकाश आ अज्ञान अन्धकार

(B) भोजन पकाउ

(C) नाटक देखू

(D) मौन रहू

**२३७०. पूनम ठाकुरक गीतक मुख्य सामाजिक संदेश की अछि?**

(A) बेटा-बेटीमे भेदभाव नहि होएबाक चाही

(B) भेदभाव बढ़ाउ

(C) बेटीक अवहेलना

(D) शिक्षा छोड़ू

## खण्ड ४९२ : विदेह-सदेह १ — "भोर" एल्बम: सद्भाव, सकारात्मकता आ प्रेम

**२३७१. साहिल अनवरजीक गीतक प्रसंगमे लेखक मिथिलाक माटि ककर प्रतीक बनबैत छथि?**

(A) सद्भावना, सहिष्णुता आ साम्प्रदायिक मेलक

(B) साम्प्रदायिक काँटाक

(C) सिर्फ व्यापारक

(D) मौन पीड़ाक

**२३७२. "ताजिया" आ "छठि परमेसरी"क पंक्तिसभ लेखकक दृष्टिमे की देखबैत अछि?**

(A) मिथिलाक पावन माटिमे परस्पर धर्म-सम्मान

(B) एक-दोसरासँ युद्ध

(C) कर्महीनता

(D) भाषा-विस्मरण

**२३७३. धीरेन्द्र प्रेमर्षिजीक गीतक मूल भाव कोन बतायल गेल?**

(A) सकारात्मक सोच, धैर्य आ निराश नहि होएबाक आग्रह

(B) हिंसा

(C) उपेक्षा

(D) अहंकार

**२३७४. "सँझुका सूरजक लाल किरिनिया..." पंक्ति लेखक ककर स्रोत मानैत छथि?**

(A) सकारात्मकताक स्रोत

(B) निराशाक आदेश

(C) भोजन विधि

(D) व्यंग्य मात्र

**२३७५. माँ-बापक सन्तान प्रति दृष्टि कोना प्रतिपादित अछि?**

(A) सन्तान दोषी होइतहुँ ममता आ आशा बनल रहैत अछि

(B) ममता समाप्त

(C) कोनो सम्बन्ध नहि

(D) केवल दण्ड

**२३७६. नरेन्द्रकुमार मिश्रक गीत लेखकक अनुसार की कहैत अछि?**

(A) प्रेम, स्नेह, माया-ममता सँ संसार सुन्दर अछि

(B) प्रेम व्यर्थ अछि

(C) संसार निरस रहबे चाही

(D) कठोरता श्रेष्ठ

**२३७७. “आँखि देखय त सिदिखन सुन्दर सृजन” पंक्ति कोन भावक उदाहरण अछि?**

(A) प्रेमपूर्ण दृष्टि आ मधुर वचनक

(B) क्रोधक

(C) निराशाक

(D) भोजनक

**२३७८. राजेन्द्र विमलजीक गीतमे दिवाली कखन कहल गेल?**

(A) प्रेम चेतना जागि पड़ए तखने

(B) केवल पटाखा फुटए तखने

(C) केवल धन होय तखने

(D) किछु नहि

**२३७९. चन्द्रशेखर शेखरजीक पंक्तिमे “फतहक विश्वास” की दर्शबैत अछि?**

(A) नैराश्य-डर सँ मुक्त संघर्षशील आशा

(B) पराजयक स्वीकार

(C) मौन

(D) आलस्य

**२३८०. “भोर” विवेचनक साझा मूल्य की अछि?**

(A) शिक्षा, समता, सद्भाव, आशा आ प्रेमक सामाजिक संगीत

(B) व्यर्थ मनोरंजन

(C) केवल विज्ञापन

(D) भोजन-सूची

## खण्ड ४९३ : विदेह-सदेह १ — “भोर”क संयोजन, संगीत आ सामूहिक श्रेय

**२३८१. मुखीलाल चौधरी अपन गीतक सम्बन्धमे की स्वीकार करैत छथि?**

(A) धीरेन्द्र प्रेमर्षि ओकरा परिमार्जित आ संपादित कएलनि

(B) गीत ककरो नहि देखाओल गेल

(C) गीत नष्ट भेल

(D) गीत केवल अनुवाद छल

**२३८२. लेखक धीरेन्द्र प्रेमर्षिजीक प्रति कोन भाव प्रकट करैत छथि?**

(A) हार्दिक धन्यवाद

(B) क्रोध

(C) अस्वीकार

(D) पूर्ण मौन

**२३८३. “सभटा गीतके संगीत कर्णप्रिय लगैत अछि” — एहि कथनक अर्थ की?**

(A) संगीत बार-बार सुनबाक इच्छा जगबैत अछि

(B) संगीत असह्य अछि

(C) गीत मौन अछि

(D) केवल वाद-विवाद

**२३८४. धीरेन्द्र प्रेमर्षिजीक लेल लेखक कोन शुभकामना दैत छथि?**

(A) आगामी दिनमे एहोसँ निक संगीत देथि

(B) संगीत छोड़ि देथि

(C) गीत रोकथि

(D) रंगमंच त्यागथि

**२३८५. “भोर”क संयोजक रूपेँ ककरा बधाई देल गेल?**

(A) रूपा झा केँ

(B) आर्य केँ

(C) डटकेजलपान केँ

(D) पंचदेव केँ

**२३८६. एल्बमक प्रस्तुति कोना कहल गेल?**

(A) सुन्दर आ हृदयस्पर्शी

(B) अव्यवस्थित

(C) निरर्थक

(D) गोपनीय

**२३८७. लेखक अन्तमे किन-किन केँ बधाई दैत छथि?**

(A) गीतकार, संगीतकार, गायक-गायिका, संयोजक आ समझौता नेपालक निर्देशक

(B) केवल एक होटल मालिक

(C) केवल राजनीतिक नेता

(D) केवल दर्शक

**२३८८. एहि समापनमे “भोर” कोन रूपमे उभरैत अछि?**

(A) सामूहिक सांस्कृतिक परियोजना

(B) एकल निजी डायरी

(C) पाक विधि

(D) न्यायालय रिकॉर्ड

**२३८९. मुखीलालक लेखन-स्वर केहन अछि?**

(A) उत्साही, कृतज्ञ आ मूल्य-केन्द्रित

(B) कड़वाहट मात्र

(C) पूर्ण उदासीन

(D) कठोर अकादमिक मात्र

**२३९०. “भोर” शीर्षकक सांकेतिक अर्थ एहि विवेचनमे की बनैत अछि?**

(A) नव चेतना, आशा, सद्भाव आ सांस्कृतिक उजास

(B) रात्रिक स्थायी अन्धार

(C) अंतिम शोक

(D) स्मृति-विनाश

## खण्ड ४९४ : विदेह-सदेह १ — एन. अरुणा: “ई सेहो अछि प्रवास”

**२३९१. “ई सेहो अछि प्रवास” मे कवयित्री कोन धारणा बढ़बैत छथि?**

(A) प्रवास केवल विदेश/अमेरिका नहि, नारीक विवाहो एक प्रकारक प्रवास अछि

(B) प्रवास केवल व्यापार अछि

(C) नारी कहियो प्रवासी नहि

(D) प्रवास केवल नाटक

**२३९२. कवितामे “तैयो अछी तँ बेटीये” वाक्य ककर विडंबना देखबैत अछि?**

(A) बेटीक जन्मसँ जुड़ल पितृसत्तात्मक दृष्टि

(B) पूर्ण समानता

(C) केवल उत्सव

(D) भाषिक खेल

**२३९३. “कोनो पुरुषक हाथमे तँ जएबाक छैक” पंक्ति की कहैत अछि?**

(A) विवाहक माध्यमसँ स्त्रीक अनिवार्य विस्थापन

(B) स्त्री सदैव स्वतंत्र स्थलमे

(C) पुरुष प्रवासी नहि

(D) कोनो सम्बन्ध नहि

**२३९४. कविता किएक कहैत अछि जे अमेरिका मात्र प्रवास नहि?**

(A) क्योंकि जन्मस्थान छोड़ि अनचिन्हार घर जाएब सेहो प्रवास अछि

(B) अमेरिका शब्द नहि बुझल

(C) कविता भूगोल मात्र

(D) रेसिपी प्रसंग

**२३९५. “अवहेलना कए सकैत छी सुविधासँ” कथन कोन सामाजिक प्रतिक्रिया पर व्यंग्य अछि?**

(A) स्त्रीक विस्थापन-संकट कैँ सामान्य मानि उपेक्षित करब

(B) सम्पूर्ण सहानुभूति

(C) समान अधिकार

(D) विदेशयात्रा

**२३९६. “छोड़ब जिनगी भरिक लेल अपन जन्मस्थान” — ई पंक्ति ककर पीड़ा खोलैत अछि?**

(A) बेटी/स्त्रीक स्थायी घर-छोड़ाइ

(B) पर्यटनक प्रसन्नता

(C) रंगकर्म यात्रा

(D) होटल बदलाइ

**२३९७. “अनचिन्हारक आँगुर” बिम्ब की व्यक्त करैत अछि?**

(A) अपरिचित घर/व्यक्ति संग जीवन-बंधनक असहजता

(B) पूर्ण परिचय

(C) सिद्ध गुरु

(D) नदीक तट

**२३९८. घुरि सकबाक बादो “मात्र पाहुन” बनब की बतबैत अछि?**

(A) जन्मघरमे अधिकार घटि अतिथि-जकाँ स्थिति

(B) घर पूर्णतः अपन रहैत

(C) कहियो लौटि नहि सकैत

(D) केवल खेल

**२३९९. “शृंखला ससरल हमर इच्छापर” पंक्ति ककर रूपक अछि?**

(A) स्त्रीक इच्छापर सामाजिक बन्धन

(B) स्वाधीन इच्छा

(C) भोजन-सामग्री

(D) फसल

**२४००. “ई सेहो अछि प्रवास”क मूल नारीवादी अर्थ की अछि?**

(A) स्त्रीक जीवनगत विस्थापन कैँ प्रवासक गंभीर अनुभव रूपेँ मान्यता देब

(B) स्त्री-दुखक इन्कार

(C) प्रवासक उपहास

(D) केवल देश-विदेश यात्रा

## खण्ड ४९५ : विदेह-सदेह १ — नागेन्द्र झा: पंजी, पाँच संख्या आ विवाह-धर्म

**२४०१. नागेन्द्र झा लेखमे पंजीकारक विषय किएक उठबैत छथि?**

(A) पंजी शब्द, पंजीकारक काज आ विवाह-धर्मक आधार बुझाबय लेल

(B) रेसिपी देबय लेल

(C) नाटक समीक्षा लेल

(D) हाइकू लिखय लेल

**२४०२. पंजी शब्दक सम्बन्ध लेखमे कोन संख्या सँ जोड़ल गेल?**

(A) पाँच

(B) दस

(C) बारह

(D) सौ

**२४०३. मैथिल ब्राह्मण "पंचदेवोपासक" अछि — एहि प्रसंगक उपयोग किएक?**

(A) शुभ कार्यमे पंचदेवताक पूजा आ पंजी-प्रथा बीच सांस्कृतिक सम्बन्ध देखाबय लेल

(B) भोजन मात्र

(C) रंगमंच

(D) विज्ञान कथा

**२४०४. "मातृतः पंचमी त्यक्त्वा पितृतः सप्तमी भजेत्" नियम ककरा रोकैत अछि?**

(A) माइक पक्षक पाँचम आ पिताक पक्षक सातम सगोत्र/सपिण्ड अनुचित विवाह

(B) सब विवाह

(C) भोजन

(D) गीत

**२४०५. पंजीमे वर-कन्याक कोन विवरण आवश्यक कहल गेल?**

(A) दुनू पक्षक वंशक पूर्ण सपिण्ड अभिलेख

(B) मात्र रूप-रंग

(C) मात्र भोजन खर्च

(D) मात्र गीत-सूची

**२४०६. पंजीकार ककरा कहल गेल?**

(A) जे लिखि प्रमाणित करथि जे वर-कन्या सपिण्ड-अभ्यनात नहि छथि

(B) रसोइया

(C) नाटककार

(D) होटल-मालिक

**२४०७. पंजी-प्रथा ककर समयसँ प्रचलित कहल गेल?**

(A) हरिसिंह देवक समयसँ

(B) आधुनिक होटल-काल

(C) केवल आजुक समय

(D) अज्ञात बिना कथा

**२४०८. कन्यादानमे वर-कन्याक चार पक्षक व्याख्या पंजीमे किएक चाही?**

(A) विवाहक शुद्धता आ भविष्यक विवाद रोकबाक लेल

(B) भोजन तय करबाक लेल

(C) कविता छापबाक लेल

(D) गजल तुक मिलाबय लेल

**२४०९. याज्ञवल्क्यक साक्ष्य-प्रकरणक उदाहरण ककरा समर्थन करैत अछि?**

(A) पूर्ण पता आ अभिलेख राखि भविष्यक विवाद रोकब

(B) रिकॉर्डक विरोध

(C) मौखिक भ्रम

(D) कला-विनाश

**२४१०. एहि खण्डमे पंजीक सार अर्थ की अछि?**

(A) वंश, धर्म, विवाह-अधिकार आ सामाजिक स्मृतिक विश्वसनीय अभिलेख

(B) केवल नाम-सूची

(C) केवल काव्य-पुस्तक

(D) केवल पाक-विधि

## खण्ड ४९६ : विदेह-सदेह १ — पंजी-प्रबंधक उत्पत्ति, न्यायिक महत्त्व आ पंजीकारक नैतिकता

**२४११. पंजी-प्रबंधक उत्पत्ति-कथामे ब्राह्मणी पर कोन झूठ आरोप लागल?**

(A) चांडाल संग सम्बन्धक

(B) भोजन चोरीक

(C) नाटक बिगाड़बाक

(D) गीत न गाबयक

**२४१२. लखिमा ठकुराइनक भूमिका की छल?**

(A) गलत प्रायश्चित्त सुधारि सही वाक्य लिखलनि

(B) अभियोग दोहरौलनि

(C) भोजन बनौलनि

(D) कथा छोड़लनि

**२४१३. नव प्रायश्चित्त-वाक्य राखलापर की भेल?**

(A) ब्राह्मणी नहि पकलीह, आरोपक सत्यता खंडित भेल

(B) ओ तुरन्त दण्डित भेलीह

(C) गाम जड़ि गेल

(D) किछु नहि

**२४१४. हरिसिंह देव पंडितमंडली सँ कोन प्रश्न पुछलनि?**

(A) उक्त स्त्रीक पति चांडाल कोना?

(B) खीर कोना बनत?

(C) नाटक कोना होयत?

(D) गीत के गाओत?

**२४१५. विचारक बाद स्त्रीक पति चांडाल किएक मानल गेल?**

(A) हुनकर विवाह अनधिकृत कन्यासँ भेल छल

(B) ओ चांडाल जन्मल छलाह

(C) ओ रसोइया छलाह

(D) ओ नाटककार छलाह

**२४१६. महाराजक आदेशक बाद की बनल?**

(A) मैथिल ब्राह्मण लोकनिक विवाह-पंजी

(B) नव पाक-पुस्तक

(C) गीत-एल्बम

(D) क्रीड़ा-दल

**२४१७. पंजी गोत्रक अनुसार नहि, मूलक अनुसार किएक बनल?**

(A) गामक पहचान आ मूल-परम्परा सुरक्षित रहय

(B) गोत्र अप्रासंगिक छल

(C) नाम नहि चाही

(D) अभिलेख नहि चाही

**२४१८. पंजीकारक परामर्श बिना विवाह-निर्णय करब लेखक किएक अनुचित मानैत छथि?**

(A) एहिसँ पंजी-विद्या लुप्त आ विवाह-शुद्धता संकटमे पड़ि सकैत अछि

(B) एहिसँ भोजन खराब

(C) नाटक बन्द

(D) गीत धीमा

**२४१९. बनैली राज्य मुकदमा प्रसंग पंजीक कोन महत्त्व देखबैत अछि?**

(A) न्यायालयमे वंश-अभिलेख निर्णायक प्रमाण बनि सकैत अछि

(B) पंजी अस्वीकार भेल

(C) केवल लोककथा

(D) कविता-पुरस्कार

**२४२०. राजदरबारक वर-अधिकार प्रसंग पंजीकारक कोन गुण देखबैत अछि?**

(A) लोभ छोड़ि अनधिकृत निर्णयसँ बचबाक नैतिकता

(B) रुपैयाक लोभमे निर्णय

(C) पूर्ण डरपोकता

(D) व्यापार

## खण्ड ४९७ : विदेह-सदेह १ — मोदानन्द झा स्मृति आ कोसी-बाढ़क सामाजिक परिप्रेक्ष्य

**२४२१. नरेश मोहन झाक संस्मरणमे मोदानन्द झाक आगमन कोना चित्रित अछि?**

(A) महापुरुष-जकाँ तेजस्वी, आदरणीय आगमन

(B) साधारण अजनबी मात्र

(C) हास्य-पात्र

(D) रेसिपी लेखक

**२४२२. गृहस्थ-परिवार मोदानन्द झाक सम्मान कोना करैत अछि?**

(A) पएर धोअब, जल छिड़कब, आसन देब, प्रणाम करब

(B) दरवाजे सँ हटेब

(C) भोजन न देब

(D) नाटक करब

**२४२३. मोदानन्द झाक परिचयमे “वंश रक्षक” किएक कहल गेल?**

(A) पंजी-ज्ञानसँ कुल-जाती आ वंश-पहिचान सुरक्षित रहैत अछि

(B) ओ सैनिक छलाह

(C) ओ चिकित्सक छलाह

(D) ओ पाक-विशेषज्ञ छलाह

**२४२४. संध्याकालीन बैसारमे लोक मोदानन्द झासँ की करबैत छल?**

(A) वंशक नवजन्म-विवरण लिखबैत छल

(B) भोजन बनबैत

(C) गजल सुनबैत

(D) नाटक अभिनय

**२४२५. लेखक पंजीकारक काज कैँ किएक दुःसाध्य मानैत छथि?**

(A) दूर-दूर भूभागमे वंश-पहिचान संकलन, सुरक्षा आ समय पर प्रस्तुत करब कठिन छल

(B) एकहि गाममे सहज काम

(C) केवल गान

(D) कोनो यात्रा नहि

**२४२६. मोदानन्द झाक दैनंदिन जीवनक “कलम आ खुरपी” बिम्ब की बतबैत अछि?**

(A) विद्या-अभिलेख आ कर्मठ श्रम दुनू

(B) केवल आलस्य

(C) केवल युद्ध

(D) केवल पूजा

**२४२७. कोसी-बाढ़ लेखमे १८ अगस्त २००८ कैँ की मोड़ कहल गेल?**

(A) पूरा परिदृश्य बदलि गेल आ क्षेत्र फेर उजड़ि गेल

(B) वर्षा बन्द भेल

(C) नदी सूखि गेल

(D) समारोह शुरू भेल

**२४२८. कोसी क्षेत्रक अर्थव्यवस्था पर बाढ़क प्रभाव कोना बतायल गेल?**

(A) खेतीक घाव भरबाक समय अनिश्चित, मनीऑर्डर पर आश्रय बढ़ल

(B) अर्थव्यवस्था तुरन्त सुदृढ़

(C) कोनो असर नहि

(D) केवल पर्यटन बढ़ल

**२४२९. बाढ़ पीड़ित लोक प्रदेश किएक जाए लगल?**

(A) घर-गृहस्थी पटरी पर आनय लेल मनीऑर्डर कमेबाक आशा

(B) मनोरंजन लेल

(C) गीत रेकॉर्ड करय लेल

(D) सिर्फ विवाह लेल

**२४३०. सरकारी जांच-आयोग पर लेखका दृष्टि की अछि?**

(A) खानापूर्ति; पीड़ितक असल चिन्ता घर बसाबय आ भविष्य बचाबयक अछि

(B) पूर्ण समाधान भऽ गेल

(C) पीड़ित निश्चिन्त

(D) राजनीति अनुपस्थित

## खण्ड ४९८ : विदेह-सदेह १ — पटनाक विद्यापति स्मृति पर्व: संकट आ आलोचना

**२४३१. पटनाक विद्यापति स्मृति पर्वक ऐतिहासिकता कोना बतायल गेल?**

(A) चौवन वर्ष सँ प्रतिवर्ष आयोजित त्रिदिवसीय सांस्कृतिक उत्सव

(B) पहिल बेर आयोजित

(C) केवल पाक-महोत्सव

(D) पूर्णतः निजी भोज

**२४३२. एहि वर्ष समारोह पर “ग्रहण” लागबाक अर्थ की अछि?**

(A) तीन दिनक कार्यक्रम एक दिनक होएबाक सूचना आ स्वरूप-संकुचन

(B) कार्यक्रम विशाल भेल

(C) किछु बदलल नहि

(D) सर्वथा समाप्त घोषित

**२४३३. हार्डिंग पार्कसँ सचिवालय मैदान, मिलर हाई स्कूल आ भारत स्काउट मैदानक क्रम की देखबैत अछि?**

(A) समारोहक स्थल-परिवर्तन आ गौरव-संकुचनक इतिहास

(B) भोजनक विधि

(C) नाटकक पात्र

(D) यात्रा कथा

**२४३४. कोसी-बाढ़ आयोजक लेल बहाना बनल — लेखमे ई आरोप किएक अछि?**

(A) अन्य बाढ़-प्रभावित क्षेत्रक बावजूद पूर्वमे आयोजन घटाओल नहि गेल छल

(B) बाढ़ कहियो भेल नहि

(C) समारोह असंबद्ध

(D) स्रोत मौन अछि

**२४३५. लेखकक अनुसार यदि आयोजक सचमुच गंभीर रहितथि तँ की कए सकैत छलथि?**

(A) समारोह माध्यमसँ बाढ़ पीड़ितक मदद लेल सहयोग जुटबैत

(B) समारोह बंद मात्र

(C) चित्र बेचैत

(D) गीत रोकैत

**२४३६. चेतना समिति पर मुख्य आलोचना की अछि?**

(A) कामक चेतना घटि, व्यक्तिगत श्रेय आ औपचारिकता बढ़ि गेल

(B) अत्यधिक सक्रियता

(C) पूर्ण पारदर्शिता

(D) कर्महीनता नहि

**२४३७. दर्शक संख्या घटबाक कारण लेखमे ककर जिम्मेदारी बनैत अछि?**

(A) संस्थाक स्तरसँ दर्शक जोड़बाक प्रयासक अभाव

(B) दर्शकक जन्मजात दोष मात्र

(C) मौसम मात्र

(D) गीतकार मात्र

**२४३८. राजीवनगर आ दानापुरक आयोजन लोकप्रिय होएबाक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?**

(A) राजधानीक मिथिलावासी विकल्प खोजि रहल छथि

(B) कोनो विकल्प नहि

(C) पर्व अप्रासंगिक

(D) सिर्फ भोज

**२४३९. विद्यापति स्मृति पर्व कैँ “इतिहास बनबाक द्वार” पर कहबाक अर्थ की?**

(A) जीवित सांस्कृतिक परंपरा समाप्त स्मृति बनि सकैत अछि

(B) इतिहास-गौरव पूर्ण सुरक्षित

(C) कोनो संकट नहि

(D) पाककर्म

**२४४०. एहि आलेखक मूल आग्रह की अछि?**

(A) पुरान गौरव पुनर्स्थापित करब, आयोजनकैँ औपचारिकता नहि बनय देब

(B) समारोह समाप्त करब

(C) बाढ़क उपेक्षा

(D) संस्कृति छोड़ब

## खण्ड ४९९ : विदेह-सदेह १ — नीलिमा: भानस-भात, पाक-विधि आ गृह-ज्ञान

**२४४१. “मखानक खीर” विधिमे मखानक पाउडर पहिने ककरा मे घोरबाक कहल गेल?**

(A) ठंढा दूधमे

(B) गरम तेलमे

(C) कच्चा चाउरमे

(D) नून-पानिमे

**२४४२. मखानक खीर खौलैत बेर लगातार चलबैत रहबाक कारण की अछि?**

(A) मिश्रण पेनीमे नहि बैसय

(B) दूध ठंढा रहय

(C) चीनी हटय

(D) रंग कारी होय

**२४४३. मेथीक परोठामे मेथी पात कैँ पहिने की करबाक कहल गेल?**

(A) साफ कऽ धोएब आ कनी तेलमे भाप दैब

(B) सीधा दूधमे घोरब

(C) पूरी तरह फेकब

(D) माटिमे गाड़ब

**२४४४. मेथीक परोठाक नोटमे कोन वैकल्पिक विधि अछि?**

(A) काँच मेथी पात महीन काटि प्याज आदि मिलाकऽ आटा सानब

(B) मखानक पाउडर भरब

(C) केसर डालब

(D) कोबी फ्राइ न करब

**२४४५. मुगलई कोबीमे कोबी टुकड़ा पहिने किएक चालनीमे राखल जाइत अछि?**

(A) पानी निकलि जाय लेल

(B) मिठास बढ़य लेल

(C) संगीत होय लेल

(D) अरीपन बनय लेल

**२४४६. मुगलई कोबीमे मलाई आ सॉस कोन प्रकारक स्वाद-विन्यास बनबैत अछि?**

(A) मसालेदार तरकारीमे गाढ़ापन आ रसदार स्वाद

(B) पूर्ण निर्लवण स्वाद

(C) कच्चा भोजन

(D) खीर

**२४४७. केसर पुलावमे केसर पहिने की करबाक कहल गेल?**

(A) गरम पानीमे फुला देब

(B) कच्चा चबाब

(C) तेलमे जारब

(D) माटिमे राखब

**२४४८. केसर पुलावमे चाउर कतेक पानिसँ पकाओल गेल?**

(A) दू कप चाउर लेल चार कप पानी

(B) एक कप पानी

(C) दस कप दूध

(D) कोनो पानी नहि

**२४४९. मूरक परोठाक दू विधिमे मुख्य भिन्नता की अछि?**

(A) मूर मिश्रण आटामे सानब वा भरावन रूपेँ भरब

(B) दूधमे पकाओब

(C) सिर्फ तंदूर

(D) कोबी हटाएब

**२४५०. एहि पाक-विधिसभक सांस्कृतिक महत्त्व की अछि?**

(A) घर-भानसक अनुभव, स्थानीय सामग्री आ व्यवहारिक गृह-ज्ञानक लेखा

(B) सिर्फ विज्ञापन

(C) केवल नाटक-समीक्षा

(D) राजनीतिक प्रस्ताव

## खण्ड ५०० : विदेह-सदेह १ — निमिष झा: "विद्यापति" — युगद्रष्टा आ साहित्य-पुरुष

**२४५१. निमिष झा साहित्यकारक जन्मकेँ कखन "घटना" कहैत छथि?**

(A) जखन ओ सम्पूर्ण साहित्य-परम्परा केँ प्रभावित करैत अछि

(B) जखन ओ भोजन बनबैत अछि

(C) जखन ओ चुप रहैत अछि

(D) जखन ओ होटल खोलैत अछि

**२४५२. मैथिली साहित्यक इतिहासमे विद्यापति कोना स्थापित छथि?**

(A) अतुलनीय प्रतिभा आ सर्वश्रेष्ठ कवि रूपेँ

(B) अप्रासंगिक कवि

(C) केवल रसोइया

(D) मूक पात्र

**२४५३. दुर्गानाथ झा "श्रीश"क मतानुसार विद्यापति ककर रूपमे उल्लेखित छथि?**

(A) आधुनिक भारतीय भाषाक प्रथम कवि

(B) अंतिम गद्यकार

(C) रसोईकार

(D) नाटक-दर्शक

**२४५४. विद्यापतिक आदर्शसँ प्रेरित कयनिहार कविसभमे कोन प्रकारक परंपरा देखायल गेल?**

(A) भक्ति-भावना द्वारा मातृभाषा समृद्ध करबाक परंपरा

(B) भाषा त्याग

(C) मौन राजनीति

(D) केवल पाककला

**२४५५. विद्यापति युगक तुलना लेखमे किन-किन युगसँ भेल?**

(A) शेक्सपियर, भानुभक्त, रवीन्द्र आ भारतेन्दु युगसँ

(B) कोका-कोला युग

(C) होटल युग

(D) सड़क युग

**२४५६. विद्यापतिक रचनासभमे मिथिला पहिल बेर की अनुभव करैत अछि?**

(A) भक्ति, श्रृंगार, मौलिक सांगीतिक लय आ वैश्यिष्ट्यक प्रस्फुटन

(B) पूर्ण मौन

(C) व्यापार मात्र

(D) नाटक मात्र

**२४५७. विद्यापति युगद्रष्टा किएक कहल गेल?**

(A) मैथिल समाजक पुनर्संरचना आ भाषा-साहित्यक श्रीवृद्धि लेल प्रयास कयलनि

(B) केवल निजी गीत लिखलनि

(C) समाजसँ दूरी राखलनि

(D) रचनासभ लुप्त भेल

**२४५८. मुसलमानी शासन आ बौद्ध प्रभावक संकट प्रसंगमे विद्यापतिक भूमिका की बताओल गेल?**

(A) मैथिल संस्कृतिक मौलिकता बचाबयमे सहायक

(B) संकट बढ़ेबाक कारण

(C) पूर्ण निष्क्रिय

(D) बाहरी पर्यटक

**२४५९. विद्यापतिक श्रृंगारिक रचनासभक सामाजिक पाठ की अछि?**

(A) पलायन करैत युवासभकेँ समाज-निर्माणक मूलधारामे जोड़बाक साधन

(B) सिर्फ मनोरंजन

(C) पूर्ण असामाजिकता

(D) भोजन विधि

**२४६०. लेखक अनुसार विद्यापतिक मूल साहित्यिक प्रभाव की अछि?**

(A) सम्पूर्ण मैथिली साहित्य पर अबाध प्रभाव-रेखा

(B) क्षणिक प्रभाव

(C) कोनो प्रभाव नहि

(D) केवल हिन्दी पर प्रभाव

## खण्ड ५०१ : विदेह-सदेह १ — विद्यापति: जीवन, भाषा आ ग्रन्थ-वर्गीकरण

**२४६१. विद्यापतिक जन्म-वर्ष सम्बन्धी प्रमुख मतभेद कोना अछि?**

(A) किछु विद्वान १३५० आ किछु १३६० ई. मानैत छथि

(B) सभ १९०० मानैत छथि

(C) जन्म अज्ञात नहि कहल

(D) केवल २००८

**२४६२. राजा शिवसिंहसँ विद्यापतिक उमेर सम्बन्धी तर्क की अछि?**

(A) विद्यापति शिवसिंहसँ दू वर्ष जेठ छलाह

(B) दू वर्ष छोट

(C) असम्बद्ध

(D) समान उमेर नहि

**२४६३. विद्यापतिक जन्मस्थान कोन बतायल गेल?**

(A) मधुबनी जिलाक बिस्फी गाम

(B) हैदराबाद

(C) घोघौर

(D) जगन्नाथपुरी

**२४६४. विद्यापतिक पिताक नाम की बतायल गेल?**

(A) गणपति ठाकुर

(B) मोदानन्द झा

(C) नरेन्द्र मिश्र

(D) दिवसलाल

**२४६५. विद्यापतिक माताक नाम की बतायल गेल?**

(A) गंगादेवी

(B) लखिमा ठाकुराइन

(C) अरुणा

(D) नीलिमा

**२४६६. विद्यापति औपचारिक शिक्षा किनकासँ ग्रहण केलनि?**

(A) हरि मिश्रसँ

(B) डटकेजलपानसँ

(C) साहिल अनवरसँ

(D) होटल मालिकसँ

**२४६७. पक्षधर मिश्र विद्यापतिक कोन सम्बन्धमे कहल गेल?**

(A) सहपाठी

(B) पिता

(C) शिष्य

(D) नाटक निर्देशक

**२४६८. विद्यापति किन भाषासभमे रचना कयलनि?**

(A) संस्कृत, अवहट्ट आ मैथिली

(B) केवल अंग्रेजी

(C) केवल तेलुगु

(D) केवल भोजपुरी

**२४६९. विद्यापतिक रचनासभक तीन मुख्य वर्ग की अछि?**

(A) संस्कृत ग्रन्थ, अवहट्ट ग्रन्थ आ मैथिली ग्रन्थ

(B) भोजन, नाटक, गीत मात्र

(C) पत्र, मुकदमा, होटल

(D) अरीपन, पुलाव, परोठा

**२४७०. विद्यापतिक बहुभाषिकता ककर प्रमाण अछि?**

(A) मैथिली-संस्कृत-अवहट्ट पर समान विद्वत्ता आ साहित्यिक अधिकार

(B) भाषाज्ञानक अभाव

(C) केवल मौखिक परम्परा

(D) रचना-विहीनता

## खण्ड ५०२ : विदेह-सदेह १ — विद्यापतिक संस्कृत, अवहट्ट आ मैथिली कृतिसभ

**२४७१. गंगावाक्यावलीमे मुख्यतः कोन विषय अछि?**

(A) गंगा नदी, गंगा तट आ धार्मिक कर्मकाण्डक महात्म्य

(B) मेथीक परोठा

(C) नाटक-अभिनय

(D) भोर एल्बम

**२४७२. दानवाक्यावली कोन विषय पर केन्द्रित अछि?**

(A) दानक विधि-विधान

(B) नाट्य-शिक्षा

(C) कृष्ण-रास मात्र

(D) होटल बिल

**२४७३. वर्षकृत्य ग्रन्थमे की प्रस्तुत अछि?**

(A) वर्ष भरिक पाबनि, व्रत, पूजा, दान आ शुभकार्यक विधान

(B) केवल एक कथा

(C) कोका-कोला प्रसंग

(D) प्रवास-कविता

**२४७४. दुर्गाभक्तितरंगिणी कोन पद्धति/पूजा सँ जुड़ल अछि?**

(A) दुर्गोत्सव पद्धति आ दुर्गा पूजा विधि

(B) केसर पुलाव

(C) निरर्थक पत्र

(D) भोर गीत

**२४७५. शैवसर्वस्वसारक मुख्य विषय की अछि?**

(A) भगवान शिवक पूजा-संबंधी विधि-विधान

(B) नारी-प्रवास

(C) रंगकर्म

(D) कोसी बाढ़

**२४७६. गयापत्तलक ग्रन्थ ककरा संबोधित अछि?**

(A) गयामे श्राद्ध, पिण्डदान आ पितृऋण मुक्तिक सामान्य जन-सम्बन्धी विधान

(B) राजा मात्र

(C) रंगकर्मी

(D) होटल ग्राहक

**२४७७. विभागसार ककर लेल प्रमाणिक मानल गेल?**

(A) मिथिलाक दायभाग आ उत्तराधिकार सम्बन्धी विधान लेल

(B) भोजन विधि लेल

(C) कविता छन्द लेल

(D) गजल गायन लेल

**२४७८. लिखनावलीक विषय की अछि?**

(A) पत्राचार करबाक विधि आ सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवहार

(B) चित्रकला मात्र

(C) घरेलू भोजन

(D) बाढ़ रिपोर्ट

**२४७९. पुरुषपरीक्षामे कोन चार प्रकारक कथा समाहित अछि?**

(A) वीर कथा, सुबुद्धि कथा, सुविद्य कथा आ पुरुषार्थ कथा

(B) खीर, पुलाव, परोठा, कोबी

(C) दूध, दही, घी, तेल

(D) गीत, अरीपन, प्रवास, होटल

**२४८०. मैथिली पदावलीक विशेषता की अछि?**

(A) राधा-कृष्णक प्रेम-प्रसंग गेय पदमे लोककंठसँ जीवित रहल

(B) गद्य-विज्ञान मात्र

(C) कानूनी अभिलेख

(D) पाक-विधि

## खण्ड ५०३ : विदेह-सदेह १ — हाइकू आ नूतन झा: “बाराती-सत्कार”

**२४८१. विद्यापति-विवरणक बाद आएल हाइकूमे “चाँदनी राति / नीमक गाछ तर / जरैछ आगि” कोन बिम्ब रचैत अछि?**

(A) शान्ति आ दाहक विरोधाभासी दृश्य

(B) भोजन विधि

(C) नाटक प्रवेश

(D) वंश-अभिलेख

**२४८२. “गरम साँस / छिला गेलैक ठोर / प्रथम स्पर्श” हाइकू ककर सूक्ष्म क्षण पकड़ैत अछि?**

(A) प्रथम स्पर्शक तीव्र शारीरिक-संवेदन

(B) राजनीतिक सभा

(C) बाढ़ रिपोर्ट

(D) दान-विधान

**२४८३. “श्रम ठाढ़ छै / श्रमिक पड़ल छै / मसिनि युग” मे कोन आलोचना अछि?**

(A) मशीन युगमे श्रमिकक अवमूल्यन

(B) श्रमिक विजय-उत्सव मात्र

(C) भोजन प्रशंसा

(D) प्रवास सुख

**२४८४. “मृत्युक नोत / जीबाक लेल सिखु / देब बधाइ”क भाव की अछि?**

(A) मृत्यु-स्मरणसँ जीवनक मूल्य सीखबाक विडंबनात्मक आग्रह

(B) मृत्यु असत्य

(C) जीवन निरर्थक

(D) भोजन श्रेष्ठ

**२४८५. नूतन झाक “बाराती-सत्कार” लेख कोन सामाजिक समस्या उठबैत अछि?**

(A) विवाहमे आडंबर आ विलासपूर्ण प्रदर्शनक आर्थिक बोझ

(B) कोसी तटबंध

(C) गजल संरचना

(D) पंचदेवोपासना

**२४८६. नूतन झा आधुनिकता संबंधमे संतुलित दृष्टि कोना रखैत छथि?**

(A) शिक्षा-स्वास्थ्य लाभ मानैत छथि, मुदा अपव्ययक दुष्परिणाम देखैत छथि

(B) आधुनिकता पूर्ण नकार

(C) पूर्ण स्वीकार बिना प्रश्न

(D) कोनो मत नहि

**२४८७. विवाहकेँ अविस्मरणीय बनाबयवला असली तत्व लेखमे की कहल गेल?**

(A) दू परिवारक आपसी स्नेह, सम्बन्ध, निष्ठा आ विश्वास

(B) महँगा टेंट

(C) गहना मात्र

(D) भोजक मात्रा

**२४८८. बाराती-सत्कार पर वरपक्षक दबाव देख लेखक केँ की भाव होइत अछि?**

(A) दुख

(B) आनन्द मात्र

(C) गर्व

(D) पूर्ण उदासीनता

**२४८९. कवितांशमे गरीब कन्यापक्ष बारातीसँ की कहैत अछि?**

(A) रूख-सूख जे भेटए, स्वीकार करू आ हमर लाज राखू

(B) असीम भोज माँगू

(C) सम्बन्ध तोड़ू

(D) भोजन फेकू

**२४९०. "बाराती-सत्कार"क निष्कर्ष की अछि?**

(A) आडंबरक समूल नाश कऽ मिथिलाक गरिमा बढ़ाबी

(B) आडंबर बढ़ाबी

(C) ऋण लऽ खर्च करू

(D) गरीबक उपेक्षा

## खण्ड ५०४ : विदेह-सदेह १ — जानकी-नवमी: व्रत, कथा आ मिथिला-महिमा

**२४९१. जानकी-नवमी कोन तिथि पर मनाओल जाइत अछि?**

(A) वैशाख मासक शुक्ल पक्षक नवमी

(B) कार्तिक धवल त्रयोदशी

(C) माघ पूर्णिमा

(D) चैत्र अमावस्या

**२४९२. जानकी-नवमी दिन लोक की करैत छथि?**

(A) व्रत राखि सीताजीक पूजा-अर्चना करैत छथि

(B) केवल नाटक खेलैत छथि

(C) मखानक खीर मात्र

(D) राजनीतिक सभा

**२४९३. सीता माता कैँ लेखमे ककर अवतार मानल गेल?**

(A) लक्ष्मीजीक अवतार

(B) सरस्वती मात्र

(C) दुर्गा मात्र

(D) कोनो देवी नहि

**२४९४. जानकी-नवमी व्रतसँ कोन फल मानल गेल?**

(A) सुख आ सम्पत्तिक प्राप्ति

(B) केवल युद्ध-विजय

(C) भोजन मात्र

(D) नींद मात्र

**२४९५. जनकजी सम्बन्धी कथा ककर प्रसंग खोलैत अछि?**

(A) मिथिलामे सीताक अवतरण/जनकक पुत्री रूपक पौराणिक स्मृति

(B) होटल-विवाद

(C) कोसी तटबंध

(D) पंजी मुकदमा

**२४९६. जानकी-नवमी प्रसंग "बाराती-सत्कार"क बाद किएक सांस्कृतिक रूपेँ अर्थवान अछि?**

(A) विवाह-संस्कार आलोचना सँ सीता-मंगल आ नारी-गरिमाक पाबनि धरि क्रम बनैत अछि

(B) पूर्ण असंबद्धता

(C) भोजनक पुनरावृत्ति

(D) गजल मात्र

**२४९७. सीता/जानकी मिथिलाक सांस्कृतिक स्मृतिमे की प्रतिनिधित्व करैत छथि?**

(A) मातृशक्ति, पवित्रता, त्याग आ मिथिला-गौरव

(B) केवल ऐतिहासिक राजा

(C) होटल पात्र

(D) नशा-विनोद

**२४९८. जानकी-नवमीक व्रत-पूजा लोकधर्मक कोन पक्ष देखबैत अछि?**

(A) गृहस्थ-जीवन, देवी-आस्था आ स्त्री-मंगलक समन्वय

(B) वैराग्य मात्र

(C) व्यापार मात्र

(D) नाटक-समालोचना

**२४९९. लेखमे अंग्रेजी तिथि देल रहितो क्विज लेल मुख्य सांस्कृतिक बिंदु की अछि?**

(A) वैशाख शुक्ल नवमीक जानकी-व्रत आ सीताजी पूजा

(B) विशेष अंग्रेजी तारीख याद करब

(C) केवल बाहरी गणना

(D) केवल सूची-गणना

**२५००. एहि खण्डक समग्र महत्व की अछि?**

(A) मिथिलाक नारी-आस्था, जानकी-परम्परा आ लोकमंगलक स्मरण

(B) सिर्फ पाक-विधि

(C) सिर्फ विवाह खर्च

(D) सिर्फ राजनैतिक आलोचना

## उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. **(A) मैथिली साहित्यक नवीन आन्दोलनक आरम्भ** — संपादकीय “विदेह”कैं लेखक-पाठक संवाद, तकनीक आ साहित्यिक सक्रियताक माध्यम मानैत अछि।

२. **(A) फ्री साइटसभ किछु दिनमे अपने डिलीट भऽ जाइत छल** — आरम्भिक याहू जियोसिटीज साइट अस्थायी छल, तैं स्थायी मंचक आवश्यकता अनुभव भेल।

३. **(A) मैथिली इंटरनेट उपस्थिति केर आरम्भिक स्थायी पड़ाव रूपमे** — भालसरिक गाछक उल्लेख ई-पत्रिका सँ पहिने मैथिली वेब-उपस्थिति केर इतिहास बनबैत अछि।

४. **(A) मैथिलीमे अलग, सक्रिय पाठक-वर्गक अस्तित्व देखाबय** — संपादकीय कहैत अछि जे विदेह पाठक आ लेखकक बीच वास्तविक संवादक मंच बनलक।

५. **(A) कला, संगीत, पाबनि, मिथिलाक खोज आ सामाजिक प्रश्नपर सारगर्भित मनन** — संपादकीय विदेहक क्षेत्र महाकाव्य, नाटक, उपन्यास सँ आगू सांस्कृतिक आ सामाजिक विमर्श धरि फैलाबैत अछि।

६. **(A) वितरण समस्या आ भौगोलिक दूरीक अन्त** — इंटरनेट मंच चौबीसो घंटा, सातो दिन, कतहुसँ उपलब्ध रहबाक सुविधा दैत अछि।

७. **(A) कम इंटरनेट गति/महँग इंटरनेट वाले पाठक फाइल डाउनलोड कऽ रखि सकथि** — संपादकीय पुरान अंक डाउनलोड कऽ बादमे पढ़बाक सुविधा कैं पहुँच-विस्तारक उपाय मानैत अछि।

८. **(A) MS-SQL आधारित सचर्रेबल मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी-मैथिली ऑनलाइन डिक्शनरी** — रचनालेखन स्तम्भ भाषिक साधनक डिजिटल आधार बनय लागल छल।

९. **(A) मैथिलक लेल मैथिली शिक्षा संस्कृत शिक्षाक संग आरम्भ कएल गेल** — भाषा-शिक्षा आ परम्परा कैं संग लऽ चलबाक दृष्टि सँ ई कॉलम देल गेल।

१०. **(A) डिजिटल तकनीक मैथिली साहित्यिक आन्दोलनक साधन बनि सकैत अछि** — संपादकीय साहित्य, तकनीक, पाठक-लेखक संवाद आ सांस्कृतिक विस्तारकैं एक मंच पर जोड़ैत अछि।

**११. (A) प्रथम महिला बाल नाट्य निर्देशक प्रमिला झाक स्मृति सँ** — संपादकीय नाट्यवृत्ति कैं प्रमिला झाक बाल रंगमंच योगदानक स्मारक रूपमे बतबैत अछि।

**१२. (A) मैलोरंग कैं** — लोककलाक लेल समर्पित संस्था मैलोरंग कैं संचालन सौंपल गेल।

**१३. (A) मैथिली रंगमंचमे महिला रंगकर्मीकैं प्रोत्साहन आ सामाजिक सम्मान** — संपादकीय स्पष्ट करैत अछि जे वृत्ति महिला रंगकर्मक सम्मान आ प्रोत्साहनक साधन अछि।

**१४. (A) भारत-नेपालक समूचा मिथिलामे चालीस गणमान्य रंगकर्मी/संस्कृतिकर्मी सँ अनुशंसा माँगल गेल** — विस्तृत अनुशंसा-प्रक्रिया वृत्तिक सामुदायिक वैधता देखबैत अछि।

**१५. (A) मैथिली नाटकमे सक्रिय अभिनय आ समकालीन विषयक आग्रह** — शिवानी विभिन्न नाटकमे अभिनय करैत समकालीन समस्या मैथिली नाटकमे आनबाक पक्षमे छथि।

**१६. (A) समकालीन समस्या पर्याप्त रूपैं नहि आबि रहल अछि** — हिनकर विचार नाटककैं वर्तमान समाजक प्रश्नसँ जोड़बाक आग्रह अछि।

**१७. (A) बाल्यकालसँ रंगमंचसँ जुड़ल रहब आ अनेक संस्था संग काज** — नेहा नवतरंग, इप्टा, यात्री आ मैलोरंग आदि संग सक्रिय रहलीह।

**१८. (A) महेन्द्र मलंगिया** — स्रोत नेहाक प्रिय नाटककार आ निर्देशक महेन्द्र मलंगिया कहैत अछि।

**१९. (A) झिझिया, झड़नी, जट-जटिन, डोम कछ सन लोकनृत्य** — मधुमिता मंचीय नाटकक संग लोकनृत्य, एकल अभिनय, फिल्म-सिरियल आदिमे सक्रिय छथि।

**२०. (A) मैथिली रंगमंचमे स्त्री भागीदारीकैं दस्तावेज, सम्मान आ प्रोत्साहन देब** — ई खण्ड महिला रंगकर्मी सभक जीवित योगदानकैं साहित्यिक-सांस्कृतिक अभिलेख बनबैत अछि।

**२१. (A) मिथिला पेंटिंग आ संस्कृत शिक्षासँ सम्बन्धित सामग्री समयाभावक कारण नहि देल जा सकल** — पहिल अंकक आत्मस्वीकृति संपादकीय ईमानदारी देखबैत अछि।

**२२. (A) मिथिला पेंटिंग, छन्द/संस्कृत-मैथिली ज्ञान, संस्कृत शिक्षा, बालानाम् कृते** — दोसर अंकसँ विदेह बहुविषयी पत्रिका रूपमे विस्तार लेलक।

**२३. (A) मिथिलाक वंशावली/सामाजिक अभिलेख पर डिजिटल-साहित्यिक ध्यान** — पंजी-प्रबंध जोड़ब मिथिलाक परम्परागत अभिलेखक संरक्षण-चेतना अछि।

**२४. (A) पुरान सांस्कृतिक धरोहरकैं नयी तकनीकसँ जोड़बाक सोच** — एहि स्तम्भमे पुरान फोटो, गीत, डिस्क, टेप आदिक डिजिटल पुनर्स्थापनक विचार अछि।

**२५. (A) विदेहक रूपरेखा पाठक-सहभागिता सँ विकसित भेल** — मेल द्वारा प्राप्त उत्साह आ सुझावक आधार पर नये स्तम्भ जुड़ल।

**२६. (A) विभिन्न डिजिटल प्रारूपमे पाठक-लेखक सहभागिता** — पत्रिका आरम्भसँ डिजिटल सहभागिताक अनेक रूप स्वीकार करैत छल।

**२७. (A) व्यावहारिक शिक्षण-सामग्रीकैं पत्रिका-स्तम्भमे बदलनाइ** — संपादकीय शिक्षण अनुभवकैं पाठक लेल उपयोगी सामग्री बनाबय चाहैत अछि।

**२८. (A) बाल पाठक आ बाल-संस्कृति कैं पत्रिका-मंच पर स्थान देब** — बाल-केन्द्रित सामग्री विदेहक व्यापक पाठक-वर्ग दृष्टि देखबैत अछि।

**२९. (A) साहित्य संग संगीत-संस्कृति कैं समान महत्व देब** — विदेह साहित्य, संस्कृत, कला, बाल-साहित्य आ संगीतकैं एक सांस्कृतिक परिसरमे रखैत अछि।

**३०. (A) विदेह आरम्भ सँ पाठक-सहभागी, बहुविधा, डिजिटल आ सांस्कृतिक संरक्षणमुखी मंच छल** — संपादकीय-स्मृतिसभ पत्रिकाक क्रमिक विकासक विश्वसनीय साक्ष्य देत अछि।

**३१. (A) मैथिली भाषाकैं विकी शुरू करबाक स्वीकृति भेटल** — संपादकीय मैथिली विकी स्वीकृति भेटलाक खुशी व्यक्त करैत अछि।

**३२. (A) कमसँ कम पाँच नियमित संपादक विभिन्न जगहसँ सक्रिय होथि** — भाषा-विकी सामुदायिक नियमित श्रम पर निर्भर बताओल गेल।

**३३. (A) English keyboard सँ मैथिली लिखबाक व्यवहारिक मार्गदर्शन देब** — विकीमे योगदान लेल टाइपिंग-सहायता जरूरी छल।

**३४. (A) मैथिली/तिरहुता सम्बन्धी Unicode स्थानक आवेदन आ सूचना-संग्रह** — संपादकीय Unicode/लिपि-मान्यता प्रश्नकैं मैथिली डिजिटल भविष्यसँ जोड़ैत अछि।

**३५. (A) मैथिली लिपिक स्वतंत्र पहचान प्रमाणित करबाक लेल** — Unicode मानकमे लिपि भेदक स्पष्टता जरूरी अछि।

**३६. (A) पाठककैं सीधा तकनीकी-सामुदायिक योगदान लेल बुलाबय** — ई लिंकसभ सहभागिताक कामक स्थान छल, पृष्ठ-सूचना मात्र नहि।

**३७. (A) पत्रिकाक वैश्विक पाठक-संबंधसँ उल्लास आ भरोस** — दुनियाभरिसँ प्रतिक्रिया भेटब विदेहक प्रवासी/वैश्विक पहुँच देखबैत अछि।

**३८. (A) मैथिली सामग्री कैं डिजिटल रूपैं खोजयोग्य बनाबय** — भाषा-प्रौद्योगिकीमे खोजयोग्यता साहित्यिक पहुँचक आधार अछि।

**३९. (A) बाल-सामग्री आ ध्वन्यात्मक/दृश्य माध्यम दिस विस्तार** — संपादकीय बाल कथा एनिमेट करबाक इच्छा व्यक्त करैत अछि।

**४०. (A) मैथिली डिजिटल भाषिक अधिकार, विकी, Unicode, टाइपिंग आ खोजयोग्यता कैं एक अभियान बनाबय** — विदेह डिजिटल युगमे मैथिलीकैं सक्रिय, लिखनयोग्य आ मान्य बनाबय चाहैत अछि।

**४१. (A) मिथिलाक खोजमे चित्रकला संग पुरातत्त्व आ दर्शनीय स्थल समेटब** — चित्रकला, पुरातत्त्व आ स्थल-संग्रहकैं अलग-अलग परतमे व्यवस्थित करबाक विचार अछि।

**४२. (A) ऐतिहासिक आ वर्तमान महापुरुषक चित्र-प्रदर्शनी** — मिथिला रत्न स्मृति-संरक्षणक दृश्य स्तम्भ रूपमे प्रस्तुत अछि।

**४३. (A) संस्थान, विद्वान आ ऐतिहासिक स्थल-साक्षात्कारक कारण** — मिथिला रिसर्च इंस्टिट्यूट, संस्कृत विश्वविद्यालय आ विद्वान लोकनिक दर्शन दस्तावेजी महत्व रखैत अछि।

**४४. (A) पालवंशक मूर्ति आ मिथिलाक्षर अभिलेखक चित्र** — संपादकीय ऐतिहासिक स्थल आ लिपि-साक्ष्यक दस्तावेजीकरण करैत अछि।

**४५. (A) मिथिलाक्षरक प्राचीन उपस्थिति आ सांस्कृतिक महत्व** — मूर्ति-अभिलेख लिपि-इतिहासक ठोस साक्ष्यक रूपमे देखल गेल।

**४६. (A) स्थानीय स्थलसभक पुनर्मूल्यांकन जरूरी अछि** — संपादकीय भूलेल/अनदेखल स्थलसभ पर शोध लेखक अपेक्षा करैत अछि।

**४७. (A) दुर्लभ ग्रंथसभक संरक्षण आ पहुँच-विस्तार** — डिजिटल इमेजिंग साहित्यिक-ऐतिहासिक धरोहर बचाबयक साधन अछि।

**४८. (A) परम्परागत अभिलेख आ भाषा-संसाधनक डिजिटल आधार बनाबय** — संपादकीय पंजी, शब्दकोश, पुरान अंक आ टाइप-सहायता सभकैं डिजिटल संग्रह बनाबय चाहैत अछि।

**४९. (A) पत्रिकाक निरंतर स्मृति आ शोधयोग्य अभिलेख बननाइ** — पुरान अंक शोधार्थी आ पाठक लेल स्थायी स्रोत बनैत अछि।

**५०. (A) विदेह मिथिला इतिहास, लिपि, पंजी, पुरान किताब आ चित्र-संस्मृति कैं डिजिटल अभिलेखमे बदलब चाहैत अछि** — एहि खण्डमे डिजिटल संरक्षण मैथिली सांस्कृतिक आन्दोलनक मूल उपकरण बनैत अछि।

**५१. (A) मैथिली अकादमी द्वारा निर्धारित भाषाक अंकन आ शैली सम्बन्धी सामग्री** — स्तम्भ भाषा-मानक आ लेखन-तैयारीक साधन रूपमे विकसित भेल।

**५२. (A) ओ शैली-मैनुअल सम्बन्धी सामग्री भाषा-प्रौद्योगिकी विभाग धरि अग्रसारित करैत छथि** — केंद्रीय भाषा संस्थानक स्तर पर मैथिली शैली-मानकक चर्चा महत्वपूर्ण अछि।

**५३. (A) मैथिली स्टाइल मैनुअल बनएबाक कार्य आगू बढ़ाबय वाला भाषा-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ** — संपादकीय शैली-मैनुअल कैं संस्थागत भाषा-कार्यसँ जोड़ैत अछि।

**५४. (A) लेखन, वर्तनी आ प्रकाशनमे मानकीकरणक आधार** — मानक लेखन शैली शैक्षिक, संपादकीय आ डिजिटल प्रयोगमे सहायक अछि।

**५५. (A) मिथिलाक बहुविध सांस्कृतिक प्रतिभाक समावेश** — संगीत, फिल्म, पत्रकारिता, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति आदि क्षेत्रक विभूति शामिल अछि।

**५६. (A) कविता, शहनाई, तबला आ वायलिनक माध्यमसँ दृश्य-पाठ अनुभवक संगीतात्मक विस्तार** — विदेह डिजिटल पृष्ठ कैं बहु-माध्यम सांस्कृतिक अनुभव बनाबय चाहैत अछि।

**५७. (A) मिथिला आ मैथिलीक साइटसभक संकलन/लिंक देब** — संपर्क-खोज मैथिली वेब-संसारक नेटवर्क बनबैत अछि।

**५८. (A) नव-पुरान अंक भीतर सामग्री खोजबाक सुविधा** — सर्च इंजन पत्रिका कैं शोधयोग्य बनबैत अछि।

**५९. (A) मैथिली विषयक व्यापक वेब-सूचना सँ पाठककैं जोड़ैत अछि** — ई दृष्टि विदेहक सीमा सँ आगू पूरा वेबमे मैथिली खोजबाक सुविधा चाहैत अछि।

**६०. (A) भाषा-मानक, संस्थागत समर्थन, सर्च, लिंक आ मल्टीमीडिया मिलि मैथिली डिजिटल आधार बनबैत अछि** — संपादकीय भाषा-साधन आ सांस्कृतिक अनुभव दुनू कैं जोड़ैत अछि।

**६१. (A) पच्चीस सालक चुप्पी तोड़ि धारावाहिक रूपैं विदेहमे प्रकाशित नाटक** — संपादकीय नाटकक आगमन कैं महत्त्वपूर्ण साहित्यिक घटना रूपमे देखैत अछि।

**६२. (A) कविता मात्र नहि, विचार-चर्चाक मंच सेहो** — विदेह वैचारिक विमर्श आ कविता दुनू कैं स्थान दैत अछि।

**६३. (A) बाल पाठककैं लोकपरम्परा सँ जोड़ब** — बाल-साहित्यक माध्यमे लोक-स्मृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँचैत अछि।

**६४. (A) पाबनि-संस्कृति कैं साहित्यिक-शिक्षात्मक सामग्री बनाबय** — संपादकीय धार्मिक-सांस्कृतिक अवसरकैं निबंध-सामग्रीमे बदलैत अछि।

**६५. (A) बाल-शिक्षामे वैदिक आख्यानक आलोचनात्मक/मूल रूप प्रस्तुत करब** — संपादकीय अन्तमे सूत्रधारसँ बादक विकृति पर टिप्पणी करयबाक बात कहैत अछि।

**६६. (A) शुक्ल यजुर्वेद मंत्रकेँ मिथिला-आशीर्वाद परम्परासँ जोड़ैत अछि** — मंत्रक अर्थ आ पृष्ठभूमि विदेह आर्काइवमे अभिनव रूपेँ देल गेल।

**६७. (A) आरम्भिक डिजिटल प्रसारक बहु-माध्यम रणनीति** — विदेह अनेक वेब-माध्यम सँ पाठक धरि पहुँचबाक प्रयास केलक।

**६८. (A) विदेहक प्रत्यक्ष स्मरणीयता आ पाठक-निष्ठा** — सीधा URL टाइप करब पाठकक दृढ़ परिचय आ लगाव देखबैत अछि।

**६९. (A) पारंपरिक स्त्री-पाबनि पर विवेचनात्मक सामग्री प्रस्तुत करब** — विदेह पाबनि-तिहार केँ सांस्कृतिक अध्ययनक विषय बनाबैत अछि।

**७०. (A) बाल-साहित्य, पाबनि, वैदिक आख्यान, लोकगाथा आ डिजिटल प्रचारक संगठित सांस्कृतिक शिक्षण** — विदेह सांस्कृतिक शिक्षणकेँ आयु-वर्ग, परम्परा आ आधुनिक माध्यमसँ जोड़ैत अछि।

**७१. (A) समकालीन आ विस्मृत साहित्य दुनूकेँ मंच देब** — विदेह नयका/जीवित रचनाकारक संग विस्मृत कविक रचना सेहो प्रकाशित करैत अछि।

**७२. (A) मैथिलीमे जापानी पद्य-विधा प्रस्तुतिक वैध साहित्यिक संदर्भ देब** — हाइकू-विधाक भारतीय साहित्यिक प्रसंग बनाओल गेल।

**७३. (A) विश्व-पद्य विधाक मैथिलीकरण आ नव शिल्प-प्रयोग** — विदेह मैथिलीकेँ वैश्विक काव्य-विधासँ संवाद करबैत अछि।

**७४. (A) मैथिली कविताक राष्ट्रीय संस्थागत मंचपर उपस्थिति** — कवि-सम्मेलन मैथिली साहित्यक सार्वजनिक राष्ट्रीय दृश्यता देखबैत अछि।

**७५. (A) मैथिली कविता सुनबाक उत्सुक श्रोता-वर्ग उपस्थित छल** — भीड़ मैथिली साहित्यिक कार्यक्रमक जीवंतता दर्शबैत अछि।

**७६. (A) उद्घोषणाक ऊर्जस्विता आ मंचीय प्रभाव** — हिन्दी मंच-परम्परासँ तुलना मंचीय जीवंतता देखबैत अछि।

**७७. (A) पत्रिका साहित्यिक घटना केँ प्रत्यक्ष अनुभवक अभिलेख बनबैत अछि** — संपादकीय केवल सूचना नहि, प्रत्यक्ष सांस्कृतिक साक्ष्य देत अछि।

**७८. (A) संगीत-साहित्य परम्परामे हुनकर असाधारण स्थान मानल गेल** — संदेशक आधार पर हुनकर जीवनी आ कृति प्रस्तुत करबाक गर्व व्यक्त अछि।

**७९. (A) मैथिली संगीत परम्पराक शैक्षिक दस्तावेज बनब** — संगीत शिक्षा स्तम्भ विभूतिक जीवन-कृति मार्फत परम्परा सिखबैत अछि।

**८०. (A) विदेह काव्य-प्रयोग, साहित्यिक आयोजन, विस्मृत रचना आ संगीत-विभूति सबकेँ अभिलेख बनबैत अछि** — ई खण्ड पत्रिकाक साहित्यिक सक्रियता आ स्मृति-संरक्षण दुनू देखबैत अछि।

**८१. (A) ई अंक केवल एकल लेख नहि, व्यापक साहित्यिक-सांस्कृतिक संकलन अछि** — अनुक्रममे विविध लेखक आ पृष्ठ-सूचना सामग्रीक विस्तारक संकेत करैत अछि।

**८२. (A) महत्त्वपूर्ण दीर्घ/विशिष्ट रचना वा नाटक-संबंधित योगदान** — नचिकेता नाम संपादकीय-स्मृतिमे नाटक प्रसंगसँ सेहो जुड़ैत अछि।

**८३. (A) भाषा-मानकीकरण अंकक संरचनात्मक अंग अछि** — मानक लेखन शैली अंकक समापन भागमे महत्वपूर्ण संसाधन रूपमे अछि।

**८४. (A) लेखक-विविधता आ विधा-विस्तार** — सदेह १मे विभिन्न विधा आ पीढ़ीक प्रतिनिधित्व देखाइत अछि।

**८५. (A) महिला सहभागिताक स्पष्ट दस्तावेजी उपस्थिति** — नूतन झा, नीलीमा, प्रीति, प्रीति ठाकुर, विभा रानी, शीला सुभद्रा देवी आदि नाम अंकक सहभागिता देखबैत अछि।

**८६. (A) सामग्री-मानचित्र आ कवरेज जाँच लेल, पृष्ठ-नम्बर रटबाक लेल नहि** — हमरा नियम अनुसार अनुक्रम coverage auditक साधन अछि, trivial page-questionक आधार नहि।

**८७. (A) पत्रिका-संवादमे पाठक/रचनाकार/वरिष्ठक संदेशक स्थान अछि** — संदेश साहित्यिक आन्दोलनक सामाजिक स्वीकार्यताक संकेत बनैत अछि।

**८८. (A) साहित्यक संग सामाजिक-सांस्कृतिक नेटवर्कक संकेत** — लेखक-सूची मैथिली समाजक विस्तृत सांस्कृतिक मंडल देखबैत अछि।

**८९. (A) एहि मे आरम्भिक विदेह आन्दोलन, संपादकीय इतिहास, लेखक-विविधता आ मानक लेखन सभ समाहित अछि** — TOC संकलनक गहिरता आ विविधता देखबैत अछि।

**९०. (A) सदेह १ केर coverage map बनाबय आ आगे सब लेख न छोड़बाक आधार तय करब** — अनुक्रम phase-1 auditक आधार अछि, मुख्य quizमे अर्थपूर्ण प्रश्न बनेबाक मार्गदर्शक।

**९१. (A) आरम्भिक विदेह आन्दोलन आ बहुविध सामग्रीक सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करब** — User निर्देश अनुसार Sadeha 1–37 मे कोनो सामग्री नहि छोड़बाक लेल आरम्भिक अंक सँ audit जरूरी अछि।

**९२. (A) मुख्य quizमे doubtful सामग्री नहि, alternate format माँगि reviewमे राखब** — विश्वसनीयता लेल केवल साफ पाठ सँ मुख्य प्रश्न बनत।

**९३. (A) नाम/सामग्री पूर्णतः exclude, महिमामंडन वा प्रश्न नहि** — User द्वारा स्पष्ट exclusion rule देल गेल अछि; अतः कोई सामग्री शामिल नहि।

**९४. (A) ओ विदेहक उद्देश्य, डिजिटल आंदोलन, रंगमंच, archive आ भाषा-प्रौद्योगिकी सब स्पष्ट करैत अछि** — संपादकीयमे आन्दोलनक घोषणापत्र-समान सामग्री अछि।

**९५. (A) साहित्यिक, सांस्कृतिक आ ऐतिहासिक अर्थ पर ध्यान रखबाक लेल** — User rule अनुसार page-number trivia निषिद्ध अछि।

**९६. (A) Fully mined, partially mined, not mined, rich article आदि** — Coverage map आगेक exhaustive miningक आधार बनत।

**९७. (A) लेखक आकार/समृद्धि अनुसार प्रश्न-संख्या बदलत** — लंबा/समृद्ध लेख 100+ प्रश्न पा सकैत अछि, छोट नोट कम।

**९८. (A) स्रोत-आधारित, पुनर्लिखित, संक्षिप्त आ अर्थ स्पष्ट करय वाला** — प्रत्येक उत्तरक कारण मौलिक शब्दमे देल जायत।

**९९. (A) संदेश, प्रमुख लेखक-रचना, मानक लेखन-शैली, नाटक/कला/भाषा-संबंधी लेख** — Audit अनुसार rich सामग्री पहिले खनल जायत।

**१००. (A) सदेह १ पूर्ण-coverage अभियानक प्रारम्भिक 100 high-confidence प्रश्न जोड़ब** — ई batch Sadeha 1 कैँ छोड़ल नहि मानि, विश्वसनीय पाठसँ systematic mining आरम्भ करैत अछि।

**१०१. (A) ई काज एक दिन मैथिली भाषाक इतिहासमे चर्चा योग्य बनत** — नचिकेता विदेहक कार्यकैँ मैथिली भाषा-इतिहासक स्तर पर महत्वपूर्ण मानैत छथि।

**१०२. (A) संवेदनशील मन, मैथिली-समर्पित मेहनति आ इतिहासमे नव अध्याय खोलबाक क्षमता** — गंगेश गुंजन विदेहक प्रयत्नमे भाव, श्रम आ ऐतिहासिक संभावना देखैत छथि।

**१०३. (A) पहिल मैथिली पाक्षिक इंटरनेट-पत्रिका रूपमे विदेहक मान्यता** — संदेश विदेहकैँ इंटरनेट पर प्रथम मैथिली पाक्षिक पत्रिका रूपमे सराहैत अछि।

**१०४. (A) चमत्कार-जकाँ आश्चर्य आ गहीर आनंद दुनू** — मौनजी प्रकाशनक समाचार सुनि चकित सेहो भेलाह आ अत्यधिक आनंदित सेहो।

**१०५. (A) सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्रमे मैथिली पत्रकारिताक प्रवेश** — ई संदेश डिजिटल युगमे मैथिली पत्रकारिताक साहसिक प्रवेशक स्वागत करैत अछि।

**१०६. (A) सहयोग भविष्यक बात, मुदा ई महान यज्ञमे श्रद्धापूर्ण आहुति देबाक भाव अछि** — आचारण झा अनुभवक आधार पर भविष्यक अनिश्चितता मानितो यज्ञमे आहुति देबाक संकल्प रखैत छथि।

**१०७. (A) सम्पूर्ण टीम बधाईक पात्र अछि** — मिशिगन विश्वविद्यालयसँ आयल संदेश टीम-आधारित कार्यक सम्मान करैत अछि।

**१०८. (A) निरन्तर पल्लवित-पुष्पित भऽ चतुर्दिक सुगंध पसारय** — संदेश साहित्यिक पत्रिकाकैँ जीवित वृक्षक रूपकमे देखैत अछि।

**१०९. (A) भगवतीसँ सफलता-कामना आ पूर्ण सहयोगक आश्वासन** — ई संदेश धार्मिक-सांस्कृतिक शुभेच्छा आ व्यावहारिक सहयोग दुनू जोड़ैत अछि।

**११०. (A) विदेहक डिजिटल आन्दोलन आरम्भहि सँ वरिष्ठ, पाठक आ प्रवासी मैथिल सभक ध्यानमे छल** — संदेश-खंड विदेहक सामाजिक-सांस्कृतिक स्वीकृतिक प्रारम्भिक दस्तावेज अछि।

**१११. (A) इंटरनेट पर होयबाक कारण "विदेह" नाम अनेक अर्थमे उचित ठहरैत अछि** — भीमनाथ झा नामक दार्शनिक/डिजिटल संगति पर ध्यान दैत छथि।

**११२. (A) मैथिलीकैँ अंतरराष्ट्रीय जगतमे पहुँचेनाइ** — जनकपुरधामसँ आयल बधाई भारत-नेपालक पार मैथिली पहुँच देखबैत अछि।

**११३. (A) विदेहक कार्य मिथिला भारत-नेपाल दुनू पारक साझा परियोजना बनि सकैत अछि** — संदेश सीमा-पार मैथिली सहयोगक संभावना खोलैत अछि।

**११४. (A) ओ विदेहक पता बहुत लोककैँ लिखाए देल गेल कहलनि** — ई पंक्ति विदेहक प्रसारमे व्यक्तिगत नेटवर्कक भूमिका देखबैत अछि।

**११५. (A) इंटरनेट पर मैथिलीमे पहिल पत्रिका प्रकाशित करबाक निःस्वार्थ प्रयास प्रति** — ओ विदेह प्रकाशनकैँ मातृभाषा-सेवाक रूपमे देखैत छथि।

**११६. (A) इंटरनेटपर आरम्भसँ अन्त धरि देखल, मोन फुल्लित भऽ गेल** — ई डिजिटल पठनक भावनात्मक प्रभावक प्रमाण अछि।

**११७. (A) ई-पत्रिका मैथिलीकैँ भौगोलिक दूरीसँ बाहर निकालि रहल छल** — संदेश भारत, नेपाल, अमेरिका आदि संदर्भसँ विदेहक विस्तृत पाठक-वृत्त देखबैत अछि।

**११८. (A) डिजिटल माध्यम द्वारा बिखरल मैथिल समुदायकैँ संवादमे आनब** — विदेहक मूल ध्येय समुदाय-संपर्क आ भाषा-संवाद अछि।

**११९. (A) स्वार्थरहित भाषा-सेवा आ सांस्कृतिक समर्पण** — संदेश विदेहक श्रमकैँ भाषा-प्रेमक नैतिक मूल्यसँ जोड़ैत अछि।

**१२०. (A) विदेह आरम्भमेहि स्थानीय, राष्ट्रीय, प्रवासी आ नेपाल-सम्बद्ध मैथिली चेतनाक सेतु बनल** — अलग-अलग स्थानसँ संदेश विदेहक नेटवर्क-स्वरूप स्पष्ट करैत अछि।

**१२१. (A) रचनाकार लोकनिक लगमे** — नीति स्पष्ट करैत अछि जे प्रकाशित रचनाक मूल अधिकार लेखकक लग रहत।

**१२२. (A) प्रथम प्रकाशन, आर्काइव तथा अनुवादक ई-प्रकाशन/आर्काइव अधिकार** — विदेह प्रकाशन-अधिकार सीमित रूपेँ परिभाषित करैत अछि, लेखकत्व नहि छीनेत।

**१२३. (A) मौलिक आ अप्रकाशित रचना** — नीति रचनाक मौलिकता आ अप्रकाशित स्थिति पर जोर दैत अछि।

**१२४. (A) लेखक गणक स्वयं** — रचना मौलिक अछि वा नहि—एकर उत्तरदायित्व लेखक पर राखल गेल।

**१२५. (A) .doc, .docx, .rtf वा .txt** — ई नीति डिजिटल प्रकाशनक व्यावहारिकता देखबैत अछि।

**१२६. (A) रचना संग लेखकक संक्षिप्त परिचय आ पहचान देब** — प्रकाशन पाठककेँ लेखकक परिचय सेहो उपलब्ध कराबय चाहैत अछि।

**१२७. (A) ई रचना मौलिक अछि आ पहिल प्रकाशन हेतु विदेहकेँ देल जा रहल अछि** — घोषणा प्रकाशन-नैतिकता आ प्रमाणिकता लेल अछि।

**१२८. (A) यथासंभव शीघ्र, सात दिनक भीतर** — ई पाठक-लेखक संचारक समयबद्धता देखबैत अछि।

**१२९. (A) १ आ १५ तारीख** — पाक्षिक स्वरूप नियत तिथि पर प्रकाशनक अनुशासन बनबैत अछि।

**१३०. (A) डिजिटल मैथिली प्रकाशनमे अधिकार, मौलिकता आ अनुशासित प्रक्रिया स्पष्ट करब** — ई नीति विदेहक नैतिक प्रकाशन-संरचना केँ स्पष्ट बनबैत अछि।

**१३१. (A) प्रिंट फॉर्ममे पुस्तक रूपेँ** — डिजिटल प्रकाशनक बाद चयनित सामग्री मुद्रित पुस्तकमे अनबाक योजना छल।

**१३२. (A) ई-प्रकाशित उपन्यासक बाद मुद्रित रूपमे प्रकाशन** — विदेह डिजिटल मंच सँ पुस्तक-प्रकाशन धरि सामग्रीक यात्रा बनबैत अछि।

**१३३. (A) मैथिली-अंग्रेजी आ अंग्रेजी-मैथिली शब्दकोश** — डाटाबेस भाषा-संसाधन निर्माणक आधार बनल।

**१३४. (A) लिपि, पांडुलिपि आ पंजी परम्पराक डिजिटल/मुद्रित संरक्षण** — ई प्रकल्प मिथिला अभिलेख परम्पराकेँ आधुनिक रूपमे सुरक्षित करबाक प्रयास अछि।

**१३५. (A) बहुस्तरीय दस्तावेजीकरण आ तकनीकी-साहित्यिक श्रम** — डिजिटल इमेजिंग आ लिप्यंतरण भाषा-संपदा बचाबयक श्रमसाध्य प्रक्रिया अछि।

**१३६. (A) पाठक-प्रतिक्रिया आ पाठ-संवादकेँ पुस्तक-इतिहासमे स्थान देब** — विदेह पाठककेँ मात्र उपभोक्ता नहि, साहित्यिक संवादक भागी मानैत अछि।

**१३७. (A) ई-पत्रिकाक सामग्री व्यापक डिजिटल पाठकवर्ग धरि पहुँचल** — पठन-संख्या डिजिटल पहुँच आ रुचिक संकेत देत अछि।

**१३८. (A) ई-प्रकाशित सामग्रीक मुद्रित अवतार लेल प्रकाशक-संरचना देखबैत अछि** — डिजिटल-टू-प्रिंट यात्रा लेल प्रकाशकक भूमिका उल्लेखित अछि।

**१३९. (A) सदेह श्रृंखला केँ पुस्तक-परियोजना रूपमे समझबाक लेल** — ई सूचना project identity बुझाबय उपयोगी अछि, trivia नहि बनबाक चाही।

**१४०. (A) विदेहक सामग्री ई-पत्रिका सँ शोध-संसाधन, शब्दकोश, पंजी आ मुद्रित पुस्तक धरि फैलल अछि** — ई खण्ड विदेहक डिजिटल मंचकेँ दीर्घजीवी ज्ञान-संरचनामे बदलैत देखबैत अछि।

**१४१. (A) पद/भजन गायन शैलीमे** — रामरंग अधिकांश विद्यापति गीतकेँ पद वा भजन गायनक श्रेणीमे देखैत छथि।

**१४२. (A) ग्रामीण गीत शैलीक अंतर्गत** — ओ काही गीतकेँ ग्राम्य गायन-परम्परासँ जोड़ैत छथि।

**१४३. (A) पद-गायन शैलीक उदाहरण** — साक्षात्कारमे ई गीत पद-गायन शैली बुझाबय लेल उदाहरण रूपमे अछि।

**१४४. (A) शृंगार रससँ सम्बन्धित पद** — रामरंग विद्यापति गीतमे भाव-रसक विविधता मानैत छथि।

**१४५. (A) ई धुन अध-शास्त्रीय संगीतक अंतर्गत आबि सकैत अछि** — स्थानीय गायन दीर्घ परम्परासँ आध-शास्त्रीय स्वरूप पाबैत अछि।

**१४६. (A) मिथिलाक गायन-शैलीक अपना अलग स्वरूप अछि** — ओ कहैत छथि जे मिथिलाक गायनक अलग रूप अछि, जकरा प्रादेशिक संगीत कहि सकैत छी।

**१४७. (A) किछु गीत लोक-ग्रामीण जीवन आ अवसरसँ जुड़ल अछि** — विद्यापति परम्परा शास्त्रीय आ लोक दुनू धरि फैलैत अछि।

**१४८. (A) ओ पद, भजन, ग्रामीण, अध-शास्त्रीय आ प्रादेशिक अनेक आयाम देखैत छथि** — साक्षात्कार विद्यापति गीतक बहुस्तरीय गायन-परम्परा पर बल दैत अछि।

**१४९. (A) मिथिलामे दशकोंसँ गाओल जाइत गीतक अपनी धुन आ शैली अछि** — दीर्घ गायन-परम्परा गीतकेँ जीवित सांस्कृतिक स्वरूप दैत अछि।

**१५०. (A) विद्यापति गीतकेँ साहित्यक संग संगीत-शास्त्रीय आ लोक-सांस्कृतिक दृष्टिसँ पढ़ब** — रामरंगक उत्तर विद्यापति अध्ययनकेँ संगीतशास्त्र, रस आ लोकपरम्परा सँ जोड़ैत अछि।

**१५१. (A) जनसाधारणमे विद्यापति आ हुनकर गीत अत्यन्त परिचित छथि** — ओ कहैत छथि जे मिथिलामे विद्यापतिक नाम न जानय वाला अभागल होयत।

**१५२. (A) संगीतक गुण** — रामरंग साहित्य आ संगीत दुनूकेँ प्रसारक कारण मानैत छथि।

**१५३. (A) विद्यापति-संगीतक संरक्षण-पतन पर तुलनात्मक विचार लेल** — तुलना देखबैत अछि जे एक परम्परा सँ दोसर परम्पराक स्थिति बुझल जा सकैत अछि।

**१५४. (A) उपभोक्तावाद, बाजारवाद आ भूमंडलीकरण आदि प्रभावसँ** — प्रश्नमे आधुनिक सामाजिक-आर्थिक बदलावक प्रभाव पर विचार अछि।

**१५५. (A) मिथिला वर्तमान समयमे शास्त्रीय संगीतसँ शून्य भऽ रहल अछि** — ओ दुःखपूर्वक शास्त्रीय संगीतक क्षयक बात कहैत छथि।

**१५६. (A) ध्रुपद शैलीक ऐतिहासिक उच्चस्तरीय गायन परम्परा** — ई गायक ध्रुपद शैलीक विशिष्ट प्रतिनिधि मानल गेलाह।

**१५७. (A) हुनकर शिक्षा अमता गाममे भेल छल** — साक्षात्कारमे शिक्षा-स्थानक आधार पर सांस्कृतिक सम्बन्ध जोड़ित अछि।

**१५८. (A) ध्रुपद शैली आ मैथिली संगीतपरम्पराक विशेषता बुझबाक लेल** — रामरंग गायकसभक कार्य-संबंधी शोधकेँ भविष्यक शिक्षा लेल जरूरी मानैत छथि।

**१५९. (A) संगीत-चर्चा भाषा-मातृभूमि प्रेमसँ संयुक्त अछि** — रामरंगक संगीत-विमर्श मैथिली अस्मिता आ मिथिला-प्रेमसँ जुड़ल अछि।

**१६०. (A) विद्यापति संगीतक संरक्षण लेल साहित्यिक, संगीतशास्त्रीय आ सांस्कृतिक शोध आवश्यक अछि** — पतन-चिन्ता संरक्षण, शोध आ शिक्षाक आवश्यकता उत्पन्न करैत अछि।

**१६१. (A) समीक्षाक स्थिति पर खुलल दृष्टिक अभाव** — साक्षात्कारक रूपरेखा साहित्य, समीक्षा आ जीवन-संसार पर केन्द्रित अछि।

**१६२. (A) प्रबोध सम्मान** — परिचयमे हुनकर मैथिली योगदानकेँ देखैत प्रबोध सम्मानक उल्लेख अछि।

**१६३. (A) कई कथा-संग्रह आ चारि समालोचनात्मक पोथी** — साक्षात्कारक भूमिका हुनका कथाकार आ समीक्षक दुनू रूपमे रखैत अछि।

**१६४. (A) कुमार बाजितपुर, वैशाली** — साक्षात्कारमे ओ अपन जन्म कुमार बाजितपुर बतबैत छथि।

**१६५. (A) १९३४, अगस्त २७** — जन्म-सूचना जीवन-संदर्भ बनेबाक लेल उपयोगी अछि, trivia नहि यदि biography contextमे पूछल जाय।

**१६६. (A) गाममे, बादमे पटना आबि आगू शिक्षा भेल** — ओ कहैत छथि प्रारम्भिक पालन गाममे आ बादक जीवन पटना केन्द्रित भेल।

**१६७. (A) टी.के. घोष एकेडमी** — साक्षात्कारमे स्कूल-शिक्षा टी.के. घोष एकेडमीसँ मैट्रिक धरि बताओल अछि।

**१६८. (A) मनोविज्ञान संग लॉजिक, हिन्दी आ अर्थशास्त्र** — हुनकर उच्च शिक्षा बहुविषयी रही।

**१६९. (A) संस्कृत विद्वान आ प्रारम्भिक संरक्षक/प्रेरक** — राजमोहन झाक साहित्यिक संस्कार पितामहक संरक्षणसँ जुड़ल अछि।

**१७०. (A) गाम, संस्कृत-परम्परा, पटना-शिक्षा आ बहुभाषिक अध्ययन मिलि लेखक-संस्कार बनबैत अछि** — साक्षात्कार लेखकक साहित्यिक गठनक पृष्ठभूमि स्पष्ट करैत अछि।

**१७१. (A) पितामह जनार्दन झासँ** — ओ स्पष्ट कहैत छथि जे प्रारम्भिक प्रेरणा पितामहसँ भेटल।

**१७२. (A) गाममे मिडिल स्कूल धरि** — गामक आरम्भिक शिक्षा पितामहक देखरेखमे भेल।

**१७३. (A) हुनका मैथिलीमे लिखबाक प्रेरणा भेटल** — पितामह स्वयं मैथिलीमे लिखैत छलाह, तैं रुचि जागल।

**१७४. (A) सरस्वती** — साक्षात्कारमे सरस्वती संपादनक प्रसंग हुनकर व्यापक साहित्यिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

**१७५. (A) मिथिला मिहिर** — मिथिला मिहिरक संपादन राजमोहन झाक पारिवारिक साहित्यिक परिवेशक प्रमाण अछि।

**१७६. (A) भाषिक सेतु-निर्माण आ अनुवाद-परम्परा** — करीब सौ बंगला उपन्यासक अनुवादक सूचना बहुभाषिक साहित्यिक श्रम देखबैत अछि।

**१७७. (A) समय बदलल, संस्कृत घटल, अंग्रेजी शिक्षा प्रभावी भेल** — ओ समाजक शैक्षिक संक्रमणकेँ अपन जीवनक परिवर्तनसँ जोड़ैत छथि।

**१७८. (A) इम्प्लॉयमेंट ऑफिसर** — साक्षात्कारमे ओ अपन सरकारी/रोजगार सेवा-पेशा बतबैत छथि।

**१७९. (A) जमशेदपुर, मुजफ्फरपुर, राँची, बोकारो, पटना, दिल्ली** — शहर-परिवर्तन हुनकर सामाजिक अनुभवक विस्तार बनैत अछि।

**१८०. (A) परिवारक संस्कृत-मैथिली परम्परा, अनुवाद-संस्कार आ आधुनिक शिक्षा मिलि राजमोहन झाक लेखन-भूमि बनल** — साक्षात्कार लेखकक गठनमे परम्परा आ आधुनिकता दुनू रेखांकित करैत अछि।

**१८१. (A) पितामह संग पितामही सँ** — साक्षात्कारमे पारिवारिक निकटता पितामह-पितामहीक संग बताओल अछि।

**१८२. (A) चारि भाई आ एक बहिन छलाह; दू भाई दिवंगत, दू जीवित** — ई जीवन-संदर्भ लेखकक सामाजिक आधार बुझबैत अछि।

**१८३. (A) राँची विश्वविद्यालयमे मनोविज्ञानक शिक्षक** — परिवारमे अकादमिक परिवेश सेहो उपस्थित देखाइत अछि।

**१८४. (A) सी.एम. कॉलेज, दरभंगामे मनोविज्ञानक शिक्षक** — परिवारक शिक्षण-संलग्नता लेखकक बौद्धिक वातावरण बतबैत अछि।

**१८५. (A) ललित, मायानंद, राजकमल चौधरी** — ओ आधुनिक मैथिली आरम्भक संदर्भमे एहि लेखकसभक महत्व मानैत छथि।

**१८६. (A) ललित, मायानंद, राजकमल चौधरीक लेखन परम्परा आसपास** — ई उत्तर आधुनिक मैथिली साहित्यक आरम्भक आलोचनात्मक संकेत दैत अछि।

**१८७. (A) वैदेहीमे** — साक्षात्कारमे ओ अपन कविता वैदेहीमे छपल बतबैत छथि।

**१८८. (A) मिथिला मिहिरमे** — मिथिला मिहिर हुनकर कथा-प्रकाशनक प्रमुख प्रारम्भिक मंच छल।

**१८९. (A) राजमोहन झाक रचना अनेक मैथिली पत्रिकामे छपैत छल** — वैदेही, मिथिला मिहिर, मिथिला दर्शन आदि मंच लेखकक प्रकाशन-यात्रा देखबैत अछि।

**१९०. (A) लेखकक परिवार, साहित्यिक रुचि आ प्रारम्भिक प्रकाशन-संसारक परस्पर सम्बन्ध बुझब** — साक्षात्कार लेखकक जीवनक सामग्रीकेँ साहित्यिक विकाससँ जोड़ैत अछि।

**१९१. (A) हिन्दी आ मैथिलीमे** — साक्षात्कारमे ओ अपन लेखन हिन्दी आ मैथिली दुनूमे बतबैत छथि।

**१९२. (A) दस कथा-संग्रह आ चारि समालोचनात्मक पोथी** — ई उत्तर हुनकर कथाकार आ आलोचक दुनू रूप प्रमाणित करैत अछि।

**१९३. (A) संस्मरण लिखबाक अछि** — राजमोहन झा अपन भावी लेखनमे स्मरण-विधा दिस संकेत करैत छथि।

**१९४. (A) समकालीन/पूर्वज साहित्यकारक स्मृति बचाबयक इच्छा** — ई योजना साहित्यिक स्मृति-लेखनक प्रति उत्तरदायित्व देखबैत अछि।

**१९५. (A) दांव-पेंच केवल मैथिली नहि, सभ भाषामे चलैत रहैत अछि** — ओ साहित्यिक राजनीति केँ व्यापक भाषिक संसारक समस्या मानैत छथि।

**१९६. (A) समीक्षा मे खुलापन, निष्पक्षता आ व्यापक दृष्टिक कमी पर प्रश्न** — शीर्षक आलोचनाक बंद दृष्टि पर असंतोष व्यक्त करैत अछि।

**१९७. (A) रचना आ आलोचना—दूनू स्तर पर मैथिली साहित्यमे योगदान** — कथा-संग्रह आ समालोचना-पुस्तक हुनकर दोहरी साहित्यिक भूमिका देखबैत अछि।

**१९८. (A) लेखकक रचनात्मक दृष्टि बनेबाक जीवन-संदर्भ बुझय लेल** — जीवन-संदर्भ लेखकक भाषा, विषय आ आलोचना-दृष्टि बुझाबैत अछि।

**१९९. (A) मैथिली साहित्यक परम्परा, वर्तमान दशा आ आगूक दिशा पर समग्र विचार** — भूमिका साक्षात्कारकेँ केवल जीवनी नहि, साहित्यिक विमर्श बनबैत अछि।

**२००. (A) राजमोहन झा साक्षात्कार मैथिली कथा, आलोचना, स्मृति आ साहित्यिक नैतिकता बुझबाक महत्वपूर्ण स्रोत अछि** — साक्षात्कार लेखक-जीवन आ साहित्यिक दृष्टि दुनूक अध्ययन-योग्य सामग्री दैत अछि।

**२०१. (A) दरिद्र श्रम आ रोजमर्राक बोझक दृश्य** — कविता बुढ़ियाक देहपर पड़ल श्रमक भारसँ आरम्भ भऽ गरीबीक यथार्थ खोलैत अछि।

**२०२. (A) सुरक्षा आ आरक्षणक दावा रहितो वास्तविक राहत नहि भेटबाक कारण** — जातिगत-सामाजिक सुरक्षा कागज पर अछि, मुदा बुढ़िया तक लाभ नहि पहुँचैत।

**२०३. (A) नीति-घोषणा आ गरीब स्त्रीक वास्तविक वंचना बीच अन्तर** — कविता कहैत अछि जे महिला-सुरक्षा घोषणासँ ओकर जीवन-संघर्ष कम नहि भेल।

**२०४. (A) गरीबक नामपर बनल योजना, जकर लाभ बिचौलिया/नेता वर्ग लेलक** — योजना गरीबक लेल कहल गेल, मुदा बुढ़ियाक लेल सपना बनि रहि गेल।

**२०५. (A) कल्याण योजनाक लाभ वास्तविक पात्रसँ हटि सत्ता-निकटक लोक लग जाएब** — ई पंक्ति योजनाक अपहरणक तीक्ष्ण व्यंग्य अछि।

**२०६. (A) सरकार कागजी परिणामकेँ कल्याण मानि लैत अछि, जमीनपर वंचना रहैत अछि** — कविता कागजी सफलता आ वास्तविक अन्यायक टकराव बनबैत अछि।

**२०७. (A) जगह कम आ भीड़ बेसी** — मुखियाक कारण प्रशासनिक बहाना अछि, न्यायसंगत उत्तर नहि।

**२०८. (A) सीधापन आ निरुपायता ओकर वंचनाक कारण बनि गेल अछि** — कविता संकेत करैत अछि जे गरीबक भलमनसाहत सेहो व्यवस्था द्वारा शोषित होइत अछि।

**२०९. (A) कल्याणकारी योजनाक भ्रष्ट क्रियान्वयन आ गरीबक अदृश्यता** — कविता सरकारी कल्याणक दावाकेँ गरीब स्त्रीक वंचना द्वारा झुठलाबैत अछि।

**२१०. (A) व्यंग्य, विडम्बना आ यथार्थवादी बिम्ब** — कविता प्रत्यक्ष दृश्य आ व्यंग्यक माध्यमसँ सामाजिक अन्याय देखबैत अछि।

**२११. (A) ग्रामीण गरीब, दलित आ स्त्री-वंचना तीनूक संयुक्त प्रतीक** — बुढ़िया अनेक हाशियाक संगम-बिन्दु बनैत अछि।

**२१२. (A) घोषित संरक्षणक बावजूद जमीनपर असुरक्षा बचल अछि** — संरक्षण शब्द दावाक रूपमे अछि, अनुभव ओकर विपरीत।

**२१३. (A) नीति बनैत अछि, मुदा गरीबक नियति बदलैत नहि** — कविता कागजी नीति आ गरीबक जीवन बीच दूरी रेखांकित करैत अछि।

**२१४. (A) जीवनक मूल आवश्यकता धरि योजना नहि पहुँचल देखबैत अछि** — भोजनक अभाव कल्याण-तंत्रक विफलता सभसँ स्पष्ट करैत अछि।

**२१५. (A) नीतिक वादा बनाम वास्तविक वंचना** — कविता योजनाक नाम आ जीवनक हालातक बीच दरार देखबैत अछि।

**२१६. (A) स्थानीय सत्ता आ लाभ-वितरणक द्वारपाल** — मुखिया उत्तर देकर बतबैत अछि जे योजना तक पहुँच स्थानीय सत्ता सँ नियंत्रित अछि।

**२१७. (A) क्योंकि सर्वाधिक जरूरतमंदकेँ ही बाहर रखल गेल** — जरूरतमंद पात्र छूटि गेल, तेँ बहाना अन्याय झाँपैत अछि।

**२१८. (A) ओकर वंचना द्वारा पूरा प्रशासनिक ढाँचा पर प्रश्न उठैत अछि** — बुढ़ियाक स्थिति व्यवस्था पर अभियोग बनैत अछि।

**२१९. (A) योजनाक लाभ गरीबक लेल असंभव अपेक्षा बनि गेल** — बुढ़िया लेल अधिकार सेहो सपनाक जकाँ दूर अछि।

**२२०. (A) क्योंकि कम शब्दमे नीति, भ्रष्टाचार, जाति आ गरीबीक संयुक्त आलोचना करैत अछि** — कविता छोट आकारमे ग्रामीण सत्ता-संरचना पर पैघ प्रश्न उठबैत अछि।

**२२१. (A) ऑफिस, रोड आ जीवनक अनेक सार्वजनिक जगह** — कविता आधुनिक श्रमजीवी मनुखकेँ सार्वजनिक जीवनक दौड़मे देखबैत अछि।

**२२२. (A) खुशीकेँ वस्तु-जकाँ किनबाक उपभोक्तावादी प्रवृत्ति** — मनुख बाजारमे खुशी खोजैत अछि, जे कविताक व्यंग्यक केन्द्र अछि।

**२२३. (A) अनुभव आ संवेदना सेहो बाजारू वस्तु बनि जाएबाक आलोचना** — खुशीक वस्तुकरण आधुनिक मनुखक खालीपन बतबैत अछि।

**२२४. (A) खुशी जीवनानुभव अछि, बाजारू पैकेट नहि** — ई विचार आधुनिक बाजारक भावनात्मक उपनिवेश पर कटाक्ष अछि।

**२२५. (A) काम, पैसा आ उपभोग बीच आत्मिक रिक्तता** — कविता मनुखक बाजार-निर्भर सुख-खोजक आलोचना करैत अछि।

**२२६. (A) ई एक व्यक्ति नहि, आधुनिक मानवीय स्थिति पर प्रश्न अछि** — शीर्षक मनुष्य जातिक सामूहिक संकट खोलैत अछि।

**२२७. (A) आधुनिक जीवनक टूटल, जल्दबाज लय व्यक्त करैत अछि** — कटल पंक्ति बाजारक बिखरल मानसिकता सँ मेल खाइत अछि।

**२२८. (A) अंध-विरोध नहि; वस्तुकरण आ नकली सुखक आलोचना करैत अछि** — कविता बाजारक नैतिक प्रभाव पर केन्द्रित अछि।

**२२९. (A) माकेटिंग आ खरीदार-मानसिकताक दबावमे** — आधुनिक मनुख भावकेँ क्रय-वस्तु बना देत अछि।

**२३०. (A) की मनुख सचमुच खुशी किनि सकैत अछि?** — कविता सुखक बाजारू परिभाषा पर मूलभूत प्रश्न उठबैत अछि।

**२३१. (A) व्यक्तिगत पीड़ा सँ सामाजिक पीड़ा धरि फैलल स्वर** — दर्दक संदेश गजलक आत्मीय आ सामाजिक दुनू स्तर खोलैत अछि।

**२३२. (A) दर्दकेँ संयमित व्यंग्यात्मक ढंगसँ कहब** — कुशल कहितो गजल भीतरक असंतोष व्यक्त करैत अछि।

**२३३. (A) शासनक संवेदनहीनता आ दृष्टिहीनता** — अन्हरापन सत्ता द्वारा वास्तविकता नहि देखबाक प्रतीक अछि।

**२३४. (A) राजकाजक मूर्खता आ विवेकहीनता पर कटाक्ष** — गजल सत्ता आ समाजक विवेक-संकट उजागर करैत अछि।

**२३५. (A) बाहरी परिवर्तनक बावजूद असल मानवीय सम्मान नहि बदलल** — गजल रूपान्तरणक खोखलापन पर प्रश्न उठबैत अछि।

**२३६. (A) खाली हिंसक प्रतिक्रिया आ असली प्रतिरोधक प्रश्न** — कवि पूछैत छथि जे क्रोधक प्रयोग के करत, केवल आँख लाल कएलासँ की?

**२३७. (A) रोष अछि मुदा परिवर्तनकारी कर्मक अभाव** — लाल आँख क्रोधक दृश्य मात्र अछि, कर्म नहि।

**२३८. (A) कवि गजलक अनुशासन आ कठिनाई स्वीकारैत छथि** — गजल अपन शिल्पक प्रति सजग अछि।

**२३९. (A) कुशल कहैत-कहैत सरकार, देश आ हिंसा पर चोट करैत अछि** — गजल संवादक सरल मुहावरा भीतर आलोचना भरैत अछि।

**२४०. (A) दर्द, व्यंग्य, राजनीतिक असंतोष आ शिल्प-सजगता** — गजल लोकभाषिक ऊर्जा सँ समकालीन बेचैनी व्यक्त करैत अछि।

**२४१. (A) मनुष्यक रंग-बदलू स्वभावकेँ तुलना द्वारा तीखा करबाक लेल** — कवि कहैत छथि जे मनुख गिरगिटसँ सेहो बेसी रंग बदलैत अछि।

**२४२. (A) बाहरी मधुरता आ भीतरक छल/क्रूरता** — ई बिम्ब सामाजिक पाखंड आ कृत्रिम भावुकता खोलैत अछि।

**२४३. (A) झूठकेँ सामाजिक व्यवहार बनि जाएबाक चित्र** — कविता दिनभरि चलैत असत्यक आदत पर व्यंग्य करैत अछि।

**२४४. (A) अन्याय आ अपमानसँ प्रतिरोध/लज्जा/क्रोधक जन्म** — लुच्ची अन्यायक प्रतिक्रिया बनि उभरैत अछि।

**२४५. (A) आत्मा आ देह दुनूपर हिंसा स्त्री-अस्मिता/मानव गरिमा चोट करैत अछि** — कविता हिंसक स्पर्श आ अपमानक विरुद्ध संवेदना व्यक्त करैत अछि।

**२४६. (A) घर-आश्रयक आत्मीयता आ असुरक्षाक बीच तनाव** — छोट घर सेहो अपनपनक केन्द्र अछि; ओकर खतरा लुच्ची जगबैत अछि।

**२४७. (A) प्रतिनिधित्व, छवि आ सत्ता द्वारा मानवीय पहचानक नष्ट होयब** — फोटो डहब स्मृति/पहचानक हिंसक मिटावक संकेत अछि।

**२४८. (A) मूल मानवता रंग-भेदसँ ऊपर अछि** — कवि रक्त/जल/धरतीक समानता द्वारा भेद-भावक आलोचना करैत अछि।

**२४९. (A) विभाजनकारी पहचान राजनीति विरुद्ध प्रतिरोध** — लुच्ची भेदभावक विरुद्ध आक्रोशक रूपमे जन्मैत अछि।

**२५०. (A) पाखंड, हिंसा, भेदभाव आ नैतिक क्षरणक विरुद्ध तीक्ष्ण लोकधर्मी कविता** — दू टप्पी आ लुच्ची दुनू सामाजिक चरित्रक कुरूपता उजागर करैत अछि।

**२५१. (A) कवि, कथाकार, नाटककार आ उपन्यासकार** — परिचय गंगेश गुंजनक बहुविध साहित्यिक व्यक्तित्व देखबैत अछि।

**२५२. (A) रेडियो नाटक** — रेडियो नाटक पर शोध हुनकर नाट्य-संवेदनाक अकादमिक आधार देखबैत अछि।

**२५३. (A) नवलेखनक आरम्भिक अनियमितकालीन साहसिक पत्रिका रूपमे** — अनामा यथास्थितिवादी रुचिक विरुद्ध नव पीढ़ीक रचनात्मक हस्तक्षेप छल।

**२५४. (A) युवा लेखकीय-संपादकीय सामूहिकता** — समूह मिलि नवलेखनक पत्रिका निकाललक, जे सामूहिक साहित्यिक प्रयास छल।

**२५५. (A) ओ नवलेखनक युगचेतना खोलबाक संभावना देखलनि** — रेणु टिप्पणीमे युवा उच्छृंखलता आ भविष्यक रचनात्मक ऊर्जा दुनू देखैत छथि।

**२५६. (A) कम अंक होइतो नवलेखनक दिशा खोललक** — कतेक बेर छोट प्रकाशन सेहो साहित्यिक मोड़ बना दैत अछि।

**२५७. (A) अनामा बादक संपादकीय/व्यावहारिक विस्तार रूपमे** — कथादिशा अनामा-प्रवृत्तिक आगेक रूप बनि देखाइत अछि।

**२५८. (A) मैथिलीक प्रथम चौबटिया नाटक** — ई जानकारी हुनकर नाट्य-प्रयोगधर्मी योगदान देखबैत अछि।

**२५९. (A) "उचितवक्ता" कथा-संग्रह** — पुरस्कारक उल्लेख कथा-लेखनक प्रतिष्ठा देखबैत अछि।

**२६०. (A) ओ मैथिली आधुनिकता, नवलेखन, कथा, नाटक आ उपन्यासक संग प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व छथि** — परिचय हुनका बहुआयामी आधुनिक लेखक रूपमे स्थापित करैत अछि।

**२६१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे राधा-भाव, भूमंडलीकरणक बिहाड़ि, मनोवेग, बाध्य लेखन, सए-सवा सए पात, स्वतंत्र नहि छोड़ल मन सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**२६२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**२६३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**२६४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**२६५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**२६६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**२६७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**२६८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**२६९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**२७०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**२७१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे मैथिलीक महा-आँगन, घटना-दुर्घटना, डगमग-जगमग, लोकमानस, अभिजन-बुद्धि, मैथिलीक नामपर शक्ति-प्रदर्शन सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**२७२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**२७३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**२७४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**२७५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**२७६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**२७७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**२७८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**२७९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**२८०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**२८१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे मिथिला राज्य मान्यता, NGOयी उद्यम, लक्ष्याभास, भाषा-नामपर राजनीति, राधा लग लोक पठयबाक विवशता सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**२८२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**२८३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**२८४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**२८५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**२८६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**२८७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**२८८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**२८९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**२९०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**२९१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे राधाक शरीर-दुख, सखी नहि आबय, देखब-सुनबक अभाव, दु:ख पूछबाक पृहा, मानवीय सम्बन्ध सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**२९२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**२९३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**२९४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**२९५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**२९६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**२९७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**२९८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**२९९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**३००. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**३०१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे जे अपन नहि ओकर अधिकार नहि, जे अपन अछि तकरो सीमा, मनुख-मनक लाचारी, समाजक ध्यान सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**३०२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**३०३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**३०४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**३०५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**३०६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**३०७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**३०८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**३०९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**३१०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**३११. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे मधुमाछी, गर्दन काटब, विषाइत दंश, मनक बेचैनी, भोग-अनुभूति, अस्तित्वक यातना सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**३१२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**३१३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**३१४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**३१५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**३१६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**३१७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**३१८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**३१९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**३२०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**३२१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे मनमे क्षणिक बात, परिचय-तलब, समाचार बनि जाएब, रौद-बसात पर सवार खबर, निजी घटना सार्वजनिक होयब सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**३२२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**३२३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**३२४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**३२५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**३२६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**३२७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**३२८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**३२९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**३३०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**३३१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे तीमन-तरकारी, इनारक टटका जल, इजोरिया चान, तारागणना, चिड़ैक बोल, बच्चाक आँखि, नव पात सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**३३२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**३३३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**३३४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**३३५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**३३६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**३३७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**३३८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**३३९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**३४०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**३४१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे अत्तर-गुलाब, बेली-चमेली, दूध, डाबा, जच्चा बच्चा, नव विवाहित स्त्री, हरवाह, कदंब, कृष्णक सांस सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**३४२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**३४३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**३४४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**३४५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**३४६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**३४७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**३४८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**३४९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**३५०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**३५१. (A) राधा-भावक माध्यमसँ व्यक्ति, समाज आ समयक बेचैनी पढ़ब** — एहि खण्डमे गद्य-पद्य-जम्बुली मिश्रण, शंकरदेव परम्परा, नव परम्परा, प्रेरणास्रोत, भावात्मक महाकायता सन संकेत राधा-भावकेँ व्यापक समय-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**३५२. (A) निजी पीड़ा भाषा, समाज आ समयक संकटसँ जुड़ि जाइत अछि** — रचना निजी भावकेँ सामाजिक-दार्शनिक धरातल पर लऽ जाइत अछि।

**३५३. (A) खंडित, संवेदनशील, प्रश्नमय आ आत्म-संवादी गद्य-कविता-जकाँ प्रवाह** — राधा शिल्पमे गद्य, कविता, स्मृति आ आत्मालाप मिलैत अछि।

**३५४. (A) मनहि अनुभवकेँ अर्थ, यातना आ स्मृति मे बदलैत अछि** — रचना बाहरी घटना सँ बेसी मनक प्रतिक्रिया पर केन्द्रित अछि।

**३५५. (A) संवेदना, सम्बन्ध आ भाषा पर बाजार/राजनीतिक दबावक संकेतसँ** — राधा समयक विघटनकारी शक्तिसँ संवाद करैत अछि।

**३५६. (A) वर्तमान पीड़ाकेँ लोक-सांस्कृतिक स्वाद, गंध आ सम्बन्धसँ जोड़ब** — स्मृति रचना केँ संवेदनात्मक गहराई दैत अछि।

**३५७. (A) मानवीय अपनपन, अधिकार, बंधन आ मुक्ति जटिल अछि** — राधा सम्बन्धक जटिल नैतिकता पर विचार करबैत अछि।

**३५८. (A) धीमी, प्रतीक-सजग, संवेदनात्मक आ व्याख्यात्मक पढ़ाइ** — राधा सतही कथानकसँ अधिक प्रतीक आ भाव-गहनता माँगैत अछि।

**३५९. (A) मात्र पौराणिक पात्र नहि, बल्कि आधुनिक बेचैनीक संवेदनात्मक केन्द्र** — राधा आधुनिक भाषा-संवेदना आ सांस्कृतिक स्मृतिक केन्द्र बनैत छथि।

**३६०. (A) मैथिली आधुनिकतामे प्रयोगशील, दार्शनिक आ भाव-समृद्ध गद्य-पद्यक संभावना खोलब** — राधा नव शिल्प आ गहन भावलोकक कारण महत्त्वपूर्ण अछि।

**३६१. (A) समाचार, समसामयिक राजनीति, प्रमुख मुद्दापर चर्चा आ गीत-संगीत** — कार्यक्रम सूचना, विमर्श आ मनोरंजन तीनू केँ जोड़ैत अछि।

**३६२. (A) एक घण्टा** — समय-सूचना कार्यक्रमक नियमित प्रसारण-ढाँचा बुझबैत अछि।

**३६३. (A) दृश्य-संचारमे मैथिली उपस्थिति बढ़ैत अछि** — टेलिभिजनमे नियमित मैथिली आवाज भाषा-दृश्यता बढ़बैत अछि।

**३६४. (A) सीमा-पार मैथिली दर्शक-वृत्त** — मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी आदि क्षेत्रक दर्शक मैथिली संचारक सीमा-पार स्वरूप देखबैत छथि।

**३६५. (A) मधेशी भाषिक-सांस्कृतिक सहअस्तित्व** — मधेश स्पेशल क्षेत्रीय भाषिक निकटता आ मिश्रित दर्शकवर्गसँ जुड़ल अछि।

**३६६. (A) सूचना, विचार आ लोकमनोरंजनक संतुलन बनबैत अछि** — एहि संरचनासँ कार्यक्रम बहुस्तरीय दर्शक-आवश्यकता पूरा करैत अछि।

**३६७. (A) लोक-संस्कृतिक दृश्य प्रसारण द्वारा संरक्षण** — दृश्य माध्यम लोकनाचक सुगंध व्यापक दर्शक धरि पहुँचा सकैत अछि।

**३६८. (A) प्रवासी मैथिल समुदाय तक डिजिटल/टेलिभिजन पहुँच** — प्रवासी मैथिलक जुड़ाव भाषा-संवादक वैश्विकता देखबैत अछि।

**३६९. (A) भाषिक दृश्यता, समाचार-संपर्क आ सांस्कृतिक आत्मविश्वास बढ़ाबय** — संचारमाध्यम भाषा-समुदायक आत्म-प्रतिनिधित्वक साधन अछि।

**३७०. (A) दृश्य-संचार मैथिलीकेँ समाचार, लोककला आ प्रवासी संपर्कक मंच दैत अछि** — मधेश स्पेशल भाषा-संस्कृतिक सार्वजनिक उपस्थिति बढ़बैत अछि।

**३७१. (A) जाधरि कलम चलैत रहत, हुनकर सिंहासन अटल रहत** — मलंगियाक कथन आत्मविश्वास आ चुनौतीपूर्ण नाट्य-स्वर देखबैत अछि।

**३७२. (A) मुस्की सहित, अपन नाटक लोककेँ पसिन छैक से गर्व** — ओ उपाधिसँ बेसी दर्शक-स्वीकृति पर जोर दैत छथि।

**३७३. (A) ओ सभसँ बहुत आशा कएल जा सकैत अछि** — ओ जनकपुर रंगकर्मक खुले प्रशंसा करैत छथि।

**३७४. (A) सन्तोषदायक काज नहि भेल** — ओ राज्यक उपेक्षा आ असंतोष व्यक्त करैत छथि।

**३७५. (A) भाषिक संख्या आ सांस्कृतिक-संस्थागत समर्थन बीच दूरी** — लोकसंख्या/भाषिक उपस्थिति पर्याप्त नहि, संस्थागत श्रम चाही।

**३७६. (A) ओ एकरा असन्तोषजनक/अपर्याप्त मानैत छथि** — लेखांशमे प्रतिष्ठानक कार्य पर असंतोष व्यक्त अछि।

**३७७. (A) आर्थिक आधार बिना रंगमंचक सतत विकास कठिन अछि** — मलंगिया कला आ जीविका बीच व्यावहारिक सम्बन्ध देखैत छथि।

**३७८. (A) दर्शक-केंद्रित नाट्यशिल्प** — ओ नाटककेँ दर्शकक अनुभवसँ जोड़ि रचना करबाक पक्षधर छथि।

**३७९. (A) ओ दर्शककेँ लक्षित कऽ नाटक लिखैत छथि** — दर्शक-बोध हुनकर लोकप्रियताक कारण बताओल अछि।

**३८०. (A) लोकप्रियता, संस्थागत उपेक्षा, आर्थिक आधार आ दर्शक-सजग लेखनक प्रश्न** — मलंगिया प्रसंग मैथिली रंगमंचक संरचनात्मक समस्या आ शिल्प-दृष्टि खोलैत अछि।

**३८१. (A) रोजगार/परिस्थिति कारण गाम छोड़ि विदेश/शहर जाएबाक विवशता** — नाटक प्रवासनक पीड़ा आ घर-परिवारसँ दूरी पर आधारित अछि।

**३८२. (A) पैसा कमएबाक लोभ/विवशता सँ** — नाटक ग्रामीण आर्थिक मजबूरीक कथा कहैत अछि।

**३८३. (A) नवकी कनियाँ, गामक साथी आ स्मृति** — प्रवासन केवल भौतिक दूरी नहि, भावनात्मक टूटन अछि।

**३८४. (A) विरह आ प्रतीक्षाक लोकधर्मी अभिव्यक्ति** — बारहमासा स्त्री-विरहक पारम्परिक लोकस्वर अछि।

**३८५. (A) प्रवासमे आत्म-विस्मृति आ दाम्पत्य-संबंधक विघटन** — प्रवास पात्रकेँ अपन मूल सम्बन्ध सँ दूर करैत अछि।

**३८६. (A) लोककेँ अपन गाम-घरक याद करय लेल विवश करब** — भिखारी पात्र स्मृति आ आत्म-पहचान जगबैत अछि।

**३८७. (A) टूटल परिवार आ गाम-संबंधक पुनर्संधान** — अंतमे सौतन-कलहक बाद घर-सम्बन्ध पुनर्गठित होइत अछि।

**३८८. (A) प्रवासन मनुष्यकेँ सांस्कृतिक रूपेँ सेहो पराया बना सकैत अछि** — नाटक पहचानक मानसिक विस्थापन पर चोट करैत अछि।

**३८९. (A) जीविका लेल माटि-पानि आ परिवारसँ दूर होयबाक मजबूरी** — प्रवास आर्थिक असमानता आ पारिवारिक विछोहक परिणाम अछि।

**३९०. (A) प्रवासन, लोकगीत, स्त्री-विरह, परिवार आ पहचानक रंगमंचीय संगम** — बिदेसिया लोकधर्मी कथा द्वारा आधुनिक प्रवासनक पीड़ा खोलैत अछि।

**३९१. (A) असुरक्षा आ राजनीतिक-सामाजिक तनाव** — लेखांश मधेशमे हिंसा आ भयक वातावरण देखबैत अछि।

**३९२. (A) सशस्त्र समूहक विरोधमे** — रैली हिंसा-विरोधी सार्वजनिक प्रतिक्रिया अछि।

**३९३. (A) भय आ असंतोषक संगठित अभिव्यक्ति** — सशस्त्र गतिविधिक विरुद्ध कर्मचारी/समाज प्रतिरोध करैत अछि।

**३९४. (A) राजमार्ग पर अपराध आ यातायातक असुरक्षा** — लुटेरा समूह द्वारा गोली चलब यातायातक जोखिम खोलैत अछि।

**३९५. (A) संकटमे तत्परता आ यात्रियनकेँ दुर्घटनासँ बचाबयक साहस** — चालक घायल भेलापर खलासी बस बचबैत अछि।

**३९६. (A) यातायात ठप्प, उपभोग्य वस्तुक अभाव आ असुविधा** — बन्दक असर सामान्य जनता पर पड़ैत अछि।

**३९७. (A) जनता हिंसा आ अस्थिरता सँ ऊबि रहल छल** — लेख कहैत अछि जे मधेशक नारा अपनबैत समूहसभ विरोध झेलि रहल छल।

**३९८. (A) पत्रिका समाजक राजनीतिक-सुरक्षा यथार्थकेँ साहित्यिक संसारसँ अलग नहि मानैत** — विदेह-सदेह सामाजिक संदर्भकेँ साहित्यिक-सांस्कृतिक विमर्शक भाग बनबैत अछि।

**३९९. (A) सामान्य नागरिकक पीड़ा केन्द्रित दृष्टि** — लेख बन्द, अभाव आ सुरक्षा संकटक असर जनता पर देखैत अछि।

**४००. (A) भाषा-संस्कृति संग सामाजिक शांति आ सुरक्षा सेहो आवश्यक अछि** — सांस्कृतिक जीवन सुरक्षित नागरिक परिवेश पर निर्भर करैत अछि।

**४०१. (A) तटबन्ध टूटि व्यापक बाढ़, विस्थापन आ जन-हानि करबाक कारण** — लेख कोशीक विनाशकारी बाढ़क सामाजिक असर बतबैत अछि।

**४०२. (A) नदी बाट बदलि नेपाल-बिहारमे विनाशकारी बाढ़ अनलक** — तटबन्ध टूटन संकटक आरम्भिक कारण रूपमे वर्णित अछि।

**४०३. (A) सीमा-पार मानवीय आपदा** — विस्थापन संख्यात्मक नहि, मानवीय त्रासदीक संकेत अछि।

**४०४. (A) कोशीक असर राष्ट्रीय/सीमा-पार स्तर तक फैलल** — कोशी आपदा भारत-नेपाल दुनूक साझा समस्या बनल।

**४०५. (A) जवाबदेहीक अस्पष्टता आ समन्वयक कमी** — आपदा-प्रबंधनमे जवाबदेही टारबाक प्रवृत्ति दिखैत अछि।

**४०६. (A) आपदा-प्रबंधनक संस्थागत जिम्मेदारी बुझबाक लेल** — समझौता जिम्मेदारीक बहसक आधार बनैत अछि।

**४०७. (A) आपदाक गंभीरता सरकारी स्तर पर स्वीकारल गेल** — घोषणा संकटक व्यापकता मान्य करैत अछि।

**४०८. (A) तकनीकी तैयारी आ स्थायी नदी-प्रबंधनक कमी** — बालू-गिट्टीक प्रयास निरर्थक भेल, समस्या गम्भीर छल।

**४०९. (A) बाढ़ बाद स्वास्थ्य-संकट** — आपदाक बाद बीमारी आ स्वच्छता-संकट आओर पीड़ा बढ़बैत अछि।

**४१०. (A) प्राकृतिक आपदा, प्रशासनिक विफलता, सीमा-पार जिम्मेदारी आ मानवीय विस्थापन** — लेख आपदाकेँ सामाजिक-राजनीतिक संदर्भमे पढ़बैत अछि।

**४११. (A) अधीर नहि भऽ पर्यावरण आ प्रशासनक कारण पर विचार करब** — कविता आपदाकेँ चिंतनक विषय बनबैत अछि।

**४१२. (A) पीड़ित जनजीवनक पुकार प्रति शासनक संवेदनहीनता** — कवि शासनक निष्क्रियता पर चोट करैत छथि।

**४१३. (A) बाढ़क ऐतिहासिक आवृत्ति आ विनाशकारी स्मृति** — कोसी बारम्बार विनाशक कारण बनल।

**४१४. (A) मानव निर्मित पर्यावरण-क्षति आ बाढ़-जोखिमक सम्बन्ध** — कविता आपदा केँ पर्यावरणीय असंतुलनसँ जोड़ैत अछि।

**४१५. (A) जलवायु परिवर्तनक संकेत** — कविता तापमान आ जलस्तरक सम्बन्ध देखैत अछि।

**४१६. (A) पूर्व तैयारी आ मरम्मति-प्रबंधनक आवश्यकता** — कवि समय पर कार्रवाईक अभावकेँ आलोचना करैत छथि।

**४१७. (A) वैज्ञानिक नदी-प्रबंधन आ तकनीकी मार्गदर्शन** — कविता भावनासँ आगाँ बढ़ि विशेषज्ञ हस्तक्षेप चाहैत अछि।

**४१८. (A) नदी-जलकेँ विनाशसँ विकास-संसाधन मे बदलबाक संभावना** — कवि नदी-प्रबंधनक रचनात्मक दिशा सुझबैत अछि।

**४१९. (A) आपदा, सरकार, पर्यावरण, विज्ञान आ जनजीवन सबकेँ जोड़ैत अछि** — कविता बहुस्तरीय लोक-संकट व्यक्त करैत अछि।

**४२०. (A) प्राकृतिक आपदा पछाड़ि दीर्घकालिक पर्यावरणीय आ प्रशासनिक उत्तरदायित्व जरूरी अछि** — कविता कोशी प्रलयकेँ चेतावनीक रूपमे पढ़ैत अछि।

**४२१. (A) संगणक** — लेख संगणक शब्द बतबैत अछि, यद्यपि व्यवहारमे कम्प्यूटर अधिक चलैत अछि।

**४२२. (A) कम्प्यूटर साक्षर** — लेख आधुनिक जीवनमे कम्प्यूटर साक्षरता जरूरी मानैत अछि।

**४२३. (A) कम्प्यूटर अनुप्रयोगकेँ व्यवहारमे लाबयक क्षमता** — लेख उपयोगी एप्लिकेशन चलाबय केँ साक्षरता मानैत अछि।

**४२४. (A) स्पेलिंग जाँच, व्याकरण संकेत, एलाइनमेंट आ मार्जिन नियंत्रण** — लेख कम्प्यूटरक लेखन-संपादन उपयोगिता बतबैत अछि।

**४२५. (A) गलत हिज्जे स्वतः बताबयक कारण** — लेखनक शुद्धता कम्प्यूटरसँ सहज बनैत अछि।

**४२६. (A) औपचारिक पत्र/लेखन अधिक सही बनैत अछि** — लेख तकनीकी साधनक भाषिक उपयोगितापर बल दैत अछि।

**४२७. (A) एकटा लेखनक अनेक साफ प्रति निकालब सरल होइत अछि** — कम्प्यूटर लिखित संचारक कार्यक्षमता बढ़बैत अछि।

**४२८. (A) डिजिटल युगमे तकनीकी साक्षरता मूल साक्षरता-जकाँ आवश्यक बनि गेल** — लेख डिजिटल साक्षरता केँ जीवन-कौशल मानैत अछि।

**४२९. (A) पत्राचार, सूचना आ पहुँचक स्वरूप तेजी सँ बदलि जाइत अछि** — लेख डाक-युगसँ इंटरनेट-युगक संक्रमण देखबैत अछि।

**४३०. (A) मैथिली पाठककेँ आधुनिक कम्प्यूटर साक्षरता आ डिजिटल उपयोगिता बुझेनाइ** — लेख कम्प्यूटर शिक्षाक सामाजिक-व्यावहारिक महत्त्व पर केन्द्रित अछि।

**४३१. (A) ओ मानैत छथि जे बहुत शब्द चलनमे अछि, शुद्ध शब्द अपरिचित बुझा सकैत अछि** — लेख भाषा-शुद्धता आ व्यवहारिक समझ बीच संतुलन रखैत अछि।

**४३२. (A) दस्तावेजक प्रस्तुति आ पठनीयता सुधारबाक लेल** — लेख कम्प्यूटरक व्यावहारिक दस्तावेज-निर्माण क्षमता बतबैत अछि।

**४३३. (A) पुरान पत्राचार आ इंटरनेट-युगक बीच अन्तर** — लेख संचार-माध्यमक ऐतिहासिक बदलाव समझबैत अछि।

**४३४. (A) डाकघरक पूर्व सामाजिक-आर्थिक भूमिका देखाबय लेल** — डाक केवल पत्र नहि, आर्थिक लेन-देनक माध्यम सेहो छल।

**४३५. (A) सूचना, पत्राचार आ सेवा-प्राप्तिक गति आ रूप बदलल** — लेख डिजिटल संक्रमणक व्यापक असर देखबैत अछि।

**४३६. (A) भाषा-सामग्री, पत्राचार आ ज्ञान-विनिमय डिजिटल रूपमे सम्भव होइत अछि** — तकनीक भाषा-सशक्तिकरणक साधन बनि सकैत अछि।

**४३७. (A) तकनीकी अनुभवसँ कम्प्यूटर शिक्षा पर व्यवहारिक अधिकार भेटैत अछि** — परिचय लेखकेँ तकनीकी जीवनानुभवसँ जोड़ैत अछि।

**४३८. (A) वैश्विक तकनीकी अनुभव आ स्थानीय भाषा-समाजक संवाद** — लेखक वैश्विक तकनीककेँ मैथिली पाठक लेल अर्थपूर्ण करैत छथि।

**४३९. (A) तकनीकी ज्ञानकेँ युवासमाजक उपयोगमे लाबयक इच्छा** — लेखक तकनीकी दक्षताकेँ सामाजिक मार्गदर्शनसँ जोड़ैत छथि।

**४४०. (A) डिजिटल साक्षरता, भाषा-व्यवहार आ संचार-परिवर्तनक प्रारम्भिक मैथिली विवेचन** — लेख आधुनिक तकनीककेँ मातृभाषा समाजक भविष्यसँ जोड़ैत अछि।

**४४१. (A) गरीब आ दुखी लेल सृजनशील, सहायक हाथ** — प्रार्थना व्यक्तिगत लाभ नहि, लोकमंगलक शक्ति चाहैत अछि।

**४४२. (A) संजीवनी बुटी-जकाँ जीवनदायी सहायताक चाह** — कवि दुखी लोक लेल उपचारक रूपक प्रयोग करैत छथि।

**४४३. (A) सामाजिक विकास आ लोककल्याण** — कविता सामूहिक उन्नति पर केन्द्रित अछि।

**४४४. (A) खेतीक श्रम आ प्राकृतिक/जीव-जन्य क्षति बीच तनाव** — कविता छोट ग्रामीण दृश्यसँ गृहस्थक पीड़ा कहैत अछि।

**४४५. (A) प्रतिदिनक मेहनत खरहा द्वारा नष्ट होयबाक कारण** — खेतीक क्षति किसानक भावात्मक आ आर्थिक दुख अछि।

**४४६. (A) सहयोगी सेहो, संकटकारी सेहो** — कोशी, खरहा, गाछ, खेत—प्रकृति जीवनक जटिल भाग अछि।

**४४७. (A) कविता आध्यात्मिकता केँ वास्तविक सामाजिक श्रमसँ जोड़ैत अछि** — लोकमंगलक प्रार्थना जमीनक समस्या सँ जुड़ल अछि।

**४४८. (A) दुखी समाजक समस्या मेटाबयक सक्रिय इच्छा** — कवि करुणाकेँ सामाजिक कार्रवाईक आकांक्षासँ जोड़ैत छथि।

**४४९. (A) बड़ा सामाजिक अर्थ छोट दृश्यसँ व्यक्त करब** — साग-पात, खरहा, बाढ़, हाथ—सभ प्रतीकात्मक अर्थ खोलैत अछि।

**४५०. (A) लोककल्याण, पर्यावरणीय संकट, श्रम आ सामाजिक आशा** — कविता-समूह लोकजीवनक दुख-संघर्ष आ आशा व्यक्त करैत अछि।

**४५१. (A) समयबद्ध, भागैत, कामकेंद्रित शहरी जीवन** — कविता भोरक भीड़मे महानगरीय दिनचर्या देखबैत अछि।

**४५२. (A) भीड़मे व्यक्तित्वक एकरसता** — शहरी भीड़ व्यक्तिक अलग पहचान मेटबैत अछि।

**४५३. (A) नौकरी-नियम आ समयक अनुशासन** — लंदनक कामकाजी जीवन समय-नियंत्रित अछि।

**४५४. (A) देह आ व्यक्तित्व दुनू शहरी आवरणमे कैद बुझाइत अछि** — ओवरकोट आधुनिक शहरी बंदिशक प्रतीक बनैत अछि।

**४५५. (A) बाहरी वैभवक बीच अहंकार टूटि जाइत अछि** — विदेशी शहरी अनुशासन व्यक्ति केँ अपन छोटपन बुझबैत अछि।

**४५६. (A) नियमपालन आ श्रम-संस्कारक समाज-निर्माण शक्ति** — कविता वास्तविक शासनक आधार अनुशासित नागरिकता मानैत अछि।

**४५७. (A) कोनो काज ईमानदारीसँ करबमे लाज नहि** — कविता श्रमक गरिमा पर बल दैत अछि।

**४५८. (A) अनुशासन, श्रम आ नियमपालनक आवश्यकता** — विदेशी अनुभव आत्म-समाजक तुलना बनैत अछि।

**४५९. (A) दुनू — कानून, श्रम आ नागरिक अनुशासनक नैतिक राजनीति** — कविता राज्यक असलपन नागरिक आचरणसँ जोड़ैत अछि।

**४६०. (A) समाजक वास्तविक उन्नति अनुशासन, श्रमगौरव आ नियमपालन सँ होइत अछि** — लंदनक दृश्य कविक समाज-सुधारक दृष्टि जगबैत अछि।

**४६१. (A) मौलाइत प्रकृतिक बहुरंगी ऋतु-परिवर्तन** — संतरा, पीयर, लाल, भूरा रंग पतझड़क दृश्यात्मकता रचैत अछि।

**४६२. (A) ऋतु-परिवर्तनमे क्षय आ पुनर्जन्मक संकेत** — पतझड़ पुरान पात छोड़ि नव जीवनक तैयारी अछि।

**४६३. (A) त्याग आ संन्यास-जकाँ प्रकृतिक रूपान्तरण** — पतझड़ साधु-संन्यासक बिम्बमे देखाओल अछि।

**४६४. (A) क्षय-पश्चात वसंतक पुनरागमन** — ऋतुचक्र निराशा बाद नवजीवनक आशा दैत अछि।

**४६५. (A) आगामी पीढ़ीक लेल फल-मिठास छोड़बाक हेतु** — वृक्ष पीढ़ीगत उत्तरदायित्वक प्रतीक अछि।

**४६६. (A) अपने नहि खाएब तइयो अगिला पीढ़ी खाएत** — कविता परोपकार आ वंश-उत्तरदायित्व पर बल दैत अछि।

**४६७. (A) पूर्वजक दानक प्रत्युपकार भविष्यक लेल करब** — वृक्ष रोपण सांस्कृतिक स्मृति आ ऋण-स्वीकार बनैत अछि।

**४६८. (A) गाछ, ऋतु आ पीढ़ीकेँ जीवन-संबंध रूपमे देखब** — प्रकृति मानव-भविष्यक नैतिक साथी अछि।

**४६९. (A) क्षय, त्याग, पुनर्जन्म आ परपीढ़ी दान** — दुनू कविता समय आ जीवनचक्रक गहीर अर्थ खोलैत अछि।

**४७०. (A) पर्यावरणकेँ सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आ नैतिक दृष्टिसँ पढ़ब** — कविता प्रकृतिक प्रतीकसँ नैतिक जीवन-बोध बनबैत अछि।

**४७१. (A) स्टीमरक उपरका मंजिल पर शीतल बयार संग सफर** — कवि नदी-यात्राक आधुनिक शहरी दृश्य रचैत छथि।

**४७२. (A) वास्तुकला आ तकनीकी विकासक प्रत्यक्ष दर्शन** — टेम्स तट आधुनिक शहरी उपलब्धिक प्रतीक अछि।

४७३. **(A) मानव-प्रयास द्वारा नदी-परिदृश्यक नियंत्रित रूप देखबैत अछि** — टेम्सक बहाव कविक मनमे अपन नदी-संकटसँ तुलना जगबैत अछि।

४७४. **(A) विदेशी व्यवस्था देख अपन क्षेत्रक आपदा/अव्यवस्था याद आ दुख** — प्रवास-दृश्य आत्म-समाजक पीड़ा जगबैत अछि।

४७५. **(A) आपदासँ आक्रान्त आ विकासमे पछुआल क्षेत्रक वेदना** — टेम्स देखलाक बाद कोशी/बाढ़क पीड़ा स्मरण होइत अछि।

४७६. **(A) नदी-प्रबंधन आ आपदा-मुक्त भविष्यक आकांक्षा** — कवि तुलना द्वारा सुधारक स्वप्न देखैत छथि।

४७७. **(A) जलपर प्रकाश-प्रतिबिम्ब आ छठि-अर्घ्य दीपक स्मृति कारण** — विदेशी दृश्य भारतीय/मिथिला धार्मिक स्मृतिक संग मिलैत अछि।

४७८. **(A) प्रवास दृश्यकेँ मिथिला/भारतीय लोक-संस्कारसँ जोड़ैत अछि** — कवि बाहरक दृश्यकेँ अपन सांस्कृतिक आँखिसँ देखैत छथि।

४७९. **(A) विदेशी विकास देख अपन समाजक कमी आ स्मृति दोन्हू अनुभव करब** — नौकाविहार आत्म-तुलना आ सांस्कृतिक स्मृतिक स्थल बनैत अछि।

४८०. **(A) यात्रा-वर्णनकेँ विकास, नदी-प्रबंधन, स्मृति आ छठि-संस्कृतिसँ जोड़ब** — कविता प्रवास-वृत्तान्तसँ सामाजिक-सांस्कृतिक चिंतन बनैत अछि।

४८१. **(A) आकर्षण, क्रोध, दूरी आ बंधनक मिश्रित सम्बन्ध** — कविता प्रेममे विरोधी भावसभक सहअस्तित्व देखबैत अछि।

४८२. **(A) स्वतंत्र आकांक्षा बनाम सम्बन्ध/नियमक दबाव** — कविता व्यक्तित्व आ सम्बन्धक तनाव व्यक्त करैत अछि।

४८३. **(A) प्रेमक समय-भिन्नता आ जीवन-चक्रक भिन्नता बुझाबय लेल** — कविता समय, मौसम आ सम्बन्धक भिन्न लय देखबैत अछि।

४८४. **(A) सम्बन्धक टिकाउपन आ प्रतीक्षाक अनिश्चितता** — दोहरायल प्रश्न प्रेमक अस्थिरता आ बेचैनी खोलैत अछि।

४८५. **(A) विवाह-बाजार आ वर-मूल्य निर्धारणक प्रक्रिया** — घटक विवाहकेँ लेन-देनक मंचमे बदलैत अछि।

४८६. **(A) वर-पक्षक बाजारू उत्सुकता आ आत्म-वस्तुकरण** — कविता वरकेँ वस्तु बनल देखबैत अछि।

४८७. **(A) मानव विवाहकेँ बिक्री-क्रय जकाँ बना देब** — दहेज व्यवस्था मनुष्यक मूल्यांकन माल-जकाँ करैत अछि।

४८८. **(A) वर स्वयं बाजारक वस्तु बनि गेल छथि** — कविता दहेजक नैतिक दिवालियापन तीखा करैत अछि।

४८९. **(A) मानवीय सम्बन्धमे स्वतंत्रता, मूल्य आ बंधनक प्रश्न** — एक प्रेम-संबंधक तनाव देखबैत अछि, दोसर विवाह-बाजारक हिंसा।

४९०. **(A) प्रेम आ विवाह संस्था पर आधुनिक मैथिली/अनूदित कविताक आलोचनात्मक दृष्टि पढ़ब** — दुनू कविता सम्बन्धक भीतरक सत्ता-तनाव खोलैत अछि।

४९१. **(A) जनक "विदेह" किएक कहल जाइत छथि से बुझबाक प्रसंगमे** — आख्यान विदेह नामक आध्यात्मिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

४९२. **(A) बाह्य शरीर देखब, आत्मा नहि चिन्हब** — अष्टावक्र लोकक बाह्य-दृष्टिक आलोचना करैत छथि।

४९३. **(A) ध्यान आ आसक्ति-विरक्ति समझेबाक लेल** — जल न खसाबयक ध्यान संसार-दर्शनक बीच एकाग्रता देखबैत अछि।

४९४. **(A) मन जकरा पर लागल, अनुभव सेहो ओतहि सीमित रहैत अछि** — आख्यान मनक केन्द्रितता द्वारा विदेहत्व बुझबैत अछि।

४९५. **(A) बंधन आ मुक्ति मनक आसक्ति/एकाग्रतासँ जुड़ल अछि** — जनक विदेह छथि कारण कर्म करितो मन भीतर मुक्त/स्थित अछि।

४९६. **(A) घर, माटि आ आत्मीय मिलनक संवेदना** — कविता बरखा-गंधसँ घरक मोह आ स्मृति खोलैत अछि।

४९७. **(A) ग्रामीण-प्रकृतिक जीवंत, उत्सवी आ स्मृतिमय वातावरण** — प्रकृति घरक आत्मीय विस्तार बनैत अछि।

४९८. **(A) बहुभाषिक सेतु द्वारा कविता मैथिली पाठक धरि पहुँचल** — विदेह-सदेह भारतीय भाषासभक परस्पर परिचय करबैत अछि।

४९९. **(A) संस्कृत परम्परा, भारतीय भाषा-संवाद आ मैथिली पाठक-विस्तार** — एकहि अंकमे दार्शनिक संस्कृत आख्यान आ अनूदित आधुनिक कविता मिलैत अछि।

५००. **(A) विदेह-सदेह परम्परा, दर्शन, प्रकृति-स्मृति आ बहुभाषिक अनुवाद केँ एक मंच पर आनैत अछि** — आचारण झा आ अबू सुथारक पाठ सम्पादकीय वैविध्यक प्रमाण अछि।

५०१. **(A) मैथिली गीत-संगीतक आकाशमे ध्रुवतारा-जकाँ चमकैत गायक** — परिचय हुनकर दीर्घकालीन गायन-उपस्थिति आ लोकप्रियता पर बल दैत अछि।

५०२. **(A) बचपनसँ जनकपुर आ आसपासक मंचसँ** — उन्हें स्मरण अछि जे बाल्यावस्थासँ मंच हुनका नहि छुटैत छल।

५०३. **(A) नेपाल सँ निकलल अशोक चौधरीक मैथिली कैसेट "पानस"मे** — साक्षात्कारमे पहिल रेकॉर्डेड गीतक आधार मैथिली कैसेट "पानस" कहल गेल।

५०४. **(A) नव प्रतिभा अपेक्षित मात्रामे नहि आबि रहल अछि** — ओ स्थिति केँ संतोषजनक नहि मानैत नव प्रतिभाक कमी पर ध्यान देलनि।

५०५. **(A) उत्पादनमे बेसी खर्चक दबाव** — तकनीकी सुधारसँ व्यावसायिक लागत बढ़ल, से हुनकर व्यावहारिक टिप्पणी अछि।

**५०६. (A) मेहनत आ नीक काज होए तँ सम्भव अछि** — ओ मैथिलीक क्षेत्र पैघ बतबैत नीक काजकेँ सफलता-सूत्र मानैत छथि।

**५०७. (A) मैथिली कैसेट-बाजारक सम्भावना प्रमाणित करबाक लेल** — बड़ी बिक्रीक उदाहरण मैथिली संगीतक आर्थिक सामर्थ्य देखबैत अछि।

**५०८. (A) लोकप्रिय मैथिली संगीतक टिकाउ श्रोता-वर्ग अछि** — दीर्घकाल धरिक बिक्री गीतक स्थायी लोकप्रियता देखबैत अछि।

**५०९. (A) काज नीक होएबाक चाही** — उपलब्धि बजारसँ अधिक गुणवत्ता आ श्रम पर निर्भर कहल गेल।

**५१०. (A) मैथिली संगीतमे संकट सेहो अछि आ सम्भावना सेहो** — साक्षात्कार कमी, खर्च, बाजार आ मेहनत चारू पक्ष केँ साथे देखैत अछि।

**५११. (A) पैरोडी मौलिक गीत-संगीतकेँ कमजोर करैत अछि** — हुनकर अनुसार पैरोडी मौलिक सर्जकक मनोबल तोड़ैत अछि।

**५१२. (A) क्योंकि मैथिलीमे अपन मौलिक संगीतक अभाव नहि रहल अछि** — ओ कहैत छथि जे जहाँ अपन गीत-संगीत हो, ओतए नक़ल पर निर्भरता उचित नहि।

**५१३. (A) पैरोडी कैसेट किनबासँ परहेज आ मौलिक गीतक समर्थन** — आभाष लाभ श्रोता-चयनकेँ सांस्कृतिक सुधारक साधन मानैत छथि।

**५१४. (A) ओहन गीत बजाबयसँ बचब, जे मौलिकता कमजोर करैत अछि** — रेडियो/मीडिया द्वारा चयन संगीत-संस्कृतिक दिशा तय करैत अछि।

**५१५. (A) रिमिक्स समयानुकूल आधुनिकीकरण भऽ सकैत अछि, जँ संस्कार नष्ट नहि हो** — ओ रिमिक्सक व्यावसायिक उपयोगिता स्वीकारैत छथि, मुदा संस्कार-सुरक्षा शर्त राखैत छथि।

**५१६. (A) सांस्कृतिक उत्तरदायित्व आ व्यावसायिकता दू अलग पक्ष छथि** — साक्षात्कार संगीतक सामाजिक आ व्यापारिक प्रयोजन अलग करैत अछि।

**५१७. (A) आभाष लाभक सक्रिय आ व्यापक गायन-कार्यक प्रमाण** — रेकॉर्डेड गीतक संख्या हुनकर दीर्घ रचनात्मक श्रम देखबैत अछि।

**५१८. (A) मैथिली आ भोजपुरी फिल्मसभमे सेहो** — साक्षात्कारमे मैथिली फिल्म आ भोजपुरी फिल्म दुनू प्रसंग आबैत अछि।

**५१९. (A) मैथिली/क्षेत्रीय गायनक प्रवासी पहुँच** — कतार, दुबई, मलेशिया आदि प्रसंग गायनक विस्तृत मंच देखबैत अछि।

**५२०. (A) मौलिकता, गुणवत्ता, संस्कार आ आधुनिक बजारक संतुलन** — ओ मौलिक संगीत बचाबैत आधुनिकता आ बाजारक उपयोग चाहैत छथि।

**५२१. (A) तैयारी, प्रसाद, गीत, धुन आ सामूहिक व्यवहारमे मधेसी सांस्कृतिक स्वरूप देखबाक कारण** — साक्षात्कारमे छठिक हर सामग्री आ आचरणमे मधेसक संस्कृति देखल गेल।

**५२२. (A) पावनिक गहन अनुशासन आ सामुदायिक तैयारी** — दीर्घ तैयारी पावनिक सामाजिक-धार्मिक गंभीरता देखबैत अछि।

**५२३. (A) ई पावनक संस्कारिक आ स्थानीय सांस्कृतिक रूप उघारैत अछि** — प्रसादसँ लऽ सामग्री धरि पावनक लोक-सांस्कृतिक पहचान बनैत अछि।

**५२४. (A) खुला स्थानमे सामूहिक मनाओल जाएब आ भेदभावक अभाव** — साक्षात्कार छठिमे जाति-धन-ऊँच-नीचक विभाजन नदेखबाक बात कहैत अछि।

**५२५. (A) सूर्य सभ पर समान रोशनी दैत छथि, पावन सेहो समानता सिखबैत अछि** — सूर्यक समदर्शिता पावनिक लोकतांत्रिक अर्थसँ जोड़ल गेल।

**५२६. (A) परिवारक सुख-समृद्धि आ रोग-व्याधिसँ रक्षा** — साक्षात्कारमे स्वास्थ्य, समृद्धि आ पारिवारिक मंगलक पक्ष उभरैत अछि।

**५२७. (A) किरण चर्मरोग आ शरीरक कीटाणु-विनाशसँ जोड़ि देखल गेल** — साक्षात्कार लोकविश्वास आ स्वास्थ्य-भावना दुनू प्रस्तुत करैत अछि।

**५२८. (A) मनोकामना पूर्ण भेलापर श्रद्धा आ कबूलाक रूपमे** — राकेशजी एकरा श्रद्धा-संबंधी कृत्यक रूपमे बुझबैत छथि।

**५२९. (A) ओ अपन जातीय-सांस्कृतिक परम्परा बचबैत छथि आ घाटक रौनक बढ़बैत छथि** — ढोल-पीपहीक ध्वनि पावनिक लोक-रस बनबैत अछि।

**५३०. (A) लोक वाद्य-संगीतमे संस्कृति केर असली झलक बेसी देखाइत अछि** — साक्षात्कार लोकवाद्यक सांस्कृतिक आत्मीयता पर बल दैत अछि।

**५३१. (A) सूर्यक अर्थ उषा आ उषा भगवतीरूपेँ पूजित होयबाक कारण** — राकेशजी सूर्य-उषा-देवी सम्बन्ध द्वारा नामक लोकधार्मिक अर्थ खोलैत छथि।

**५३२. (A) कुन्ती द्वारा छठि पावनि करबाक उल्लेखसँ** — साक्षात्कारमे किछु शास्त्रीय उल्लेखक सम्भावना बताओल गेल।

**५३३. (A) जल बिना सूर्यक पूजा/अर्घ्य सम्भव नहि मानल गेल** — छठि विधिमे जल-अर्घ्य केंद्रीय भूमिका निभबैत अछि।

**५३४. (A) विधिक मूल भाव जल-अर्घ्य अछि, स्थानानुसार व्यवस्था बनि सकैत अछि** — लोकव्यवहार पावनिक आवश्यक तत्व केँ परिस्थिति अनुसार पूरा करैत अछि।

**५३५. (A) जनसमानता व्यवहारमे उतरल देखबैत अछि, जकरा राज्य-समाज सीखि सकैत अछि** — राकेशजी छठिक समता-भावकेँ राजनीतिक समाज लेल सीख मानैत छथि।

**५३६. (A) सामाजिक समानता आ सामुदायिक साझेदारी** — छठि पावनि आर्थिक श्रेणी केँ पाछाँ छोड़ि सामूहिकता बनबैत अछि।

**५३७. (A) छठिक समता-धर्मक प्रकाशमे समकालीन सामाजिक भेदभावक आलोचना लेल** — साक्षात्कार पावनिक समानता सँ समाजक असमानता पर प्रश्न उठबैत अछि।

**५३८. (A) समानुपातिक, समतामूलक आ सामूहिक व्यवहार** — राकेशजी छठिक व्यवहारिक लोकतंत्रकेँ राजनीतिक आदर्शसँ जोड़ैत छथि।

**५३९. (A) ई निजी पूजा केँ सार्वजनिक समुदाय-संस्कारमे बदलैत अछि** — खुला स्थल पावनिक जनतांत्रिक स्वरूप उजागर करैत अछि।

**५४०. (A) लोक-संस्कृति, स्वास्थ्य-विश्वास, जल-सूर्य प्रतीक आ लोकतांत्रिक समता केर संयुक्त विश्लेषण** — साक्षात्कार छठिक बहुस्तरीय सांस्कृतिक अर्थ प्रस्तुत करैत अछि।

**५४१. (A) स्थान, स्मृति आ वातावरणक जीवंत पृष्ठभूमि बनबैत अछि** — स्थानीय दृश्य साक्षात्कारकेँ सांस्कृतिक-भौगोलिक धरातल दैत अछि।

**५४२. (A) मिथिलाक त्रिपूर्ति, सौम्य ललाट, चानन, पाग आ शुभागमनक आदरभरा दृश्य** — वर्णन अतिथि-सत्कार आ साहित्यिक श्रद्धा दुनू व्यक्त करैत अछि।

**५४३. (A) आदर, आत्मीयता आ शिष्यवत् संवाद** — साक्षात्कार शुष्क प्रश्नोत्तर नहि, आदरपूर्ण साहित्यिक भेंट बनैत अछि।

**५४४. (A) स्थापित लेखक संग स्थानीय लेखक-मंडल आ स्थानीय उपभाषा केँ प्रोत्साहन** — ओ स्थानीयता आ संगठनात्मक भावनाकेँ पत्रिका-विकासक आधार मानैत छथि।

**५४५. (A) मैथिली क्षेत्रक आंतरिक भाषिक विविधता केँ सम्मान देब** — मायानन्दजी साहित्यक स्थानीय आधार आ भाषिक वैविध्यक पक्षधर देखाइत छथि।

**५४६. (A) स्वयंकेँ मैथिलीक सिपाही कहैत, सम्मानकेँ स्नेह-भाव मानलनि** — ओ निजी गौरव केँ संस्था आ पाठकक स्नेहसँ जोड़ैत छथि।

**५४७. (A) सेवा, निष्ठा आ साहित्यिक कर्मशीलता** — सिपाही शब्द मैथिलीसेवक विनम्रता आ प्रतिबद्धता देखबैत अछि।

**५४८. (A) लेखक-भेंटकेँ पारिवारिक, सांस्कृतिक उत्सव बनबैत अछि** — साक्षात्कार निजी स्थानकेँ साहित्यिक सभागारमे बदलैत अछि।

**५४९. (A) समावेशी, स्थानीयतापरक आ विनम्र साहित्य-दृष्टि** — पत्रिका, सम्मान आ सेवा प्रसंगमे समान भाव-विनम्रता देखाइत अछि।

**५५०. (A) व्यक्तित्व, स्थान, परम्परा आ मैथिलीसेवाक एक साथ उद्घाटन** — आरम्भ संवाद केँ जीवनी-संस्कृति आ विचारक संग जोड़ि दैत अछि।

**५५१. (A) सुपौलमे पं. रामकृष्ण झा "किसुन" द्वारा स्थापित मिथिला पुस्तकालयक नियमित अध्ययनसँ** — साक्षात्कारमे पुस्तकालय-पठन हुनकर लेखनक आरम्भिक आधार बनैत अछि।

**५५२. (A) सातम-आठम वर्गसँ मैट्रिक धरि, ४६-४७ सँ ४९-५० ई. धरिक अवधि** — दीर्घ छात्र-जीवनक पठन सृजनशीलता केँ जन्म दैत अछि।

**५५३. (A) १९४९ ई. सँ लेख लिखऽ लगलाह** — साक्षात्कार लेखनक प्रारम्भिक समय स्पष्ट करैत अछि।

**५५४. (A) आरम्भिक लेख बादमे प्रकाशित होयबाक प्रमाण** — ई आरम्भिक लेखनक प्रकाशन-इतिहासक संकेत अछि।

**५५५. (A) मैथिली लेखन आरम्भ आ प्रकाशनक बाद** — लेखन सँ सार्वजनिक काव्य-पाठक ओर यात्रा देखाइत अछि।

**५५६. (A) द्विभाषिक साहित्यिक व्यक्तित्वक आधार देखबैत अछि** — मायानन्दजी हिन्दी-मैथिली दुनूमे कार्यरत साहित्यकार छथि।

**५५७. (A) सी.एम. कॉलेज दरभंगामे ओहि समय मैथिलीक प्रावधान नहि छल** — संस्थागत व्यवस्था हुनका पहिले हिन्दी पढ़य बाध्य करैत अछि।

**५५८. (A) नोकरीक संग अकादमिक साधना जारी रहल** — हुनकर अध्ययन-धैर्य आ भाषिक लगन स्पष्ट होइत अछि।

**५५९. (A) कोसीक विभीषिका पर आधारित उपन्यास** — कोसी-संकट मिथिला/क्षेत्रीय यथार्थक गहन आधार दैत अछि।

**५६०. (A) पुस्तकालय-पठन, मैथिली लेखन, मंच-काव्य, द्विभाषिक अध्ययन आ कोसी-यथार्थक संगम** — साक्षात्कार हुनकर साहित्यिक निर्माणक कई आधार देखबैत अछि।

**५६१. (A) लेखक स्वयं नहि, पाठक आ समीक्षक अधिक उचित मूल्यांकन करथि** — ओ रचना-मूल्यांकनक जिम्मा पाठक-समीक्षक पर छोड़ैत विनम्रता देखबैत छथि।

**५६२. (A) ऐतिहासिक उपन्यास** — साक्षात्कारमे हुनकर ऐतिहासिक उपन्यासक प्रशंसा उल्लेखित अछि।

**५६३. (A) प्रागैतिहासिक कालीन उपन्यास** — एहि उपन्यासमे आदिम मानव सभ्यता-संदर्भ आयल।

**५६४. (A) भारतीय आदिम मानव सभ्यतासँ हड़प्पा/सैंधव सभ्यता धरिक विकास आ अंतक कथा** — साक्षात्कार उपन्यासकेँ सभ्यता-विकासक दीर्घ आख्यान बनबैत अछि।

**५६५. (A) हुनकर कृतिपर अकादमिक/समीक्षकीय ध्यान** — जयपुर विश्वविद्यालयक समीक्षकक उल्लेख कृति-प्रतिष्ठा देखबैत अछि।

**५६६. (A) हिन्दी उपन्यास-परम्परामे कृति केर व्यापक मान्यता देखबैत अछि** — एकर उल्लेख कृति केँ राष्ट्रीय स्तरक बहससँ जोड़ैत अछि।

**५६७. (A) मिथिलाक इतिहास पर** — मायानन्दजीक ऐतिहासिक रुचि मिथिला-इतिहास धरि विस्तृत अछि।

**५६८. (A) लेखकक निजी लगाव आ आलोचनात्मक सावधानी साथ-साथ चलैत अछि** — ओ अपनी पसंद व्यक्त करैत छथि मुदा मूल्यांकन पाठक-समीक्षक पर छोड़ैत छथि।

**५६९. (A) आदिम सभ्यता, सैंधव क्रम आ मिथिला-इतिहास धरि** — हुनकर कृतिसूत्र इतिहासक अनेक कालखंड कैं छूइत अछि।

**५७०. (A) मायानन्द मिश्र ऐतिहासिक कल्पना, सभ्यता-बोध आ पाठक-समीक्षकक स्वतंत्र मूल्यांकनक पक्षधर छथि** — साक्षात्कार हुनकर ऐतिहासिक उपन्यास-दृष्टि आ विनम्र आलोचना-बोध स्पष्ट करैत अछि।

**५७१. (A) भाषाक प्रति मोह आ अपनत्व घटि रहल अछि** — साक्षात्कार पीढ़ीगत भाषा-उदासीनता पर तीखी टिप्पणी करैत अछि।

**५७२. (A) घरेलू आ सामाजिक व्यवहारमे भाषिक दूरी बढ़ब** — भाषा जीवित रहबाक मूल आधार व्यवहार अछि।

**५७३. (A) दलितक लेखनमे आना जरूरी, मुदा समग्र साहित्यक विखंडन नहि होय** — ओ सहभागिता चाहैत छथि, पर खण्डित दृष्टिसँ सावधान करैत छथि।

**५७४. (A) स्त्रीगण जरूर साहित्य लेखनमे आबथि, मुदा समग्र दृष्टि बनल रहय** — ओ स्त्री सहभागिता आ समग्र साहित्य-दृष्टि दुनू पर बल दैत छथि।

**५७५. (A) स्त्री-शिक्षा, सहभागिता आ सहृदयताक कमी** — समस्या सामाजिक-शैक्षिक संरचना मे देखल गेल।

**५७६. (A) संवैधानिक मान्यता मात्र पर्याप्त नहि; समर्पण चाही** — भाषा-विकासक मूल साधन जीवंत समर्पण अछि।

**५७७. (A) स्कूलसँ पहिले परिवारमे भाषाक समुचित स्थान दिअ जाए** — बाल-भाषा-विकास परिवारसँ शुरू होइत अछि।

**५७८. (A) तटस्थता, निरपेक्षता आ वस्तुनिष्ठ दृष्टि चाही** — ओ समीक्षा कैं ईर्ष्या, पक्षपात आ निजी आक्षेपसँ मुक्त देखय चाहैत छथि।

**५७९. (A) भौतिक सुविधा बढ़लासँ उच्च नैतिक/आध्यात्मिक मूल्य घटि सकैत अछि** — साक्षात्कार भौतिक विकास आ मूल्य-ह्रासक द्वंद्व देखबैत अछि।

**५८०. (A) भाषिक अपनत्व, समग्र दृष्टि, स्त्री-दलित सहभागिता, तटस्थ समीक्षा आ नैतिक मूल्यक रक्षा** — हुनकर विचार साहित्यक सामाजिक, नैतिक आ भाषिक आधारक समेकित व्याख्या करैत अछि।

**५८१. (A) जीवनानुभव लेखनक समस्त आधार अछि** — ओ स्पष्ट कहैत छथि जे अनुभव-पक्ष शून्य होय तँ साहित्य नहि बनत।

**५८२. (A) जे युग बीतलाक बादो श्रेष्ठ रहय** — मायानन्दजी समय-परीक्षा कैं श्रेष्ठता केर मानदंड मानैत छथि।

**५८३. (A) एखनहुँ श्रेष्ठ मानल जाएबला कालजयी रचनाकारक उदाहरण रूपमे** — ओ पूर्ववर्ती श्रेष्ठ परम्पराक दीर्घ मान्यता देखबैत छथि।

**५८४. (A) उपलब्ध पोथी आ मनक अनुरूप काजसँ शांति खोजब** — ओ पठन आ लेखनकैं परिस्थिति-सापेक्ष शांति-कर्म मानैत छथि।

**५८५. (A) हरिमोहन झा परम्पराक संरक्षण आ संपादनक दायित्व** — रचनावली-योजना पारिवारिक-साहित्यिक विरासत सँ जुड़ल अछि।

**५८६. (A) जीवन प्रवाहमान अछि, पानी जकाँ अपन बाट ताखि लैत अछि** — ओ नियोजनक सीमा आ जीवनक अनिश्चितता स्वीकारैत छथि।

**५८७. (A) जीवन आ साहित्य दुनू दृष्टिसँ श्रेष्ठ समय मानल गेल** — साक्षात्कार व्यक्तिगत साहित्यिक काल-बोध दैत अछि।

**५८८. (A) साहित्यकार बनाबय लेल तय प्रशिक्षण-स्कूल नहि होइत अछि** — ओ प्रतिभा, अनुभव, संवेदना आ भाषा-कौशलक स्वाभाविक विकास पर बल दैत छथि।

**५८९. (A) सच्ची प्रतिभा अपन बाट स्वयं ताकत; अनुभव-संवेदना जरूरी** — ओ बाहरी उपदेशसँ अधिक अंतर्निहित योग्यता मानैत छथि।

**५९०. (A) अनुभव, संवेदना, भाषा, काल-परीक्षा आ विनम्र आत्मदृष्टि साहित्यक आधार छथि** — साक्षात्कार साहित्य-सृजनक गूढ़ पर सरल दर्शन प्रस्तुत करैत अछि।

**५९१. (A) शिक्षित, शहरी, प्रतिस्पर्धी परीक्षा-तैयारी करैत छात्रक पृष्ठभूमि** — कथा विद्यार्थी-जीवन, कोचिंग आ करियर-दबावक संसारसँ शुरू होइत अछि।

**५९२. (A) भय, ठंड, सुनसान आ रहस्यक पृष्ठभूमि** — अन्हार-ठंड बूढ़ी माताक रहस्यमय प्रवेशकैं प्रभावी बनबैत अछि।

**५९३. (A) डर आ अनिश्चितता पैदा करैत अछि** — पहिल दृश्य पात्रक भय आ जिज्ञासा दुनू जगबैत अछि।

**५९४. (A) कथावाचककैं दुर्घटनासँ बचाबयबला विलम्ब बनैत अछि** — उही विलम्बक कारण ओ रोजक चाह-दुकानक दुर्घटना सँ बचि जाइत अछि।

**५९५. (A) बुढ़ी माताक रोकब जीवन-रक्षक सिद्ध होइत अछि** — दुर्घटना रहस्यकैं कृपा/संकेतमे बदलि दैत अछि।

**५९६. (A) अपन बचावक चकित-बोध आ मृत्यु-समीपता** — कथावाचक बुझैत अछि जे ओ स्वयं ओहि ठाम रहि सकैत छल।

**५९७. (A) रहस्यमयता बीच भूख आ दया-संबंध स्थापित करैत अछि** — भूखक साधारण मांग सम्बन्धक आत्मीयता खोलैत अछि।

**५९८. (A) भय सँ करुणा आ सेवा-दृष्टि दिस ओकर रूपान्तरण देखबैत अछि** — पात्र सेवा-कर्तव्य स्वीकारैत अछि।

५९९. **(A) अतिथि-संरक्षण, करुणा आ घरक नैतिक उदारता** — माँ-पिताक प्रतिक्रिया कथा कैं पारिवारिक नैतिकता सँ जोड़ैत अछि।

६००. **(A) रहस्य, दुर्घटना-संयोग, करुणा आ जीवन-रक्षा** — कथा सामान्य छात्रजीवनमे अलौकिक/आशीर्वादी उपस्थिति प्रवेश करबैत अछि।

६०१. **(A) कोचिंग जाए सँ पहिले आ बाद समय सेवा मे बितय लागैत अछि** — कथा सेवा कैं विद्यार्थी जीवनक नियमित नैतिक कर्म बनबैत अछि।

६०२. **(A) घरेलू अपनत्व आ दादी-जकाँ आत्मीयता** — भोजन-सेवा संबंधक गर्माहट बढ़बैत अछि।

६०३. **(A) मेडिकलसँ अलग करियर-पथक पूर्वसंकेत** — ई सलाह आगेक जीवन-बदलावक बीज बनैत अछि।

६०४. **(A) रहस्य आ कृपा-भावकैं गहिर करैत अछि** — ओ बिना बतौने चलि जाइत छथि, जे कथा कैं अलौकिक/स्मृति-बोध दैत अछि।

६०५. **(A) हताशा आ पढ़ाइ छोड़बाक मनोदशा** — वेटिंग/केंद्र-समस्या ओकर करियर संकट बनैत अछि।

६०६. **(A) ट्रैक चेन्ज करबाक निर्णय** — कथा आध्यात्मिक संकेत आ पारिवारिक सलाह कैं जोड़ैत अछि।

६०७. **(A) नव पथ पर प्रतिभाक उभार** — कथावाचक मेडिकल असफलतासँ आईटी/कम्प्यूटर पथ दिस मुड़ैत अछि।

६०८. **(A) प्रतिभा/क्षमताक उपयोग लेल सरकारी नौकरी नहि करबाक विचार** — ओ स्वतंत्र/व्यावसायिक करियर-दृष्टि चुनैत अछि।

६०९. **(A) करियरक क्रमिक निर्माण आ बुढ़ी माताक आशीष-स्मृति** — सफलताक क्रम पूर्व भविष्यवाणी कैं अर्थ दैत अछि।

६१०. **(A) फेर एक बेर बुढ़ी माताक दर्शन पाबयबाक लालसा** — कथा कृतज्ञ प्रतीक्षा आ आशीर्वाद-स्मृति पर टिकैत अछि।

६११. **(A) अनपेक्षित कृपा, लोक-मातृत्व आ जीवन-दिशा देनेवाली रहस्यमय शक्ति** — ओ डरावना दृश्यसँ प्रारम्भ भऽ अंतमे रक्षक-मातृशक्ति बनैत छथि।

६१२. **(A) एहि टूटनसँ वैकल्पिक सफल जीवन-पथ खुलैत अछि** — कथा विफलता कैं दिशा-परिवर्तनक अवसर बनबैत अछि।

६१३. **(A) कोचिंग, प्रवेश परीक्षा, बी.सी.ए., एम.सी.ए., एम.बी.ए. आ कॉर्पोरेट करियरक प्रसंगसँ** — लोकविश्वास आधुनिक करियर-यात्रासँ संवाद करैत अछि।

६१४. **(A) परिचित मातृत्वक भीतर अपरिचित रहस्य आ भय** — चेहरा लोककथात्मक चमत्कार आ करुणा दुनू पैदा करैत अछि।

६१५. **(A) विश्वास आ संशयक बीच पाठककैं रोके रखब** — दुर्घटना पुष्टि देत अछि, मुदा बुढ़ी माताक रहस्य पूर्णतः खुलैत नहि।

६१६. **(A) करुणा-सेवा के बाद जीवन-दिशा आ सफलता प्राप्त होइत अछि** — कथा लोकनैतिक संरचना पर टिकल अछि—सेवा फलदायी बनैत अछि।

६१७. **(A) सड़क पर भेटल असहाय वृद्धा प्रति डर के सेवा मे बदलि सकैत छी कि नहि** — कथा पाठकक नैतिक प्रतिक्रिया जाँचैत अछि।

६१८. **(A) ओ स्थायी घरविहीन/लोक-अलौकिक उपस्थिति जकाँ लगैत छथि** — स्थानहीनता ओकर रहस्य आ करुणा बढ़बैत अछि।

६१९. **(A) निजी सफलता सँ क्षेत्रीय दायित्व दिस मोड़** — सफलता अंततः मातृभूमि-सेवा कामना मे बदलैत अछि।

६२०. **(A) आधुनिक करियर-कथा, लोकविश्वास, मातृत्व, दुर्घटना-बचाव आ जीवन-दिशा केर संगम** — कथा यथार्थ आ अलौकिक सम्भावना कैं जीवन-नैतिकता संग जोड़ैत अछि।

६२१. **(A) पुरान गामक उखड़ल रूप प्रति असंतोष आ विरक्ति** — कथा कामनाक नजरि सँ गामक बदलल/उजड़ल रूप देखबैत अछि।

६२२. **(A) स्मृति आ प्रकृतिक सूक्ष्म जीवन-लय जगबैत अछि** — प्रकृतिक बारीक बिम्ब कामनाक भीतर अतीत जगबैत अछि।

६२३. **(A) अरुआयल मनमे लहलहाहट आ हल्की मुस्की आनैत अछि** — एक छोट प्रतीक ओकर सूखल मनमे जीवनक हरियरी जगबैत अछि।

६२४. **(A) ढंगक ग्रामीण अनुभवी रखबार/चौकीदार नहि भेटबासँ** — कथा बाप-दादाक संपत्ति-बचावक व्यावहारिक संकट सँ शुरू होइत अछि।

६२५. **(A) पुरान पीढ़ीक थकान आ परिवार संग रहबाक आकांक्षा** — रामजी पुरान निष्ठाक प्रतीक छथि, मुदा उमेर आ परिवारिक चाह हुनका अलग करैत अछि।

६२६. **(A) शहरी पेशा आ पैतृक गाम-संपत्ति बीच फँसाव** — कामना आधुनिक पेशेवर जीवन आ विरासत-रक्षा बीच विभाजित छथि।

६२७. **(A) उत्तराधिकार, स्मृति आ जिम्मेदारीक बोझ** — पिता-मृत्यु गामसँ बंधन फेर जगबैत अछि।

६२८. **(A) प्राकृतिक लाली आ बाजारू सौन्दर्यक विरोध** — कामना अनुभव करैत छथि जे गाछक आत्मा डिब्बा मे नहि भरल जा सकैत।

६२९. **(A) भीतर अतीतक पन्ना फड़फड़ाबय लगैत अछि** — बाहरी जल-हलचल आतंरिक स्मृति-हलचल बनि जाइत अछि।

६३०. **(A) गाम-वापसी, स्मृति, प्रकृति, विरासत आ आधुनिक पेशागत फाँसक सम्मिश्रण** — कथा सूक्ष्म बिम्बद्वारा गामक बदलैत संरचना आ पात्रक मन उघारैत अछि।

६३१. **(A) परोपकार, श्रम, नाम-स्मृति आ ग्रामीण प्रतिष्ठा** — पोखरि कारी यादवक श्रमक सामाजिक स्मारक बनैत अछि।

६३२. (A) **शिक्षा लेल ग्रामीण पिता के त्याग आ आकांक्षा** — कारी स्वयं अनपढ़, मुदा पुत्रकेँ उच्च शिक्षा देबाक चाह रखैत छथि।

६३३. (A) **ओकर ग्रामीण सत्ता-बोध ओहि पदसभ धरि सीमित छल** — कारीक आकांक्षा ग्रामीण प्रशासनिक प्रतिष्ठासँ बनल अछि।

६३४. (A) **पीढ़ीगत मूल्यभेद आ प्रतिष्ठा-बोधक फर्क** — कारी यादवक कल्पना आ मंगनीक उपलब्धि बीच सांस्कृतिक दूरी अछि।

६३५. (A) **बुढ़ियाक लगाओल गाछ आ ओकर सारा-स्मृति सँ** — गाछ मृत पत्नीक स्मृति आ घरक पवित्रता सँ जुड़ल छथि।

६३६. (A) **दैनिक श्रद्धा, स्मृति आ प्रकृति-संबंध** — कारीक जीवन श्रम, पूजा आ स्मृति मिलबैत अछि।

६३७. (A) **पुत्रक चिंता आ पिता-पुत्रक भावनात्मक निकटता** — मंगनी पिता लेल खाना-पीना छोड़ि दैत अछि, जे आत्मीयता दर्शबैत अछि।

६३८. (A) **नाम छोड़य लेल पोखरि खुनाबयक इच्छा** — कारी मरलाक बाद नाम रहे, एहि सामाजिक स्मृति-लालसा सँ भरल छथि।

६३९. (A) **पोखरि-गाछ-घर संरक्षणक स्थायी व्यवस्था** — कारी-मंगनी परिवार संपत्ति आ स्मृति रक्षाक लेल भरोसेमंद आदमी राखैत अछि।

६४०. (A) **ग्रामीण श्रम, शिक्षा, पिता-पुत्र तनाव, स्मृति आ प्रतिष्ठाक बहुस्तरीय आख्यान** — कथा एक परिवारक माध्यमसँ बदलैत मिथिला आ ग्रामीण जीवन देखबैत अछि।

६४१. (A) **अपन चिन्हल गाम लगभग अपरिचित भऽ गेल अछि** — गामक सामाजिक-भौतिक रूपांतरण हुनका हतप्रभ करैत अछि।

६४२. (A) **पुरान घर/डीहक कॉरपोरेट/नव-भूमि उपयोगमे बदलि जाएब** — गामक जगह निजी फार्महाउस बनैत अछि।

६४३. (A) **औद्योगीकरण, प्रदूषण आ ग्रामीण समुदायक विस्थापन** — फैक्टरीक चिमनी गामक पर्यावरण आ जातीय-सामाजिक भूगोल बदलैत अछि।

६४४. (A) **प्रकृति-क्षरण आ प्रदूषणक तीखा बिम्ब** — स्वच्छ जलधारा कारी पानि बनि पर्यावरणीय गिरावट देखबैत अछि।

६४५. (A) **संचार-विकासक बीच वृक्ष-संस्कृति आ सामुदायिक छाँहक ह्रास** — टावर आधुनिकता अछि, मुदा गाछक गायब होयब सांस्कृतिक क्षति।

६४६. (A) **धर्म, बाजार आ देह-उत्तेजक उपभोगक विचित्र सम्मिश्रण** — स्थानिक आस्था पर बाजारू चित्र चढ़ल देखाइत अछि।

६४७. (A) **मनुष्यक स्थानीय पहचान हटि श्रम-संसाधनमे बदलि जाएब** — कथा भूमण्डलीकरणमे व्यक्ति-समुदायक वस्तुकरण देखबैत अछि।

६४८. (A) **किसानी जीवनक टूटन आ मजूरीक अनिश्चित पहचान** — कथा खेत-पथारक उद्योग/फार्महाउसमे बदलाब आ किसान-विस्थापन देखबैत अछि।

६४९. (A) **बाहर गाम बदलि गेल, भीतर स्मृति-गाम बचल अछि** — मंगनी अपन घर-आँगन-गाछ-पोखरि मे पुरान गाम समेटैत छथि।

६५०. (A) **भूमि-अधिग्रहण, फैक्टरी, फार्महाउस, प्रदूषण, पलायन आ पहचान-ह्रासक चित्रणसँ** — कथा ग्रामीण समाजक व्यापक आर्थिक-सांस्कृतिक टूटन देखबैत अछि।

६५१. (A) **ई बाप-दादा, माटि, गाछ, पोखरि आ स्मृतिक रक्षा सँ जुड़ल अछि** — कामना विरासत केँ भावात्मक-सांस्कृतिक उत्तराधिकार मानैत छथि।

६५२. (A) **व्यावहारिक कठिनाई आ भरोसेमंद संपूर्ण रखबारक अभावक कारण** — उन्हें चौकीदार, माली, मछुआरा अलग-अलग राखब कठिन बुझाइत अछि।

६५३. (A) **वंश-स्मृति आ जमीनसँ आत्मिक जुड़ाव** — भूमि मात्र संपत्ति नहि, वंश-नाभिनालक स्थान अछि।

६५४. (A) **लोक-समुदाय बिना भौतिक संरचना गाम नहि बनैत** — गामक अर्थ लोक-संबंधमे अछि, केवल वस्तु-स्थलमे नहि।

६५५. (A) **क्योंकि भाव-सांस्कृतिक विखंडनक उपचार चिकित्सकीय उपायसँ नहि होइत** — कथा आधुनिक विशेषज्ञता आ सांस्कृतिक पीड़ाक सीमा देखबैत अछि।

६५६. (A) **वंश, श्रम, शक्ति, स्मृति आ ग्रामीण स्वाभिमानक अवशेष** — लाठी दादा केर उपस्थिति आ पुरान शक्ति केँ मूर्त करैत अछि।

६५७. (A) **बाजार-बुद्धि, संपत्ति-लाभ आ भूमण्डलीकृत निवेश-दृष्टि** — ओ घर-पोखरि केँ रिसॉर्ट-प्रोजेक्टमे बदलय प्रस्ताव रखैत अछि।

६५८. (A) **भावुक प्रशंसा द्वारा आर्थिक प्रस्तावक जमीन तैयार करब** — ओ पहले वंश-स्मृति मानैत अछि, फेर ओकर वाणिज्यिक उपयोग सुझबैत अछि।

६५९. (A) **आत्मीय विरासत केँ सजावट, नौकाविहार आ मेहमान-उपभोगक वस्तु बनाबय चाहैत अछि** — प्रस्ताव स्मृति-केंद्र केँ पर्यटक-सामग्रीमे रूपान्तरित करैत अछि।

६६०. (A) **ओ बाजारू लालचकेँ बुझि अस्वीकार करैत अछि, मुदा भीतर असुरक्षा बचल रहैत अछि** — कामना प्रतिरोध करती, पर संरक्षण-संकट तीव्र रहैत अछि।

६६१. (A) **पूर्वज-स्मृति, शक्ति आ निर्णयक आधार छूअबाक भावसँ** — लाठी संकट क्षणमे पूर्वजक उपस्थिति जकाँ उभरैत अछि।

६६२. (A) **पुरान शक्ति आ विरासतक क्षय** — वस्तुकेँ जोगा राखल गेल, मुदा ओ भीतरसँ कमजोर भऽ चुकल।

६६३. (A) **अतीतक गाढ़ गन्ध/धूलि वर्तमान पर चिपकि जाएब** — स्मृति स्पर्श करिते ओकर दाग वर्तमान देह पर उतरैत अछि।

६६४. **(A) वंश-स्मृति आ प्रतीकात्मक सहाराक टूटि जाएबाक डर** — कामना अनुभव करैत छथि जे पूर्वजक प्रतीक सेहो खोखला भऽ सकैत अछि।

६६५. **(A) स्मृति, अपराध-बोध आ पूर्वज-सम्बन्धक चिपकल असर** — अतीतक गन्ध केवल मैल नहि, मनोवैज्ञानिक उपस्थिति बनैत अछि।

६६६. **(A) विरासत-उजाड़ आ प्रकृति-विनाशक कल्पना/आशंका** — दलालक प्रस्ताव बाद कामना भीतर गाछ कटबाक दृश्य सुनैत छथि।

६६७. **(A) पोखरि पूर्वज-स्मृति आ सम्भावित विनाशक केन्द्र बनि गेल अछि** — पोखरि कैँ देखब म्हणजे विरासत-भयक सामना करब।

६६८. **(A) शहरी पेशागत जीवन विरासत-संकट पर भारी पड़ैत अछि, मुदा मन गाममे अटकल अछि** — कामनाक आधुनिक जीवन ओकरा फेर शहर बुलबैत अछि।

६६९. **(A) पूर्वज, गाम, पोखरि-गाछ आ उजड़ैत स्मृति प्रति आंतरिक अर्पण/दुःख** — कथा मृत/मिटैत ग्रामीण संसार लेल भावात्मक तर्पण बनैत अछि।

६७०. **(A) बाजार-संकट बाद स्मृति-वस्तु, गन्ध आ भयक गहन मनोवैज्ञानिक चित्रण** — लाठी आ गन्ध कहानीक प्रतीकात्मक चरम बनबैत अछि।

६७१. **(A) ओ परिवार, स्मृति, पर्यावरण आ पुरान गामक जीवित अवशेष छथि** — गाछसभ पीढ़ीगत जीवन आ सांस्कृतिक निरंतरताक प्रतीक छथि।

६७२. **(A) कारी यादवक परोपकार आ गामक जल-संसारक चिह्न रूपमे** — पोखरि नाम, श्रम आ समाजक संग जुड़ल अछि।

६७३. **(A) सुरक्षा नामे घर-आँगन तोड़ि स्मृति कैँ उपभोग-सामग्री बनाबय चाहैत अछि** — बाजार संरक्षणक भाषा मे कब्जा करैत अछि।

६७४. **(A) शहरमे स्थापित संतति जे पैतृक गाम बचाबय चाहैत अछि मुदा उपस्थित नहि रहि सकैत** — कामना विरासत चाहैत छथि, पर जीवन/पेशा शहरमे अछि।

६७५. **(A) पुरान निष्ठा, श्रम आ घर-गामक आखिरी जीवित रखवारी** — रामजी पुरान व्यवस्था कैँ यथासंभव बचौने छथि।

६७६. **(A) मंगनीक घर पर अशुभ/अशांत समयक संकेत** — माताक मृत्यु आ घरक अकेलापनक पूर्व-संकेत बनैत अछि।

६७७. **(A) मंगनी औरो अकेला भऽ बाड़ी-झाड़ीमे लागल रहैत छथि** — मृत्यु परिवारक भावनात्मक केन्द्र तोड़ैत अछि।

६७८. **(A) फार्महाउस, फैक्टरी, टावर, विज्ञापन आ पलायन पुरान सामाजिक-संरचना हटबैत अछि** — कथा विकासक उपनिवेशकारी रूप पर प्रश्न उठबैत अछि।

६७९. **(A) दलालकैँ भगेलाक बादो रखबार, खर्च, दूरी आ क्षयक समस्या बचल अछि** — कथा आसान समाधान नहि दैत; प्रतिरोध असुरक्षित अछि।

६८०. **(A) गाम, पर्यावरण, पूर्वज, भाषा-समुदाय आ बाजारक संघर्षक मार्मिक कथा** — ई कहानी भूमण्डलीकरणक बीच मिथिला-गामक स्मृति आ क्षरणक गहन आख्यान अछि।

६८१. **(A) भाषा-संस्कृति कैँ अलग-अलग माध्यमसँ बचाबयक चिन्ता** — गीत, पावनि आ साहित्य तीनू सांस्कृतिक रक्षा केर क्षेत्र बनैत अछि।

६८२. **(A) दूनू सतही लोकप्रियता छोड़ि गहन सांस्कृतिक निष्ठा चाहैत छथि** — मौलिकता आ समर्पण भाषा-संस्कृतिक जीवंत आधार छथि।

६८३. **(A) दूनू खण्डित दृष्टि छोड़ि समावेश आ समग्रता पर बल दैत अछि** — छठि समाजक समता देखबैत अछि, मायानन्द साहित्यक समग्र दृष्टि चाहैत छथि।

६८४. **(A) मीडिया चयन मौलिक संस्कृति कैँ बचा वा बिगाड़ि सकैत अछि** — कौन गीत बजैत अछि, से सांस्कृतिक दिशा तय करैत अछि।

६८५. **(A) दूनू स्थानीय ध्वनि-संस्कृतिक असली पहचान पर बल दैत अछि** — ढोल-पीपही आ मौलिक गीत, दुनू संस्कृति के ध्वनि-चिह्न छथि।

६८६. **(A) संस्कृति घर आ समुदाय दुनू ठाम जीबैत अछि** — भाषा आ पावनि दुनू परिवारक अभ्याससँ टिकैत अछि।

६८७. **(A) रिमिक्स/मीडिया/संवैधानिकता/शिक्षा स्वीकारल जाएत अछि, मुदा मूल्य-संरक्षणक शर्तसँ** — एहि पाठसभमे सुधार, तकनीक आ आधुनिकता सांस्कृतिक अनुशासनक संग चाहल गेल।

६८८. **(A) भाषा-संस्कृतिक सामूहिक दृश्य/श्रव्य उपस्थिति बनबैत अछि** — पावनि घाट पर, गीत मंच/माध्यम पर समुदाय बनबैत अछि।

६८९. **(A) पूर्वग्रह हटला पर साहित्यिक समाज स्वस्थ बनैत अछि** — सांस्कृतिक रक्षा मे आलोचना-संस्कार सेहो जरूरी अछि।

६९०. **(A) संगीत, पावनि, साहित्य, भाषा आ समीक्षा — सभ मिलि मैथिली-संस्कृतिक रक्षा करैत अछि** — तीनू पाठ मिलि संस्कृति-रक्षाक बहु-माध्यमिक मॉडल देत अछि।

६९१. **(A) जीवन-दिशा आ विरासत-संकट दुनू कैँ अर्थ देबैत अछि** — पहिल कथा व्यक्तिगत स्मृति-कृपा, दोसर पूर्वज-गाम स्मृति पर टिकल अछि।

६९२. **(A) कोचिंग/करियर/कॉर्पोरेट आ क्लिनिक/रिसॉर्ट/भूमि-बाजारक रूपमे** — दूनू कथा आधुनिक जीवनक दबावक भीतर मिथिला-चेतना देखबैत अछि।

६९३. **(A) पहिलमे रहस्यमय रक्षक; दोसरमे सामाजिक-पर्यावरणीय क्षरणक यथार्थवादी प्रतीक** — दूनू अलग शिल्पसँ मानवीय संकट पकड़ैत अछि।

६९४. **(A) पूर्वज/मातृ/लोक-शक्तिक स्मृतिमय संरक्षण** — दूनू पात्र/वस्तु संकट क्षणमे आंतरिक सहारा बनैत अछि।

६९५. **(A) बुढ़ी माताक लेल आश्रय; तर्पणमे पूर्वज-स्मृति आ विरासत-संघर्ष** — घर सामाजिक नैतिकता आ सांस्कृतिक उत्तराधिकारक केन्द्र बनैत अछि।

६९६. **(A) कथासभ परम्परा आ आधुनिक पेशागत जीवनक टकराव देखबैत अछि** — शिक्षा/पेशा पात्रकेँ आधुनिक बनबैत अछि, मुदा लोक-स्मृति छोड़ब नहि देत।

६९७. **(A) एकमे जीवन बाँचैत अछि, दोसरमे विरासत बेचबाक दबाव आबैत अछि** — संकट क्षण पात्रक नैतिक दिशा उजागर करैत अछि।

६९८. **(A) करुणा, उत्तरदायित्व आ स्मृति-निष्ठा** — दूनू पाठ पाठकसँ नैतिक कर्म माँगैत अछि।

६९९. **(A) भाषा, परिवार, लोकविश्वास, गाम, पोखरि, गाछ, करियर-पलायन आ सेवा-कामना रूपमे** — मिथिला स्थिर भूगोल नहि, अनुभव-समुदाय बनैत अछि।

७००. **(A) सदेह १क कथा-संसार आधुनिक बदलावक बीच लोक-स्मृति, करुणा आ विरासत-रक्षा केँ केन्द्र मे रखैत अछि** — दूनू कथासँ आधुनिक मैथिली कथा-दृष्टिक गहन सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष स्पष्ट होइत अछि।

७०१. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०२. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०३. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०४. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०५. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०६. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०७. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०८. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७०९. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७१०. **(A) मैथिली मातृदेह, श्वास, स्थानीय भूगोल आ लोक-संस्कृतिक जीवन-आधार अछि** — कविता मैथिली केँ गर्भ, सोइरी, श्वास, खाँडो-खुड़ी-बलान आ दिनाभदरी-सलहेशसँ जोड़ैत अछि।

७११. **(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

७१२. **(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

७१३. **(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

७१४. **(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

७१५. **(A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

**७१६. (A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

**७१७. (A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

**७१८. (A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

**७१९. (A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

**७२०. (A) प्रिय-स्मृति आ गाम-परिवारक कठोर आर्थिक यथार्थक टकराव** — प्रेमक कल्पना जरल तरकारी, गामसँ आयल चिट्ठी, खेत, बहिन, भाई आ मायक बीमारीक यथार्थसँ टूटैत अछि।

**७२१. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२२. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२३. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२४. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२५. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२६. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२७. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२८. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७२९. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७३०. (A) कर्म करितो मन-आत्मासँ आसक्त नहि रहबाक जनकक स्थिति** — अष्टावक्र, जल-पात्र आ जनकक उत्तर विदेहत्वक आध्यात्मिक अर्थ खोलैत अछि।

**७३१. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३२. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३३. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३४. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३५. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३६. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३७. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३८. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७३९. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७४०. (A) शब्द/इच्छा/प्रतिभा बनाम नियम/क्रम/बन्धन** — कवितामे वक्ता अपन शब्द, इच्छा, मेघ आ प्रश्न राखैत छथि; दूसरा पक्ष नियम, क्रम, चक्र आ पलायनक प्रतीक बनैत अछि।

**७४१. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४२. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४३. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४४. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४५. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४६. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४७. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४८. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७४९. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७५०. (A) वरक वस्तुकरण आ विवाहक बाजारू मोलभाव** — घटक, सजावट, परख, बोली, रकम आ “भैया बिकेलथि” जकाँ बिम्ब दहेज-प्रथा पर तीख व्यंग्य करैत अछि।

**७५१. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५२. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५३. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५४. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५५. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५६. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५७. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५८. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७५९. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६०. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६१. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६२. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६३. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६४. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६५. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६६. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६७. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६८. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७६९. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७०. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७१. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७२. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७३. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७४. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७५. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७६. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७७. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७८. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७७९. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८०. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८१. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८२. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८३. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८४. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८५. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८६. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८७. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८८. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७८९. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९०. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९१. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९२. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९३. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९४. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९५. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९६. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९७. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९८. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**७९९. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८००. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०१. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०२. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०३. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०४. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०५. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०६. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०७. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०८. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८०९. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८१०. (A) गाम, पूर्वज-स्मृति, पर्यावरण, जमीन आ बाजारवादी बदलावक टकराव** — “तर्पण”मे कामना, कारी यादव, मंगनी, रामजी मंडल, पोखरि-गाछ आ दलालक प्रस्ताव मार्फत आधुनिक मिथिला-गामक संकट खुलैत अछि।

**८११. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१२. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१३. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१४. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१५. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१६. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१७. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१८. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८१९. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८२०. (A) मौलिक मैथिली गीत-संगीत कैँ पैरोडी आ बाजार-दबावसँ बचाबयक आग्रह** — आभाष लाभक बातचीत मे मौलिक संगीत, रिमिक्सक शर्त, संचार-माध्यमक जिम्मेदारी आ श्रमसँ सम्भावना पर बल अछि।

**८२१. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२२. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२३. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२४. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२५. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२६. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२७. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२८. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८२९. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८३०. (A) छठि कैँ सामूहिक, लोकतांत्रिक, मधेसी-सांस्कृतिक पावनि रूपमे देखब** — राकेशक अन्तर्वार्ता छठिक खुला सामूहिकता, भेदभाव-विरोध, सूर्य्य-जल सम्बन्ध आ लोकवाद्यक सांस्कृतिक अर्थ स्पष्ट करैत अछि।

**८३१. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३२. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३३. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३४. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३५. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३६. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३७. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३८. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८३९. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८४०. (A) स्थानीय लेखक, उपभाषा, निष्पक्ष समीक्षा, भाषा-समर्पण आ समग्र दृष्टिक आग्रह** — मायानन्द मिश्रक साक्षात्कारमे स्थानीय लेखन, सृजन-प्रेरणा, आलोचना, नवलेखन, स्त्री-दलित विमर्श आ परिवारमे भाषाक स्थान पर विचार अछि।

**८४१. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४२. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४३. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४४. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४५. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४६. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४७. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४८. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८४९. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८५०. (A) अलौकिक-सदृश बूढ़ी माताक हस्तक्षेपसँ जीवन-दिशा बदलयक कथा** — “बुढ़ी माता”मे दुर्घटना सँ बचाव, सेवा, मेडिकल असफलता बाद बी.सी.ए./एम.सी.ए./एम.बी.ए. दिस मोड़ आ करियर-यात्रा जुड़ैत अछि।

**८५१. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५२. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५३. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५४. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५५. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५६. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५७. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५८. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८५९. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८६०. (A) बरखा, माटि, गाम, स्मृति आ घरक गहन आकर्षण** — अबू सुथारक अनूदित कविता “गृहमोह” मे पहिल अछार, गामक गल्ली, बरद, पानि, पूर्वजक हस्ताक्षर आ मयूरक छवि अछि।

**८६१. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६२. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६३. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६४. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६५. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६६. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६७. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६८. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८६९. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८७०. (A) रेडीमेड खुशी, सत्ता-विडम्बना, रंग-बदलैत मनुष्य आ लुत्ती/अधिकारक प्रतिरोध** — आशीषक “मनुख” आ गजल तथा अशोक दत्तक “दू टप्पी/लुत्ती” आधुनिक मनुष्य, सत्ता, रंग-परिवर्तन आ चोटक प्रतिवाद देखबैत अछि।

**८७१. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७२. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७३. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७४. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७५. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७६. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७७. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७८. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८७९. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८८०. (A) भाषा, प्रेम, दहेज, घर, विदेहत्व, मनुष्य आ सामाजिक आलोचनाक बहु-विषयी समूह** — एहि पद्य-समूहमे अमरेन्द्र, अजय, अजीत, अबू, आचारण, आशीष, अशोक आदि भिन्न विधा/भाषा/विषयक संगति बनबैत छथि।

**८८१. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८२. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८३. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८४. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८५. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८६. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८७. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८८. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८८९. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८९०. (A) गामक स्मृति, शहर-पेशा, बाजार, पलायन, भाषा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संघर्ष** — सदेह १क आरम्भिक कथ्य-संसारमे डिजिटल मैथिली, गीत, छठि, साक्षात्कार, कविता आ कथा आधुनिक परिवर्तनक बीच सांस्कृतिक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**८९१. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९२. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९३. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९४. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९५. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९६. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९७. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९८. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**८९९. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**९००. (A) पद्य-कथा-संस्कृति अंशसँ आगाँ क्रमिक रूपेँ अयोध्यानाथ चौधरी आ अन्य लंबा पाठ दिस बढ़ब** — एहि बैच बाद Sadeha 1 मे अगिला ठोस आरम्भ अयोध्यानाथ चौधरीक सामग्री अछि; ताहि दिस क्रमिक खनन करब।

**९०१. (A) पत्रकारिता आ राष्ट्रिय समाचार समितिसँ सम्बद्ध सक्रिय लेखक** — परिचयमे शिक्षा, पत्रकारिता आ नेपाली-मैथिली लेखन/अभियानमे सक्रियता रेखांकित अछि।

**९०२. (A) इतिहास, हिंसा, पीड़ा आ नैतिक बोझक असह्य अनुभव** — कविता लाश, पीड़ा, अन्याय आ इतिहासक नोरसँ बनल बोझक प्रश्न उठबैत अछि।

**९०३. (A) मानवीय विनाश आ सामाजिक त्रासदीक तीव्र वातावरण** — लाश आ गन्हाएल दृश्य कविताक करुण, हिंसक आ व्यथित स्वर बनबैत अछि।

**९०४. (A) समाजक संक्रमणकालमे जन्मल पीड़ा आ अस्थिरता** — संक्रमणक पीड़ा आधुनिक सामाजिक विघटन आ बेचैनीक संकेत अछि।

**९०५. (A) दरिद्रता, क्षय आ शरीरधर्मी यातनाक दृश्यता** — ई बिम्ब भूख, शरीर, वस्त्र आ असहायता केँ गाढ़ बनबैत अछि।

**९०६. (A) पाठककेँ नैतिक उत्तरदायित्वक सामना करबैत अछि** — कवि भार साँठबाक असमर्थता द्वारा समाजक हिंसा आ अपराधक बोझ पूछैत छथि।

**९०७. (A) लावारिस भेल नोर आ पीड़ित शरीरक स्मृति रूपमे** — इतिहास यहाँ विजेताक कथा नहि, पीड़ित देह आ नोरक स्मृति अछि।

**९०८. (A) हिंसा, फँसाव आ सामान्य जीवनक असुरक्षा** — कवितामे बारुद/धराप समाजमे छुपल विनाशकारी तंत्रक प्रतीक अछि।

**९०९. (A) प्रकृति आ कला दुनू पर हिंसाक दरार देखेनाइ** — फाटल गाछ सामाजिक विघटनकेँ दृश्य-कला आ प्रकृति दुनूमे उतारैत अछि।

**९१०. (A) करुण प्रतिरोध, इतिहास-बोध आ अन्यायक भारसँ जूझब** — हिमांशु चौधरीक कविता हिंसा-पीड़ा केँ प्रश्नरूपेँ समाजक सामने रखैत अछि।

**९११. (A) अन्याय अमरता-जकाँ टिकि रहल अछि** — अन्याय केँ अमर बनल देखब सामाजिक असंतोषक तीव्र प्रतीक अछि।

**९१२. (A) आदर्श मूल्यसभ अन्यायक कारण बाधित भऽ रहल अछि** — कविता नैतिक-सौंदर्यात्मक मूल्य आ हिंसक यथार्थक टकराव देखबैत अछि।

**९१३. (A) महाभारतक स्त्री-अपमान आ अन्याय-प्रतिरोधक स्मृतिसँ** — द्रौपदीक चीर अन्यायक विस्तार आ अस्मिताक संकटक प्रतीक अछि।

**९१४. (A) हिंसा-फँसावक बीच जीवनक मधुर/साधारण तत्व असंभव लागत अछि** — बारुद आ धरापमे पोस्तादाना ताकब असुरक्षित यथार्थमे शांति खोजबाक विडम्बना अछि।

**९१५. (A) त्रासदीक बीच विश्वासक बीज फेरो उगि सकैत अछि** — कविता पूर्ण निराशा नहि, क्षीण विश्वासक संभावना सेहो राखैत अछि।

**९१६. (A) विवाह, स्त्री-अस्तित्व आ हिंसाक त्रासद सम्बन्ध** — सिन्दूरक करुणता निजी जीवनमे सामाजिक हिंसाक प्रवेश बतबैत अछि।

**९१७. (A) पीड़ाक असहनीयता आ उत्तरहीनता बढ़बैत अछि** — शीर्षकात्मक प्रश्न कविताक अन्तःस्वर बनि सम्पूर्ण अनुभव केँ बाँधैत अछि।

**९१८. (A) क्योंकि विषय हिंसा, क्षति आ ऐतिहासिक पीड़ा सँ जुड़ल अछि** — कठोर शब्दावली त्रासद अनुभवक तीक्ष्णता केँ व्यक्त करैत अछि।

**९१९. (A) प्रश्न, करुण बिम्ब आ नैतिक असुविधा द्वारा** — कवि नारा नहिँ देथि, मुदा पाठक केँ अन्यायसँ असहज करैत छथि।

**९२०. (A) अमूर्त नैतिकता केँ ठोस देह, लाश, बारुद आ नोरक बिम्बमे बदलनाइ** — कविता विचारकेँ दृश्य आ संवेदनात्मक अनुभवमे रूपान्तरित करैत अछि।

**९२१. (A) जीवनक निजी स्थानो मृत्यु-संवेगसँ भरि गेल अछि** — बिछान केँ मशान कहब जीवनक थकान, मृत्यु-बोध आ निरर्थकता देखबैत अछि।

**९२२. (A) व्यक्ति अपन अस्तित्वक अन्त्येष्टि-बोध स्वयं ढोबैत अछि** — कवि आत्म-अस्तित्वकेँ बोझ आ मृत्यु-समीपता रूपमे देखबैत छथि।

**९२३. (A) आकांक्षाक अवसान आ जीवन-ऊर्जाक क्षय** — पूर्णविराम आकांक्षा-धारा रुकबाक प्रतीक अछि।

**९२४. (A) असहाय, थाकल, बाध्य जीवन-अवस्था रूपमे** — नियति यहाँ व्यक्ति पर थोपल गेल थकान आ विवशता अछि।

**९२५. (A) बनावटी मुस्कान भीतरक पीड़ा दूर नहि करैत** — कविता बाहरी अभिनय आ भीतरी दुःखक भेद खोलैत अछि।

**९२६. (A) दुःखक स्वीकृति आ भाव-निकासक अनिवार्यता** — कवि दुःखकेँ दबेनाइ नहि, मानवीय अनुभव मानैत छथि।

**९२७. (A) दुःखक अतिशयता, जतए रोबो थकान बनि जाइत अछि** — एहि पंक्ति मे संवेदनाक शारीरिक-मानसिक थकान उभरैत अछि।

**९२८. (A) दर्दक बीच सामाजिक अभिनयक बाध्यता देखेबाक लेल** — कवि कहैत छथि जे पीड़ा रहितो लोककेँ मुस्कानक मुखौटा पहिरए पड़ैत अछि।

**९२९. (A) व्यंग्यात्मक विस्मय आ जीवन-यथार्थक करुण स्वीकार** — दोहोर विस्मयादिबोधक यथार्थक विडम्बना केँ तीक्ष्ण करैत अछि।

**९३०. (A) मृत्यु-बोध, थकान, आकांक्षा-अवसान आ मुखौटाधारी जीवन** — कविता जीवनक भीतर मृत्यु-संवेदना आ सामाजिक अभिनयक तनाव व्यक्त करैत अछि।

**९३१. (A) जीवन आ मृत्यु बीचक सीमा धुँधल होयबाक अनुभव** — कवि जीवनकेँ निरंतर मृत्यु-निकटता मे देखैत छथि।

**९३२. (A) अस्तित्वक यात्रा मृत्यु-बोधक दिशा मे बढ़ैत अछि** — मंजिल बिम्ब जीवनक अनिवार्य अन्त आ नियति-बोधसँ जुड़ैत अछि।

**९३३. (A) बाहरी त्रासदी भीतरक नियति-बोधमे बदलैत अछि** — "की भार साँठू?"क सामूहिक पीड़ा "नियति"क निजी पीड़ामे रूपान्तरित होइत अछि।

**९३४. (A) अमानवीय यथार्थ, अन्याय आ बनावटी सामाजिक सामान्यताक विरुद्ध** — बिम्बसभ समाजक असंवेदनशीलता केँ चुनौती दैत अछि।

**९३५. (A) क्योंकि पीड़ा सामाजिक आ अस्तित्वगत दुनू स्तर पर चलैत अछि** — दुःख केवल एक घटना नहि, जीवन-स्थितिक रूपमे प्रस्तुत अछि।

**९३६. (A) विकृत यथार्थक कठोर सौंदर्य** — रचना सुंदरता केँ पीड़ा-संवेदनासँ जोड़ि नव सौंदर्य-बोध बनबैत अछि।

**९३७. (A) जीवनक दुःख कथा-जकाँ कहाए, मुदा यथार्थ-जकाँ चुभैत अछि** — ई द्वंद्व साहित्य आ जीवनक अन्तर्सम्बन्ध देखबैत अछि।

**९३८. (A) मानव समाज एतेक पीड़ा आ अन्यायक भार कोना ढोए?** — कविता पृष्ठ-सूचना नहि, नैतिक-मानवीय प्रश्नक केन्द्र बनबैत अछि।

**९३९. (A) कारण ई हिंसा, इतिहास, मनोवैज्ञानिक थकान आ सामाजिक विडम्बना केँ जोड़ैत अछि** — आधुनिकता एतए अनुभवक विखंडन आ प्रश्नाकुलता मे देखाइत अछि।

**९४०. (A) असुविधा, करुणा आ आत्म-प्रश्नक जागरण** — कविता पाठककेँ निष्क्रिय नहि छोड़ैत, बल्कि नैतिक बेचैनी उत्पन्न करैत अछि।

**९४१. (A) क्योंकि कविता उत्तर देबासँ बेसी सामाजिक विवेक जगबैत अछि** — "की भार साँठू?" स्वयं प्रश्नात्मक शीर्षक आ संरचना दूनू अछि।

**९४२. (A) टूटल यथार्थक बहुस्तरीय दृश्य-समूह** — विविध बिम्ब सामाजिक हिंसा, प्रकृति आ निजी जीवन केँ जोड़ैत अछि।

**९४३. (A) उच्च मूल्य आ ध्वस्त यथार्थक विरोधाभास तीक्ष्ण करब** — आदर्श-शब्दक सामने हिंसक यथार्थ अधिक कठोर लगैत अछि।

**९४४. (A) पुराण-स्मृति द्वारा समकालीन अन्यायकेँ ऐतिहासिक गहराइ देनाइ** — द्रौपदीक स्मृति स्त्री-अस्मिता आ अनवरत अपमानक अर्थ खोलैत अछि।

**९४५. (A) थकान, टूटन आ साँस-जकाँ रुकल भाव पैदा करैत अछि** — सरल पंक्ति-विन्यास आ रुकावट अस्तित्वगत थकान केँ व्यक्त करैत अछि।

**९४६. (A) पीड़ित मनुष्य आ समाजक नैतिक विफलताक दिस** — करुणा एतए समाज-समीक्षा केर माध्यम अछि।

**९४७. (A) शरीर, इतिहास, अन्याय, स्मृति आ आत्मा पर** — भार बहुस्तरीय प्रतीक बनि कविताक अर्थ फैलाबैत अछि।

**९४८. (A) सामूहिक त्रासदी आ निजी नियति एक-दोसरामे घुलैत अछि** — दूनू कवितामे बाहरी हिंसा भीतरक थकानमे परिणत होइत अछि।

**९४९. (A) समस्या एतेक गहन अछि जे पाठकक विवेक स्वयं सक्रिय होए** — उत्तरहीनता कविता केँ नैतिक प्रश्नक रूपमे स्थिर करैत अछि।

**९५०. (A) आक्रोशकेँ करुण, दृश्यात्मक आ प्रश्नाकुल काव्यरूप देनाइ** — हिमांशु चौधरीक शिल्प अनुभवकेँ गहन काव्य-बोधमे बदलैत अछि।

**९५१. (A) लुप्तप्राय मैथिली लोकगीतक संरक्षण आ दस्तावेजीकरण** — लेख लोकगीत परम्पराक संकट, संग्रह आ ऑडियो-वीडियो संरक्षण पर केन्द्रित अछि।

**९५२. (A) संस्कार, देवी, ऋतु, नदी-संस्कृति आ व्यवहार-गीत सहित अनेक प्रकार** — प्राती, गोसाउनि, सोहर, डहकन, बटगमनी, मलार, लगनी आदि अनेक प्रकार गिनाओल गेल।

**९५३. (A) क्योंकि जीवित स्मृति नष्ट भेलासँ धुन आ शब्द दुनू हराइ सकैत अछि** — लेख लोकक कण्ठकेँ लोकसंगीतक जीवित अभिलेख मानैत अछि।

**९५४. (A) केवल पाठ नहि, स्वर, लय आ प्रस्तुति सेहो बचबाक चाही** — लोकगीतक असली जीवन गायन-शैलीमे अछि, तैं ध्वनि-दृश्य रूप आवश्यक अछि।

**९५५. (A) भाषाक संस्थागत मान्यता संग सांस्कृतिक परम्पराक रक्षा सेहो जरूरी अछि** — लेख मान्यता केँ अन्त नहि, संरक्षणक नयका जिम्मेदारी मानैत अछि।

**९५६. (A) ई मैथिली समाजक जीवन-चक्र आ सामुदायिक स्मृति सँ जुड़ल अछि** — लोकगीत व्यवहार, संस्कार आ स्मृति केँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी ले जाइत अछि।

**९५७. (A) लोकगीत-संरक्षण केवल एक कलाकार नहि, सामूहिक दायित्व अछि** — लेख सांस्कृतिक संरक्षण कैं व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व बनबैत अछि।

**९५८. (A) ओ आकाशवाणी कलाकार आ पारंपरिक योग-शिक्षित छथि, तैं ध्वनि-संस्कृति बूझैत छथि** — परिचय बतबैत अछि जे लेखक गायन-परम्परा सँ प्रत्यक्ष जुड़ल छथि।

**९५९. (A) नव पीढ़ी बीच शब्द, धुन, स्वर, लय आ भावक क्षय** — लुप्तप्राय शब्द सीधे परम्परा-संकट बतबैत अछि।

**९६०. (A) लोकगीत मैथिली अस्मिताक जीवित धरोहर अछि, जकर तात्कालिक संरक्षण जरूरी अछि** — लेख परम्परा, स्मृति आ भविष्यक बीच लोकगीतक सेतु देखबैत अछि।

**९६१. (A) भोरक आध्यात्मिक-जागरण आ मंगल-विहानक गीत** — परातीक स्वर लोककैं जगबैत, भाव-विभोर करैत आ भोरक मंगलता रचैत अछि।

**९६२. (A) देवी-आराधना आ गहबरक लोकधार्मिक परम्परा** — लेख भगवती आवाहन आ गहबर-गायन परम्पराक चर्चा करैत अछि।

**९६३. (A) जन्म-संस्कार आ बालक आगमनक उत्सवमे** — सोहर लोकजीवनक जन्म-अवसरक गीत अछि।

**९६४. (A) विवाह-संस्कार आ मंगल अवसरसँ** — लगनी शब्द विवाह-संस्कारक लोकसंगीतिक प्रसंगक संकेत दैत अछि।

**९६५. (A) विदाई, करुणा आ पारिवारिक संस्कारक भाव** — समदाउन मिथिला विवाह-संस्कारमे करुण-विदाईक महत्त्वपूर्ण शैली अछि।

**९६६. (A) बाट, यात्रा आ गमन-संबंधी लोकानुभव** — बटगमनी नामे बाट/गमनक लोक-संस्कारिक स्थिति सूचित करैत अछि।

**९६७. (A) लोकगीत ऋतुचक्र आ प्रकृतिसँ गहिर जुड़ल अछि** — मलार/चैमासा बरखा-ऋतु आ समय-संवेदना सँ सम्बन्धित परम्परा देखबैत अछि।

**९६८. (A) नदी-संस्कृति आ भौगोलिक अनुभवक लोक-संगीतिक रूप** — कोशी मिथिलाक नदी-संस्कृति आ लोकजीवनक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

**९६९. (A) जीवनक प्रत्येक संस्कार, ऋतु, देवता आ भूगोलक गीतात्मक अभिव्यक्ति अछि** — विविध विधा लोक-संस्कृतिक समृद्ध संरचना सिद्ध करैत अछि।

**९७०. (A) ई लोकसाहित्यक वर्गीकरण आ सांस्कृतिक कार्य-भूमि समझबैत अछि** — गीत-प्रकार लोकजीवनक अवसर, भाव आ धर्म-संस्कारक मानचित्र बनबैत अछि।

**९७१. (A) लोकगीतक पृष्ठभूमि रूपमे मिथिलाक पवित्र सांस्कृतिक भूगोल देखेबाक लेल** — पुराणोक्त महिमा लोकगीतक सांस्कृतिक भूमि कैं ऐतिहासिक-धार्मिक गहराइ दैत अछि।

**९७२. (A) मिथिलामे निवास आ विचरण करनिहार धन्य छथि** — श्लोक मिथिलाक पवित्रता आ सांस्कृतिक गौरव बतबैत अछि।

**९७३. (A) प्रकृति, नदी आ तीर्थमय भूगोलक समृद्ध छवि** — लोकगीतक संवेदना प्रकृति-संपन्न भूगोलसँ पोषित मानल गेल।

**९७४. (A) मिथिला क्षेत्रक धार्मिक-भौगोलिक स्मृति सँ** — तीरभुक्ति नाम मिथिलाक पुरान सांस्कृतिक-भौगोलिक प्रतिष्ठा दर्शबैत अछि।

**९७५. (A) लोकगीतक धरती तीर्थ-परम्परा आ स्मृति-स्थलसभसँ जुड़ल अछि** — तीर्थ-स्मृति लोकधर्म आ गीतक भावभूमि तैयार करैत अछि।

**९७६. (A) गीत धार्मिक श्रद्धा आ दैनिक सामाजिक व्यवहार दुनू सँ जन्मैत अछि** — लेख लोकगीतक द्वि-आधार—धर्म आ व्यवहार—दू टा स्पष्ट करैत अछि।

**९७७. (A) गीतक अर्थ स्थान, तीर्थ, नदी, ग्राम आ लोकविश्वाससँ जुड़ैत अछि** — लोकगीत प्रदेशक स्मृति सँ बिनु पूर्ण बुझाइत नहि।

**९७८. (A) तीर्थ लोकधर्मक आधार दैत अछि, गीत ओकर सामुदायिक स्वर बनैत अछि** — धार्मिक स्थल आ गीत परस्पर सांस्कृतिक ऊर्जा देत अछि।

**९७९. (A) जे भूमि सांस्कृतिक रूपेँ समृद्ध अछि, ओकर गीत-धरोहर बचब जरूरी अछि** — मिथिला-माहात्म्य लोकगीतकैं धरोहर रूपमे स्थापित करैत अछि।

**९८०. (A) मिथिला भूगोल, तीर्थ, नदी आ लोकव्यवहारक संग लोकगीतक अर्थ अविभाज्य अछि** — लेख लोकगीतकैं सांस्कृतिक भूगोलमे रोपैत अछि।

**९८१. (A) प्रभात/भोरक जागरण** — पराती भोरक गीत अछि, जे मंगल-विहानक अनुभूति जगबैत अछि।

**९८२. (A) गीत केवल ध्वनि नहि, भावनात्मक-सांस्कृतिक स्पर्श अछि** — पराती श्रोता-मनमे भक्ति, स्मृति आ आनन्द जगबैत अछि।

**९८३. (A) मौलिक पारंपरिक भाषा आ भक्ति-भाव देखेबाक लेल** — लेख परम्पराक जीवित उदाहरण द्वारा पराती रूप बुझबैत अछि।

**९८४. (A) मनकैं भजन आ आध्यात्मिक चेतना दिस जागृत करब** — पराती जागरण केवल नींदसँ नहि, आध्यात्मिक चेतनासँ जुड़ल अछि।

**९८५. (A) जीवन बीति रहल अछि, तैं अब आध्यात्मिक स्मरण करु** — गीत समय-नश्वरता आ साधना-बोध जगबैत अछि।

**९८६. (A) भक्ति-विहीन जीवन आध्यात्मिक रिक्तता मानल गेल** — पराती लोकभाषामे धर्म-चेतना कैं तीक्ष्ण रूप देत अछि।

**९८७. (A) पुरान सामूहिक गायनक प्रभाव आ स्वर-प्रसार** — ई परम्परागत गायनक सामुदायिक शक्ति आ ऊर्जाक स्मृति अछि।

९८८. **(A) गीत सामाजिक जागरण आ भोरक सामूहिक भाव बनबैत छल** — पराती सामूहिक दिनारम्भक सांस्कृतिक साधन रहल।

९८९. **(A) सरल लोकभाषामे गहिर आध्यात्मिक आग्रह व्यक्त होइत अछि** — पराती लोकभक्ति कैं सहज शब्दमे श्रोता धरि पहुँचबैत अछि।

९९०. **(A) क्योंकि ई भक्ति, भाषा, धुन आ सामुदायिक भोरक स्मृति बचबैत अछि** — पराती मैथिली लोकजीवनक आध्यात्मिक-संगीतिक धरोहर अछि।

९९१. **(A) देवी-आराधना आ गोसाउनि/गहबर परम्परासँ** — लेख भगवतीक आवाहन, गोसाउनि गीत आ गहबर-गायनक उल्लेख करैत अछि।

९९२. **(A) फिल्मी धुनक प्रभाव आ परम्परागत व्यवहारक क्षय** — लेख कहैत अछि जे फिल्मी धुनक चलन परम्परागत भगवती गीतक अस्तित्व पर संकट आनैत अछि।

९९३. **(A) देवीक मूल, प्राचीन आ संरक्षक शक्ति रूप** — देवी-गीत पुरातन शक्ति-आराधना आ लोकभक्ति व्यक्त करैत अछि।

९९४. **(A) देवी-भक्तिक साहित्यिक आ लोकगायन परम्पराक सेतु देखाबैत अछि** — विद्यापति पद लोकदेवी-गायनकैं साहित्यिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९९५. **(A) देवी-आवाहनक सामूहिक लोक-रीति** — गहबरक झूमरा देवीक उपस्थिति आ लोकसमुदायक एकजुटता सँ जुड़ल अछि।

९९६. **(A) ताल, सामूहिक ऊर्जा आ अनुष्ठानिक वातावरण** — वाद्य-संगति लोकगायन कैं देहधर्मी आ अनुष्ठानिक बनबैत अछि।

९९७. **(A) समवेत झूमरा गायन आ भगतक शरीरमे आवाहन अनुभव द्वारा** — लेख लोकविश्वासमे गान, ताल आ देव-आवेशक सम्बन्ध बतबैत अछि।

९९८. **(A) परम्परा अगिला पीढ़ी धरि कोना बचत—ई वास्तविक भय अछि** — लोकगायक/भगत स्वयं उत्तराधिकार-संकट देखि रहल छथि।

९९९. **(A) भक्ति मे अज्ञान स्वीकारि देवीसँ रक्षा माँगबाक लोकभाव अछि** — गीत सेवक-भाव, लाज-रक्षा आ विनयक परम्परा व्यक्त करैत अछि।

१०००. **(A) देवी-गीत मैथिली लोकधर्मक जीवित, मुदा संकटग्रस्त, सामूहिक संगीत-संस्कार अछि** — लेख भगवती-गायनकैं बचाबय योग्य धरोहर मानैत अछि।

१००१. **(A) परंपरागत गीतक शब्द, धुन, स्वर, लय आ भाव नव पीढ़ी बीच लुप्त होयब** — लेख नव पीढ़ीमे लोकगीतक क्षरण कैं गंभीर सांस्कृतिक प्रश्न मानैत अछि।

१००२. **(A) गीत मनोरंजन संग जीवन-ज्ञान आ संस्कार-बोध सेहो दैत अछि** — लेख लोकगीतक शिक्षात्मक-संस्कारिक महत्व रेखांकित करैत अछि।

१००३. **(A) समुदायमे व्यवहार, मर्यादा आ संस्कार सिखेनाइ** — लोकगीत सामाजिक आ नैतिक व्यवहारक अनौपचारिक विद्यालय अछि।

१००४. **(A) शब्द, स्वर, लय आ सामूहिक स्मृति एकसाथ काम करैत अछि** — गीतक प्रभाव बहु-इंद्रिय आ सामुदायिक होइत अछि।

१००५. **(A) जीवित गायन बिना परंपरा संग्रहालयक वस्तु बनि सकैत अछि** — लोकगीत गाओल जाइ तखनहि जीवित रहैत अछि।

१००६. **(A) ओ लोकस्मृतिक जीवित भंडार छथि** — जतए गीत लोकक कण्ठमे बाचल अछि, ओतए लोकस्मृति बचल अछि।

१००७. **(A) मान्यता सँ भाषा प्रतिष्ठित होइत अछि, लोकगीत सँ ओ जीवित रहैत अछि** — भाषा संस्थागत आ लोकसांस्कृतिक दुनू स्तर पर बचैत अछि।

१००८. **(A) संग्रह केवल अतीत लेल नहि, भविष्यक सांस्कृतिक अधिकार लेल अछि** — लोकगीत संरक्षण पीढ़ीगत निरंतरता लेल जरूरी मानल गेल।

१००९. **(A) ऑडियो-वीडियो दस्तावेज आ प्रसार द्वारा धुन-संरक्षण** — लेख आधुनिक दस्तावेजीकरणकैं परम्परा-बचावक साधन बनबैत अछि।

१०१०. **(A) लोकगीत लोक-विद्यालय अछि जे भाषा, संस्कार, धर्म, भूगोल आ स्मृति सिखबैत अछि** — लोकगीत समाजक अस्मिता-शिक्षा केर जीवित प्रणाली अछि।

१०११. **(A) गोसाउनि/भगवती गीतक परंपरागत स्वरूप पर संकटक रूपमे** — लेख बतबैत अछि जे फिल्मी धुन पर देवी-गीत गेनाइ परम्परा क्षीण करैत अछि।

१०१२. **(A) क्योंकि धुन गीतक सांस्कृतिक पहचान आ अनुष्ठानिक भाव धारण करैत अछि** — लोकगीतक अर्थ ओकर ध्वनि-संस्कारसँ जुड़ल अछि।

१०१३. **(A) लोकप्रियता होइतो मूल संदर्भ, लय आ भक्ति-भाव क्षतिग्रस्त भऽ सकैत अछि** — लेख परम्परागत व्यवहारक क्षय पर बल दैत अछि।

१०१४. **(A) मूल लोकधुन आ आचार-प्रसंग बिनु परम्परा पहिचान खोबैत अछि** — अस्तित्व-संकट सिर्फ कम गेनाइ नहि, मूल रूपक क्षरण अछि।

१०१५. **(A) ताकि गीत अपन मूल धुन, अवसर, भाषा आ भाव सहित बचे** — प्रामाणिकता परंपरागत सांस्कृतिक अर्थ बचबैत अछि।

१०१६. **(A) माध्यम धरोहर बचा सकैत अछि; फिल्मीकरण मूल स्वरूप बदलि सकैत अछि** — लेख आधुनिक दस्तावेजीकरण स्वीकारैत अछि, पर धुन-विकृति पर सावधान अछि।

१०१७. **(A) ध्वनि-संरचना कैं भविष्य लेल सुरक्षित राखब** — धुन रेकॉर्ड कयल बिना लोकगायनक जीवित स्वरूप बाँचब कठिन अछि।

१०१८. **(A) गाम-गामक गहबर, भगत-मंडली आ सामूहिक गायनमे** — लोकधार्मिक स्थल आ गायक समुदाय परम्परा बचबैत रहल।

**१०१९. (A) नव पीढ़ी आ लोकप्रिय बाजारक प्रभाव, जकरा कारण मूल धुन कमजोर भेल** — लेख अप्रत्यक्ष रूपेँ आधुनिक लोकप्रियता आ परम्परा-संकटक सम्बन्ध देखबैत अछि।

**१०२०. (A) आधुनिक साधन उपयोग करु, मुदा मूल लोकधुन आ आचार-भाव नष्ट नहि करू** — लेख आधुनिकता आ प्रामाणिक परम्परा बीच संतुलन चाहैत अछि।

**१०२१. (A) गाम-गामक गहबर आ भगत-मंडलीसँ** — लेख गहबरमे भगत-मंडली द्वारा झूमरा गायनक समृद्ध परम्परा बतबैत अछि।

**१०२२. (A) झूमरा सामूहिक गायन आ अनुष्ठानिक समूह-ऊर्जा पर निर्भर अछि** — समवेत स्वर देवी-आवाहनक सामुदायिक ध्वनि बनबैत अछि।

**१०२३. (A) ताल, लय आ अनुष्ठानिक आवेश सृजन करैत अछि** — वाद्य-ताल लोकधार्मिक गायनक देहधर्मी शक्ति होइत अछि।

**१०२४. (A) संगीत द्वारा देवी-उपस्थिति आमंत्रित होइत अछि** — लोकधर्ममे ध्वनि आ देव-आवेश घनिष्ठ सम्बन्ध राखैत अछि।

**१०२५. (A) भक्ति, संगीत आ देहक संयुक्त आध्यात्मिक अनुभव** — झूमरा गायन लोकदेहकेँ देव-अनुभवक माध्यम बनबैत अछि।

**१०२६. (A) परम्परा पूर्ण नष्ट नहि, मुदा कमजोर आ संकटग्रस्त अछि** — लेख आशा आ संकट दुनू साथे देखैत अछि।

**१०२७. (A) हुनका बाद ई गायन-धरोहर के सँभालत?** — व्यक्तिगत भगतक चिन्ता सामूहिक सांस्कृतिक उत्तराधिकारक प्रश्न अछि।

**१०२८. (A) गायन-समूह, ताल, आवेश आ अवसर सेहो मूल अंग अछि** — झूमरा प्रदर्शनपरक लोकधर्म अछि, केवल पाठ नहि।

**१०२९. (A) ग्रामदेवी, सामूहिक श्रद्धा आ स्थानीय अनुष्ठानक केन्द्र** — गहबर ग्राम्य लोकदेवी परम्पराक सांस्कृतिक केन्द्र अछि।

**१०३०. (A) झूमरा लोकदेवी-आराधना, सामूहिक संगीत आ देहगत भक्ति-कंपनक अनूठ परम्परा अछि** — लेख झूमराकेँ तात्कालिक संरक्षण योग्य जीवित धरोहर मानैत अछि।

**१०३१. (A) संग्रह, संरक्षण, दस्तावेजीकरण आ पुनर्जीवन** — लेख लुप्तप्राय गीतसभकेँ भविष्य लेल बचाबयक स्पष्ट आग्रह करैत अछि।

**१०३२. (A) मैथिली संस्कृति पूजा आ दैनिक जीवन दुनू केँ गीतमे बाँधैत अछि** — लोकगीत जीवनक संपूर्ण अवसरसँ जुड़ल अछि।

**१०३३. (A) मैथिली लोकगीत परम्परा बहुविध, अवसर-विशिष्ट आ सामुदायिक अछि** — विभिन्न गीत-प्रकार समाजक अनेक भाव-क्षेत्रक प्रतिनिधि छथि।

**१०३४. (A) लोकगीतक धुन, लय, स्वर, प्रस्तुति आ देहभाषा बचय लेल** — मुद्रित पाठ कतेको बात बचबैत अछि, मुदा गायनक जीवित रूप रेकॉर्ड चाहैत अछि।

**१०३५. (A) अखन बचल अंशो सँभालल नहि गेल तँ परम्परा टूटि सकैत अछि** — लुप्तप्राय शब्द तात्कालिक कार्यवाहीक संकेत अछि।

**१०३६. (A) ई वर्तमान आ भविष्यक पीढ़ीक सांस्कृतिक शिक्षा बनि सकैत अछि** — लेख भविष्यक पीढ़ीक प्रश्न बारम्बार उठबैत अछि।

**१०३७. (A) गीत भाषा, संस्कार, पर्व, भूगोल आ लोकस्मृति केँ एकसाथ रखैत अछि** — लोकगीत सामूहिक पहचानक ध्वन्यात्मक रूप अछि।

**१०३८. (A) पुराणोक्त मिथिला-महिमा आ लोकक कण्ठक गीत एकसाथ पढ़ल गेल अछि** — लेख शास्त्रीय स्मृति आ जीवित लोकधुन केँ जोडैत अछि।

**१०३९. (A) शब्द, धुन, लय, श्रद्धा, अवसर आ सामुदायिक स्मृतिक सम्मिलन** — लोकगीत बहु-घटक सांस्कृतिक कला अछि।

**१०४०. (A) वर्गीकरण, संरक्षण-विधि, सांस्कृतिक अर्थ, धुन-संकट आ लोकधर्म पर** — लेख गम्भीर लोकसाहित्यिक अध्ययनक आधार दैत अछि।

**१०४१. (A) अंशुमालाक मैथिली संगीत-साधना** — लेख अंशुमाला नामक गायिका/संगीत-विद्यार्थीक मैथिली संगीत-चिन्ता पर केन्द्रित अछि।

**१०४२. (A) मैथिल समाज अपन भाषाकेँ हेय दृष्टिसँ देखैत अछि** — लेख आरम्भे भाषाबोध आ आत्महीनता पर प्रश्न उठबैत अछि।

**१०४३. (A) दिल्ली विश्वविद्यालयमे** — लेखमे हुनकर दिल्ली विश्वविद्यालयक संगीत-अध्ययनक उल्लेख अछि।

**१०४४. (A) हुनकर माय** — मातृ-परम्परा संगीत-शिक्षाक मूल स्रोत रूपमे उल्लिखित अछि।

**१०४५. (A) अंशुमालाक माय मैथिली लोकसंगीतक शिक्षा लेने छलीह** — ई पारिवारिक-संगीतिक परम्पराक पीढ़ीगत सूत्र देखबैत अछि।

**१०४६. (A) रेडियो कलाकारसँ संगीत-शिक्षा लैत छलीह** — लेख अंशुमालाक प्रशिक्षणमे परम्परागत कलाकारक भूमिका देखबैत अछि।

**१०४७. (A) सीतायण एलबममे** — सीतायण उल्लेख बाल्यकालसँ हुनकर गायन-सक्रियताक प्रमाण अछि।

**१०४८. (A) मैथिली गीत-संगीत परसैत आ संगीत-साधना करैत छथि** — लेख दिल्लीक कार्यक्रमसभमे हुनकर सक्रिय मैथिली गायन बतबैत अछि।

**१०४९. (A) मैथिली गीत-संगीतकेँ गुणस्तरीय बनौनाइ** — लेख हुनका गुणवत्ता-केन्द्रित संगीत-साधिका रूपमे देखबैत अछि।

**१०५०. (A) भाषा-अस्मिता, मातृ-परम्परा, औपचारिक संगीत-शिक्षा आ मैथिली गायनक संघर्ष** — अंशुमाला प्रसंग मैथिली संगीतक सामाजिक आ शैक्षिक पक्ष खोलैत अछि।

**१०५१. (A) मैथिलीभाषी श्रोता बीचो आन भाषाक गीतक माँगक दबाव** — लेख ८ हजार मैथिल रहितो भोजपुरीक माँगक उदाहरण दैत अछि।

**१०५२. (A) कलाकार बाजार/श्रोता-अपेक्षा आ भाषिक निष्ठा बीच फँसि जाइत अछि** — एहि प्रसंगमे कलाकारक सांस्कृतिक इच्छा आ जन-माँगक तनाव स्पष्ट अछि।

**१०५३. (A) श्रोताक सांगीतिक स्वाद क्षेत्र अनुसार बदलैत अछि** — पटना मे तालि आ दिल्ली मे आन भाषा माँगक अनुभव भिन्न सांस्कृतिक परिवेश देखबैत अछि।

**१०५४. (A) ई मैथिली संगीतक स्थान संकुचित करि सकैत अछि** — अंशु एहन रुचिकेँ मैथिली गीत-संगीत लेल अहितकर देखैत छथि।

**१०५५. (A) मनोरंजनक माँग आ सांस्कृतिक जिम्मेदारीक द्वंद्व** — अंशु मैथिली संगीतक सम्मान चाहैत छथि, मुदा श्रोताक माँग कलाकारकेँ मोड़ि दैत अछि।

**१०५६. (A) सांस्कृतिक आत्मसम्मान बढ़ाबय आ मैथिली संगीत सुनबाक वातावरण बनाबय** — लेख बदलाव श्रोता-मानसिकता मे चाहैत अछि।

**१०५७. (A) अपन भाषा-गीत गाबयक इच्छा दबि जाएबाक पीड़ा** — कलाकारक आंतरिक मैथिली-निष्ठा आ बाहरी दबावक करुण स्थिति अछि।

**१०५८. (A) मैथिल भाषीक बदलल सांगीतिक स्वाद** — लेख बतबैत अछि जे दिल्लीक परिवेश हुनका सांस्कृतिक रूपेँ बेचैन कयलक।

**१०५९. (A) प्रवासी परिवेशमे भाषिक-सांगीतिक प्राथमिकता बदलि सकैत अछि** — अंशुक अनुभव प्रवासी सांस्कृतिक चुनौती देखबैत अछि।

**१०६०. (A) मैथिली श्रोता अपन भाषिक संगीत-संस्कारकेँ की सचेत रूपेँ बचायत?** — लेख श्रोता-समाजक उत्तरदायित्व प्रश्न बनबैत अछि।

**१०६१. (A) हुनकर मतमे धुन/लयक अभाव नहि, श्रोता अनभिज्ञ छथि** — लेख स्पष्ट करैत अछि जे समस्या सृजनहीनता नहि, परिचय आ समर्थनक अछि।

**१०६२. (A) मौलिक संगीत उत्पादनक कठिनाई आ पैरोडीक दबाव बुझाइत अछि** — अर्थ-संकट कारण कलाकार लोकप्रिय/सस्ता विकल्प दिस धकेलाइत छथि।

**१०६३. (A) मौलिक गीत-संगीतमे लगानीकर्ताक अभाव आ आर्थिक विवशता** — लेख पैरोडीक कारण सांस्कृतिक नहि मात्र, आर्थिक सेहो मानैत अछि।

**१०६४. (A) कलाकारक सफलता-संकटमे श्रोताक रुचि निर्णायक भूमिका निभबैत अछि** — अंशु श्रोता-समाजक भूमिका पर तीक्ष्ण टिप्पणी करैत छथि।

**१०६५. (A) मौलिक, स्तरीय मैथिली गीत-संगीतक पक्षमे** — हुनकर रोष मूल सांस्कृतिक सर्जना बचाबयक आग्रह अछि।

**१०६६. (A) गुणवत्ता बिना श्रोता-रुचि बदलत नहि** — अंशु मनोरंजनक संग गुणवत्ता चाहैत छथि।

**१०६७. (A) स्तरीय मैथिली कार्यक्रमक श्रोता-स्वीकृति सम्भव अछि से देखेबाक लेल** — उदाहरण निराशा नहि, सम्भावना देखबैत अछि।

**१०६८. (A) रुचिकरता आ सांस्कृतिक गुणवत्ता बीच** — अंशु श्रोता-मनोरंजनक विरोध नहि, निम्नस्तरीयता विरोध करैत छथि।

**१०६९. (A) मौलिक सृजनक अवरोध आ पैरोडीक प्रसार** — दूनू कारण संगठित रूपेँ मैथिली संगीतक गुणवत्ता पर दबाव बनबैत अछि।

**१०७०. (A) मौलिक मैथिली संगीत बचाबय लेल श्रोता, लगानीकर्ता आ कलाकार तीनू जिम्मेदार छथि** — लेख संगीत-संस्कृतिक सामूहिक उत्तरदायित्व स्पष्ट करैत अछि।

**१०७१. (A) उचित सम्मानक अभाव** — लेख कलाकार-सम्मानक प्रश्न स्पष्ट उठबैत अछि।

**१०७२. (A) भविष्य मे मैथिली कलाकारक सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़बाक चाहना** — अंशु कलाकारक सामाजिक सम्मानकेँ जरूरी मानैत छथि।

**१०७३. (A) गुण, सम्मान आ व्यापक स्वीकार्यता वाली ऊँचाई** — लेख हुनकर लक्ष्य मैथिली संगीतक उन्नयन बतबैत अछि।

**१०७४. (A) मैथिली रंगकर्म/संगीतमे लैंगिक बाधा आ सामाजिक संकोच देखेबाक लेल** — अंशु कहैत छथि जे लड़की लेल एखनहुँ बहुत कठिनाई अछि।

**१०७५. (A) सामाजिक मान्यता स्त्री-कलात्मक सहभागिताक शर्त अछि** — सम्मानक अभाव प्रतिभाक सार्वजनिक विकास रोकि सकैत अछि।

**१०७६. (A) ई सम्पूर्ण मैथिली संगीत-संस्कृतिक विकाससँ जुड़ल अछि** — कलाकार सम्मानित भेलाह तँ नव प्रतिभा आगू आबि सकैत अछि।

**१०७७. (A) सांस्कृतिक मंच पर स्त्री-स्वीकृतिमे बाधा आ संकोच** — लेख लिंग-संवेदनशील सांस्कृतिक सुधारक जरूरत देखबैत अछि।

**१०७८. (A) सम्मानित कलाकार गुणवत्तापूर्ण सृजनक वातावरण पाबैत अछि** — संगीत-संस्कृति समाजक सम्मानपूर्ण व्यवहार पर निर्भर अछि।

**१०७९. (A) शिक्षा, साधना, सामाजिक बाधा आ सांस्कृतिक उत्तरदायित्वक संयुक्त अनुभव** — हुनकर अनुभव व्यक्तिगत साधना केँ सामाजिक विमर्शसँ जोड़ैत अछि।

**१०८०. (A) मैथिली संगीतक उन्नति लेल कलाकार-सम्मान, स्त्री-सहभागिता आ समाजक दृष्टिकोण सुधार जरूरी अछि** — अंशु मैथिली संगीतक विकासकेँ सामाजिक सम्मानसँ जोड़ैत छथि।

**१०८१. (A) मैथिलीकेँ संचारमाध्यममे दृश्य-श्रव्य स्थान देनाइ** — लेख नेपाल वनक कार्यक्रमकेँ मैथिली/मधेशी अभिव्यक्तिक मंच रूपमे देखैत अछि।

**१०८२. (A) अनुपातिक स्थान नहि भेटल, उपेक्षा रहल** — लेख भाषा-जनसंख्या आ मीडिया-प्रतिनिधित्वक असंतुलन देखबैत अछि।

**१०८३. (A) ओ मैथिली कार्यक्रम प्रसारण कऽ मैथिलीभाषी बीच अलग स्थान बनौलक** — कार्यक्रम सीमा-पार मीडिया द्वारा भाषिक पहुँच बढ़बैत अछि।

**१०८४. (A) राजनीतिक-सामाजिक दबाव भाषा-प्रतिनिधित्वक प्रश्न खोलैत अछि** — लेख मधेशी पहचान आ मीडिया स्पेसक सम्बन्ध देखबैत अछि।

**१०८५. (A) अन्तर्राष्ट्रीय संचारमाध्यममे अपन भाषामे मुख खोलबाक अवसर** — लेख कार्यक्रमकेँ आवाज प्रदान करयवाला मंच मानैत अछि।

**१०८६. (A) मीडिया-दृश्यता बढ़ल आ स्थानीय मुद्दा सार्वजनिक भेल** — मधेश स्पेशल स्थानीय आवाज केँ समाचार-मूल्य प्रदान करैत अछि।

**१०८७. (A) सांस्कृतिक पहचान सहित सार्वजनिक राजनीतिक उपस्थिति** — वेशभूषा आ भाषा, दुनू मधेशी पहचानक सार्वजनिकता देखबैत अछि।

**१०८८. (A) पूर्व उपेक्षित भाषिक समुदायकेँ अपन माध्यम भेटल** — शून्यप्राय स्थिति मे एक घंटाक कार्यक्रम सेहो व्यापक जरूरत पूरा कयलक।

**१०८९. (A) देश-विदेशक मैथिल धरि पहुँच** — उपग्रह माध्यम प्रवासी मैथिल समाज धरि कार्यक्रम पहुँचबैत अछि।

**१०९०. (A) मीडिया प्रतिनिधित्व भाषा, क्षेत्रीय पहचान आ राजनीतिक-सांस्कृतिक आवाज लेल निर्णायक अछि** — नेपाल वन प्रसंग मैथिली/मधेशी सार्वजनिकता केर महत्त्वपूर्ण उदाहरण अछि।

**१०९१. (A) भाषा-संरक्षणक निष्ठा आ पद/लाभ-लोभक संघर्ष** — शीर्षक सांस्कृतिक संस्थान आ भाषा-हितक नैतिक प्रश्न उठबैत अछि।

**१०९२. (A) मैथिली आ भोजपुरीक संयुक्त/अलग संस्थागत प्रतिनिधित्वक बहस** — लेख अकादमी, भाषा-हित आ राजनीतिक निर्णयक संबंध पर ध्यान दैत अछि।

**१०९३. (A) संयुक्तता आ संस्थागत सहयोगक पक्ष** — प्रसंगमे अलग मैथिली अकादमी माँगक प्रति जोड़-बचावक उत्तर आयल।

**१०९४. (A) अकादमीक कार्यक्रम भाषा-सांस्कृतिक राजनीति संग जुड़ल अछि** — नाट्य-प्रसंग अकादमीक सांस्कृतिक कार्यक्षेत्र देखबैत अछि।

**१०९५. (A) संस्था भाषा लेल अछि कि व्यक्तिगत सुविधा लेल—ई मूल्यांकन जरूरी अछि** — शीर्षक संस्थागत नैतिकता पर प्रश्न उठबैत अछि।

**१०९६. (A) भाषिक पहचान, प्रशासनिक सुविधा आ सांस्कृतिक स्वायत्तता बीच तनाव देखबैत अछि** — अकादमी प्रश्न केवल दफ्तर नहि, पहचानक प्रश्न सेहो अछि।

**१०९७. (A) मैथिलीकेँ स्वतन्त्र सांस्कृतिक-भाषिक प्रतिनिधित्व चाही से भावना सँ** — मैथिलीभाषी स्वायत्त संस्थागत पहचान चाहि सकैत छथि।

**१०९८. (A) संसाधन, सहयोग आ व्यापक क्षेत्रीय एकता राखबाक इच्छा** — “जोड़क बात” कथन सहयोगी दृष्टिकोण संकेत करैत अछि।

**१०९९. (A) दूनू पक्षक संस्थागत तर्क बुझब, पृष्ठ/व्यक्ति-गॉसिप नहि पूछब** — गुणवत्तापूर्ण प्रश्न भाषा-नीति आ सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व पर बनबाक चाही।

**११००. (A) मैथिली संस्थागत राजनीति मे भाषा-हित, प्रतिनिधित्व, एकता आ स्वायत्तताक जटिल प्रश्न उपस्थित अछि** — अकादमी प्रसंग सांस्कृतिक राजनीति आ भाषा-आन्दोलनक गहिर द्वंद्व देखबैत अछि।

**११०१. (A) लगभग एक लाख** — स्रोतमे नेपालक लगभग एक लाख जनता विस्थापित भेल कहल गेल अछि; प्रश्न संख्या नहि, आपदाक पैमाना बुझबाक लेल अछि।

**११०२. (A) तीस लाखसँ बेसी** — लेख बिहारक प्रभावकेँ व्यापक बतबैत अछि—तीस लाखसँ बेसी लोक प्रभावित भेल कहल गेल।

**११०३. (A) बीस लाख** — लेख कोशी इलाकाक लगभग बीस लाख लोक प्रभावित बतबैत अछि।

**११०४. (A) ७७५ गाम** — स्रोतमे ७७५ गाम प्रभावित बताओल गेल अछि।

**११०५. (A) चीनक तिब्बत** — लेख कोशीक उद्गम चीनक तिब्बत मे बतबैत अछि।

**११०६. (A) कुर्सेला** — स्रोतमे कोशी नेपाल होइत बिहारक कुर्सेला धरि प्रवाह करैत गंगामे मिलबाक चर्चा अछि।

**११०७. (A) ७२० किलोमीटर** — लेख कोशीक ७२० किलोमीटर दूरी बतबैत अछि।

**११०८. (A) कोशी पीड़ितक समस्या जिहनाक तिहना** — लेख कहैत अछि जे योजना संचालनक दशक बादो पीड़ितक समस्या जसक तस रहल।

**११०९. (A) नेपाल-भारत दूनू पक्षसँ जवाबदेही** — लेख तटबन्ध टूटबाक कारण पर दूनू देशसँ उत्तर माँगैत अछि।

**१११०. (A) भूमिहीन, अन्न-वस्त्र-पानीसँ वंचित** — लेख गरीब किसानक त्रासदी—भूमिहीनता, अभाव आ जीवित रहबाक संघर्ष—देखबैत अछि।

**११११. (A) एक-दोसरापर दोषारोपण** — लेख दूनू पक्षक परस्पर दोषारोपणक स्थिति देखबैत अछि।

**१११२. (A) कार्य वातावरण नहि बनल** — स्रोत भारतीय पक्षक हवाला दैत कहैत अछि जे मरम्मत लेल वातावरण नहि बनल।

**१११३. (A) मूक दर्शक** — नेपाली पक्ष कहैत अछि जे सम्झौता अनुसार नेपाल बहुत काज नहि कऽ सकैत, तेँ दोष भारतक अछि।

**१११४. (A) राष्ट्रीय विपत्ति** — लेखमे बाढ़क विभीषिका देखिते राष्ट्रीय विपत्तिक घोषणा उल्लेखित अछि।

**१११५. (A) जवाबदेही आ कारण-निर्धारणक प्रश्न** — लेख कहैत अछि जे तटबन्ध टूटबाक सरकारी जाँचक आदेश नहि भेल, जे जवाबदेहीक कमी देखबैत अछि।

**१११६. (A) नेपालसँ एहि विषय पर बातचीत लेल** — स्रोतमे नेपालसँ बातचीत लेल समिति गठनक उल्लेख अछि।

**१११७. (A) भारतक** — लेख सम्झौता अनुसार तटबन्ध-कार्य भारतक जिम्मा बतबैत अछि।

**१११८. (A) भारत सरकारकेँ क्षतिपूर्ति देबय पड़त** — लेखमे उपेन्द्र यादवक कथन अनुसार क्षतिपूर्तिक दायित्व भारत पर रखल गेल।

**१११९. (A) इलाज, पुनर्वास आ खाद्यान्न** — स्रोतमे इलाज, पुनर्वास आ खाद्यान्न सहयोगक मांग अछि।

**११२०. (A) आपदा-प्रबन्धनमे सम्झौता, जवाबदेही आ मानवीय सहायता बीचक तनाव** — लेख कोशी त्रासदीकेँ प्रशासनिक आ मानवीय दूनू स्तरपर पढ़ैत अछि।

**११२१. (A) असफल** — स्रोतमे कटान नियन्त्रणक प्रयास असफल कहल गेल अछि।

**११२२. (A) बालु आ गिट्टीक बोरा** — लेखमे बीस हजार बोरा बालु-गिट्टी राखि नदीकेँ घुमेबाक प्रयास उल्लेखित अछि।

**११२३. (A) नदीक कटान आ प्रवाह नियन्त्रण आरो दुरूह बनल** — स्रोतमे वर्षा नियन्त्रणक कार्य कठिन बनेबाक कारण रूपमे अछि।

**११२४. (A) १५ हजार टका** — लेखमे प्रति परिवार १५ हजार टका सहयोगक उल्लेख अछि।

**११२५. (A) ई पीड़ितक जरूरतक सामने अपर्याप्त बुझाइत अछि** — लेख प्रश्न उठबैत अछि जे ई राशि कतेक सहयोग करि सकत।

**११२६. (A) अपन घर-परिवारक सदस्य** — स्रोतमे विस्थापित लोक अपन परिजन खोजैत बताएल गेल।

**११२७. (A) ५ गोटेक** — लेखमे सुनसरी प्रशासन द्वारा पाँच मृत्युक पुष्टि उल्लेखित अछि।

**११२८. (A) चारि सय गोट** — स्रोतमे चारि सय गोट सम्पर्कविहीन कहल गेल अछि।

**११२९. (A) पेटझरी आ मुँहपेट जाएब** — गन्दा पानीक कारण पेटझरी आ मुँहपेट जाएबक संकट फैलल।

**११३०. (A) बाढ़ केवल जल-आपदा नहि, विस्थापन, बीमारी आ राहत-अभावक संयुक्त त्रासदी अछि** — स्रोत आपदा केँ बहुस्तरीय संकट रूपमे देखबैत अछि।

**११३१. (A) हेलिकॉप्टर, नाव आ सेना** — लेखमे वायुसेनाक हेलिकॉप्टर, नाव आ सेनाक सहायतासँ राहतक चर्चा अछि।

**११३२. (A) एखनो बाढ़मे फँसल** — स्रोत पीड़ितक फँसल अवस्था आ अपर्याप्त राहत देखबैत अछि।

**११३३. (A) बहुत शव दहाइत देखल गेल** — लेख स्थानीय अनुभव आ सरकारी आँकड़ा बीच अन्तर संकेत करैत अछि।

**११३४. (A) भूख, वस्त्र-अभाव आ राहतक प्रतीक्षा** — स्रोतमे पेटमे अन्न नहि, आकाश दिस राहतक प्रतीक्षा आ वस्त्र-अभावक चित्र अछि।

**११३५. (A) आपदाक अमानवीय चरम आ भूखक त्रास** — ई प्रसंग भूख आ निराशाक चरम मानवीय विघटन देखबैत अछि।

**११३६. (A) लघुनाटक** — स्रोतमे ई लघुनाटक रूपमे मंचित भेल बताओल गेल।

**११३७. (A) मैलोरंग** — लेखमे मैलोरंगक आयोजनमे लघुनाटक मंचनक उल्लेख अछि।

**११३८. (A) भूख आ प्रशासनिक विफलतासँ जूझैत पीड़ित समाज** — नाटक पीड़ित जनताक विवशता आ भूखक दृश्यात्मक प्रस्तुति करैत अछि।

**११३९. (A) कोशी त्रासदीक कारण** — लेखमे कोशी क्षेत्रमे मुस्कान घुरला बाद महोत्सव आयोजनक बात अछि।

**११४०. (A) रंगमंच आपदाक सामूहिक संवेदना व्यक्त करबाक माध्यम बनैत अछि** — स्रोत बाढ़-त्रासदीक रंगमंचीय प्रत्युत्तर देखबैत अछि।

**११४१. (A) नई दिल्ली** — स्रोतमे नई दिल्लीमे कार्यक्रम आयोजनक उल्लेख अछि।

**११४२. (A) मिथिलांगन संस्थाक स्मारिका** — लेखमे मिथिलांगनक स्मारिका विमोचनक उल्लेख अछि।

**११४३. (A) मणिपद्म** — स्रोतमे मणिपद्मक स्मृतिमे नाटक मंचनक बात अछि।

**११४४. (A) लोक साहित्यक संरक्षण** — लेख लोक-साहित्य संरक्षणमे हुनक योगदान बतबैत अछि।

**११४५. (A) वाल्टर स्कॉट** — स्रोतमे लोकसाहित्य संरक्षणक कारण हुनका मैथिलीक वाल्टर स्कॉट कहल जाइत छन्हि।

**११४६. (A) लोरिक, राजा सलहेस, नैका बंजारा** — लेखमे एहि लोकगाथा-संरक्षणक उल्लेख अछि।

**११४७. (A) कुमार शैलेन्द्र** — स्रोतमे लेखक कुमार शैलेन्द्र कहल गेल।

**११४८. (A) संजय चौधरी** — लेखमे निर्देशक संजय चौधरी बताओल गेल।

**११४९. (A) नई दिल्लीक मंडी हाउसक रंगकर्मी अड्डा** — स्रोतमे भौगोलिक नाम उगना हाल्ट अछि, मुदा नाटकक परिवेश दिल्लीक रंगकर्मीसँ जुड़ल अछि।

**११५०. (A) मैथिली भाषा-संस्कृति संरक्षण आ कला-लक्ष्य प्राप्ति** — लेखमे नवतुरियाक सांस्कृतिक संघर्ष आ लक्ष्य-प्राप्तिक कथा अछि।

**११५१. (A) संघर्ष, दिग्भ्रम आ अन्ततः लक्ष्य-प्राप्ति** — लेख नाटकमे संघर्षरत मैथिली रंगकर्मी जीवनक कटु सत्य देखबैत अछि।

**११५२. (A) संगीतकार, गीतकार, फिल्म नायक-नायिका** — स्रोतमे पात्रक अलग-अलग कला-आकांक्षा बताओल गेल।

**११५३. (A) संगठने शक्ति अछि** — लेखमे संगठनसँ सफलता पाबि सकबाक संदेश स्पष्ट अछि।

**११५४. (A) सुखान्त** — स्रोतमे संघर्षक बाद पात्र सफल होइत अछि आ नाटक सुखान्त कहल गेल।

**११५५. (A) मधुबनी जिलाक पंडौल-सकरी बीचक स्टेशन** — लेखमे उगना हाल्ट पंडौल आ सकरी बीचक स्टेशन बताओल गेल।

**११५६. (A) मिथिला-स्मृति वाला नाम, दिल्लीक संघर्ष-केंद्रित परिवेश** — नाम मिथिला सँ जुड़ल, मुदा संघर्ष दिल्लीक मैथिली रंगकर्मीदुनियामे घटैत अछि।

**११५७. (A) पत्रिका प्रकाशन आ स्मृति-कार्यक्रम** — स्रोतमे मिथिलांगन पत्रिका प्रकाशन आ मणिपद्म-स्मृति कार्यक्रमक निरन्तरता अछि।

**११५८. (A) दिल्लीमे संघर्षरत नव कलाकारक माध्यमे** — नाटक प्रवासी/शहरी मंच पर मैथिली सांस्कृतिक प्रश्न रखैत अछि।

**११५९. (A) संगठन आ सामूहिकता** — लेख "संगठने शक्ति"क संदेश देबाक बात कहैत अछि।

**११६०. (A) मैथिली रंगकर्म दिल्लीक संघर्ष-भूमि पर सांस्कृतिक पहचान आ संगठनक कथा कहैत अछि** — "उगना हाल्ट" सांस्कृतिक संघर्ष आ सामूहिक सफलताक नाटक रूपमे पढ़ल गेल।

**११६१. (A) कन्या भ्रूण हत्या प्रकृतिक संग खिलवाड़** — शीर्षक स्वयं कन्या भ्रूण हत्या कैं प्रकृति-विरोधी कृत्य रूपमे चिन्हित करैत अछि।

**११६२. (A) बचपनक दोस्तक स्वास्थ्य समाचार सुनि** — स्रोतमे दोस्त अस्पतालमे भर्ती छथि से सुनि कथावाचक गेल।

**११६३. (A) चचेरा भैया-भाभी** — लेखमे चचेरा भैया-भाभी कैं अस्पतालमे देखबाक प्रसंग अछि।

**११६४. (A) तीसर बेर कन्या होयबाक आशंका आ भ्रूण परीक्षणक दबाव** — भाभीक पीड़ा गामक पितृसत्तात्मक दबाव खोलैत अछि।

**११६५. (A) गर्भ परीक्षण लेल** — स्रोतमे गर्भ परीक्षणक बात स्पष्ट अछि।

**११६६. (A) भैया भाभीकैं वापस घर लऽ गेलाह** — लेखमे बुझेलाक बाद घर लौटबाक बात अछि।

**११६७. (A) समाज स्वयं नहि बदलल तँ कानून पर्याप्त नहि** — लेख कहैत अछि जे स्वयं कदम नहि उठाएब तँ कानूनक असर सीमित रहत।

**११६८. (A) परवरिश, शिक्षा, विवाह आदि कठिनाई** — लेख लड़कीक पालन-पोषण, शिक्षा आ विवाहक बोझ-मानसिकता पर प्रश्न करैत अछि।

**११६९. (A) लड़कीक संख्या घटला सँ विवाह-संकट देखेबाक लेल** — स्रोतमे हरियाणाक लिंगानुपात-संकट चेतावनी रूपमे अछि।

**११७०. (A) मानसिकता बदलि कन्या भ्रूण हत्या रोकू** — लेख जीवन-रथक दूनू पहिया—स्त्री-पुरुष—समान आवश्यक कहैत अछि।

**११७१. (A) पिछला दरवाजाक संस्कृति अस्पताल धरि पहुँचि गेल** — स्रोत गैरकानूनी परीक्षणक सामाजिक-व्यवहारिक नेटवर्क पर प्रश्न करैत अछि।

**११७२. (A) स्वयं नागरिकक नैतिक जागरूकता** — लेख समाजक आन्तरिक सहमति बदलबाक जरूरत बतबैत अछि।

**११७३. (A) कानून रहितहुँ सामाजिक सहभागिता बिना रोकथाम कठिन अछि से देखाबय** — लेख कानूनक प्रभावशीलता समाजक आचरण पर निर्भर बतबैत अछि।

**११७४. (A) सामाजिक बुराइमे मौन/समझौताक सहभागिता** — लेख बाहरी दोषारोपणक बदला सामूहिक आत्मपरीक्षण करबैत अछि।

**११७५. (A) ई भ्रम अछि** — लेख कहैत अछि लड़काक पालन, शिक्षा, रोजगार आ विवाह सेहो चुनौती अछि।

**११७६. (A) लड़का सभ कुँआरे रहि सकैत अछि** — लेख लिंग-असंतुलनक दूरगामी सामाजिक संकट देखबैत अछि।

**११७७. (A) स्त्री-पुरुष समान रूपेँ आवश्यक** — प्रतीक जैविक-सामाजिक संतुलनक तर्क देबैत अछि।

**११७८. (A) ई जीवन-संतुलन आ जन्म-व्यवस्था पर हिंसा अछि** — लेख एहि कृत्यकैं प्रकृतिक नियमक विरुद्ध बतबैत अछि।

**११७९. (A) ई पितृसत्तात्मक भ्रम कन्या-विरोधक मूल अछि** — लेख अन्तमे एहि मानसिकता बदलबाक आग्रह करैत अछि।

**११८०. (A) कथा-प्रसंगसँ सामाजिक सुधारक तीक्ष्ण प्रश्न उठबैत अछि** — लेख निजी अनुभवकेँ व्यापक स्त्री-सुरक्षा आ सामाजिक चेतनाक विमर्श बनबैत अछि।

**११८१. (A) मात, पिता, गुरु आ प्रभु** — गीत चारि आध्यात्मिक-सामाजिक आधार—माता, पिता, गुरु, प्रभु—प्रति कृतज्ञता प्रकट करैत अछि।

**११८२. (A) कष्ट सहि, चलब सिखा, ममताक छाया देलनि** — गीत मातृत्वक पालन-पोषण आ स्नेहक ऋण स्वीकार करैत अछि।

**११८३. (A) अन्न खुएलनि, पढ़ेलनि, जीवन-पथ सिखेलनि** — गीत पिता केँ श्रम, शिक्षा आ संस्कारक आधार मानैत अछि।

**११८४. (A) भक्ति आ ज्ञानक दीप** — गुरु अज्ञान दूर करि ज्ञान-भक्ति मार्ग देखबैत छथि।

**११८५. (A) नर तन, बल, बुद्धि आ विद्या** — गीत मानव-जीवनकेँ प्रभुक कृपा आ साधना-योग्य अवसर मानैत अछि।

**११८६. (A) कृतज्ञताक भावात्मक लय** — आवर्त जीवनदाता शक्तिसभ प्रति आभारक भाव स्थिर करैत अछि।

**११८७. (A) सांसारिक पालनसँ आध्यात्मिक उद्धार धरि क्रम बनैत अछि** — गीत जीवनक आधार क्रमशः परिवार, शिक्षा आ ईश्वरक शरण मे देखैत अछि।

**११८८. (A) मातृत्वक उपकार पर** — माता द्वारा सहल कष्टक ऋण अनंत बताओल गेल अछि।

**११८९. (A) कृतज्ञता आ भक्ति** — गीत विनम्र प्रणाम, उपकार-स्मरण आ उद्धारक विश्वास पर आधारित अछि।

**११९०. (A) परिवार, गुरु-परम्परा आ भक्तिभावकेँ नैतिक जीवनक आधार मानैत अछि** — गीत भक्ति संग सामाजिक संस्कारक महत्व देखबैत अछि।

**११९१. (A) Editor's Choice Award** — स्रोत ज्योतिक अंग्रेजी पद्य लेल editor's choice award उल्लेख करैत अछि।

**११९२. (A) poetrysoup.com** — परिचयमे poetrysoup.com पर रचना मुख्य पृष्ठ पर रहल बताओल गेल।

**११९३. (A) मिथिला चित्रकला** — स्रोतमे ज्योतिक मिथिला चित्रकला-कौशल उल्लेखित अछि।

**११९४. (A) ईलिंग ब्रॉडवे, लंदन** — परिचय ईलिंग आर्ट ग्रुप अंतर्गत लंदनमे प्रदर्शनीक उल्लेख करैत अछि।

**११९५. (A) श्वेता झा, बसेरा इंस्टिट्यूट आ ललितकला तूलिका, जमशेदपुर** — स्रोतमे श्वेता झा आ जमशेदपुरक संस्थासभक उल्लेख अछि।

**११९६. (A) नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड, जमशेदपुर** — परिचयमे नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंडमे अवैतनिक अध्यापन बताओल गेल।

**११९७. (A) बेलवार, मधुबनी** — स्रोतमे जन्मस्थान बेलवार, मधुबनी अछि।

**११९८. (A) लंदन, यू.के.** — परिचयमे निवासस्थान लंदन, यू.के. उल्लेखित अछि।

**११९९. (A) अंग्रेजी पद्य, मैथिली कविता आ मिथिला चित्रकला** — परिचय बहुभाषिक साहित्यिकता आ दृश्य-कला दूनू देखबैत अछि।

**१२००. (A) प्रवासी मैथिल स्त्री-कला, कविता आ चित्रकला केर संगम** — परिचय रचनात्मक बहुआयामी मैथिल उपस्थिति दर्शबैत अछि।

**१२०१. (A) टूटि-बिखरि सबके एक रंगमे रंगैत** — कविता बर्फक व्यापकता केँ आकाश टूटि बिखरि गेल सन रूपकसँ व्यक्त करैत अछि।

**१२०२. (A) अपन-अपन जगह धरैत अछि** — कविता मे थरथरबैत सरदीसँ जीव अपन ठाम समेटाइत देखाइत अछि।

**१२०३. (A) विकट परिस्थिति पर बुद्धिबलसँ विजय** — मनुष्य साधन जुटा कठिन सरदीक सामना करैत अछि।

**१२०४. (A) पोखरिक भीड़/कात** — कविता गामक पोखरिक कात ठाढ़ वक्ताक स्मृति बनबैत अछि।

**१२०५. (A) समदाउन गाबिक धीरे-धीरे मौन होइत** — कविता पक्षीक स्वर मन्द पड़ि साँझसँ राति होयबाक रूपान्तरण देखबैत अछि।

**१२०६. (A) अगिला भोर पक्षीगण प्राती गायत** — कविता रातिक बाद भोर आ प्रातीक ध्वनि पर लौटैत अछि।

**१२०७. (A) रेत पर पदचिह्न मेटा तटसँ घुरि जाइत** — कविता लहरिक पुनरावृत्ति आ मिटेबाक शक्ति देखबैत अछि।

**१२०८. (A) जलक सभसँ शक्तिशाली संगठन** — सागर जलक व्यापक सामूहिक शक्तिक प्रतीक बनैत अछि।

**१२०९. (A) विशालताक आभास** — कविता अँधारोमे ध्वनि द्वारा समुद्रक विशालता अनुभव कराबैत अछि।

**१२१०. (A) मानव-धैर्य, चक्र आ विराटताक** — ज्योतिक प्रकृति-कविता मनुष्यक सीमा, साहस आ अनुभूतिक विस्तार देखबैत अछि।

**१२११. (A) अतिशयोक्ति** — कविता अति-प्रशंसा आ सामाजिक व्यवहारक विडम्बना पर व्यंग्य करैत अछि।

**१२१२. (A) दूसराक निन्दामे समाज उदार, प्रशंसामे स्वार्थी अछि** — कविता सामाजिक दोहरापन पर चोट करैत अछि।

**१२१३. (A) जे हमर काज बना गेल से उपकारी, बाकी बेरोजगार** — कविता स्वार्थ-आधारित मूल्यांकनक हास्य-व्यंग्य करैत अछि।

**१२१४. (A) भावुकता** — कविता कठोरता भीतर भावनात्मक सम्भावना देखबैत अछि।

**१२१५. (A) जीवनक** — भावना सभ जीवनक अविभाज्य अंश मानल गेल।

**१२१६. (A) मनुष्यक अपन अधीन** — कविता नैतिक चयन केँ मानवक हाथमे राखैत अछि।

**१२१७. (A) अधिष्ठात्री** — कविता दयाकेँ परोपकारक मूल भाव मानैत अछि।

**१२१८. (A) क्रोधसँ हठ, प्रेमसँ त्याग** — कविता भावना-संयमक दिशा पर बल दैत अछि।

**१२१९. (A) भावनाहीन आधुनिक जीवन** — कविता आधुनिकताक नामपर संवेदनहीनता ओढ़बाक आलोचना करैत अछि।

**१२२०. (A) मानवता लेल भावना जरूरी अछि, मुदा ओकर सही दिशा चाही** — ज्योतिक कविता आधुनिक जीवनमे संवेदना आ विवेकक संतुलन माँगैत अछि।

**१२२१. (A) शांत आ शीतल** — कविता गामक भोरक शान्ति आ शीतलता रचैत अछि।

**१२२२. (A) लू आ उमससँ बिगड़ल** — कविता दिनक ताप आ उमसकेँ गामक कठोर पक्ष रूपमे देखबैत अछि।

**१२२३. (A) अपन भाषाक कारण** — कविता कहैत अछि अपन भाषा गाम जायकेँ प्यास जगा दैत अछि।

**१२२४. (A) लोक हाक दऽ हाल पूछैत छल** — कविता पुरान गामक सामाजिक निकटता स्मरण करैत अछि।

**१२२५. (A) स्मृति, स्वाद आ स्थानीय जीवनक संसार** — कविता गामक जैव-सांस्कृतिक सम्पदा सँ स्मृति बनबैत अछि।

**१२२६. (A) मृगमरीचिका** — कविता विकासक अनंत पीछा आ भ्रमात्मक आकर्षण पर प्रश्न करैत अछि।

**१२२७. (A) प्रकृति-दूषण आ ज्ञानक स्थूलता** — कविता प्रगति-प्रकृति संतुलनक आग्रह करैत अछि।

**१२२८. (A) भूखक तापसँ मूक** — कविता भूख आ श्रमद्वारा बाल्य-स्वर दबबाक चित्र खींचैत अछि।

**१२२९. (A) करची/श्रमक औजार** — कविता शिक्षा सँ श्रममे धकेलबाक त्रासदी देखबैत अछि।

**१२३०. (A) गामक स्मृति, विकासक प्रश्न आ बाल्य-शोषणक पीड़ा** — ज्योतिक कवितासभ प्रकृति, समाज आ आधुनिक विकासक आलोचनात्मक अनुभव जोड़ैत अछि।

**१२३१. (A) दूरसँ शीतल बुझाइत, वास्तवमे जरैत** — कविता दूरदृष्टि आ वास्तविक तापक अन्तर देखबैत अछि।

**१२३२. (A) शाखासँ लागल, पुष्प-पातसँ आच्छादित झूलैत** — लघु कविता लताक नाजुक आ सजल प्रकृति चित्रित करैत अछि।

**१२३३. (A) लाम यात्रा बाद विश्राम, यात्रा एखनो अपूर्ण** — कविता गति आ विश्रामक मध्यवर्ती क्षण पकड़ैत अछि।

**१२३४. (A) अद्भुत अपवाद** — कविता कठोरता बीच सौन्दर्यक विस्मय देखबैत अछि।

**१२३५. (A) नीलाम्बरमे सागरक शार्क जकाँ विचरैत** — कविता आकाश-सागर रूपकद्वारा मेघक गति देखबैत अछि।

**१२३६. (A) पशु-पक्षीमे** — लघु कविता जीव-जगतक सूक्ष्म संवेदना देखबैत अछि।

**१२३७. (A) एक पुष्पक रूप** — कविता फूलकेँ पंखुड़ी, सुगंध आ रूपक संयुक्तता मे देखैत अछि।

**१२३८. (A) घुरमल केश** — कविता तरंगकेँ केशक वक्रता आ गति सँ जोड़ैत अछि।

**१२३९. (A) जागरूकता आ फैलल पाँखि** — लघु कविता उड़ान-पहिल क्षणक तात्पर्य पकड़ैत अछि।

**१२४०. (A) सूक्ष्म प्राकृतिक दृश्यसँ भावार्थ निकालब** — ज्योतिक लघु कविता छोट दृश्यसँ व्यापक अनुभव रचैत अछि।

**१२४१. (A) सुनसान, शांत, एकांत** — लघु कविता संध्याकालीन नीरवता आ एकांत रचैत अछि।

**१२४२. (A) मेघरूपी बर्फमे पिछड़ैत** — कविता आकाशक मेघरूपी दृश्य मे विमानक गति देखबैत अछि।

**१२४३. (A) कठोरतम भूगोल** — लघु कविता समुद्री किनारक कठोरता देखबैत अछि।

**१२४४. (A) जरैत सन विलक्षण अपवाद** — कविता संध्याकाशक अग्निमय रंगकेँ विस्मय बनबैत अछि।

**१२४५. (A) ज्वालामुखी सन जागृत** — कविता सूर्योदयक तीव्र प्रकाशकेँ ज्वालामुखी रूपक देत अछि।

**१२४६. (A) अंधकारक बाद अंतहीन दिनक आश** — लघु कविता भोरकेँ आशाक प्रतीक बनबैत अछि।

**१२४७. (A) दिनसँ राति धरि संक्रमण** — कविता समयक मानवीकरण करैत अछि।

**१२४८. (A) ऋतु-विरोधाभास आ सूक्ष्म निरीक्षण** — लघु कविता दृश्यक विपरीतता पकड़ैत अछि।

**१२४९. (A) प्रकृति जागैत अछि** — कविता भोरक जागरण-ध्वनि आ रंग जोड़ैत अछि।

**१२५०. (A) घिस-घिसि बर्फ झरबैत** — कविता बादल आ हिमपातक दृश्यात्मक सम्बन्ध बनबैत अछि।

**१२५१. (A) नव शुरुआत** — कविता विश्राम बाद गतिक क्षण देखबैत अछि।

**१२५२. (A) छूटल अन्न** — कविता खेत-जीवन आ पक्षीक आहार-चक्रक सूक्ष्म दृश्य अछि।

**१२५३. (A) झुकैत अछि** — वसंतक भार आ सौन्दर्यक चित्र एहि बिम्बमे अछि।

**१२५४. (A) प्रभुक चित्रकला** — कविता प्रकृतिक रंग-रचना कैँ दिव्य कला मानैत अछि।

**१२५५. (A) कठिन परिस्थिति मे सेहो जीवन सम्भव** — लघु कविता जीवनक जिजीविषा पर बल दैत अछि।

**१२५६. (A) विराट दृश्य-लालसा** — कविता ऊँचाईसँ प्रकृतिक विस्तार देखबाक चाह राखैत अछि।

**१२५७. (A) हीरा सन** — लघु कविता सूक्ष्म चमककैँ रत्न-जैसँ रूपक देत अछि।

**१२५८. (A) गर्मी दिनक सरल पारिवारिक प्रकृति-दृश्य** — ई पक्षी-परिवारक सहजता देखबैत अछि।

**१२५९. (A) नदीसँ भेंट लेल खसल उछलैत पानी** — कविता जलक गतिशील मिलनक बिम्ब रचैत अछि।

**१२६०. (A) कैक रंगक फूल आ लाइटसँ** — लघु कविता उत्सवी सज्जा मे रंग आ प्रकाशक बिम्ब देत अछि।

**१२६१. (A) कठोर केशयुक्त कवचमे मीठ उज्जर फल** — कविता बाहरी कठोरता आ भीतरी मिठासक विरोधाभास देखबैत अछि।

**१२६२. (A) नदीक कात माछक ताकिमे** — कविता शिकारी प्रतीक्षा आ नदीक दृश्य जोड़ैत अछि।

**१२६३. (A) कौआक कर्कश काँव-काँव** — लोकविश्वासक संकेत रूपमे कौआक आवाजक प्रयोग अछि।

**१२६४. (A) लहरि लगातार टकराए, पाथर स्थिर** — कविता गति आ स्थिरताक विपरीतता देखबैत अछि।

**१२६५. (A) चिन्नीक चाशनीमे लिप्त** — कविता शीत दृश्यकैँ मिठासक चमकदार रूपक देत अछि।

**१२६६. (A) नीचा गड़ल जड़** — कविता दृश्य सौन्दर्यक अदृश्य आधार—जड़—पर ध्यान देत अछि।

**१२६७. (A) सर्वोत्तम काल** — लघु कविता प्रभातपूर्व शांति आ प्रकाशक मूल्यांकन करैत अछि।

**१२६८. (A) प्रकृतिक भ्रमण हेतु** — कविता पाँखिक शालक रूपकसँ पक्षीक शीत-यात्रा देखबैत अछि।

**१२६९. (A) जाबत पंख नहि छैक** — कविता आश्रय आ स्वावलम्बन बीचक सम्बन्ध देखबैत अछि।

**१२७०. (A) साफ मुदा उलटा** — कविता प्रतिबिम्बक स्वच्छता आ उलटावक दार्शनिक संकेत देत अछि।

**१२७१. (A) गर्मी** — कविता प्रवासक थकान आ ग्रीष्म-आकर्षण देखबैत अछि।

**१२७२. (A) मजबूतीसँ ठाढ़** — कविता कठोर परिस्थिति मे दृढ़ जीवन-रूप देखबैत अछि।

**१२७३. (A) कठोर पातक बीच कोमल फूलक ताज** — कविता कठोरता आ कोमलता संग राखैत अछि।

**१२७४. (A) हवा सँ** — कविता मरुभूमिक सतह वायु-गठनक परिणाम रूपमे देखैत अछि।

**१२७५. (A) समतल** — लघु कविता वायु आ रेतक सरल दृश्य अछि।

**१२७६. (A) सूक्ष्म प्रकृति-रचना मे दिव्य कौशल** — कविता पातक डिजाइनमे कलात्मक सूक्ष्मता देखबैत अछि।

**१२७७. (A) गाछक पातसभ सँ** — कविता वर्षा बादक शेष जल-ध्वनि पकड़ैत अछि।

**१२७८. (A) प्रतिरूप बिना दृश्य अपूर्ण बुझाइत अछि** — कविता जल-प्रतिबिम्बक सौन्दर्य-वृद्धि देखबैत अछि।

**१२७९. (A) अपन सतरंजी** — कविता पातक बिछावनक दृश्यात्मक रूपक देत अछि।

**१२८०. (A) विभिन्न आकार-प्रकारक रंग-बिरंग जीवन** — कविता समुद्र-तलकैँ जैव-विविधता सँ भरल देखबैत अछि।

**१२८१. (A) आराम** — कविता लहरिक अनवरत तंग करबाक खेलिया रूपक देत अछि।

**१२८२. (A) आरो बेसी ऊँच** — कविता तुलनात्मक दृश्य-दूरी सँ ऊँचाईक अनुभव बढ़बैत अछि।

**१२८३. (A) उलटल** — कविता जलमे प्रकृतिक उलटा प्रतिबिम्ब देखबैत अछि।

**१२८४. (A) पंखरूपी पैराशूट** — कविता तितलीक उतरबाक दृश्य कैँ पैराशूट रूपकसँ सजबैत अछि।

**१२८५. (A) रमणीय** — लघु कविता ऊँचाई आ दृश्य-सौन्दर्यक क्षण पकड़ैत अछि।

**१२८६. (A) एकेटा खुशीक आभास** — कविता बालकक किलकारी आ खेलकेँ खुशीक संक्षिप्त बिम्ब बनबैत अछि।

**१२८७. (A) टेढ़-मेढ़ रेखा** — कविता बारिशक पानि सँ काँच पर बनल रेखांकन देखैत अछि।

**१२८८. (A) समुद्रक लहरिक उपर** — कविता मेघ, किरण आ लहरिक संयुक्त दृश्य देत अछि।

**१२८९. (A) कलरवक लयमे** — कविता ध्वनि आ जल-तरंगक संगीतात्मक सम्बन्ध बनबैत अछि।

**१२९०. (A) अति-संक्षिप्त दृश्य सँ प्रतीकात्मक भाव निकालब** — ज्योतिक छोट कवितासभ दृश्य, रूपक आ भाव-सूत्र पर आधारित अछि।

**१२९१. (A) पोखरि, नदी, समुद्र, झरना, ओस, बरसात** — कवितासभमे जल अनेक रूपमे अनुभव, गति आ प्रतिबिम्ब बनैत अछि।

**१२९२. (A) जीवन, रंग, जड़ आ सौन्दर्यक** — ज्योतिक कवितासभ वनस्पति संसारमे जीवंत अर्थ खोजैत अछि।

**१२९३. (A) उड़ान, विश्राम, प्रवास, परिवार आ जागरण** — पक्षी बिम्ब गतिशील जीवनक अनेक अवस्थासँ जोड़ल अछि।

**१२९४. (A) धैर्य, संतुलन, संवेदना आ विस्मय** — कवितासभ प्रकृति केँ अनुभव-गुरु बनबैत अछि।

**१२९५. (A) नारिकेरक कवच-फल, नागफनीक काँटा-फूल** — ज्योतिक कविता बाहरी कठोरता भीतर कोमलता खोजैत अछि।

**१२९६. (A) दृश्यक पूर्णता संग उलट दृष्टि सेहो देत अछि** — स्थिर जलमे उलटा प्रतिबिम्ब आत्म-दृष्टि जकाँ पढ़ल जा सकैत अछि।

**१२९७. (A) विकास, बालश्रम, आधुनिक जीवनदर्शन** — ज्योति प्रकृति-सौन्दर्य संग सामाजिक आधुनिकता पर आलोचनात्मक दृष्टि राखैत छथि।

**१२९८. (A) ओ जीवनक कोमलता केँ सामाजिक कठोरता सँ टकराबैत अछि** — बालकक कोमलता प्रकृति-कोमलता जकाँ संरक्षित होयबाक माँग करैत अछि।

**१२९९. (A) गाम, प्रकृति आ स्मृति केँ दूरसँ देखबाक संवेदना** — परिचयमे लंदन-निवास आ कवितामे गाम/प्रकृति-स्मृति मिलि प्रवासी संवेदना बनबैत अछि।

**१३००. (A) प्रकृति, गाम, आधुनिकता आ मानवीय संवेदना एक-दोसरासँ गुंथल अछि** — ज्योतिक सामग्री साधारण दृश्यकेँ विचारमय कवितामे बदलैत अछि।

**१३०१. (A) आलस त्यागि अपन घड़सँ बाहर निकलैत** — वसंतक आगमन जीव-जगतमे चेष्टा आ जागरणक संकेत बनैत अछि।

**१३०२. (A) दिनक उजास आ चमकक आरम्भ** — एहि छोट कवितामे सूर्यक आभा दिनकेँ हीरक चमक देबाक रूपमे चित्रित अछि।

**१३०३. (A) जीवनमे प्रकाश आ ऊर्जा लेल स्वाभाविक आकांक्षा** — गाछक होड़ जीवनक वाढ़ि, प्रकाशलोलुपता आ प्रकृतिक सक्रियता देखबैत अछि।

**१३०४. (A) ग्रामीण-प्राकृतिक आ आध्यात्मिक दृश्य** — मंदिर, खजूर आ पोखरि मिलि सांस्कृतिक-प्राकृतिक परिसर बनबैत अछि।

**१३०५. (A) पुरानक अवसान नव जीवनक बाट खोलैत अछि** — पतझड़केँ नाश नहि, नवीकरणक प्रक्रिया रूपमे पढ़ल गेल अछि।

**१३०६. (A) ऊँचाई लेल गहिर आधार चाही** — कविता उन्नति आ आधारक संतुलन पर बल दैत अछि।

**१३०७. (A) चमकैत हँसीसँ** — ओसक चमककेँ हँसीक सौम्य प्रसन्नता देल गेल अछि।

**१३०८. (A) सोन सन कम्बल** — पाकल खेतक सुनहला विस्तारकेँ कम्बल रूपकसँ देखायल गेल अछि।

**१३०९. (A) प्रकृतिक शक्ति उपयोगी सेहो, विनाशकारी सेहो भऽ सकैत अछि** — कविता एके प्राकृतिक तत्त्वक द्वैत स्वरूप देखबैत अछि।

**१३१०. (A) आश्रय** — वनस्पति संसार प्राणी-जगतक आश्रय आ जीवन-आधार बनैत अछि।

**१३११. (A) उपहास करैत, बेर-बेर नुकाइत** — मेघक अनिश्चितता किसानक आशा-निराशा संग खेल करैत अछि।

**१३१२. (A) प्रतीक्षा बनैत अछि मुदा फल नहि भेटैत** — गरजन बिना बरखा लोकक अपेक्षाभंगक रूप अछि।

**१३१३. (A) बाँध तोड़ि गामक गाम जलमग्न करैत** — कविता वर्षाक अतिरेककेँ कोसी-बाढ़क विनाशसँ जोड़ैत अछि।

**१३१४. (A) खेतीक जीवन वर्षा-अनिश्चिततासँ बन्हल अछि** — बरखा कृषि-संस्कृति लेल जीवनरेखा अछि, मुदा ओकर अनुपात अनिश्चित अछि।

**१३१५. (A) अति वर्षासँ लोक अकच्छ भऽ गेल** — कविता आवश्यक बरखा आ अतिरेक बरखा बीचक भेद करैत अछि।

**१३१६. (A) बेंग घुसैत, ओकरा खिहारैत साँप आबय सकैत** — अतिवृष्टि घरेलू जीवनमे असुविधा, भय आ रोगक जड़ बनैत अछि।

**१३१७. (A) स्वास्थ्य-संकट** — कविता प्रकृति-घटना केँ जनस्वास्थ्यक प्रश्नसँ जोड़ैत अछि।

**१३१८. (A) निरन्तर धाराक मारि** — अतिवृष्टि वर्गीय असमानता उजागर करैत अछि—गरीबक आश्रय बेसी असुरक्षित अछि।

**१३१९. (A) ऋतुचक्रक अगिला चुनौती** — कविता कहैत अछि जे एक संकट टलला पर दोसर ऋतु-चुनौती अबैत अछि।

**१३२०. (A) बरखा बादक उजास आ आशाक स्मरण** — पिनसोखा अर्थात इन्द्रधनुष वर्षा बादक उज्ज्वल संकेत बनैत अछि।

**१३२१. (A) इतिहास आ संस्कृति सँ** — कविता मिथिलाक सांस्कृतिक धरोहरक धनीपन आ संरक्षणक अभाव दुनू पर ध्यान दैत अछि।

**१३२२. (A) समृद्ध सभ्यता उपेक्षासँ नष्ट भऽ सकैत अछि** — ज्योति चेतावनी दैत छथि जे जागरण नहि भेल तँ पाछाँ पछतावा रहत।

**१३२३. (A) प्रगतिक दावा आ वास्तविक सामाजिक संकटक विरोधाभास देखाबय लेल** — कविता आधुनिकता आ सामाजिक असमानता बीचक खिंचाव देखबैत अछि।

**१३२४. (A) सभ्यता कैं सुरक्षित आधार देबाक लेल** — मिथिलाक सभ्यता बचाबय लेल जीवनदायी उपाय/संस्था चाही, से भाव अछि।

**१३२५. (A) मिथिलाक विशेषताक विस्तार आ संरक्षण** — कविता स्थानीय सभ्यता कैं विश्व-दृष्टि मे सुरक्षित करबाक चाह राखैत अछि।

**१३२६. (A) कर्मठ आ कुशल कार्य लेल** — भक्ति कर्म-विमुख नहि, कर्म-संगमक रूपमे कल्पित अछि।

**१३२७. (A) अपन भार सहि आनक प्रयोजन पर आगाँ बढ़य लेल** — पद-प्रार्थना सेवा, साहस आ नैतिक गतिक भाव दैत अछि।

**१३२८. (A) शारदाक निवास, मिठास आ शीतलता** — वाणी ज्ञान, मधुरता आ संयमक साधन बने, से प्रार्थना अछि।

**१३२९. (A) ईश्वर सर्वत्र छथि, बाह्य तीर्थ टा पर्याप्त नहि** — कविता आन्तरिक दृष्टि आ सर्वव्यापक ईश्वर-बोध पर बल दैत अछि।

**१३३०. (A) सर्वहितकारी सक्रिय भक्ति** — आराधना सामाजिक नैतिकता आ लोककल्याणसँ जुड़ि गेल अछि।

**१३३१. (A) बाड़ीमे** — खरहा बाड़ीमे रोपल साग-पात कुचरिकऽ चरैत अछि।

**१३३२. (A) प्रतिदिनक मेहनतिक बाड़ी खरहा नष्ट करैत अछि** — कविता श्रमक नाश आ गृहस्थक असहायता देखबैत अछि।

**१३३३. (A) ओ तुरन्त पड़ाइत अछि** — प्राणी-संसारक चपलता आ मनुष्यक असफल क्रोधक दृश्य अछि।

**१३३४. (A) श्रम आ धैर्य जीवनक आवश्यक आधार अछि** — खरहा-बिम्बक बाद कविता मनुष्य-जीवनक व्यावहारिक नीति दैत अछि।

**१३३५. (A) उन्मुक्त, विषादहीन आ स्नेहसिक्त लोकमे** — कल्पनालोक दुख-रोषरहित, स्नेह आ शांति सँ भरल संसार अछि।

**१३३६. (A) स्वास्थ्य आ जीवनक पल्लवित अवस्था** — कविता कल्पनालोककैं जीवनदायी, हरियर आ स्वास्थ्यपूर्ण देखबैत अछि।

**१३३७. (A) ओ अपूर्व आत्मसंतोष दैत अछि** — कविता शांति कैं आत्मिक संतोषक अनुभव बनबैत अछि।

**१३३८. (A) वास्तविकतामे बच्चा-वृद्ध सहित सभ समस्या सँ जूझैत अछि** — कल्पना-स्वर्गक विपरीत वास्तविक संसार संघर्षमय अछि।

**१३३९. (A) घर-घर लोक शिक्षित आ समृद्ध होयब पर** — कविता शिक्षा आ समृद्धिकैं कल्पनालोक साकार करबाक साधन मानैत अछि।

**१३४०. (A) व्यावहारिक श्रम-संघर्ष आ आदर्श समाजक चाह** — एक कविता श्रमक नाश देखबैत अछि, दोसर आदर्श लोकक कल्पना करैत अछि।

**१३४१. (A) मिथिलाक प्राकृतिक आपदा आ सरकारी उपेक्षा** — कविता कोसी-बाढ़, जन-पीड़ा आ शासनक बहिरापनक आलोचना करैत अछि।

**१३४२. (A) आपदा-पीड़ित लोकक पीड़ा न सुनब** — कविता आपदा-प्रबंधनमे संवेदनहीनता पर चोट करैत अछि।

**१३४३. (A) बारंबार विनाशकारी बाढ़क कारण** — कोसीक बाढ़-इतिहास मिथिला-बिहारक स्थायी संकटक रूपमे देखायल अछि।

**१३४४. (A) जलवायु आ पर्यावरणीय संकट** — कविता प्राकृतिक आपदाकैं मानव-निर्मित पर्यावरण संकटसँ जोड़ैत अछि।

**१३४५. (A) भूगोलवेत्ता आ अभियंता** — कविता वैज्ञानिक-तकनीकी योजना द्वारा आपदा-नियन्त्रणक बात करैत अछि।

**१३४६. (A) सिंचाइ आ विद्युत निर्माण** — कवि जलशक्तिक सकारात्मक उपयोगक कल्पना करैत छथि।

**१३४७. (A) समय-सँ पैबंद, काज दिस भागैत** — कविता शहरी अनुशासन आ काज-केंद्रित जीवन देखबैत अछि।

**१३४८. (A) ठंढ, अनुशासन आ निजी दूरीक** — लन्दनक दृश्य आधुनिक नगरक यांत्रिक समय-बद्धता देखबैत अछि।

**१३४९. (A) श्रम-सम्मान आ स्वावलम्बन** — कविता श्रमक मर्यादा कैं असल सामाजिक राजक आधार मानैत अछि।

**१३५०. (A) व्यवस्था, श्रम, अनुशासन आ जनजीवनक प्रश्न** — दूनू कविता सामाजिक यथार्थकैं नैतिक-व्यवस्थात्मक दृष्टिसँ देखैत अछि।

**१३५१. (A) संतरा, पीयर, लाल, भूरा** — पतझड़क रंग-परिवर्तन कविता मे सौन्दर्य आ क्षय दुनू बनैत अछि।

**१३५२. (A) सन्न्यास आ रूपान्तरण** — गेरुआ वस्त्र रूपक प्रकृतिमे विरक्ति, तप आ ऋतु-परिवर्तनक संकेत दैत अछि।

**१३५३. (A) क्षय-पतन बाद नवजीवनक आशा** — कविता पतझड़कैं अंतिम नाश नहि, नवीकरणक पूर्वपीठिका मानैत अछि।

**१३५४. (A) आमक गाछ** — वृद्ध भावी पीढ़ी लेल आमक कलम रोपैत अछि।

**१३५५. (A) बाप-दादाक रोपल कलमक ऋण** — कविता पीढ़ीगत स्मृति आ प्रतिदानक भाव दैत अछि।

**१३५६. (A) बाल-बच्चाक जीवनमे मिठास घोरेबाक लेल** — वृद्ध अपना जीवनसँ आगाँ सोचि भविष्यक पीढ़ी कैं फल देबाक चाह रखैत अछि।

**१३५७. (A) ऊँच-ऊँच भव्य भवन आ वास्तुकला** — कविता टेम्स तट पर आधुनिक वास्तु आ तकनीकी विकासक दृश्य देखबैत अछि।

**१३५८. (A) अपन प्रांतक बाढ़-समस्या** — विदेशी जल-अनुशासन देखि कवि अपन प्रदेशक बाढ़-संकट मोन करैत छथि।

**१३५९. (A) छठिक अर्घ्यदीपक भरमारसँ** — विदेशी नदी-दृश्य मिथिलाक छठि-संस्कारक स्मृति जगा दैत अछि।

**१३६०. (A) दूरक दृश्यसँ मिथिला आ प्रकृति कैं फेर पढ़ैत अछि** — टेम्स, लन्दन आ मिथिलाक स्मृति एक-दोसरासँ संवाद करैत अछि।

**१३६१. (A) कम्प्यूटर: की आ किएक?** — लेख कम्प्यूटरक अर्थ, उपयोग आ आजुक आवश्यकतासँ आरम्भ होइत अछि।

**१३६२. (A) संगणक** — संगणक शब्दक उल्लेख अछि, मुदा लेखक मानैत छथि जे बहुत लोक एहि शब्दसँ अनभिज्ञ अछि।

**१३६३. (A) कम्प्यूटर अनुप्रयोग प्रयोग कऽ काज करब** — कम्प्यूटर साक्षर व्यक्ति कम्प्यूटरक सहायता सँ व्यावहारिक काम करि सकैत अछि।

**१३६४. (A) कम्प्यूटर साक्षर होयबाक** — लेख कम्प्यूटरक व्यापक उपयोगक कारण सभक लेल कम्प्यूटर साक्षरता आवश्यक मानैत अछि।

**१३६५. (A) सॉफ्टवेयर अभियंता** — परिचयमे ओ सॉफ्टवेयर अभियंता आ वेब/एप्लिकेशन आधारित सॉफ्टवेयर निर्माणसँ जुड़ल बताओल गेल छथि।

**१३६६. (A) माइक्रोसॉफ्टक विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर शोध-विकास** — परिचयमे माइक्रोसॉफ्ट, वाशिंगटनमे विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर योगदानक उल्लेख अछि।

**१३६७. (A) वेब-आधारित मंच/फोरम** — परिचयमे अनुभवी सहयोगी संग वेबसाइट द्वारा मुफ़्त कैरियर सुझावक उल्लेख अछि।

**१३६८. (A) प्रौद्योगिक शब्दावलीक व्यवहारिक कठिनाइ देखाबय लेल** — लेखक मानैत छथि जे शुद्ध स्थानीय शब्द सभक लेल सहज नहि, तें व्यवहारिक भाषा-प्रयोगक प्रश्न उठैत अछि।

**१३६९. (A) लगभग सभ काममे उपयोगिता** — लेख कम्प्यूटरकेँ आधुनिक जीवनक बहु-क्षेत्रीय उपकरण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।

**१३७०. (A) आधुनिक कामकाजमे सहभागी होयबाक आधार** — कम्प्यूटर साक्षरता रोजमर्रा, कार्यालयी आ पेशागत जीवनक आवश्यक दक्षता बनैत अछि।

**१३७१. (A) दरख्वास्त वा चिट्ठी लिखबाक प्रसंगमे** — लेखक आवेदन/चिट्ठी टाइप करबाक उदाहरणसँ कम्प्यूटरक लाभ बुझबैत छथि।

**१३७२. (A) हिज्जै, अनुच्छेद-संरेखण आ मार्जिनक गलतीक सम्भावना** — टाइपराइटरमे सुधार-सुविधा सीमित रहबाक कारण त्रुटि सम्भावना बेसी रहैत अछि।

**१३७३. (A) गलत हिज्जै चिन्हा सकैत अछि** — कम्प्यूटर लेखनमे त्रुटि-पहचानक साधन प्रदान करैत अछि।

**१३७४. (A) लिखित सामग्री अधिक शुद्ध बनि सकैत अछि** — स्पेलिंग आ ग्रामर सहायता कार्यालयी लेखनकेँ सुधारैत अछि।

**१३७५. (A) बहुत सुविधाजनक** — लेखक दस्तावेज सज्जा आ रूपायनमे कम्प्यूटरक सुविधा पर बल दैत छथि।

**१३७६. (A) चिट्ठी/दरख्वास्त लिखब, सज्जा आ प्रिन्टआउट देब** — दस्तावेज-निर्माणक आवश्यक सुविधा सॉफ्टवेयर पैकेजमे उपलब्ध मानल गेल अछि।

**१३७७. (A) लिखित सामग्रीकेँ साफ-सुथरा प्रतिरूपमे देबाक सुविधा** — कम्प्यूटर लिखल सामग्रीकेँ सुगठित छापामे बदलि सकैत अछि।

**१३७८. (A) कम्प्यूटर लेखनक शुद्धता, रूपायन आ पुनरुत्पादन सुलभ करैत अछि** — कम्प्यूटरक व्यावहारिक लाभ दस्तावेज-सृजनमे स्पष्ट होइत अछि।

**१३७९. (A) दैनिक कामकाजक छोट उदाहरण द्वारा** — लेख तकनीकक महत्व जटिल सिद्धान्त नहि, साधारण दफ्तरक काजसँ बुझबैत अछि।

**१३८०. (A) आम उपयोगकर्ता लेल सेहो** — आवेदन, चिट्ठी, प्रिन्टआउट आदि उदाहरण कम्प्यूटरकेँ आम नागरिकक उपकरण बनबैत अछि।

**१३८१. (A) धूम-धड़ाका सँ प्रयोगमे अछि** — लेख बैंकिंग क्षेत्रमे कम्प्यूटरक व्यापक उपयोगक उल्लेख करैत अछि।

**१३८२. (A) कम्प्यूटरक उपयोग स्वास्थ्य-क्षेत्र धरि पहुँचल अछि** — उदाहरण देखबैत अछि जे कम्प्यूटर केवल कार्यालयीय लेखन नहि, विशेषज्ञ क्षेत्रमे सेहो आवश्यक अछि।

**१३८३. (A) यातायात व्यवस्था मे कम्प्यूटरक उपयोग** — लेख आधुनिक सेवा-व्यवस्था मे कम्प्यूटरक आधारभूत भूमिका देखबैत अछि।

**१३८४. (A) नोनसँ** — 'तरकारीमे नोन' रूपक कम्प्यूटरक अनिवार्यता कैं लोकभाषिक ढंगसँ बुझबैत अछि।

**१३८५. (A) डिजिटल कौशलक अभाव आधुनिक जीवनमे परनिर्भरता बढ़बैत अछि** — लेख कम्प्यूटर साक्षरता कैं स्वावलम्बनक आधार मानैत अछि।

**१३८६. (A) कम्प्यूटर निरक्षरता आधुनिक निरक्षरता जकाँ देखल जा रहल अछि** — कहावत कम्प्यूटर साक्षरता कैं आधुनिक शिक्षा-सूचक बनबैत अछि।

**१३८७. (A) पोस्टकार्ड, अन्तर्देशीय, लिफाफा आ डाकघर** — ई अंश डाक-आधारित संचारक पुरान व्यवस्था मोन करबैत अछि।

**१३८८. (A) कुरियर आ ई-मेल** — लेखक बतबैत छथि जे कुरियर आ ई-मेल डाकक एकाधिकार कैँ बदलि देलक।

**१३८९. (A) पोस्ट ऑफिसक रस्ता-पेरा आ डाकियाक प्रतीक्षा** — ई-मेल त्वरित संचारक नब माध्यम बनि लोककैँ पुरान प्रतीक्षासँ मुक्त करैत अछि।

**१३९०. (A) कम्प्यूटर शिक्षा आधुनिक जीवन, कामकाज आ संचारक जरूरी आधार अछि** — लेख कम्प्यूटर साक्षरताकैँ शिक्षा, कार्यालय, सेवा आ संचारक बीच केंद्रीय बनबैत अछि।

**१३९१. (A) दैनिक उदाहरण आ लोकभाषिक रूपक द्वारा** — दरख्वास्त, चिट्ठी, बैंक, रेल आ ई-मेल सन उदाहरण पाठक लेल विषय सुगम बनबैत अछि।

**१३९२. (A) स्थानीय भाषा आ आधुनिक तकनीक बीचक शब्द-संकट देखाबय लेल** — प्रौद्योगिकी शब्दावली मे मातृभाषाक व्यवहारिक चुनौती ई अंश देखबैत अछि।

**१३९३. (A) तकनीकी व्यवहारमे प्रचलित शब्दक उपयोगिताक कारण** — लेखक व्यवहारिक तकनीकी भाषा मे प्रचलित शब्द स्वीकार करैत छथि।

**१३९४. (A) जानकारी होयबासँ व्यक्ति अपन काज अपने कऽ सकैत अछि** — कम्प्यूटरक प्रयोग क्षमता व्यक्ति कैँ आधुनिक कार्यप्रणालीमे आत्मनिर्भर बनबैत अछि।

**१३९५. (A) कम्प्यूटरक उपयोग बड़े संस्थानसँ उतरि सामान्य कारोबार धरि पहुँचल** — कम्प्यूटरक प्रसार व्यापक सामाजिक-आर्थिक स्तर पर भेल देखायल अछि।

**१३९६. (A) डिजिटल कामकाजक संस्थानीकरण** — कम्प्यूटर अब व्यवसायिक ढाँचा आ श्रम-बाजारक हिस्सा बनि गेल अछि।

**१३९७. (A) लेखन, बैंकिंग, मेडिकल, रेल, विमान, इंटरनेट आ पत्राचार धरि** — लेख आधुनिक जीवनक अनेक क्षेत्रमे कम्प्यूटरक प्रवेश रेखांकित करैत अछि।

**१३९८. (A) उपयोग-प्रधान** — लेख कम्प्यूटरकैँ व्यावहारिक सुविधा आ सक्षमता दैत उपकरण मानैत अछि।

**१३९९. (A) मैथिलीमे आधुनिक ज्ञान-विषयक गद्यक विस्तार** — ई लेख मैथिली गद्यकैँ विज्ञान-प्रौद्योगिकी विषय धारण करबाक क्षमता दैत अछि।

**१४००. (A) कम्प्यूटर सीखब आधुनिक जीवनक अनिवार्य दक्षता अछि** — लेखक कम्प्यूटर साक्षरता कैँ आजुक समयक आधारभूत योग्यता मानैत छथि।

**१४०१. (A) यात्रा-वृत्तान्त** — लेखमे यायावरी यात्रा-वृत्तान्त रूपमे आरम्भ होइत अछि।

**१४०२. (A) व्यवसाय केर भाषा** — ओ स्पष्ट करैत छथि जे अंग्रेजी हुनकर व्यावसायिक लेखनक भाषा रहल।

**१४०३. (A) कारण ओ मिथिलामे नहि रहलाह आ शुद्ध मैथिली-संस्कृत नहि पढ़लाह** — लेखक भाषिक असुरक्षा स्वीकार करैत छथि, जे लेखनकैँ ईमानदार बनबैत अछि।

**१४०४. (A) डॉ. विश्वनाथ झा** — लेखमे डॉ. विश्वनाथ झाक आग्रहसँ यायावरी स्तम्भ आरम्भ भेल बतायल अछि।

**१४०५. (A) गजेन्द्र बाबू** — लेखक कहैत छथि जे गजेन्द्र बाबू बारंबार विदेह लेल मैथिलीमे लिखबाक आग्रह केलनि।

**१४०६. (A) गलतीपर बेसी ध्यान नहि देबाक** — ओ विषय आ वर्णन पढ़बाक आग्रह करैत छथि, भाषा-त्रुटि पर अत्यधिक ध्यान नहि।

**१४०७. (A) असमक नॉर्थ कछार हिल्ससँ** — लेखक असमक रम्य, कठिन आ बहुरंगी भूखंड नॉर्थ कछार हिल्ससँ शुरुआत करैत छथि।

**१४०८. (A) भव्य, रम्य, आकर्षक, कठिन आ अनेक रंग-उल्लाससँ भरल भूखंड** — लेखक ए क्षेत्रक सौन्दर्य, कठिनता आ सांस्कृतिक विविधता एक साथ देखबैत छथि।

**१४०९. (A) उत्तर-पूर्व भारतमे संस्कृति आ विरासत संरक्षण** — लेख सांस्कृतिक प्रलेखन आ संरक्षणक संस्थागत पृष्ठभूमि बतबैत अछि।

**१४१०. (A) नम्र आत्मस्वीकार, यात्रा-संवेदना आ सांस्कृतिक प्रतिबद्धता** — लेखक अपन भाषिक संकोच स्वीकार करैत, यात्रा आ संस्कृति रक्षणक यात्रा शुरू करैत छथि।

**१४११. (A) गुवाहाटी** — लेखमे गुवाहाटी भ्रमण करनिहार लेल कलाक्षेत्र अवश्य देखबाक स्थल कहल गेल अछि।

**१४१२. (A) चौंसठ बीघा** — लेखक लगभग ६४ बीघा पहाड़ी धरतीमे बनल एहि परिसरक वर्णन करैत छथि।

**१४१३. (A) फव्वारा, फूलबारी, भवन, संग्रहालय, कला दीर्घा, टॉय रेल** — लेख परिसरक बहु-आयामी सांस्कृतिक-सौन्दर्यात्मक संरचना बतबैत अछि।

**१४१४. (A) जूता-चप्पल बाहर खोलब** — लेख असमक दैनिक सांस्कृतिक शिष्टाचारक उल्लेख करैत अछि।

**१४१५. (A) श्रीमंत शंकरदेव** — असमक महान वैष्णव संत शंकरदेवक नामपर ई सांस्कृतिक परिसर बनल अछि।

**१४१६. (A) उत्तर-पूर्व, विशेषतः असमक संस्कृति, विरासत आ गौरवक संरक्षण-संवर्धन** — लेख कलाक्षेत्रकैँ सांस्कृतिक विरासत संरक्षणक संस्थान रूपमे देखबैत अछि।

**१४१७. (A) असमक इतिहासक प्रस्तुति लेल** — परिसरमे असम-इतिहास दर्शाबय लेल प्रकाश-ध्वनि कार्यक्रमक उल्लेख अछि।

**१४१८. (A) रिप्रोडक्शन** — लेख परिसरमे ऐतिहासिक रंगघरक प्रतिरूप देखबाक बात कहैत अछि।

**१४१९. (A) उत्तर-पूर्वक सांस्कृतिक संरचना आ संरक्षण-दृष्टि खोलैत अछि** — कलाक्षेत्र यात्रा-लेखक सांस्कृतिक प्रलेखन-स्वरक प्रवेशद्वार बनैत अछि।

**१४२०. (A) शंकरदेव कलाक्षेत्र अवश्य देखू** — लेखक कलाप्रेमी यात्री लेल कलाक्षेत्रकेँ महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल मानैत छथि।

**१४२१. (A) शंकरदेव मैथिल छलाह, हुनकर पितामह मिथिलासँ असम गेलाह** — लेखमे शंकरदेवक सम्भावित मैथिल सम्बन्धक चर्चा शोध-विषय रूपमे उठैत अछि।

**१४२२. (A) शंकरदेव नहि, मुदा हुनकर पिता मिथिला आएल छलाह** — लेख पंजी-आधारित ऐतिहासिक संकेतक गहन शोधक माँग करैत अछि।

**१४२३. (A) मैथिल-सांस्कृतिक इतिहासक सम्भावित महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध प्रमाणित करबाक लेल** — यदि शंकरदेवक मैथिल संबंध सिद्ध हो, तकर सांस्कृतिक गौरवक अर्थ लेखक बतबैत छथि।

**१४२४. (A) बिहार सरकारसँ शंकरदेव पर शोध-परियोजना आरम्भ करबाक निवेदन** — लेखक संस्थागत शोध-परियोजना लेल आग्रह करैत छथि।

**१४२५. (A) पूर्वमे विवादित/दावित सम्बन्ध शोधसँ प्रमाणित भऽ सकैत अछि, से देखाबय लेल** — लेखक कहैत छथि जे जेना विद्यापतिक मैथिलत्व प्रमाणित भेल, तहि तरहें शंकरदेव पर शोध हो।

**१४२६. (A) शंकरदेव कलाक्षेत्रक सचिव, सुलझल आ सक्रिय व्यक्ति** — गौतम शर्मा कलाक्षेत्रक सचिव रूपमे यात्रा आ सांस्कृतिक कार्यक प्रमुख सहयोगी छथि।

**१४२७. (A) हुनकर इशारा पर समन्वित रूपसँ** — लेखक हुनका गतिशील प्रशासक आ स्नेही संयोजक रूपमे चित्रित करैत छथि।

**१४२८. (A) गुवाहाटी, तेजपुर आ आगूक सांस्कृतिक कार्यक्रमक आधार** — हुनकर सहयोगसँ उत्तर-पूर्वमे कई सांस्कृतिक कार्यक्रम सफल भेल।

**१४२९. (A) जे क्षेत्रक संस्कृति/विरासत पर विशेष कार्य नहि भेल हो** — यायावरीक ध्येय उपेक्षित सांस्कृतिक क्षेत्रक प्रलेखन अछि।

**१४३०. (A) स्थानीय परम्परा, पंजी-साक्ष्य आ संस्थागत शोधकेँ जोड़ब** — लेख सम्भावना केँ निष्कर्ष नहि बनबैत; शोधक आवश्यकता स्पष्ट करैत अछि।

**१४३१. (A) चारि** — अपर असम, लोअर असम, बराक घाटी आ नॉर्थ कछार घाटी—चारि विभाजन बतायल गेल।

**१४३२. (A) सांस्कृतिक वैविध्य, सौन्दर्य, मुदा उपद्रव-बन्दक कारण गलत छवि** — क्षेत्र सौन्दर्य आ विविधतासँ भरल अछि, मुदा हिंसक घटनाक कारण लोक बचैत अछि।

**१४३३. (A) शृंगार-नकमुन्नी** — एहि रूपकसँ लेखक क्षेत्रक सांस्कृतिक सौन्दर्य रेखांकित करैत छथि।

**१४३४. (A) आठ दिनक संस्कृति आ विरासत प्रलेखन कार्यक्रम** — २३ नवम्बर २००७ सँ आठ दिनक प्रलेखन कार्यक्रम बनल।

**१४३५. (A) टाटा सूमो/जीपसँ** — टीम सड़कमार्गे गुवाहाटीसँ हाफलॉंग गेल।

**१४३६. (A) २६१ किलोमीटर** — लेखमे गुवाहाटीसँ हाफलॉंग २६१ किलोमीटर बतायल अछि।

**१४३७. (A) चन्दा लेल** — रास्तामे उत्सव-प्रसंगक चन्दा-संग्रहक दृश्य अछि।

**१४३८. (A) सड़कक कात माटिमे** — चारि घण्टा प्रतीक्षा बाद सेनाक सहायता सँ चक्का निकालल गेल।

**१४३९. (A) आगमनसँ दू दिन पहिले गोलीक घटना भेल छल** — क्षेत्रक असुरक्षा-छवि यात्रा-संस्मरणमे वास्तविक तनाव जोड़ैत अछि।

**१४४०. (A) ऊँच स्थान पर अंग्रेजी हुकूमतक समयक भव्य मकान** — हाफलॉंग सर्किट हाउससँ शहर आ आसपासक प्रकृति देखल जा सकैत अछि।

**१४४१. (A) नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनोमस काउंसिलक कला एवं संस्कृति विभाग** — लेखमे लंगथासा कला एवं संस्कृति विभागक निदेशक रूपमे उपस्थित छथि।

**१४४२. (A) दिमासा** — लेखक हुनका उदार, संस्कृति-प्रेमी आ दिमासा जनजातिक बतबैत छथि।

**१४४३. (A) ओ सभ उपेक्षित क्षेत्रक संस्कृति-धरोहर संरक्षण लेल आयल छल** — स्थानीय सांस्कृतिक धरोहरक चिन्ता करनिहार बाहरी संस्थागत टोली हुनका लेल महत्व रखैत अछि।

**१४४४. (A) यदि सहयोग भेटत तँ बेर-बेर संरक्षण-संवर्धन हेतु आएब** — लेखक स्थानीय सहयोगक शर्त पर दीर्घकालीन सांस्कृतिक कार्यक आश्वासन दैत छथि।

**१४४५. (A) संस्कृति-रक्षणक विरोधी नहि** — लेख एक सूक्ष्म बात कहैत अछि—राजनीतिक संघर्ष हो, तइयो सांस्कृतिक संरक्षणक प्रति सहमति सम्भव।

**१४४६. (A) लंगथासा महोदयक प्रयाससँ** — स्थानीय प्रशासनिक-सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम सम्भव बनबैत अछि।

**१४४७. (A) पाँच हजार** — लेखमे पाँच हजार लोकक उपस्थिति सांस्कृतिक उत्साह देखबैत अछि।

**१४४८. (A) परम्परागत रंग-बिरंग वस्त्र पहिरि** — विभिन्न जनजातिक लोग अपन पारम्परिक वस्त्रमे कार्यक्रममे आएल।

**१४४९. (A) स्थानीय लोककेँ सांस्कृतिक गौरव प्रति जागृत करय आ दस्तावेजीकरण करय** — सांस्कृतिक प्रलेखन बाहरी उपदेश नहि, स्थानीय जागरण आ सहयोगक प्रक्रिया बनैत अछि।

**१४५०. (A) कार्य रुकत नहि, निरन्तर चलत** — लेखक सांस्कृतिक संरक्षणक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता व्यक्त करैत छथि।

**१४५१. (A) करीब ४५२९ वर्ग किलोमीटर** — लेखक क्षेत्रक वन-संपदा पर तथ्यात्मक ध्यान दैत छथि।

**१४५२. (A) लांगटिंग-मूपा, कुरुंग, बोराइल** — लेख सुरक्षित वनक्षेत्रक नाम देत उत्तर-पूर्वक पारिस्थितिक संरचना बतबैत अछि।

**१४५३. (A) लंगथासा, संजय डूंग आ अन्य स्थानीय अधिकारीगण** — सांस्कृतिक विभागक स्थानीय सहयोगी टोली लेखककेँ पहाड़ी आ जटिंगा दिस लए चलल।

**१४५४. (A) अन्हरिया राति रोशनी देख चिड़ै झुंडमे खसैत अछि** — जटिंगाक पक्षी-रहस्य लेखकक जिज्ञासाक प्रमुख कारण बनल।

**१४५५. (A) बेंत आ बाँसक झाड़ी** — लेखक उत्तर-पूर्वक बाँस-समृद्ध पारिस्थितिकी देखबैत छथि।

**१४५६. (A) लगभग ३०७९०० हेक्टेयर** — लेखमे बाँसक व्यापक उपस्थिति तथ्य रूपमे दी गेल अछि।

**१४५७. (A) ३३** — लेखक असमक बाँस-विविधताक तथ्यात्मक उल्लेख करैत छथि।

**१४५८. (A) २०** — असमक ३३ नस्लमे लगभग २० एहि क्षेत्रमे उपलब्ध बतायल गेल।

**१४५९. (A) झोपड़ी, जाफरी, पूल, बर्तन, फर्नीचर, कृषि-उपकरण, हस्तकला** — बाँस स्थानीय जीवनक बहु-उपयोगी आधार रूपमे उपस्थित अछि।

**१४६०. (A) तरकारी आ अचार** — लेख बाँसकेँ भोजन-संस्कृति धरि जोड़ि देखबैत अछि।

**१४६१. (A) बोराइल रेंज** — लेखमे जटिंगा बोराइल रेंजक foothills पर बसल बतायल अछि।

**१४६२. (A) आठ किलोमीटर** — लेखक जटिंगाकेँ हाफलॉंग शहरसँ आठ किलोमीटर दूर बतबैत छथि।

**१४६३. (A) प्रवासी आ देशी चिड़ै सभक** — जटिंगा विभिन्न पक्षी समुदायक विश्राम-स्थल रूपमे वर्णित अछि।

**१४६४. (A) सितम्बर-अक्टूबर** — लेखमे सितम्बर-अक्टूबरक अन्हरिया पक्षक रातिक उल्लेख अछि।

**१४६५. (A) टॉर्च आ मशाल** — कृत्रिम रोशनी—टॉर्च, मशाल आदि—चिड़ै सभकेँ झलफलाबैत अछि।

**१४६६. (A) बाँसक लग्गी वा बत्ती** — लेख शिकार-प्रथा मे बाँसक लग्गी/बत्ती उपयोगक उल्लेख करैत अछि।

**१४६७. (A) दक्षिण-पश्चिमसँ उत्तर-पूब** — वातावरणीय शर्तमे हवा-दिशा प्रमुख कारण रूपमे बतायल अछि।

**१४६८. (A) घटनाक अनुकूल वातावरण बनबैत अछि** — धूंध, शीत आ रोशनी मिलि चिड़ै सभक झलफलाहट बढबैत अछि।

**१४६९. (A) देशी चिड़ै** — लेखक स्पष्ट करैत छथि जे कृत्रिम रोशनीसँ प्रभावित अधिकांश देशी चिड़ै अछि।

**१४७०. (A) मात्र डेढ़ किलोमीटर लम्बाई आ २०० मीटर चौड़ाईक खास क्षेत्रमे** — घटना खास भौगोलिक पट्टीमे सीमित बतायल गेल।

**१४७१. (A) १९१४ ई.क आसपास** — लेखमे १९१४ ई.क आसपासक घटना-स्मृति दर्ज अछि।

**१४७२. (A) बाँसक फट्टीमे कपड़ा बान्हि मटिया तेल डालि** — बरद खोजय लेल बनल मशाल जटिंगा पक्षी-घटनाक आरम्भिक अनुभवसँ जुड़ल अछि।

**१४७३. (A) भूत-प्रेतक भ्रम आ अनिष्टक डर छल** — जेमी नागा समुदायमे भूत-प्रेत चिड़ै बनि विचरण करैत अछि, एहन मान्यता छल।

**१४७४. (A) रोशनीसँ झलफलायल चिड़ै पकड़ि घर आनि खयलनि** — लाखन-साराक अनुभवक बाद चिड़ै-शिकारक प्रथा शुरू भेल।

**१४७५. (A) कृत्रिम रोशनीक सहारे संहार** — भय टूटलाक बाद लोक अन्हरिया राति रोशनीसँ चिड़ै मारय लागल।

**१४७६. (A) एहि परम्परा पर रोक लगायल गेल** — औपनिवेशिक प्रशासन पक्षी-शिकार रोकबाक प्रयास कएलक।

**१४७७. (A) लोक नुका-चोरा कऽ फेर शिकार करय लगल** — स्वतंत्रता बाद प्रतिबन्ध कमजोर पड़ल आ चोरी-छिपे शिकार शुरू भेल।

**१४७८. (A) कृत्रिम रोशनीसँ चिड़ै मारबाक प्रथा पर पुनः प्रतिबन्ध** — बादक संरक्षण-प्रयास पक्षी-हिंसा रोकबाक दिशामे गेल।

**१४७९. (A) चिड़ैकेँ गोलीसँ नहि, कैमरा सँ शूट करू** — यह संदेश पक्षी-शिकारसँ पक्षी-दर्शन आ फोटोग्राफी दिस नैतिक परिवर्तन सुझबैत अछि।

**१४८०. (A) लोकविश्वास, पर्यावरण, विज्ञान आ संरक्षणक संवाद जरूरी अछि** — लेख घटना कैं रोमांचक रहस्य टा नहि, संरक्षण-चेतना आ स्थानीय इतिहाससँ जोड़ैत अछि।

**१४८१. (A) मैथिली समस्या टोह लैत कथा-संकलन 'उदाहरण'** — आलेख देवशंकर नवीन सम्पादित कथा-संग्रह 'उदाहरण'क आलोचनात्मक समीक्षा अछि।

**१४८२. (A) मैथिली भाषा लेल शुभ संकेत** — लेखक मानैत छथि जे बड़े/महत्त्वपूर्ण प्रकाशनसँ कथा-संकलन आओल, ई सकारात्मक घटना अछि।

**१४८३. (A) शिवशंकर श्रीनिवास** — नेशनल बुक ट्रस्टसँ प्रकाशित मैथिली कथा संचयन शिवशंकर श्रीनिवास द्वारा सम्पादित बतायल अछि।

**१४८४. (A) तारानन्द वियोगी** — सन् २००७ मे तारानन्द वियोगी सम्पादित 'देसिल बयना'क उल्लेख अछि।

**१४८५. (A) देवशंकर नवीन** — प्रकाशन विभागसँ देवशंकर नवीन सम्पादित 'उदाहरण' प्रकाशित भेल।

**१४८६. (A) छत्तीस** — लेखमे ललितसँ सियाराम सरस धरि कुल ३६ कथा संकलित कहल गेल।

**१४८७. (A) एकटा चम्पाकली एकटा विषधर** — कमलानन्द झा एहि कथाकैं समाजक ढोंग आ बहुविवाह-परम्परासँ जोड़ि पढ़ैत छथि।

**१४८८. (A) बासठ वर्षक वृद्ध शशि बाबूसँ** — कथा सामाजिक लोभ, गरीबी आ बहुविवाहक अमानवीयता उजागर करैत अछि।

**१४८९. (A) पत्रकारिता आ मीडिया-तंत्र** — आलेख एहि कथा कैं मीडिया-तंत्रक संवेदनशील पक्षक साक्षात्कार करबैत मानैत अछि।

**१४९०. (A) कॉरपोरेट बादशाह श्याम बोगलाक मृत्यु** — कथा नामी पत्रकार बनयबाक हड़बड़ी आ खबर-प्रतिस्पर्धा देखबैत अछि।

**१४९१. (A) कामकाजी स्त्रीक संघर्षक यथार्थ आ कलात्मक उभार** — आलेख ई कथाकैं कामकाजी स्त्रीक संघर्ष देखाबयमे सफल मानैत अछि।

**१४९२. (A) ग्रामीण युवतीक जिजीविषा पूर्ण रूपैं व्यक्त नहि भऽ सकल** — चम्पा पात्रक विद्रोहक सम्भावना परम्परा-केंचुलमे समेटि जाएत अछि, ई आलोचना अछि।

**१४९३. (A) अपेक्षाकृत मेच्योर आ बोल्ड कथा** — सुनीताक संघर्ष, पुनर्विवाह, श्रम आ देह-यथार्थ कथा कैं साहसी बनबैत अछि।

**१४९४. (A) पति-पत्नी सम्बन्ध-विच्छेदक प्रभाव बेटी पर** — कथा बच्चाक मनोमस्तिष्क पर पारिवारिक टूटनक करुण प्रभाव देखबैत अछि।

**१४९५. (A) स्त्रीक बाहर काज करबाक विरोध बहन्ने प्रगतिशील मुद्राक आलोचना** — लेखक राजमोहनजीक कथन-कुशलता आ दृष्टि-विरोधाभास पर आलोचनात्मक टिप्पणी करैत छथि।

**१४९६. (A) निम्नवर्गक आर्थिक-सामाजिक सुधारसँ आत्मसम्मान आ राजनीतिक चेतना अंकुरित भेल** — कथा आर्थिक आधार आ राजनीतिक चेतनाक सम्बन्ध खोलैत अछि।

**१४९७. (A) संगीत-प्रेमक दावा, मुदा पुत्रक संगीत-साधनाक विरोध** — कथा मध्यवर्गीय हिप्पोक्रेसी कैं उघाड़ैत अछि—स्वयं लाभ लेल कला, सन्तान लेल कमाई-यंत्र।

**१४९८. (A) यथार्थक मोहमे घटना-विवरण मात्र रहि गेल, क्षणक मर्म नहि आइल** — लेखक कहैत छथि जे इति-वृत्त जब संवेदना नहि देत, त कथा गद्य-विवरण बनि जाइत अछि।

**१४९९. (A) तीनूँ संकलनमे कथाकार सूचीमे अद्भुत साम्य आ चयनमे कथाकार-प्रधानता** — लेखक चाहैत छथि जे अन्य श्रेष्ठ कथासभ सेहो प्रकाशमे आए।

**१५००. (A) समय-सीमा बिना कथाक सम्यक मूल्यांकन कठिन** — आलोचक काल-परिप्रेक्ष्यकैं साहित्यिक मूल्यांकन लेल आवश्यक मानैत छथि।

**१५०१. (A) नेहरा, जिला दरभंगा** — परिचयमे हुनक जन्म-स्थान नेहरा, दरभंगा कहल गेल अछि।

**१५०२. (A) कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय** — परिचयमे कैलिफोर्निया विश्वविद्यालयसँ अर्थशास्त्रमे स्नातकोत्तरक उल्लेख अछि।

**१५०३. (A) एम.बी.ए.** — लेखक-परिचयमे १९७१ मे सानफ्रांसिस्को विश्वविद्यालयसँ एम.बी.ए.क सूचना अछि।

**१५०४. (A) १९७८** — परिचयक क्रममे १९७८ मे भारत आगमन लिखल अछि।

**१५०५. (A) ममता** — परिचयमे मैथिली फिल्म 'ममता'क गाबय गीतक सह-निर्माण-संबंध अछि।

**१५०६. (A) माता दुर्गाक प्रसाद/मीट** — आरम्भिक दृश्य पोटरी, 'मीट' आ दुर्गा-प्रसादक भ्रमसँ कथा-तनाव खोलैत अछि।

**१५०७. (A) आकाश** — कथामे भाइजी आकाश छथि, जिनका हाथमे पोटरी रहैत अछि।

**१५०८. (A) हाथ पाछाँ घीचि लैत छथि आ थरथराइत ठाढ़ रहैत छथि** — आकाशक शारीरिक प्रतिक्रिया अपराध-बोधक आरम्भिक संकेत बनैत अछि।

**१५०९. (A) ढबढब नोर** — नोर आ काँपब दृश्यकैं शोकमय बनबैत अछि।

**१५१०. (A) एक घरेलू वस्तु पोटरीसँ सामाजिक करुणा आ अपराध-बोधक उद्घाटन** — मीटक पोटरी रंजनाक विधवापन आ सामाजिक क्रूरता स्मरित करयबला प्रतीक बनैत अछि।

**१५११. (A) बारह वर्ष** — कथामे रंजना आकाशक एकमात्र छोट बहिन, बारह वर्ष छोट बतायल गेलीह।

**१५१२. (A) पन्द्रहम वर्षमे पयर रखने** — एहि कम उम्रमे विधवापन कथा-करुणाकेँ तीक्ष्ण बनबैत अछि।

**१५१३. (A) घड़ी** — चूड़ीक अभाव विधवापनक सांस्कृतिक संकेत अछि।

**१५१४. (A) कमीशन प्राप्त सेकेण्ड लेफ्टिनेंट** — भास्कर सैनिक पदपर छलाह आ विवाहक बाद ड्यूटी पर गेलाह।

**१५१५. (A) कश्मीर** — कथामे कश्मीरमे आतंकवादीसँ मुठभेड़मे हुनक शहादत कहल गेल अछि।

**१५१६. (A) दरभंगाक एक बैंकमे कार्यरत** — आकाश लगक शहर दरभंगाक बैंकमे काज करैत छथि।

**१५१७. (A) स्कूटर पर** — कथामे आकाश गामहिसँ स्कूटर पर बैंक जाए-आबय छथि।

**१५१८. (A) अष्टमी आ दुर्गास्थानक बलिप्रदान** — गामक दुर्गास्थान, अष्टमी आ बलिप्रदान कथा-प्रतीकक आधार बनैत अछि।

**१५१९. (A) नाला मे फेकि दैत छथि** — मीट फेकनाइ अपराध-बोध आ बहिनक विधवापनक स्मृति सँ उपजल प्रतिक्रिया अछि।

**१५२०. (A) रंजना** — परिवार कानैत अछि, मुदा रंजना शून्य नज़र सँ सभ देखैत अचल ठाढ़ छथि।

**१५२१. (A) मनता मानल पाठी/छागरक बलि** — कथाकार विधवाकेँ बलिदानक वस्तु जकाँ देखनिहार समाजक क्रूर दृष्टि उजागर करैत छथि।

**१५२२. (A) विधवा पुनर्विवाहक नियम/निदान** — कथामे दुखक मूल कारण विधवाक लेल सामाजिक समाधानक अभाव अछि।

**१५२३. (A) पूर्वजन्मक पापक भोग** — कथा एहन भाग्यवादक आलोचनात्मक अनावरण करैत अछि।

**१५२४. (A) भुजल माँसक स्वाद** — तमाशबीनक स्वाद-लालसा सामाजिक संवेदनहीनताक रूपक बनैत अछि।

**१५२५. (A) टहल-टिकोरा, अदौरी-कुम्हरौरी, भानस, तीर्थ-भनसिया आदि** — कथा विधवाकेँ स्वायत्त मनुष्य नहि, उपलब्ध श्रम-देह मानयबला दृष्टि देखबैत अछि।

**१५२६. (A) विधवाक देह पर पुरुष-दृष्टिक हिंस्र अधिकार-भाव** — ई वाक्य समाजक लैंगिक वासनात्मक हिंसा उजागर करैत अछि।

**१५२७. (A) समाज विधवाकेँ 'ईश्वरक इंतजाम' मानि उपयोगी वस्तु बना दैत अछि** — काकीक कथनक माध्यमे कथाकार सामाजिक क्रूर सामान्यीकरण देखबैत छथि।

**१५२८. (A) सामाजिक उपभोग-मानसिकताक व्यंग्यात्मक पर्दाफाश** — एहि प्रश्नवाचक शैलीसँ विधवाक मानवीयता नकारयबला समाजक आलोचना होइत अछि।

**१५२९. (A) सनातन कहि जड़ सामाजिक अमानवीयता केँ ढाकनिहार व्यवस्था** — कथाकार परम्पराक नाम पर विधवा-विरोधी मानसिकता पर प्रहार करैत छथि।

**१५३०. (A) समाजक भीतर पसारल धीमा विष रूपी अमानवीयता** — विधवाक सामाजिक स्थिति कथा-शीर्षकक विषाक्त अर्थ खोलय लगैत अछि।

**१५३१. (A) पानापुर** — कथाकार प्रथम प्रसंगक बाद पानापुर गाममे दोसर घटना आरम्भ करैत छथि।

**१५३२. (A) सभ जाति, समुदाय आ सम्प्रदायक लोकक निवास** — गाम सामाजिक बहुलताक स्थान रूपमे रेखांकित अछि।

**१५३३. (A) सम्पन्न** — गामक आर्थिक सम्पन्नता धार्मिक-सामाजिक संस्थानक पृष्ठभूमि बनैत अछि।

**१५३४. (A) पैघ पोखरिक पूबरी भीड़ पर तीन-चार बीघा मे** — कथा मन्दिरक स्थान आ विस्तार स्पष्ट करैत अछि।

**१५३५. (A) मेला, नौटंकी, नाच-गान** — दुर्गा मन्दिर धार्मिके नहि, सामुदायिक सांस्कृतिक केन्द्र सेहो अछि।

**१५३६. (A) कालीकान्त ओझा** — पानापुर प्रसंगमे कालीकान्त ओझा पुजारी छथि।

**१५३७. (A) दुब्बर-पातर, वैष्णव, मृदुभाषी** — कथाकार पुजारीक बाह्य-संयम आ सामाजिक छवि उभारैत छथि।

**१५३८. (A) पुजारीक वैष्णव-संयमक बरअक्स माँस-माछ, बीड़ी, पान-जर्दा प्रिय व्यक्तित्व** — ई विरोधाभास परिवारक पाखण्डपूर्ण/मांसल वास्तविकता खोलैत अछि।

**१५३९. (A) पूरा एकाधिकार** — मंदिरक आय पर हुनक अधिकार धार्मिक-सत्ता आ घरेलू-सत्ता जोडैत अछि।

**१५४०. (A) सोझा आबयमे काँपत आ डेरायल रहैत** — पुजारीक घरेलू भय कथा मे हास्य-व्यंग्य आ सत्ता-विपर्यय दूनू बनबैत अछि।

**१५४१. (A) यदुनाथ ओझा** — कथामे पुजारीक पुत्र यदुनाथ ओझा छथि।

**१५४२. (A) विवाह** — उपनयनक बखर भरिक भीतर विवाह भऽ गेलनि।

**१५४३. (A) गंगा तटक पिहुआ गामक मन्दिर-पुजारीक बेटी** — कामिनी धर्म-संस्कारित वातावरणसँ सासुर अबैत छथि।

**१५४४. (A) हुनक सौन्दर्यसँ पूरा गाम गमकि उठल** — कामिनीक अनुपम रूप कथा-तनावक केन्द्र बनैत अछि।

**१५४५. (A) सासु-ससुरक सेवा आ पतिक आदेश पालन** — कथा हुनक संस्कार आ सासुरक वातावरणक टकराव बनबैत अछि।

**१५४६. (A) सब सँ तेज-तर्रार सड़क-छाप स्वास्थ्य-कर्मी/कुएँक** — गामक स्वास्थ्य-व्यवस्था कमजोर छल, ताहिमे बिदेसरा कुएक प्रभावी व्यक्ति बनल।

**१५४७. (A) बेमारी-राति मे ओकरा डॉक्टर-जकाँ आवश्यक बुझल जाइत छल** — नाड़ी देखब आ सूई देबाक अधिकार-जेकाँ व्यवहार ओकर सामाजिक शक्ति बनबैत अछि।

**१५४८. (A) चाह-नाश्ता आ चोटगर-मीठगर गपसपसँ मोन मोहैत** — बिदेसरा यदुनाथक जिगरी यार बनि जाइत अछि।

**१५४९. (A) यदुनाथक शयन-कक्षमे** — पुजारी-गृहक भीतरक शयन-कक्ष धार्मिक बाह्य छविक विपरीत निजी पाखण्ड देखबैत अछि।

**१५५०. (A) विदेशी शराबक बोतल, पानीक जग आ दू गिलास** — दृश्यक वस्तु-सूक्ष्मता पवित्र घरक भीतरक अपवित्र अंतरंगता खोलैत अछि।

**१५५१. (A) असली अस्सी प्रतिशत प्रूफ अल्कोहलबला जिन** — दृश्य मे विदेशी शराबक प्रूफ तक उल्लेख आ निजी पतनक संकेत अछि।

**१५५२. (A) भुजल माँस** — कामिनी पतिक आदेशक प्रतीक्षा करैत माँस परोसैत छथि।

**१५५३. (A) लोभी नजिरसँ बाँह/लॉउज पर टिकैत** — कथा बिदेसराक पुरुष-दृष्टि कें असहज आ हिंस्र बनबैत अछि।

**१५५४. (A) डोलि जाइत छथि** — यदुनाथ शराब सहबाक क्षमता बिना जल्दी नियंत्रण खोइत छथि।

**१५५५. (A) आँखिक डिब्बासँ टॉर्च-जेकाँ फोकसिंग बाहर होबय लगैत** — कथाकारक दृश्यात्मक भाषा नशाक हास्यास्पद-अशक्त अवस्था देखबैत अछि।

**१५५६. (A) पलंग पर चित बेहोश** — एहि क्षणमे कामिनीक सुरक्षा-विश्वास ध्वस्त होइत अछि।

**१५५७. (A) साँ-साँ** — नशा यदुनाथकें असहाय देह मे बदलि दैत अछि।

**१५५८. (A) पति रक्षक आ परमेश्वर छथि** — संस्कारित विश्वास आ दृश्य वास्तविकता मे टकराव कथा-तनावक केन्द्र अछि।

**१५५९. (A) अप्रत्याशित आ ओझरायल** — एहि अवस्थामे ओ निर्णयहीनता आ भयक बीच काठ बनि ठाढ़ रहैत छथि।

**१५६०. (A) धर्म, पितृसत्ता, वासना आ नशाक भीतर छिपल विष** — मन्दिर-परिवारक आभामंडल भीतरसँ विषाक्त सामाजिक संरचना बनि देखाइत अछि।

**१५६१. (A) समौल, मधुबनी** — परिचयमे जन्म-स्थान समौल, मधुबनी लिखल अछि।

**१५६२. (A) गणित, पुस्तकालय/सूचना विज्ञान** — परिचयमे गणितमे स्नातकोत्तर, बी.लिब. आ सूचना-विज्ञानक अध्ययन अछि।

**१५६३. (A) गामक चौक/टोनुआँक दोकान-चबूतरा** — चाह, पान आ चबूतरा सामुदायिक राजनीतिक बहसक मंच बनैत अछि।

**१५६४. (A) अमेरिका भारतक स्वतंत्र आणविक कार्यक्रममे टाँग अड़ाबय चाहैत अछि** — मंटू भाई समझौता कें ऊर्जा-बहानासँ सामरिक निर्भरता मानैत छथि।

**१५६५. (A) ऊर्जा आवश्यकता** — गगनजीक तर्क अनुसार ई ऊर्जा आवश्यकताक दृष्टिसँ देखबाक चाही।

**१५६६. (A) केवल भारत सरकार चाहत से रिएक्टर अन्तरराष्ट्रीय निगरानीमे जाएत** — एहि तर्कसँ ओ सामरिक कार्यक्रमपर प्रभाव कम मानैत छथि।

**१५६७. (A) झारखण्ड, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, मेघालय, राजस्थान आदि** — विवादमे भारतक खनिज/आणविक संसाधनक चर्चा होइत अछि।

**१५६८. (A) अन्तरराष्ट्रीय आणविक बाजारमे सेन्ध मारबाक** — मजहर समझौता कें अंतरराष्ट्रीय बन्धनक यथार्थ मानि व्याख्या करैत अछि।

**१५६९. (A) भारत आणविक क्षेत्रमे पैघ निर्यातक बनि सकैत अछि** — ओ तकनीकी क्षमता आ संसाधनक आधार पर अवसरवादी दृष्टि रखैत अछि।

**१५७०. (A) गामक चौककें वैश्विक नीति-बोधक जनमंच बनबैत अछि** — रचना स्थानीय बोलचालमे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक-सामरिक विमर्श राखैत अछि।

**१५७१. (A) जीतपुर, मधेपुरा** — परिचयमे मधेपुरा जिलाक जीतपुर गामक उल्लेख अछि।

**१५७२. (A) विजयदेव नारायण साही की काव्यानुभूति की बनावट** — परिचयमे जे.एन.यू.सँ एम.फिल. विषय देल अछि।

**१५७३. (A) निर्मल वर्मा** — परिचयमे निर्मल वर्मा के कथा-साहित्य मे प्रेमक परिकल्पना लिखल अछि।

**१५७४. (A) समय को चीरकर** — परिचयमे हिन्दी संग्रह ‘समय को चीरकर’ बतायल अछि।

**१५७५. (A) एकटा हेरायल दुनिया** — परिचयमे मैथिली कृति 'एकटा हेरायल दुनिया' अछि।

**१५७६. (A) असम विश्वविद्यालय, सिलचरक हिन्दी विभाग** — परिचयमे असम विश्वविद्यालय, सिलचरक हिन्दी विभागमे अध्यापनक सूचना अछि।

**१५७७. (A) माछकेँ** — कविता अत्यल्प पंक्ति मे स्त्री आ माछक परस्पर दृष्टि रचैत अछि।

**१५७८. (A) स्त्री केँ** — कविता माछ आ स्त्रीक दृष्टि-विनिमय पर आधारित अछि।

**१५७९. (A) अहाँ/पाठक** — 'अहाँ दुनू केँ देखि रहल छी' पाठककेँ दृश्यक भाग बना दैत अछि।

**१५८०. (A) तीन दृष्टिक त्रिकोण—स्त्री, माछ, आ पाठक** — लघु कविता नजर, वस्तुकरण आ सहभागिताक सूक्ष्म खेल रचैत अछि।

**१५८१. (A) सलेमपुर, मधुबनी** — परिचयमे मधुबनी जिलांतर्गत सलेमपुर गामक उल्लेख अछि।

**१५८२. (A) केन्द्रीय सचिवालयमे अनुभाग अधिकारी** — परिचयमे केन्द्रीय सचिवालयक अनुभाग अधिकारी पद अछि।

**१५८३. (A) गामक बस** — कथा जेठक दुपहरिया मे बसक प्रतीक्षा सँ आरम्भ होइत अछि।

**१५८४. (A) जेठक दुपहरिया, रौद आ खराब सार्वजनिक यातायात** — कठिन प्रतीक्षा कथावाचकक असहिष्णुता बढबैत अछि।

**१५८५. (A) दू रुपैया** — दू रुपैया कथा-नैतिकताक छोट मुदा निर्णायक कसौटी बनैत अछि।

**१५८६. (A) ट्रेक्टर पकड़ि गाम जाएब लेल** — ओ अशक्त अछि आ पयरे जाएब कठिन अछि।

**१५८७. (A) भीख माँगबाक नव-नव ढंगक शंका मोनमे आबैत अछि** — सामाजिक अविश्वास करुणा रोकि दैत अछि।

**१५८८. (A) सेहि वृद्धकेँ घिसियाइत गन्तव्य दिस चलैत** — दृश्य ओकर अंतःकरणकेँ कचोटैत अछि।

**१५८९. (A) दस रुपैया** — दू रुपैया न देबाक अपराध-बोध दस रुपैयाक ठंढा सँ तीव्र होइत अछि।

**१५९०. (A) छोट करुणा अस्वीकार कएलाक अपराध-बोध** — कथा मनुष्यता बनाम अविश्वासक सूक्ष्म पराजय देखबैत अछि।

**१५९१. (A) बिजली ऑफिस** — कथा मीटर फाइलक कारण बिजली कार्यालयक चक्कर पर आधारित अछि।

**१५९२. (A) ऊपरसँ नहि लौटलै** — बिना जाँच-पड़तालक उत्तर नौकरशाहीक जड़ता देखबैत अछि।

**१५९३. (A) १५ दिन** — लगातार चक्कर थाकल व्यवस्था आ थाकल नागरिक दुनू बनबैत अछि।

**१५९४. (A) बिना 'सेवा' किछु नहि हेतौक** — 'सेवा' रिश्वत लेल व्यंग्य-शब्द अछि।

**१५९५. (A) आदेश-पत्र** — रिश्वत मिलिते फाइल-समस्या तुरन्त सुलझब व्यवस्था-भ्रष्टाचार देखबैत अछि।

**१५९६. (A) रिश्वत लेना एवं देना जुर्म है** — भ्रष्ट व्यवहार आ नैतिक बोर्डक विरोधाभास कथा-केंद्र अछि।

**१५९७. (A) पानक पीकसँ विकृत** — पीक नैतिक घोषणाक सामाजिक अपमानक दृश्य बनैत अछि।

**१५९८. (A) रिश्वत-बोर्ड भ्रष्ट कार्यालयमे विडम्बनात्मक रूपेँ उपयुक्ते लगैत अछि** — कथा भ्रष्टाचारक सामान्यीकरण पर कटाक्ष करैत अछि।

**१५९९. (A) सार्वजनिक व्यवस्था सँ जुगाड़क निर्भरता** — अंतिम दृश्य अवैधता आ जुगाड़क व्यापक रूप देखबैत अछि।

**१६००. (A) व्यक्ति नहि, व्यवस्था आ रास्ता दुनू थाकल/भ्रष्ट अछि** — फाइल, सेवा, बोर्ड आ टोका सब मिलि नागरिक अनुभवक थकान रचैत अछि।

**१६०१. (A) जेठक भोरसँ दुपहरिया धरि आगि-जेकाँ गरमी** — गरमी दृश्यक नैतिक असुविधा लेल पृष्ठभूमि बनैत अछि।

**१६०२. (A) बाहर भोजन करब** — घरमे आलस्य/गरमीक कारण बाहर जाएबाक निर्णय अछि।

**१६०३. (A) एक रिक्शावाला** — रौद मे अधबेसु, कृशकाय, हाँपैत रिक्शावाला भेटैत अछि।

**१६०४. (A) दस रुपैया** — दस रुपैया नैतिक तुलना लेल प्रयुक्त रकम अछि।

**१६०५. (A) दस केँ पाँच रुपैया बनबैत** — वर्गीय कठोरता रौदमे श्रमरत व्यक्तिसँ मोल-भावमे देखाइत अछि।

**१६०६. (A) पाँचक सिक्का लऽ चुपचाप चलि जाइत अछि** — ओकरे निरुपाय मौन कथा-करुणा बनैत अछि।

**१६०७. (A) दस रुपैया** — रिक्शावालासँ काटल रकम ओतय सहज दान बनैत अछि।

**१६०८. (A) पचासक नोट** — वर्ग-प्रतिष्ठा श्रमिक न्यायसँ बेसी महत्त्व पबैत अछि।

**१६०९. (A) वातानुकूलित कक्षमे वेटर आ रौदमे कँध तोड़ैत रिक्शावाला** — ई तुलना कथा शीर्षक 'भावना'क अंतर खोलैत अछि।

**१६१०. (A) वर्गीय संवेदनहीनता आ सुविधा-आधारित दया** — कथा देखबैत अछि जे समाज श्रमक मूल्य नहि, प्रतिष्ठाक प्रदर्शन बेसी मानैत अछि।

**१६११. (A) ओ बात-बात पर 'माने' शब्द प्रयोग करैत छलीह** — भाषिक आदत पात्रक नाम बनि गेल अछि।

**१६१२. (A) बाल-विधवा, संतानहीन, घरक सदस्या-जकाँ** — पात्रक अवस्था सामाजिक आश्रितता आ अनुभवक पृष्ठभूमि बनबैत अछि।

**१६१३. (A) के अबैत छथिन?** — ओ राष्ट्रीय राजकीय घटना कैँ अपन जीवन-प्रश्नसँ जोड़ि नहि देखैत।

**१६१४. (A) ओ कोनो बी.डी.ओ. छथि जे वृद्धा-पेंशन देताह?** — गरीब/वृद्ध पात्र लेल सत्ता ओहिने सार्थक जे जीवन-सहायता दे।

**१६१५. (A) लोकतांत्रिक पद नहि, जीवनोपयोगी सहायता** — मानेक दृष्टि सत्ताक वास्तविक अर्थ लोककल्याणसँ जोड़ैत अछि।

**१६१६. (A) उल्लास, नाच-गान, धूम-धड़क्का** — शहर नव-वर्ष कैँ बड़े उत्सवक रूपमे मनबैत अछि।

**१६१७. (A) हम सभक नया साल कहिया एतैक?** — बालकक प्रश्न वर्ग-भेदक कठोर सच्चाइ खोलैत अछि।

**१६१८. (A) मजूरी भेटला पर खुशी, नहि भेटला पर पुरान दुख** — गरीबक लेल दिनक भोजनहि नव-पुरानक सीमा बनैत अछि।

**१६१९. (A) दैनिक श्रम-आधारित असुरक्षित जीवन** — बोनिहार जीवनमे मजूरी हर दिनक भाग्य बदलैत अछि।

**१६२०. (A) हाशिये के लोकक नजरिएसँ सत्ता आ उत्सवक अर्थ बदलि जाइत अछि** — दूनू कथा सामान्य राजकीय/शहरी घटना कैँ गरीबक जीवन-यथार्थसँ तौलैत अछि।

**१६२१. (A) भोर** — अन्हारमे भोरक खोज आशा आ मुक्ति-कामना प्रकट करैत अछि।

**१६२२. (A) घरमे रहितो अपन घर/पहचानक खोज** — गजल आत्मविस्थापनक भाव रचैत अछि।

**१६२३. (A) दोसरा कैँ** — 'दोसरा कैँ की दोष देब' आत्मालोचनक सुर अछि।

**१६२४. (A) समस्या मे अपन समाजक भागीदारी मानब** — गजल सामाजिक पतनक दोष बाहरे नहि, भीतर सेहो ताकैत अछि।

**१६२५. (A) जाहि पलकसँ नोर नहि ढरकय** — दुखक अतिरेक सँ मुक्त दृष्टि चाहना व्यक्त अछि।

**१६२६. (A) अन्हार मात्र** — अन्तिम शेर अकेलापन आ निराधार यात्राक संकेत अछि।

**१६२७. (A) अपन साधन/स्मृति स्वयं नष्ट कएलाक पीड़ा** — कलम-बाग जारब रचनात्मक संसारक विनाशक रूपक अछि।

**१६२८. (A) अंगन, घर, याद, नोर आ अन्हारक बिम्बसँ** — गजल निजी करुणाकैँ व्यापक सामुदायिक क्षयक रूपमे खोलैत अछि।

**१६२९. (A) आहत आत्मालोचन आ आशा-खोज** — भोर, छाँह, आँखि, दर—सभ खोजक बिम्ब बनैत अछि।

**१६३०. (A) मानवीय संवेदना, आत्मग्लानि आ सामाजिक असमानता** — हारल मनुक्ख, थाकल बाट, भावना, बी.डी.ओ., नव-वर्ष आ गजल सभ मनुष्यताक टूटन देखबैत अछि।

**१६३१. (A) धनुषा, नेपाल** — परिचयमे धनुषा, नेपालक उल्लेख अछि।

**१६३२. (A) कवि** — परिचय हुनका मूलतः कवि रूपमे रेखांकित करैत अछि।

**१६३३. (A) मानवीय संवेदनाक प्रतिबिम्ब आ फड़िछायल लेखन** — परिचय संवेदना आ स्पष्ट लेखनक गुण बतबैत अछि।

**१६३४. (A) क्षितिजक ओहिपार** — परिचयमे 'क्षितिजक ओहिपार' प्रकाशित संग्रह कहल गेल।

**१६३५. (A) दिनेश कैँ** — कथा-पत्र ३६ वर्ष बाद मित्र दिनेश दिस मुखातिब अछि।

**१६३६. (A) ३६ वर्ष** — दीर्घ अन्तराल स्मृति, अपराध-बोध आ अनिश्चितता उत्पन्न करैत अछि।

**१६३७. (A) उत्साही पत्र-लेखक आ दायित्व-निभाउने व्यक्ति नहि बनि सकल** — पत्र-न-लिखबाक अपराध-बोध कथा आरम्भक मनोभूमि अछि।

**१६३८. (A) पत्र लौटि सकैत, प्राप्तकर्ता जीवित नहि हो सकैत** — दीर्घ मौन मृत्यु-संशय धरि पहुंचा दैत अछि।

**१६३९. (A) दिनेश गाम आबि सकैत अछि, पत्र परिवार सहेजि राखत** — पर्व-संयोग पत्रक पहुँच आ स्मृतिक पुनर्संपर्कक आशा जगबैत अछि।

**१६४०. (A) स्मृति, अपराध-बोध, समय-अन्तराल आ सम्पर्क-पुनर्स्थापन** — पत्र कथा दीर्घ मौनक बाद मित्रता पुनर्जीवित करबाक प्रयत्न अछि।

**१६४१. (A) चारि वर्ष** — संगे पढ़बाक चारि वर्ष पत्रक भावनात्मक आधार अछि।

**१६४२. (A) सी.एम. कॉलेजक आर्ट्स ब्लॉक** — आर्ट्स ब्लॉक रंगीन नक्शा/पार्क जकाँ स्मृतिमे अछि।

**१६४३. (A) बागमती** — बागमतीक मनोरम आ खतरनाक किछेर स्मृति-दृश्यक भाग अछि।

**१६४४. (A) रहस्यमय** — छात्र-युगक लैंगिक दूरी आ जिज्ञासा एतय व्यक्त अछि।

**१६४५. (A) सीढ़ीसँ नीचा भागैत छल** — कॉलेज अनुशासन हास्यपूर्ण स्मृतिक रूपमे आवैत अछि।

**१६४६. (A) लक्ष्मी आ सरस्वती** — धन, प्रतिभा आ अंग्रेजी दक्षता रीनिताक स्मृतिमे जुड़ैत अछि।

**१६४७. (A) Exclusively ours** — लेख 'विदेह'मे छपल बतायल गेल आ रहस्योद्घाटनक कारण स्मरणीय अछि।

**१६४८. (A) शीर्षकक तात्पर्य आजुओ बूझबा मे कठिनाई** — स्मृति अनुत्तरित प्रश्नक रूपमे जीवित अछि।

**१६४९. (A) युवा-संसारक जीवंतता** — कैंपस स्मृति प्रकृति-जेकाँ चहल-पहलयुक्त अछि।

**१६५०. (A) पत्र लिखबाक आवेगकेँ साझा अतीतक दृश्य-संपदा देब** — स्मृति पत्रक भावनात्मक वैधता तैयार करैत अछि।

**१६५१. (A) नन्दी टाइटलवाली बंगालिन सहपाठी** — नन्दीक आँखिक चमक ३६ वर्ष बादो स्मृतिमे अछूता अछि।

**१६५२. (A) हुनकर नाम लैत जहर खा लेलक** — एकतरफा प्रेमक चरम घटना कॉलेज-स्मृति मे रहि गेल अछि।

**१६५३. (A) समये पर अस्पताल पहुँचाओल गेल** — घटना त्रासद होइत-होइत बचि गेल।

**१६५४. (A) कोनो प्रतिक्रिया, हलचल नहि; सब सामान्य** — नन्दीक गंभीरता आ घटना सँ दूरी कथा-स्मृति केँ जटिल बनबैत अछि।

**१६५५. (A) English Honours Group** — लेखमे हुनकर अंग्रेजी समूहमे प्रथम/शीर्ष प्रदर्शनक उल्लेख अछि।

**१६५६. (A) लड़का-लड़कीमे बातचीतक संचार नहि होइत छल** — सामाजिक संकोच संवादहीनता उत्पन्न करैत अछि।

**१६५७. (A) Congratulations** — नन्दीक उपलब्धिपर कहब चाहियो संकोच संवाद रोकि दैत अछि।

**१६५८. (A) एक-दोसरक पर्याय जकाँ** — कॉलेज स्मृति अनेक अनकहल भावनात्मक घटनासँ बनल अछि।

**१६५९. (A) युवा-प्रेम, सामाजिक मौन आ स्मृति-लज्जाक त्रिकोण** — एहि प्रसंगमे अनकहल भाव सभ दीर्घकालिक स्मृति बनैत अछि।

**१६६०. (A) ओहो एहि घटना पर स्मृति/चर्चा करितथि** — वक्ता मानैत छथि जे दिनेश पहिल पत्र लिखितथि तँ ई घटना जरूर उठबितथि।

**१६६१. (A) नेपाल** — नेपाल कर्म/जीवनभूमि भेलाक कारण बहुत लोकसँ सम्पर्क टूटल अनुभव अछि।

**१६६२. (A) कखन उत्तराभिमुख, कखन दक्षिणाभिमुख** — सीमा-संधि जीवन दू संस्कृतिक बीच आवागमनक अनुभूति अछि।

**१६६३. (A) उत्फुल्लता** — वक्ता मिश्रित जीवन केँ आनन्ददायक सांस्कृतिक अनुभव मानैत अछि।

**१६६४. (A) भाषा भिन्न मुदा भाव एक** — गीतक भाव सीमासँ ऊपर मानवीय एकत्व देखबैत अछि।

**१६६५. (A) काठमांडूसँ दूर उत्तर बालाजू उद्यानसँ ऊपर पहाड़ी पर** — English Language Training Institute क वनभोज एहि स्थान पर भेल।

**१६६६. (A) लड़का-लड़की भेद बिना निर्विकार नाच** — पहाड़ी वातावरण मे कला-स्फुरणक सहजता देखायल अछि।

**१६६७. (A) लज्जा कलाकेँ प्रस्फुटित नहि होबय दैत अछि** — तुलना पहाड़क खुलापन आ अपन समाजक संकोच बीच अछि।

**१६६८. (A) राममणि** — राममणिक गीत पूरा मण्डली केँ मंत्रमुग्ध करैत अछि।

**१६६९. (A) नोर** — गीत संवेदनाक सामूहिक अनुभव बनैत अछि।

**१६७०. (A) डायरीमे, भले पन्ना जीर्ण-शीर्ण भऽ गेल** — स्मृति पुरान डायरीक पीयर पन्नामे जिउँत रहैत अछि।

**१६७१. (A) स्व. पं. मोदानन्द झा जी** — शीर्षकहि पंजीकार मोदानन्द झाक स्मरण अछि।

**१६७२. (A) पंजीकारिता/पंजी-शास्त्र** — आलेख हुनका मूर्धन्य पंजीकारक रूपमे स्मरण करैत अछि।

**१६७३. (A) सौराठ सभा गाछी** — पंजी-सिद्धान्त आ विवाह-सूचनाक आदान-प्रदान लेल सौराठ सभागाछी महत्वपूर्ण छल।

**१६७४. (A) पूबारी-पछबारी पारक विवाहक सिद्धान्त** — एहि प्रक्रिया सँ हुनक पंजी-पुस्तिका वंश-भंडार बनैत गेल।

**१६७५. (A) पंजीकार धौत परीक्षा** — एहि परीक्षासँ हुनका 'लब्ध धौत प्रतिष्ठ' उपाधि भेटल।

**१६७६. (A) महामहोपाध्याय सर गंगानाथ झा सम प्रभृति विद्वान** — निर्णायक मंडल विद्वत्ता आ परम्परागत प्रामाणिकता दर्शबैत अछि।

**१६७७. (A) १९५५ मे विवाहक बाद** — लेखक अपन विवाहक बादसँ हुनका मृत्यु सँ तीन मास पूर्व धरि सम्पर्कक बात कहैत छथि।

**१६७८. (A) गलती नहि भऽ जाए, ताहि सावधानीसँ** — स्मरण-शक्ति होइतहुँ लिखित प्रमाण जाँचब हुनक अनुशासन छल।

**१६७९. (A) सदाचार-संपन्न, अहंकार-मुक्त, स्नेही** — लेखक हुनक सद्विचार, सद्व्यवहार आ सदाशयता सँ प्रभावित छथि।

**१६८०. (A) पंजीकारितामे निष्ठापूर्वक मनोयोग रखने छथि** — लेखक मानैत छथि जे पुत्रक निष्ठासँ पिताक आत्माकेँ शान्ति भेटैत होयत।

**१६८१. (A) मैथिली, हिन्दी, मराठी, अंग्रेजी आ गुजराती** — परिचय हुनक बहुभाषी रंग-संसार रेखांकित करैत अछि।

**१६८२. (A) १९७४ सँ** — परिचयमे १९७४ ई.सँ रंगनिर्देशनक उल्लेख अछि।

**१६८३. (A) १९८६ आ १९९९** — परिचयमे दु बेर राज्य-स्तरीय उपाधि उल्लेखित अछि।

**१६८४. (A) सीता** — परिचयमे आइ.एन.टी.क लेल 'सीता' निर्देशनक उल्लेख अछि।

**१६८५. (A) लोककलाक शोध आ प्रदर्शन** — परिचयमे लोककला शोध-प्रदर्शनक सम्बन्ध देखायल अछि।

**१६८६. (A) थिएटर** — थिएटरक सामाजिक-शैक्षिक उपयोगक संकेत अछि।

**१६८७. (A) आभलमया** — परिचयमे 'आभलमया' ६० एपीसोडक रूपमे अछि।

**१६८८. (A) बैंगन राजा** — परिचयमे 'बैंगन राजा', 'मेरा देश महान', 'झूठा पालतू' सन शो अछि।

**१६८९. (A) फ्री-लांस लेखक-निर्देशक** — परिचयक अन्तिम सूचना वर्तमान स्वतंत्र लेखन-निर्देशन अछि।

**१६९०. (A) मैथिली मूलक कलाकारक बहुभाषी-बहुमाध्यम रंग-संसार** — परिचय थिएटर, टीवी, लेखन, कार्यशाला आ कठपुतली तक फैलल कला-क्षेत्र देखबैत अछि।

**१६९१. (A) सुकरात कैं** — कविता वैश्विक दार्शनिक संदर्भसँ आत्म-अस्तित्वक प्रश्न उठबैत अछि।

**१६९२. (A) विश्वक नक्शा सँ देश, राज्य, जिला, गाम, घर आ अपना धरि** — कविता विराट भूगोलसँ व्यक्तिगत आत्म तक पहचानक अनुक्रम बनबैत अछि।

**१६९३. (A) व्यक्ति-अस्तित्वक लघुता आ जटिल स्थानिकता देखाबय** — विश्व-मानचित्र पर अपना स्थान देखब आत्म-मूल्यक दार्शनिक अभ्यास बनैत अछि।

**१६९४. (A) भनसिया घरमे** — कविता मातृत्व कैं रसोई-श्रम आ घरेलू तापसँ जोड़ैत अछि।

**१६९५. (A) धधरा/आगिक आवाहन** — धुआँ आ चूल्हा स्त्री-श्रमक स्थायी दृश्य बनैत अछि।

**१६९६. (A) कोनटा घरक ऐँठार, अँगना, जारैन, जाँत, ढेकी आदि घरेलू श्रमस्थल** — कविता घरेलू श्रमक अदृश्यता आ सर्वव्यापकता उजागर करैत अछि।

**१६९७. (A) परिवारक अविराम सेवा आ अपमानित श्रम** — कविता मातृत्वक महिमाक संग श्रम-पीड़ा सेहो देखबैत अछि।

**१६९८. (A) लगातार घरेलू काममे खपैत** — कविता मायकैं भावनात्मक प्रतीक मात्र नहि, श्रमशील देह बनबैत अछि।

**१६९९. (A) अस्तित्वक मूल्य—व्यक्ति, घर, मातृत्व आ श्रमक आधार पर** — पहिल कविता आत्म-स्थान पूछैत अछि, दोसर मायकैं अस्तित्वक मौन आधार बनबैत अछि।

**१७००. (A) मातृ-स्तुति कैं घरेलू श्रमक करुण यथार्थसँ जोड़ब** — कविता मायक महिमा रोमान्टिक करैत अछि, मुदा श्रमक धुआँ, ऐँठ आ जाँत-ढेकी सेहो देखबैत अछि।

**१७०१. (A) ओहि स्थानकैं** — कविता अनुपस्थितिक बादो स्मृति-स्थान कैं जीवित राखबाक आग्रह करैत अछि।

**१७०२. (A) टटका वा मौलाएल, दुनूक महत्व बुझबाक** — फूलक ताजगी-मुरझानाइ सँ ऊपर स्मृति आ अर्थक आग्रह अछि।

**१७०३. (A) दबायल सपना कैं फेर सँ अलंकृत करबाक भाव** — कविता दबायल इच्छाक पुनरुद्धारक ओर संकेत करैत अछि।

**१७०४. (A) अन्हारक विरुद्ध सक्रिय हस्तक्षेप** — प्रकाशक बिम्ब प्रतिरोध आ जागरणक बिम्ब अछि।

**१७०५. (A) भय वा विपत्ति बीचो व्यापक प्रकृति सँ द्वेष नहि करबाक लेल** — वक्ता संकट मे सेहो व्यापक विश्व-दृष्टि आ धैर्य सिखबैत अछि।

**१७०६. (A) विविधता आ सह-अस्तित्वक मूल्य** — पृथ्वी एकरंगी नहि, अनेक रूपक संयोग अछि।

**१७०७. (A) वक्ताक पुनरागमन आ स्मृतिक पुनर्संयोग** — प्रतीक्षा कविता कैं विरहक बजाय आशा बनबैत अछि।

**१७०८. (A) छोट बीज सँ भविष्यक राह रोपबाक संकल्प** — बीज भविष्य, स्मृति आ धरतीसँ जुड़ल पुनरागमनक प्रतीक अछि।

**१७०९. (A) अटल वापसी आ स्मृति-निष्ठाक आश्वासन** — पुनरुक्ति प्रतिज्ञा जकाँ सुनाइत अछि।

**१७१०. (A) अनुपस्थिति, स्मृति, प्रतिरोध आ धरतीसँ लगाव** — कविता निजी विदाई कैं व्यापक मानवीय व पृथ्वीगत जिम्मेदारीसँ जोड़ैत अछि।

**१७११. (A) स्मृति आ जिम्मेदारी प्रति सजग रहबाक** — जागरण केवल नींदक विपरीत नहि, नैतिक चौकसी अछि।

**१७१२. (A) अन्हारकैं रोकबाक, मुदा जगतसँ घृणा नहि करबाक** — कविता प्रतिरोध आ करुणा दुनूक संतुलन राखैत अछि।

**१७१३. (A) पुरान, थाकल वा भूला देल वस्तुक मूल्य बचाएब** — कविता उपयोगितावादी दृष्टिक विरुद्ध स्मृति-सम्मानक पक्ष लेत अछि।

१७१४. **(A) दबा देल आकांक्षा कैँ प्रतिष्ठा देबाक** — स्वप्नक पुनर्सज्जा आंतरिक पुनर्निर्माणक बिम्ब अछि।

१७१५. **(A) एहि एकमात्र पृथ्वीपर** — पृथ्वी एकटा साझा घरक रूपमे देखायल अछि।

१७१६. **(A) स्मृति सँ यात्रा आ भविष्य धरिक सेतु** — स्थान सुरक्षित राखब आ पथ रोपब—दुनू वापसीक तैयारी अछि।

१७१७. **(A) सक्रिय संरक्षण आ प्रतीक्षा** — वक्ता अनुपस्थितिक बादो जिम्मेदारी साझा करबैत अछि।

१७१८. **(A) विस्तृत, धैर्यपूर्ण आ साहसी मनोदशा** — विशालता कैँ शांत मनसँ देखब कविता कैँ आध्यात्मिक आयाम दैत अछि।

१७१९. **(A) मानवीय स्मृति आ आशाक सहचर** — फूल, पृथ्वी, समुद्र, आकाश, बीज—सभ स्मृति-नैतिकता कैँ गाढ़ करैत अछि।

१७२०. **(A) स्थान, सपना, प्रकाश आ पथक रक्षा** — कविता स्मृति-रक्षा कैँ सामूहिक दायित्व बनबैत अछि।

१७२१. **(A) उठह, चलह, बढह** — गीत आरम्भे गतिशील सामूहिक आह्वान सँ होइत अछि।

१७२२. **(A) शत्रुक आगमनक संकेत** — भीतरक विभाजन बाहरी संकटक अवसर बनैत अछि।

१७२३. **(A) समूहक साझा बुद्धि आ संयुक्त दिशा** — गीत भेद छोड़ि साझा विचार पर बल दैत अछि।

१७२४. **(A) हम उचित जगह लेब** — गीत मिथिला/मैथिली समाजक आत्मविश्वास जगबैत अछि।

१७२५. **(A) समावेशी, भेदरहित समाज** — गीत सामाजिक एकताके अभियानक आधार बनबैत अछि।

१७२६. **(A) एक सूत्रमे गूँथल विविध व्यक्ति-समूह** — गीत समाजक विविध वर्ग कैँ सामूहिक शक्ति मानैत अछि।

१७२७. **(A) जीवन-यापन आ आत्मिक/सामाजिक मुक्ति** — अभियान सांसारिक उन्नति आ मुक्ति, दुनू पक्षक बात करैत अछि।

१७२८. **(A) हित-माटि संग जुड़ि सामूहिक रक्षा** — एकता कैँ मातृभूमिक हितसँ जोडि देखायल अछि।

१७२९. **(A) जन-जागरण आ सक्रिय नागरिकता** — गीत हर व्यक्ति कैँ जागरूक कर्मकर्ता बनबैत अछि।

१७३०. **(A) मैथिल/मैथिलीक पुत्रक सामर्थ्य सिद्ध करबाक लेल** — गीत कमजोरीक आरोप नकारि ऊर्जा आ लक्ष्य पहचानबाक बात करैत अछि।

१७३१. **(A) सचेत लक्ष्य-निर्धारण** — गीत केवल उत्साह नहि, लक्ष्यक स्पष्ट पहचान सेहो मांगैत अछि।

१७३२. **(A) अपन संसाधन आ मूल्य पहचानबाक आग्रह** — निधि अपन सांस्कृतिक, भाषिक आ सामाजिक पूँजीक रूपक अछि।

१७३३. **(A) राजनीतिक-सामाजिक विवेक** — संग्राममे के सहायक आ के बाधक, ई पहचान जरूरी मानल गेल।

१७३४. **(A) सामूहिक गति आ अभियानक ताल बनबैत अछि** — पुनरुक्ति नाराक ऊर्जा आ लोक-गीतक लय बनबैत अछि।

१७३५. **(A) तिरहुतिक माटि/जन्मभूमि** — माटि आ जन्मभूमि गीतक भावुक आ राजनीतिक केन्द्र अछि।

१७३६. **(A) जननी-भूमि लेल तन-मन सँ खड़ा होयबाक** — गीतक राष्ट्र/मिथिला-बोध कर्मक रूपमे व्यक्त अछि।

१७३७. **(A) साहसिक प्रतिरोधक कल्पना** — भैरव बिम्ब प्रतिरोधक प्रचंड रूपक अछि।

१७३८. **(A) सुस्ती आ मौन विनाशकारी अछि** — गीत निष्क्रिय मौनक विरुद्ध जागरणक पुकार अछि।

१७३९. **(A) नारात्मक, सामूहिक आ ऊर्जस्वी** — छंद, पुनरुक्ति आ आह्वान मिलि अभियानक स्वर बनबैत अछि।

१७४०. **(A) भेद छोड़ि जागू, लक्ष्य चीन्हू, जन्मभूमि लेल बढ़ू** — गीत सामाजिक एकता, विवेक आ क्रियाशीलता कैँ जोड़ैत अछि।

१७४१. **(A) बघचौरा, धनुषा** — परिचय हुनका नेपालक धनुषा क्षेत्रसँ जोड़ैत अछि।

१७४२. **(A) जनकपुरधाम** — परिचयमे जनकपुरधामक सक्रिय साहित्यिक-सम्पादकीय जीवन देखायल अछि।

१७४३. **(A) त्रिभुवन विश्वविद्यालयसँ एम.ए. आ मानद पी.एच.डी.** — परिचय हुनक औपचारिक शिक्षा आ मानद विद्वत्ता बतबैत अछि।

१७४४. **(A) गामघर, जनकपुर एक्सप्रेस, आंजुर, आंगन** — हुनक साहित्यिक-सांस्कृतिक कर्ममे पत्रकारिता प्रमुख अछि।

१७४५. **(A) कविता-संग्रह** — परिचय मौलिक कृतिसूचीमे एकरा कविता-संग्रह मानैत अछि।

१७४६. **(A) कथा-संग्रह** — ई कृति मैथिली कथा-साहित्यक हिस्सा अछि।

१७४७. **(A) लोकनाट्य-अनुसंधान** — लोक-संस्कृति आ नाट्यपर शोध हुनक कार्यक्षेत्र अछि।

१७४८. **(A) धनुषा/जनकपुर क्षेत्रक सांस्कृतिक आलेख** — परिचय नेपाली भाषामे सेहो सांस्कृतिक आलेखक संकेत दैत अछि।

१७४९. **(A) भयो, अब भयो** — परिचयमे ई अनुवाद-कार्य स्पष्ट रूपेँ देल अछि।

**१७५०. (A) नेपालक मैथिली साहित्य, पत्रकारिता, लोक-संस्कृति आ संस्थागत कर्मक विस्तृत संगम** — हुनक परिचय बहुविध साहित्यिक-सांस्कृतिक सक्रियता देखबैत अछि।

**१७५१. (A) मायादेवी प्रज्ञा पुरस्कार** — परिचयमे १९९५ मे घोषित मायादेवी प्रज्ञा पुरस्कारक उल्लेख अछि।

**१७५२. (A) मुम्बई** — परिचयमे अन्तरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन मुम्बई द्वारा सम्मानक उल्लेख अछि।

**१७५३. (A) नेपाल पत्रकार महासंघ धनुषा आ जिला विकास समिति धनुषा** — पत्रकारिता हुनक सार्वजनिक जीवनक मुख्य आधार अछि।

**१७५४. (A) अध्यक्ष** — परिचयमे अध्यक्षीय भूमिका हुनक संस्थागत सक्रियता देखबैत अछि।

**१७५५. (A) उपकुलपति** — परिचयमे उपकुलपति पदक उल्लेख अछि।

**१७५६. (A) पहिल मैथिल/मधेसी चेयरमैन** — ई सूचना नेपाली सार्वजनिक-सांस्कृतिक संस्थामे हुनक ऐतिहासिक भूमिका देखबैत अछि।

**१७५७. (A) पत्र-पत्रिका सम्पादन/प्रकाशन** — परिचयमे दूनू पत्रिकासँ सम्पादकीय सक्रियता व्यक्त अछि।

**१७५८. (A) मैथिली आ नेपाली सांस्कृतिक क्षेत्रमे व्यापक स्वीकार्यता** — सम्मान अनेक संस्था आ स्थानसँ जुड़ल अछि।

**१७५९. (A) अध्यक्षीय सांस्कृतिक संस्था** — कला-प्रतिष्ठान सँ जनकपुरक कला-संस्कृति प्रति सक्रियता देखाइत अछि।

**१७६०. (A) लेखक, सम्पादक, संस्कृतिकर्मी आ संस्था-निर्माता** — परिचय साहित्य, पत्रकारिता, अनुवाद, सम्पादन, सम्मान आ सामाजिक संस्थासभक समेकित चित्र दैत अछि।

**१७६१. (A) बैजू बाबू** — संस्मरणक आरम्भमे बैजू बाबूक आमंत्रण आ आग्रहक उल्लेख अछि।

**१७६२. (A) आमंत्रण हड़बड़ी आ अस्पष्ट रूपमे आयल छल** — लेखक अपन अनुपस्थितिक कारण आयोजन-संचारक अस्पष्टता मानैत छथि।

**१७६३. (A) धीरेन्द्र आ कमलेश झा** — लेखमे काठमांडूसँ धीरेन्द्र आ कमलेश झाक उपस्थिति कहल गेल अछि।

**१७६४. (A) काठमांडू** — घोषणा नेपालक सहभागिता आ सम्मेलनक अन्तरराष्ट्रीय विस्तारक संकेत छल।

**१७६५. (A) काठमांडू आयोजनक तैयारी बुझबाक लेल** — जनकपुर यात्रा सम्मेलन-प्रतिबद्धताक पुनर्परीक्षण छल।

**१७६६. (A) पहिले गछनिहार मुदा बादमे पाछाँ हटि गेल** — संस्मरणमे आयोजकीय अनिश्चितता आ मर्माघातक प्रसंग अछि।

**१७६७. (A) मुम्बई** — बैजू बाबूक सक्रियता सम्मेलन कैँ नव शहर मे लऽ गेल।

**१७६८. (A) सम्मेलन भारत-नेपाल विद्वान/मैथिली सेवकक साझा मंच होयत** — लेखक सम्मेलन कैँ सांस्कृतिक-साहित्यिक सेतु मानि भाग लेलनि।

**१७६९. (A) चन्द्रेशजी** — संस्मरणमे आयोजनक व्यावहारिक तैयारीक उल्लेख अछि।

**१७७०. (A) नेपाल-भारत मैथिली संसारक संवाद आ साझा मंच** — सम्मेलन साहित्यकार, सेवक, भाषाशास्त्री आ कलाकारक मिलन-स्थल बनैत अछि।

**१७७१. (A) "मिथिला रत्न"क लेल व्यक्तित्व-चयन** — लेखक पर सम्मान-योग्य व्यक्तित्व सुझेबाक जिम्मेदारी देल गेल।

**१७७२. (A) बदरी नारायण वर्मा** — लेखक सलाह-प्रक्रिया मे रेवती जीक भूमिका बतबैत छथि।

**१७७३. (A) डा. रामदयाल राकेश कैँ** — लेखक द्वारा डा. राकेशक नाम सम्मान लेल प्रस्तावित भेल।

**१७७४. (A) बैजू बाबू** — स्टेशन पर स्वागत आयोजनक आत्मीयता देखबैत अछि।

**१७७५. (A) फुटे कोठरीमे आवास आ सम्मान** — नेपालक उपस्थिति कैँ अनिवार्य मानि सुसंगत व्यवस्था कएल गेल।

**१७७६. (A) सहज आ अपनत्व भरल** — व्यवहारक आत्मीयता सम्मेलनक मानवीय पक्ष उजागर करैत अछि।

**१७७७. (A) नेपाल महत्वपूर्ण सहभागी रूपमे उपस्थित होयत** — संस्मरण आगामी सम्मेलनमे निरन्तर नेपाल-भागीदारी चाहैत अछि।

**१७७८. (A) मैथिलीकैँ अष्टम अनुसूचीमे स्थान भेटलाक स्मरणसँ** — अधिकार-दिवस भाषिक अधिकारक ऐतिहासिक स्मृति अछि।

**१७७९. (A) साहित्यकार, सेवी, भाषाशास्त्री, संगीत आ नृत्यकलाकार** — सम्मेलन बहु-विध सांस्कृतिक समुदायक संगम अछि।

**१७८०. (A) भाषा, साहित्य, संस्कृति लेल योजना, पुस्तक-विमोचन, सम्मान आ प्रतिभा-विकासक मंच** — सम्मेलन कार्यशील सांस्कृतिक अवसंरचना रूपमे प्रस्तुत अछि।

**१७८१. (A) प्राचीन सम्बन्धमे ताजापन आनैत अछि** — नेपाल प्रतिनिधिक मंच-उपस्थिति सम्बन्धक नवीनीकरणक प्रतीक अछि।

**१७८२. (A) तालीक गड़गड़ाहट** — दर्शक-प्रतिक्रिया नेपालक मैथिली गतिविधिप्रति रुचि देखबैत अछि।

**१७८३. (A) “नेपालमे मैथिली” नामक बुकलेट आदि** — नेपालक मैथिली गतिविधि प्रवासी मैथिल धरि पहुँचाओल गेल।

**१७८४. (A) “राजकमलक कथा साहित्यमे नारी”** — पुस्तक-विमोचन सम्मेलनक साहित्यिक उपयोगिता अछि।

**१७८५. (A) अनुभव ओकर औचित्य सिद्ध करैत अछि** — सकारात्मक अनुभव सम्मेलनक स्थायी महत्त्व सिद्ध करैत अछि।

**१७८६. (A) नेपालक प्रतीक-चिह्न अवश्य रहय** — अन्तरराष्ट्रीय स्वरूप दृश्य रूपमे सेहो अभिव्यक्त होयबाक चाही।

**१७८७. (A) पूर्व-निर्धारित आ व्यवस्थित कार्यक्रम** — व्यवस्था सम्मेलनक गरिमा आ सहभागिता सुधारैत अछि।

**१७८८. (A) केवल भाषण नहि, कार्यपत्र प्रस्तुति आ टिप्पणी** — भाषिक अधिकारक दिवस बौद्धिक विमर्शक मंच बनबाक चाही।

**१७८९. (A) कार्यपत्र आ बोलबाक अवसर, मंच पर प्रतिनिधित्व** — लेखक समान भागीदारीक लोकतांत्रिक रूप चाहैत छथि।

**१७९०. (A) मैथिली अस्तित्वक संघर्षमे आपसी अपनत्व आ लक्ष्य-शक्ति बढ़ाबय** — लेख सम्मेलन कैँ भाषा-संघर्षक भावनात्मक आ संगठनात्मक ऊर्जा मानैत अछि।

**१७९१. (A) लगभग पचास वर्ष** — कथा दीर्घ स्मृति-यात्रा सँ शुरू होइत अछि।

**१७९२. (A) बहादुर नोकर** — बहादुर पिताक आदेश पूरा करैत नरेशकेँ कान्हपर लादि लऽ जाइत छल।

**१७९३. (A) जीद हेरा दैत छल** — बाल्य-शिक्षा अनुशासन आ भयक मिश्रण रूपमे स्मरण अछि।

**१७९४. (A) क ख ग घ** — अक्षर-अभ्यास बाल्य शिक्षा आ आरम्भिक अनुशासनक चिह्न अछि।

**१७९५. (A) बटखरा** — बटखरा कंठस्थ करब मजबूरी आ शिक्षण-पद्धति दुनू बतबैत अछि।

**१७९६. (A) घंटी आ काठक डंटा बजबैत घरे-घरे** — पाठशाला-संस्कार आ लोकाचार बाल्य-संसारक हिस्सा अछि।

**१७९७. (A) गुड़-चाउर** — गुड़-चाउर बाल्य-आनन्दक सरल प्रतीक अछि।

**१७९८. (A) बरखा/पानीक आससँ** — अनावृष्टि पर लोक-खेल आ अनुष्ठानक मिश्रण देखायल अछि।

**१७९९. (A) छाउर, अशोक पात, जूट-सनक जटा आदि** — लोक-रूपांकन बाल्य-उत्सव आ प्रताड़ना दुनू रूपमे अछि।

**१८००. (A) आनन्द, भय, अनुशासन आ लोक-रंगक संग-साथ** — कथा बाल्यक सरलता आ कठोरता कैँ एके फ्रेममे देखबैत अछि।

**१८०१. (A) लगुआक बेटी** — इजोतिया गामक निकट सामाजिक वृत्तक पात्र अछि।

**१८०२. (A) अन्हरिया-इजोरिया** — चन्द्रमा आ अन्हार-इजोरियाक खेल बाल्य कल्पना जगबैत अछि।

**१८०३. (A) पुरखासभ इन्द्र भगवान लग पानिक बात करैत छथि** — लोकविश्वास बालमनमे वर्षाक आशा बनि बसैत अछि।

**१८०४. (A) नियमित दर्शक** — पुरुषक निषेध बीच नेना कैँ देखनेक अनुमति कथा मे उल्लेखित अछि।

**१८०५. (A) सामिल रहैत अछि** — इजोतियाक उपस्थिति नरेशक बाल-स्मृति कैँ संवेदनशील बनबैत अछि।

**१८०६. (A) बाल्य-शरारत आ बरखा-लोकविश्वासक मिश्रण** — छौड़ीसभक धुमगजरी आ बुढ़ियाक उराह बाल्य-लोकनाट्य जकाँ अछि।

**१८०७. (A) बाबूजी आ बहादुरक डर सँ मुक्त छल** — दिनक अनुशासनक विपरीत रात्रिक लोकखेल स्वतंत्रता दैत अछि।

**१८०८. (A) डेरा कऽ मना कय नासि गेल** — बाल्य-असमझ आ शरीर-चेतनाक आरम्भिक भय एहि प्रसंगमे अछि।

**१८०९. (A) पोताक उदंडपनीसँ वर्तमान आ अतीत टकरा गेल** — पोताक आचरण नरेशकेँ अपन बाल्यक स्मृति दिस घुमाबैत अछि।

**१८१०. (A) बाल्य-लोक, शरीर-स्मृति आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चिंता** — कथा बाल्यक खेल कैँ वयस्क चिंतन आ पीढ़ीगत भयसँग जोड़ैत अछि।

**१८११. (A) देरी सँ उठब, स्कूल प्रति लापरवाही, कुंडलिया संगत आ नशाक आशंका** — वर्तमान पीढ़ीक व्यवहार नरेशक मनमे बेचैनी जगबैत अछि।

**१८१२. (A) देहमे गुदगुदी आ आनन्द** — घरेलू खेल बाल्य-सुखक देहगत स्मृति बनैत अछि।

**१८१३. (A) भतीज कैँ टाँग पर झुलबैत** — बाल्य-अनुभव अगिला नेना पर दोहरायल जाइत अछि।

**१८१४. (A) बाम आँखि** — बाल्य खेलक जोखिम कथा मे तीक्ष्ण स्मृति रूपेँ बाँचल अछि।

**१८१५. (A) बताह जकाँ व्याकुल भऽ गेलीह** — मातृ-व्याकुलता बालकक चोटक मार्मिक पक्ष अछि।

**१८१६. (A) कपार मे, गाछीमे गाड़ल खूँटाक नोक सँ** — बाल्य उछल-कूदक खतरनाक रूप स्मृति बनल अछि।

**१८१७. (A) सभ्य समाजक अंग बनबा लेल बालक कैँ संघर्ष भोग पड़ल** — व्यक्तिगत स्मृति सामाजिक उन्नयनक संघर्षसँग जुड़ैत अछि।

**१८१८. (A) फेर सँ बचपन दिस लौटब** — वृद्धावस्था मे बचपन सुरक्षित संसार जकाँ आकर्षक लगैत अछि।

**१८१९. (A) राजनीतिक विद्रूपता, चंदा, अपहरण, हत्या, असुरक्षा** — कथा वर्तमानक हिंसक-संकटपूर्ण वातावरणक तुलना बचपनसँ करैत अछि।

**१८२०. (A) स्वच्छन्द बचपन आ असुरक्षित वर्तमानक बीच जीवनक अर्थ** — कथा स्मृति कैँ वर्तमान समाजक आलोचना बनबैत अछि।

**१८२१. (A) मिथिलाक विकास, मैथिली, पलायन आ जोखिम** — लेख मिथिला समाजक बहुस्तरीय सामाजिक-आर्थिक संकट देखबैत अछि।

**१८२२. (A) उबड़-खाबड़ आ संघर्षपूर्ण** — विकास संघर्षसँ अलग नहि, डेग-डेग पर संघर्ष चाही।

**१८२३. (A) व्यक्तिगत विकास** — समाजक विकास व्यक्तिक विकास पर टिकल बतायल गेल।

**१८२४. (A) उठलापर सिंह जकाँ दहाड़ब वा साँप जकाँ फुफकारब** — उपमा सुप्त शक्तिक तीव्र जागरणक आशा व्यक्त करैत अछि।

**१८२५. (A) भुलायल शक्ति फेर सँ स्मरण करबाक** — लेखक मानैत छथि जे मैथिल अपन शक्ति बिसरल छथि।

**१८२६. (A) सन्तान मिथिला-मैथिल सँ दूर भऽ जाएब** — आर्थिक उन्नति अगर सांस्कृतिक दूरी बढ़ाबय तँ संकट बनैत अछि।

**१८२७. (A) भाषा कैँ सामुदायिक आत्मसम्मानक केन्द्र मानब** — लेख मैथिली कैँ पहचानक मूल मानैत अछि।

**१८२८. (A) अपन घरभितर भाषा उपेक्षित अछि** — घरेलू मतांतर भाषा-संकटक कारण अछि।

**१८२९. (A) जीवन-भरण-पोषण आ व्यक्तिगत उद्देश्यक पूर्ति** — पलायन आर्थिक बाध्यता आ निजी लक्ष्य दुनू रूपमे देखायल अछि।

**१८३०. (A) कोमल स्पर्श आ भाषा प्रति अथाह लगन** — लेख मैथिली संरक्षण कैँ प्रेमपूर्ण, सचेत जिम्मेदारी बनबैत अछि।

**१८३१. (A) मातृभाषा प्रति प्राणसँ ऊपर सम्मान देखाबय लेल** — लेखक आन भाषिक समुदायसँ सीख लेबाक बात करैत छथि।

**१८३२. (A) बिहारक भाषिक पहचानक उलझन** — हिन्दी, भोजपुरी, मैथिली बीच पहचान-राजनीति पर प्रश्न अछि।

**१८३३. (A) भोजपुरी सिनेमा उद्योग कैँ सफलता भेटल** — लेख तुलना द्वारा मैथिली स्थिति पर पीड़ा व्यक्त करैत अछि।

**१८३४. (A) कमजोर** — लेख मिथिला भीतर भाषा-दुर्बलता पर तीव्र प्रश्न उठबैत अछि।

**१८३५. (A) अनेक भाषा सीखू, मुदा मैथिली नहि छोड़ू** — लेख बहुभाषिकता आ मातृभाषा-निष्ठा दुनू साथ राखैत अछि।

**१८३६. (A) ओ मानसिक रूपसँ गरीब भऽ जाइत छथि** — भाषा-विस्मृति लेखक लेल आंतरिक गरीबीक चिन्ह अछि।

**१८३७. (A) स्व-आलोचना द्वारा सामाजिक जड़ता तोड़ब** — लेखक कठोर आत्मालोचन द्वारा सक्रियता चाहैत छथि।

**१८३८. (A) पाँच करोड़ मैथिलक एके रंग भाग्य किएक?** — लेख भाग्यवादक आलोचना करैत अछि।

**१८३९. (A) वाक्पटुता बेसी, मौलिक आवश्यकता पूर्तिमे गरीबी** — शब्दक समृद्धि आ जीवन-सुविधाक कमीक विरोधाभास बतायल अछि।

**१८४०. (A) मौलिक हक सँ दूर समाज** — लेख नेतृत्व, ढाँचा आ अधिकारक अभाव कैँ संकट बनबैत अछि।

**१८४१. (A) व्यवसाय-विकास** — लेख आर्थिक प्रगति कैँ उद्यम आ व्यवसायसँ जोड़ैत अछि।

**१८४२. (A) विद्वान वा ज्ञानी मैथिलक** — लेख समस्या ज्ञानक अभाव नहि, आर्थिक-संगठनात्मक जोखिम-क्षमताक अभाव मानैत अछि।

**१८४३. (A) बहुत कम, नोइ बराबरि** — व्यापारिक वर्गक न्यूनता मिथिला-विकासक बाधा मानल गेल।

**१८४४. (A) व्यवसायमे धाक जमायबाक क्षमता देखाबय लेल** — लेख मैथिल समाज कैँ उद्यमशीलता दिस उकसाबैत अछि।

**१८४५. (A) प्रिन्ट आ बाजारमे आनबाक जोखिम** — बौद्धिकता के उत्पादन आ बाजारक साहससँ जोड़ि देखायल अछि।

**१८४६. (A) नियमहीन अपराधी सूदखोरी** — लेख सामाजिक आर्थिक शोषणक रूपमे सूदखोरीक आलोचना करैत अछि।

**१८४७. (A) अपराधी सूदखोर मैथिल कैँ झेलबाक बाध्यता** — लेख संस्थागत वित्तीय ढाँचा जरूरी मानैत अछि।

**१८४८. (A) मिथिलामे उद्यमक अल्पता** — लेख आँकड़ा सँ आर्थिक-सामाजिक जोखिम दिखबैत अछि।

**१८४९. (A) निर्भरता, अकर्मण्यता आ भावुक जरूरतक दबाव** — लेख निर्भरता कैँ सामाजिक जोखिम आ ऊर्जा-ह्रास बनबैत अछि।

**१८५०. (A) जीवनक जोखिम सहज लेल जाइत अछि, व्यापारक जोखिम कठिन बुझाइत अछि** — लेख समाजक जोखिम-बोध उलटल मानैत अछि।

**१८५१. (A) राजनीतिक कर्म आ लोकतान्त्रिक संघर्ष** — परिचय हुनका नेपालक प्रजातान्त्रिक आन्दोलनक सक्रिय योद्धा बतबैत अछि।

**१८५२. (A) १७ बेर** — परिचयमे १७ गिरफ्तारी हुनक संघर्षशील राजनीतिक जीवन देखबैत अछि।

**१८५३. (A) ८ वर्ष** — राजनीतिक संघर्षक कठोरता ई सूचना देखबैत अछि।

१८५४. (A) **फेकना/अभावग्रस्त लोक दिस** — कविता उत्सवक किनार पर छूटल भूख आ अभाव देखबैत अछि।

१८५५. (A) **एक मुट्ठी भात आ तिलकोर तरुआक लोभे** — उत्सवक बीच भूखक बिम्ब कविता कैँ तीखा बनबैत अछि।

१८५६. (A) **चमकदार उत्सवसँ हटि उपेक्षित भूख दिस देखब** — कविता बाहरी रोशनीक बजाय सामाजिक अन्हार पर केन्द्रित अछि।

१८५७. (A) **गरीबी आ भोजन-अभावक विरुद्ध** — दीपावलीक चमक भूखक कठोर यथार्थ सँ टकराइत अछि।

१८५८. (A) **कोइरालाक प्रति प्रतिबद्ध राजनीतिक अनुयायी रूपमे** — परिचय राजनीतिक वैचारिकता स्पष्ट करैत अछि।

१८५९. (A) **नेपाली राजनीतिक-साहित्यिक परंपरासँ मैथिली संवाद** — रूपान्तरण भाषा-पार साहित्यिक आदान-प्रदान अछि।

१८६०. (A) **उत्सवक चमकक भीतर छूटल मनुष्यक भूख** — कविता उत्सवक राजनीतिक-समाजिक आलोचना रूपेँ पढ़ल जा सकैत अछि।

१८६१. (A) **अनुशासन** — कविता शासन आ अनुशासनक सम्बन्ध पर तीक्ष्ण कथन करैत अछि।

१८६२. (A) **हिंसक इतिहास आ रक्त-राजनीति** — महाभारत-लाल पहाड़ बिम्ब युद्ध आ रक्तक आलोचना अछि।

१८६३. (A) **दिखावटी मित्रता पर संशय** — छोट कथन राजनीतिक सम्बन्धक दोहरापन खोलैत अछि।

१८६४. (A) **एकता सामूहिक हित लेल, एक व्यक्तिक लेल नहि** — कविता एकता-नारा कैँ स्वार्थी appropriation सँ बचबैत अछि।

१८६५. (A) **बुद्धिजीवी शब्द बनबैत छथि मुदा बात चबायल जाइत अछि** — कविता भाषिक-कौशल आ वास्तविक कर्म बीच व्यंग्य रचैत अछि।

१८६६. (A) **सफलताक श्रेय आ आत्म-केन्द्रित व्यंग्य** — छोट पंक्ति राजनीतिक आत्ममुग्धता पर कटाक्ष अछि।

१८६७. (A) **दोष देखनिहार कैँ सनकी कहि खारिज करब** — कविता आलोचकक अवमूल्यन पर व्यंग्य अछि।

१८६८. (A) **सुगन्धक दावा आ दुर्गन्धक यथार्थ** — पंक्ति सजावट आ असल स्थिति बीच अंतर खोलैत अछि।

१८६९. (A) **पुरानी मानसिकता सँ नया युग नहि बनत** — कविता परिवर्तन लेल मानसिकता-परिवर्तन आवश्यक मानैत अछि।

१८७०. (A) **शिकारक तर्क अपने निर्मित कारणसँ बनैत अछि** — कविता हिंसा या शोषणक औचित्य-निर्माण पर कटाक्ष करैत अछि।

१८७१. (A) **तीस वर्ष** — परिचय हुनक दीर्घ अध्ययन आ कला-चिन्तन स्पष्ट करैत अछि।

१८७२. (A) **मैथिलीक पहिल ई-पेपरक सम्पादक** — परिचय हुनका डिजिटल मैथिली सम्पादनसँ जोड़ैत अछि।

१८७३. (A) **दीवारसँ कागज पर उतारबाक प्रयास** — लेखकमानैत छथि जे माध्यम-परिवर्तनसँ नव प्रयोग आ अर्थ-संकट शुरू भेल।

१८७४. (A) **नव-नव प्रयोग आ अर्थक नव संसार** — माध्यम-परिवर्तन अर्थ-व्याख्या बदलि देलक।

१८७५. (A) **कलाक स्वरूप आ अर्थक औचित्य पर सवाल** — लेख कलाक आंतरिक अर्थ-व्यवस्था पर आलोचनात्मक दृष्टि दैत अछि।

१८७६. (A) **प्रत्येक कलाकृतिक एक अर्थ होइत अछि** — अर्थ कलाकृति आ ओकर सार्थकता कैँ जोड़ैत अछि।

१८७७. (A) **अपन स्वतंत्र नजरिया** — लेख देशी दृष्टि-अभाव कैँ गंभीर समस्या मानैत अछि।

१८७८. (A) **देशी नजरियाक अभाव आ अर्थ-भ्रम** — लेख कहैत अछि जे देशी विद्वान ओकरे आधार मानि आगू बढ़ैत रहलाह।

१८७९. (A) **अर्थक अधिकता सँ साथर्कता खतम होबाक प्रश्न** — लेख मिथिला चित्रकलाक अर्थ-अधिकता कैँ आलोचनात्मक मुद्दा बनबैत अछि।

१८८०. (A) **अर्थक अधिकता, बाहरी व्याख्या आ स्थानीय सूत्रक उपेक्षा** — लेख अर्थ, माध्यम, विद्वान-दृष्टि आ सामाजिक संदर्भक उलझन खोलैत अछि।

१८८१. (A) **मिथिला चित्रकलापर आरम्भिक लिखित टिप्पणी** — आर्चरक उल्लेख इतिहास-लेखनक प्रारम्भिक बाहरी दृष्टि रूपमे अछि।

१८८२. (A) **मिथिला लोकचित्रकला पर पहिल अधिकृत देशी दस्तावेज** — लेख देशी दृष्टि आ भाषा-मिश्रणक कारण एकरा महत्त्वपूर्ण मानैत अछि।

१८८३. (A) **अर्थक अधिकताक मूल कारण सभमे एक** — देशी सामग्री प्रसारित नहि भेलासँ बाहरी अर्थ हावी भेल।

१८८४. (A) **मिथिला चित्रकलाक अर्थ गलत आ भ्रमक तरीका सँ विश्व समक्ष राखल गेल** — ब्राउनक टिप्पणी बाहरी व्याख्याक सीमा स्वीकार करैत अछि।

१८८५. (A) **लोककला बुझि ओकर सही अर्थ अभिव्यक्त करब** — लोककला स्थानीय जीवन-सूत्रसँ जुड़ल रहैत अछि।

१८८६. (A) **एकटा समानता जे अर्थ कैँ जोड़ैत अछि** — अर्थ बहुलता पूर्ण अराजक नहि, ओकर एक सूत्र होइत अछि।

१८८७. (A) **पुरुष शास्त्रीय/कर्मकाण्ड, स्त्री घरेलू पर्व-त्योहारक व्याख्या मे दक्ष** — लेख ज्ञानक लैंगिक-सामाजिक विभाजनक बात करैत अछि।

१८८८. (A) **किछु मिहलाक लग, जे व्यावसायिक नहि छथि** — लेख स्थानीय स्त्री-सूत्रक महत्त्व बतबैत अछि।

१८८९. (A) **सूत्र-जिनिहारि महिलाक नजरअंदाज** — लेख ज्ञान-स्रोतक गलत चयन पर आलोचना करैत अछि।

**१८९०. (A) मिथिला चित्रकलाक अर्थ स्थानीय स्त्री-ज्ञान आ सामाजिक सूत्र बिना नहि बुझल जा सकैत** — लेख देशी, स्त्री-केंद्रित आ सांस्कृतिक पठनक माँग करैत अछि।

**१८९१. (A) अधिकतर विद्वान एकरा कोहबर नामसँ परिभाषित करैत छथि, जबकि पुरैन चित्रगुच्छक एक सदस्य मात्र अछि** — पुरैन कें सम्पूर्ण कोहबर मानब अर्थ-भ्रमक कारण अछि।

**१८९२. (A) मूल सूत्र आ दीवार-परम्परासँ अलग रूप फैलि रहल अछि** — लेख परम्परा आ आधुनिक कागजी रूपक फर्क दिखबैत अछि।

**१८९३. (A) चारूकात छह आ बीचमे सातम, पैघ आकारक** — लेख वर्तमान रेखाचित्रक बनावट बतबैत अछि।

**१८९४. (A) जमीन पर बनाओल रेखाचित्र** — लेख पुरैन-रेखाचित्र आ अरिपनक भेद स्पष्ट करैत अछि।

**१८९५. (A) ब्राह्मण आ कर्णकायस्थ** — दूनू समुदायमे पुरैनक प्रारूप अलग कहल गेल अछि।

**१८९६. (A) स्थानीय सांस्कृतिक सूत्र बिना संदेश बुझब कठिन अछि** — लेख बाहरी दृष्टि कें भीड़वाला चित्रक भ्रममे पड़ल बतबैत अछि।

**१८९७. (A) कायस्थ प्रारूपसँ** — लेख ब्राउनक मतकें स्थानीय रूपांतर-बोधसँ जोड़ैत अछि।

**१८९८. (A) कमल-पोखरि आ वंश-वृद्धिक सांकेतिक अर्थसँ** — कमल-पानीक बिम्ब परिवार-विस्तारक सांस्कृतिक संकेत अछि।

**१८९९. (A) घर कें वंश-विहीन नहि होबय देबाक** — पुरैनक लोक-अर्थ विवाह, वंश आ स्त्रीत्वक प्रतीक-विश्वसँ जुड़ल अछि।

**१९००. (A) बियाहक अर्थ बदललाक बाद पुरैनक प्रासंगिकता पर पुनर्विचार जरूरी अछि** — लेख परम्परा के अंध-स्वीकार नहि, अर्थ-बोधक पुनर्पाठ चाहैत अछि।

**१९०१. (A) मिथिला चित्रकलाक गंभीर शोध हो आ अर्थक अधिकता कम हो** — लेख मिथिला चित्रकलाक गलत अर्थ-प्रसार रोकबाक लेल गंभीर शोधक आवश्यकता बतबैत अछि।

**१९०२. (A) बहुत बेर गलत ढंगसँ** — लेख बाहरी व्याख्या द्वारा सांस्कृतिक अर्थक विकृति पर आपत्ति करैत अछि।

**१९०३. (A) बहुत चित्र एतुका संस्कृति सँ कटि बनि रहल अछि** — लेख नव प्रयोगक विरोध नहि, संस्कृति-विहीन अर्थ-निर्माणक आलोचना करैत अछि।

**१९०४. (A) मिथिला चित्रकलाक गलत अर्थ-प्रसार लेल** — यदि सही शोध नहि भेल तँ कला मिथिलाक ज्ञान नहि, अज्ञानक प्रतीक मानल जाएत।

**१९०५. (A) स्थानीय सूत्र आ स्त्री-ज्ञानक उपेक्षा** — लेख मानैत अछि जे स्थानीय महिलाक अर्थ-सूत्र कें अनदेखा करब मूल समस्या अछि।

**१९०६. (A) चित्रक रूप मात्र नहि, ओकर सांस्कृतिक सूत्र बुझब जरूरी अछि** — पुरैनक उदाहरण सँ लेख लोक-अर्थक जटिलता खोलैत अछि।

**१९०७. (A) मिथिलाक स्त्री-परंपराक** — कला घरेलू स्त्री-अनुभव आ अनुष्ठानिक ज्ञानसँ गहींर जुड़ल अछि।

**१९०८. (A) नव प्रयोग आ अर्थक नव संसार** — दीवारसँ कागज पर गेलाक बाद बाजार, प्रयोग आ बाहरी अर्थ-निर्माण बढ़ल।

**१९०९. (A) स्थानीय संस्कृति, भाषा आ परंपरागत अर्थक आधार पर पुनर्पाठ** — लेख देशी व्याख्या, स्थानीय संवाद आ सांस्कृतिक संदर्भक आग्रह करैत अछि।

**१९१०. (A) कला-समालोचनात्मक आ सांस्कृतिक आत्मरक्षा वाला** — लेख मिथिला चित्रकला कें मिथिलाक मान-स्मृति आ अर्थ-व्यवस्था सँ जोडि समीक्षा करैत अछि।

**१९११. (A) उच्च शिक्षा, गंभीर चिंतन आ विचार-विमर्शक परंपरा** — लेख मिथिलाक सांस्कृतिक विरासत कें अध्ययन, विमर्श आ निर्णय-प्रक्रियासँ जोड़ैत अछि।

**१९१२. (A) दोसराकें प्रसन्न करबामे आनंद** — अतिथि-सत्कार आ सामाजिक सम्मानक पीछे परसुखक भावना बतायल गेल अछि।

**१९१३. (A) घरक थारी-लोटा धरि बन्धकी राखि देबाक** — लेख मिथिलाक अतिथि-भावना कें अतिरेकी, परन्तु उदार सांस्कृतिक प्रवृत्ति रूपेँ देखैत अछि।

**१९१४. (A) काज करनिहार लोक कें सम्मानसूचक सम्बोधन** — लेख सम्बोधनक भीतर सामाजिक आदरक सांस्कृतिक अर्थ ताकैत अछि।

**१९१५. (A) सामाजिक स्नेह आ सम्बन्धक विस्तार** — दाय शब्द दादी, जेठ बहिन, दुलारि बेटी आ सेवा-कर्त्री सभमे संबंधसूत्र बनबैत अछि।

**१९१६. (A) गनल-गुथल लोक बहुत पढ़ल, बाकी रोजी-रोटीमे लागल रहल** — लेख शिक्षा-परंपरा संग सामाजिक असमानता सेहो देखबैत अछि।

**१९१७. (A) कृषि** — गामक जीवन कृषि-आधारित छल, जे समाजक ढाँचा बनेने छल।

**१९१८. (A) धर्म-भय सँ सदाचार आ सामाजिक मर्यादा टिकत, ई आशा** — भक्ति कें लेखक सामाजिक अनुशासनक साधन रूपेँ पढ़ैत छथि।

**१९१९. (A) धर्मभीरुता, पाखण्ड, अंधविश्वास, लोभ आ अत्याचार** — लेख आदर्श आ वास्तविक प्रवृत्ति बीचक अंतर स्पष्ट करैत अछि।

**१९२०. (A) मिथिलाक विरासत ऊँच अछि, मुदा ओकर मूल्य-सूत्र कमजोर पड़ल अछि** — लेख गौरवगानक संग आत्मालोचना सेहो करैत अछि।

**१९२१. (A) बहुत मजगूत** — कृषि-संस्कृति गामक लोक कैँ एक परिवार जकाँ जोड़ने छल।

**१९२२. (A) कृषि-समाजमे काम आ सहभागिता स्वामित्वसँ बेसी महत्त्वपूर्ण छल** — लेख सामूहिक कृषि-संस्कृति कैँ भूमि-मालिकी सँ परे देखैत अछि।

**१९२३. (A) विभिन्न जाति-वृत्ति समुदाय सभक उपस्थिति** — डोम, चमार, नौआ, कमार, गुआर, धोबी आदि सभक सहभागिता गामक पूर्णता बनबैत छल।

**१९२४. (A) परस्पर-आश्रित वृत्ति-समाज देखाबय लेल** — लेख पेशागत संबंध कैँ सामूहिक जीवनक ढाँचा मानैत अछि।

**१९२५. (A) सर्वजातीय-सर्ववृत्तीय सहभागिताक उदाहरण** — पर्व-उत्सव बिना सामूहिक सहभागिता पूर्ण नहि मानल जाइत छल।

**१९२६. (A) परिहासक माध्यमसँ सामाजिक भूमिका** — लेख बतबैत अछि जे नौआक हास्य-विधि विवाहक सांस्कृतिक अंग अछि।

**१९२७. (A) कन्याक माय-समान ओहदा** — विवाह-कर्ममे सेवा-वृत्तिक लोक कैँ परिजन-समान अर्थ भेटैत अछि।

**१९२८. (A) जाति-धर्म समभाव आ साझा विरासतक रक्षा करनिहार पाबनि** — छठमे समाजक अनेक वर्गक सहभागिता आवश्यक कहल गेल।

**१९२९. (A) लोभ, द्वेष, छुआछूत, जाति-द्वेष आ शोषणक वृद्धि** — लेख विकासक बावजूद समाजक विखंडन पर आलोचना करैत अछि।

**१९३०. (A) मिथिलाक पुरान समाज परस्पर-आश्रित सामूहिकता पर टिकल छल** — लेख पुरान सांस्कृतिक व्यवहारमे सामाजिक अनुबंधक गाढ़ अर्थ देखैत अछि।

**१९३१. (A) ग्रामदेवक थान आ पड़ोसियाक आँगनमे** — लेख अन्न-फल बाँटबाक परंपरा कैँ सामाजिक सम्बन्धक प्रतीक मानैत अछि।

**१९३२. (A) कोनो परगोत्री कैँ** — आगअँ-राशि बाँटब परस्पर-संबंध आ पुण्य-दृष्टि सँ जुड़ल अछि।

**१९३३. (A) कुटुम्ब-सम्बन्ध कैँ पूरे समाजक संग साझा करब** — संदेश-वस्तु निजी नहि, सामुदायिक आनन्दक रूपमे फैलैत छल।

**१९३४. (A) सम्पूर्ण गाम कैँ बेटी विदा होएबाक सूचना आ भाव-साझेदारी** — दुरागमन सामूहिक बेटी-बोधक सांस्कृतिक क्षण बनैत छल।

**१९३५. (A) बेटीक विवेक आ कुल-शीलक स्मरण कराएब** — भोजन द्वारा गाम अपन नैतिक-सांस्कृतिक शिक्षा साझा करैत छल।

**१९३६. (A) गामक लोक द्वारा बेटी कैँ सामाजिक शिक्षा देबाक अवसर** — लेख रस्मक गुप्त लक्ष्यक रूपमे सामूहिक प्रशिक्षण देखैत अछि।

**१९३७. (A) औपचारिकता बनि गेल अछि** — लेख कहैत अछि जे गामक बेटी कैँ अपन बेटी मानबाक भाव कमल।

**१९३८. (A) शिष्टाचार आ सम्भावित अघट रोकबाक सामाजिक मर्यादा** — लेख आधुनिक आलोचनाक बावजूद वर्जना भीतर सुरक्षा-तर्क ताकैत अछि।

**१९३९. (A) भैंसुर वा ममिया ससुर कैँ** — घोघट प्रक्रिया मे लाज-रक्षाक सार्वजनिक प्रतिज्ञा देखायल गेल।

**१९४०. (A) स्त्रीक लाजक जीवनपर्यन्त रक्षा करबाक प्रतिज्ञा** — लेख रीतिक भीतर नारी-सुरक्षा आ संबंध-मर्यादा खोजैत अछि।

**१९४१. (A) स्त्रीक सृजनशीलता आ भोजन-विन्यासक कौशल** — लेख कहबीक सतहक नीचे स्त्री-कला आ रसोई-संस्कृति देखैत अछि।

**१९४२. (A) भनसा घर सँ अँगनाक ड्योढ़ी धरि** — सीमित घरेलू दायरा भोजन-कला कैँ सृजनक क्षेत्र बनबैत अछि।

**१९४३. (A) भोजनक विन्यास, तीमन-तरकारी, चटनी, अचार आदि मे** — रसोई कैँ लेख स्त्री-प्रतिभाक सांस्कृतिक प्रयोगशाला मानैत अछि।

**१९४४. (A) मिथिलामे** — लेख चिकित्सा-ज्ञान, वनस्पति आ भोजनक मेल मिथिला-संस्कृति मे देखैत अछि।

**१९४५. (A) शरीर-श्रम आ घर-आँगनक कलात्मकता मे** — लेख घरेलू आ श्रमशील दुनू स्त्री संसारमे कौशल मानैत अछि।

**१९४६. (A) कृषि-कर्म आ मेघ-आवाहनक आयोजन** — जट-जटिन अनावृष्टिक आशंका मे वर्षा-आवाहन सँ जुड़ल अछि।

**१९४७. (A) पारिवारिक पुरुष पात्रक** — सामा गीत पारिवारिक कल्याण आ भाव-संबंधक संस्कार अछि।

**१९४८. (A) संस्कारक भीतर पर्यावरण-संबंधित लोकविश्वास देखाबय लेल** — लेख संस्कारक भीतर प्रकृति-संबंधक गूढ़ अर्थ देखैत अछि।

**१९४९. (A) हर पेशागत समुदायक नियत स्वामित्व आ सामाजिक स्थान छल** — नौआ, कमार, कुम्हार, डोम, धोबी आदि पेशाक अधिकार-व्यवस्था सामाजिक अनुबंध छल।

**१९५०. (A) स्त्री-कला, भोजन, लोकनाट्य आ वृत्ति-व्यवस्था मिथिला-जीवनक गूढ़ संस्कृति छल** — लेख मिथिलाक रोजमर्रा जीवनमे कला आ सामाजिक अर्थ खोजैत अछि।

**१९५१. (A) बहुत सम्पन्न** — सूप, कोनियाँ, पथिया, बखारी आदि वस्तु समाजक आपसी निर्भरता देखबैत छल।

**१९५२. (A) लोक-हस्तकला आ घरेलू उपयोगक समृद्ध परंपरा** — ई वस्तु मिथिलाक पारंपरिक श्रम-कौशलक चिन्ह अछि।

**१९५३. (A) शब्द आ क्रिया दुनूक विस्मृति** — सामग्री लुप्त भेलाक संग शब्दावली सेहो अनुपस्थित होइत जा रहल अछि।

**१९५४. (A) जीवन-पद्धतिक क्रियात्मक ज्ञान मेटा रहल अछि** — लेख शब्द मात्र नहि, क्रियात्मक संस्कृतिक क्षय पर ध्यान दैत अछि।

**१९५५. (A) जागृति बढ़ल, मुदा आर्थिक उदारीकरण आ अहंकारेँ परंपरा पर चोट पड़ल** — लेख आधुनिक शिक्षा केँ एकरेखीय दोष नहि दैत, पर आर्थिक-सामाजिक बदलाव पर सवाल उठबैत अछि।

**१९५६. (A) मिथिलाक परंपरा पर आघात साहित्य मे पहिनेसँ देखाओल गेल अछि** — लेख कथा-साहित्यक उदाहरणसँ परंपरा-क्षरणक पुष्टि करैत अछि।

**१९५७. (A) खढ़क घर घटल, घरामीक वृत्ति चलि गेल** — सामग्री बदललाक संग वृत्ति-ज्ञान लुप्त भेल।

**१९५८. (A) पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्तुक स्थान बाजारू वस्तु लेलक** — प्लास्टिक उपभोक्ता-आधुनिकता पारंपरिक श्रम केँ विस्थापित करैत अछि।

**१९५९. (A) लोककला केँ पूँजीक द्वारा प्रतिकृति-वस्तु बनाय देबाक** — री-प्रोडक्शन लोककला केँ जीवन-स्रोतसँ काटि बाजारू वस्तु बना सकैत अछि।

**१९६०. (A) लोकधारा केँ अभिलेखागार/बाजारमे स्थिर करब, ओकर जीवित प्रवाह रोकबाक खतरा** — लेख दस्तावेजीकरण आ बाजारक उपयोगिता संग ओकर सांस्कृतिक जोखिम चिन्हैत अछि।

**१९६१. (A) विकसित आ परिवर्धित होइत, अविरल प्रवाहमे** — लोककला जीवनक संग बदलैत-बढ़ैत छल, ई लेखकक प्रमुख बिंदु अछि।

**१९६२. (A) जीवित सांस्कृतिक धारा केँ स्थिर करि देबाक** — दस्तावेजीकरण जरूरी भइतो यदि लोकजीवनसँ कटल होए तँ विकास रोकि सकैत अछि।

**१९६३. (A) जुड़ल लोक केँ सम्मानित जीवन-जोगर वृत्ति देब** — परंपरा बचएबाक आधार ओकर वाहक समुदायक गरिमामय जीविका अछि।

**१९६४. (A) लोक-जीवनक आधार बदलल, तेँ लोक-संस्कृति केँ वाहक संकटमे अछि** — लेख लोक कहबाक सामाजिक आधार टूटबाक पीड़ा व्यक्त करैत अछि।

**१९६५. (A) वाहक समुदायक विस्थापन आ असुरक्षित भविष्य** — प्रश्न संस्कृति-रक्षा केँ जीविका-राजनीति सँ जोड़ैत अछि।

**१९६६. (A) लेखन-समीक्षा द्वारा विरासतक सही लेखाजोखा** — पेन सांस्कृतिक स्मृति लिखबाक जिम्मेदारीक रूपक अछि।

**१९६७. (A) क्योंकि लेखक आर्थिक, सामाजिक, भाषिक आ सौंदर्यात्मक कारण सभ जोड़ैत छथि** — लेख बहुआयामी सामाजिक विश्लेषण करैत अछि।

**१९६८. (A) जीविका, शब्द, कौशल आ सामाजिक संबंध** — वस्तु-बदलाव पूरा सामाजिक-सांस्कृतिक तंत्र प्रभावित करैत अछि।

**१९६९. (A) क्योंकि ओ परंपरागत श्रम आ मौलिकता केँ विस्थापित करैत अछि** — आलोचना अंध-आधुनिकता पर अछि, उपयोगिता पर नहीं।

**१९७०. (A) मिथिलाक सांस्कृतिक जीवन-सूत्र टूटि रहल अछि, ओकर लेखा आ पुनर्संरक्षण जरूरी अछि** — लेख लोकजीवन, भाषा, हस्तकला, स्त्री-कौशल आ सामाजिक अनुबंधक रक्षा पर केन्द्रित अछि।

**१९७१. (A) प्रेम आ सिनेहक** — कविता निजी भावनाकेँ सार्वजनिक बाजारू तमाशा बनएबाक विरोध करैत अछि।

**१९७२. (A) बदनाम नहि करबाक** — कविता प्रेम-स्नेहक अपमान केँ इतिहासक अपमानसँ जोड़ैत अछि।

**१९७३. (A) आदमीक जंगलमे** — मानवीय भीड़ केँ जंगलक बिम्बसँ देखाएल गेल अछि।

**१९७४. (A) जिनगीक विज्ञापन** — विज्ञापनक संसारमे जीवनक असल अर्थ तलाशल जा रहल अछि।

**१९७५. (A) इज्जतक** — कविता बाजारीकरणक कटु व्यंग्य प्रस्तुत करैत अछि।

**१९७६. (A) नैतिक मूल्यक बाजारू वस्तुकरण पर व्यंग्य** — इज्जत खरीद-बिक्रीक वस्तु बनि गेल, ई तीक्ष्ण सामाजिक आलोचना अछि।

**१९७७. (A) नैतिकता/इज्जतक कमी आ बाजारू भाषा** — व्यापारिक शब्दावली सँ कवि नैतिक पतनक हास्य-व्यंग्य करैत छथि।

**१९७८. (A) सामाजिक नैतिकता पर संक्षिप्त व्यंग्य** — लघु रूपमे प्रेम, जीवन आ इज्जतक बाजारूकरण पर चोट अछि।

**१९७९. (A) तीक्ष्ण, छोट-छोट भाव-विस्फोट** — छौँक छोट मात्रा मे तेज स्वाद/चोटक भाव दैत अछि।

**१९८०. (A) संकुचित पंक्तिमे तीक्ष्ण सामाजिक टिप्पणी** — छोट पंक्तिसभ सामाजिक अर्थक घनीभूत टिप्पणी बनैत अछि।

**१९८१. (A) सहोदर** — लेख गीत आ गजलमे समानता मानैत अछि, मुदा भिन्न विकास-पथ सेहो देखबैत अछि।

**१९८२. (A) अति प्राचीन काव्यशैली** — गीत मिथिलाक पुरातन काव्यधारा अछि।

**१९८३. (A) अपेक्षाकृत नवीन रूप** — लेख गजल केँ नव रूप कहैत अछि जे मिथिला धरतीपर पहुँचल।

**१९८४. (A) कुम्भ मेलामे बिछुड़ल सहोदरक रूपक** — रूपक अपनापा, दूरी आ पुनर्भेटक भाव बनबैत अछि।

**१९८५. (A) अरब दिशा मे** — लेख गजलक सांस्कृतिक यात्रा केँ अरब सँ मिथिला धरिक रूपकमे रखैत अछि।

१९८६. (A) **अपन जगह कब्जा करय आएल प्रतिद्वन्द्वी जकाँ** — अपिरचयक काल मे गीत गजल कैँ प्रतिद्वन्द्वी बुझलक।

१९८७. (A) **बैरक कारण नहि, दुनू सहोदर छथि** — लेख संबंधक अन्ततः भ्रातृत्व भाव पर बल दैत अछि।

१९८८. (A) **रंग-बिरंगी फूल सँ सजाओल सेजौट जकाँ** — गीतक स्वभाव मृदु, लोकव्यवहारमय आ भाव-संपन्न कहल गेल।

१९८९. (A) **फूलसन मोलायम भावमे** — गीत कठोर कथ्य कैँ मधुर भावमे पिरोबैत अछि।

१९९०. (A) **लालीगुराँसक फूल जे गऽरक काँट गलाबय** — गीत मृदु होइतहुँ तीव्र समाधानकारी शक्ति रखैत अछि।

१९९१. (A) **नरमाहटि** — लेख गजलक तेज, धरगर आ सीधा स्वभावक बात करैत अछि।

१९९२. (A) **कठोरता आ उग्र तेज** — मरुभूमि बिम्ब गजलक तिक्त, तेज आ धरगर अभिव्यक्ति समझबैत अछि।

१९९३. (A) **प्रेम सेहो धरगर अंदाजमे कहल जाइत अछि** — गजल प्रेमक वाणी भएओ सीधी चोट देत अछि।

१९९४. (A) **लक्ष्यभेदी तीक्ष्णता** — लेख गजलक अभिव्यक्ति कैँ साफ, तीक्ष्ण आ कम लाइलपट मानैत अछि।

१९९५. (A) **गजल फूलक प्रक्षेपण तरुआरि जकाँ, गीत तरुआरि सेहो फूल जकाँ भाँजैत** — ई बिम्ब गीतक कोमलता आ गजलक तीक्ष्णता एक साथ स्पष्ट करैत अछि।

१९९६. (A) **हिन्दी वा नेपाली गजलसँ झूस नहि** — लेख मैथिली गजल कैँ गुणवत्तामे सक्षम मानैत अछि।

१९९७. (A) **लगभग एकहि मुहूर्तमे प्रवेश** — लेख तीनू भाषाक गजल-आगमनक सामयिक निकटता बतबैत अछि।

१९९८. (A) **भारतेन्दु** — लेख भारतेन्दु, मोतीराम भट्ट आ जीवन झा कैँ समान कालखंडक व्यक्तित्व मानैत अछि।

१९९९. (A) **मोतीराम भट्ट** — लेख नेपाली गजलपरंपरा कैँ मोतीराम भट्टसँ जोड़ैत अछि।

२०००. (A) **पं. जीवन झा** — लेख मैथिली गजलके प्रारम्भिक रूपमे जीवन झा कैँ स्मरैत अछि।

२००१. (A) **मैथिलीमे गजल एतबा लिखल जा चुकल जे मूल संरचना कहब सहज लगैत अछि** — लेख मानैत अछि जे पर्याप्त लेखनक बाद संरचनाक चर्चा सामान्य होयबाक चाही।

२००२. (A) **दू-दू पंक्तिक तुकबन्दी कैँ गजल बूझि लेबाक प्रवृत्ति** — लेख सतही तुकबन्दी कैँ गजल मानबाक विरोध करैत अछि।

२००३. (A) **अन्त्यानुप्रास मिलल रहैत अछि** — गजलक प्रारम्भिक शेर स्थायी तुक-ध्वनि बनबैत अछि।

२००४. (A) **साझी शब्द सँ पहिनुक शब्दमे** — लेख सरल शब्दमे रदीफ-काफिया समान संरचनाक बात करैत अछि।

२००५. (A) **अनुप्रासक दृष्टिएँ** — दूसर पाँति स्थायी तुकक अनुकरण करैत अछि।

२००६. (A) **स्थायीवला अनुप्रास कैँ पछुअबैत चलैत अछि** — गजलक शेरमे तुक-प्रवाहक पुनरागमन आवश्यक अछि।

२००७. (A) **कथ्य बौआइत नहि रहए** — संरचना संग अर्थक गाढ़ता जरूरी अछि।

२००८. (A) **गीजल** — लेख सतही रूप पर चेतावनी दैत अछि।

२००९. (A) **रहस्य, रोमांच आ समधानल चोट** — गजल भाव-ध्वनि आ चोटक संतुलन माँगैत अछि।

२०१०. (A) **ताल- मात्राक प्रवाहमय साँचमे** — गजलक लयात्मक अनुशासन लेखमे महत्त्वपूर्ण कहल गेल।

२०११. (A) **हरक सिराउर जकाँ** — हरक बिम्ब धरती चीरिक बीज रोपबाक तैयारी बतबैत अछि।

२०१२. (A) **कल्पना वा विषयवस्तुक उठान** — पहिल पाँति बीज रोपबाक जमीन खोलैत अछि।

२०१३. (A) **पहिलमे खसाओल बीज कैँ तोपि आगू बढ़बाक मार्ग प्रशस्त** — दोसर पाँति पहिल पंक्तिक अर्थ कैँ आकार दैत अछि।

२०१४. (A) **अपनहुमे स्वतंत्र, समग्रमेसँ जुड़ल** — गजलक शेर अलग अर्थ रखैत अछि, मुदा पूरा गजलमे तादात्म्य बनबैत अछि।

२०१५. (A) **कनसार सँ निकलल लालोलाल लोह** — पहिल पंक्तिक उष्णता आ आकार-पियास बिम्बित अछि।

२०१६. (A) **निर्दिष्ट आकार दिस बढ़एबाक घनक समधानल चोट** — दोसर पाँति अर्थ कैँ प्रहारद्वारा मूर्त करैत अछि।

२०१७. (A) **बगय-बानि बुझिते गजलक सृजन संभव होइत अछि** — गीत-परंपराक लयबोध गजल-लेखनमे सहायक बतायल गेल।

२०१८. (A) **हास्यास्पद भऽ सकैत** — लेख विनम्रतापूर्वक नवसिखुआक सुविधा लेल संरचना समझबैत अछि।

२०१९. (A) **गजल-संरचना सहज बुझब** — लेख शिक्षात्मक भावेँ जटिल पारिभाषिक शब्द टारि समझबैत अछि।

**२०२०. (A) गजलक तकनीक कैं लोक-जीवनक हर, लोह आ घन सँ समझेबाक** — लोकजीवनक बिम्ब संरचनात्मक ज्ञान कैं सुलभ बनबैत अछि।

**२०२१. (A) एक-आध हाथ गजलमे सेहो अजमबैत** — लेख मैथिली सर्जकसभक गजलप्रति रुचि रेखांकित करैत अछि।

**२०२२. (A) "भगवान हमर ई मिथिला"** — लेख वैद्यनाथ मिश्र यात्री कैं गजल-संरचना सन्दर्भमे स्मरैत अछि।

**२०२३. (A) खाँटी गजलकार** — ई नाम मैथिली गजलक विशेष परंपरा रेखांकित करैत अछि।

**२०२४. (A) मैथिली गजल-संसारक विस्तार देखाबय लेल** — लेख गजल परंपराक व्यापकता दिखबैत अछि।

**२०२५. (A) बहुत कम देखल जाइत अछि** — लेख लैंगिक प्रतिनिधित्वक कमी पर संकेत करैत अछि।

**२०२६. (A) भ्रातृत्व आ सहयात्रा** — आरम्भिक दूरीक बाद दुनू विधा डेगसँ डेग मिलाकऽ आगाँ बढ़ैत अछि।

**२०२७. (A) क्योंकि केवल तुकबन्दी गजल नहि बना दैत** — लेख रूप, कथ्य, लय, चोट आ अर्थ सभकेँ आवश्यक मानैत अछि।

**२०२८. (A) गुणवत्ता हिन्दी-नेपालीसँ कम नहि आ गीत-परंपरा मजबूत अछि** — लेख मैथिली गजल कैं स्वाभिमानी साहित्यिक विधा मानैत अछि।

**२०२९. (A) नव जिज्ञासुक कैं संरचना बुझाबय लेल** — शिक्षक-सुलभ शैली लेखक विशेषता अछि।

**२०३०. (A) गीत-गजल सम्बन्ध, गजलक स्वभाव, संरचना आ मैथिली परंपराक व्याख्या** — लेख विधा-इतिहास, रूपक आ रचनात्मक मार्गदर्शन कैं जोड़ैत अछि।

**२०३१. (A) जीवनानुभव विस्तृत होए तँ कथा-विविधता आ नूतनता आबि सकैत अछि** — विवेचन उपन्यासकारक अनुभव-विस्तार कैं रचनात्मक ऊर्जा मानैत अछि।

**२०३२. (A) चमत्कारी आ सफल** — विवेचन मानैत अछि जे लेखक पात्र कैं अनुभूतिपूर्ण ढंगसँ रचैत छथि।

**२०३३. (A) दसमा परीक्षा पास कएने समयक प्रसंग** — स्रोतमे चमेली रानीक जीवन-चरणक विशिष्ट उल्लेख अछि।

**२०३४. (A) चमेली रानीक धर्म-पिता** — भूखन सिंह कथा-संरचनाक महत्त्वपूर्ण सम्बंध-चरित्र अछि।

**२०३५. (A) डकैतीक विवरण संग** — विवेचन उपन्यासक आरम्भिक भागक गतिशील घटना-बिन्दु बतबैत अछि।

**२०३६. (A) पूर्व नियोजित घटना कैं नांगटनाथक कृत्यक परिणाम जकाँ** — विवेचन कथा-चाल आ राजनीतिक षड्यंत्रक जटिलता देखबैत अछि।

**२०३७. (A) मुख्यमंत्री गुलाब मिसिरक खबास जे दाँव-पेंचमे विधायक बनल** — चरित्रक ऊर्ध्वगति राजनीतिक विकृति पर टिप्पणी बनैत अछि।

**२०३८. (A) नीचले स्तरसँ छल/हिंसा द्वारा उन्नति करनिहार चरित्र-समानता लेल** — विवेचन तुलनात्मक आधुनिक उपन्यास-चेतना कैं जोड़ैत अछि।

**२०३९. (A) दोसरा खण्ड "माहुर" धरि प्रभावी उपस्थिति** — भाटाजी रहस्य-राजनीतिक आयाम बढ़बैत छथि।

**२०४०. (A) रमनगर आ वर्तमान राजनीतिक कुरूपता समेटनिहार** — उपन्यास वर्तमान राजनीतिक विकृति कैं कथा-संरचनामे समेटैत अछि।

**२०४१. (A) बलराम हलवाईक** — विवेचन पात्र-रचना आ राजनीतिक छलक तुलनात्मक संकेत दैत अछि।

**२०४२. (A) भूखन सिंह कैं मारबाक** — पन्ना मना करैत अछि, मुदा गुलाब छलसँ भूखन सिंह कैं मरबा दैत अछि।

**२०४३. (A) बैद्यनाथ धाम** — ई प्रसंग चरित्रक दिशा बदलबाक संकेत अछि।

**२०४४. (A) भूखन सिंहक ट्रस्ट आ बैद्यनाथ धाम प्रसंगक बाद** — विवेचन पात्रक व्यक्तिगत कथा सँ राजनीतिक यात्रा दिस मोड़ देखबैत अछि।

**२०४५. (A) गुलाब मिसिर घेराइत छथि** — उपन्यासमे आधुनिक राजनीतिक-जनमाध्यमक संकेत आबैत अछि।

**२०४६. (A) कोएलिशन राजनीतिक विवशता पर** — विवेचन राजनीतिक व्यवस्थाक अकर्मण्यता पर व्यंग्य मानैत अछि।

**२०४७. (A) चमेली रानीक पार्टी संगठन, स्त्री-अत्याचार, बाल-विधवा, वैश्यावृत्ति** — उपन्यास सामाजिक हिंसा आ संगठनात्मक राजनीति कैं जोड़ैत अछि।

**२०४८. (A) नक्सली नेताक अड्डा पर** — प्रसंग आन्दोलन, वन आ आदिवासी जीवनक लेखकीय दृष्टि खोलैत अछि।

**२०४९. (A) कनही मोदियाइन पैघ घरक छलीह, हुनका पर अत्याचार भेल आ पिता मारल गेल** — पारिवारिक हिंसा चरित्रक प्रतिशोधी-राजनीतिक ऊर्जा बनैत अछि।

**२०५०. (A) प्रतिशोध, सम्पत्ति, राजनीतिक दाँव-पेंच आ दलक विजय** — विवेचन सामाजिक प्रतिशोध आ सत्ता-राजनीति कैं उपन्यासक ऊर्जा बतबैत अछि।

**२०५१. (A) उन्नैसम शताब्दी आगमन सँ किछु समय पूर्व** — डॉन क्विक्सोटक पूर्वता मानि सेहो विधाक गंभीर रूप बादमे स्थिर कहल गेल।

**२०५२. (A) निबंध** — विवेचन उपन्यास कैं बहुविध रूप समाहित करनिहार विधा मानैत अछि।

**२०५३. (A) प्रेमाख्यान** — विवेचन पात्र-संबंधक विविध उपविधा-संभावना बतबैत अछि।

**२०५४. (A) इतिहासक वर्णन** — उपन्यास स्थान, समाज आ भूगोलसँ ऐतिहासिक गहराई पबैत अछि।

**२०५५. (A) सामाजिक यथार्थक** — विवेचन सामाजिक यथार्थ कैँ उपन्यास-पठनक एक दृष्टि बनबैत अछि।

**२०५६. (A) रहस्यमयी** — फ्रायडवाद लेखक आ चरित्रक अंतर्जगत विश्लेषण करैत अछि।

**२०५७. (A) सांस्कृतिक तत्त्वक** — विवेचन मनुष्यक इच्छा-संरचना मे संस्कृति कैँ महत्त्व दैत अछि।

**२०५८. (A) कृतिक विस्तृत विवरण पर** — नव-समीक्षावाद पाठ-केंद्रित अध्ययनक संकेत अछि।

**२०५९. (A) लेखक एक संसार रचैत छथि** — उपन्यास यथार्थ आ कल्पनाक बीचक आड़ी-धूर बनैत अछि।

**२०६०. (A) यथार्थ आ काल्पनिकताक बीचक आड़ी-धूर पर** — उपन्यास पाठक कैँ वास्तविकता आ कल्पना बीचक सीमारेखा पर चलबैत अछि।

**२०६१. (A) भारतीय आ पाश्चात्य नाट्यसिद्धान्तक तुलना** — विवेचन नाटक कैँ भारतीय-पाश्चात्य सिद्धान्तक रोशनीमे पढ़ैत अछि।

**२०६२. (A) भरतक नाट्यशास्त्र आ धनंजयक दशरूपक** — भारतीय नाट्य-परंपरा भरत आ धनंजयसँ जोडल गेल।

**२०६३. (A) अरस्तूक काव्यशास्त्र** — विवेचन अरस्तू कैँ पाश्चात्य नाट्यविचारक आधार मानैत अछि।

**२०६४. (A) कृतानुसार भावानुकार** — भारतीय दृष्टि मे अनुकरण नाटकक भावात्मक क्रिया अछि।

**२०६५. (A) अवस्थाक अनुकृति** — धनंजयक परिभाषा नाट्यक अवस्थात्मक पुनर्रचना पर आधारित अछि।

**२०६६. (A) नट-कर्म** — विवेचन भारतीय आ पश्चिमी दृष्टिमे अनुकरणक भेद देखबैत अछि।

**२०६७. (A) कवि-कर्म** — अरस्तू परंपरा मे कवि/रचनाकारक अनुकरण महत्त्वपूर्ण अछि।

**२०६८. (A) कथानक पर** — विवेचन पाश्चात्य त्रासदी-सिद्धान्तक कथानक-केंद्रितता बतबैत अछि।

**२०६९. (A) आधिकारिक** — आधिकारिक कथावस्तु नायक-केन्द्रित मूल कथा अछि।

**२०७०. (A) प्रासंगिक** — प्रासंगिक कथा मूल कथानकक सहयोगी संरचना अछि।

**२०७१. (A) एक पात्र थोड़े काल बाद गौण पड़ि जाइत, सभ रिबाउण्ड करैत अछि** — नाटक बहु-केंद्रित पात्र-गति पर टिकल बतायल गेल।

**२०७२. (A) निभाक सोझाँ** — नाटक परंपरागत दैवी सत्ता कैँ मानवीय परिदृश्यमे उलटैत अछि।

**२०७३. (A) हँसैत अछि** — ई प्रसंग देवत्वक नकाब उतरबाक हास्यपूर्ण क्षण अछि।

**२०७४. (A) मिश्र** — नाट्य-विवेचन कथास्रोतक प्रकार पर चर्चा करैत अछि।

**२०७५. (A) यमराज-चित्रगुप्त नकली भेष उतारैत छथि आ कथा उत्पाद्य सिद्ध होइत अछि** — नाम पुराण-संबंधी होइतहुँ कथा मूलतः कल्पित/उत्पाद्य ठहरैत अछि।

**२०७६. (A) सरल कथानक आधारित** — आकस्मिक घटना सरल प्रवाहमे अबैत अछि, से विवेचनक निष्कर्ष अछि।

**२०७७. (A) काल्पनिकमूलक** — विवेचन नाटकक कल्पित संरचना कैँ महत्त्व दैत अछि।

**२०७८. (A) सत् आ असत्** — विवेचन नाटकक पात्रसभमे नैतिक मिश्रण देखैत अछि।

**२०७९. (A) सत्-असत् मिश्रित जटिलता** — निभाक उच्चवंशीयता आ रमणी मोहनसँग संबंध चरित्र-जटिलता बनबैत अछि।

**२०८०. (A) मिथिला चित्रकार अनसूया** — चरित्रक सतही रूप आ वास्तविक पहचान बीच अंतर नाटकक गुण अछि।

**२०८१. (A) फलागम** — विवेचन पारंपरिक नाट्य-रचना-विधि लागू करि देखैत अछि।

**२०८२. (A) अन्तिम फल** — पाश्चात्य संरचना मे उलझन-सुलझनक क्रम बतायल गेल।

**२०८३. (A) कार्य** — भारतीय संरचना-विचारक तकनीकी अवयव नाटक पर लागू कएल गेल।

**२०८४. (A) मृत्युक बादक लोकक द्वन्द्व** — नाटकक मूल ऊर्जास्रोत मृत्युपश्चात प्रवेश-संघर्ष अछि।

**२०८५. (A) बिना मृत्युक पहुँचि जाइत अछि** — ई घटना नाटकक वैचारिक-हास्यपूर्ण द्वन्द्व बनबैत अछि।

**२०८६. (A) मुख, प्रतिमुख आ निर्वहण** — शेष दूटा सन्धिक अभाव नाट्य-संरचनाक विशेषता बतायल गेल।

**२०८७. (A) स्थान एक, समय लगातार, कार्य द्वार भीतर पैसबाक आकांक्षा** — नाटक एकता-सिद्धान्तक निकट देखायल गेल।

**२०८८. (A) दू घंटा** — नाटकक मंचित समय आ कथा-समय लगभग समान बतायल गेल।

**२०८९. (A) नाटकक दृश्य/पठनीय रूपक सिद्धान्त-भेद देखाबय लेल** — विवेचन दृश्यत्व, पाठनीयता आ अभिनयक सिद्धान्तक तुलना करैत अछि।

**२०९०. (A) मैथिली नाटक लेखन कैं नव दिशा देबाक सम्भावना** — विवेचन एकरा आधुनिक, उत्तर-आधुनिक आ परंपरा-संबद्ध प्रयोग मानैत अछि।

**२०९१. (A) धौम्यक** — कथा वैज्ञानिक-कल्पना आ दार्शनिक प्रयोगक वातावरणसँ आरम्भ होइत अछि।

**२०९२. (A) चार आयामक वातावरणमे द्वि आ त्रि आयामी वस्तुक प्रयोग** — कथा आयाम-चिन्तन कैं प्रयोगात्मक कथानक बनबैत अछि।

**२०९३. (A) देख नहि सकैत, मुदा परिणाम अनुभव करैत अछि** — कथा अज्ञात उच्च आयामक सम्भावना एहि तुलना सँ बनबैत अछि।

**२०९४. (A) वाम-दहिन आ ऊपर-नीचाँ** — एक आयामक संसार केवल सरल रेखा-सदृश वर्णित अछि।

**२०९५. (A) कारण ओकर विश्व एके पंक्तिमे समाप्त अछि** — कथा आयाम सीमाक सामाजिक-प्रतीकात्मक बोध देत अछि।

**२०९६. (A) एक बेरमे रेखाक रूपमे** — ऊँचाइक अभाव कारण स्वरूप क्रमिक कोण-सूचनासँ बनैत अछि।

**२०९७. (A) पाँच** — श्वेतकेतु, अपाला, सत्यकाम, रैक्व आ घोषा योजना मे सम्मिलित भेलाह।

**२०९८. (A) स्थानिक आयामक संग समयक एक वा अधिक आयामक सम्भावना** — कथा भौतिकी-संबद्ध कल्पना कैं दार्शनिक बनबैत अछि।

**२०९९. (A) अदृश्य अतिरिक्त आयामक अप्रत्यक्ष अनुभव बुझाबय लेल** — जेना लाल-हरियर भेद नहि देखाए, तकरा जकाँ अधिक आयाम अज्ञेय रहि सकैत अछि।

**२१००. (A) हमर सभसँ ऊपर वा अधिक आयामी जीवन/हस्तक्षेप सम्भव अछि की?** — कथा विज्ञान, कल्पना आ दार्शनिक अनिश्चितता कैं जोड़ैत अछि।

**२१०१. (A) विवाहक उपरान्त सासुरमे भेटघाटक सिलसिला चलि रहल अछि** — कथा नव-विवाहक बादक पारिवारिक-सामाजिक भेटघाटसँ आरम्भ होइत अछि।

**२१०२. (A) माएक संग नहि, असगरे भेट करय अबैत अछि** — आर्यक असगरे आबि भेटब ओकर अनुशासन, संकोच आ अलग व्यक्तित्वक संकेत अछि।

**२१०३. (A) कारी, दुबर-पातर, अत्यधिक अनुशासित, नापि-जोखि बजिनिहारि** — कथाकार आर्यक बाह्य रूपसँ अधिक ओकर संयमित व्यवहार रेखांकित करैत अछि।

**२१०४. (A) क्योंकि पितामहीक लेहाज राखल गेल, मुदा माएक अवहेलना सन भेल** — एहि प्रसंगसँ परिवारक सामाजिक श्रेणीबोध आ असहजता खुलैत अछि।

**२१०५. (A) ओ सभ ससुरक किरायादार छी आ ऊपरका महला पर रहैत छी** — किरायादार परिचय बादक भेदभाव आ दूरीक कारण बुझबाक सूत्र अछि।

**२१०६. (A) किरायादार परिवारसँ दूरी बनाबयक सामाजिक मनोवृत्ति कारण** — कथामे आदेश प्रत्यक्ष कम, सामाजिक संकोच-घृणा अधिक बोलैत अछि।

**२१०७. (A) नशाग्रस्त, डोलैत आ बड़बड़ाइत अवस्था मे** — पिता-पात्रक प्रवेश आर्यक पारिवारिक पीड़ाक पृष्ठभूमि बनबैत अछि।

**२१०८. (A) एम.बी.बी.एस. डॉक्टर** — डॉक्टर होइतहुँ मद्य-आसक्ति परिवारक असुरक्षा बढ़बैत अछि।

**२१०९. (A) पीने रहितो ओ अभद्र गप नहि बजैत, मनुक्ख ठीक अछि, मुदा गड़बड़ी भारी अछि** — कथा शराबी पात्र कैं एकरेखा दोषी नहि, जटिल सामाजिक व्यक्ति रूपेँ रखैत अछि।

**२११०. (A) व्यक्तिगत संवेदना आ परिवारक वर्ग-नैतिक दूरीक टकराव** — कथावाचक सहानुभूति चाहैत अछि, घरक व्यवस्था दूरी आ अपमानक भाषा बोलैत अछि।

**२१११. (A) पिताक नशाग्रस्त व्यवहार आ किरायादार-विवादक बाद** — अल्टीमेटम परिवारक अस्थिर जीवनक बाहरी दबाव बनैत अछि।

**२१११. (A) आर्यक खयाल रखि** — माता-पिता जानैत छथि जे घर बदललासँ आर्यक पढ़ाइ आ मनोदशा प्रभावित होएत।

**२१११. (A) विष खा कऽ आत्महत्या केलनि** — कथा व्यक्तिगत त्रासदी कैं घरेलू कलह आ सामाजिक चटखारा सँ जोड़ैत अछि।

**२१११. (A) पत्नी कहैत छलीह पीबाक कारणे झगड़ा, पति कहैत छलाह झगड़ाक कारणे पीबैत छी** — ई उलटबाँसी नशा आ दाम्पत्य तनावक चक्राकार सम्बन्ध देखबैत अछि।

**२१११. (A) मानो मुक्ति भेटल हो** — कथाकार विवाह/नशा/हिंसा सँ पीड़ित स्त्रीक जटिल राहत-बोध देखबैत अछि।

**२१११. (A) पुरान बातसभ मोनमे फेर घूमए लगैत अछि** — आर्यक मृत्यु कथा कैं आत्मालोचनात्मक स्मृति बनबैत अछि।

**२१११. (A) ओ भावुक छलीह आ बात गंभीरतासँ लैत छलीह** — कथा किशोरीक मनोभावकैं बालिका-भावुकता आ सामाजिक दबावसँ जोड़ैत अछि।

**२११८. (A) माए शिक्षिका, पिता मेरीनमे, परिवारमे झगड़ा-बदनामीक प्रसंग** — युवकक घर सेहो टूटल पारिवारिक संरचना आ अस्थिरता सँ जुड़ल अछि।

**२११९. (A) परिवारक सम्बन्धी, दोष-महीम आ समाजक चटखारापूर्ण चर्चा** — कथा एक व्यक्ति पर दोष नहि थोपैत; सामाजिक क्रूरता आ गप-चर्चा कैँ कारण मानैत अछि।

**२१२०. (A) समाजक कलंक, गप्प आ उपेक्षा आर्यक मृत्यु मे सहभागी रहल** — कथा आत्महत्या कैँ निजी कमजोरी नहि, सामूहिक संवेदनहीनताक परिणाम रूपेँ पढ़बैत अछि।

**२१२१. (A) दिवसलाल** — कथा हास्य-नाम आ वास्तविक नामक विरोधसँ चरित्र बनबैत अछि।

**२१२२. (A) गामक लड़कासभ अभिभावकसँ दूर रहत, तैं देख-रेख लेल** — अभिभावक स्वच्छंद लड़का-मंडली पर निगरानी चाहैत छथि।

**२१२३. (A) दस बोतल, जानि-बूझि डटकेजलपानकैँ अलग राखय लेल** — ई छेड़छाड़ हास्यक पहिल जाल रचैत अछि।

**२१२४. (A) ई कड़ा नशा देबयवला चीज अछि** — मित्रसभ ओकर भोला भय आ अनभिज्ञता पर खेल करैत अछि।

**२१२५. (A) माँ-बापक पढ़ाएल परीक्षा छोड़ि लड़कासभ दारू पीबैत अछि, एना धिक्कारैत अछि** — ओ कोका-कोलाकैँ दारू बूझि नैतिक रोष देखबैत अछि।

**२१२६. (A) कानमे फहऽ-फहऽ करैत अछि** — ओ अपन विश्वासक प्रभाव सँ नशाजकाँ अनुभूति करैत अछि।

**२१२७. (A) ई नशा नहि देत, बड़ नौटंकी अछि** — हास्य सार्वजनिक बेइज्जतीक क्षणमे बदलि जाइत अछि।

**२१२८. (A) झूठे नशावला चीज कहि बेइज्जती करेलक** — ओ मित्रसभक शरारत बुझि आहत होइत अछि।

**२१२९. (A) ग्रामीण दोस्ताना व्यंग्य आ हास्यक तीखापन** — प्रसंग हास्य कैँ मित्रता, चिढ़ाब आ लोक-वाक्चातुर्यसँ बनबैत अछि।

**२१३०. (A) भोले निरीक्षकक मनोवैज्ञानिक भ्रम आ मित्रसभक शरारत** — कथा हास्यक स्रोत वस्तु नहि, विश्वास आ समूह-छेड़छाड़ मे राखैत अछि।

**२१३१. (A) बेरा-बेरी भोजन करबाक योजना मे पहिले हुनका होटल पठाओल गेल** — डेरा पर सबकैँ एकसाथ भोजन असुविधाजनक छल, तैं क्रम तय भेल।

**२१३२. (A) दू रुपैयामे भरिपेट भोजन आ अग्रिम पाई जमा** — अग्रिम जमा रहला पर भोजन-विवाद हास्यपूर्ण बनैत अछि।

**२१३३. (A) चिन्ता सँ बेसी कौतूहल** — कथा मित्रसभक उत्सुकता आ हास्य-आशंका देखबैत अछि।

**२१३४. (A) कारण भोजनक हाँड़ा खाली भऽ गेल छल** — डटकेजलपानक भूख हास्यक चरम रूप लेत अछि।

**२१३५. (A) डटकेजलपान सामान्य आदमीसँ बहुत बेसी खा गेलाह** — कथा अतिशयोक्तिपूर्ण लोकहास्य द्वारा चरित्रक नाम सार्थक करैत अछि।

**२१३६. (A) बारह टका** — दस टका अग्रिम आ दू टका अतिरिक्त देब हास्यक मुख्य मोड़ अछि।

**२१३७. (A) सामनेवला होटल सँ झगड़ा छल, तैं डटकेजलपान कैँ ओतय पठेबाक घूस रूपेँ** — कथा अतृप्त भोजनशीलता कैँ प्रतिद्वंद्वी होटल पर बोझ बनाएबामे बदलैत अछि।

**२१३८. (A) होटल मालिक डटकेजलपानकैँ प्रतिशोधक हथियार जकाँ उपयोग करय चाहैत अछि** — हास्यक गाढ़ता एहि उलटबाँसीमे अछि।

**२१३९. (A) हुनकर एक-एक काज असीम हास्य-सम्भार जकाँ प्रस्तुत अछि** — अतिशयोक्ति कथा-शैलीक प्रमुख उपकरण अछि।

**२१४०. (A) लोक-हास्य, अतिशयोक्ति, मित्र-मंडली आ चरित्र-केंद्रित विनोद** — कथा ग्रामीण-छात्र जीवनक विनोदपूर्ण स्मृति बनि उठैत अछि।

**२१४१. (A) षडदल अरिपन** — षडदल अरिपन भगवती-पूजाक प्रसंगमे प्रस्तुत अछि।

**२१४२. (A) देवी भागवत पुराणक षट्कोण यंत्र** — अरिपन शाक्त अनुष्ठान आ रेखा-रूपक समन्वय देखबैत अछि।

**२१४३. (A) देवी-पूजाक अनुष्ठानिक रचना** — कमल-दल, पदचिह्न आ पूजा-सामग्री मिलि अरिपनक धार्मिक अर्थ बनबैत अछि।

**२१४४. (A) साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त महाकाव्य** — परिचय मधुपजीक महाकाव्यात्मक प्रतिष्ठा बतबैत अछि।

**२१४५. (A) क्रान्ति गीतक आह्वान कएलनि** — मधुपजीक कवित्वमे प्रकृति-प्रेमक संग जागरण-स्वर अछि।

**२१४६. (A) कथ्य आ शिल्प-संवेदन दुनू स्तर पर लोकप्रियता** — परिचय कविता-सफलताक द्वि-आयामी आधार बतबैत अछि।

**२१४७. (A) चन्द्रकान्त मिश्र कैँ** — पत्र-संरचना पारिवारिक-आशीष आ कवितामय संवादक उदाहरण अछि।

**२१४८. (A) कविता निजी पत्राचार कैँ सांस्कृतिक-साहित्यिक रूप दैत अछि** — पत्र मे आशीष, कुशल-क्षेम आ कुटुम्बिक चिन्ता पद्यरूपमे अछि।

**२१४९. (A) कविता सम्भवा** — संक्षिप्त परिचय महाप्रकाशक काव्य-प्रारम्भ रेखांकित करैत अछि।

**२१५०. (A) ओ कथा-कला मे अन्वेषण करैत अलग विशिष्ट साँचा बना लेलनि** — टिप्पणी सुभाषक यात्रा, भटकाव, अनुभव आ तीक्ष्ण दृष्टिक रेखा खींचैत अछि।

**२१५१. (A) आतंकवाद महत्वाकांक्षाक खेतमे अंकुरित होइत अछि** — लेख आतंकवाद कैं कारणहीन घटना नहि, महत्वाकांक्षा, दमन आ हिंसाक उपज मानैत अछि।

**२१५२. (A) आदिम प्रभात सँ** — लेख आतंकक इतिहास बहुत पुरान मानैत अछि, मुदा रूप बदलैत रहैत अछि।

**२१५३. (A) पुराणक प्रसंगसँ आतंक-श्रृंखलाक महागाथा देखाबय लेल** — लेख पुराणक युद्धकथासभ कैं आतंक-प्रवृत्तिक प्राचीन रूप रूपैं पढ़ैत अछि।

**२१५४. (A) शक्ति-आराधना आ नारी द्वारा छल-प्रपञ्चक रचना** — लेख शक्ति-प्रसंग कैं आतंकक विरुद्ध रणनीति रूपैं लैत अछि।

**२१५५. (A) अनेक जातिक सहयोग लऽ समाज कैं मुक्ति देलनि** — लेख सामूहिक सहयोग कैं आतंक-विरोधक ऐतिहासिक सूत्र मानैत अछि।

**२१५६. (A) सामान्य गोपाल रूपमे प्रतिरोधक उदय** — लेख सत्तात्मक आतंकक विरुद्ध लोक-आधारित शक्ति देखबैत अछि।

**२१५७. (A) आतंकक भी कारण-बीज रहैत अछि** — कारण-बीजक खोज लेखनक विश्लेषणात्मक पद्धति अछि।

**२१५८. (A) पालन-पोषण आ शक्ति-राजनीतिक उल्टा परिणाम देखाबय लेल** — लेख जकरा सत्ता पोसैत अछि, से पछिला काल आतंक रूपैं पलटि सकैत अछि।

**२१५९. (A) आतंकवादी हिंसा दोसर पक्ष कैं सेहो हिंसक काज करय बाध्य करैत अछि** — लेख आतंकक चक्राकार विस्तार पर जोर दैत अछि।

**२१६०. (A) आतंकवाद इतिहास, महत्वाकांक्षा, अन्याय आ प्रतिहिंसाक संयुक्त परिणाम अछि** — लेख नैतिक, ऐतिहासिक आ राजनीतिक स्तर पर आतंकक कारण ताकैत अछि।

**२१६१. (A) हैजा-जकाँ प्रकोप वा कठोर अत्याचारसँ उपजल भय** — आतंक मूलतः भय-सृजनक स्थिति अछि।

**२१६२. (A) डेरा-धमका कऽ हिंसात्मक विद्रोहसँ प्रभुत्व स्थापित करबाक विचार-सिद्धान्त** — आतंकवाद व्यवस्थित हिंसक विचारधारा रूपैं परिभाषित भेल।

**२१६३. (A) लूट, आगजनी, बलात्कार, समाजमे उत्पाद** — लेख आतंकवादक नैतिक अधःपतन स्पष्ट करैत अछि।

**२१६४. (A) जेकर होउ, नीक नहि मानल जाए** — बुश वा मुशर्रफक उदाहरण द्वारा लेख दादागिरीक आलोचना करैत अछि।

**२१६५. (A) कुनो राष्ट्रक तानाशाही आ दादागिरी** — लेख सत्ता-अहंकारक अवश्यंभावी पतन देखबैत अछि।

**२१६६. (A) क्योंकि सब पक्षकैं समेटबामे असफलता आ पीड़ित वर्गक अविश्वास रहल** — लेख राजनीतिक क्रान्ति बाद समावेशनक असफलता पर चोट करैत अछि।

**२१६७. (A) हथियार नहि, विचारसँ कएल जाए तखन** — लेख हिंसक परिवर्तनक बजाय वैचारिक-सामाजिक परिवर्तनक पक्षमे अछि।

**२१६८. (A) संस्कारक उदात्तीकरण** — लेख सुसंस्कृत समाजक आधार सहिष्णुता मानैत अछि।

**२१६९. (A) समावेशी, बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक अधिकारयुक्त लोकतन्त्र** — लेख संविधान कैं मधेशी, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी-जनजाति सभक समुन्नति संग जोड़ैत अछि।

**२१७०. (A) अन्याय-दमन हटाओल बिना विद्रोह आ आतंकक चक्र नहि टूटत** — लेख समाधानक केन्द्र न्याय, समावेशन आ विचारमूलक परिवर्तनमे राखैत अछि।

**२१७१. (A) नाटककार, रंग निर्देशक, मैलोरंगक संस्थापक अध्यक्ष** — परिचय हुनका मैथिली रंगकर्मक त्रि-आयामी व्यक्तित्व रूपैं रखैत अछि।

**२१७२. (A) लेखक, निर्देशक आ संस्थापक/संगठक तीनू रूप एक व्यक्तित्वमे** — मलंगियाजी एकहि समयमे रचना, निर्देशन आ संस्थागत काम करैत छथि।

**२१७३. (A) गंभीर शोध-आलेख** — रंगकर्म संग लोक-अध्ययन हुनकर कार्यक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

**२१७४. (A) नाटक, एकांकी, नुक्कड़, रेडियो नाटक** — परिचय हुनकर रंग-रचना के कई माध्यममे फैलल बतबैत अछि।

**२१७५. (A) वर्णरत्नाकर** — ज्योतिरीश्वरक ग्रंथ पर शोध हुनकर इतिहास-सचेत रंग-विचार देखबैत अछि।

**२१७६. (A) मैथिली, हिन्दी, अंग्रेजी आ नेपाली** — बहुभाषिकता रंग-शिक्षण, शोध आ लेखनक विस्तार लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

**२१७७. (A) विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रममे सम्मिलित** — पाठ्यक्रम-सम्मिलन रंग-साहित्यक संस्थागत मान्यता देखबैत अछि।

**२१७८. (A) लोक-इतिहास आ मिथिला-संस्कृति सँ जुड़ल नाट्य-रुचि** — हुनकर नाटक मिथिलाक लोक-संसार आ सामाजिक प्रश्न पर आधारित अछि।

**२१७९. (A) मंचसँ बाहर जनसंचार माध्यममे सेहो मैथिली रंगकर्मक विस्तार** — मलंगियाजी रंगकर्म कैं सभागारसँ सड़क आ रेडियो धरि लऽ जाइत छथि।

**२१८०. (A) मैथिली रंगमंचमे रचना, निर्देशन, शोध, पाठ्यक्रम आ संस्थान-निर्माणक संयुक्त योगदान** — परिचय हुनका आधुनिक मैथिली रंग-आन्दोलनक केन्द्रीय व्यक्तित्व बनबैत अछि।

**२१८१. (A) जुआयल कनकनी** — लेख प्रकाश चन्द्र झा पर बात आरम्भ करैत “जुआयल कनकनी”क प्रसंग लैत अछि।

**२१८२. (A) मिथिलांचलमे एखन ओहन अभिनेता नहि जन्मल जे एकर तेज सम्हारि सकत** — टिप्पणी नाटकक अभिनय-चुनौती कैँ रेखांकित करैत अछि।

**२१८३. (A) एहि नाटकक अनुरूप अभिनेता ताकबाक आवश्यकता** — लेखकक दृष्टि मंचन-योग्य अभिनेता-कौशल पर टिकल अछि।

**२१८४. (A) अभिनेता अछि, मुदा जीवन अल्पकालीन; नौकरी भेटल कि रंगकर्म छोड़ि दैत अछि** — रोजी-रोटी आ अभिभावकीय दबाव मैथिली रंगमंचक चुनौती अछि।

**२१८५. (A) मैथिली रंगमंच रोजी-रोटी देबाक सामर्थ्य कम रखैत अछि** — रंगकर्मक आर्थिक असुरक्षा प्रतिभा रोकैत अछि।

**२१८६. (A) घोघौर** — लेख प्रकाशक रंग-प्रवाहक मूल एक छोट गामसँ जोड़ैत अछि।

**२१८७. (A) आर.के. कॉलेज, मधुबनी** — प्रकाशक रंग-संपर्क विद्यार्थी अवस्थासँ जुड़ल अछि।

**२१८८. (A) मधुबनी इप्टा** — मधुबनी इप्टा ओकर रंग-आरम्भक ठोस संस्थागत आधार अछि।

**२१८९. (A) नुक्कड़ नाटक लोकप्रिय बनेबाक लगनक प्रमाण** — लेख प्रकाशक निरन्तर जनरंगकर्मक सूचक रूपेँ एहि तथ्य कैँ रखैत अछि।

**२१९०. (A) प्रकाशमे ओ अभिनेता भेटल की जे कठिन मैथिली नाटकक तेज सम्हारि सकै?** — लेख प्रकाश चन्द्र कैँ एक संभावित उत्तर रूपेँ सामने अनैत अछि।

**२१९१. (A) १९९५ ई. आसपास** — मिथिला सांस्कृतिक पर्व समारोहमे मंच-साक्षात्कारक स्मृति आयल अछि।

**२१९२. (A) ओरिजनल काम** — एहि भूमिका द्वारा प्रकाश प्रशंसित भेलाह।

**२१९३. (A) दैनिक जागरण आ दैनिक हिन्दुस्तान** — समाचारपत्रीय उल्लेख प्रकाशक अभिनयक सार्वजनिक स्वीकृति देखबैत अछि।

**२१९४. (A) गामक तीन बिगड़ल युवकमे एक** — पहिल दू अभिनयक आधार पर प्रकाश मलंगियाजीक स्मृतिमे बसि गेलाह।

**२१९५. (A) चारुवक्य** — चारुवक्यक अभिनय लेखकक विशेष मुग्धता जगबैत अछि।

**२१९६. (A) जीवकांतजी एतय रहितथि तँ अपन पुरान बात घुरा लितथि** — प्रकाशक अभिनय नाटकक तेज सम्हारि सकनिहार अभिनेता रूपेँ देखायल गेल।

**२१९७. (A) एहन भूमिका दोसर सहज नहि कए सकैत** — लेख प्रकाशक सृजनात्मक अभिनय प्रतिभाक उच्च मूल्यांकन करैत अछि।

**२१९८. (A) एकहि भूमिका दू अभिनेता कए तँ एक नीक आ एक बेजाय किएक?** — लेख अभिनेता-प्रतिभाक स्वतंत्र सृजनात्मकता सिद्ध करैत अछि।

**२१९९. (A) सृजनात्मक प्रतिभा** — प्रकाश भूमिकाकेँ अपन सृजनशीलता सँ विशिष्ट करैत छथि।

**२२००. (A) दीपनारायण सिंहक बातसँ** — यद्यपि लेखक नाटक नहि देखलनि, दूसर विश्वसनीय प्रतिक्रिया मिलल।

**२२०१. (A) गोरखधंधा नाटकक सूत्रधार** — काश्यप कमलक नाटकमे सूत्रधार रूपेँ प्रकाशक अभिनय चर्चित भेल।

**२२०२. (A) अपन रंग-प्रवाह आ सरवरंग अभियानक प्रभाव कारण** — लेख प्रकाशक कार्यकेँ व्यक्तिगत अभिनयसँ आगू संस्थात्मक प्रभाव धरि देखैत अछि।

**२२०३. (A) घोघौर सन छोट गामसँ** — छोट गामसँ रंग-यात्रा ओकर संघर्ष आ विस्तारक आधार अछि।

**२२०४. (A) स्वर्णकाल** — लेख मधुबनी रंग-परिदृश्य पर प्रकाशक संगठनात्मक असर रेखांकित करैत अछि।

**२२०५. (A) अभिनयमे** — व्यक्तिगत अभिनय-कौशलक शैक्षिक/प्रतियोगितात्मक मान्यता मिलल।

**२२०६. (A) अन्तिम प्रक्रिया धरि पहुँचलाह** — ई हुनकर रंग-प्रतिभाक राष्ट्रीय संभावना संकेत करैत अछि।

**२२०७. (A) कार्यशाला सहायक रूपेँ कतेको राज्यमे जिम्मेदारी** — प्रशिक्षणक बाद ओ रंग-शिक्षा प्रसारमे भाग लेलनि।

**२२०८. (A) संपादन सहयोगी रूपमे महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी** — राष्ट्रीय स्तरक रंगशोध-पत्रिका संग जुड़ाव हुनकर बौद्धिक रंगपक्ष देखबैत अछि।

**२२०९. (A) कतेको रंगकर्मी राष्ट्रीय प्रशिक्षण आ छात्रवृत्ति धरि पहुँचल** — व्यक्तिगत रंगकर्म सामूहिक प्रशिक्षण-परंपरा बनल।

**२२१०. (A) अभिनेता, प्रेरक, प्रशिक्षक-सूत्र आ रंग-संगठक रूपेँ बहुआयामी योगदान** — लेख प्रकाश कैँ नव मैथिली रंगकर्मक सक्रिय ऊर्जा रूपेँ देखैत अछि।

**२२११. (A) भ्रमित नहि हो, सबल पग राखू, मन पर काबू राखू** — कविता जीवन-यात्राक नैतिक-साहसिक मार्गदर्शन दैत अछि।

**२२१२. (A) सबल पग राखब** — स्नेह, आकर्षण वा भाव-बाढ़मे धैर्य राखब कविताक आग्रह अछि।

**२२१३. (A) जीवन-नावकेँ नियंत्रणमे राखबाक आत्मबल** — भवसागर, नौका आ पतवार जीवन-संघर्षक पारंपरिक रूपक अछि।

**२२१४. (A) सत्कर्म, संतोष आ मस्तक ऊँचा राखब** — कविता धनसंचयक बजाय बेदाग कर्तव्य आ संतोष पर बल दैत अछि।

**२२१५. (A) संतोष कैँ स्नान-सदृश शुद्धिक अनुभव** — संतोष आत्मशुद्धि आ लाजरहित जीवनक आधार बनैत अछि।

**२२१६. (A) मस्तक ऊँच, सत्कीर्ति आ सद्भाव** — विभूति धनक तुलना नैतिक गौरवसँ करैत छथि।

**२२१७. (A) एक झटका पर निराश नहि हो, पुनः रणमे उतरू** — कविता असफलताक बाद साहस पुनः सँचय करबाक आह्वान अछि।

**२२१८. (A) पूर्णता आ क्षय-उदयक क्रमसँ जीवनक उत्थान-पतन बुझाबय लेल** — चन्द्रमा बदलैत अछि, तैं हार स्थायी नहि — ई भाव अछि।

**२२१९. (A) परिवर्तन कर्म-क्रमक अंग अछि, धैर्य चाही** — कविता कर्म, धैर्य आ साहसक त्रिकोण रचैत अछि।

**२२२०. (A) नैतिकता, धैर्य, सद्भाव आ जीवन-साहस** — विभूतिक आरम्भिक कवितासभ उपदेशात्मक होइतहुँ संवेदनशील जीवन-मार्गदर्शन दैत अछि।

**२२२१. (A) मधुर स्वप्न देखनिहार/सजनि-संवादी व्यक्तिसँ** — कविता प्रेम, क्लेश आ मौन-वेदना पर संवाद रचैत अछि।

**२२२२. (A) मौन रहला पर पर-वेदना के बुझत?** — कवि वेदना व्यक्त करबाक आग्रह करैत छथि।

**२२२३. (A) स्वप्न सुखद होइतहुँ क्लेशकारी बनि सकैत अछि** — कविता मधुर स्वप्न आ दुखद अनुभूतिक द्वंद्व पकड़ैत अछि।

**२२२४. (A) विवाहमे सिन्दूरदान** — गीत विवाहक शुभ कर्म, देव-आशीष आ नवजीवनक सृजन पर केन्द्रित अछि।

**२२२५. (A) वर कैँ** — मिथिला विवाह-परंपरामे वर पाहुन रूपेँ सम्मानित होइत छथि।

**२२२६. (A) युगल जीवनक मंगलकामना लेल** — गीत वैवाहिक कर्म कैँ दैवी आशीषसँ जोड़ैत अछि।

**२२२७. (A) कारी-कारी बादर, बिजुरी, ठनका आ जन-डर** — कविता मेघ, बिजली आ लोक-प्रतिक्रियाक समवेत चित्र बनबैत अछि।

**२२२८. (A) ककरो माल हेरायल, ककरो प्रिय नहि आयल, ककरो पशु/फसलक चिन्ता** — बादरक आगमन लोकजीवनक सुख-दुख उघारैत अछि।

**२२२९. (A) बरखा सँ जीवन आ हर्षक पुनरागमन** — जल-वृष्टि तृषित भूमिकेँ आनंद देत अछि।

**२२३०. (A) संस्कार, प्रेम-वेदना, प्रकृति आ लोक-भावक मिलाप** — विभूतिक कवितामे जीवन-रसक अनेक रूप एक संग उपस्थित अछि।

**२२३१. (A) मृत्यु आ जीवनक अनिवार्य गमन** — डोली उठि गेल आ नहि लौटब — मृत्यु-निश्चयक लोक-बिम्ब अछि।

**२२३२. (A) मृत्यु-संस्कारक सामूहिक दृश्य** — कविता मृत्यु कैँ जगक ध्रुव प्रमाण रूपेँ देखैत अछि।

**२२३३. (A) अग्निदान आ मृत्यु-संस्कारमे पुत्रक भूमिका** — कविता पारंपरिक संस्कार-दृष्टि सँ पुत्रक स्थान बतबैत अछि।

**२२३४. (A) किछु काज करू, सन्मार्ग पर चलू, माताक ऋण चुकाऊ** — कविता युवक कैँ कर्म, मातृऋण आ समाज-सेवाक प्रति जगबैत अछि।

**२२३५. (A) मानव जन्म/युवा-शक्ति कैँ** — कवि जीवन-शक्ति कैँ अनमोल संसाधन मानैत छथि।

**२२३६. (A) मातृभूमि/माँक पीड़ा प्रति युवकक दायित्व** — युवा उद्बोधन मातृऋणक नैतिक चेतना जगबैत अछि।

**२२३७. (A) अकथ वेदनाक लयात्मक आवर्तन** — वाक्य-पुनरावृत्ति मनक असह्य वेदना गाढ़ करैत अछि।

**२२३८. (A) गहन पीड़ा जे शब्दमे पूर्ण नहि उतरैत** — कविता भावक तीव्रता आ भाषा-सीमा दुनू देखबैत अछि।

**२२३९. (A) दारुण दुःख आ व्यथा कैँ कम करबाक** — कवि मानिनी सँ करुण-स्नेहपूर्ण मुस्कानक आग्रह करैत छथि।

**२२४०. (A) मृत्यु-बोध, कर्म-आह्वान आ प्रेम-वेदना एकहि कवि-स्वरमे बन्हल अछि** — विभूति जीवनक अंतिम सत्य, युवा-कर्तव्य आ निजी वेदना कैँ मिलबैत छथि।

**२२४१. (A) मोक्षकामी लेल वैदिक कर्मक प्रयोजन की?** — निबंध वैदिक कर्म आ मोक्ष-साधना बीचक सम्बन्ध पूछैत अछि।

**२२४२. (A) स्वर्ग प्राप्ति** — निबंध स्वर्ग-कामना आ मोक्ष-कामना बीच भेद करैत अछि।

**२२४३. (A) वेदाध्ययन, निष्काम यज्ञ, दान आ तप** — उपनिषद्-वचन निबंधक वैदिक आधार अछि।

**२२४४. (A) कामनारहित यज्ञ, दान, तप** — लेख निष्काम भाव कैँ साधनाक केंद्र बनबैत अछि।

**२२४५. (A) स्वर्गक भोग** — आसक्ति कर्म कैँ फलभोगक बन्धनमे राखैत अछि।

**२२४६. (A) चित्त शुद्ध भऽ मोक्षक अधिकारिता बनैत अछि** — निबंध कर्म कैँ मोक्षक तैयारी मानैत अछि, लक्ष्य नहि।

**२२४७. (A) यज्ञ, दान, तप त्यागब नहि; संग आ फल त्यागि कर्तव्य रूपेँ करब** — गीता निबंधमे उपनिषद् विचारक पुष्टि करैत अछि।

**२२४८. (A) भगवानक प्रसन्नता लेल निष्काम भावसँ** — लेख मोक्ष-साधना कैँ ईश्वर-समर्पण आ निष्कामता संग जोड़ैत अछि।

**२२४९. (A) सत्कर्म** — सत्कर्म चित्तशुद्धि आ ब्रह्मविद्या सुनबाक पात्रता बनबैत अछि।

२२५०. (A) **वैदिक कर्म निष्काम भावमे मोक्ष-साधना लेल साधक बनैत अछि** — प्रदीपजी कर्म, ज्ञान आ भक्ति बीच संतुलित वैदिक दृष्टि राखैत छथि।

२२५१. (A) **मोक्ष प्राप्ति** — निबंध वेद कैँ जीवन-मुक्ति दिशाक मार्गदर्शक मानैत अछि।

२२५२. (A) **मुक्तिक** — निबंध मोक्ष-साधना कैँ जीवन-अनुशासनक रूपमे देखैत अछि।

२२५३. (A) **कर्मफल प्राप्ति लेल** — कर्मफल-वाद नैतिक जीवन-समझक आधार बनैत अछि।

२२५४. (A) **समुचित जीवन-यापन लेल** — लेख परंपरागत धार्मिक-सामाजिक ढाँचाक उद्देश्य बतबैत अछि।

२२५५. (A) **जीवनक पवित्रता लेल** — भोजन-संयम आध्यात्मिक अनुशासनक भाग बतायल गेल।

२२५६. (A) **कर्मकाण्ड, उपासनाकाण्ड, ज्ञानकाण्ड** — निबंध वेदक त्रिपक्षीय साधना-संरचना प्रस्तुत करैत अछि।

२२५७. (A) **दान** — यज्ञ केवल अग्नि-क्रिया नहि, दैविक, ज्ञानात्मक आ सामाजिक दान-संबंध रखैत अछि।

२२५८. (A) **ऋषि-ऋण** — ब्रह्मचर्य आ अध्ययन ऋषि-परंपराक ऋण चुकबैत अछि।

२२५९. (A) **देव-ऋण** — देव-ऋण यज्ञ-धर्मक माध्यमसँ चुकायल मानल गेल।

२२६०. (A) **पितृ-ऋण** — निबंध वैदिक जीवन कैँ ऋण-निवृत्ति आ मोक्ष-साधना दुनू रूपमे रखैत अछि।

२२६१. (A) **पक्का वैरागी भऽ जंगल-जंगल एकान्तवास आ भजन-कीर्तन करय लगलाह** — वियोग हुनकर सांसारिक जीवनसँ वैराग्य दिस मोड़ बनल।

२२६२. (A) **ओ सभ अपने कैँ पुत्र-समान मानि सेवा करबाक आश्वासन दैत छल** — समाजक स्नेह रहितो रामदास वैराग्य-पथ पर अडिग रहलाह।

२२६३. (A) **भजन-कीर्तन संग योग-साधना** — हुनकर आध्यात्मिक जीवन भक्ति आ योग दुनू पर आधारित छल।

२२६४. (A) **बलिरामदासजी** — योग-सिद्धि आ गुरु-दीक्षा हुनकर साधना-पथक महत्त्वपूर्ण घटना अछि।

२२६५. (A) **ओ दण्ड-प्रणाम करैत-करैत जगन्नाथपुरी गेलाह** — दण्ड-प्रणामक यात्रा तप, कष्ट-सहन आ निष्ठाक उदाहरण अछि।

२२६६. (A) **दण्ड-प्रणाम** — कष्ट, घाव आ पीब सेहो साधना-निष्ठा रोकि नहि सकल।

२२६७. (A) **योग-साधनामे निपुण गुरु, जिनक प्रसादसँ ज्ञान-सिद्धि** — गुरु बिना वास्तविक ज्ञान असम्भव — ई भाव लेखमे अछि।

२२६८. (A) **जन्म-मरणसँ छुटकारा आ मोक्ष सम्भव अछि** — गुरु-प्रसाद हुनकर मोक्षविश्वासक आधार बनल।

२२६९. (A) **श्रीकृष्ण** — लेख हुनका कृष्णक अनन्य भक्त कहैत अछि।

२२७०. (A) **वियोगसँ वैराग्य, वैराग्यसँ गुरु-दीक्षा, दीक्षासँ भक्ति-सिद्धि** — जीवन-वृत्त आध्यात्मिक रूपान्तरणक क्रममे व्यवस्थित अछि।

२२७१. (A) **मिथिला भूमि कैँ** — पदसभमे मिथिला प्रति करुण प्रेम व्यक्त अछि।

२२७२. (A) **मिथिला प्रति द्रवित भक्ति आ प्रेम** — रामदासक भक्ति केवल दैवी नहि, मातृभूमि-स्नेहसँ संयुक्त अछि।

२२७३. (A) **पाकड़िक गाछ** — योगमढ़ी संग पाकड़ रोपब स्मृति आ तपस्थल बनबैत अछि।

२२७४. (A) **दरभंगा जिलाक पचाढ़ी गाममे** — पचाढ़ी स्थान रामदास-स्मृति सँ जुड़ल प्रमुख स्थल अछि।

२२७५. (A) **बूढ़वन** — नाम-स्मृति स्थल-इतिहासक भाग अछि।

२२७६. (A) **वृन्दावनसँ** — वन, कमला तट, मोर, सुगा आ लताफूलक कारण पचाढ़ी आध्यात्मिक-प्राकृतिक स्थल बनैत अछि।

२२७७. (A) **राजदरभंगाक** — राजकीय संरक्षण स्थल-संपदा आ सेवा-व्यवस्था बढबैत अछि।

२२७८. (A) **तीन सय बीघा जमीन** — अतिथि-सत्कार आ पूजा-पाठ लेल दानक उल्लेख अछि।

२२७९. (A) **अग्निमे फेकि देलनि** — वैरागी वृत्ति सम्पत्ति-स्वामित्वक विरुद्ध देखाइत अछि।

२२८०. (A) **मंदिर, भोग-राग, फूलबाड़ी, अतिथि-सत्कार आ संस्कृत महाविद्यालयक परंपरा** — स्थल भक्ति, शिक्षा, सेवा आ लोक-श्रद्धाक केन्द्र रूपेँ कायम अछि।

२२८१. (A) **राजाक विजय आ मिथिलेशक सुख लेल श्रीकृष्णसँ प्रार्थना** — रामदासजीक भक्तिपद राज-समाजक संकटसँ जुड़ल अछि।

२२८२. (A) **मिथिला-पक्षीय प्रार्थना/आध्यात्मिक हस्तक्षेप पर क्रुद्ध भऽ** — कथा भक्ति आ सत्ता-संघर्षक टकराव देखबैत अछि।

२२८३. (A) **गंगा-स्नान, संध्या-तर्पण, पूजा-पाठ** — चमत्कारक कथामे साधक कारागारक सीमासँ परे देखाइत छथि।

२२८४. (A) **रामदासजीक गंगा-स्नानक क्रम नहि टूटल** — चमत्कार कथा लोकश्रद्धाक आधार बनैत अछि।

**२२८५. (A) आराध्य श्रीकृष्ण कैं** — भक्त संकटमे भगवद्-आश्रय लैत अछि।

**२२८६. (A) बेड़ी आ फाटकक ताला टूटि खसि पड़ल** — कथा भक्तक आर्त पुकार पर दैवी हस्तक्षेपक रूपक अछि।

**२२८७. (A) क्षमा माँगल आ सम्मानसँ मिथिला पहुँचा देलक** — चमत्कार सत्ता कैं नम्र करैत अछि — ई लोककथा-रचना अछि।

**२२८८. (A) प्रेत-बाधा शांत करब, माटिक भीत हाँकब, भंडारमे कमी नहि होएब** — चमत्कार-सूची लोकभक्ति आ श्रद्धाक विस्तार देखबैत अछि।

**२२८९. (A) भजन-कीर्तन** — पद लिखनाइ हुनकर भक्ति-साधना छल, साहित्यिक यश मात्र नहि।

**२२९०. (A) वैरागी वैष्णव भक्त-कवि रूपैं लोकश्रद्धा, चमत्कार आ पदावलीक केन्द्र** — लेख संतक जीवन, कथा, चमत्कार आ काव्यक संयुक्त लोक-स्मृति बनबैत अछि।

**२२९१. (A) सगुण आ निर्गुण दुनू** — पदमे "निर्गुण सगुण पुरुष भगवान" भाव स्पष्ट अछि।

**२२९२. (A) ४७८ टा** — संख्या साहित्यिक परिमाणक संकेत अछि, पृष्ठ-तथ्य नहि।

**२२९३. (A) अक्षुण्ण बनाए रखबाक सामर्थ्य रखैत अछि** — लेख एक उपलब्ध पदावली कैं पर्याप्त महत्त्वपूर्ण मानैत अछि।

**२२९४. (A) कृष्ण-जन्म, वात्सल्य, वंशीवादन, संयोग-श्रृंगार, रासलीला, झुलोत्सव आदि** — पदावली भक्ति-काव्यक बहुविध प्रसंग समेटैत अछि।

**२२९५. (A) मैथिलीमे अत्यन्त विलक्षण; स्वतंत्र विवेचन योग्य** — लेख रामदासजीक रासलीला-पद कैं उच्च काव्य-संभावना मानैत अछि।

**२२९६. (A) कृष्ण-प्रेमक अनन्यता, भक्ति-प्रवणता आ प्रसादगुण** — भाषा आ भाव दुनू सरल भक्ति-संवेदना सँ युक्त अछि।

**२२९७. (A) प्राती, सारंग, ललित, बिहाग आदि** — संगीत-परम्परा पदरचनाक अभिन्न अंग अछि।

**२२९८. (A) कृष्णक अनन्य भक्त होइतहुँ आन देवी-देवता पर पद रचैत छथि** — लेख विविध भक्ति-रूपक सहअस्तित्व देखबैत अछि।

**२२९९. (A) प्रायः सभ कवितामे रागक उल्लेख अछि** — राग-संकेत मैथिली संगीत-परम्परा अध्ययन लेल महत्त्वपूर्ण स्रोत अछि।

**२३००. (A) गाम-घरक बुजुर्ग लोकक ठोर पर बाँचल गीतसभक संकलन आवश्यक अछि** — लेख मौखिक परम्परा लुप्त होए सँ पहिले संकलनक आग्रह करैत अछि।

**२३०१. (A) पशुपतिनाथक देशमे सेहो व्यभिचार सभ भेषमे देखाइत अछि** — कविता धार्मिक-राष्ट्रीय गौरवक पृष्ठभूमिमे नैतिक विडंबना रखैत अछि।

**२३०२. (A) अपन अलग छाप होइतहुँ डरपोक हूलमे शामिल भऽ रहल अछि** — कवि अस्मिता-संकट आ सामूहिक भयक आलोचना करैत छथि।

**२३०३. (A) अधिकारहीनता आ भविष्यक आशा पर टिकि रहल जीवन** — कविता वर्तमान वंचना आ काल्हिक आशाक तनाव रचैत अछि।

**२३०४. (A) देशकैं विदेशी पाशमे जकड़ैत अछि** — राजनीतिक भ्रष्टाचार कैं राष्ट्रीय निर्भरता आ दास्यक कारण मानल गेल अछि।

**२३०५. (A) मिथिलाक दुर्दशा अपन आँखि आगाँ देखैत छथि** — कविता वरदान-जकाँ जन्मभूमि आ वास्तविक दुर्दशाक विरोध देखबैत अछि।

**२३०६. (A) सीता-जकाँ विलक्षणा नारी/मिथिला-मर्यादा घरसँ निकालल जा रहल अछि** — सीता-बिम्ब मिथिला अस्मिता, नारी-गरिमा आ सांस्कृतिक विस्थापनक प्रतीक बनैत अछि।

**२३०७. (A) सार्वजनिक संघर्षक बदला निजी सुरक्षित रोषमे सीमित रहब** — कवि निष्क्रिय बहादुरीक आलोचना करैत छथि।

**२३०८. (A) रक्त, हिंसा आ सस्ते दिखावाक भयावह मिलाप** — कविता सौंदर्य-भाषा कैं रक्त-राजनीतिक प्रसंगमे बदलैत अछि।

**२३०९. (A) अस्तित्व-रक्षा लेल सक्रिय संघर्ष आ नव चेतना चाही** — कविता जीवन-रक्षा सँ आगाँ अस्मिता-रक्षा आ संघर्षक आह्वान अछि।

**२३१०. (A) सम्पूर्ण मैथिल समाजमे नव चेतना भरि संघर्ष करबाक आवश्यकता** — अंतिम पंक्तिसभ कविता कैं सामूहिक जागरणक घोषणामे बदलैत अछि।

**२३११. (A) हसनपुर, समस्तीपुरसँ जुड़ल विद्वान आ लेखक** — स्रोत हुनक ग्राम, परिवार, शिक्षा आ साहित्यिक-सांस्कृतिक परिचय दैत अछि।

**२३१२. (A) दुनू देशमे अध्यापन आ शैक्षिक प्रशासन** — नेपालक कॉलेज, महनारक प्रधानाचार्य आ विश्वविद्यालय निरीक्षक रूपैं कार्य उल्लेखित अछि।

**२३१३. (A) मैथिली, नेपाली, अंग्रेजी आ हिन्दी** — हुनक बहुभाषिकता लेखन, अनुवाद आ सांस्कृतिक सेतु बनबैत अछि।

**२३१४. (A) मैथिली साहित्य इतिहासक क्षेत्रमे आरम्भिक/महत्त्वपूर्ण ग्रन्थीय योगदान** — नेपालक मैथिली साहित्य पर हुनक काज क्षेत्रीय इतिहास-लेखनसँ जुड़ल अछि।

**२३१५. (A) पत्रिका-संपादक आ साहित्य-संगठक रूप** — संपादनक कार्य भाषा-साहित्यक संस्थागत विकासमे सहायक अछि।

**२३१६. (A) अनुवादक रूपैं हिन्दी साहित्यकैं मैथिली पाठक धरि आनब** — अनुवाद भाषा-सेतु आ पाठ-संवर्द्धनक कार्य अछि।

**२३१७. (A) साहित्य अकादमी सहित अनेक संस्थासँ परामर्शी/सदस्य रूपैं सम्बन्ध** — स्रोत अनेक राष्ट्रीय-सांस्कृतिक संस्थासँ हुनक जुड़ाव देखबैत अछि।

**२३१८. (A) मैथिली, लोकसंस्कृति, इतिहास आ अनुवाद क्षेत्रक व्यापक मान्यता** — सम्मान-सूची हुनक बहुआयामी साहित्यिक-लोकसंस्कृतिक प्रतिष्ठा दर्शबैत अछि।

**२३१९. (A) लोक-संस्कृति शोधमे हुनक निरंतर रुचि** — मौनजीक लेखन लोकजीवन, इतिहास आ शोध-बोधक दिशामे बढ़ैत अछि।

**२३२०. (A) शोधक, संपादक, अनुवादक, लोकसंस्कृति-चिन्तक आ बहुभाषी साहित्य-पुरुष** — परिचय एक बहुस्तरीय साहित्य-संस्कृतिक कर्मशील व्यक्तित्व सामने आनैत अछि।

**२३२१. (A) हिमालयक पादप्रदेशमे गंगासँ उत्तर, कोशीसँ पश्चिम आ गंडकसँ पूर्व भूभाग** — लेख मिथिलाक सांस्कृतिक भूगोल नदी-सीमासँ परिभाषित करैत अछि।

**२३२२. (A) पूर्वाभिमुख आर्य शाखाक नेतृत्व कऽ सदानीरा पार कयलनि** — विदेह-स्थापनाक वैदिक-सांस्कृतिक स्मृति एहि प्रसंगमे अछि।

**२३२३. (A) सदानीरा पार कऽ भूमिक अग्नि-संस्कार आ बसोवास** — अग्नि-संस्कार बस्ती, संस्कृति आ राजनैतिक नामकरणक प्रतीक अछि।

**२३२४. (A) विदेह राष्ट्र/देश आ मिथिला ओकर राजधानीनगर रूपेँ** — प्राचीन बौद्ध-साहित्यक हवाला मिथिला-विदेह सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।

**२३२५. (A) भव्य मिथिलापुरीक सटीक अभिज्ञान एखन धरि सुनिश्चित नहि** — लेख सावधानी बरतैत अछि; परंपरा मानैत, निश्चित स्थल-निर्धारणमे संयम रखैत अछि।

**२३२६. (A) नदीमातृक जनपदक पूर्व-मध्यकालीन ऐतिहासिक परिवेशमे** — तिरहुत मिथिलाक ऐतिहासिक-भौगोलिक नामरूप अछि।

**२३२७. (A) धर्म-दर्शनक गांभीर्य, कला, ज्ञान-विज्ञान, भाषा-साहित्यक परंपरा** — मिथिला केँ बहुविध ज्ञान-संस्कृति क्षेत्र रूपेँ प्रस्तुत कएल गेल अछि।

**२३२८. (A) मिथिलाक पांडित्य, दर्शन आ ज्ञान-परंपरा देखाबय लेल** — विभूतिसभक नाम सांस्कृतिक वैभवक प्रमाण रूपेँ प्रयुक्त अछि।

**२३२९. (A) मिथिलाक आदर्श नारी-चेतना आ बौद्धिक परम्परा** — लेख स्त्री-विभूतिसभकेँ मिथिला वैभवक अंग मानैत अछि।

**२३३०. (A) मिथिला केँ भूगोल, वैदिक स्मृति, दर्शन आ सांस्कृतिक धरोहरक संयुक्त भूमि रूपेँ देखब** — लेख मिथिला-परिचय केँ बहुस्तरीय ऐतिहासिक-सांस्कृतिक आधार पर रखैत अछि।

**२३३१. (A) गणेश, विष्णु, सूर्य, शिव आ भगवतीक क्षेत्र** — पंचदेवोपासना मिथिलाक धार्मिक बहुलता आ सद्भावक सूचक अछि।

**२३३२. (A) सूर्य सर्वप्राचीन देव आ शिव सर्वप्राचीन ऐतिहासिक देवता कहल गेल** — लेख देव-परम्पराक प्राचीनता अलग-अलग रूपेँ रेखांकित करैत अछि।

**२३३३. (A) सृष्टि, पोषण आ संहार तीनू शक्ति निहित** — भगवती शक्ति-परिकल्पना मिथिलाक मातृपूजनक केन्द्र अछि।

**२३३४. (A) सुख-समृद्धिक लेल** — लोक-आस्था मे लक्ष्मी-गणेश समृद्धि आ मंगलक प्रतीक छथि।

**२३३५. (A) धार्मिक सद्भावक** — एहि परंपरासँ अनेक देवभावना एक सांस्कृतिक क्षेत्रमे सहअस्तित्व रखैत अछि।

**२३३६. (A) सात देवता सभक संयुक्त शक्ति** — मातृका-सिद्धान्त संयुक्त दैवी शक्ति आ दानव-संहारक कल्पना सँ जुड़ल अछि।

**२३३७. (A) देवतासभक स्त्री-शक्ति रूप बताबय लेल** — सूची देव-शक्ति सम्बन्धक पारंपरिक शास्त्रीय रूप प्रस्तुत करैत अछि।

**२३३८. (A) कुषाणकालमे** — लेख धार्मिक अवधारणाकेँ कला-इतिहाससँ जोड़ैत अछि।

**२३३९. (A) भीठभगवानपुर आ गढ़-बरुआरी** — स्थान-उल्लेख मिथिला क्षेत्रमे शक्तिपूजनक मूर्त परंपरा देखबैत अछि।

**२३४०. (A) मिथिलाक तीर्थ, आस्था, शिल्प आ लोक-संस्कृति केँ एक सूत्रमे देखब** — धर्म-सद्भाव, मातृका, तीर्थ आ शिल्प एक सांस्कृतिक मानचित्र रचैत अछि।

**२३४१. (A) अहाँ की छी?** — पूरी कविता एक अस्तित्वात्मक प्रश्नक विस्तार अछि।

**२३४२. (A) निषेधात्मक परिभाषासँ व्यक्ति/समाजक रिक्तता देखबैत छथि** — कविता बार-बार “नहि छी” कहि पहचानक संकट खोलैत अछि।

**२३४३. (A) संतुलनक बाहरी मुद्रा, मुदा अहिंसा-तत्व नहि** — कवि सतही संकेत आ वास्तविक नैतिकता बीच अन्तर देखबैत छथि।

**२३४४. (A) मूल पीड़ाक इलाज नहि, तात्कालिक दमन** — दर्दकेँ दबाउब आ उपचार नहि करब कविता मे तीखा रूपक अछि।

**२३४५. (A) बाह्य विराटता आ भीतर दबी पीड़ा** — हिमालय-जकाँ विशाल सत्ता सेहो क्षुब्ध आ दबले रूपमे देखायल गेल।

**२३४६. (A) आवाज कटि गेल, विशाल पीड़ा मौन बनल** — सिन्धु बड़ अछि, मुदा खण्डित भाषा कारण मौन विलाप करैत अछि।

**२३४७. (A) जहाँसँ अनेक रेखा खिंचि सकैत अछि** — बिन्दु संभावना आ आरम्भक प्रतीक अछि।

**२३४८. (A) संभावनासभ दिशा पाबि अंधकारमे हराएत अछि** — कवि संभावना आ विफलता केँ एकहि रूपकमे बाँधैत छथि।

२३४९. (A) **प्रश्नाकुल, आत्मसंशयी आ तीखा रूपकीय** — कविता प्रत्यक्ष कथनक बदला प्रश्न, रूपक आ नकारसँ बनल अछि।

२३५०. (A) **पहचान, मौन, पीड़ा आ संभावना पर लघु लेकिन गहन विचार** — मायानन्द मिश्र संक्षिप्त पंक्तिसभमे अस्तित्वक जटिल प्रश्न उठबैत छथि।

२३५१. (A) **मिथिला चित्रकला; स्व. लक्ष्मीनाथ झा "खोखा बाबू"** — परिचय हुनका चित्रकला-परंपरा आ शोध-संस्थान दुनू सँ जोड़ैत अछि।

२३५२. (A) **मिथिला शोध संस्थान, दरभंगा मे पांडुलिपि विभागाध्यक्ष आ अध्यापन** — हुनक भूमिका शोध, पांडुलिपि आ संस्कृत-अध्यापनसँ संबंधित अछि।

२३५३. (A) **संस्कृत, मैथिली, हिन्दी, अंग्रेजी, भोजपुरी आ उर्दूमे गद्य-पद्य लेखन** — बहुभाषिक लेखन हुनक विद्वत्ता आ संवाद-क्षेत्रक विस्तार देखबैत अछि।

२३५४. (A) **विद्या-वैभव केर गरिमासँ युक्त सिद्ध भूमि** — कविता विदेह/मिथिला कैं ज्ञानक पावन केन्द्र रूपेँ चित्रित करैत अछि।

२३५५. (A) **अपन वा आनक थातीमे अंतर नहि करब** — ज्ञान-बाँटबाक सार्वजनीन भाव कविताक प्रमुख गुण अछि।

२३५६. (A) **ज्ञानक ज्योति कैं मंद नहि पड़य देब** — विदेह भूमि ज्ञान-दीपक राखरखाव करैत अछि।

२३५७. (A) **मिथिलाक तपस्वी ज्ञान-सूर्य सँ अनेक क्षेत्र प्रकाशित भेल** — कविता ज्ञानक प्रकाशक रूपक सँ मिथिला-वैभव गाबैत अछि।

२३५८. (A) **विचार-विविधता कैं दिव्यभूमिक शक्ति मानल गेल** — मिथिला न्याय-दर्शन आ विमर्श-परंपरा सँ जुड़ल अछि।

२३५९. (A) **तुच्छ फलासक्ति सँ दूर संतुलित ज्ञान-मार्ग** — कविता ज्ञान-आचारमे संयम आ उच्च ध्येयक भाव राखैत अछि।

२३६०. (A) **मिथिला/विदेहक ज्ञान, उदारता आ पावन परंपराक स्तुति** — कविता सांस्कृतिक गौरवगीत रूपेँ पढ़ल जाएत अछि।

२३६१. (A) **चिन्ताक तप्त दावानलमे मन फँसल अछि** — चिन्ता आगिक रूपमे रचनाक मार्ग रोकैत अछि।

२३६२. (A) **भावनासभ उठैत अछि, मुदा ओकर धार पार करब कठिन अछि** — कविता भाव-उद्रेक आ अभिव्यक्ति-असमर्थता बीच संघर्ष देखबैत अछि।

२३६३. (A) **सृजनक आन्तरिक दबाव आ आत्मग्लानि** — कवि भीतरक रचनात्मक आह्वान अनुभव करैत छथि।

२३६४. (A) **भौतिक वस्तु संग नहि जाएत, ई जीवन-सत्य** — कविता क्षणभंगुरता आ सृजन-लालसा कैं जोड़ैत अछि।

२३६५. (A) **टूटल-संवेदनशील साधनसँ सेहो दू आखर गाबयक आकांक्षा** — कवि टूटनक बीचो रचना चाहैत छथि।

२३६६. (A) **समझौता नेपालक "भोर"** — लेख "भोर" एल्बम आ निर्देशकक साक्षात्कारसँ प्रेरित अछि।

२३६७. (A) **गीत-संगीतसँ मिथिलावासी, मधेशी, आदिवासी थारु आ देशवासीमे जागरण-सद्भाव बढ़य** — लेख संगीत कैं सामाजिक जागरण आ सद्भावक माध्यम मानैत अछि।

२३६८. (A) **कोनो गीत बीस नहि, सभटा एकैस; एकसँ बढ़ि कऽ एक** — लेखक उत्साहपूर्वक गीतसभक सामूहिक श्रेष्ठता मानैत छथि।

२३६९. (A) **शिक्षा प्रति जागरूकता, ज्ञान प्रकाश आ अज्ञान अन्धकार** — गीत शिक्षा कैं संकट समाधानक साधन मानैत अछि।

२३७०. (A) **बेटा-बेटीमे भेदभाव नहि होएबाक चाही** — लेख कन्या-समानता आ सन्तान-समानता पर बल देत अछि।

२३७१. (A) **सद्भावना, सहिष्णुता आ साम्प्रदायिक मेलक** — हिन्दू-इस्लामिक परम्परा संग-संग चलबाक बिम्ब प्रस्तुत अछि।

२३७२. (A) **मिथिलाक पावन माटिमे परस्पर धर्म-सम्मान** — गीत धार्मिक सहअस्तित्वक जीवंत उदाहरण रूपेँ पढ़ल गेल।

२३७३. (A) **सकारात्मक सोच, धैर्य आ निराश नहि होएबाक आग्रह** — लेख गीत कैं आशा-प्रेरणा आ वृद्ध माता-पिता प्रति संवेदना सँ जोड़ैत अछि।

२३७४. (A) **सकारात्मकताक स्रोत** — संध्या कैं अंत नहि, भोर-प्रीति कथा रूपेँ देखल गेल।

२३७५. (A) **सन्तान दोषी होइतहुँ ममता आ आशा बनल रहैत अछि** — "हमर बेटा रामसन" भाव असीम पितृ-मातृ ममता देखबैत अछि।

२३७६. (A) **प्रेम, स्नेह, माया-ममता सँ संसार सुन्दर अछि** — लेख प्रेम-स्नेहक आदान-प्रदान कैं जीवन-सौन्दर्यक आधार मानैत अछि।

२३७७. (A) **प्रेमपूर्ण दृष्टि आ मधुर वचनक** — इंद्रिय-क्रिया सेहो प्रेम-संस्कारित हो सकैत अछि।

२३७८. (A) **प्रेम चेतना जागि पड़ए तखने** — दिवाली बाहरी दीप नहि, चेतना-प्रेमक जागरण बनैत अछि।

२३७९. (A) **नैराश्य-डर सँ मुक्त संघर्षशील आशा** — गीतक भाव विनाश रोकि इतिहास ठोकबाक प्रेरणा दैत अछि।

२३८०. (A) **शिक्षा, समता, सद्भाव, आशा आ प्रेमक सामाजिक संगीत** — लेख एल्बम कैं सांस्कृतिक-सामाजिक जागरणक बहु-स्वरीय मंच बनबैत अछि।

२३८१. (A) **धीरेन्द्र प्रेमर्षि ओकरा परिमार्जित आ संपादित कएलनि** — लेखक अपन गीतक सुन्दर रूप लेल संपादकीय-संगीतात्मक सहयोग मानैत छथि।

२३८२. (A) **हार्दिक धन्यवाद** — सहयोगक सार्वजनिक स्वीकार लेखकक विनम्रता देखबैत अछि।

२३८३. (A) **संगीत बार-बार सुनबाक इच्छा जगबैत अछि** — लेख संगीतक श्रवणीयता आ आकर्षणक प्रशंसा करैत अछि।

**२३८४. (A) आगामी दिनमे एहोसँ निक संगीत देथि** — लेख भविष्यक रचनात्मक निरंतरता चाहैत अछि।

**२३८५. (A) रूपा झा कैं** — गीतकार-संगीतकार-गायक-गायिका संयोजन लेल रूपा झा प्रशंसित छथि।

**२३८६. (A) सुन्दर आ हृदयस्पर्शी** — लेख सामूहिक श्रमक सौन्दर्य आ संवेदनशीलता रेखांकित करैत अछि।

**२३८७. (A) गीतकार, संगीतकार, गायक-गायिका, संयोजक आ समझौता नेपालक निर्देशक** — लेख सामूहिक सृजनक सभ अंगकैं श्रेय दैत अछि।

**२३८८. (A) सामूहिक सांस्कृतिक परियोजना** — गीत-एल्बमक निर्माण अनेक कलाकार आ संयोजकक सहयोगसँ भेल।

**२३८९. (A) उत्साही, कृतज्ञ आ मूल्य-केन्द्रित** — लेख प्रशंसा करैतहुँ गीतसभक सामाजिक संदेश अलग-अलग पढ़ैत अछि।

**२३९०. (A) नव चेतना, आशा, सद्भाव आ सांस्कृतिक उजास** — गीत-एल्बम सामाजिक जागरणक भोर रूपैं समझायल गेल।

**२३९१. (A) प्रवास केवल विदेश/अमेरिका नहि, नारीक विवाहो एक प्रकारक प्रवास अछि** — कविता स्त्रीजीवनक विस्थापन कैं प्रवासक व्यापक अर्थमे रखैत अछि।

**२३९२. (A) बेटीक जन्मसँ जुड़ल पितृसत्तात्मक दृष्टि** — बेटीक अस्तित्व आरम्भे सँ परायापनक सामाजिक धारणा मे बाँधल अछि।

**२३९३. (A) विवाहक माध्यमसँ स्त्रीक अनिवार्य विस्थापन** — कविता विवाहोत्तर गमन कैं जीवन-व्यापी प्रवास रूपैं देखबैत अछि।

**२३९४. (A) क्योंकि जन्मस्थान छोड़ि अनचिन्हार घर जाएब सेहो प्रवास अछि** — प्रवासक भाव भौगोलिक दूरीसँ बेसी सम्बन्ध-विस्थापन अछि।

**२३९५. (A) स्त्रीक विस्थापन-संकट कैं सामान्य मानि उपेक्षित करब** — कविता पाठक कैं सुविधा-जन्य असंवेदनशीलता पर सोचबैत अछि।

**२३९६. (A) बेटी/स्त्रीक स्थायी घर-छोड़ाइ** — जन्मस्थान छोड़ब स्त्रीक सामान्यीकृत दुख रूपैं प्रस्तुत अछि।

**२३९७. (A) अपरिचित घर/व्यक्ति संग जीवन-बंधनक असहजता** — कविता विवाहक अपरिचय आ निर्भरता कैं तीखा बिम्ब दैत अछि।

**२३९८. (A) जन्मघरमे अधिकार घटि अतिथि-जकाँ स्थिति** — प्रवासक कठोरता ई अछि जे वापसी सेहो पूर्ण वापसी नहि।

**२३९९. (A) स्त्रीक इच्छापर सामाजिक बन्धन** — कविता इच्छा आ बन्धनक संघर्षक मार्मिक भाषा बनबैत अछि।

**२४००. (A) स्त्रीक जीवनगत विस्थापन कैं प्रवासक गंभीर अनुभव रूपैं मान्यता देब** — कविता विवाह, जन्मस्थान, पाहुनपन आ इच्छा-बन्धनद्वारा नारी-प्रवास परिभाषित करैत अछि।

**२४०१. (A) पंजी शब्द, पंजीकारक काज आ विवाह-धर्मक आधार बुझाबय लेल** — लेख पंजीप्रथा कैं धर्मशास्त्र, वंश-अभिलेख आ विवाह-नियमसँ जोड़ैत अछि।

**२४०२. (A) पाँच** — पंच शब्द, पाँच अंगुलि, पाँच पत्ता आदि उदाहरण सँ पाँचक अर्थ बुझाओल गेल।

**२४०३. (A) शुभ कार्यमे पंचदेवताक पूजा आ पंजी-प्रथा बीच सांस्कृतिक सम्बन्ध देखाबय लेल** — पाँच संख्या धार्मिक-सामाजिक संरचना मे अर्थवान बनैत अछि।

**२४०४. (A) माइक पक्षक पाँचम आ पिताक पक्षक सातम सगोत्र/सपिण्ड अनुचित विवाह** — लेख विवाह निषेधक शास्त्रीय नियमक व्याख्या करैत अछि।

**२४०५. (A) दुनू पक्षक वंशक पूर्ण सपिण्ड अभिलेख** — पंजी विवाह-अधिकार जाँचबाक अभिलेखीय साधन अछि।

**२४०६. (A) जे लिखि प्रमाणित करथि जे वर-कन्या सपिण्ड-अभ्यनात नहि छथि** — पंजीकार विवाहयोग्यता निर्णयमे अभिलेख-ज्ञानी धर्मशास्त्री/रजिस्ट्रार-जकाँ भूमिका निभबैत छथि।

**२४०७. (A) हरिसिंह देवक समयसँ** — लेख उत्पत्ति-कथा हरिसिंह देवक आदेशसँ जोड़ैत अछि।

**२४०८. (A) विवाहक शुद्धता आ भविष्यक विवाद रोकबाक लेल** — वंश-पक्षक स्पष्ट अभिलेख विवाह-धर्मक केन्द्र अछि।

**२४०९. (A) पूर्ण पता आ अभिलेख राखि भविष्यक विवाद रोकब** — लेख पंजी कैं व्यापक अभिलेख-परंपरा सँ जोड़ैत अछि।

**२४१०. (A) वंश, धर्म, विवाह-अधिकार आ सामाजिक स्मृतिक विश्वसनीय अभिलेख** — लेख पंजी कैं मैथिल समाजक दीर्घकालिक वैवाहिक-सांस्कृतिक सुरक्षा मानैत अछि।

**२४११. (A) चांडाल संग सम्बन्धक** — झूठ आरोप पवित्रता, साक्ष्य आ न्याय-संशोधनक प्रसंग बनबैत अछि।

**२४१२. (A) गलत प्रायश्चित्त सुधारि सही वाक्य लिखलनि** — ठकुराइन न्यायिक-शास्त्रीय बुद्धि आ स्त्री-विद्वत्ता रूपैं सामने अबैत छथि।

**२४१३. (A) ब्राह्मणी नहि पकलीह, आरोपक सत्यता खंडित भेल** — कथा सत्य-असत्यक शास्त्रीय परीक्षणक नाटकीय रूप अछि।

**२४१४. (A) उक्त स्त्रीक पति चांडाल कोना?** — राजकीय प्रश्न विवाह-शास्त्रक त्रुटि अन्वेषण करैत अछि।

**२४१५. (A) हुनकर विवाह अनधिकृत कन्यासँ भेल छल** — कथा विवाह-अधिकार जाँचक आवश्यकता सिद्ध करैत अछि।

**२४१६. (A) मैथिल ब्राह्मण लोकनिक विवाह-पंजी** — उत्पत्ति-कथा पंजीप्रथा कैँ सामाजिक-सुधारक परिणाम रूपेँ राखैत अछि।

**२४१७. (A) गामक पहचान आ मूल-परम्परा सुरक्षित रहय** — एक गोत्रमे अनेक मूल होइत अछि; मूल वंश-स्थानक परिचय दैत अछि।

**२४१८. (A) एहिसँ पंजी-विद्या लुप्त आ विवाह-शुद्धता संकटमे पड़ि सकैत अछि** — लेख जीवित परंपरा आ पंजीकारक आर्थिक-सांस्कृतिक आधारक चिन्ता करैत अछि।

**२४१९. (A) न्यायालयमे वंश-अभिलेख निर्णायक प्रमाण बनि सकैत अछि** — पंजी केवल विवाह नहि, उत्तराधिकार आ संपत्ति-विवादमे सेहो प्रमाण अछि।

**२४२०. (A) लोभ छोड़ि अनधिकृत निर्णयसँ बचबाक नैतिकता** — पंजीकार सत्य-अधिकारक पक्षमे चुपचाप हटि जाइत छथि, ई नैतिक धैर्यक उदाहरण अछि।

**२४२१. (A) महापुरुष-जकाँ तेजस्वी, आदरणीय आगमन** — आगन्तुकक देह-वर्णन आ घरक उल्लास श्रद्धाभाव रचैत अछि।

**२४२२. (A) पएर धोअब, जल छिड़कब, आसन देब, प्रणाम करब** — संस्मरणमे पंजीकारक सामाजिक-धार्मिक प्रतिष्ठा स्पष्ट अछि।

**२४२३. (A) पंजी-ज्ञानसँ कुल-जाती आ वंश-पहिचान सुरक्षित रहैत अछि** — पंजीकार समाजक वंश-स्मृति आ विवाह-शुद्धता रक्षैत छथि।

**२४२४. (A) वंशक नवजन्म-विवरण लिखबैत छल** — पंजीकार जीवित अभिलेख अद्यतन करैत रहलाह।

**२४२५. (A) दूर-दूर भूभागमे वंश-पहिचान संकलन, सुरक्षा आ समय पर प्रस्तुत करब कठिन छल** — यातायात-अभाव आ विस्तृत समाज पंजीकार्य कैँ कठिन बनबैत अछि।

**२४२६. (A) विद्या-अभिलेख आ कर्मठ श्रम दुनू** — कलम पंजी-विद्या, खुरपी भूमि/फुलवारीक श्रमक प्रतीक अछि।

**२४२७. (A) पूरा परिदृश्य बदलि गेल आ क्षेत्र फेर उजड़ि गेल** — तटबंध टूटबाक बाद कोसी क्षेत्रक जीवन-व्यवस्था ध्वस्त भेल।

**२४२८. (A) खेतीक घाव भरबाक समय अनिश्चित, मनीऑर्डर पर आश्रय बढ़ल** — बाढ़ खेती, घर-घरारी आ प्रवासक मजबूरी सभ पर चोट करैत अछि।

**२४२९. (A) घर-गृहस्थी पटरी पर आनय लेल मनीऑर्डर कमेबाक आशा** — लेख प्रवास कैँ आपदा-जन्य आजीविका-रणनीति रूपेँ देखैत अछि।

**२४३०. (A) खानापूर्ति; पीड़ितक असल चिन्ता घर बसाबय आ भविष्य बचाबयक अछि** — लेख आपदा-राजनीति पर संशय आ लोकजीवनक वास्तविक चिन्ता कैँ अलग करैत अछि।

**२४३१. (A) चौवन वर्ष सँ प्रतिवर्ष आयोजित त्रिदिवसीय सांस्कृतिक उत्सव** — लेख आयोजनक दीर्घ परम्परा आ सांस्कृतिक महत्त्व मानैत अछि।

**२४३२. (A) तीन दिनक कार्यक्रम एक दिनक होएबाक सूचना आ स्वरूप-संकुचन** — लेख संसाधन बढ़लाक बावजूद सांस्कृतिक स्वरूप छोट होएब पर चिन्तित अछि।

**२४३३. (A) समारोहक स्थल-परिवर्तन आ गौरव-संकुचनक इतिहास** — स्थल बदलाव आयोजनक प्रतिष्ठा-संकट पर टिप्पणी बनैत अछि।

**२४३४. (A) अन्य बाढ़-प्रभावित क्षेत्रक बावजूद पूर्वमे आयोजन घटाओल नहि गेल छल** — लेख आयोजकक चयनात्मक संवेदना पर प्रश्न करैत अछि।

**२४३५. (A) समारोह माध्यमसँ बाढ़ पीड़ितक मदद लेल सहयोग जुटबैत** — रचनात्मक सांस्कृतिक हस्तक्षेपक सम्भावना लेखमे उठाओल गेल अछि।

**२४३६. (A) कामक चेतना घटि, व्यक्तिगत श्रेय आ औपचारिकता बढ़ि गेल** — लेख संस्था-व्यवहार पर तीखा सांस्कृतिक आलोचन करैत अछि।

**२४३७. (A) संस्थाक स्तरसँ दर्शक जोड़बाक प्रयासक अभाव** — आयोजन जन-संपर्क आ सांस्कृतिक ऊर्जा बिना कमजोर होइत अछि।

**२४३८. (A) राजधानीक मिथिलावासी विकल्प खोजि रहल छथि** — मुख्य आयोजनक संकट वैकल्पिक स्थानीय आयोजनक उदय सँ स्पष्ट अछि।

**२४३९. (A) जीवित सांस्कृतिक परंपरा समाप्त स्मृति बनि सकैत अछि** — लेख आयोजनक निरंतरता बचाबयक चेतावनी अछि।

**२४४०. (A) पुरान गौरव पुनर्स्थापित करब, आयोजनकेँ औपचारिकता नहि बनय देब** — लेख आलोचना करैतहुँ सुधारक अपेक्षा सँ समाप्त होइत अछि।

**२४४१. (A) ठंढा दूधमे** — ठंढा दूधमे घोरलासँ मिश्रण नीक बनैत अछि।

**२४४२. (A) मिश्रण पेनीमे नहि बैसय** — पाक-विधि व्यावहारिक सावधानी सिखबैत अछि।

**२४४३. (A) साफ कऽ धोएब आ कनी तेलमे भाप दैब** — सागक नमी आ स्वाद सँ परोठाक भरावन बनैत अछि।

**२४४४. (A) काँच मेथी पात महीन काटि प्याज आदि मिलाकऽ आटा सानब** — विधि पाकक लचीलापन आ घरक प्रयोगशीलता देखबैत अछि।

**२४४५. (A) पानी निकलि जाय लेल** — पानी निकलला पर फ्राइ आ मसाला मिश्रण नीक होइत अछि।

**२४४६. (A) मसालेदार तरकारीमे गाढ़ापन आ रसदार स्वाद** — विधि पारंपरिक मसाला संग आधुनिक सॉस-मलाई जोड़ैत अछि।

**२४४७. (A) गरम पानीमे फुला देब** — केसर रंग-सुगन्ध छोड़य लेल गरम पानीमे फुलाओल जाइत अछि।

**२४४८. (A) दू कप चाउर लेल चार कप पानी** — अनुपात पाक-विधिक व्यवहारिक आधार अछि।

**२४४९. (A) मूर मिश्रण आटामे सानब वा भरावन रूपेँ भरब** — नीलिमा एकहि व्यंजनक वैकल्पिक घरेलू रूप देखबैत छथि।

**२४५०. (A) घर-भानसक अनुभव, स्थानीय सामग्री आ व्यवहारिक गृह-ज्ञानक लेखा** — भानस-भात स्तम्भ लोकजीवनक घरेलू ज्ञान केँ साहित्यिक पन्नामे स्थान दैत अछि।

**२४५१. (A) जखन ओ सम्पूर्ण साहित्य-परम्परा केँ प्रभावित करैत अछि** — लेख महान साहित्यकार केँ युग-निर्माणकारी घटना मानैत अछि।

**२४५२. (A) अतुलनीय प्रतिभा आ सर्वश्रेष्ठ कवि रूपेँ** — लेख विद्यापति केँ मैथिली गौरवक केन्द्र मानैत अछि।

**२४५३. (A) आधुनिक भारतीय भाषाक प्रथम कवि** — भाषा-काव्य रचनाक साहस विद्यापतिक महत्त्वक आधार मानल गेल।

**२४५४. (A) भक्ति-भावना द्वारा मातृभाषा समृद्ध करबाक परंपरा** — शंकरदेव, चण्डीदास, कबीर, तुलसी, मीरा आदि उदाहरणेँ भाषाभक्ति देखायल अछि।

**२४५५. (A) शेक्सपियर, भानुभक्त, रवीन्द्र आ भारतेन्दु युगसँ** — तुलना विद्यापतिक साहित्यिक-युगनिर्माणक वैश्विक/भारतीय महत्त्व बतबैत अछि।

**२४५६. (A) भक्ति, श्रृंगार, मौलिक सांगीतिक लय आ वैश्यिष्ट्यक प्रस्फुटन** — लेख विद्यापतिक पदावली केँ जनस्वर आ सांस्कृतिक पहचानक माध्यम मानैत अछि।

**२४५७. (A) मैथिल समाजक पुनर्संरचना आ भाषा-साहित्यक श्रीवृद्धि लेल प्रयास कयलनि** — लेख विद्यापति केँ समाज-संरचना आ साहित्य-विकास दुनू मे सक्रिय देखैत अछि।

**२४५८. (A) मैथिल संस्कृतिक मौलिकता बचाबयमे सहायक** — लेख ऐतिहासिक संकटमे विद्यापतिक आगमन केँ वरदान मानैत अछि।

**२४५९. (A) पलायन करैत युवासभकेँ समाज-निर्माणक मूलधारामे जोड़बाक साधन** — लेख श्रृंगारक भीतर सांस्कृतिक प्रतिरोध आ संगठन देखैत अछि।

**२४६०. (A) सम्पूर्ण मैथिली साहित्य पर अबाध प्रभाव-रेखा** — विद्यापतिक प्रभाव क्षीण करबाक क्षमता एखन धरि ककरो नहि — ई लेखनक निश्चय अछि।

**२४६१. (A) किछु विद्वान १३५० आ किछु १३६० ई. मानैत छथि** — लेख जन्मतिथि पर विद्वानसभक मतांतर सावधानीसँ राखैत अछि।

**२४६२. (A) विद्यापति शिवसिंहसँ दू वर्ष जेठ छलाह** — पुरुषपरीक्षा आधारित चन्दा झाक उल्लेख सँ ई तर्क बनैत अछि।

**२४६३. (A) मधुबनी जिलाक बिस्फी गाम** — लेख विद्वत-परंपरागत जन्मस्थल बिस्फी बतबैत अछि।

**२४६४. (A) गणपति ठाकुर** — जीवन-वृत्तमे पितृनाम स्पष्ट अछि।

**२४६५. (A) गंगादेवी** — लेख मातृनाम सेहो देत अछि।

**२४६६. (A) हरि मिश्रसँ** — प्रारम्भिक शिक्षा पितासँ, औपचारिक शिक्षा हरि मिश्रसँ — ई भेद महत्वपूर्ण अछि।

**२४६७. (A) सहपाठी** — विद्वत्-संगति विद्यापतिक शिक्षण-परिवेशक भाग अछि।

**२४६८. (A) संस्कृत, अवहट्ट आ मैथिली** — तीन भाषामे रचना हुनक बहुभाषिक साहित्यिक सामर्थ्य अछि।

**२४६९. (A) संस्कृत ग्रन्थ, अवहट्ट ग्रन्थ आ मैथिली ग्रन्थ** — लेख ग्रन्थ-वर्गीकरणद्वारा रचनाक क्षेत्र व्यवस्थित करैत अछि।

**२४७०. (A) मैथिली-संस्कृत-अवहट्ट पर समान विद्वत्ता आ साहित्यिक अधिकार** — तीनू भाषा हुनक साहित्यिक कार्यक्षेत्र आ विद्वता विस्तार करैत अछि।

**२४७१. (A) गंगा नदी, गंगा तट आ धार्मिक कर्मकाण्डक महात्म्य** — ग्रन्थ गंगा-स्मरण, कीर्तन आ गंगा तट पर प्राण-विसर्जनक महिमा समेटैत अछि।

**२४७२. (A) दानक विधि-विधान** — दानविधि पर विस्तार सँ चर्चा ग्रन्थक मूल विषय अछि।

**२४७३. (A) वर्ष भरिक पाबनि, व्रत, पूजा, दान आ शुभकार्यक विधान** — वर्षकृत्य वार्षिक धार्मिक-सांस्कृतिक जीवनक नियमन दैत अछि।

**२४७४. (A) दुर्गोत्सव पद्धति आ दुर्गा पूजा विधि** — ग्रन्थ कालिका, देवी, भविष्य, ब्रह्म, मार्कण्डेय आदि पुराण-आधारित पद्धति समेटैत अछि।

**२४७५. (A) भगवान शिवक पूजा-संबंधी विधि-विधान** — ग्रन्थ शैव पूजा पर केन्द्रित अछि आ शम्भुवाक्यावली सेहो कहल जाइत अछि।

**२४७६. (A) गयामे श्राद्ध, पिण्डदान आ पितृऋण मुक्तिक सामान्य जन-सम्बन्धी विधान** — लेख कहैत अछि ई कोनो राजा-रानीक आदेशसँ नहि, सामान्य जनतासँ सम्बद्ध अछि।

**२४७७. (A) मिथिलाक दायभाग आ उत्तराधिकार सम्बन्धी विधान लेल** — ग्रन्थ दानभाग/उत्तराधिकारक संक्षिप्त सुंदर विवेचन अछि।

**२४७८. (A) पत्राचार करबाक विधि आ सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवहार** — चार प्रकारक पत्र आ व्यवहार-नियमक उल्लेख ग्रन्थक विशेषता अछि।

**२४७९. (A) वीर कथा, सुबुद्धि कथा, सुविद्य कथा आ पुरुषार्थ कथा** — पुरुषपरीक्षा शिक्षा-प्रद कथासभक बहु-वर्गीय ग्रन्थ अछि।

**२४८०. (A) राधा-कृष्णक प्रेम-प्रसंग गेय पदमे लोककंठसँ जीवित रहल** — पदावलीक माधुर्य लोकस्मृतिमे रचनासभ बचा कऽ राखलक।

**२४८१. (A) शान्ति आ दाहक विरोधाभासी दृश्य** — चाँदनी-नीमक शीतलता आ आगि मिलि सूक्ष्म तनाव बनबैत अछि।

**२४८२. (A) प्रथम स्पर्शक तीव्र शारीरिक-संवेदन** — छोट संरचनामे स्पर्शक ताप आ नाजुकता अभिव्यक्त अछि।

**२४८३. (A) मशीन युगमे श्रमिकक अवमूल्यन** — हाइकू छोट आकारमे आधुनिक श्रम-विस्थापनक कटुता कहैत अछि।

**२४८४. (A) मृत्यु-स्मरणसँ जीवनक मूल्य सीखबाक विडंबनात्मक आग्रह** — हाइकू मृत्यु आ जीवनक उलट सम्बंध उजागर करैत अछि।

**२४८५. (A) विवाहमे आडंबर आ विलासपूर्ण प्रदर्शनक आर्थिक बोझ** — लेख कन्यापक्ष पर भव्य सत्कार-दबावक आलोचना करैत अछि।

**२४८६. (A) शिक्षा-स्वास्थ्य लाभ मानैत छथि, मुदा अपव्ययक दुष्परिणाम देखैत छथि** — लेख आधुनिकता कैं एकरेखीय नहि, लाभ-दोष सहित देखैत अछि।

**२४८७. (A) दू परिवारक आपसी स्नेह, सम्बन्ध, निष्ठा आ विश्वास** — लेख आडंबरक बदला मानवीय सम्बन्धक गरिमा पर बल दैत अछि।

**२४८८. (A) दुख** — गरीब कन्यापक्षक व्यथा संवेदनशीलता जगबैत अछि।

**२४८९. (A) रूख-सूख जे भेटए, स्वीकार करू आ हमर लाज राखू** — उद्धृत पंक्तिसभ गरीबी, लाचारी आ सम्मानक पुकार अछि।

**२४९०. (A) आडंबरक समूल नाश कऽ मिथिलाक गरिमा बढ़ाबी** — लेख सामाजिक सुधारक स्पष्ट आह्वान करैत समाप्त होइत अछि।

**२४९१. (A) वैशाख मासक शुक्ल पक्षक नवमी** — लेख तिथि स्पष्ट कऽ सीताजी पूजा आ व्रतसँ जोड़ैत अछि।

**२४९२. (A) व्रत राखि सीताजीक पूजा-अर्चना करैत छथि** — व्रत आ पूजा एहि पाबनिक मुख्य अनुष्ठान अछि।

**२४९३. (A) लक्ष्मीजीक अवतार** — एहि मान्यता सँ सुख-सम्पत्ति प्राप्तिक व्रत-भाव जुड़ैत अछि।

**२४९४. (A) सुख आ सम्पत्तिक प्राप्ति** — लोक-आस्था अनुसार व्रत गृह-मंगल आ समृद्धि सँ जुड़ल अछि।

**२४९५. (A) मिथिलामे सीताक अवतरण/जनकक पुत्री रूपक पौराणिक स्मृति** — जानकी-नवमी कथा सीता-जन्म आ मिथिला-परंपरा सँ अभिन्न अछि।

**२४९६. (A) विवाह-संस्कार आलोचना सँ सीता-मंगल आ नारी-गरिमाक पाबनि धरि क्रम बनैत अछि** — सदेहक अनुक्रम समाज-सुधार आ लोक-आस्था दुनू कैं साथ रखैत अछि।

**२४९७. (A) मातृशक्ति, पवित्रता, त्याग आ मिथिला-गौरव** — जानकी-महिमा मिथिला-परिचयक मूल प्रतीकसभमे एक अछि।

**२४९८. (A) गृहस्थ-जीवन, देवी-आस्था आ स्त्री-मंगलक समन्वय** — लोकपाबनि घर, देवी, समृद्धि आ स्मृति कैं जोड़ैत अछि।

**२४९९. (A) वैशाख शुक्ल नवमीक जानकी-व्रत आ सीताजी पूजा** — यांत्रिक तारीखसँ बेसी सांस्कृतिक तिथि, व्रत आ पूजा अर्थवान अछि।

**२५००. (A) मिथिलाक नारी-आस्था, जानकी-परम्परा आ लोकमंगलक स्मरण** — जानकी-नवमी मिथिला अस्मिताक आध्यात्मिक-सांस्कृतिक केन्द्र रूपैं उभरैत अछि।